

विदेह VIDEHA

UPSC मैथिली (वैकल्पिक)

UPSC Maithili Optional

विदेह ई-लर्निङ्ग प्रश्नोत्तरी शृंखला · Videha eLearning Quiz Book Series

खण्ड ३ / १६ · Volume 3 of 16

सम्पादक / लेखक: गजेन्द्र ठाकुर

VIDEHA — प्रथम मैथिली पाक्षिक ई-पत्रिका | ISSN 2229-547X | www.videha.co.in

विदेह ई-लर्निङ्ग: <https://www.videha.co.in/videha-elearning.htm>

© Gajendra Thakur, Editor — Videha eJournal [Beta Version; suggestions invited]

विषय-सूची / Contents

१. मैथिली समाचार-पत्र आ पत्रिकाक विकास — विदेह क्विज	१००० प्रश्न

२. मैथिली लोक साहित्य क्विज — विदेह	१००० प्रश्न

~~प्रत्येक अध्यायक प्रश्न-खण्डक बाद ओहि अध्यायक उत्तरमाला (उत्तर ओ व्याख्या) देल गेल अछि।~~

In each chapter, the answer key with explanations (उत्तरमाला) follows the questions.

अध्याय १ : मैथिली समाचार-पत्र आ पत्रिकाक विकास — विदेह क्विज

१. मैथिली पत्रकारिताक आरम्भ कोन पत्रिकासँ मानल जाइत अछि?

- (A) मैथिल प्रभाकर
- (B) मैथिली कविता
- (C) मैथिल हित साधन
- (D) मिथिला मोद

२. मैथिल हित साधनक प्रकाशन कोन वर्ष शुरू भेल?

- (A) १९०६
- (B) १९२५
- (C) १९०५
- (D) १९०९

३. मैथिल हित साधन कोन नगरसँ प्रकाशित भेल?

- (A) दरभंगा
- (B) अजमेर
- (C) कोलकाता
- (D) जयपुर

४. मैथिल हित साधनक सम्पादनसँ कोन नाम जुड़ल अछि?

- (A) पण्डित मधुसूदन झा
- (B) नचिकेता
- (C) धीरेन्द्र
- (D) चिरंजी लाल झा

५. वाराणसीसँ आरम्भिक मैथिली पत्रिका कोन छल?

- (A) मिथिला मोद
- (B) सोना माटी
- (C) मिथिला वाणी
- (D) मैथिल हित साधन

६. मिथिला मोदक आरम्भ कोन वर्ष मानल जाइत अछि?

- (A) १९२८
- (B) १९०६
- (C) १९०५
- (D) १९०९

७. मिथिला क्षेत्रसँ निकलल प्रमुख आरम्भिक पत्रिका कोन छल?

- (A) मिथिला मिहिर
- (B) मिथिला मोद
- (C) श्रीमैथिली
- (D) पल्लव

८. मिथिला मिहिरक आरम्भिक प्रकाशन-केन्द्र कोन छल?

- (A) मुम्बई
- (B) गाजियाबाद
- (C) जयपुर
- (D) दरभंगा

९. मैथिली पत्रकारिताक आरम्भक एक विशेषता की छल?

- (A) राजदरबारक सरकारी विज्ञप्ति मात्र
- (B) प्रवासी मैथिलक सक्रियता
- (C) केवल व्यापारिक विज्ञापन
- (D) केवल खेल-समाचार

१०. आरम्भिक मैथिली पत्रकारिताक मुख्य चिन्ता कोन छल?

- (A) केवल मौसम
- (B) केवल रेल-टिकट
- (C) केवल शेयर-बाजार
- (D) भाषा, समाज आ संस्कृति

११. इतिहास-सन्दर्भमे बताउ: मैथिली पत्रकारिताक आरम्भ कोन पत्रिकासँ मानल जाइत अछि?

- (A) सेवक
- (B) मिथिला वाणी
- (C) मैथिल हित साधन
- (D) स्वदेश

१२. इतिहास-सन्दर्भमे बताउ: मैथिल हित साधनक प्रकाशन कोन वर्ष शुरू भेल?

- (A) १९०९
- (B) १९२५
- (C) १९०६
- (D) १९०५

१३. इतिहास-सन्दर्भमे बताउ: मैथिल हित साधन कोन नगरसँ प्रकाशित भेल?

- (A) जयपुर
- (B) कोलकाता
- (C) अजमेर
- (D) दरभंगा

१४. इतिहास-सन्दर्भमे बताउ: मैथिल हित साधनक सम्पादनसँ कोन नाम जुड़ल अछि?

- (A) चिरंजी लाल झा
- (B) गौरीनन्दन सिंह
- (C) पण्डित मधुसूदन झा
- (D) नचिकेता

१५. इतिहास-सन्दर्भमे बताउ: वाराणसीसँ आरम्भिक मैथिली पत्रिका कोन छल?

- (A) मिथिला वाणी
- (B) मिथिला मोद
- (C) मिथिला मिहिर
- (D) जनक

१६. इतिहास-सन्दर्भमे बताउ: मिथिला मोदक आरम्भ कोन वर्ष मानल जाइत अछि?

- (A) १९०६
- (B) १९०९
- (C) १९०५
- (D) १९२८

१७. इतिहास-सन्दर्भमे बताउ: मिथिला क्षेत्रसँ निकलल प्रमुख आरम्भिक पत्रिका कोन छल?

- (A) मिथिला मिहिर
- (B) श्रीमैथिली
- (C) विदेह ई-पत्रिका
- (D) स्वदेश

१८. इतिहास-सन्दर्भमे बताउ: मिथिला मिहिरक आरम्भिक प्रकाशन-केन्द्र कोन छल?

- (A) अजमेर
- (B) अलीगढ़
- (C) दरभंगा
- (D) दिल्ली

१९. इतिहास-सन्दर्भमे बताउ: मैथिली पत्रकारिताक आरम्भिक एक विशेषता की छल?

- (A) केवल व्यापारिक विज्ञापन
- (B) प्रवासी मैथिलिक सक्रियता
- (C) केवल खेल-समाचार
- (D) राजदरबारक सरकारी विज्ञप्ति मात्र

२०. इतिहास-सन्दर्भमे बताउ: आरम्भिक मैथिली पत्रकारिताक मुख्य चिन्ता कोन छल?

- (A) भाषा, समाज आ संस्कृति
- (B) केवल शेयर-बाजार
- (C) केवल रेल-टिकट
- (D) केवल मौसम

२१. पत्रकारिता-विकासक दृष्टिसँ सोचू: मैथिली पत्रकारिताक आरम्भ कोन पत्रिकासँ मानल जाइत अछि?

- (A) परिषद पत्रिका
- (B) प्रवासी मैथिली
- (C) विदेह ई-पत्रिका
- (D) मैथिल हित साधन

२२. पत्रकारिता-विकासक दृष्टिसँ सोचू: मैथिल हित साधनक प्रकाशन कोन वर्ष शुरू भेल?

- (A) १९०६
- (B) १९०९
- (C) १९२५
- (D) १९०५

२३. पत्रकारिता-विकासक दृष्टिसँ सोचू: मैथिल हित साधन कोन नगरसँ प्रकाशित भेल?

- (A) अलीगढ़
- (B) जयपुर
- (C) वाराणसी
- (D) मुम्बई

२४. पत्रकारिता-विकासक दृष्टिसँ सोचू: मैथिल हित साधनक सम्पादनसँ कोन नाम जुड़ल अछि?

- (A) सुरेन्द्र झा 'सुमन'
- (B) शुभकान्त झा आ हरिश्चन्द्र मिश्र 'मिथिलेन्दु'
- (C) पण्डित मधुसूदन झा
- (D) नचिकेता

२५. पत्रकारिता-विकासक दृष्टिसँ सोचू: वाराणसीसँ आरम्भिक मैथिली पत्रिका कोन छल?
- (A) मिथिला वाणी
(B) जनक
(C) परिषद पत्रिका
(D) मिथिला मोद
२६. पत्रकारिता-विकासक दृष्टिसँ सोचू: मिथिला मोदक आरम्भ कोन वर्ष मानल जाइत अछि?
- (A) १९२८
(B) १९०६
(C) १९०९
(D) १९०५
२७. पत्रकारिता-विकासक दृष्टिसँ सोचू: मिथिला क्षेत्रसँ निकलल प्रमुख आरम्भिक पत्रिका कोन छल?
- (A) मैथिल प्रभाकर
(B) मिथिला मोद
(C) धीया-पुता
(D) मिथिला मिहिर
२८. पत्रकारिता-विकासक दृष्टिसँ सोचू: मिथिला मिहिरक आरम्भिक प्रकाशन-केन्द्र कोन छल?
- (A) वाराणसी
(B) दरभंगा
(C) अलीगढ़
(D) अजमेर
२९. पत्रकारिता-विकासक दृष्टिसँ सोचू: मैथिली पत्रकारिताक आरम्भिक एक विशेषता की छल?
- (A) प्रवासी मैथिलक सक्रियता
(B) राजदरबारक सरकारी विज्ञप्ति मात्र
(C) केवल खेल-समाचार
(D) केवल व्यापारिक विज्ञापन
३०. पत्रकारिता-विकासक दृष्टिसँ सोचू: आरम्भिक मैथिली पत्रकारिताक मुख्य चिन्ता कोन छल?
- (A) केवल शेयर-बाजार
(B) केवल रेल-टिकट
(C) भाषा, समाज आ संस्कृति
(D) केवल मौसम
३१. प्रारम्भिक कालक तथ्य चिन्हू: मैथिली पत्रकारिताक आरम्भ कोन पत्रिकासँ मानल जाइत अछि?
- (A) सेवक
(B) जनक
(C) मिथिला मिहिर
(D) मैथिल हित साधन
३२. प्रारम्भिक कालक तथ्य चिन्हू: मैथिल हित साधनक प्रकाशन कोन वर्ष शुरू भेल?
- (A) १९२५
(B) १९०९
(C) १९०६
(D) १९०५

३३. प्रारम्भिक कालक तथ्य चिन्हू: मैथिल हित साधन कोन नगरसँ प्रकाशित भेल?

- (A) कोलकाता
- (B) वाराणसी
- (C) जयपुर
- (D) दरभंगा

३४. प्रारम्भिक कालक तथ्य चिन्हू: मैथिल हित साधनक सम्पादनसँ कोन नाम जुड़ल अछि?

- (A) पण्डित मधुसूदन झा
- (B) गौरीनन्दन सिंह
- (C) रामनाथ मिश्र 'मिहिर'
- (D) शुभकान्त झा आ हरिश्चन्द्र मिश्र 'मिथिलेन्दु'

३५. प्रारम्भिक कालक तथ्य चिन्हू: वाराणसीसँ आरम्भिक मैथिली पत्रिका कोन छल?

- (A) सेवक
- (B) मिथिला वाणी
- (C) मिथिला मोद
- (D) विदेह ई-पत्रिका

३६. प्रारम्भिक कालक तथ्य चिन्हू: मिथिला मोदक आरम्भ कोन वर्ष मानल जाइत अछि?

- (A) १९०६
- (B) १९०९
- (C) १९०५
- (D) १९२८

३७. प्रारम्भिक कालक तथ्य चिन्हू: मिथिला क्षेत्रसँ निकलल प्रमुख आरम्भिक पत्रिका कोन छल?

- (A) मैथिली परिजात
- (B) मिथिला मोद
- (C) सोना माटी
- (D) मिथिला मिहिर

३८. प्रारम्भिक कालक तथ्य चिन्हू: मिथिला मिहिरक आरम्भिक प्रकाशन-केन्द्र कोन छल?

- (A) वाराणसी
- (B) मुम्बई
- (C) दरभंगा
- (D) पटना

३९. प्रारम्भिक कालक तथ्य चिन्हू: मैथिली पत्रकारिताक आरम्भिक एक विशेषता की छल?

- (A) केवल खेल-समाचार
- (B) प्रवासी मैथिलक सक्रियता
- (C) राजदरबारक सरकारी विज्ञप्ति मात्र
- (D) केवल व्यापारिक विज्ञापन

४०. प्रारम्भिक कालक तथ्य चिन्हू: आरम्भिक मैथिली पत्रकारिताक मुख्य चिन्ता कोन छल?

- (A) केवल मौसम
- (B) केवल रेल-टिकट
- (C) केवल शेयर-बाजार
- (D) भाषा, समाज आ संस्कृति

४१. निम्नमे सही उत्तर चुनू: मैथिली पत्रकारिताक आरम्भ कोन पत्रिकासँ मानल जाइत अछि?

- (A) सोना माटी
- (B) मिथिला वाणी
- (C) मैथिल हित साधन
- (D) श्रीमैथिली

४२. निम्नमे सही उत्तर चुनू: मैथिल हित साधनक प्रकाशन कोन वर्ष शुरू भेल?

- (A) १९०९
- (B) १९२५
- (C) १९०५
- (D) १९०६

४३. निम्नमे सही उत्तर चुनू: मैथिल हित साधन कोन नगरसँ प्रकाशित भेल?

- (A) जयपुर
- (B) कोलकाता
- (C) दिल्ली
- (D) वाराणसी

४४. निम्नमे सही उत्तर चुनू: मैथिल हित साधनक सम्पादनसँ कोन नाम जुड़ल अछि?

- (A) नचिकेता
- (B) रामनाथ मिश्र 'मिहिर'
- (C) पण्डित मधुसूदन झा
- (D) धीरेन्द्र

४५. निम्नमे सही उत्तर चुनू: वाराणसीसँ आरम्भिक मैथिली पत्रिका कोन छल?

- (A) धीया-पुता
- (B) पल्लव
- (C) मैथिल हित साधन
- (D) मिथिला मोद

४६. निम्नमे सही उत्तर चुनू: मिथिला मोदक आरम्भ कोन वर्ष मानल जाइत अछि?

- (A) १९०९
- (B) १९२८
- (C) १९०६
- (D) १९०५

४७. निम्नमे सही उत्तर चुनू: मिथिला क्षेत्रसँ निकलल प्रमुख आरम्भिक पत्रिका कोन छल?

- (A) जनक
- (B) धीया-पुता
- (C) मिथिला मोद
- (D) मिथिला मिहिर

४८. निम्नमे सही उत्तर चुनू: मिथिला मिहिरक आरम्भिक प्रकाशन-केन्द्र कोन छल?

- (A) गाजियाबाद
- (B) दरभंगा
- (C) वाराणसी
- (D) दिल्ली

४९. निम्नमे सही उत्तर चुनू: मैथिली पत्रकारिताक आरम्भक एक विशेषता की छल?
- (A) केवल व्यापारिक विज्ञापन
(B) प्रवासी मैथिलक सक्रियता
(C) केवल खेल-समाचार
(D) राजदरबारक सरकारी विज्ञप्ति मात्र
५०. निम्नमे सही उत्तर चुनू: आरम्भिक मैथिली पत्रकारिताक मुख्य चिन्ता कोन छल?
- (A) केवल मौसम
(B) भाषा, समाज आ संस्कृति
(C) केवल रेल-टिकट
(D) केवल शेयर-बाजार
५१. इतिहास-सन्दर्भमे बताउ: मैथिली पत्रकारिताक आरम्भ कोन पत्रिकासँ मानल जाइत अछि?
- (A) सेवक
(B) धीया-पुता
(C) जनक
(D) मैथिल हित साधन
५२. इतिहास-सन्दर्भमे बताउ: मैथिल हित साधनक प्रकाशन कोन वर्ष शुरू भेल?
- (A) १९०५
(B) १९०९
(C) १९०६
(D) १९२५
५३. इतिहास-सन्दर्भमे बताउ: मैथिल हित साधन कोन नगरसँ प्रकाशित भेल?
- (A) जयपुर
(B) पटना
(C) वाराणसी
(D) अलीगढ़
५४. इतिहास-सन्दर्भमे बताउ: मैथिल हित साधनक सम्पादनसँ कोन नाम जुड़ल अछि?
- (A) भोलानाथ मिश्र
(B) पण्डित मधुसूदन झा
(C) नचिकेता
(D) रामनाथ मिश्र 'मिहिर'
५५. इतिहास-सन्दर्भमे बताउ: वाराणसीसँ आरम्भिक मैथिली पत्रिका कोन छल?
- (A) सोना माटी
(B) धीया-पुता
(C) मैथिली परिजात
(D) मिथिला मोद
५६. इतिहास-सन्दर्भमे बताउ: मिथिला मोदक आरम्भ कोन वर्ष मानल जाइत अछि?
- (A) १९०९
(B) १९०६
(C) १९०५
(D) १९२८

५७. इतिहास-सन्दर्भमे बताउ: मिथिला क्षेत्रसँ निकलल प्रमुख आरम्भिक पत्रिका कोन छल?

- (A) मिथिला मिहिर
- (B) मैथिली परिजात
- (C) विदेह ई-पत्रिका
- (D) मैथिल प्रभाकर

५८. इतिहास-सन्दर्भमे बताउ: मिथिला मिहिरक आरम्भिक प्रकाशन-केन्द्र कोन छल?

- (A) जयपुर
- (B) दरभंगा
- (C) गाजियाबाद
- (D) मुम्बई

५९. इतिहास-सन्दर्भमे बताउ: मैथिली पत्रकारिताक आरम्भिक एक विशेषता की छल?

- (A) केवल खेल-समाचार
- (B) राजदरबारक सरकारी विज्ञप्ति मात्र
- (C) प्रवासी मैथिलक सक्रियता
- (D) केवल व्यापारिक विज्ञापन

६०. इतिहास-सन्दर्भमे बताउ: आरम्भिक मैथिली पत्रकारिताक मुख्य चिन्ता कोन छल?

- (A) केवल रेल-टिकट
- (B) केवल शेयर-बाजार
- (C) केवल मौसम
- (D) भाषा, समाज आ संस्कृति

६१. पत्रकारिता-विकासक दृष्टिसँ सोचू: मैथिली पत्रकारिताक आरम्भ कोन पत्रिकासँ मानल जाइत अछि?

- (A) प्रवासी मैथिली
- (B) मैथिल हित साधन
- (C) जनक
- (D) मिथिला मिहिर

६२. पत्रकारिता-विकासक दृष्टिसँ सोचू: मैथिल हित साधनक प्रकाशन कोन वर्ष शुरू भेल?

- (A) १९०९
- (B) १९२५
- (C) १९०६
- (D) १९०५

६३. पत्रकारिता-विकासक दृष्टिसँ सोचू: मैथिल हित साधन कोन नगरसँ प्रकाशित भेल?

- (A) कोलकाता
- (B) जयपुर
- (C) दरभंगा
- (D) अलीगढ़

६४. पत्रकारिता-विकासक दृष्टिसँ सोचू: मैथिल हित साधनक सम्पादनसँ कोन नाम जुड़ल अछि?

- (A) गौरीनन्दन सिंह
- (B) भोलानाथ मिश्र
- (C) पण्डित मधुसूदन झा
- (D) योगेन्द्र झा

६५. पत्रकारिता-विकासक दृष्टिसँ सोचू: वाराणसीसँ आरम्भिक मैथिली पत्रिका कोन छल?

- (A) मिथिला वाणी
- (B) मिथिला मोद
- (C) पल्लव
- (D) मैथिली परिजात

६६. पत्रकारिता-विकासक दृष्टिसँ सोचू: मिथिला मोदक आरम्भ कोन वर्ष मानल जाइत अछि?

- (A) १९०५
- (B) १९०९
- (C) १९२८
- (D) १९०६

६७. पत्रकारिता-विकासक दृष्टिसँ सोचू: मिथिला क्षेत्रसँ निकलल प्रमुख आरम्भिक पत्रिका कोन छल?

- (A) सेवक
- (B) मिथिला मिहिर
- (C) पल्लव
- (D) प्रवासी मैथिली

६८. पत्रकारिता-विकासक दृष्टिसँ सोचू: मिथिला मिहिरक आरम्भिक प्रकाशन-केन्द्र कोन छल?

- (A) दरभंगा
- (B) जयपुर
- (C) पटना
- (D) कोलकाता

६९. पत्रकारिता-विकासक दृष्टिसँ सोचू: मैथिली पत्रकारिताक आरम्भिक एक विशेषता की छल?

- (A) प्रवासी मैथिलक सक्रियता
- (B) केवल व्यापारिक विज्ञापन
- (C) केवल खेल-समाचार
- (D) राजदरबारक सरकारी विज्ञप्ति मात्र

७०. पत्रकारिता-विकासक दृष्टिसँ सोचू: आरम्भिक मैथिली पत्रकारिताक मुख्य चिन्ता कोन छल?

- (A) केवल शेयर-बाजार
- (B) केवल मौसम
- (C) केवल रेल-टिकट
- (D) भाषा, समाज आ संस्कृति

७१. प्रारम्भिक कालक तथ्य चिन्हू: मैथिली पत्रकारिताक आरम्भ कोन पत्रिकासँ मानल जाइत अछि?

- (A) मैथिल हित साधन
- (B) मिथिला मोद
- (C) परिषद पत्रिका
- (D) मिथिला मिहिर

७२. प्रारम्भिक कालक तथ्य चिन्हू: मैथिल हित साधनक प्रकाशन कोन वर्ष शुरू भेल?

- (A) १९०६
- (B) १९०५
- (C) १९२५
- (D) १९०९

७३. प्रारम्भिक कालक तथ्य चिन्हू: मैथिल हित साधन कोन नगरसँ प्रकाशित भेल?

- (A) जयपुर
- (B) वाराणसी
- (C) गाजियाबाद
- (D) दिल्ली

७४. प्रारम्भिक कालक तथ्य चिन्हू: मैथिल हित साधनक सम्पादनसँ कोन नाम जुड़ल अछि?

- (A) योगेन्द्र झा
- (B) सुरेन्द्र झा 'सुमन'
- (C) सुमन आ अमर
- (D) पण्डित मधुसूदन झा

७५. प्रारम्भिक कालक तथ्य चिन्हू: वाराणसीसँ आरम्भिक मैथिली पत्रिका कोन छल?

- (A) मिथिला मोद
- (B) पल्लव
- (C) धीया-पुता
- (D) मैथिली परिजात

७६. प्रारम्भिक कालक तथ्य चिन्हू: मिथिला मोदक आरम्भ कोन वर्ष मानल जाइत अछि?

- (A) १९०६
- (B) १९२८
- (C) १९०५
- (D) १९०९

७७. प्रारम्भिक कालक तथ्य चिन्हू: मिथिला क्षेत्रसँ निकलल प्रमुख आरम्भिक पत्रिका कोन छल?

- (A) सोना माटी
- (B) मिथिला मिहिर
- (C) जनक
- (D) धीया-पुता

७८. प्रारम्भिक कालक तथ्य चिन्हू: मिथिला मिहिरक आरम्भिक प्रकाशन-केन्द्र कोन छल?

- (A) दरभंगा
- (B) गाजियाबाद
- (C) अजमेर
- (D) वाराणसी

७९. प्रारम्भिक कालक तथ्य चिन्हू: मैथिली पत्रकारिताक आरम्भक एक विशेषता की छल?

- (A) प्रवासी मैथिलक सक्रियता
- (B) राजदरबारक सरकारी विज्ञप्ति मात्र
- (C) केवल खेल-समाचार
- (D) केवल व्यापारिक विज्ञापन

८०. प्रारम्भिक कालक तथ्य चिन्हू: आरम्भिक मैथिली पत्रकारिताक मुख्य चिन्ता कोन छल?

- (A) भाषा, समाज आ संस्कृति
- (B) केवल रेल-टिकट
- (C) केवल शेयर-बाजार
- (D) केवल मौसम

८१. निम्नमे सही उत्तर चुनू: मैथिली पत्रकारिताक आरम्भ कोन पत्रिकासँ मानल जाइत अछि?

- (A) मैथिल हित साधन
- (B) मिथिला वाणी
- (C) प्रवासी मैथिली
- (D) श्रीमैथिली

८२. निम्नमे सही उत्तर चुनू: मैथिल हित साधनक प्रकाशन कोन वर्ष शुरू भेल?

- (A) १९०६
- (B) १९२५
- (C) १९०९
- (D) १९०५

८३. निम्नमे सही उत्तर चुनू: मैथिल हित साधन कोन नगरसँ प्रकाशित भेल?

- (A) मुम्बई
- (B) जयपुर
- (C) दरभंगा
- (D) कोलकाता

८४. निम्नमे सही उत्तर चुनू: मैथिल हित साधनक सम्पादनसँ कोन नाम जुड़ल अछि?

- (A) चिरंजी लाल झा
- (B) रामनाथ मिश्र 'मिहिर'
- (C) पण्डित मधुसूदन झा
- (D) धीरेन्द्र

८५. निम्नमे सही उत्तर चुनू: वाराणसीसँ आरम्भिक मैथिली पत्रिका कोन छल?

- (A) मिथिला वाणी
- (B) पल्लव
- (C) मिथिला मोद
- (D) मैथिल प्रभाकर

८६. निम्नमे सही उत्तर चुनू: मिथिला मोदक आरम्भ कोन वर्ष मानल जाइत अछि?

- (A) १९२८
- (B) १९०५
- (C) १९०६
- (D) १९०९

८७. निम्नमे सही उत्तर चुनू: मिथिला क्षेत्रसँ निकलल प्रमुख आरम्भिक पत्रिका कोन छल?

- (A) मिथिला मिहिर
- (B) मैथिली परिजात
- (C) मिथिला वाणी
- (D) सेवक

८८. निम्नमे सही उत्तर चुनू: मिथिला मिहिरक आरम्भिक प्रकाशन-केन्द्र कोन छल?

- (A) कोलकाता
- (B) अलीगढ़
- (C) दरभंगा
- (D) मुम्बई

८९. निम्नमे सही उत्तर चुनू: मैथिली पत्रकारिताक आरम्भक एक विशेषता की छल?

- (A) राजदरबारक सरकारी विज्ञप्ति मात्र
- (B) प्रवासी मैथिलक सक्रियता
- (C) केवल खेल-समाचार
- (D) केवल व्यापारिक विज्ञापन

९०. निम्नमे सही उत्तर चुनू: आरम्भिक मैथिली पत्रकारिताक मुख्य चिन्ता कोन छल?

- (A) भाषा, समाज आ संस्कृति
- (B) केवल मौसम
- (C) केवल रेल-टिकट
- (D) केवल शेयर-बाजार

९१. इतिहास-सन्दर्भमे बताउ: मैथिली पत्रकारिताक आरम्भ कोन पत्रिकासँ मानल जाइत अछि?

- (A) विदेह ई-पत्रिका
- (B) मैथिल हित साधन
- (C) सोना माटी
- (D) श्रीमैथिली

९२. इतिहास-सन्दर्भमे बताउ: मैथिल हित साधनक प्रकाशन कोन वर्ष शुरू भेल?

- (A) १९०५
- (B) १९०६
- (C) १९२५
- (D) १९०९

९३. इतिहास-सन्दर्भमे बताउ: मैथिल हित साधन कोन नगरसँ प्रकाशित भेल?

- (A) मुम्बई
- (B) अजमेर
- (C) कोलकाता
- (D) जयपुर

९४. इतिहास-सन्दर्भमे बताउ: मैथिल हित साधनक सम्पादनसँ कोन नाम जुड़ल अछि?

- (A) योगेन्द्र झा
- (B) पण्डित मधुसूदन झा
- (C) धीरेन्द्र
- (D) पण्डित मुरलीधर झा

९५. इतिहास-सन्दर्भमे बताउ: वाराणसीसँ आरम्भिक मैथिली पत्रिका कोन छल?

- (A) स्वदेश
- (B) मिथिला मोद
- (C) मैथिली कविता
- (D) मिथिला वाणी

९६. इतिहास-सन्दर्भमे बताउ: मिथिला मोदक आरम्भ कोन वर्ष मानल जाइत अछि?

- (A) १९०५
- (B) १९०६
- (C) १९०९
- (D) १९२८

९७. इतिहास-सन्दर्भमे बताउ: मिथिला क्षेत्रसँ निकलल प्रमुख आरम्भिक पत्रिका कोन छल?

- (A) मिथिला वाणी
- (B) मिथिला मिहिर
- (C) जनक
- (D) मैथिली परिजात

९८. इतिहास-सन्दर्भमे बताउ: मिथिला मिहिरक आरम्भिक प्रकाशन-केन्द्र कोन छल?

- (A) अलीगढ़
- (B) गाजियाबाद
- (C) मुम्बई
- (D) दरभंगा

९९. इतिहास-सन्दर्भमे बताउ: मैथिली पत्रकारिताक आरम्भक एक विशेषता की छल?

- (A) राजदरबारक सरकारी विज्ञप्ति मात्र
- (B) केवल व्यापारिक विज्ञापन
- (C) प्रवासी मैथिलक सक्रियता
- (D) केवल खेल-समाचार

१००. इतिहास-सन्दर्भमे बताउ: आरम्भिक मैथिली पत्रकारिताक मुख्य चिन्ता कोन छल?

- (A) भाषा, समाज आ संस्कृति
- (B) केवल रेल-टिकट
- (C) केवल मौसम
- (D) केवल शेयर-बाजार

१०१. मिथिला मिहिरक आरम्भ कोन वर्षमे भेल?

- (A) १९२५
- (B) १९०९
- (C) १९०६
- (D) १९०५

१०२. मिथिला मिहिर केँ मैथिली पत्रकारितामे की मानल जाइत अछि?

- (A) केवल विज्ञापन-पत्र
- (B) केवल खेल-पत्र
- (C) अत्यन्त प्रभावशाली दीर्घजीवी पत्रिका
- (D) केवल सरकारी राजपत्र

१०३. मिथिला मिहिर पहिने कोन रूपमे चलल?

- (A) वार्षिक स्मारिका
- (B) दैनिक समाचार-पत्र
- (C) मासिक पत्रिका
- (D) रेडियो-बुलेटिन

१०४. मिथिला मिहिर १९११-१९३४ क कालमे कोन रूपसँ उल्लेखनीय भेल?

- (A) पाक्षिक
- (B) साप्ताहिक पत्रिका
- (C) मासिक
- (D) अनियतकालीन

१०५. मिथिला मिहिरक स्वर्णकालक सम्पादनसँ कोन नाम जुड़ैत अछि?

- (A) रामनाथ मिश्र 'मिहिर'
- (B) सुरेन्द्र झा 'सुमन'
- (C) योगेन्द्र झा
- (D) गौरीनन्दन सिंह

१०६. मिथिला मिहिरक पृष्ठसभमे कोन विधा सभकेँ स्थान भेटल?

- (A) केवल परीक्षा-परिणाम
- (B) केवल आयात-निर्यात सूची
- (C) कविता, कथा, निबन्ध, आलोचना आ समाचार
- (D) केवल चित्र-विज्ञापन

१०७. मिथिला मिहिरक महत्व कोन कारणसँ बढ़ल?

- (A) केवल रंगीन कागजसँ
- (B) केवल विदेशी समाचारसँ
- (C) मैथिली अस्मिता आ सार्वजनिक विमर्श केँ मंच देबासँ
- (D) केवल सरकारी छूटसँ

१०८. मिथिला मिहिरक पटना-काल कोन व्यापक प्रवृत्तिक उदाहरण अछि?

- (A) साहित्यिक समाप्ति
- (B) लोकगीतक निषेध
- (C) लिपिक पूर्ण परित्याग
- (D) केन्द्र-परिवर्तन आ पत्रिकाक दीर्घजीवन

१०९. मिथिला मिहिरक दैनिक रूपमे प्रकाशनक प्रयोग कोन बात देखबैत अछि?

- (A) पत्रिका बंद करबाक इच्छा
- (B) भाषा-विरोध
- (C) मैथिलीमे नियमित समाचार-पत्रक आकांक्षा
- (D) साहित्य सँ दूरी मात्र

११०. मिथिला मिहिरक अध्ययनसँ विद्यार्थी की सीखि सकैत अछि?

- (A) पत्रिका भाषा-आन्दोलनक दस्तावेज बनि सकैत अछि
- (B) पत्रिका केवल मनोरंजन होइत अछि
- (C) समाचारक कोनो समाजिक अर्थ नहि
- (D) पत्रिका इतिहाससँ असम्बद्ध रहैत अछि

१११. स्वर्णकालक अर्थ बुझू: मिथिला मिहिरक आरम्भ कोन वर्षमे भेल?

- (A) १९०९
- (B) १९०६
- (C) १९०५
- (D) १९२५

११२. स्वर्णकालक अर्थ बुझू: मिथिला मिहिर केँ मैथिली पत्रकारितामे की मानल जाइत अछि?

- (A) अत्यन्त प्रभावशाली दीर्घजीवी पत्रिका
- (B) केवल खेल-पत्र
- (C) केवल विज्ञापन-पत्र
- (D) केवल सरकारी राजपत्र

११३. स्वर्णकालक अर्थ बुझू: मिथिला मिहिर पहिने कोन रूपमे चलल?

- (A) रेडियो-बुलेटिन
- (B) मासिक पत्रिका
- (C) वार्षिक स्मारिका
- (D) दैनिक समाचार-पत्र

११४. स्वर्णकालक अर्थ बुझू: मिथिला मिहिर १९११-१९३४ क कालमे कोन रूपसँ उल्लेखनीय भेल?

- (A) त्रैमासिक
- (B) चतुर्मासिक
- (C) अर्द्धवार्षिक
- (D) साप्ताहिक पत्रिका

११५. स्वर्णकालक अर्थ बुझू: मिथिला मिहिरक स्वर्णकालक सम्पादनसँ कोन नाम जुड़ैत अछि?

- (A) सुरेन्द्र झा 'सुमन'
- (B) गौरीनन्दन सिंह
- (C) भोलानाथ मिश्र
- (D) रामनाथ मिश्र 'मिहिर'

११६. स्वर्णकालक अर्थ बुझू: मिथिला मिहिरक पृष्ठसभमे कोन विधा सभकेँ स्थान भेटल?

- (A) केवल चित्र-विज्ञापन
- (B) केवल परीक्षा-परिणाम
- (C) कविता, कथा, निबन्ध, आलोचना आ समाचार
- (D) केवल आयात-निर्यात सूची

११७. स्वर्णकालक अर्थ बुझू: मिथिला मिहिरक महत्व कोन कारणसँ बढ़ल?

- (A) मैथिली अस्मिता आ सार्वजनिक विमर्श केँ मंच देबासँ
- (B) केवल रंगीन कागजसँ
- (C) केवल सरकारी छूटसँ
- (D) केवल विदेशी समाचारसँ

११८. स्वर्णकालक अर्थ बुझू: मिथिला मिहिरक पटना-काल कोन व्यापक प्रवृत्तिक उदाहरण अछि?

- (A) लोकगीतक निषेध
- (B) साहित्यिक समाप्ति
- (C) लिपिक पूर्ण परित्याग
- (D) केन्द्र-परिवर्तन आ पत्रिकाक दीर्घजीवन

११९. स्वर्णकालक अर्थ बुझू: मिथिला मिहिरक दैनिक रूपमे प्रकाशनक प्रयोग कोन बात देखबैत अछि?

- (A) मैथिलीमे नियमित समाचार-पत्रक आकांक्षा
- (B) पत्रिका बंद करबाक इच्छा
- (C) भाषा-विरोध
- (D) साहित्य सँ दूरी मात्र

१२०. स्वर्णकालक अर्थ बुझू: मिथिला मिहिरक अध्ययनसँ विद्यार्थी की सीखि सकैत अछि?

- (A) पत्रिका भाषा-आन्दोलनक दस्तावेज बनि सकैत अछि
- (B) पत्रिका इतिहाससँ असम्बद्ध रहैत अछि
- (C) पत्रिका केवल मनोरंजन होइत अछि
- (D) समाचारक कोनो समाजिक अर्थ नहि

१२१. पत्रकारिता-इतिहासक हिसाबें: मिथिला मिहिरक आरम्भ कोन वर्षमे भेल?

- (A) १९०५
- (B) १९२५
- (C) १९०९
- (D) १९०६

१२२. पत्रकारिता-इतिहासक हिसाबें: मिथिला मिहिर केँ मैथिली पत्रकारितामे की मानल जाइत अछि?

- (A) केवल सरकारी राजपत्र
- (B) केवल खेल-पत्र
- (C) अत्यन्त प्रभावशाली दीर्घजीवी पत्रिका
- (D) केवल विज्ञापन-पत्र

१२३. पत्रकारिता-इतिहासक हिसाबें: मिथिला मिहिर पहिने कोन रूपमे चलल?

- (A) रेडियो-बुलेटिन
- (B) मासिक पत्रिका
- (C) दैनिक समाचार-पत्र
- (D) वार्षिक स्मारिका

१२४. पत्रकारिता-इतिहासक हिसाबें: मिथिला मिहिर १९११-१९३४ क कालमे कोन रूपसँ उल्लेखनीय भेल?

- (A) त्रैमासिक
- (B) द्वैमासिक
- (C) पाक्षिक
- (D) साप्ताहिक पत्रिका

१२५. पत्रकारिता-इतिहासक हिसाबें: मिथिला मिहिरक स्वर्णकालक सम्पादनसँ कोन नाम जुड़ैत अछि?

- (A) शुभकान्त झा आ हरिश्चन्द्र मिश्र 'मिथिलेन्दु'
- (B) सुरेन्द्र झा 'सुमन'
- (C) योगेन्द्र झा
- (D) पण्डित मधुसूदन झा

१२६. पत्रकारिता-इतिहासक हिसाबें: मिथिला मिहिरक पृष्ठसभमे कोन विधा सभकेँ स्थान भेटल?

- (A) केवल चित्र-विज्ञापन
- (B) केवल परीक्षा-परिणाम
- (C) केवल आयात-निर्यात सूची
- (D) कविता, कथा, निबन्ध, आलोचना आ समाचार

१२७. पत्रकारिता-इतिहासक हिसाबें: मिथिला मिहिरक महत्व कोन कारणसँ बढ़ल?

- (A) केवल सरकारी छूटसँ
- (B) केवल रंगीन कागजसँ
- (C) मैथिली अस्मिता आ सार्वजनिक विमर्श केँ मंच देबासँ
- (D) केवल विदेशी समाचारसँ

१२८. पत्रकारिता-इतिहासक हिसाबें: मिथिला मिहिरक पटना-काल कोन व्यापक प्रवृत्तिक उदाहरण अछि?

- (A) लिपिक पूर्ण परित्याग
- (B) साहित्यिक समाप्ति
- (C) लोकगीतक निषेध
- (D) केन्द्र-परिवर्तन आ पत्रिकाक दीर्घजीवन

१२९. पत्रकारिता-इतिहासक हिसाबें: मिथिला मिहिरक दैनिक रूपमे प्रकाशनक प्रयोग कोन बात देखबैत अछि?

- (A) मैथिलीमे नियमित समाचार-पत्रक आकांक्षा
- (B) साहित्य सँ दूरी मात्र
- (C) भाषा-विरोध
- (D) पत्रिका बंद करबाक इच्छा

१३०. पत्रकारिता-इतिहासक हिसाबें: मिथिला मिहिरक अध्ययनसँ विद्यार्थी की सीखि सकैत अछि?

- (A) पत्रिका इतिहाससँ असम्बद्ध रहैत अछि
- (B) पत्रिका भाषा-आन्दोलनक दस्तावेज बनि सकैत अछि
- (C) समाचारक कोनो समाजिक अर्थ नहि
- (D) पत्रिका केवल मनोरंजन होइत अछि

१३१. दीर्घजीवी पत्रिकाक सन्दर्भमे: मिथिला मिहिरक आरम्भ कोन वर्षमे भेल?

- (A) १९०९
- (B) १९०६
- (C) १९२५
- (D) १९०५

१३२. दीर्घजीवी पत्रिकाक सन्दर्भमे: मिथिला मिहिर कें मैथिली पत्रकारितामे की मानल जाइत अछि?

- (A) केवल खेल-पत्र
- (B) अत्यन्त प्रभावशाली दीर्घजीवी पत्रिका
- (C) केवल सरकारी राजपत्र
- (D) केवल विज्ञापन-पत्र

१३३. दीर्घजीवी पत्रिकाक सन्दर्भमे: मिथिला मिहिर पहिने कोन रूपमे चलल?

- (A) रेडियो-बुलेटिन
- (B) दैनिक समाचार-पत्र
- (C) मासिक पत्रिका
- (D) वार्षिक स्मारिका

१३४. दीर्घजीवी पत्रिकाक सन्दर्भमे: मिथिला मिहिर १९११-१९३४ क कालमे कोन रूपसँ उल्लेखनीय भेल?

- (A) साप्ताहिक पत्रिका
- (B) पाक्षिक
- (C) दैनिक
- (D) चतुर्मासिक

१३५. दीर्घजीवी पत्रिकाक सन्दर्भमे: मिथिला मिहिरक स्वर्णकालक सम्पादनसँ कोन नाम जुड़ैत अछि?

- (A) सुरेन्द्र झा 'सुमन'
- (B) शुभकान्त झा आ हरिश्चन्द्र मिश्र 'मिथिलेन्दु'
- (C) गौरीनन्दन सिंह
- (D) पण्डित मधुसूदन झा

१३६. दीर्घजीवी पत्रिकाक सन्दर्भमे: मिथिला मिहिरक पृष्ठसभमे कोन विधा सभकें स्थान भेटल?

- (A) केवल आयात-निर्यात सूची
- (B) कविता, कथा, निबन्ध, आलोचना आ समाचार
- (C) केवल चित्र-विज्ञापन
- (D) केवल परीक्षा-परिणाम

१३७. दीर्घजीवी पत्रिकाक सन्दर्भमे: मिथिला मिहिरक महत्व कोन कारणसँ बढ़ल?

- (A) केवल रंगीन कागजसँ
- (B) मैथिली अस्मिता आ सार्वजनिक विमर्श केँ मंच देबासँ
- (C) केवल विदेशी समाचारसँ
- (D) केवल सरकारी छूटसँ

१३८. दीर्घजीवी पत्रिकाक सन्दर्भमे: मिथिला मिहिरक पटना-काल कोन व्यापक प्रवृत्तिक उदाहरण अछि?

- (A) केन्द्र-परिवर्तन आ पत्रिकाक दीर्घजीवन
- (B) लिपिक पूर्ण परित्याग
- (C) लोकगीतक निषेध
- (D) साहित्यक समाप्ति

१३९. दीर्घजीवी पत्रिकाक सन्दर्भमे: मिथिला मिहिरक दैनिक रूपमे प्रकाशनक प्रयोग कोन बात देखबैत अछि?

- (A) मैथिलीमे नियमित समाचार-पत्रक आकांक्षा
- (B) साहित्य सँ दूरी मात्र
- (C) भाषा-विरोध
- (D) पत्रिका बंद करबाक इच्छा

१४०. दीर्घजीवी पत्रिकाक सन्दर्भमे: मिथिला मिहिरक अध्ययनसँ विद्यार्थी की सीखि सकैत अछि?

- (A) पत्रिका केवल मनोरंजन होइत अछि
- (B) पत्रिका इतिहाससँ असम्बद्ध रहैत अछि
- (C) समाचारक कोनो समाजिक अर्थ नहि
- (D) पत्रिका भाषा-आन्दोलनक दस्तावेज बनि सकैत अछि

१४१. मिथिला मिहिर प्रसंगमे: मिथिला मिहिरक आरम्भ कोन वर्षमे भेल?

- (A) १९०६
- (B) १९२५
- (C) १९०५
- (D) १९०९

१४२. मिथिला मिहिर प्रसंगमे: मिथिला मिहिर केँ मैथिली पत्रकारितामे की मानल जाइत अछि?

- (A) केवल सरकारी राजपत्र
- (B) केवल खेल-पत्र
- (C) केवल विज्ञापन-पत्र
- (D) अत्यन्त प्रभावशाली दीर्घजीवी पत्रिका

१४३. मिथिला मिहिर प्रसंगमे: मिथिला मिहिर पहिने कोन रूपमे चलल?

- (A) मासिक पत्रिका
- (B) दैनिक समाचार-पत्र
- (C) वार्षिक स्मारिका
- (D) रेडियो-बुलेटिन

१४४. मिथिला मिहिर प्रसंगमे: मिथिला मिहिर १९११-१९३४ क कालमे कोन रूपसँ उल्लेखनीय भेल?

- (A) साप्ताहिक पत्रिका
- (B) अनियतकालीन
- (C) अर्द्धवार्षिक
- (D) साप्ताहिक

१४५. मिथिला मिहिर प्रसंगमे: मिथिला मिहिरक स्वर्णकालक सम्पादनसँ कोन नाम जुड़ैत अछि?

- (A) सुरेन्द्र झा 'सुमन'
- (B) भोलानाथ मिश्र
- (C) सुमन आ अमर
- (D) पण्डित मुरलीधर झा

१४६. मिथिला मिहिर प्रसंगमे: मिथिला मिहिरक पृष्ठसभमे कोन विधा सभकेँ स्थान भेटल?

- (A) केवल परीक्षा-परिणाम
- (B) केवल आयात-निर्यात सूची
- (C) कविता, कथा, निबन्ध, आलोचना आ समाचार
- (D) केवल चित्र-विज्ञापन

१४७. मिथिला मिहिर प्रसंगमे: मिथिला मिहिरक महत्व कोन कारणसँ बढ़ल?

- (A) केवल सरकारी छूटसँ
- (B) मैथिली अस्मिता आ सार्वजनिक विमर्श केँ मंच देबासँ
- (C) केवल विदेशी समाचारसँ
- (D) केवल रंगीन कागजसँ

१४८. मिथिला मिहिर प्रसंगमे: मिथिला मिहिरक पटना-काल कोन व्यापक प्रवृत्तिक उदाहरण अछि?

- (A) लोकगीतक निषेध
- (B) साहित्यक समाप्ति
- (C) लिपिक पूर्ण परित्याग
- (D) केन्द्र-परिवर्तन आ पत्रिकाक दीर्घजीवन

१४९. मिथिला मिहिर प्रसंगमे: मिथिला मिहिरक दैनिक रूपमे प्रकाशनक प्रयोग कोन बात देखबैत अछि?

- (A) साहित्य सँ दूरी मात्र
- (B) भाषा-विरोध
- (C) पत्रिका बंद करबाक इच्छा
- (D) मैथिलीमे नियमित समाचार-पत्रक आकांक्षा

१५०. मिथिला मिहिर प्रसंगमे: मिथिला मिहिरक अध्ययनसँ विद्यार्थी की सीखि सकैत अछि?

- (A) पत्रिका भाषा-आन्दोलनक दस्तावेज बनि सकैत अछि
- (B) समाचारक कोनो समाजिक अर्थ नहि
- (C) पत्रिका इतिहाससँ असम्बद्ध रहैत अछि
- (D) पत्रिका केवल मनोरंजन होइत अछि

१५१. स्वर्णकालक अर्थ बुझू: मिथिला मिहिरक आरम्भ कोन वर्षमे भेल?

- (A) १९२५
- (B) १९०९
- (C) १९०६
- (D) १९०५

१५२. स्वर्णकालक अर्थ बुझू: मिथिला मिहिर केँ मैथिली पत्रकारितामे की मानल जाइत अछि?

- (A) केवल विज्ञापन-पत्र
- (B) केवल सरकारी राजपत्र
- (C) अत्यन्त प्रभावशाली दीर्घजीवी पत्रिका
- (D) केवल खेल-पत्र

१५३. स्वर्णकालक अर्थ बुझू: मिथिला मिहिर पहिने कोन रूपमे चलल?

- (A) मासिक पत्रिका
- (B) दैनिक समाचार-पत्र
- (C) वार्षिक स्मारिका
- (D) रेडियो-बुलेटिन

१५४. स्वर्णकालक अर्थ बुझू: मिथिला मिहिर १९११-१९३४ क कालमे कोन रूपसँ उल्लेखनीय भेल?

- (A) अर्द्धवार्षिक
- (B) साप्ताहिक पत्रिका
- (C) वार्षिक
- (D) चतुर्मासिक

१५५. स्वर्णकालक अर्थ बुझू: मिथिला मिहिरक स्वर्णकालक सम्पादनसँ कोन नाम जुड़ैत अछि?

- (A) गौरीनन्दन सिंह
- (B) नचिकेता
- (C) सुरेन्द्र झा 'सुमन'
- (D) धीरेन्द्र

१५६. स्वर्णकालक अर्थ बुझू: मिथिला मिहिरक पृष्ठसभमे कोन विधा सभकेँ स्थान भेटल?

- (A) केवल चित्र-विज्ञापन
- (B) केवल परीक्षा-परिणाम
- (C) केवल आयात-निर्यात सूची
- (D) कविता, कथा, निबन्ध, आलोचना आ समाचार

१५७. स्वर्णकालक अर्थ बुझू: मिथिला मिहिरक महत्व कोन कारणसँ बढ़ल?

- (A) मैथिली अस्मिता आ सार्वजनिक विमर्श केँ मंच देबासँ
- (B) केवल विदेशी समाचारसँ
- (C) केवल सरकारी छूटसँ
- (D) केवल रंगीन कागजसँ

१५८. स्वर्णकालक अर्थ बुझू: मिथिला मिहिरक पटना-काल कोन व्यापक प्रवृत्तिक उदाहरण अछि?

- (A) साहित्यिक समाप्ति
- (B) केन्द्र-परिवर्तन आ पत्रिकाक दीर्घजीवन
- (C) लोकगीतक निषेध
- (D) लिपिक पूर्ण परित्याग

१५९. स्वर्णकालक अर्थ बुझू: मिथिला मिहिरक दैनिक रूपमे प्रकाशनक प्रयोग कोन बात देखबैत अछि?

- (A) पत्रिका बंद करबाक इच्छा
- (B) मैथिलीमे नियमित समाचार-पत्रक आकांक्षा
- (C) साहित्य सँ दूरी मात्र
- (D) भाषा-विरोध

१६०. स्वर्णकालक अर्थ बुझू: मिथिला मिहिरक अध्ययनसँ विद्यार्थी की सीखि सकैत अछि?

- (A) पत्रिका केवल मनोरंजन होइत अछि
- (B) पत्रिका भाषा-आन्दोलनक दस्तावेज बनि सकैत अछि
- (C) समाचारक कोनो समाजिक अर्थ नहि
- (D) पत्रिका इतिहाससँ असम्बद्ध रहैत अछि

१६१. पत्रकारिता-इतिहासक हिसाबें: मिथिला मिहिरक आरम्भ कोन वर्षमे भेल?

- (A) १९२५
- (B) १९०६
- (C) १९०९
- (D) १९०५

१६२. पत्रकारिता-इतिहासक हिसाबें: मिथिला मिहिर केँ मैथिली पत्रकारितामे की मानल जाइत अछि?

- (A) केवल विज्ञापन-पत्र
- (B) अत्यन्त प्रभावशाली दीर्घजीवी पत्रिका
- (C) केवल खेल-पत्र
- (D) केवल सरकारी राजपत्र

१६३. पत्रकारिता-इतिहासक हिसाबें: मिथिला मिहिर पहिने कोन रूपमे चलल?

- (A) मासिक पत्रिका
- (B) दैनिक समाचार-पत्र
- (C) रेडियो-बुलेटिन
- (D) वार्षिक स्मारिका

१६४. पत्रकारिता-इतिहासक हिसाबें: मिथिला मिहिर १९११-१९३४ क कालमे कोन रूपसँ उल्लेखनीय भेल?

- (A) साप्ताहिक पत्रिका
- (B) साप्ताहिक
- (C) चतुर्मासिक
- (D) त्रैमासिक

१६५. पत्रकारिता-इतिहासक हिसाबें: मिथिला मिहिरक स्वर्णकालक सम्पादनसँ कोन नाम जुड़ैत अछि?

- (A) सुरेन्द्र झा 'सुमन'
- (B) पण्डित मुरलीधर झा
- (C) पण्डित मधुसूदन झा
- (D) नचिकेता

१६६. पत्रकारिता-इतिहासक हिसाबें: मिथिला मिहिरक पृष्ठसभमे कोन विधा सभकेँ स्थान भेटल?

- (A) केवल चित्र-विज्ञापन
- (B) केवल आयात-निर्यात सूची
- (C) केवल परीक्षा-परिणाम
- (D) कविता, कथा, निबन्ध, आलोचना आ समाचार

१६७. पत्रकारिता-इतिहासक हिसाबें: मिथिला मिहिरक महत्व कोन कारणसँ बढ़ल?

- (A) केवल रंगीन कागजसँ
- (B) केवल सरकारी छूटसँ
- (C) केवल विदेशी समाचारसँ
- (D) मैथिली अस्मिता आ सार्वजनिक विमर्श केँ मंच देबासँ

१६८. पत्रकारिता-इतिहासक हिसाबें: मिथिला मिहिरक पटना-काल कोन व्यापक प्रवृत्तिक उदाहरण अछि?

- (A) साहित्यिक समाप्ति
- (B) केन्द्र-परिवर्तन आ पत्रिकाक दीर्घजीवन
- (C) लिपिक पूर्ण परित्याग
- (D) लोकगीतक निषेध

१६९. पत्रकारिता-इतिहासक हिसाबें: मिथिला मिहिरक दैनिक रूपमे प्रकाशनक प्रयोग कोन बात देखबैत अछि?

- (A) भाषा-विरोध
- (B) साहित्य सँ दूरी मात्र
- (C) मैथिलीमे नियमित समाचार-पत्रक आकांक्षा
- (D) पत्रिका बंद करबाक इच्छा

१७०. पत्रकारिता-इतिहासक हिसाबें: मिथिला मिहिरक अध्ययनसँ विद्यार्थी की सीखि सकैत अछि?

- (A) समाचारक कोनो समाजिक अर्थ नहि
- (B) पत्रिका भाषा-आन्दोलनक दस्तावेज बनि सकैत अछि
- (C) पत्रिका केवल मनोरंजन होइत अछि
- (D) पत्रिका इतिहाससँ असम्बद्ध रहैत अछि

१७१. दीर्घजीवी पत्रिकाक सन्दर्भमे: मिथिला मिहिरक आरम्भ कोन वर्षमे भेल?

- (A) १९०६
- (B) १९०९
- (C) १९०५
- (D) १९२५

१७२. दीर्घजीवी पत्रिकाक सन्दर्भमे: मिथिला मिहिर कें मैथिली पत्रकारितामे की मानल जाइत अछि?

- (A) केवल सरकारी राजपत्र
- (B) केवल खेल-पत्र
- (C) केवल विज्ञापन-पत्र
- (D) अत्यन्त प्रभावशाली दीर्घजीवी पत्रिका

१७३. दीर्घजीवी पत्रिकाक सन्दर्भमे: मिथिला मिहिर पहिने कोन रूपमे चलल?

- (A) मासिक पत्रिका
- (B) दैनिक समाचार-पत्र
- (C) रेडियो-बुलेटिन
- (D) वार्षिक स्मारिका

१७४. दीर्घजीवी पत्रिकाक सन्दर्भमे: मिथिला मिहिर १९११-१९३४ क कालमे कोन रूपसँ उल्लेखनीय भेल?

- (A) चतुर्मासिक
- (B) मासिक
- (C) अर्द्धवार्षिक
- (D) साप्ताहिक पत्रिका

१७५. दीर्घजीवी पत्रिकाक सन्दर्भमे: मिथिला मिहिरक स्वर्णकालक सम्पादनसँ कोन नाम जुड़ैत अछि?

- (A) शुभकान्त झा आ हरिश्चन्द्र मिश्र 'मिथिलेन्दु'
- (B) योगेन्द्र झा
- (C) सुरेन्द्र झा 'सुमन'
- (D) सुमन आ अमर

१७६. दीर्घजीवी पत्रिकाक सन्दर्भमे: मिथिला मिहिरक पृष्ठसभमे कोन विधा सभकेँ स्थान भेटल?

- (A) केवल चित्र-विज्ञापन
- (B) कविता, कथा, निबन्ध, आलोचना आ समाचार
- (C) केवल आयात-निर्यात सूची
- (D) केवल परीक्षा-परिणाम

१७७. दीर्घजीवी पत्रिकाक सन्दर्भमे: मिथिला मिहिरक महत्व कोन कारणसँ बढ़ल?

- (A) मैथिली अस्मिता आ सार्वजनिक विमर्श केँ मंच देबासँ
- (B) केवल रंगीन कागजसँ
- (C) केवल सरकारी छूटसँ
- (D) केवल विदेशी समाचारसँ

१७८. दीर्घजीवी पत्रिकाक सन्दर्भमे: मिथिला मिहिरक पटना-काल कोन व्यापक प्रवृत्तिक उदाहरण अछि?

- (A) लोकगीतक निषेध
- (B) लिपिक पूर्ण परित्याग
- (C) साहित्यिक समाप्ति
- (D) केन्द्र-परिवर्तन आ पत्रिकाक दीर्घजीवन

१७९. दीर्घजीवी पत्रिकाक सन्दर्भमे: मिथिला मिहिरक दैनिक रूपमे प्रकाशनक प्रयोग कोन बात देखबैत अछि?

- (A) भाषा-विरोध
- (B) साहित्य सँ दूरी मात्र
- (C) पत्रिका बंद करबाक इच्छा
- (D) मैथिलीमे नियमित समाचार-पत्रक आकांक्षा

१८०. दीर्घजीवी पत्रिकाक सन्दर्भमे: मिथिला मिहिरक अध्ययनसँ विद्यार्थी की सीखि सकैत अछि?

- (A) पत्रिका केवल मनोरंजन होइत अछि
- (B) पत्रिका इतिहाससँ असम्बद्ध रहैत अछि
- (C) पत्रिका भाषा-आन्दोलनक दस्तावेज बनि सकैत अछि
- (D) समाचारक कोनो समाजिक अर्थ नहि

१८१. मिथिला मिहिर प्रसंगमे: मिथिला मिहिरक आरम्भ कोन वर्षमे भेल?

- (A) १९०९
- (B) १९०५
- (C) १९२५
- (D) १९०६

१८२. मिथिला मिहिर प्रसंगमे: मिथिला मिहिर केँ मैथिली पत्रकारितामे की मानल जाइत अछि?

- (A) केवल खेल-पत्र
- (B) केवल विज्ञापन-पत्र
- (C) अत्यन्त प्रभावशाली दीर्घजीवी पत्रिका
- (D) केवल सरकारी राजपत्र

१८३. मिथिला मिहिर प्रसंगमे: मिथिला मिहिर पहिने कोन रूपमे चलल?

- (A) वार्षिक स्मारिका
- (B) रेडियो-बुलेटिन
- (C) दैनिक समाचार-पत्र
- (D) मासिक पत्रिका

१८४. मिथिला मिहिर प्रसंगमे: मिथिला मिहिर १९११-१९३४ क कालमे कोन रूपसँ उल्लेखनीय भेल?

- (A) साप्ताहिक पत्रिका
- (B) वार्षिक
- (C) द्वैमासिक
- (D) साप्ताहिक

१८५. मिथिला मिहिर प्रसंगमे: मिथिला मिहिरक स्वर्णकालक सम्पादनसँ कोन नाम जुड़ैत अछि?

- (A) योगेन्द्र झा
- (B) सुमन आ अमर
- (C) धीरेन्द्र
- (D) सुरेन्द्र झा 'सुमन'

१८६. मिथिला मिहिर प्रसंगमे: मिथिला मिहिरक पृष्ठसभमे कोन विधा सभकेँ स्थान भेटल?

- (A) केवल परीक्षा-परिणाम
- (B) कविता, कथा, निबन्ध, आलोचना आ समाचार
- (C) केवल चित्र-विज्ञापन
- (D) केवल आयात-निर्यात सूची

१८७. मिथिला मिहिर प्रसंगमे: मिथिला मिहिरक महत्व कोन कारणसँ बढ़ल?

- (A) केवल विदेशी समाचारसँ
- (B) केवल सरकारी छूटसँ
- (C) मैथिली अस्मिता आ सार्वजनिक विमर्श केँ मंच देबासँ
- (D) केवल रंगीन कागजसँ

१८८. मिथिला मिहिर प्रसंगमे: मिथिला मिहिरक पटना-काल कोन व्यापक प्रवृत्तिक उदाहरण अछि?

- (A) लिपिक पूर्ण परित्याग
- (B) साहित्यिक समाप्ति
- (C) केन्द्र-परिवर्तन आ पत्रिकाक दीर्घजीवन
- (D) लोकगीतक निषेध

१८९. मिथिला मिहिर प्रसंगमे: मिथिला मिहिरक दैनिक रूपमे प्रकाशनक प्रयोग कोन बात देखबैत अछि?

- (A) मैथिलीमे नियमित समाचार-पत्रक आकांक्षा
- (B) भाषा-विरोध
- (C) पत्रिका बंद करबाक इच्छा
- (D) साहित्य सँ दूरी मात्र

१९०. मिथिला मिहिर प्रसंगमे: मिथिला मिहिरक अध्ययनसँ विद्यार्थी की सीखि सकैत अछि?

- (A) पत्रिका केवल मनोरंजन होइत अछि
- (B) पत्रिका इतिहाससँ असम्बद्ध रहैत अछि
- (C) समाचारक कोनो समाजिक अर्थ नहि
- (D) पत्रिका भाषा-आन्दोलनक दस्तावेज बनि सकैत अछि

१९१. स्वर्णकालक अर्थ बुझू: मिथिला मिहिरक आरम्भ कोन वर्षमे भेल?

- (A) १९०९
- (B) १९०५
- (C) १९२५
- (D) १९०६

१९२. स्वर्णकालक अर्थ बुझू: मिथिला मिहिर केँ मैथिली पत्रकारितामे की मानल जाइत अछि?

- (A) अत्यन्त प्रभावशाली दीर्घजीवी पत्रिका
- (B) केवल सरकारी राजपत्र
- (C) केवल खेल-पत्र
- (D) केवल विज्ञापन-पत्र

१९३. स्वर्णकालक अर्थ बुझू: मिथिला मिहिर पहिने कोन रूपमे चलल?

- (A) वार्षिक स्मारिका
- (B) रेडियो-बुलेटिन
- (C) मासिक पत्रिका
- (D) दैनिक समाचार-पत्र

१९४. स्वर्णकालक अर्थ बुझू: मिथिला मिहिर १९११-१९३४ क कालमे कोन रूपसँ उल्लेखनीय भेल?

- (A) मासिक
- (B) दैनिक
- (C) साप्ताहिक
- (D) साप्ताहिक पत्रिका

१९५. स्वर्णकालक अर्थ बुझू: मिथिला मिहिरक स्वर्णकालक सम्पादनसँ कोन नाम जुड़ैत अछि?

- (A) भोलानाथ मिश्र
- (B) गौरीनन्दन सिंह
- (C) योगेन्द्र झा
- (D) सुरेन्द्र झा 'सुमन'

१९६. स्वर्णकालक अर्थ बुझू: मिथिला मिहिरक पृष्ठसभमे कोन विधा सभकेँ स्थान भेटल?

- (A) केवल परीक्षा-परिणाम
- (B) केवल आयात-निर्यात सूची
- (C) कविता, कथा, निबन्ध, आलोचना आ समाचार
- (D) केवल चित्र-विज्ञापन

१९७. स्वर्णकालक अर्थ बुझू: मिथिला मिहिरक महत्व कोन कारणसँ बढ़ल?

- (A) केवल सरकारी छूटसँ
- (B) केवल विदेशी समाचारसँ
- (C) मैथिली अस्मिता आ सार्वजनिक विमर्श केँ मंच देबासँ
- (D) केवल रंगीन कागजसँ

१९८. स्वर्णकालक अर्थ बुझू: मिथिला मिहिरक पटना-काल कोन व्यापक प्रवृत्तिक उदाहरण अछि?

- (A) लिपिक पूर्ण परित्याग
- (B) लोकगीतक निषेध
- (C) साहित्यिक समाप्ति
- (D) केन्द्र-परिवर्तन आ पत्रिकाक दीर्घजीवन

१९९. स्वर्णकालक अर्थ बुझू: मिथिला मिहिरक दैनिक रूपमे प्रकाशनक प्रयोग कोन बात देखबैत अछि?

- (A) साहित्य सँ दूरी मात्र
- (B) मैथिलीमे नियमित समाचार-पत्रक आकांक्षा
- (C) पत्रिका बंद करबाक इच्छा
- (D) भाषा-विरोध

२००. स्वर्णकालक अर्थ बुझू: मिथिला मिहिरक अध्ययनसँ विद्यार्थी की सीखि सकैत अछि?

- (A) समाचारक कोनो समाजिक अर्थ नहि
- (B) पत्रिका केवल मनोरंजन होइत अछि
- (C) पत्रिका इतिहाससँ असम्बद्ध रहैत अछि
- (D) पत्रिका भाषा-आन्दोलनक दस्तावेज बनि सकैत अछि

२०१. श्रीमैथिलीक प्रकाशन/सम्बन्धित केन्द्र कोन अछि?

- (A) कोलकाता
- (B) दरभंगा
- (C) वाराणसी
- (D) पटना

२०२. मैथिल प्रभाकरक रूप/काल/पहचानमे कोन बात सही अछि?

- (A) साहित्यिक डाइजेस्ट
- (B) १९६९
- (C) १९४८
- (D) १९२८-१९३०

२०३. स्वदेशक सम्पादन अथवा सम्बद्ध व्यक्तित्वसँ कोन नाम जुड़ल अछि?

- (A) शुभकान्त झा आ हरिश्चन्द्र मिश्र 'मिथिलेन्दु'
- (B) भोलानाथ मिश्र
- (C) सुमन आ अमर
- (D) सम्पादन-नाम उपलब्ध सूचीमे प्रमुख रूपेँ नहि देल गेल

२०४. जनक मैथिली पत्रकारिताक कोन पक्ष देखबैत अछि?

- (A) केवल मौसम-बुलेटिन
- (B) साहित्य-विरोध
- (C) पत्र-पत्रिकाक केन्द्र, विधा आ पाठक-विस्तार
- (D) केवल सरकारी परीक्षा

२०५. पल्लवक प्रकाशन/सम्बन्धित केन्द्र कोन अछि?

- (A) दरभंगा
- (B) कोलकाता
- (C) गाजियाबाद
- (D) पटना

२०६. सेवकक रूप/काल/पहचानमे कोन बात सही अछि?

- (A) पूर्ण मैथिली पत्रिका
- (B) साप्ताहिक
- (C) त्रैमासिक
- (D) साहित्यिक डाइजेस्ट

२०७. परिषद पत्रिकाक सम्पादन अथवा सम्बद्ध व्यक्तित्वसँ कोन नाम जुड़ल अछि?

- (A) शुभकान्त झा आ हरिश्चन्द्र मिश्र 'मिथिलेन्दु'
- (B) सुमन आ अमर
- (C) धीरेन्द्र
- (D) रामनाथ मिश्र 'मिहिर'

२०८. धीया-पुता मैथिली पत्रकारिताक कोन पक्ष देखबैत अछि?

- (A) केवल सरकारी परीक्षा
- (B) पत्र-पत्रिकाक केन्द्र, विधा आ पाठक-विस्तार
- (C) केवल मौसम-बुलेटिन
- (D) साहित्य-विरोध

२०९. मैथिली परिजातक प्रकाशन/सम्बन्धित केन्द्र कोन अछि?

- (A) वाराणसी
- (B) मुम्बई
- (C) जयपुर
- (D) दरभंगा

२१०. मैथिली कविताक रूप/काल/पहचानमे कोन बात सही अछि?

- (A) त्रैमासिक
- (B) मासिक
- (C) मैथिली-हिन्दी द्विभाषी
- (D) त्रैमासिक कविता-संकलन

२११. मिथिला वाणीक सम्पादन अथवा सम्बद्ध व्यक्तित्वसँ कोन नाम जुड़ल अछि?

- (A) योगेन्द्र झा
- (B) चिरंजी लाल झा
- (C) सुमन आ अमर
- (D) पण्डित मुरलीधर झा

२१२. प्रवासी मैथिली मैथिली पत्रकारिताक कोन पक्ष देखबैत अछि?

- (A) केवल मौसम-बुलेटिन
- (B) पत्र-पत्रिकाक केन्द्र, विधा आ पाठक-विस्तार
- (C) साहित्य-विरोध
- (D) केवल सरकारी परीक्षा

२१३. सोना माटीक प्रकाशन/सम्बन्धित केन्द्र कोन अछि?

- (A) अजमेर
- (B) अलीगढ़
- (C) पटना
- (D) वाराणसी

२१४. श्रीमैथिलीक रूप/काल/पहचानमे कोन बात सही अछि?

- (A) १९६९
- (B) पूर्ण मैथिली पत्रिका
- (C) मैथिली-हिन्दी द्विभाषी
- (D) १९२५-१९२७

२१५. मैथिल प्रभाकरक सम्पादन अथवा सम्बद्ध व्यक्तित्वसँ कोन नाम जुड़ल अछि?

- (A) गौरीनन्दन सिंह
- (B) सुमन आ अमर
- (C) धीरेन्द्र
- (D) सम्पादन-नाम उपलब्ध सूचीमे प्रमुख रूपेँ नहि देल गेल

२१६. स्वदेश मैथिली पत्रकारिताक कोन पक्ष देखबैत अछि?

- (A) पत्र-पत्रिकाक केन्द्र, विधा आ पाठक-विस्तार
- (B) केवल मौसम-बुलेटिन
- (C) केवल सरकारी परीक्षा
- (D) साहित्य-विरोध

२१७. जनकक प्रकाशन/सम्बन्धित केन्द्र कोन अछि?

- (A) दरभंगा
- (B) दिल्ली
- (C) अलीगढ़
- (D) जयपुर

२१८. पल्लवक रूप/काल/पहचानमे कोन बात सही अछि?

- (A) त्रैमासिक
- (B) साप्ताहिक
- (C) बाल-पत्रिका
- (D) मासिक

२१९. सेवकक सम्पादन अथवा सम्बद्ध व्यक्तित्वसँ कोन नाम जुड़ल अछि?

- (A) रामनाथ मिश्र 'मिहिर'
- (B) धीरेन्द्र
- (C) शुभकान्त झा आ हरिश्चन्द्र मिश्र 'मिथिलेन्दु'
- (D) सम्पादन-नाम उपलब्ध सूचीमे प्रमुख रूपेँ नहि देल गेल

२२०. परिषद पत्रिका मैथिली पत्रकारिताक कोन पक्ष देखबैत अछि?

- (A) केवल मौसम-बुलेटिन
- (B) साहित्य-विरोध
- (C) केवल सरकारी परीक्षा
- (D) पत्र-पत्रिकाक केन्द्र, विधा आ पाठक-विस्तार

२२१. धीया-पुताक प्रकाशन/सम्बन्धित केन्द्र कोन अछि?

- (A) दरभंगा
- (B) जयपुर
- (C) वाराणसी
- (D) अलीगढ़

२२२. मैथिली परिजातक रूप/काल/पहचानमे कोन बात सही अछि?

- (A) १९४८
- (B) १९२८-१९३०
- (C) मासिक
- (D) पूर्ण मैथिली पत्रिका

२२३. मैथिली कविताक सम्पादन अथवा सम्बद्ध व्यक्तित्वसँ कोन नाम जुड़ल अछि?

- (A) नचिकेता
- (B) शुभकान्त झा आ हरिश्चन्द्र मिश्र 'मिथिलेन्दु'
- (C) पण्डित मुरलीधर झा
- (D) सुमन आ अमर

२२४. मिथिला वाणी मैथिली पत्रकारिताक कोन पक्ष देखबैत अछि?

- (A) केवल मौसम-बुलेटिन
- (B) पत्र-पत्रिकाक केन्द्र, विधा आ पाठक-विस्तार
- (C) केवल सरकारी परीक्षा
- (D) साहित्य-विरोध

२२५. प्रवासी मैथिलीक प्रकाशन/सम्बन्धित केन्द्र कोन अछि?

- (A) अलीगढ़
- (B) दरभंगा
- (C) गाजियाबाद
- (D) जयपुर

२२६. सोना माटीक रूप/काल/पहचानमे कोन बात सही अछि?

- (A) मासिक
- (B) मैथिली-हिन्दी द्विभाषी
- (C) साहित्यिक डाइजेस्ट
- (D) १९६९

२२७. श्रीमैथिलीक सम्पादन अथवा सम्बद्ध व्यक्तित्वसँ कोन नाम जुड़ल अछि?

- (A) सम्पादन-नाम उपलब्ध सूचीमे प्रमुख रूपेँ नहि देल गेल
- (B) भोलानाथ मिश्र
- (C) पण्डित मुरलीधर झा
- (D) सुरेन्द्र झा 'सुमन'

२२८. मैथिल प्रभाकर मैथिली पत्रकारिताक कोन पक्ष देखबैत अछि?

- (A) केवल मौसम-बुलेटिन
- (B) केवल सरकारी परीक्षा
- (C) पत्र-पत्रिकाक केन्द्र, विधा आ पाठक-विस्तार
- (D) साहित्य-विरोध

२२९. स्वदेशक प्रकाशन/सम्बन्धित केन्द्र कोन अछि?

- (A) दरभंगा
- (B) वाराणसी
- (C) पटना
- (D) गाजियाबाद

२३०. जनकक रूप/काल/पहचानमे कोन बात सही अछि?

- (A) मैथिली-हिन्दी द्विभाषी
- (B) १९२८-१९३०
- (C) साप्ताहिक
- (D) त्रैमासिक

२३१. पल्लवक सम्पादन अथवा सम्बद्ध व्यक्तित्वसँ कोन नाम जुड़ल अछि?

- (A) रामनाथ मिश्र 'मिहिर'
- (B) सुरेन्द्र झा 'सुमन'
- (C) गौरीनन्दन सिंह
- (D) योगेन्द्र झा

२३२. सेवक मैथिली पत्रकारिताक कोन पक्ष देखबैत अछि?

- (A) केवल सरकारी परीक्षा
- (B) पत्र-पत्रिकाक केन्द्र, विधा आ पाठक-विस्तार
- (C) साहित्य-विरोध
- (D) केवल मौसम-बुलेटिन

२३३. परिषद पत्रिकाक प्रकाशन/सम्बन्धित केन्द्र कोन अछि?

- (A) पटना
- (B) दिल्ली
- (C) दरभंगा
- (D) गाजियाबाद

२३४. धीया-पुताक रूप/काल/पहचानमे कोन बात सही अछि?

- (A) बाल-पत्रिका
- (B) मासिक
- (C) १९६९
- (D) त्रैमासिक

२३५. मैथिली परिजातक सम्पादन अथवा सम्बद्ध व्यक्तित्वसँ कोन नाम जुड़ल अछि?

- (A) सुरेन्द्र झा 'सुमन'
- (B) चिरंजी लाल झा
- (C) रामनाथ मिश्र 'मिहिर'
- (D) सम्पादन-नाम उपलब्ध सूचीमे प्रमुख रूपेँ नहि देल गेल

२३६. मैथिली कविता मैथिली पत्रकारिताक कोन पक्ष देखबैत अछि?

- (A) साहित्य-विरोध
- (B) पत्र-पत्रिकाक केन्द्र, विधा आ पाठक-विस्तार
- (C) केवल सरकारी परीक्षा
- (D) केवल मौसम-बुलेटिन

२३७. मिथिला वाणीक प्रकाशन/सम्बन्धित केन्द्र कोन अछि?

- (A) दरभंगा
- (B) अलीगढ़
- (C) मुम्बई
- (D) कोलकाता

२३८. प्रवासी मैथिलीक रूप/काल/पहचानमे कोन बात सही अछि?

- (A) १९४८
- (B) त्रैमासिक
- (C) १९२५-१९२७
- (D) मैथिली-हिन्दी द्विभाषी

२३९. सोना माटीक सम्पादन अथवा सम्बद्ध व्यक्तित्वसँ कोन नाम जुड़ल अछि?

- (A) सुमन आ अमर
- (B) सुरेन्द्र झा 'सुमन'
- (C) गौरीनन्दन सिंह
- (D) सम्पादन-नाम उपलब्ध सूचीमे प्रमुख रूपेँ नहि देल गेल

२४०. श्रीमैथिली मैथिली पत्रकारिताक कोन पक्ष देखबैत अछि?

- (A) साहित्य-विरोध
- (B) केवल मौसम-बुलेटिन
- (C) केवल सरकारी परीक्षा
- (D) पत्र-पत्रिकाक केन्द्र, विधा आ पाठक-विस्तार

२४१. मैथिल प्रभाकरक प्रकाशन/सम्बन्धित केन्द्र कोन अछि?

- (A) पटना
- (B) गाजियाबाद
- (C) वाराणसी
- (D) अलीगढ़

२४२. स्वदेशक रूप/काल/पहचानमे कोन बात सही अछि?

- (A) १९२८-१९३०
- (B) १९४८
- (C) १९६९
- (D) साप्ताहिक

२४३. जनकक सम्पादन अथवा सम्बद्ध व्यक्तित्वसँ कोन नाम जुड़ल अछि?

- (A) योगेन्द्र झा
- (B) रामनाथ मिश्र 'मिहिर'
- (C) भोलानाथ मिश्र
- (D) सुमन आ अमर

२४४. पल्लव मैथिली पत्रकारिताक कोन पक्ष देखबैत अछि?

- (A) साहित्य-विरोध
- (B) केवल मौसम-बुलेटिन
- (C) पत्र-पत्रिकाक केन्द्र, विधा आ पाठक-विस्तार
- (D) केवल सरकारी परीक्षा

२४५. सेवकक प्रकाशन/सम्बन्धित केन्द्र कोन अछि?

- (A) कोलकाता
- (B) अजमेर
- (C) गाजियाबाद
- (D) मुम्बई

२४६. परिषद पत्रिकाक रूप/काल/पहचानमे कोन बात सही अछि?

- (A) मैथिली-हिन्दी द्विभाषी
- (B) त्रैमासिक
- (C) १९६९
- (D) १९२८-१९३०

२४७. धीया-पुताक सम्पादन अथवा सम्बद्ध व्यक्तित्वसँ कोन नाम जुड़ल अछि?

- (A) सम्पादन-नाम उपलब्ध सूचीमे प्रमुख रूपेँ नहि देल गेल
- (B) शुभकान्त झा आ हरिश्चन्द्र मिश्र 'मिथिलेन्दु'
- (C) चिरंजी लाल झा
- (D) धीरेन्द्र

२४८. मैथिली परिजात मैथिली पत्रकारिताक कोन पक्ष देखबैत अछि?

- (A) साहित्य-विरोध
- (B) पत्र-पत्रिकाक केन्द्र, विधा आ पाठक-विस्तार
- (C) केवल सरकारी परीक्षा
- (D) केवल मौसम-बुलेटिन

२४९. मैथिली कविताक प्रकाशन/सम्बन्धित केन्द्र कोन अछि?

- (A) कोलकाता
- (B) वाराणसी
- (C) गाजियाबाद
- (D) पटना

२५०. मिथिला वाणीक रूप/काल/पहचानमे कोन बात सही अछि?

- (A) साप्ताहिक
- (B) १९२८-१९३०
- (C) त्रैमासिक
- (D) बाल-पत्रिका

२५१. प्रवासी मैथिलीक सम्पादन अथवा सम्बद्ध व्यक्तित्वसँ कोन नाम जुड़ल अछि?

- (A) सुरेन्द्र झा 'सुमन'
- (B) योगेन्द्र झा
- (C) शुभकान्त झा आ हरिश्चन्द्र मिश्र 'मिथिलेन्दु'
- (D) चिरंजी लाल झा

२५२. सोना माटी मैथिली पत्रकारिताक कोन पक्ष देखबैत अछि?

- (A) केवल सरकारी परीक्षा
- (B) पत्र-पत्रिकाक केन्द्र, विधा आ पाठक-विस्तार
- (C) साहित्य-विरोध
- (D) केवल मौसम-बुलेटिन

२५३. श्रीमैथिलीक प्रकाशन/सम्बन्धित केन्द्र कोन अछि?

- (A) कोलकाता
- (B) पटना
- (C) दरभंगा
- (D) दिल्ली

२५४. मैथिल प्रभाकरक रूप/काल/पहचानमे कोन बात सही अछि?

- (A) त्रैमासिक
- (B) मासिक
- (C) १९२८-१९३०
- (D) पूर्ण मैथिली पत्रिका

२५५. स्वदेशक सम्पादन अथवा सम्बद्ध व्यक्तित्वसँ कोन नाम जुड़ल अछि?

- (A) सम्पादन-नाम उपलब्ध सूचीमे प्रमुख रूपेँ नहि देल गेल
- (B) गौरीनन्दन सिंह
- (C) सुमन आ अमर
- (D) शुभकान्त झा आ हरिश्चन्द्र मिश्र 'मिथिलेन्दु'

२५६. जनक मैथिली पत्रकारिताक कोन पक्ष देखबैत अछि?

- (A) पत्र-पत्रिकाक केन्द्र, विधा आ पाठक-विस्तार
- (B) केवल मौसम-बुलेटिन
- (C) साहित्य-विरोध
- (D) केवल सरकारी परीक्षा

२५७. पल्लवक प्रकाशन/सम्बन्धित केन्द्र कोन अछि?

- (A) दरभंगा
- (B) दिल्ली
- (C) अलीगढ़
- (D) जयपुर

२५८. सेवकक रूप/काल/पहचानमे कोन बात सही अछि?

- (A) १९६९
- (B) साप्ताहिक
- (C) १९४८
- (D) साहित्यिक डाइजेस्ट

२५९. परिषद पत्रिकाक सम्पादन अथवा सम्बद्ध व्यक्तित्वसँ कोन नाम जुड़ल अछि?

- (A) सुमन आ अमर
- (B) चिरंजी लाल झा
- (C) शुभकान्त झा आ हरिश्चन्द्र मिश्र 'मिथिलेन्दु'
- (D) योगेन्द्र झा

२६०. धीया-पुता मैथिली पत्रकारिताक कोन पक्ष देखबैत अछि?

- (A) केवल सरकारी परीक्षा
- (B) पत्र-पत्रिकाक केन्द्र, विधा आ पाठक-विस्तार
- (C) साहित्य-विरोध
- (D) केवल मौसम-बुलेटिन

२६१. मैथिली परिजातक प्रकाशन/सम्बन्धित केन्द्र कोन अछि?

- (A) जयपुर
- (B) दरभंगा
- (C) गाजियाबाद
- (D) पटना

२६२. मैथिली कविताक रूप/काल/पहचानमे कोन बात सही अछि?

- (A) मासिक
- (B) १९४८
- (C) साहित्यिक डाइजेस्ट
- (D) त्रैमासिक कविता-संकलन

२६३. मिथिला वाणीक सम्पादन अथवा सम्बद्ध व्यक्तित्वसँ कोन नाम जुड़ल अछि?

- (A) धीरेन्द्र
- (B) रामनाथ मिश्र 'मिहिर'
- (C) योगेन्द्र झा
- (D) सुरेन्द्र झा 'सुमन'

२६४. प्रवासी मैथिली मैथिली पत्रकारिताक कोन पक्ष देखबैत अछि?

- (A) साहित्य-विरोध
- (B) केवल मौसम-बुलेटिन
- (C) पत्र-पत्रिकाक केन्द्र, विधा आ पाठक-विस्तार
- (D) केवल सरकारी परीक्षा

२६५. सोना माटीक प्रकाशन/सम्बन्धित केन्द्र कोन अछि?

- (A) गाजियाबाद
- (B) अजमेर
- (C) पटना
- (D) वाराणसी

२६६. श्रीमैथिलीक रूप/काल/पहचानमे कोन बात सही अछि?

- (A) मैथिली-हिन्दी द्विभाषी
- (B) बाल-पत्रिका
- (C) साप्ताहिक
- (D) १९२५-१९२७

२६७. मैथिल प्रभाकरक सम्पादन अथवा सम्बद्ध व्यक्तित्वसँ कोन नाम जुड़ल अछि?

- (A) पण्डित मधुसूदन झा
- (B) सम्पादन-नाम उपलब्ध सूचीमे प्रमुख रूपेँ नहि देल गेल
- (C) सुरेन्द्र झा 'सुमन'
- (D) पण्डित मुरलीधर झा

२६८. स्वदेश मैथिली पत्रकारिताक कोन पक्ष देखबैत अछि?

- (A) साहित्य-विरोध
- (B) केवल मौसम-बुलेटिन
- (C) केवल सरकारी परीक्षा
- (D) पत्र-पत्रिकाक केन्द्र, विधा आ पाठक-विस्तार

२६९. जनकक प्रकाशन/सम्बन्धित केन्द्र कोन अछि?

- (A) दरभंगा
- (B) दिल्ली
- (C) कोलकाता
- (D) गाजियाबाद

२७०. पल्लवक रूप/काल/पहचानमे कोन बात सही अछि?

- (A) त्रैमासिक
- (B) साहित्यिक डाइजेस्ट
- (C) मासिक
- (D) मैथिली-हिन्दी द्विभाषी

२७१. सेवकक सम्पादन अथवा सम्बद्ध व्यक्तित्वसँ कोन नाम जुड़ल अछि?

- (A) भोलानाथ मिश्र
- (B) धीरेन्द्र
- (C) शुभकान्त झा आ हरिश्चन्द्र मिश्र 'मिथिलेन्दु'
- (D) योगेन्द्र झा

२७२. परिषद पत्रिका मैथिली पत्रकारिताक कोन पक्ष देखबैत अछि?

- (A) पत्र-पत्रिकाक केन्द्र, विधा आ पाठक-विस्तार
- (B) केवल सरकारी परीक्षा
- (C) साहित्य-विरोध
- (D) केवल मौसम-बुलेटिन

२७३. धीया-पुताक प्रकाशन/सम्बन्धित केन्द्र कोन अछि?

- (A) जयपुर
- (B) पटना
- (C) दरभंगा
- (D) वाराणसी

२७४. मैथिली परिजातक रूप/काल/पहचानमे कोन बात सही अछि?

- (A) त्रैमासिक
- (B) १९२५-१९२७
- (C) १९६९
- (D) मासिक

२७५. मैथिली कविताक सम्पादन अथवा सम्बद्ध व्यक्तित्वसँ कोन नाम जुड़ल अछि?

- (A) सुमन आ अमर
- (B) नचिकेता
- (C) पण्डित मधुसूदन झा
- (D) चिरंजी लाल झा

२७६. मिथिला वाणी मैथिली पत्रकारिताक कोन पक्ष देखबैत अछि?

- (A) साहित्य-विरोध
- (B) पत्र-पत्रिकाक केन्द्र, विधा आ पाठक-विस्तार
- (C) केवल सरकारी परीक्षा
- (D) केवल मौसम-बुलेटिन

२७७. प्रवासी मैथिलीक प्रकाशन/सम्बन्धित केन्द्र कोन अछि?

- (A) गाजियाबाद
- (B) पटना
- (C) जयपुर
- (D) दरभंगा

२७८. सोना माटीक रूप/काल/पहचानमे कोन बात सही अछि?

- (A) १९४८
- (B) १९२८-१९३०
- (C) १९६९
- (D) त्रैमासिक

२७९. श्रीमैथिलीक सम्पादन अथवा सम्बद्ध व्यक्तित्वसँ कोन नाम जुड़ल अछि?

- (A) सुरेन्द्र झा 'सुमन'
- (B) पण्डित मधुसूदन झा
- (C) सम्पादन-नाम उपलब्ध सूचीमे प्रमुख रूपेँ नहि देल गेल
- (D) धीरेन्द्र

२८०. मैथिल प्रभाकर मैथिली पत्रकारिताक कोन पक्ष देखबैत अछि?

- (A) पत्र-पत्रिकाक केन्द्र, विधा आ पाठक-विस्तार
- (B) केवल सरकारी परीक्षा
- (C) केवल मौसम-बुलेटिन
- (D) साहित्य-विरोध

२८१. स्वदेशक प्रकाशन/सम्बन्धित केन्द्र कोन अछि?

- (A) दरभंगा
- (B) जयपुर
- (C) दिल्ली
- (D) गाजियाबाद

२८२. जनकक रूप/काल/पहचानमे कोन बात सही अछि?

- (A) मैथिली-हिन्दी द्विभाषी
- (B) १९२५-१९२७
- (C) मासिक
- (D) साप्ताहिक

२८३. पल्लवक सम्पादन अथवा सम्बद्ध व्यक्तित्वसँ कोन नाम जुड़ल अछि?

- (A) सम्पादन-नाम उपलब्ध सूचीमे प्रमुख रूपेँ नहि देल गेल
- (B) धीरेन्द्र
- (C) गौरीनन्दन सिंह
- (D) रामनाथ मिश्र 'मिहिर'

२८४. सेवक मैथिली पत्रकारिताक कोन पक्ष देखबैत अछि?

- (A) केवल सरकारी परीक्षा
- (B) साहित्य-विरोध
- (C) पत्र-पत्रिकाक केन्द्र, विधा आ पाठक-विस्तार
- (D) केवल मौसम-बुलेटिन

२८५. परिषद पत्रिकाक प्रकाशन/सम्बन्धित केन्द्र कोन अछि?

- (A) दरभंगा
- (B) गाजियाबाद
- (C) दिल्ली
- (D) वाराणसी

२८६. धीया-पुताक रूप/काल/पहचानमे कोन बात सही अछि?

- (A) बाल-पत्रिका
- (B) १९२५-१९२७
- (C) १९६९
- (D) मासिक

२८७. मैथिली परिजातक सम्पादन अथवा सम्बद्ध व्यक्तित्वसँ कोन नाम जुड़ल अछि?

- (A) धीरेन्द्र
- (B) गौरीनन्दन सिंह
- (C) रामनाथ मिश्र 'मिहिर'
- (D) योगेन्द्र झा

२८८. मैथिली कविता मैथिली पत्रकारिताक कोन पक्ष देखबैत अछि?

- (A) पत्र-पत्रिकाक केन्द्र, विधा आ पाठक-विस्तार
- (B) केवल मौसम-बुलेटिन
- (C) केवल सरकारी परीक्षा
- (D) साहित्य-विरोध

२८९. मिथिला वाणीक प्रकाशन/सम्बन्धित केन्द्र कोन अछि?

- (A) जयपुर
- (B) दरभंगा
- (C) गाजियाबाद
- (D) मुम्बई

२९०. प्रवासी मैथिलीक रूप/काल/पहचानमे कोन बात सही अछि?

- (A) साप्ताहिक
- (B) त्रैमासिक
- (C) १९४८
- (D) मैथिली-हिन्दी द्विभाषी

२९१. सोना माटीक सम्पादन अथवा सम्बद्ध व्यक्तित्वसँ कोन नाम जुड़ल अछि?

- (A) सम्पादन-नाम उपलब्ध सूचीमे प्रमुख रूपेँ नहि देल गेल
- (B) शुभकान्त झा आ हरिश्चन्द्र मिश्र 'मिथिलेन्दु'
- (C) भोलानाथ मिश्र
- (D) सुमन आ अमर

२९२. श्रीमैथिली मैथिली पत्रकारिताक कोन पक्ष देखबैत अछि?

- (A) पत्र-पत्रिकाक केन्द्र, विधा आ पाठक-विस्तार
- (B) केवल सरकारी परीक्षा
- (C) साहित्य-विरोध
- (D) केवल मौसम-बुलेटिन

२९३. मैथिल प्रभाकरक प्रकाशन/सम्बन्धित केन्द्र कोन अछि?

- (A) अलीगढ़
- (B) गाजियाबाद
- (C) वाराणसी
- (D) मुम्बई

२९४. स्वदेशक रूप/काल/पहचानमे कोन बात सही अछि?

- (A) साहित्यिक डाइजेस्ट
- (B) मैथिली-हिन्दी द्विभाषी
- (C) १९४८
- (D) १९२५-१९२७

२९५. जनकक सम्पादन अथवा सम्बद्ध व्यक्तित्वसँ कोन नाम जुड़ल अछि?

- (A) सम्पादन-नाम उपलब्ध सूचीमे प्रमुख रूपेँ नहि देल गेल
- (B) भोलानाथ मिश्र
- (C) सुरेन्द्र झा 'सुमन'
- (D) रामनाथ मिश्र 'मिहिर'

२९६. पल्लव मैथिली पत्रकारिताक कोन पक्ष देखबैत अछि?

- (A) पत्र-पत्रिकाक केन्द्र, विधा आ पाठक-विस्तार
- (B) केवल सरकारी परीक्षा
- (C) साहित्य-विरोध
- (D) केवल मौसम-बुलेटिन

२९७. सेवकक प्रकाशन/सम्बन्धित केन्द्र कोन अछि?

- (A) अलीगढ़
- (B) जयपुर
- (C) कोलकाता
- (D) मुम्बई

२९८. परिषद पत्रिकाक रूप/काल/पहचानमे कोन बात सही अछि?

- (A) त्रैमासिक
- (B) बाल-पत्रिका
- (C) मासिक
- (D) १९४८

२९९. धीया-पुताक सम्पादन अथवा सम्बद्ध व्यक्तित्वसँ कोन नाम जुड़ल अछि?

- (A) नचिकेता
- (B) धीरेन्द्र
- (C) सम्पादन-नाम उपलब्ध सूचीमे प्रमुख रूपेँ नहि देल गेल
- (D) पण्डित मुरलीधर झा

३००. मैथिली परिजात मैथिली पत्रकारिताक कोन पक्ष देखबैत अछि?

- (A) केवल मौसम-बुलेटिन
- (B) केवल सरकारी परीक्षा
- (C) पत्र-पत्रिकाक केन्द्र, विधा आ पाठक-विस्तार
- (D) साहित्य-विरोध

३०१. मैथिली पत्रिकामे कविताक प्रकाशनक मुख्य महत्त्व की अछि?

- (A) समाचार रोकब
- (B) भाषा छिपेनाइ
- (C) केवल पृष्ठ भरब
- (D) भाव, भाषा-प्रयोग आ युग-चेतना

३०२. साहित्यिक पत्रकारिता कोन काज करैत अछि?

- (A) इतिहास हटबैत अछि
- (B) भाषाकेँ मौन करैत अछि
- (C) केवल विज्ञापन छापैत अछि
- (D) रचना, समीक्षा आ समाजक बीच संवाद बनबैत अछि

३०३. विशेषांकक उपयोग मैथिली पत्रिकामे किएक महत्त्वपूर्ण अछि?

- (A) विज्ञापन बढ़ेबाक लेल मात्र
- (B) एक विषय पर संग्रहणीय सामग्री देबाक लेल
- (C) लेखकक नाम हटेबाक लेल
- (D) समाचार बन्द करबाक लेल

३०४. सम्पादकीय पृष्ठक प्रमुख काम की होइत अछि?

- (A) समय, समाज आ भाषापर स्पष्ट दृष्टि देब
- (B) केवल कीमत लिखब
- (C) केवल चित्र राखब
- (D) मुद्रण-त्रुटि बढ़ेबाक लेल

३०५. मैथिली पत्रिकामे आलोचनाक प्रकाशनक मुख्य महत्त्व की अछि?

- (A) केवल पृष्ठ भरब
- (B) मूल्यांकन, कसौटी आ साहित्य-बोध
- (C) भाषा छिपेनाइ
- (D) समाचार रोकब

३०६. साहित्यिक पत्रकारिता कोन काज करैत अछि?

- (A) इतिहास हटबैत अछि
- (B) केवल विज्ञापन छापैत अछि
- (C) रचना, समीक्षा आ समाजक बीच संवाद बनबैत अछि
- (D) भाषाकेँ मौन करैत अछि

३०७. विशेषांकक उपयोग मैथिली पत्रिकामे किएक महत्त्वपूर्ण अछि?

- (A) लेखकक नाम हटेबाक लेल
- (B) विज्ञापन बढ़ेबाक लेल मात्र
- (C) एक विषय पर संग्रहणीय सामग्री देबाक लेल
- (D) समाचार बन्द करबाक लेल

३०८. सम्पादकीय पृष्ठक प्रमुख काम की होइत अछि?

- (A) केवल चित्र राखब
- (B) समय, समाज आ भाषापर स्पष्ट दृष्टि देब
- (C) मुद्रण-त्रुटि बढ़ेबाक लेल
- (D) केवल कीमत लिखब

३०९. मैथिली पत्रिकामे विशेषांकक प्रकाशनक मुख्य महत्त्व की अछि?

- (A) एक विषय पर केन्द्रित गम्भीर सामग्री
- (B) समाचार रोकब
- (C) केवल पृष्ठ भरब
- (D) भाषा छिपेनाइ

३१०. साहित्यिक पत्रकारिता कोन काज करैत अछि?

- (A) भाषाकेँ मौन करैत अछि
- (B) इतिहास हटबैत अछि
- (C) केवल विज्ञापन छापैत अछि
- (D) रचना, समीक्षा आ समाजक बीच संवाद बनबैत अछि

३११. विशेषांकक उपयोग मैथिली पत्रिकामे किएक महत्त्वपूर्ण अछि?

- (A) लेखकक नाम हटेबाक लेल
- (B) समाचार बन्द करबाक लेल
- (C) विज्ञापन बढ़ेबाक लेल मात्र
- (D) एक विषय पर संग्रहणीय सामग्री देबाक लेल

३१२. सम्पादकीय पृष्ठक प्रमुख काम की होइत अछि?

- (A) समय, समाज आ भाषापर स्पष्ट दृष्टि देब
- (B) केवल चित्र राखब
- (C) केवल कीमत लिखब
- (D) मुद्रण-त्रुटि बढ़ेबाक लेल

३१३. मैथिली पत्रिकामे नाटकक प्रकाशनक मुख्य महत्त्व की अछि?

- (A) भाषा छिपेनाइ
- (B) समाचार रोकब
- (C) केवल पृष्ठ भरब
- (D) संवाद, रंगमंच आ सार्वजनिक विचार

३१४. साहित्यिक पत्रकारिता कोन काज करैत अछि?

- (A) इतिहास हटबैत अछि
- (B) रचना, समीक्षा आ समाजक बीच संवाद बनबैत अछि
- (C) भाषाकेँ मौन करैत अछि
- (D) केवल विज्ञापन छापैत अछि

३१५. विशेषांकक उपयोग मैथिली पत्रिकामे किएक महत्त्वपूर्ण अछि?

- (A) विज्ञापन बढ़ेबाक लेल मात्र
- (B) लेखकक नाम हटेबाक लेल
- (C) एक विषय पर संग्रहणीय सामग्री देबाक लेल
- (D) समाचार बन्द करबाक लेल

३१६. सम्पादकीय पृष्ठक प्रमुख काम की होइत अछि?

- (A) केवल चित्र राखब
- (B) समय, समाज आ भाषापर स्पष्ट दृष्टि देब
- (C) केवल कीमत लिखब
- (D) मुद्रण-त्रुटि बढ़ेबाक लेल

३१७. मैथिली पत्रिकामे सम्पादकीयक प्रकाशनक मुख्य महत्त्व की अछि?

- (A) केवल पृष्ठ भरब
- (B) भाषा छिपेनाइ
- (C) पत्रिकाक दृष्टिकोण आ जन-विचार
- (D) समाचार रोकब

३१८. साहित्यिक पत्रकारिता कोन काज करैत अछि?

- (A) इतिहास हटबैत अछि
- (B) भाषाकेँ मौन करैत अछि
- (C) रचना, समीक्षा आ समाजक बीच संवाद बनबैत अछि
- (D) केवल विज्ञापन छापैत अछि

३१९. विशेषांकक उपयोग मैथिली पत्रिकामे किएक महत्त्वपूर्ण अछि?

- (A) एक विषय पर संग्रहणीय सामग्री देबाक लेल
- (B) लेखकक नाम हटेबाक लेल
- (C) समाचार बन्द करबाक लेल
- (D) विज्ञापन बढ़ेबाक लेल मात्र

३२०. सम्पादकीय पृष्ठक प्रमुख काम की होइत अछि?

- (A) मुद्रण-त्रुटि बढ़ेबाक लेल
- (B) केवल कीमत लिखब
- (C) केवल चित्र राखब
- (D) समय, समाज आ भाषापर स्पष्ट दृष्टि देब

३२१. मैथिली पत्रिकामे कविताक प्रकाशनक मुख्य महत्त्व की अछि?

- (A) भाव, भाषा-प्रयोग आ युग-चेतना
- (B) केवल पृष्ठ भरब
- (C) समाचार रोकब
- (D) भाषा छिपेनाइ

३२२. साहित्यिक पत्रकारिता कोन काज करैत अछि?

- (A) रचना, समीक्षा आ समाजक बीच संवाद बनबैत अछि
- (B) भाषाकेँ मौन करैत अछि
- (C) इतिहास हटबैत अछि
- (D) केवल विज्ञापन छापैत अछि

३२३. विशेषांकक उपयोग मैथिली पत्रिकामे किएक महत्त्वपूर्ण अछि?

- (A) समाचार बन्द करबाक लेल
- (B) लेखकक नाम हटेबाक लेल
- (C) एक विषय पर संग्रहणीय सामग्री देबाक लेल
- (D) विज्ञापन बढ़ेबाक लेल मात्र

३२४. सम्पादकीय पृष्ठक प्रमुख काम की होइत अछि?

- (A) केवल चित्र राखब
- (B) मुद्रण-त्रुटि बढ़ेबाक लेल
- (C) समय, समाज आ भाषापर स्पष्ट दृष्टि देब
- (D) केवल कीमत लिखब

३२५. मैथिली पत्रिकामे आलोचनाक प्रकाशनक मुख्य महत्त्व की अछि?

- (A) समाचार रोकब
- (B) केवल पृष्ठ भरब
- (C) मूल्यांकन, कसौटी आ साहित्य-बोध
- (D) भाषा छिपेनाइ

३२६. साहित्यिक पत्रकारिता कोन काज करैत अछि?

- (A) इतिहास हटबैत अछि
- (B) केवल विज्ञापन छापैत अछि
- (C) भाषाकेँ मौन करैत अछि
- (D) रचना, समीक्षा आ समाजक बीच संवाद बनबैत अछि

३२७. विशेषांकक उपयोग मैथिली पत्रिकामे किएक महत्त्वपूर्ण अछि?

- (A) लेखकक नाम हटेबाक लेल
- (B) समाचार बन्द करबाक लेल
- (C) एक विषय पर संग्रहणीय सामग्री देबाक लेल
- (D) विज्ञापन बढ़ेबाक लेल मात्र

३२८. सम्पादकीय पृष्ठक प्रमुख काम की होइत अछि?

- (A) मुद्रण-त्रुटि बढ़ेबाक लेल
- (B) केवल कीमत लिखब
- (C) केवल चित्र राखब
- (D) समय, समाज आ भाषापर स्पष्ट दृष्टि देब

३२९. मैथिली पत्रिकामे विशेषांकक प्रकाशनक मुख्य महत्त्व की अछि?

- (A) भाषा छिपेनाइ
- (B) समाचार रोकब
- (C) एक विषय पर केन्द्रित गम्भीर सामग्री
- (D) केवल पृष्ठ भरब

३३०. साहित्यिक पत्रकारिता कोन काज करैत अछि?

- (A) रचना, समीक्षा आ समाजक बीच संवाद बनबैत अछि
- (B) केवल विज्ञापन छापैत अछि
- (C) इतिहास हटबैत अछि
- (D) भाषाकेँ मौन करैत अछि

३३१. विशेषांकक उपयोग मैथिली पत्रिकामे किएक महत्त्वपूर्ण अछि?

- (A) समाचार बन्द करबाक लेल
- (B) एक विषय पर संग्रहणीय सामग्री देबाक लेल
- (C) विज्ञापन बढ़ेबाक लेल मात्र
- (D) लेखकक नाम हटेबाक लेल

३३२. सम्पादकीय पृष्ठक प्रमुख काम की होइत अछि?

- (A) समय, समाज आ भाषापर स्पष्ट दृष्टि देब
- (B) केवल कीमत लिखब
- (C) मुद्रण-त्रुटि बढ़ेबाक लेल
- (D) केवल चित्र राखब

३३३. मैथिली पत्रिकामे नाटकक प्रकाशनक मुख्य महत्त्व की अछि?

- (A) भाषा छिपेनाइ
- (B) संवाद, रंगमंच आ सार्वजनिक विचार
- (C) समाचार रोकब
- (D) केवल पृष्ठ भरब

३३४. साहित्यिक पत्रकारिता कोन काज करैत अछि?

- (A) रचना, समीक्षा आ समाजक बीच संवाद बनबैत अछि
- (B) केवल विज्ञापन छापैत अछि
- (C) भाषाकेँ मौन करैत अछि
- (D) इतिहास हटबैत अछि

३३५. विशेषांकक उपयोग मैथिली पत्रिकामे किएक महत्त्वपूर्ण अछि?

- (A) समाचार बन्द करबाक लेल
- (B) विज्ञापन बढ़ेबाक लेल मात्र
- (C) लेखकक नाम हटेबाक लेल
- (D) एक विषय पर संग्रहणीय सामग्री देबाक लेल

३३६. सम्पादकीय पृष्ठक प्रमुख काम की होइत अछि?

- (A) मुद्रण-त्रुटि बढ़ेबाक लेल
- (B) समय, समाज आ भाषापर स्पष्ट दृष्टि देब
- (C) केवल चित्र राखब
- (D) केवल कीमत लिखब

३३७. मैथिली पत्रिकामे सम्पादकीयक प्रकाशनक मुख्य महत्त्व की अछि?

- (A) केवल पृष्ठ भरब
- (B) पत्रिकाक दृष्टिकोण आ जन-विचार
- (C) भाषा छिपेनाइ
- (D) समाचार रोकब

३३८. साहित्यिक पत्रकारिता कोन काज करैत अछि?

- (A) केवल विज्ञापन छापैत अछि
- (B) रचना, समीक्षा आ समाजक बीच संवाद बनबैत अछि
- (C) इतिहास हटबैत अछि
- (D) भाषाकेँ मौन करैत अछि

३३९. विशेषांकक उपयोग मैथिली पत्रिकामे किएक महत्त्वपूर्ण अछि?

- (A) एक विषय पर संग्रहणीय सामग्री देबाक लेल
- (B) लेखकक नाम हटेबाक लेल
- (C) समाचार बन्द करबाक लेल
- (D) विज्ञापन बढ़ेबाक लेल मात्र

३४०. सम्पादकीय पृष्ठक प्रमुख काम की होइत अछि?

- (A) केवल कीमत लिखब
- (B) केवल चित्र राखब
- (C) समय, समाज आ भाषापर स्पष्ट दृष्टि देब
- (D) मुद्रण-त्रुटि बढ़ेबाक लेल

३४१. मैथिली पत्रिकामे कविताक प्रकाशनक मुख्य महत्त्व की अछि?

- (A) भाव, भाषा-प्रयोग आ युग-चेतना
- (B) भाषा छिपेनाइ
- (C) समाचार रोकब
- (D) केवल पृष्ठ भरब

३४२. साहित्यिक पत्रकारिता कोन काज करैत अछि?

- (A) भाषाकेँ मौन करैत अछि
- (B) इतिहास हटबैत अछि
- (C) केवल विज्ञापन छापैत अछि
- (D) रचना, समीक्षा आ समाजक बीच संवाद बनबैत अछि

३४३. विशेषांकक उपयोग मैथिली पत्रिकामे किएक महत्त्वपूर्ण अछि?

- (A) समाचार बन्द करबाक लेल
- (B) लेखकक नाम हटेबाक लेल
- (C) एक विषय पर संग्रहणीय सामग्री देबाक लेल
- (D) विज्ञापन बढ़ेबाक लेल मात्र

३४४. सम्पादकीय पृष्ठक प्रमुख काम की होइत अछि?

- (A) समय, समाज आ भाषापर स्पष्ट दृष्टि देब
- (B) मुद्रण-त्रुटि बढ़ेबाक लेल
- (C) केवल चित्र राखब
- (D) केवल कीमत लिखब

३४५. मैथिली पत्रिकामे आलोचनाक प्रकाशनक मुख्य महत्त्व की अछि?

- (A) मूल्यांकन, कसौटी आ साहित्य-बोध
- (B) केवल पृष्ठ भरब
- (C) समाचार रोकब
- (D) भाषा छिपेनाइ

३४६. साहित्यिक पत्रकारिता कोन काज करैत अछि?

- (A) इतिहास हटबैत अछि
- (B) भाषाकेँ मौन करैत अछि
- (C) केवल विज्ञापन छापैत अछि
- (D) रचना, समीक्षा आ समाजक बीच संवाद बनबैत अछि

३४७. विशेषांकक उपयोग मैथिली पत्रिकामे किएक महत्त्वपूर्ण अछि?

- (A) लेखकक नाम हटेबाक लेल
- (B) विज्ञापन बढ़ेबाक लेल मात्र
- (C) एक विषय पर संग्रहणीय सामग्री देबाक लेल
- (D) समाचार बन्द करबाक लेल

३४८. सम्पादकीय पृष्ठक प्रमुख काम की होइत अछि?

- (A) केवल कीमत लिखब
- (B) केवल चित्र राखब
- (C) मुद्रण-त्रुटि बढ़ेबाक लेल
- (D) समय, समाज आ भाषापर स्पष्ट दृष्टि देब

३४९. मैथिली पत्रिकामे विशेषांकक प्रकाशनक मुख्य महत्त्व की अछि?

- (A) भाषा छिपेनाइ
- (B) एक विषय पर केन्द्रित गम्भीर सामग्री
- (C) केवल पृष्ठ भरब
- (D) समाचार रोकब

३५०. साहित्यिक पत्रकारिता कोन काज करैत अछि?

- (A) केवल विज्ञापन छापैत अछि
- (B) इतिहास हटबैत अछि
- (C) भाषाकेँ मौन करैत अछि
- (D) रचना, समीक्षा आ समाजक बीच संवाद बनबैत अछि

३५१. विशेषांकक उपयोग मैथिली पत्रिकामे किएक महत्त्वपूर्ण अछि?

- (A) विज्ञापन बढ़ेबाक लेल मात्र
- (B) समाचार बन्द करबाक लेल
- (C) एक विषय पर संग्रहणीय सामग्री देबाक लेल
- (D) लेखकक नाम हटेबाक लेल

३५२. सम्पादकीय पृष्ठक प्रमुख काम की होइत अछि?

- (A) केवल कीमत लिखब
- (B) केवल चित्र राखब
- (C) समय, समाज आ भाषापर स्पष्ट दृष्टि देब
- (D) मुद्रण-त्रुटि बढ़ेबाक लेल

३५३. मैथिली पत्रिकामे नाटकक प्रकाशनक मुख्य महत्त्व की अछि?

- (A) संवाद, रंगमंच आ सार्वजनिक विचार
- (B) भाषा छिपेनाइ
- (C) समाचार रोकब
- (D) केवल पृष्ठ भरब

३५४. साहित्यिक पत्रकारिता कोन काज करैत अछि?

- (A) केवल विज्ञापन छापैत अछि
- (B) इतिहास हटबैत अछि
- (C) रचना, समीक्षा आ समाजक बीच संवाद बनबैत अछि
- (D) भाषाकेँ मौन करैत अछि

३५५. विशेषांकक उपयोग मैथिली पत्रिकामे किएक महत्त्वपूर्ण अछि?

- (A) लेखकक नाम हटेबाक लेल
- (B) विज्ञापन बढ़ेबाक लेल मात्र
- (C) एक विषय पर संग्रहणीय सामग्री देबाक लेल
- (D) समाचार बन्द करबाक लेल

३५६. सम्पादकीय पृष्ठक प्रमुख काम की होइत अछि?

- (A) समय, समाज आ भाषापर स्पष्ट दृष्टि देब
- (B) केवल चित्र राखब
- (C) केवल कीमत लिखब
- (D) मुद्रण-त्रुटि बढ़ेबाक लेल

३५७. मैथिली पत्रिकामे सम्पादकीयक प्रकाशनक मुख्य महत्त्व की अछि?

- (A) समाचार रोकब
- (B) भाषा छिपेनाइ
- (C) पत्रिकाक दृष्टिकोण आ जन-विचार
- (D) केवल पृष्ठ भरब

३५८. साहित्यिक पत्रकारिता कोन काज करैत अछि?

- (A) इतिहास हटबैत अछि
- (B) रचना, समीक्षा आ समाजक बीच संवाद बनबैत अछि
- (C) केवल विज्ञापन छापैत अछि
- (D) भाषाकेँ मौन करैत अछि

३५९. विशेषांकक उपयोग मैथिली पत्रिकामे किएक महत्त्वपूर्ण अछि?

- (A) लेखकक नाम हटेबाक लेल
- (B) एक विषय पर संग्रहणीय सामग्री देबाक लेल
- (C) समाचार बन्द करबाक लेल
- (D) विज्ञापन बढ़ेबाक लेल मात्र

३६०. सम्पादकीय पृष्ठक प्रमुख काम की होइत अछि?

- (A) केवल कीमत लिखब
- (B) केवल चित्र राखब
- (C) मुद्रण-त्रुटि बढ़ेबाक लेल
- (D) समय, समाज आ भाषापर स्पष्ट दृष्टि देब

३६१. मैथिली पत्रिकामे कविताक प्रकाशनक मुख्य महत्त्व की अछि?

- (A) भाव, भाषा-प्रयोग आ युग-चेतना
- (B) समाचार रोकब
- (C) भाषा छिपेनाइ
- (D) केवल पृष्ठ भरब

३६२. साहित्यिक पत्रकारिता कोन काज करैत अछि?

- (A) इतिहास हटबैत अछि
- (B) रचना, समीक्षा आ समाजक बीच संवाद बनबैत अछि
- (C) केवल विज्ञापन छापैत अछि
- (D) भाषाकेँ मौन करैत अछि

३६३. विशेषांकक उपयोग मैथिली पत्रिकामे किएक महत्त्वपूर्ण अछि?

- (A) एक विषय पर संग्रहणीय सामग्री देबाक लेल
- (B) विज्ञापन बढ़ेबाक लेल मात्र
- (C) लेखकक नाम हटेबाक लेल
- (D) समाचार बन्द करबाक लेल

३६४. सम्पादकीय पृष्ठक प्रमुख काम की होइत अछि?

- (A) केवल चित्र राखब
- (B) समय, समाज आ भाषापर स्पष्ट दृष्टि देब
- (C) मुद्रण-त्रुटि बढ़ेबाक लेल
- (D) केवल कीमत लिखब

३६५. मैथिली पत्रिकामे आलोचनाक प्रकाशनक मुख्य महत्त्व की अछि?

- (A) भाषा छिपेनाइ
- (B) केवल पृष्ठ भरब
- (C) समाचार रोकब
- (D) मूल्यांकन, कसौटी आ साहित्य-बोध

३६६. साहित्यिक पत्रकारिता कोन काज करैत अछि?

- (A) रचना, समीक्षा आ समाजक बीच संवाद बनबैत अछि
- (B) इतिहास हटबैत अछि
- (C) केवल विज्ञापन छापैत अछि
- (D) भाषाकेँ मौन करैत अछि

३६७. विशेषांकक उपयोग मैथिली पत्रिकामे किएक महत्त्वपूर्ण अछि?

- (A) लेखकक नाम हटेबाक लेल
- (B) समाचार बन्द करबाक लेल
- (C) विज्ञापन बढ़ेबाक लेल मात्र
- (D) एक विषय पर संग्रहणीय सामग्री देबाक लेल

३६८. सम्पादकीय पृष्ठक प्रमुख काम की होइत अछि?

- (A) केवल कीमत लिखब
- (B) समय, समाज आ भाषापर स्पष्ट दृष्टि देब
- (C) केवल चित्र राखब
- (D) मुद्रण-त्रुटि बढ़ेबाक लेल

३६९. मैथिली पत्रिकामे विशेषांकक प्रकाशनक मुख्य महत्त्व की अछि?

- (A) केवल पृष्ठ भरब
- (B) समाचार रोकब
- (C) भाषा छिपेनाइ
- (D) एक विषय पर केन्द्रित गम्भीर सामग्री

३७०. साहित्यिक पत्रकारिता कोन काज करैत अछि?

- (A) केवल विज्ञापन छापैत अछि
- (B) इतिहास हटबैत अछि
- (C) भाषाकेँ मौन करैत अछि
- (D) रचना, समीक्षा आ समाजक बीच संवाद बनबैत अछि

३७१. विशेषांकक उपयोग मैथिली पत्रिकामे किएक महत्त्वपूर्ण अछि?

- (A) समाचार बन्द करबाक लेल
- (B) लेखकक नाम हटेबाक लेल
- (C) विज्ञापन बढ़ेबाक लेल मात्र
- (D) एक विषय पर संग्रहणीय सामग्री देबाक लेल

३७२. सम्पादकीय पृष्ठक प्रमुख काम की होइत अछि?

- (A) समय, समाज आ भाषापर स्पष्ट दृष्टि देब
- (B) केवल चित्र राखब
- (C) मुद्रण-त्रुटि बढ़ेबाक लेल
- (D) केवल कीमत लिखब

३७३. मैथिली पत्रिकामे नाटकक प्रकाशनक मुख्य महत्त्व की अछि?

- (A) भाषा छिपेनाइ
- (B) संवाद, रंगमंच आ सार्वजनिक विचार
- (C) समाचार रोकब
- (D) केवल पृष्ठ भरब

३७४. साहित्यिक पत्रकारिता कोन काज करैत अछि?

- (A) भाषाकेँ मौन करैत अछि
- (B) इतिहास हटबैत अछि
- (C) केवल विज्ञापन छापैत अछि
- (D) रचना, समीक्षा आ समाजक बीच संवाद बनबैत अछि

३७५. विशेषांकक उपयोग मैथिली पत्रिकामे किएक महत्त्वपूर्ण अछि?

- (A) समाचार बन्द करबाक लेल
- (B) विज्ञापन बढ़ेबाक लेल मात्र
- (C) लेखकक नाम हटेबाक लेल
- (D) एक विषय पर संग्रहणीय सामग्री देबाक लेल

३७६. सम्पादकीय पृष्ठक प्रमुख काम की होइत अछि?

- (A) मुद्रण-त्रुटि बढ़ेबाक लेल
- (B) केवल चित्र राखब
- (C) समय, समाज आ भाषापर स्पष्ट दृष्टि देब
- (D) केवल कीमत लिखब

३७७. मैथिली पत्रिकामे सम्पादकीयक प्रकाशनक मुख्य महत्त्व की अछि?

- (A) भाषा छिपेनाइ
- (B) पत्रिकाक दृष्टिकोण आ जन-विचार
- (C) केवल पृष्ठ भरब
- (D) समाचार रोकब

३७८. साहित्यिक पत्रकारिता कोन काज करैत अछि?

- (A) इतिहास हटबैत अछि
- (B) केवल विज्ञापन छापैत अछि
- (C) रचना, समीक्षा आ समाजक बीच संवाद बनबैत अछि
- (D) भाषाकेँ मौन करैत अछि

३७९. विशेषांकक उपयोग मैथिली पत्रिकामे किएक महत्त्वपूर्ण अछि?

- (A) समाचार बन्द करबाक लेल
- (B) विज्ञापन बढ़ेबाक लेल मात्र
- (C) लेखकक नाम हटेबाक लेल
- (D) एक विषय पर संग्रहणीय सामग्री देबाक लेल

३८०. सम्पादकीय पृष्ठक प्रमुख काम की होइत अछि?

- (A) केवल चित्र राखब
- (B) मुद्रण-त्रुटि बढ़ेबाक लेल
- (C) समय, समाज आ भाषापर स्पष्ट दृष्टि देब
- (D) केवल कीमत लिखब

३८१. मैथिली पत्रिकामे कविताक प्रकाशनक मुख्य महत्त्व की अछि?

- (A) भाव, भाषा-प्रयोग आ युग-चेतना
- (B) भाषा छिपेनाइ
- (C) केवल पृष्ठ भरब
- (D) समाचार रोकब

३८२. साहित्यिक पत्रकारिता कोन काज करैत अछि?

- (A) रचना, समीक्षा आ समाजक बीच संवाद बनबैत अछि
- (B) केवल विज्ञापन छापैत अछि
- (C) इतिहास हटबैत अछि
- (D) भाषाकेँ मौन करैत अछि

३८३. विशेषांकक उपयोग मैथिली पत्रिकामे किएक महत्त्वपूर्ण अछि?

- (A) एक विषय पर संग्रहणीय सामग्री देबाक लेल
- (B) लेखकक नाम हटेबाक लेल
- (C) समाचार बन्द करबाक लेल
- (D) विज्ञापन बढ़ेबाक लेल मात्र

३८४. सम्पादकीय पृष्ठक प्रमुख काम की होइत अछि?

- (A) समय, समाज आ भाषापर स्पष्ट दृष्टि देब
- (B) केवल चित्र राखब
- (C) मुद्रण-त्रुटि बढ़ेबाक लेल
- (D) केवल कीमत लिखब

३८५. मैथिली पत्रिकामे आलोचनाक प्रकाशनक मुख्य महत्त्व की अछि?

- (A) केवल पृष्ठ भरब
- (B) समाचार रोकब
- (C) मूल्यांकन, कसौटी आ साहित्य-बोध
- (D) भाषा छिपेनाइ

३८६. साहित्यिक पत्रकारिता कोन काज करैत अछि?

- (A) इतिहास हटबैत अछि
- (B) रचना, समीक्षा आ समाजक बीच संवाद बनबैत अछि
- (C) केवल विज्ञापन छापैत अछि
- (D) भाषाकेँ मौन करैत अछि

३८७. विशेषांकक उपयोग मैथिली पत्रिकामे किएक महत्त्वपूर्ण अछि?

- (A) लेखकक नाम हटेबाक लेल
- (B) एक विषय पर संग्रहणीय सामग्री देबाक लेल
- (C) समाचार बन्द करबाक लेल
- (D) विज्ञापन बढ़ेबाक लेल मात्र

३८८. सम्पादकीय पृष्ठक प्रमुख काम की होइत अछि?

- (A) मुद्रण-त्रुटि बढ़ेबाक लेल
- (B) केवल चित्र राखब
- (C) केवल कीमत लिखब
- (D) समय, समाज आ भाषापर स्पष्ट दृष्टि देब

३८९. मैथिली पत्रिकामे विशेषांकक प्रकाशनक मुख्य महत्त्व की अछि?

- (A) समाचार रोकब
- (B) एक विषय पर केन्द्रित गम्भीर सामग्री
- (C) केवल पृष्ठ भरब
- (D) भाषा छिपेनाइ

३९०. साहित्यिक पत्रकारिता कोन काज करैत अछि?

- (A) इतिहास हटबैत अछि
- (B) भाषाकेँ मौन करैत अछि
- (C) रचना, समीक्षा आ समाजक बीच संवाद बनबैत अछि
- (D) केवल विज्ञापन छापैत अछि

३९१. विशेषांकक उपयोग मैथिली पत्रिकामे किएक महत्त्वपूर्ण अछि?

- (A) विज्ञापन बढ़ेबाक लेल मात्र
- (B) एक विषय पर संग्रहणीय सामग्री देबाक लेल
- (C) समाचार बन्द करबाक लेल
- (D) लेखकक नाम हटेबाक लेल

३९२. सम्पादकीय पृष्ठक प्रमुख काम की होइत अछि?

- (A) केवल कीमत लिखब
- (B) समय, समाज आ भाषापर स्पष्ट दृष्टि देब
- (C) केवल चित्र राखब
- (D) मुद्रण-त्रुटि बढ़ेबाक लेल

३९३. मैथिली पत्रिकामे नाटकक प्रकाशनक मुख्य महत्त्व की अछि?

- (A) संवाद, रंगमंच आ सार्वजनिक विचार
- (B) समाचार रोकब
- (C) भाषा छिपेनाइ
- (D) केवल पृष्ठ भरब

३९४. साहित्यिक पत्रकारिता कोन काज करैत अछि?

- (A) इतिहास हटबैत अछि
- (B) रचना, समीक्षा आ समाजक बीच संवाद बनबैत अछि
- (C) केवल विज्ञापन छापैत अछि
- (D) भाषाकेँ मौन करैत अछि

३९५. विशेषांकक उपयोग मैथिली पत्रिकामे किएक महत्त्वपूर्ण अछि?

- (A) एक विषय पर संग्रहणीय सामग्री देबाक लेल
- (B) लेखकक नाम हटेबाक लेल
- (C) समाचार बन्द करबाक लेल
- (D) विज्ञापन बढ़ेबाक लेल मात्र

३९६. सम्पादकीय पृष्ठक प्रमुख काम की होइत अछि?

- (A) केवल चित्र राखब
- (B) मुद्रण-त्रुटि बढ़ेबाक लेल
- (C) समय, समाज आ भाषापर स्पष्ट दृष्टि देब
- (D) केवल कीमत लिखब

३९७. मैथिली पत्रिकामे सम्पादकीयक प्रकाशनक मुख्य महत्त्व की अछि?

- (A) समाचार रोकब
- (B) केवल पृष्ठ भरब
- (C) पत्रिकाक दृष्टिकोण आ जन-विचार
- (D) भाषा छिपेनाइ

३९८. साहित्यिक पत्रकारिता कोन काज करैत अछि?

- (A) रचना, समीक्षा आ समाजक बीच संवाद बनबैत अछि
- (B) भाषाकेँ मौन करैत अछि
- (C) केवल विज्ञापन छापैत अछि
- (D) इतिहास हटबैत अछि

३९९. विशेषांकक उपयोग मैथिली पत्रिकामे किएक महत्त्वपूर्ण अछि?

- (A) विज्ञापन बढ़ेबाक लेल मात्र
- (B) लेखकक नाम हटेबाक लेल
- (C) एक विषय पर संग्रहणीय सामग्री देबाक लेल
- (D) समाचार बन्द करबाक लेल

४००. सम्पादकीय पृष्ठक प्रमुख काम की होइत अछि?

- (A) केवल कीमत लिखब
- (B) समय, समाज आ भाषापर स्पष्ट दृष्टि देब
- (C) मुद्रण-त्रुटि बढ़ेबाक लेल
- (D) केवल चित्र राखब

४०१. मैथिली पत्रकारितामे दहेज-प्रथा विषय उठेनाइ कोन प्रवृत्ति देखबैत अछि?

- (A) भाषा-विरोध
- (B) सम्पादनहीनता
- (C) केवल मनोरंजन
- (D) पत्रकारिताक समाज-सुधारक भूमिका

४०२. बाल-विवाह पर लेख/समाचारक उद्देश्य की भऽ सकैत अछि?

- (A) भाषा हटाएब
- (B) इतिहास नष्ट करब
- (C) बाल-अधिकार आ शिक्षा
- (D) पाठककेँ भ्रमित करब

४०३. सार्वजनिक प्रश्न उठाबयवला पत्रिका पाठकमे की जगबैत अछि?

- (A) मौन आ अलगाव
- (B) सिर्फ खरीदारी
- (C) भाषा-उपेक्षा
- (D) चेतना आ सहभागिता

४०४. भाषा-आन्दोलनक समय पत्र-पत्रिका किएक जरूरी होइत अछि?

- (A) सबूत मिटा दैत अछि
- (B) समाचारकेँ निजी बनबैत अछि
- (C) लेखन रोकि दैत अछि
- (D) मांग, तर्क आ प्रमाणकेँ सार्वजनिक बनबैत अछि

४०५. मैथिली पत्रकारितामे आकाशवाणीमे मैथिली विषय उठेनाइ कोन प्रवृत्ति देखबैत अछि?

- (A) केवल मनोरंजन
- (B) भाषा-विरोध
- (C) पत्रकारिताक समाज-सुधारक भूमिका
- (D) सम्पादनहीनता

४०६. विश्वविद्यालयमे मैथिली पर लेख/समाचारक उद्देश्य की भऽ सकैत अछि?

- (A) भाषा हटाएब
- (B) इतिहास नष्ट करब
- (C) उच्च शिक्षामे मातृभाषा
- (D) पाठककेँ भ्रमित करब

४०७. सार्वजनिक प्रश्न उठाबयवला पत्रिका पाठकमे की जगबैत अछि?

- (A) मौन आ अलगाव
- (B) चेतना आ सहभागिता
- (C) सिर्फ खरीदारी
- (D) भाषा-उपेक्षा

४०८. भाषा-आन्दोलनक समय पत्र-पत्रिका किएक जरूरी होइत अछि?

- (A) सबूत मिटा दैत अछि
- (B) मांग, तर्क आ प्रमाणकेँ सार्वजनिक बनबैत अछि
- (C) समाचारकेँ निजी बनबैत अछि
- (D) लेखन रोकि दैत अछि

४०९. मैथिली पत्रकारितामे स्त्री-शिक्षा विषय उठेनाइ कोन प्रवृत्ति देखबैत अछि?

- (A) सम्पादनहीनता
- (B) भाषा-विरोध
- (C) केवल मनोरंजन
- (D) पत्रकारिताक समाज-सुधारक भूमिका

४१०. प्रवासी मैथिल पहचान पर लेख/समाचारक उद्देश्य की भऽ सकैत अछि?

- (A) भाषा हटाएब
- (B) पाठककेँ भ्रमित करब
- (C) इतिहास नष्ट करब
- (D) दूर रहिकेँ भाषा-संस्कृति सँ जुड़ाव

४११. सार्वजनिक प्रश्न उठाबयवला पत्रिका पाठकमे की जगबैत अछि?

- (A) मौन आ अलगाव
- (B) चेतना आ सहभागिता
- (C) सिर्फ खरीदारी
- (D) भाषा-उपेक्षा

४१२. भाषा-आन्दोलनक समय पत्र-पत्रिका किएक जरूरी होइत अछि?

- (A) मांग, तर्क आ प्रमाणकेँ सार्वजनिक बनबैत अछि
- (B) लेखन रोकि दैत अछि
- (C) सबूत मिटा दैत अछि
- (D) समाचारकेँ निजी बनबैत अछि

४१३. मैथिली पत्रकारितामे जाति-भेद विषय उठेनाइ कोन प्रवृत्ति देखबैत अछि?

- (A) केवल मनोरंजन
- (B) पत्रकारिताक समाज-सुधारक भूमिका
- (C) सम्पादनहीनता
- (D) भाषा-विरोध

४१४. मैथिली भाषा-मान्यता पर लेख/समाचारक उद्देश्य की भऽ सकैत अछि?

- (A) इतिहास नष्ट करब
- (B) भाषा-अधिकार
- (C) भाषा हटाएब
- (D) पाठककेँ भ्रमित करब

४१५. सार्वजनिक प्रश्न उठाबयवला पत्रिका पाठकमे की जगबैत अछि?

- (A) सिर्फ खरीदारी
- (B) मौन आ अलगाव
- (C) चेतना आ सहभागिता
- (D) भाषा-उपेक्षा

४१६. भाषा-आन्दोलनक समय पत्र-पत्रिका किएक जरूरी होइत अछि?

- (A) समाचारकेँ निजी बनबैत अछि
- (B) मांग, तर्क आ प्रमाणकेँ सार्वजनिक बनबैत अछि
- (C) लेखन रोकि दैत अछि
- (D) सबूत मिटा दैत अछि

४१७. मैथिली पत्रकारितामे बड़ रेल-लाइन विषय उठेनाइ कोन प्रवृत्ति देखबैत अछि?

- (A) भाषा-विरोध
- (B) सम्पादनहीनता
- (C) केवल मनोरंजन
- (D) पत्रकारिताक समाज-सुधारक भूमिका

४१८. कृषि आ ग्रामीण अर्थ पर लेख/समाचारक उद्देश्य की भऽ सकैत अछि?

- (A) इतिहास नष्ट करब
- (B) गामक जीवन-संबंधी सूचना
- (C) पाठककेँ भ्रमित करब
- (D) भाषा हटाएब

४१९. सार्वजनिक प्रश्न उठाबयवला पत्रिका पाठकमे की जगबैत अछि?

- (A) भाषा-उपेक्षा
- (B) सिर्फ खरीदारी
- (C) चेतना आ सहभागिता
- (D) मौन आ अलगाव

४२०. भाषा-आन्दोलनक समय पत्र-पत्रिका किएक जरूरी होइत अछि?

- (A) मांग, तर्क आ प्रमाणकेँ सार्वजनिक बनबैत अछि
- (B) सबूत मिटा दैत अछि
- (C) लेखन रोकि दैत अछि
- (D) समाचारकेँ निजी बनबैत अछि

४२१. मैथिली पत्रकारितामे दहेज-प्रथा विषय उठेनाइ कोन प्रवृत्ति देखबैत अछि?

- (A) केवल मनोरंजन
- (B) भाषा-विरोध
- (C) सम्पादनहीनता
- (D) पत्रकारिताक समाज-सुधारक भूमिका

४२२. बाल-विवाह पर लेख/समाचारक उद्देश्य की भऽ सकैत अछि?

- (A) बाल-अधिकार आ शिक्षा
- (B) भाषा हटाएब
- (C) पाठककेँ भ्रमित करब
- (D) इतिहास नष्ट करब

४२३. सार्वजनिक प्रश्न उठाबयवला पत्रिका पाठकमे की जगबैत अछि?

- (A) चेतना आ सहभागिता
- (B) भाषा-उपेक्षा
- (C) मौन आ अलगाव
- (D) सिर्फ खरीदारी

४२४. भाषा-आन्दोलनक समय पत्र-पत्रिका किएक जरूरी होइत अछि?

- (A) सबूत मिटा दैत अछि
- (B) लेखन रोकि दैत अछि
- (C) समाचारकेँ निजी बनबैत अछि
- (D) मांग, तर्क आ प्रमाणकेँ सार्वजनिक बनबैत अछि

४२५. मैथिली पत्रकारितामे आकाशवाणीमे मैथिली विषय उठेनाइ कोन प्रवृत्ति देखबैत अछि?

- (A) सम्पादनहीनता
- (B) केवल मनोरंजन
- (C) भाषा-विरोध
- (D) पत्रकारिताक समाज-सुधारक भूमिका

४२६. विश्वविद्यालयमे मैथिली पर लेख/समाचारक उद्देश्य की भऽ सकैत अछि?

- (A) पाठककेँ भ्रमित करब
- (B) इतिहास नष्ट करब
- (C) उच्च शिक्षामे मातृभाषा
- (D) भाषा हटाएब

४२७. सार्वजनिक प्रश्न उठाबयवला पत्रिका पाठकमे की जगबैत अछि?

- (A) मौन आ अलगाव
- (B) चेतना आ सहभागिता
- (C) सिर्फ खरीदारी
- (D) भाषा-उपेक्षा

४२८. भाषा-आन्दोलनक समय पत्र-पत्रिका किएक जरूरी होइत अछि?

- (A) मांग, तर्क आ प्रमाणकेँ सार्वजनिक बनबैत अछि
- (B) लेखन रोकि दैत अछि
- (C) सबूत मिटा दैत अछि
- (D) समाचारकेँ निजी बनबैत अछि

४२९. मैथिली पत्रकारितामे स्त्री-शिक्षा विषय उठेनाइ कोन प्रवृत्ति देखबैत अछि?

- (A) सम्पादनहीनता
- (B) केवल मनोरंजन
- (C) भाषा-विरोध
- (D) पत्रकारिताक समाज-सुधारक भूमिका

४३०. प्रवासी मैथिल पहचान पर लेख/समाचारक उद्देश्य की भऽ सकैत अछि?

- (A) इतिहास नष्ट करब
- (B) भाषा हटाएब
- (C) दूर रहिकेँ भाषा-संस्कृति सँ जुड़ाव
- (D) पाठककेँ भ्रमित करब

४३१. सार्वजनिक प्रश्न उठाबयवला पत्रिका पाठकमे की जगबैत अछि?

- (A) मौन आ अलगाव
- (B) चेतना आ सहभागिता
- (C) सिर्फ खरीदारी
- (D) भाषा-उपेक्षा

४३२. भाषा-आन्दोलनक समय पत्र-पत्रिका किएक जरूरी होइत अछि?

- (A) मांग, तर्क आ प्रमाणकेँ सार्वजनिक बनबैत अछि
- (B) लेखन रोकि दैत अछि
- (C) सबूत मिटा दैत अछि
- (D) समाचारकेँ निजी बनबैत अछि

४३३. मैथिली पत्रकारितामे जाति-भेद विषय उठेनाइ कोन प्रवृत्ति देखबैत अछि?

- (A) केवल मनोरंजन
- (B) पत्रकारिताक समाज-सुधारक भूमिका
- (C) सम्पादनहीनता
- (D) भाषा-विरोध

४३४. मैथिली भाषा-मान्यता पर लेख/समाचारक उद्देश्य की भऽ सकैत अछि?

- (A) इतिहास नष्ट करब
- (B) भाषा-अधिकार
- (C) भाषा हटाएब
- (D) पाठककेँ भ्रमित करब

४३५. सार्वजनिक प्रश्न उठाबयवला पत्रिका पाठकमे की जगबैत अछि?

- (A) भाषा-उपेक्षा
- (B) चेतना आ सहभागिता
- (C) सिर्फ खरीदारी
- (D) मौन आ अलगाव

४३६. भाषा-आन्दोलनक समय पत्र-पत्रिका किएक जरूरी होइत अछि?

- (A) समाचारकेँ निजी बनबैत अछि
- (B) मांग, तर्क आ प्रमाणकेँ सार्वजनिक बनबैत अछि
- (C) लेखन रोकि दैत अछि
- (D) सबूत मिटा दैत अछि

४३७. मैथिली पत्रकारितामे बड़ रेल-लाइन विषय उठेनाइ कोन प्रवृत्ति देखबैत अछि?

- (A) केवल मनोरंजन
- (B) सम्पादनहीनता
- (C) भाषा-विरोध
- (D) पत्रकारिताक समाज-सुधारक भूमिका

४३८. कृषि आ ग्रामीण अर्थ पर लेख/समाचारक उद्देश्य की भऽ सकैत अछि?

- (A) इतिहास नष्ट करब
- (B) गामक जीवन-संबंधी सूचना
- (C) भाषा हटाएब
- (D) पाठककेँ भ्रमित करब

४३९. सार्वजनिक प्रश्न उठाबयवला पत्रिका पाठकमे की जगबैत अछि?

- (A) मौन आ अलगाव
- (B) भाषा-उपेक्षा
- (C) चेतना आ सहभागिता
- (D) सिर्फ खरीदारी

४४०. भाषा-आन्दोलनक समय पत्र-पत्रिका किएक जरूरी होइत अछि?

- (A) सबूत मिटा दैत अछि
- (B) समाचारकेँ निजी बनबैत अछि
- (C) मांग, तर्क आ प्रमाणकेँ सार्वजनिक बनबैत अछि
- (D) लेखन रोकि दैत अछि

४४१. मैथिली पत्रकारितामे दहेज-प्रथा विषय उठेनाइ कोन प्रवृत्ति देखबैत अछि?

- (A) सम्पादनहीनता
- (B) पत्रकारिताक समाज-सुधारक भूमिका
- (C) केवल मनोरंजन
- (D) भाषा-विरोध

४४२. बाल-विवाह पर लेख/समाचारक उद्देश्य की भऽ सकैत अछि?

- (A) बाल-अधिकार आ शिक्षा
- (B) इतिहास नष्ट करब
- (C) पाठककेँ भ्रमित करब
- (D) भाषा हटाएब

४४३. सार्वजनिक प्रश्न उठाबयवला पत्रिका पाठकमे की जगबैत अछि?

- (A) भाषा-उपेक्षा
- (B) चेतना आ सहभागिता
- (C) मौन आ अलगाव
- (D) सिर्फ खरीदारी

४४४. भाषा-आन्दोलनक समय पत्र-पत्रिका किएक जरूरी होइत अछि?

- (A) लेखन रोकि दैत अछि
- (B) मांग, तर्क आ प्रमाणकेँ सार्वजनिक बनबैत अछि
- (C) समाचारकेँ निजी बनबैत अछि
- (D) सबूत मिटा दैत अछि

४४५. मैथिली पत्रकारितामे आकाशवाणीमे मैथिली विषय उठेनाइ कोन प्रवृत्ति देखबैत अछि?

- (A) केवल मनोरंजन
- (B) पत्रकारिताक समाज-सुधारक भूमिका
- (C) सम्पादनहीनता
- (D) भाषा-विरोध

४४६. विश्वविद्यालयमे मैथिली पर लेख/समाचारक उद्देश्य की भऽ सकैत अछि?

- (A) इतिहास नष्ट करब
- (B) पाठककेँ भ्रमित करब
- (C) भाषा हटाएब
- (D) उच्च शिक्षामे मातृभाषा

४४७. सार्वजनिक प्रश्न उठाबयवला पत्रिका पाठकमे की जगबैत अछि?

- (A) चेतना आ सहभागिता
- (B) भाषा-उपेक्षा
- (C) मौन आ अलगाव
- (D) सिर्फ खरीदारी

४४८. भाषा-आन्दोलनक समय पत्र-पत्रिका किएक जरूरी होइत अछि?

- (A) समाचारकेँ निजी बनबैत अछि
- (B) मांग, तर्क आ प्रमाणकेँ सार्वजनिक बनबैत अछि
- (C) लेखन रोकि दैत अछि
- (D) सबूत मिटा दैत अछि

४४९. मैथिली पत्रकारितामे स्त्री-शिक्षा विषय उठेनाइ कोन प्रवृत्ति देखबैत अछि?

- (A) सम्पादनहीनता
- (B) भाषा-विरोध
- (C) केवल मनोरंजन
- (D) पत्रकारिताक समाज-सुधारक भूमिका

४५०. प्रवासी मैथिल पहचान पर लेख/समाचारक उद्देश्य की भऽ सकैत अछि?

- (A) इतिहास नष्ट करब
- (B) दूर रहिकेँ भाषा-संस्कृति सँ जुड़ाव
- (C) भाषा हटाएब
- (D) पाठककेँ भ्रमित करब

४५१. सार्वजनिक प्रश्न उठाबयवला पत्रिका पाठकमे की जगबैत अछि?

- (A) भाषा-उपेक्षा
- (B) चेतना आ सहभागिता
- (C) मौन आ अलगाव
- (D) सिर्फ खरीदारी

४५२. भाषा-आन्दोलनक समय पत्र-पत्रिका किएक जरूरी होइत अछि?

- (A) समाचारकेँ निजी बनबैत अछि
- (B) मांग, तर्क आ प्रमाणकेँ सार्वजनिक बनबैत अछि
- (C) सबूत मिटा दैत अछि
- (D) लेखन रोकि दैत अछि

४५३. मैथिली पत्रकारितामे जाति-भेद विषय उठेनाइ कोन प्रवृत्ति देखबैत अछि?

- (A) भाषा-विरोध
- (B) सम्पादनहीनता
- (C) केवल मनोरंजन
- (D) पत्रकारिताक समाज-सुधारक भूमिका

४५४. मैथिली भाषा-मान्यता पर लेख/समाचारक उद्देश्य की भऽ सकैत अछि?

- (A) भाषा हटाएब
- (B) पाठककेँ भ्रमित करब
- (C) इतिहास नष्ट करब
- (D) भाषा-अधिकार

४५५. सार्वजनिक प्रश्न उठाबयवला पत्रिका पाठकमे की जगबैत अछि?

- (A) मौन आ अलगाव
- (B) सिर्फ खरीदारी
- (C) भाषा-उपेक्षा
- (D) चेतना आ सहभागिता

४५६. भाषा-आन्दोलनक समय पत्र-पत्रिका किएक जरूरी होइत अछि?

- (A) समाचारकेँ निजी बनबैत अछि
- (B) लेखन रोकि दैत अछि
- (C) मांग, तर्क आ प्रमाणकेँ सार्वजनिक बनबैत अछि
- (D) सबूत मिटा दैत अछि

४५७. मैथिली पत्रकारितामे बड़ रेल-लाइन विषय उठेनाइ कोन प्रवृत्ति देखबैत अछि?

- (A) पत्रकारिताक समाज-सुधारक भूमिका
- (B) सम्पादनहीनता
- (C) केवल मनोरंजन
- (D) भाषा-विरोध

४५८. कृषि आ ग्रामीण अर्थ पर लेख/समाचारक उद्देश्य की भऽ सकैत अछि?

- (A) भाषा हटाएब
- (B) गामक जीवन-संबंधी सूचना
- (C) इतिहास नष्ट करब
- (D) पाठककेँ भ्रमित करब

४५९. सार्वजनिक प्रश्न उठाबयवला पत्रिका पाठकमे की जगबैत अछि?

- (A) भाषा-उपेक्षा
- (B) चेतना आ सहभागिता
- (C) मौन आ अलगाव
- (D) सिर्फ खरीदारी

४६०. भाषा-आन्दोलनक समय पत्र-पत्रिका किएक जरूरी होइत अछि?

- (A) लेखन रोकि दैत अछि
- (B) मांग, तर्क आ प्रमाणकेँ सार्वजनिक बनबैत अछि
- (C) समाचारकेँ निजी बनबैत अछि
- (D) सबूत मिटा दैत अछि

४६१. मैथिली पत्रकारितामे दहेज-प्रथा विषय उठेनाइ कोन प्रवृत्ति देखबैत अछि?

- (A) पत्रकारिताक समाज-सुधारक भूमिका
- (B) भाषा-विरोध
- (C) केवल मनोरंजन
- (D) सम्पादनहीनता

४६२. बाल-विवाह पर लेख/समाचारक उद्देश्य की भऽ सकैत अछि?

- (A) इतिहास नष्ट करब
- (B) बाल-अधिकार आ शिक्षा
- (C) पाठककेँ भ्रमित करब
- (D) भाषा हटाएब

४६३. सार्वजनिक प्रश्न उठाबयवला पत्रिका पाठकमे की जगबैत अछि?

- (A) चेतना आ सहभागिता
- (B) सिर्फ खरीदारी
- (C) मौन आ अलगाव
- (D) भाषा-उपेक्षा

४६४. भाषा-आन्दोलनक समय पत्र-पत्रिका किएक जरूरी होइत अछि?

- (A) सबूत मिटा दैत अछि
- (B) लेखन रोकि दैत अछि
- (C) समाचारकेँ निजी बनबैत अछि
- (D) मांग, तर्क आ प्रमाणकेँ सार्वजनिक बनबैत अछि

४६५. मैथिली पत्रकारितामे आकाशवाणीमे मैथिली विषय उठेनाइ कोन प्रवृत्ति देखबैत अछि?

- (A) पत्रकारिताक समाज-सुधारक भूमिका
- (B) भाषा-विरोध
- (C) केवल मनोरंजन
- (D) सम्पादनहीनता

४६६. विश्वविद्यालयमे मैथिली पर लेख/समाचारक उद्देश्य की भऽ सकैत अछि?

- (A) पाठककेँ भ्रमित करब
- (B) इतिहास नष्ट करब
- (C) उच्च शिक्षामे मातृभाषा
- (D) भाषा हटाएब

४६७. सार्वजनिक प्रश्न उठाबयवला पत्रिका पाठकमे की जगबैत अछि?

- (A) सिर्फ खरीदारी
- (B) मौन आ अलगाव
- (C) चेतना आ सहभागिता
- (D) भाषा-उपेक्षा

४६८. भाषा-आन्दोलनक समय पत्र-पत्रिका किएक जरूरी होइत अछि?

- (A) सबूत मिटा दैत अछि
- (B) समाचारकेँ निजी बनबैत अछि
- (C) लेखन रोकि दैत अछि
- (D) मांग, तर्क आ प्रमाणकेँ सार्वजनिक बनबैत अछि

४६९. मैथिली पत्रकारितामे स्त्री-शिक्षा विषय उठेनाइ कोन प्रवृत्ति देखबैत अछि?

- (A) केवल मनोरंजन
- (B) पत्रकारिताक समाज-सुधारक भूमिका
- (C) सम्पादनहीनता
- (D) भाषा-विरोध

४७०. प्रवासी मैथिल पहचान पर लेख/समाचारक उद्देश्य की भऽ सकैत अछि?

- (A) इतिहास नष्ट करब
- (B) भाषा हटाएब
- (C) दूर रहिकेँ भाषा-संस्कृति सँ जुड़ाव
- (D) पाठककेँ भ्रमित करब

४७१. सार्वजनिक प्रश्न उठाबयवला पत्रिका पाठकमे की जगबैत अछि?

- (A) भाषा-उपेक्षा
- (B) सिर्फ खरीदारी
- (C) चेतना आ सहभागिता
- (D) मौन आ अलगाव

४७२. भाषा-आन्दोलनक समय पत्र-पत्रिका किएक जरूरी होइत अछि?

- (A) समाचारकेँ निजी बनबैत अछि
- (B) मांग, तर्क आ प्रमाणकेँ सार्वजनिक बनबैत अछि
- (C) लेखन रोकि दैत अछि
- (D) सबूत मिटा दैत अछि

४७३. मैथिली पत्रकारितामे जाति-भेद विषय उठेनाइ कोन प्रवृत्ति देखबैत अछि?

- (A) पत्रकारिताक समाज-सुधारक भूमिका
- (B) भाषा-विरोध
- (C) केवल मनोरंजन
- (D) सम्पादनहीनता

४७४. मैथिली भाषा-मान्यता पर लेख/समाचारक उद्देश्य की भऽ सकैत अछि?

- (A) भाषा-अधिकार
- (B) भाषा हटाएब
- (C) इतिहास नष्ट करब
- (D) पाठककेँ भ्रमित करब

४७५. सार्वजनिक प्रश्न उठाबयवला पत्रिका पाठकमे की जगबैत अछि?

- (A) मौन आ अलगाव
- (B) सिर्फ खरीदारी
- (C) चेतना आ सहभागिता
- (D) भाषा-उपेक्षा

४७६. भाषा-आन्दोलनक समय पत्र-पत्रिका किएक जरूरी होइत अछि?

- (A) सबूत मिटा दैत अछि
- (B) लेखन रोकि दैत अछि
- (C) मांग, तर्क आ प्रमाणकेँ सार्वजनिक बनबैत अछि
- (D) समाचारकेँ निजी बनबैत अछि

४७७. मैथिली पत्रकारितामे बड़ रेल-लाइन विषय उठेनाइ कोन प्रवृत्ति देखबैत अछि?

- (A) पत्रकारिताक समाज-सुधारक भूमिका
- (B) सम्पादनहीनता
- (C) केवल मनोरंजन
- (D) भाषा-विरोध

४७८. कृषि आ ग्रामीण अर्थ पर लेख/समाचारक उद्देश्य की भऽ सकैत अछि?

- (A) इतिहास नष्ट करब
- (B) भाषा हटाएब
- (C) गामक जीवन-संबंधी सूचना
- (D) पाठककेँ भ्रमित करब

४७९. सार्वजनिक प्रश्न उठाबयवला पत्रिका पाठकमे की जगबैत अछि?

- (A) चेतना आ सहभागिता
- (B) सिर्फ खरीदारी
- (C) भाषा-उपेक्षा
- (D) मौन आ अलगाव

४८०. भाषा-आन्दोलनक समय पत्र-पत्रिका किएक जरूरी होइत अछि?

- (A) मांग, तर्क आ प्रमाणकेँ सार्वजनिक बनबैत अछि
- (B) समाचारकेँ निजी बनबैत अछि
- (C) सबूत मिटा दैत अछि
- (D) लेखन रोकि दैत अछि

४८१. मैथिली पत्रकारितामे दहेज-प्रथा विषय उठेनाइ कोन प्रवृत्ति देखबैत अछि?

- (A) केवल मनोरंजन
- (B) भाषा-विरोध
- (C) पत्रकारिताक समाज-सुधारक भूमिका
- (D) सम्पादनहीनता

४८२. बाल-विवाह पर लेख/समाचारक उद्देश्य की भऽ सकैत अछि?

- (A) भाषा हटाएब
- (B) बाल-अधिकार आ शिक्षा
- (C) पाठककेँ भ्रमित करब
- (D) इतिहास नष्ट करब

४८३. सार्वजनिक प्रश्न उठाबयवला पत्रिका पाठकमे की जगबैत अछि?

- (A) सिर्फ खरीदारी
- (B) भाषा-उपेक्षा
- (C) मौन आ अलगाव
- (D) चेतना आ सहभागिता

४८४. भाषा-आन्दोलनक समय पत्र-पत्रिका किएक जरूरी होइत अछि?

- (A) लेखन रोकि दैत अछि
- (B) समाचारकेँ निजी बनबैत अछि
- (C) सबूत मिटा दैत अछि
- (D) मांग, तर्क आ प्रमाणकेँ सार्वजनिक बनबैत अछि

४८५. मैथिली पत्रकारितामे आकाशवाणीमे मैथिली विषय उठेनाइ कोन प्रवृत्ति देखबैत अछि?

- (A) सम्पादनहीनता
- (B) पत्रकारिताक समाज-सुधारक भूमिका
- (C) भाषा-विरोध
- (D) केवल मनोरंजन

४८६. विश्वविद्यालयमे मैथिली पर लेख/समाचारक उद्देश्य की भऽ सकैत अछि?

- (A) पाठककेँ भ्रमित करब
- (B) इतिहास नष्ट करब
- (C) उच्च शिक्षामे मातृभाषा
- (D) भाषा हटाएब

४८७. सार्वजनिक प्रश्न उठाबयवला पत्रिका पाठकमे की जगबैत अछि?

- (A) मौन आ अलगाव
- (B) सिर्फ खरीदारी
- (C) चेतना आ सहभागिता
- (D) भाषा-उपेक्षा

४८८. भाषा-आन्दोलनक समय पत्र-पत्रिका किएक जरूरी होइत अछि?

- (A) समाचारकेँ निजी बनबैत अछि
- (B) मांग, तर्क आ प्रमाणकेँ सार्वजनिक बनबैत अछि
- (C) लेखन रोकि दैत अछि
- (D) सबूत मिटा दैत अछि

४८९. मैथिली पत्रकारितामे स्त्री-शिक्षा विषय उठेनाइ कोन प्रवृत्ति देखबैत अछि?

- (A) भाषा-विरोध
- (B) पत्रकारिताक समाज-सुधारक भूमिका
- (C) केवल मनोरंजन
- (D) सम्पादनहीनता

४९०. प्रवासी मैथिल पहचान पर लेख/समाचारक उद्देश्य की भऽ सकैत अछि?

- (A) इतिहास नष्ट करब
- (B) पाठककेँ भ्रमित करब
- (C) भाषा हटाएब
- (D) दूर रहिकेँ भाषा-संस्कृति सँ जुड़ाव

४९१. सार्वजनिक प्रश्न उठाबयवला पत्रिका पाठकमे की जगबैत अछि?

- (A) मौन आ अलगाव
- (B) भाषा-उपेक्षा
- (C) चेतना आ सहभागिता
- (D) सिर्फ खरीदारी

४९२. भाषा-आन्दोलनक समय पत्र-पत्रिका किएक जरूरी होइत अछि?

- (A) समाचारकेँ निजी बनबैत अछि
- (B) सबूत मिटा दैत अछि
- (C) लेखन रोकि दैत अछि
- (D) मांग, तर्क आ प्रमाणकेँ सार्वजनिक बनबैत अछि

४९३. मैथिली पत्रकारितामे जाति-भेद विषय उठेनाइ कोन प्रवृत्ति देखबैत अछि?

- (A) सम्पादनहीनता
- (B) पत्रकारिताक समाज-सुधारक भूमिका
- (C) भाषा-विरोध
- (D) केवल मनोरंजन

४९४. मैथिली भाषा-मान्यता पर लेख/समाचारक उद्देश्य की भऽ सकैत अछि?

- (A) इतिहास नष्ट करब
- (B) भाषा-अधिकार
- (C) पाठककेँ भ्रमित करब
- (D) भाषा हटाएब

४९५. सार्वजनिक प्रश्न उठाबयवला पत्रिका पाठकमे की जगबैत अछि?

- (A) सिर्फ खरीदारी
- (B) मौन आ अलगाव
- (C) चेतना आ सहभागिता
- (D) भाषा-उपेक्षा

४९६. भाषा-आन्दोलनक समय पत्र-पत्रिका किएक जरूरी होइत अछि?

- (A) मांग, तर्क आ प्रमाणकेँ सार्वजनिक बनबैत अछि
- (B) समाचारकेँ निजी बनबैत अछि
- (C) सबूत मिटा दैत अछि
- (D) लेखन रोकि दैत अछि

४९७. मैथिली पत्रकारितामे बड़ रेल-लाइन विषय उठेनाइ कोन प्रवृत्ति देखबैत अछि?

- (A) केवल मनोरंजन
- (B) पत्रकारिताक समाज-सुधारक भूमिका
- (C) सम्पादनहीनता
- (D) भाषा-विरोध

४९८. कृषि आ ग्रामीण अर्थ पर लेख/समाचारक उद्देश्य की भऽ सकैत अछि?

- (A) पाठककेँ भ्रमित करब
- (B) इतिहास नष्ट करब
- (C) गामक जीवन-संबंधी सूचना
- (D) भाषा हटाएब

४९९. सार्वजनिक प्रश्न उठाबयवला पत्रिका पाठकमे की जगबैत अछि?

- (A) भाषा-उपेक्षा
- (B) सिर्फ खरीदारी
- (C) मौन आ अलगाव
- (D) चेतना आ सहभागिता

५००. भाषा-आन्दोलनक समय पत्र-पत्रिका किएक जरूरी होइत अछि?

- (A) लेखन रोकि दैत अछि
- (B) मांग, तर्क आ प्रमाणकेँ सार्वजनिक बनबैत अछि
- (C) सबूत मिटा दैत अछि
- (D) समाचारकेँ निजी बनबैत अछि

५०१. बाल-पत्रिका मैथिली पत्रकारितामे कोन पाठक-विस्तार देखबैत अछि?

- (A) समाचारक निषेध
- (B) लिपि-विनाश
- (C) बाल-पाठकमे मातृभाषा-पठन
- (D) पाठक घटेनाइ

५०२. युवा लेखक जकाँ उदाहरण पत्रकारितामे की बतबैत अछि?

- (A) केवल सरकारी लेख
- (B) विषय आ पाठकक विविधता
- (C) एकरूपता मात्र
- (D) भाषा-विरोध

५०३. प्रवासी मैथिलद्वारा पत्रिका प्रकाशनक गूढ़ अर्थ की अछि?

- (A) मातृभाषासँ दूरी
- (B) पत्रकारिताक अंत
- (C) दूर रहियो मातृभाषासँ आत्मीय सम्बन्ध
- (D) पाठकक अभाव मात्र

५०४. बाल-पाठक लेल पत्रिका किएक जरूरी अछि?

- (A) मातृभाषामे आरम्भिक पठन-संस्कार बनेबाक लेल
- (B) लेखन कठिन बनेबाक लेल
- (C) बच्चाक भाषा छीनबाक लेल
- (D) चित्र हटेबाक लेल

५०५. द्विभाषी पत्रिका मैथिली पत्रकारितामे कोन पाठक-विस्तार देखबैत अछि?

- (A) लिपि-विनाश
- (B) समाचारक निषेध
- (C) पाठक घटेनाइ
- (D) विस्तृत पाठक-वर्ग

५०६. सोना माटी जकाँ उदाहरण पत्रकारितामे की बतबैत अछि?

- (A) केवल सरकारी लेख
- (B) विषय आ पाठकक विविधता
- (C) भाषा-विरोध
- (D) एकरूपता मात्र

५०७. प्रवासी मैथिलद्वारा पत्रिका प्रकाशनक गूढ़ अर्थ की अछि?

- (A) पत्रकारिताक अंत
- (B) पाठकक अभाव मात्र
- (C) मातृभाषासँ दूरी
- (D) दूर रहियो मातृभाषासँ आत्मीय सम्बन्ध

५०८. बाल-पाठक लेल पत्रिका किएक जरूरी अछि?

- (A) बच्चाक भाषा छीनबाक लेल
- (B) चित्र हटेबाक लेल
- (C) लेखन कठिन बनेबाक लेल
- (D) मातृभाषामे आरम्भिक पठन-संस्कार बनेबाक लेल

५०९. गामक पाठक मैथिली पत्रकारितामे कोन पाठक-विस्तार देखबैत अछि?

- (A) लिपि-विनाश
- (B) पाठक घटेनाइ
- (C) समाचारक निषेध
- (D) स्थानीय मुद्दा आ लोकजीवन

५१०. कोलकाता, गाजियाबाद, जयपुर जकाँ उदाहरण पत्रकारितामे की बतबैत अछि?

- (A) एकरूपता मात्र
- (B) केवल सरकारी लेख
- (C) विषय आ पाठकक विविधता
- (D) भाषा-विरोध

५११. प्रवासी मैथिलद्वारा पत्रिका प्रकाशनक गूढ़ अर्थ की अछि?

- (A) दूर रहियो मातृभाषासँ आत्मीय सम्बन्ध
- (B) पत्रकारिताक अंत
- (C) पाठकक अभाव मात्र
- (D) मातृभाषासँ दूरी

५१२. बाल-पाठक लेल पत्रिका किएक जरूरी अछि?

- (A) लेखन कठिन बनेबाक लेल
- (B) बच्चाक भाषा छीनबाक लेल
- (C) चित्र हटेबाक लेल
- (D) मातृभाषामे आरम्भिक पठन-संस्कार बनेबाक लेल

५१३. स्त्री-स्वर मैथिली पत्रकारितामे कोन पाठक-विस्तार देखबैत अछि?

- (A) लिपि-विनाश
- (B) घर-समाजक अनुभवक प्रकाश
- (C) समाचारक निषेध
- (D) पाठक घटेनाइ

५१४. प्रवासी मैथिली जकाँ उदाहरण पत्रकारितामे की बतबैत अछि?

- (A) केवल सरकारी लेख
- (B) भाषा-विरोध
- (C) एकरूपता मात्र
- (D) विषय आ पाठकक विविधता

५१५. प्रवासी मैथिलद्वारा पत्रिका प्रकाशनक गूढ़ अर्थ की अछि?

- (A) मातृभाषासँ दूरी
- (B) पाठकक अभाव मात्र
- (C) पत्रकारिताक अंत
- (D) दूर रहियो मातृभाषासँ आत्मीय सम्बन्ध

५१६. बाल-पाठक लेल पत्रिका किएक जरूरी अछि?

- (A) बच्चाक भाषा छीनबाक लेल
- (B) चित्र हटेबाक लेल
- (C) मातृभाषामे आरम्भिक पठन-संस्कार बनेबाक लेल
- (D) लेखन कठिन बनेबाक लेल

५१७. कविता-संकलन मैथिली पत्रकारितामे कोन पाठक-विस्तार देखबैत अछि?

- (A) पाठक घटेनाइ
- (B) लिपि-विनाश
- (C) काव्य-केंद्रित पाठक-वर्ग
- (D) समाचारक निषेध

५१८. शिक्षा-सामग्री जकाँ उदाहरण पत्रकारितामे की बतबैत अछि?

- (A) एकरूपता मात्र
- (B) भाषा-विरोध
- (C) केवल सरकारी लेख
- (D) विषय आ पाठकक विविधता

५१९. प्रवासी मैथिलद्वारा पत्रिका प्रकाशनक गूढ़ अर्थ की अछि?

- (A) पत्रकारिताक अंत
- (B) दूर रहियो मातृभाषासँ आत्मीय सम्बन्ध
- (C) पाठकक अभाव मात्र
- (D) मातृभाषासँ दूरी

५२०. बाल-पाठक लेल पत्रिका किएक जरूरी अछि?

- (A) मातृभाषामे आरम्भिक पठन-संस्कार बनेबाक लेल
- (B) चित्र हटेबाक लेल
- (C) लेखन कठिन बनेबाक लेल
- (D) बच्चाक भाषा छीनबाक लेल

५२१. बाल-पत्रिका मैथिली पत्रकारितामे कोन पाठक-विस्तार देखबैत अछि?

- (A) लिपि-विनाश
- (B) पाठक घटेनाइ
- (C) बाल-पाठकमे मातृभाषा-पठन
- (D) समाचारक निषेध

५२२. युवा लेखक जकाँ उदाहरण पत्रकारितामे की बतबैत अछि?

- (A) विषय आ पाठकक विविधता
- (B) केवल सरकारी लेख
- (C) भाषा-विरोध
- (D) एकरूपता मात्र

५२३. प्रवासी मैथिलद्वारा पत्रिका प्रकाशनक गूढ़ अर्थ की अछि?

- (A) पाठकक अभाव मात्र
- (B) पत्रकारिताक अंत
- (C) मातृभाषासँ दूरी
- (D) दूर रहियो मातृभाषासँ आत्मीय सम्बन्ध

५२४. बाल-पाठक लेल पत्रिका किएक जरूरी अछि?

- (A) चित्र हटेबाक लेल
- (B) बच्चाक भाषा छीनबाक लेल
- (C) मातृभाषामे आरम्भिक पठन-संस्कार बनेबाक लेल
- (D) लेखन कठिन बनेबाक लेल

५२५. द्विभाषी पत्रिका मैथिली पत्रकारितामे कोन पाठक-विस्तार देखबैत अछि?

- (A) पाठक घटेनाइ
- (B) विस्तृत पाठक-वर्ग
- (C) समाचारक निषेध
- (D) लिपि-विनाश

५२६. सोना माटी जकाँ उदाहरण पत्रकारितामे की बतबैत अछि?

- (A) विषय आ पाठकक विविधता
- (B) एकरूपता मात्र
- (C) भाषा-विरोध
- (D) केवल सरकारी लेख

५२७. प्रवासी मैथिलद्वारा पत्रिका प्रकाशनक गूढ़ अर्थ की अछि?

- (A) दूर रहियो मातृभाषासँ आत्मीय सम्बन्ध
- (B) मातृभाषासँ दूरी
- (C) पाठकक अभाव मात्र
- (D) पत्रकारिताक अंत

५२८. बाल-पाठक लेल पत्रिका किएक जरूरी अछि?

- (A) मातृभाषामे आरम्भिक पठन-संस्कार बनेबाक लेल
- (B) चित्र हटेबाक लेल
- (C) बच्चाक भाषा छीनबाक लेल
- (D) लेखन कठिन बनेबाक लेल

५२९. गामक पाठक मैथिली पत्रकारितामे कोन पाठक-विस्तार देखबैत अछि?

- (A) लिपि-विनाश
- (B) समाचारक निषेध
- (C) स्थानीय मुद्दा आ लोकजीवन
- (D) पाठक घटेनाइ

५३०. कोलकाता, गाजियाबाद, जयपुर जकाँ उदाहरण पत्रकारितामे की बतबैत अछि?

- (A) विषय आ पाठकक विविधता
- (B) एकरूपता मात्र
- (C) केवल सरकारी लेख
- (D) भाषा-विरोध

५३१. प्रवासी मैथिलद्वारा पत्रिका प्रकाशनक गूढ़ अर्थ की अछि?

- (A) पाठकक अभाव मात्र
- (B) मातृभाषासँ दूरी
- (C) दूर रहियो मातृभाषासँ आत्मीय सम्बन्ध
- (D) पत्रकारिताक अंत

५३२. बाल-पाठक लेल पत्रिका किएक जरूरी अछि?

- (A) मातृभाषामे आरम्भिक पठन-संस्कार बनेबाक लेल
- (B) चित्र हटेबाक लेल
- (C) बच्चाक भाषा छीनबाक लेल
- (D) लेखन कठिन बनेबाक लेल

५३३. स्त्री-स्वर मैथिली पत्रकारितामे कोन पाठक-विस्तार देखबैत अछि?

- (A) घर-समाजक अनुभवक प्रकाश
- (B) पाठक घटेनाइ
- (C) लिपि-विनाश
- (D) समाचारक निषेध

५३४. प्रवासी मैथिली जकाँ उदाहरण पत्रकारितामे की बतबैत अछि?

- (A) भाषा-विरोध
- (B) केवल सरकारी लेख
- (C) एकरूपता मात्र
- (D) विषय आ पाठकक विविधता

५३५. प्रवासी मैथिलद्वारा पत्रिका प्रकाशनक गूढ़ अर्थ की अछि?

- (A) पाठकक अभाव मात्र
- (B) पत्रकारिताक अंत
- (C) दूर रहियो मातृभाषासँ आत्मीय सम्बन्ध
- (D) मातृभाषासँ दूरी

५३६. बाल-पाठक लेल पत्रिका किएक जरूरी अछि?

- (A) चित्र हटेबाक लेल
- (B) मातृभाषामे आरम्भिक पठन-संस्कार बनेबाक लेल
- (C) बच्चाक भाषा छीनबाक लेल
- (D) लेखन कठिन बनेबाक लेल

५३७. कविता-संकलन मैथिली पत्रकारितामे कोन पाठक-विस्तार देखबैत अछि?

- (A) समाचारक निषेध
- (B) पाठक घटेनाइ
- (C) काव्य-केंद्रित पाठक-वर्ग
- (D) लिपि-विनाश

५३८. शिक्षा-सामग्री जकाँ उदाहरण पत्रकारितामे की बतबैत अछि?

- (A) केवल सरकारी लेख
- (B) एकरूपता मात्र
- (C) विषय आ पाठकक विविधता
- (D) भाषा-विरोध

५३९. प्रवासी मैथिलद्वारा पत्रिका प्रकाशनक गूढ़ अर्थ की अछि?

- (A) पत्रकारिताक अंत
- (B) पाठकक अभाव मात्र
- (C) दूर रहियो मातृभाषासँ आत्मीय सम्बन्ध
- (D) मातृभाषासँ दूरी

५४०. बाल-पाठक लेल पत्रिका किएक जरूरी अछि?

- (A) लेखन कठिन बनेबाक लेल
- (B) बच्चाक भाषा छीनबाक लेल
- (C) मातृभाषामे आरम्भिक पठन-संस्कार बनेबाक लेल
- (D) चित्र हटेबाक लेल

५४१. बाल-पत्रिका मैथिली पत्रकारितामे कोन पाठक-विस्तार देखबैत अछि?

- (A) लिपि-विनाश
- (B) समाचारक निषेध
- (C) बाल-पाठकमे मातृभाषा-पठन
- (D) पाठक घटेनाइ

५४२. युवा लेखक जकाँ उदाहरण पत्रकारितामे की बतबैत अछि?

- (A) भाषा-विरोध
- (B) एकरूपता मात्र
- (C) केवल सरकारी लेख
- (D) विषय आ पाठकक विविधता

५४३. प्रवासी मैथिलद्वारा पत्रिका प्रकाशनक गूढ़ अर्थ की अछि?

- (A) मातृभाषासँ दूरी
- (B) पत्रकारिताक अंत
- (C) पाठकक अभाव मात्र
- (D) दूर रहियो मातृभाषासँ आत्मीय सम्बन्ध

५४४. बाल-पाठक लेल पत्रिका किएक जरूरी अछि?

- (A) मातृभाषामे आरम्भिक पठन-संस्कार बनेबाक लेल
- (B) लेखन कठिन बनेबाक लेल
- (C) चित्र हटेबाक लेल
- (D) बच्चाक भाषा छीनबाक लेल

५४५. द्विभाषी पत्रिका मैथिली पत्रकारितामे कोन पाठक-विस्तार देखबैत अछि?

- (A) विस्तृत पाठक-वर्ग
- (B) लिपि-विनाश
- (C) पाठक घटेनाइ
- (D) समाचारक निषेध

५४६. सोना माटी जकाँ उदाहरण पत्रकारितामे की बतबैत अछि?

- (A) भाषा-विरोध
- (B) केवल सरकारी लेख
- (C) एकरूपता मात्र
- (D) विषय आ पाठकक विविधता

५४७. प्रवासी मैथिलद्वारा पत्रिका प्रकाशनक गूढ़ अर्थ की अछि?

- (A) पाठकक अभाव मात्र
- (B) दूर रहियो मातृभाषासँ आत्मीय सम्बन्ध
- (C) मातृभाषासँ दूरी
- (D) पत्रकारिताक अंत

५४८. बाल-पाठक लेल पत्रिका किएक जरूरी अछि?

- (A) मातृभाषामे आरम्भिक पठन-संस्कार बनेबाक लेल
- (B) लेखन कठिन बनेबाक लेल
- (C) चित्र हटेबाक लेल
- (D) बच्चाक भाषा छीनबाक लेल

५४९. गामक पाठक मैथिली पत्रकारितामे कोन पाठक-विस्तार देखबैत अछि?

- (A) समाचारक निषेध
- (B) पाठक घटेनाइ
- (C) स्थानीय मुद्दा आ लोकजीवन
- (D) लिपि-विनाश

५५०. कोलकाता, गाजियाबाद, जयपुर जकाँ उदाहरण पत्रकारितामे की बतबैत अछि?

- (A) भाषा-विरोध
- (B) केवल सरकारी लेख
- (C) विषय आ पाठकक विविधता
- (D) एकरूपता मात्र

५५१. प्रवासी मैथिलद्वारा पत्रिका प्रकाशनक गूढ़ अर्थ की अछि?

- (A) मातृभाषासँ दूरी
- (B) पत्रकारिताक अंत
- (C) दूर रहियो मातृभाषासँ आत्मीय सम्बन्ध
- (D) पाठकक अभाव मात्र

५५२. बाल-पाठक लेल पत्रिका किएक जरूरी अछि?

- (A) बच्चाक भाषा छीनबाक लेल
- (B) चित्र हटेबाक लेल
- (C) लेखन कठिन बनेबाक लेल
- (D) मातृभाषामे आरम्भिक पठन-संस्कार बनेबाक लेल

५५३. स्त्री-स्वर मैथिली पत्रकारितामे कोन पाठक-विस्तार देखबैत अछि?

- (A) घर-समाजक अनुभवक प्रकाश
- (B) लिपि-विनाश
- (C) पाठक घटेनाइ
- (D) समाचारक निषेध

५५४. प्रवासी मैथिली जकाँ उदाहरण पत्रकारितामे की बतबैत अछि?

- (A) भाषा-विरोध
- (B) विषय आ पाठकक विविधता
- (C) एकरूपता मात्र
- (D) केवल सरकारी लेख

५५५. प्रवासी मैथिलद्वारा पत्रिका प्रकाशनक गूढ़ अर्थ की अछि?

- (A) पत्रकारिताक अंत
- (B) पाठकक अभाव मात्र
- (C) दूर रहियो मातृभाषासँ आत्मीय सम्बन्ध
- (D) मातृभाषासँ दूरी

५५६. बाल-पाठक लेल पत्रिका किएक जरूरी अछि?

- (A) लेखन कठिन बनेबाक लेल
- (B) मातृभाषामे आरम्भिक पठन-संस्कार बनेबाक लेल
- (C) चित्र हटेबाक लेल
- (D) बच्चाक भाषा छीनबाक लेल

५५७. कविता-संकलन मैथिली पत्रकारितामे कोन पाठक-विस्तार देखबैत अछि?

- (A) पाठक घटेनाइ
- (B) काव्य-केंद्रित पाठक-वर्ग
- (C) लिपि-विनाश
- (D) समाचारक निषेध

५५८. शिक्षा-सामग्री जकाँ उदाहरण पत्रकारितामे की बतबैत अछि?

- (A) एकरूपता मात्र
- (B) भाषा-विरोध
- (C) विषय आ पाठकक विविधता
- (D) केवल सरकारी लेख

५५९. प्रवासी मैथिलद्वारा पत्रिका प्रकाशनक गूढ़ अर्थ की अछि?

- (A) पत्रकारिताक अंत
- (B) मातृभाषासँ दूरी
- (C) दूर रहियो मातृभाषासँ आत्मीय सम्बन्ध
- (D) पाठकक अभाव मात्र

५६०. बाल-पाठक लेल पत्रिका किएक जरूरी अछि?

- (A) मातृभाषामे आरम्भिक पठन-संस्कार बनेबाक लेल
- (B) बच्चाक भाषा छीनबाक लेल
- (C) चित्र हटेबाक लेल
- (D) लेखन कठिन बनेबाक लेल

५६१. बाल-पत्रिका मैथिली पत्रकारितामे कोन पाठक-विस्तार देखबैत अछि?

- (A) बाल-पाठकमे मातृभाषा-पठन
- (B) पाठक घटेनाइ
- (C) लिपि-विनाश
- (D) समाचारक निषेध

५६२. युवा लेखक जकाँ उदाहरण पत्रकारितामे की बतबैत अछि?

- (A) विषय आ पाठकक विविधता
- (B) केवल सरकारी लेख
- (C) भाषा-विरोध
- (D) एकरूपता मात्र

५६३. प्रवासी मैथिलद्वारा पत्रिका प्रकाशनक गूढ़ अर्थ की अछि?

- (A) मातृभाषासँ दूरी
- (B) दूर रहियो मातृभाषासँ आत्मीय सम्बन्ध
- (C) पत्रकारिताक अंत
- (D) पाठकक अभाव मात्र

५६४. बाल-पाठक लेल पत्रिका किएक जरूरी अछि?

- (A) मातृभाषामे आरम्भिक पठन-संस्कार बनेबाक लेल
- (B) बच्चाक भाषा छीनबाक लेल
- (C) लेखन कठिन बनेबाक लेल
- (D) चित्र हटेबाक लेल

५६५. द्विभाषी पत्रिका मैथिली पत्रकारितामे कोन पाठक-विस्तार देखबैत अछि?

- (A) पाठक घटेनाइ
- (B) लिपि-विनाश
- (C) विस्तृत पाठक-वर्ग
- (D) समाचारक निषेध

५६६. सोना माटी जकाँ उदाहरण पत्रकारितामे की बतबैत अछि?

- (A) केवल सरकारी लेख
- (B) विषय आ पाठकक विविधता
- (C) भाषा-विरोध
- (D) एकरूपता मात्र

५६७. प्रवासी मैथिलद्वारा पत्रिका प्रकाशनक गूढ़ अर्थ की अछि?

- (A) मातृभाषासँ दूरी
- (B) पाठकक अभाव मात्र
- (C) दूर रहियो मातृभाषासँ आत्मीय सम्बन्ध
- (D) पत्रकारिताक अंत

५६८. बाल-पाठक लेल पत्रिका किएक जरूरी अछि?

- (A) लेखन कठिन बनेबाक लेल
- (B) मातृभाषामे आरम्भिक पठन-संस्कार बनेबाक लेल
- (C) बच्चाक भाषा छीनबाक लेल
- (D) चित्र हटेबाक लेल

५६९. गामक पाठक मैथिली पत्रकारितामे कोन पाठक-विस्तार देखबैत अछि?

- (A) स्थानीय मुद्दा आ लोकजीवन
- (B) पाठक घटेनाइ
- (C) लिपि-विनाश
- (D) समाचारक निषेध

५७०. कोलकाता, गाजियाबाद, जयपुर जकाँ उदाहरण पत्रकारितामे की बतबैत अछि?

- (A) विषय आ पाठकक विविधता
- (B) केवल सरकारी लेख
- (C) एकरूपता मात्र
- (D) भाषा-विरोध

५७१. प्रवासी मैथिलद्वारा पत्रिका प्रकाशनक गूढ़ अर्थ की अछि?

- (A) पत्रकारिताक अंत
- (B) दूर रहियो मातृभाषासँ आत्मीय सम्बन्ध
- (C) पाठकक अभाव मात्र
- (D) मातृभाषासँ दूरी

५७२. बाल-पाठक लेल पत्रिका किएक जरूरी अछि?

- (A) चित्र हटेबाक लेल
- (B) मातृभाषामे आरम्भिक पठन-संस्कार बनेबाक लेल
- (C) बच्चाक भाषा छीनबाक लेल
- (D) लेखन कठिन बनेबाक लेल

५७३. स्त्री-स्वर मैथिली पत्रकारितामे कोन पाठक-विस्तार देखबैत अछि?

- (A) पाठक घटेनाइ
- (B) समाचारक निषेध
- (C) घर-समाजक अनुभवक प्रकाश
- (D) लिपि-विनाश

५७४. प्रवासी मैथिली जकाँ उदाहरण पत्रकारितामे की बतबैत अछि?

- (A) भाषा-विरोध
- (B) विषय आ पाठकक विविधता
- (C) एकरूपता मात्र
- (D) केवल सरकारी लेख

५७५. प्रवासी मैथिलद्वारा पत्रिका प्रकाशनक गूढ़ अर्थ की अछि?

- (A) पाठकक अभाव मात्र
- (B) मातृभाषासँ दूरी
- (C) दूर रहियो मातृभाषासँ आत्मीय सम्बन्ध
- (D) पत्रकारिताक अंत

५७६. बाल-पाठक लेल पत्रिका किएक जरूरी अछि?

- (A) मातृभाषामे आरम्भिक पठन-संस्कार बनेबाक लेल
- (B) लेखन कठिन बनेबाक लेल
- (C) बच्चाक भाषा छीनबाक लेल
- (D) चित्र हटेबाक लेल

५७७. कविता-संकलन मैथिली पत्रकारितामे कोन पाठक-विस्तार देखबैत अछि?

- (A) पाठक घटेनाइ
- (B) समाचारक निषेध
- (C) काव्य-केंद्रित पाठक-वर्ग
- (D) लिपि-विनाश

५७८. शिक्षा-सामग्री जकाँ उदाहरण पत्रकारितामे की बतबैत अछि?

- (A) भाषा-विरोध
- (B) एकरूपता मात्र
- (C) केवल सरकारी लेख
- (D) विषय आ पाठकक विविधता

५७९. प्रवासी मैथिलद्वारा पत्रिका प्रकाशनक गूढ़ अर्थ की अछि?

- (A) पत्रकारिताक अंत
- (B) मातृभाषासँ दूरी
- (C) दूर रहियो मातृभाषासँ आत्मीय सम्बन्ध
- (D) पाठकक अभाव मात्र

५८०. बाल-पाठक लेल पत्रिका किएक जरूरी अछि?

- (A) लेखन कठिन बनेबाक लेल
- (B) बच्चाक भाषा छीनबाक लेल
- (C) मातृभाषामे आरम्भिक पठन-संस्कार बनेबाक लेल
- (D) चित्र हटेबाक लेल

५८१. बाल-पत्रिका मैथिली पत्रकारितामे कोन पाठक-विस्तार देखबैत अछि?

- (A) बाल-पाठकमे मातृभाषा-पठन
- (B) समाचारक निषेध
- (C) पाठक घटेनाइ
- (D) लिपि-विनाश

५८२. युवा लेखक जकाँ उदाहरण पत्रकारितामे की बतबैत अछि?

- (A) विषय आ पाठकक विविधता
- (B) भाषा-विरोध
- (C) एकरूपता मात्र
- (D) केवल सरकारी लेख

५८३. प्रवासी मैथिलद्वारा पत्रिका प्रकाशनक गूढ़ अर्थ की अछि?

- (A) दूर रहियो मातृभाषासँ आत्मीय सम्बन्ध
- (B) पाठकक अभाव मात्र
- (C) मातृभाषासँ दूरी
- (D) पत्रकारिताक अंत

५८४. बाल-पाठक लेल पत्रिका किएक जरूरी अछि?

- (A) लेखन कठिन बनेबाक लेल
- (B) बच्चाक भाषा छीनबाक लेल
- (C) चित्र हटेबाक लेल
- (D) मातृभाषामे आरम्भिक पठन-संस्कार बनेबाक लेल

५८५. द्विभाषी पत्रिका मैथिली पत्रकारितामे कोन पाठक-विस्तार देखबैत अछि?

- (A) लिपि-विनाश
- (B) विस्तृत पाठक-वर्ग
- (C) समाचारक निषेध
- (D) पाठक घटेनाइ

५८६. सोना माटी जकाँ उदाहरण पत्रकारितामे की बतबैत अछि?

- (A) विषय आ पाठकक विविधता
- (B) भाषा-विरोध
- (C) एकरूपता मात्र
- (D) केवल सरकारी लेख

५८७. प्रवासी मैथिलद्वारा पत्रिका प्रकाशनक गूढ़ अर्थ की अछि?

- (A) पत्रकारिताक अंत
- (B) पाठकक अभाव मात्र
- (C) दूर रहियो मातृभाषासँ आत्मीय सम्बन्ध
- (D) मातृभाषासँ दूरी

५८८. बाल-पाठक लेल पत्रिका किएक जरूरी अछि?

- (A) लेखन कठिन बनेबाक लेल
- (B) चित्र हटेबाक लेल
- (C) मातृभाषामे आरम्भिक पठन-संस्कार बनेबाक लेल
- (D) बच्चाक भाषा छीनबाक लेल

५८९. गामक पाठक मैथिली पत्रकारितामे कोन पाठक-विस्तार देखबैत अछि?

- (A) लिपि-विनाश
- (B) स्थानीय मुद्दा आ लोकजीवन
- (C) पाठक घटेनाइ
- (D) समाचारक निषेध

५९०. कोलकाता, गाजियाबाद, जयपुर जकाँ उदाहरण पत्रकारितामे की बतबैत अछि?

- (A) केवल सरकारी लेख
- (B) भाषा-विरोध
- (C) एकरूपता मात्र
- (D) विषय आ पाठकक विविधता

५९१. प्रवासी मैथिलद्वारा पत्रिका प्रकाशनक गूढ़ अर्थ की अछि?

- (A) दूर रहियो मातृभाषासँ आत्मीय सम्बन्ध
- (B) पाठकक अभाव मात्र
- (C) मातृभाषासँ दूरी
- (D) पत्रकारिताक अंत

५९२. बाल-पाठक लेल पत्रिका किएक जरूरी अछि?

- (A) बच्चाक भाषा छीनबाक लेल
- (B) लेखन कठिन बनेबाक लेल
- (C) मातृभाषामे आरम्भिक पठन-संस्कार बनेबाक लेल
- (D) चित्र हटेबाक लेल

५९३. स्त्री-स्वर मैथिली पत्रकारितामे कोन पाठक-विस्तार देखबैत अछि?

- (A) समाचारक निषेध
- (B) पाठक घटेनाइ
- (C) लिपि-विनाश
- (D) घर-समाजक अनुभवक प्रकाश

५९४. प्रवासी मैथिली जकाँ उदाहरण पत्रकारितामे की बतबैत अछि?

- (A) विषय आ पाठकक विविधता
- (B) केवल सरकारी लेख
- (C) भाषा-विरोध
- (D) एकरूपता मात्र

५९५. प्रवासी मैथिलद्वारा पत्रिका प्रकाशनक गूढ़ अर्थ की अछि?

- (A) पाठकक अभाव मात्र
- (B) मातृभाषासँ दूरी
- (C) दूर रहियो मातृभाषासँ आत्मीय सम्बन्ध
- (D) पत्रकारिताक अंत

५९६. बाल-पाठक लेल पत्रिका किएक जरूरी अछि?

- (A) लेखन कठिन बनेबाक लेल
- (B) चित्र हटेबाक लेल
- (C) मातृभाषामे आरम्भिक पठन-संस्कार बनेबाक लेल
- (D) बच्चाक भाषा छीनबाक लेल

५९७. कविता-संकलन मैथिली पत्रकारितामे कोन पाठक-विस्तार देखबैत अछि?

- (A) काव्य-केंद्रित पाठक-वर्ग
- (B) पाठक घटेनाइ
- (C) समाचारक निषेध
- (D) लिपि-विनाश

५९८. शिक्षा-सामग्री जकाँ उदाहरण पत्रकारितामे की बतबैत अछि?

- (A) भाषा-विरोध
- (B) एकरूपता मात्र
- (C) विषय आ पाठकक विविधता
- (D) केवल सरकारी लेख

५९९. प्रवासी मैथिलद्वारा पत्रिका प्रकाशनक गूढ़ अर्थ की अछि?

- (A) दूर रहियो मातृभाषासँ आत्मीय सम्बन्ध
- (B) पाठकक अभाव मात्र
- (C) मातृभाषासँ दूरी
- (D) पत्रकारिताक अंत

६००. बाल-पाठक लेल पत्रिका किएक जरूरी अछि?

- (A) बच्चाक भाषा छीनबाक लेल
- (B) चित्र हटेबाक लेल
- (C) मातृभाषामे आरम्भिक पठन-संस्कार बनेबाक लेल
- (D) लेखन कठिन बनेबाक लेल

६०१. दैनिक समाचार-पत्रक पत्रकारितामे मुख्य उपयोग की अछि?

- (A) मुद्रण नष्ट करब
- (B) सूचना रोकब
- (C) भाषा छोड़ब
- (D) नित्य समाचार आ तात्कालिकता

६०२. प्रिन्ट सँ रेडियो-दूरदर्शन दिस बढ़ल पत्रकारिता की देखबैत अछि?

- (A) समाचारक अभाव
- (B) माध्यमक विस्तार
- (C) पाठकक निषेध
- (D) भाषाक अन्त

६०३. दैनिक मैथिली समाचार-पत्र चलाबयमे प्रमुख चुनौती कोन अछि?

- (A) केवल रंग चुननाइ
- (B) समाचारकें गीत बनैनाइ
- (C) शीर्षक न लिखनाइ
- (D) नियमित सामग्री, पाठक आ अर्थ-संसाधन

६०४. दृश्य-माध्यममे मैथिली समाचारक लाभ की अछि?

- (A) बोलल भाषा आ दृश्यसँ तात्कालिक जुड़ाव
- (B) पाठककें अलग करब
- (C) केवल मौन
- (D) भाषा हटेबाक उपाय

६०५. रेडियो समाचारक पत्रकारितामे मुख्य उपयोग की अछि?

- (A) मुद्रण नष्ट करब
- (B) भाषा छोड़ब
- (C) सूचना रोकब
- (D) श्रव्य माध्यमसँ दूर-दराज पाठक/श्रोता धरि पहुँच

६०६. प्रिन्ट सँ रेडियो-दूरदर्शन दिस बढ़ल पत्रकारिता की देखबैत अछि?

- (A) माध्यमक विस्तार
- (B) पाठकक निषेध
- (C) समाचारक अभाव
- (D) भाषाक अन्त

६०७. दैनिक मैथिली समाचार-पत्र चलाबयमे प्रमुख चुनौती कोन अछि?

- (A) केवल रंग चुननाइ
- (B) समाचारकें गीत बनैनाइ
- (C) शीर्षक न लिखनाइ
- (D) नियमित सामग्री, पाठक आ अर्थ-संसाधन

६०८. दृश्य-माध्यममे मैथिली समाचारक लाभ की अछि?

- (A) केवल मौन
- (B) पाठककें अलग करब
- (C) बोलल भाषा आ दृश्यसँ तात्कालिक जुड़ाव
- (D) भाषा हटेबाक उपाय

६०९. सांस्कृतिक कार्यक्रमक पत्रकारितामे मुख्य उपयोग की अछि?

- (A) मुद्रण नष्ट करब
- (B) लोक-संस्कृति आ समाचारक मिलन
- (C) सूचना रोकब
- (D) भाषा छोड़ब

६१०. प्रिन्ट सँ रेडियो-दूरदर्शन दिस बढ़ल पत्रकारिता की देखबैत अछि?

- (A) पाठकक निषेध
- (B) माध्यमक विस्तार
- (C) भाषाक अन्त
- (D) समाचारक अभाव

६११. दैनिक मैथिली समाचार-पत्र चलाबयमे प्रमुख चुनौती कोन अछि?

- (A) नियमित सामग्री, पाठक आ अर्थ-संसाधन
- (B) समाचारकें गीत बनैनाइ
- (C) शीर्षक न लिखनाइ
- (D) केवल रंग चुननाइ

६१२. दृश्य-माध्यममे मैथिली समाचारक लाभ की अछि?

- (A) बोलल भाषा आ दृश्यसँ तात्कालिक जुड़ाव
- (B) भाषा हटेबाक उपाय
- (C) केवल मौन
- (D) पाठककें अलग करब

६१३. पाक्षिक पत्रिकाक पत्रकारितामे मुख्य उपयोग की अछि?

- (A) समय देल विश्लेषण आ साहित्य
- (B) भाषा छोड़ब
- (C) मुद्रण नष्ट करब
- (D) सूचना रोकब

६१४. प्रिन्ट सँ रेडियो-दूरदर्शन दिस बढ़ल पत्रकारिता की देखबैत अछि?

- (A) माध्यमक विस्तार
- (B) समाचारक अभाव
- (C) पाठकक निषेध
- (D) भाषाक अन्त

६१५. दैनिक मैथिली समाचार-पत्र चलाबयमे प्रमुख चुनौती कोन अछि?

- (A) समाचारकें गीत बनैनाइ
- (B) केवल रंग चुननाइ
- (C) शीर्षक न लिखनाइ
- (D) नियमित सामग्री, पाठक आ अर्थ-संसाधन

६१६. दृश्य-माध्यममे मैथिली समाचारक लाभ की अछि?

- (A) बोलल भाषा आ दृश्यसँ तात्कालिक जुड़ाव
- (B) केवल मौन
- (C) पाठककें अलग करब
- (D) भाषा हटेबाक उपाय

६१७. रंगीन अखबारक पत्रकारितामे मुख्य उपयोग की अछि?

- (A) भाषा छोड़ब
- (B) सूचना रोकब
- (C) मुद्रण नष्ट करब
- (D) दृश्य आकर्षण आ आधुनिक प्रस्तुति

६१८. प्रिन्ट सँ रेडियो-दूरदर्शन दिस बढ़ल पत्रकारिता की देखबैत अछि?

- (A) भाषाक अन्त
- (B) समाचारक अभाव
- (C) पाठकक निषेध
- (D) माध्यमक विस्तार

६१९. दैनिक मैथिली समाचार-पत्र चलाबयमे प्रमुख चुनौती कोन अछि?

- (A) समाचारकें गीत बनैनाइ
- (B) नियमित सामग्री, पाठक आ अर्थ-संसाधन
- (C) शीर्षक न लिखनाइ
- (D) केवल रंग चुननाइ

६२०. दृश्य-माध्यममे मैथिली समाचारक लाभ की अछि?

- (A) बोलल भाषा आ दृश्यसँ तात्कालिक जुड़ाव
- (B) भाषा हटेबाक उपाय
- (C) पाठककें अलग करब
- (D) केवल मौन

६२१. दैनिक समाचार-पत्रक पत्रकारितामे मुख्य उपयोग की अछि?

- (A) सूचना रोकब
- (B) नित्य समाचार आ तात्कालिकता
- (C) भाषा छोड़ब
- (D) मुद्रण नष्ट करब

६२२. प्रिन्ट सँ रेडियो-दूरदर्शन दिस बढ़ल पत्रकारिता की देखबैत अछि?

- (A) माध्यमक विस्तार
- (B) समाचारक अभाव
- (C) भाषाक अन्त
- (D) पाठकक निषेध

६२३. दैनिक मैथिली समाचार-पत्र चलाबयमे प्रमुख चुनौती कोन अछि?

- (A) केवल रंग चुननाइ
- (B) समाचारकें गीत बनैनाइ
- (C) शीर्षक न लिखनाइ
- (D) नियमित सामग्री, पाठक आ अर्थ-संसाधन

६२४. दृश्य-माध्यममे मैथिली समाचारक लाभ की अछि?

- (A) बोलल भाषा आ दृश्यसँ तात्कालिक जुड़ाव
- (B) केवल मौन
- (C) पाठककें अलग करब
- (D) भाषा हटेबाक उपाय

६२५. रेडियो समाचारक पत्रकारितामे मुख्य उपयोग की अछि?

- (A) भाषा छोड़ब
- (B) सूचना रोकब
- (C) मुद्रण नष्ट करब
- (D) श्रव्य माध्यमसँ दूर-दराज पाठक/श्रोता धरि पहुँच

६२६. प्रिन्ट सँ रेडियो-दूरदर्शन दिस बढ़ल पत्रकारिता की देखबैत अछि?

- (A) पाठकक निषेध
- (B) माध्यमक विस्तार
- (C) भाषाक अन्त
- (D) समाचारक अभाव

६२७. दैनिक मैथिली समाचार-पत्र चलाबयमे प्रमुख चुनौती कोन अछि?

- (A) समाचारकें गीत बनैनाइ
- (B) शीर्षक न लिखनाइ
- (C) नियमित सामग्री, पाठक आ अर्थ-संसाधन
- (D) केवल रंग चुननाइ

६२८. दृश्य-माध्यममे मैथिली समाचारक लाभ की अछि?

- (A) बोलल भाषा आ दृश्यसँ तात्कालिक जुड़ाव
- (B) पाठककें अलग करब
- (C) केवल मौन
- (D) भाषा हटेबाक उपाय

६२९. सांस्कृतिक कार्यक्रमक पत्रकारितामे मुख्य उपयोग की अछि?

- (A) मुद्रण नष्ट करब
- (B) भाषा छोड़ब
- (C) सूचना रोकब
- (D) लोक-संस्कृति आ समाचारक मिलन

६३०. प्रिन्ट सँ रेडियो-दूरदर्शन दिस बढ़ल पत्रकारिता की देखबैत अछि?

- (A) भाषाक अन्त
- (B) समाचारक अभाव
- (C) पाठकक निषेध
- (D) माध्यमक विस्तार

६३१. दैनिक मैथिली समाचार-पत्र चलाबयमे प्रमुख चुनौती कोन अछि?

- (A) केवल रंग चुननाइ
- (B) नियमित सामग्री, पाठक आ अर्थ-संसाधन
- (C) समाचारकें गीत बनैनाइ
- (D) शीर्षक न लिखनाइ

६३२. दृश्य-माध्यममे मैथिली समाचारक लाभ की अछि?

- (A) बोलल भाषा आ दृश्यसँ तात्कालिक जुड़ाव
- (B) भाषा हटेबाक उपाय
- (C) पाठककें अलग करब
- (D) केवल मौन

६३३. पाक्षिक पत्रिकाक पत्रकारितामे मुख्य उपयोग की अछि?

- (A) समय देल विश्लेषण आ साहित्य
- (B) मुद्रण नष्ट करब
- (C) सूचना रोकब
- (D) भाषा छोड़ब

६३४. प्रिन्ट सँ रेडियो-दूरदर्शन दिस बढ़ल पत्रकारिता की देखबैत अछि?

- (A) भाषाक अन्त
- (B) समाचारक अभाव
- (C) पाठकक निषेध
- (D) माध्यमक विस्तार

६३५. दैनिक मैथिली समाचार-पत्र चलाबयमे प्रमुख चुनौती कोन अछि?

- (A) शीर्षक न लिखनाइ
- (B) नियमित सामग्री, पाठक आ अर्थ-संसाधन
- (C) समाचारकें गीत बनैनाइ
- (D) केवल रंग चुननाइ

६३६. दृश्य-माध्यममे मैथिली समाचारक लाभ की अछि?

- (A) केवल मौन
- (B) भाषा हटेबाक उपाय
- (C) बोलल भाषा आ दृश्यसँ तात्कालिक जुड़ाव
- (D) पाठककें अलग करब

६३७. रंगीन अखबारक पत्रकारितामे मुख्य उपयोग की अछि?

- (A) सूचना रोकब
- (B) दृश्य आकर्षण आ आधुनिक प्रस्तुति
- (C) भाषा छोड़ब
- (D) मुद्रण नष्ट करब

६३८. प्रिन्ट सँ रेडियो-दूरदर्शन दिस बढ़ल पत्रकारिता की देखबैत अछि?

- (A) समाचारक अभाव
- (B) भाषाक अन्त
- (C) माध्यमक विस्तार
- (D) पाठकक निषेध

६३९. दैनिक मैथिली समाचार-पत्र चलाबयमे प्रमुख चुनौती कोन अछि?

- (A) शीर्षक न लिखनाइ
- (B) समाचारकें गीत बनैनाइ
- (C) नियमित सामग्री, पाठक आ अर्थ-संसाधन
- (D) केवल रंग चुननाइ

६४०. दृश्य-माध्यममे मैथिली समाचारक लाभ की अछि?

- (A) केवल मौन
- (B) बोलल भाषा आ दृश्यसँ तात्कालिक जुड़ाव
- (C) भाषा हटेबाक उपाय
- (D) पाठककें अलग करब

६४१. दैनिक समाचार-पत्रक पत्रकारितामे मुख्य उपयोग की अछि?

- (A) भाषा छोड़ब
- (B) सूचना रोकब
- (C) मुद्रण नष्ट करब
- (D) नित्य समाचार आ तात्कालिकता

६४२. प्रिन्ट सँ रेडियो-दूरदर्शन दिस बढ़ल पत्रकारिता की देखबैत अछि?

- (A) पाठकक निषेध
- (B) भाषाक अन्त
- (C) समाचारक अभाव
- (D) माध्यमक विस्तार

६४३. दैनिक मैथिली समाचार-पत्र चलाबयमे प्रमुख चुनौती कोन अछि?

- (A) शीर्षक न लिखनाइ
- (B) नियमित सामग्री, पाठक आ अर्थ-संसाधन
- (C) केवल रंग चुननाइ
- (D) समाचारकें गीत बनैनाइ

६४४. दृश्य-माध्यममे मैथिली समाचारक लाभ की अछि?

- (A) पाठककें अलग करब
- (B) बोलल भाषा आ दृश्यसँ तात्कालिक जुड़ाव
- (C) केवल मौन
- (D) भाषा हटेबाक उपाय

६४५. रेडियो समाचारक पत्रकारितामे मुख्य उपयोग की अछि?

- (A) मुद्रण नष्ट करब
- (B) भाषा छोड़ब
- (C) श्रव्य माध्यमसँ दूर-दराज पाठक/श्रोता धरि पहुँच
- (D) सूचना रोकब

६४६. प्रिन्ट सँ रेडियो-दूरदर्शन दिस बढ़ल पत्रकारिता की देखबैत अछि?

- (A) पाठकक निषेध
- (B) भाषाक अन्त
- (C) माध्यमक विस्तार
- (D) समाचारक अभाव

६४७. दैनिक मैथिली समाचार-पत्र चलाबयमे प्रमुख चुनौती कोन अछि?

- (A) केवल रंग चुननाइ
- (B) नियमित सामग्री, पाठक आ अर्थ-संसाधन
- (C) शीर्षक न लिखनाइ
- (D) समाचारकें गीत बनैनाइ

६४८. दृश्य-माध्यममे मैथिली समाचारक लाभ की अछि?

- (A) भाषा हटेबाक उपाय
- (B) बोलल भाषा आ दृश्यसँ तात्कालिक जुड़ाव
- (C) पाठककें अलग करब
- (D) केवल मौन

६४९. सांस्कृतिक कार्यक्रमक पत्रकारितामे मुख्य उपयोग की अछि?

- (A) भाषा छोड़ब
- (B) सूचना रोकब
- (C) मुद्रण नष्ट करब
- (D) लोक-संस्कृति आ समाचारक मिलन

६५०. प्रिन्ट सँ रेडियो-दूरदर्शन दिस बढ़ल पत्रकारिता की देखबैत अछि?

- (A) समाचारक अभाव
- (B) पाठकक निषेध
- (C) भाषाक अन्त
- (D) माध्यमक विस्तार

६५१. दैनिक मैथिली समाचार-पत्र चलाबयमे प्रमुख चुनौती कोन अछि?

- (A) शीर्षक न लिखनाइ
- (B) समाचारकें गीत बनैनाइ
- (C) नियमित सामग्री, पाठक आ अर्थ-संसाधन
- (D) केवल रंग चुननाइ

६५२. दृश्य-माध्यममे मैथिली समाचारक लाभ की अछि?

- (A) बोलल भाषा आ दृश्यसँ तात्कालिक जुड़ाव
- (B) पाठककें अलग करब
- (C) भाषा हटेबाक उपाय
- (D) केवल मौन

६५३. पाक्षिक पत्रिकाक पत्रकारितामे मुख्य उपयोग की अछि?

- (A) भाषा छोड़ब
- (B) सूचना रोकब
- (C) मुद्रण नष्ट करब
- (D) समय देल विश्लेषण आ साहित्य

६५४. प्रिन्ट सँ रेडियो-दूरदर्शन दिस बढ़ल पत्रकारिता की देखबैत अछि?

- (A) माध्यमक विस्तार
- (B) पाठकक निषेध
- (C) समाचारक अभाव
- (D) भाषाक अन्त

६५५. दैनिक मैथिली समाचार-पत्र चलाबयमे प्रमुख चुनौती कोन अछि?

- (A) समाचारकें गीत बनैनाइ
- (B) शीर्षक न लिखनाइ
- (C) नियमित सामग्री, पाठक आ अर्थ-संसाधन
- (D) केवल रंग चुननाइ

६५६. दृश्य-माध्यममे मैथिली समाचारक लाभ की अछि?

- (A) बोलल भाषा आ दृश्यसँ तात्कालिक जुड़ाव
- (B) पाठककें अलग करब
- (C) भाषा हटेबाक उपाय
- (D) केवल मौन

६५७. रंगीन अखबारक पत्रकारितामे मुख्य उपयोग की अछि?

- (A) मुद्रण नष्ट करब
- (B) दृश्य आकर्षण आ आधुनिक प्रस्तुति
- (C) सूचना रोकब
- (D) भाषा छोड़ब

६५८. प्रिन्ट सँ रेडियो-दूरदर्शन दिस बढ़ल पत्रकारिता की देखबैत अछि?

- (A) माध्यमक विस्तार
- (B) भाषाक अन्त
- (C) समाचारक अभाव
- (D) पाठकक निषेध

६५९. दैनिक मैथिली समाचार-पत्र चलाबयमे प्रमुख चुनौती कोन अछि?

- (A) केवल रंग चुननाइ
- (B) समाचारकें गीत बनैनाइ
- (C) शीर्षक न लिखनाइ
- (D) नियमित सामग्री, पाठक आ अर्थ-संसाधन

६६०. दृश्य-माध्यममे मैथिली समाचारक लाभ की अछि?

- (A) केवल मौन
- (B) बोलल भाषा आ दृश्यसँ तात्कालिक जुड़ाव
- (C) भाषा हटेबाक उपाय
- (D) पाठककें अलग करब

६६१. दैनिक समाचार-पत्रक पत्रकारितामे मुख्य उपयोग की अछि?

- (A) सूचना रोकब
- (B) मुद्रण नष्ट करब
- (C) भाषा छोड़ब
- (D) नित्य समाचार आ तात्कालिकता

६६२. प्रिन्ट सँ रेडियो-दूरदर्शन दिस बढ़ल पत्रकारिता की देखबैत अछि?

- (A) समाचारक अभाव
- (B) माध्यमक विस्तार
- (C) पाठकक निषेध
- (D) भाषाक अन्त

६६३. दैनिक मैथिली समाचार-पत्र चलाबयमे प्रमुख चुनौती कोन अछि?

- (A) केवल रंग चुननाइ
- (B) नियमित सामग्री, पाठक आ अर्थ-संसाधन
- (C) समाचारकें गीत बनैनाइ
- (D) शीर्षक न लिखनाइ

६६४. दृश्य-माध्यममे मैथिली समाचारक लाभ की अछि?

- (A) पाठककें अलग करब
- (B) केवल मौन
- (C) बोलल भाषा आ दृश्यसँ तात्कालिक जुड़ाव
- (D) भाषा हटेबाक उपाय

६६५. रेडियो समाचारक पत्रकारितामे मुख्य उपयोग की अछि?

- (A) सूचना रोकब
- (B) श्रव्य माध्यमसँ दूर-दराज पाठक/श्रोता धरि पहुँच
- (C) भाषा छोड़ब
- (D) मुद्रण नष्ट करब

६६६. प्रिन्ट सँ रेडियो-दूरदर्शन दिस बढ़ल पत्रकारिता की देखबैत अछि?

- (A) समाचारक अभाव
- (B) भाषाक अन्त
- (C) माध्यमक विस्तार
- (D) पाठकक निषेध

६६७. दैनिक मैथिली समाचार-पत्र चलाबयमे प्रमुख चुनौती कोन अछि?

- (A) केवल रंग चुननाइ
- (B) समाचारकें गीत बनैनाइ
- (C) शीर्षक न लिखनाइ
- (D) नियमित सामग्री, पाठक आ अर्थ-संसाधन

६६८. दृश्य-माध्यममे मैथिली समाचारक लाभ की अछि?

- (A) पाठककें अलग करब
- (B) भाषा हटेबाक उपाय
- (C) केवल मौन
- (D) बोलल भाषा आ दृश्यसँ तात्कालिक जुड़ाव

६६९. सांस्कृतिक कार्यक्रमक पत्रकारितामे मुख्य उपयोग की अछि?

- (A) मुद्रण नष्ट करब
- (B) भाषा छोड़ब
- (C) सूचना रोकब
- (D) लोक-संस्कृति आ समाचारक मिलन

६७०. प्रिन्ट सँ रेडियो-दूरदर्शन दिस बढ़ल पत्रकारिता की देखबैत अछि?

- (A) पाठकक निषेध
- (B) माध्यमक विस्तार
- (C) समाचारक अभाव
- (D) भाषाक अन्त

६७१. दैनिक मैथिली समाचार-पत्र चलाबयमे प्रमुख चुनौती कोन अछि?

- (A) नियमित सामग्री, पाठक आ अर्थ-संसाधन
- (B) केवल रंग चुननाइ
- (C) शीर्षक न लिखनाइ
- (D) समाचारकें गीत बनैनाइ

६७२. दृश्य-माध्यममे मैथिली समाचारक लाभ की अछि?

- (A) केवल मौन
- (B) पाठककें अलग करब
- (C) भाषा हटेबाक उपाय
- (D) बोलल भाषा आ दृश्यसँ तात्कालिक जुड़ाव

६७३. पाक्षिक पत्रिकाक पत्रकारितामे मुख्य उपयोग की अछि?

- (A) समय देल विश्लेषण आ साहित्य
- (B) सूचना रोकब
- (C) मुद्रण नष्ट करब
- (D) भाषा छोड़ब

६७४. प्रिन्ट सँ रेडियो-दूरदर्शन दिस बढ़ल पत्रकारिता की देखबैत अछि?

- (A) भाषाक अन्त
- (B) माध्यमक विस्तार
- (C) पाठकक निषेध
- (D) समाचारक अभाव

६७५. दैनिक मैथिली समाचार-पत्र चलाबयमे प्रमुख चुनौती कोन अछि?

- (A) समाचारकें गीत बनैनाइ
- (B) नियमित सामग्री, पाठक आ अर्थ-संसाधन
- (C) केवल रंग चुननाइ
- (D) शीर्षक न लिखनाइ

६७६. दृश्य-माध्यममे मैथिली समाचारक लाभ की अछि?

- (A) केवल मौन
- (B) बोलल भाषा आ दृश्यसँ तात्कालिक जुड़ाव
- (C) भाषा हटेबाक उपाय
- (D) पाठककें अलग करब

६७७. रंगीन अखबारक पत्रकारितामे मुख्य उपयोग की अछि?

- (A) मुद्रण नष्ट करब
- (B) भाषा छोड़ब
- (C) दृश्य आकर्षण आ आधुनिक प्रस्तुति
- (D) सूचना रोकब

६७८. प्रिन्ट सँ रेडियो-दूरदर्शन दिस बढ़ल पत्रकारिता की देखबैत अछि?

- (A) पाठकक निषेध
- (B) समाचारक अभाव
- (C) माध्यमक विस्तार
- (D) भाषाक अन्त

६७९. दैनिक मैथिली समाचार-पत्र चलाबयमे प्रमुख चुनौती कोन अछि?

- (A) केवल रंग चुननाइ
- (B) नियमित सामग्री, पाठक आ अर्थ-संसाधन
- (C) शीर्षक न लिखनाइ
- (D) समाचारकें गीत बनैनाइ

६८०. दृश्य-माध्यममे मैथिली समाचारक लाभ की अछि?

- (A) बोलल भाषा आ दृश्यसँ तात्कालिक जुड़ाव
- (B) केवल मौन
- (C) पाठककें अलग करब
- (D) भाषा हटेबाक उपाय

६८१. दैनिक समाचार-पत्रक पत्रकारितामे मुख्य उपयोग की अछि?

- (A) नित्य समाचार आ तात्कालिकता
- (B) भाषा छोड़ब
- (C) सूचना रोकब
- (D) मुद्रण नष्ट करब

६८२. प्रिन्ट सँ रेडियो-दूरदर्शन दिस बढ़ल पत्रकारिता की देखबैत अछि?

- (A) समाचारक अभाव
- (B) भाषाक अन्त
- (C) माध्यमक विस्तार
- (D) पाठकक निषेध

६८३. दैनिक मैथिली समाचार-पत्र चलाबयमे प्रमुख चुनौती कोन अछि?

- (A) केवल रंग चुननाइ
- (B) शीर्षक न लिखनाइ
- (C) नियमित सामग्री, पाठक आ अर्थ-संसाधन
- (D) समाचारकें गीत बनैनाइ

६८४. दृश्य-माध्यममे मैथिली समाचारक लाभ की अछि?

- (A) पाठककें अलग करब
- (B) बोलल भाषा आ दृश्यसँ तात्कालिक जुड़ाव
- (C) भाषा हटेबाक उपाय
- (D) केवल मौन

६८५. रेडियो समाचारक पत्रकारितामे मुख्य उपयोग की अछि?

- (A) श्रव्य माध्यमसँ दूर-दराज पाठक/श्रोता धरि पहुँच
- (B) मुद्रण नष्ट करब
- (C) सूचना रोकब
- (D) भाषा छोड़ब

६८६. प्रिन्ट सँ रेडियो-दूरदर्शन दिस बढ़ल पत्रकारिता की देखबैत अछि?

- (A) समाचारक अभाव
- (B) पाठकक निषेध
- (C) माध्यमक विस्तार
- (D) भाषाक अन्त

६८७. दैनिक मैथिली समाचार-पत्र चलाबयमे प्रमुख चुनौती कोन अछि?

- (A) केवल रंग चुननाइ
- (B) समाचारकें गीत बनैनाइ
- (C) शीर्षक न लिखनाइ
- (D) नियमित सामग्री, पाठक आ अर्थ-संसाधन

६८८. दृश्य-माध्यममे मैथिली समाचारक लाभ की अछि?

- (A) बोलल भाषा आ दृश्यसँ तात्कालिक जुड़ाव
- (B) पाठककें अलग करब
- (C) केवल मौन
- (D) भाषा हटेबाक उपाय

६८९. सांस्कृतिक कार्यक्रमक पत्रकारितामे मुख्य उपयोग की अछि?

- (A) भाषा छोड़ब
- (B) लोक-संस्कृति आ समाचारक मिलन
- (C) मुद्रण नष्ट करब
- (D) सूचना रोकब

६९०. प्रिन्ट सँ रेडियो-दूरदर्शन दिस बढ़ल पत्रकारिता की देखबैत अछि?

- (A) माध्यमक विस्तार
- (B) भाषाक अन्त
- (C) समाचारक अभाव
- (D) पाठकक निषेध

६९१. दैनिक मैथिली समाचार-पत्र चलाबयमे प्रमुख चुनौती कोन अछि?

- (A) नियमित सामग्री, पाठक आ अर्थ-संसाधन
- (B) शीर्षक न लिखनाइ
- (C) केवल रंग चुननाइ
- (D) समाचारकें गीत बनैनाइ

६९२. दृश्य-माध्यममे मैथिली समाचारक लाभ की अछि?

- (A) पाठककें अलग करब
- (B) केवल मौन
- (C) भाषा हटेबाक उपाय
- (D) बोलल भाषा आ दृश्यसँ तात्कालिक जुड़ाव

६९३. पाक्षिक पत्रिकाक पत्रकारितामे मुख्य उपयोग की अछि?

- (A) सूचना रोकब
- (B) समय देल विश्लेषण आ साहित्य
- (C) मुद्रण नष्ट करब
- (D) भाषा छोड़ब

६९४. प्रिन्ट सँ रेडियो-दूरदर्शन दिस बढ़ल पत्रकारिता की देखबैत अछि?

- (A) समाचारक अभाव
- (B) भाषाक अन्त
- (C) माध्यमक विस्तार
- (D) पाठकक निषेध

६९५. दैनिक मैथिली समाचार-पत्र चलाबयमे प्रमुख चुनौती कोन अछि?

- (A) समाचारकें गीत बनैनाइ
- (B) केवल रंग चुननाइ
- (C) नियमित सामग्री, पाठक आ अर्थ-संसाधन
- (D) शीर्षक न लिखनाइ

६९६. दृश्य-माध्यममे मैथिली समाचारक लाभ की अछि?

- (A) बोलल भाषा आ दृश्यसँ तात्कालिक जुड़ाव
- (B) पाठककें अलग करब
- (C) केवल मौन
- (D) भाषा हटेबाक उपाय

६९७. रंगीन अखबारक पत्रकारितामे मुख्य उपयोग की अछि?

- (A) मुद्रण नष्ट करब
- (B) भाषा छोड़ब
- (C) दृश्य आकर्षण आ आधुनिक प्रस्तुति
- (D) सूचना रोकब

६९८. प्रिन्ट सँ रेडियो-दूरदर्शन दिस बढ़ल पत्रकारिता की देखबैत अछि?

- (A) माध्यमक विस्तार
- (B) पाठकक निषेध
- (C) भाषाक अन्त
- (D) समाचारक अभाव

६९९. दैनिक मैथिली समाचार-पत्र चलाबयमे प्रमुख चुनौती कोन अछि?

- (A) समाचारकें गीत बनैनाइ
- (B) नियमित सामग्री, पाठक आ अर्थ-संसाधन
- (C) शीर्षक न लिखनाइ
- (D) केवल रंग चुननाइ

७००. दृश्य-माध्यममे मैथिली समाचारक लाभ की अछि?

- (A) पाठककें अलग करब
- (B) केवल मौन
- (C) बोलल भाषा आ दृश्यसँ तात्कालिक जुड़ाव
- (D) भाषा हटेबाक उपाय

७०१. विदेह ई-पत्रिका मैथिली पत्रकारितामे कोन बदलाव आनैत अछि?

- (A) प्रथम मैथिली पाक्षिक ई-पत्रिका
- (B) समाचारक विलुप्ति
- (C) पाठकक पूर्ण अन्त
- (D) भाषा-त्याग

७०२. विदेह ई-पत्रिकाक एक प्रमुख पहचान की अछि?

- (A) बिना भाषा-पहचानक मंच
- (B) केवल सरकारी गजट
- (C) केवल खेल पोर्टल
- (D) प्रथम मैथिली पाक्षिक ई-पत्रिका

७०३. डिजिटल अभिलेख पत्रकारितामे किएक महत्त्वपूर्ण अछि?

- (A) पाठक भेटैत नहि
- (B) लेखकक नाम हटि जाइत अछि
- (C) सामग्री तुरन्त नष्ट होइत अछि
- (D) अंक, लेख आ इतिहास भविष्य लेल सुरक्षित रहैत अछि

७०४. वेब पत्रकारितामे सावधानीक मुख्य बिन्दु की अछि?

- (A) तथ्य-जाँच, स्रोत आ भाषा-शुद्धता
- (B) शीर्षकमे भ्रम राखब
- (C) लेखक छिपेनाइ
- (D) अफवाह फैलाएब

७०५. ऑनलाइन पाठक मैथिली पत्रकारितामे कोन बदलाव आनैत अछि?

- (A) समाचारक विलुप्ति
- (B) पाठकक पूर्ण अन्त
- (C) देश-विदेशमे मैथिली पाठकक मिलन
- (D) भाषा-त्याग

७०६. विदेह ई-पत्रिकाक एक प्रमुख पहचान की अछि?

- (A) बिना भाषा-पहचानक मंच
- (B) केवल सरकारी गजट
- (C) केवल खेल पोर्टल
- (D) प्रथम मैथिली पाक्षिक ई-पत्रिका

७०७. डिजिटल अभिलेख पत्रकारितामे किएक महत्वपूर्ण अछि?

- (A) लेखकक नाम हटि जाइत अछि
- (B) अंक, लेख आ इतिहास भविष्य लेल सुरक्षित रहैत अछि
- (C) सामग्री तुरन्त नष्ट होइत अछि
- (D) पाठक भेटैत नहि

७०८. वेब पत्रकारितामे सावधानीक मुख्य बिन्दु की अछि?

- (A) तथ्य-जाँच, स्रोत आ भाषा-शुद्धता
- (B) अफवाह फैलाएब
- (C) शीर्षकमे भ्रम राखब
- (D) लेखक छिपेनाइ

७०९. लिपि आ युनिकोड मैथिली पत्रकारितामे कोन बदलाव आनैत अछि?

- (A) समाचारक विलुप्ति
- (B) पाठकक पूर्ण अन्त
- (C) भाषा-त्याग
- (D) मैथिली लेखनक मानकीकरण आ खोजयोग्यता

७१०. विदेह ई-पत्रिकाक एक प्रमुख पहचान की अछि?

- (A) बिना भाषा-पहचानक मंच
- (B) केवल सरकारी गजट
- (C) केवल खेल पोर्टल
- (D) प्रथम मैथिली पाक्षिक ई-पत्रिका

७११. डिजिटल अभिलेख पत्रकारितामे किएक महत्वपूर्ण अछि?

- (A) अंक, लेख आ इतिहास भविष्य लेल सुरक्षित रहैत अछि
- (B) लेखकक नाम हटि जाइत अछि
- (C) पाठक भेटैत नहि
- (D) सामग्री तुरन्त नष्ट होइत अछि

७१२. वेब पत्रकारितामे सावधानीक मुख्य बिन्दु की अछि?

- (A) अफवाह फैलाएब
- (B) शीर्षकमे भ्रम राखब
- (C) तथ्य-जाँच, स्रोत आ भाषा-शुद्धता
- (D) लेखक छिपेनाइ

७१३. वेब पोर्टल मैथिली पत्रकारितामे कोन बदलाव आनैत अछि?

- (A) भाषा-त्याग
- (B) समाचारक विलुप्ति
- (C) पाठकक पूर्ण अन्त
- (D) शीघ्र प्रकाशन आ विश्वव्यापी पहुँच

७१४. विदेह ई-पत्रिकाक एक प्रमुख पहचान की अछि?

- (A) केवल खेल पोर्टल
- (B) केवल सरकारी गजट
- (C) बिना भाषा-पहचानक मंच
- (D) प्रथम मैथिली पाक्षिक ई-पत्रिका

७१५. डिजिटल अभिलेख पत्रकारितामे किएक महत्त्वपूर्ण अछि?

- (A) अंक, लेख आ इतिहास भविष्य लेल सुरक्षित रहैत अछि
- (B) सामग्री तुरन्त नष्ट होइत अछि
- (C) पाठक भेटैत नहि
- (D) लेखकक नाम हटि जाइत अछि

७१६. वेब पत्रकारितामे सावधानीक मुख्य बिन्दु की अछि?

- (A) शीर्षकमे भ्रम राखब
- (B) तथ्य-जाँच, स्रोत आ भाषा-शुद्धता
- (C) अफवाह फैलाएब
- (D) लेखक छिपेनाइ

७१७. मोबाइल पठन मैथिली पत्रकारितामे कोन बदलाव आनैत अछि?

- (A) हाथमे पत्रिका पढ़बाक सुविधा
- (B) समाचारक विलुप्ति
- (C) भाषा-त्याग
- (D) पाठकक पूर्ण अन्त

७१८. विदेह ई-पत्रिकाक एक प्रमुख पहचान की अछि?

- (A) बिना भाषा-पहचानक मंच
- (B) केवल सरकारी गजट
- (C) केवल खेल पोर्टल
- (D) प्रथम मैथिली पाक्षिक ई-पत्रिका

७१९. डिजिटल अभिलेख पत्रकारितामे किएक महत्त्वपूर्ण अछि?

- (A) अंक, लेख आ इतिहास भविष्य लेल सुरक्षित रहैत अछि
- (B) लेखकक नाम हटि जाइत अछि
- (C) सामग्री तुरन्त नष्ट होइत अछि
- (D) पाठक भेटैत नहि

७२०. वेब पत्रकारितामे सावधानीक मुख्य बिन्दु की अछि?

- (A) लेखक छिपेनाइ
- (B) शीर्षकमे भ्रम राखब
- (C) तथ्य-जाँच, स्रोत आ भाषा-शुद्धता
- (D) अफवाह फैलाएब

७२१. विदेह ई-पत्रिका मैथिली पत्रकारितामे कोन बदलाव आनैत अछि?

- (A) भाषा-त्याग
- (B) समाचारक विलुप्ति
- (C) पाठकक पूर्ण अन्त
- (D) प्रथम मैथिली पाक्षिक ई-पत्रिका

७२२. विदेह ई-पत्रिकाक एक प्रमुख पहचान की अछि?

- (A) बिना भाषा-पहचानक मंच
- (B) प्रथम मैथिली पाक्षिक ई-पत्रिका
- (C) केवल सरकारी गजट
- (D) केवल खेल पोर्टल

७२३. डिजिटल अभिलेख पत्रकारितामे किएक महत्वपूर्ण अछि?

- (A) अंक, लेख आ इतिहास भविष्य लेल सुरक्षित रहैत अछि
- (B) सामग्री तुरन्त नष्ट होइत अछि
- (C) लेखकक नाम हटि जाइत अछि
- (D) पाठक भेटैत नहि

७२४. वेब पत्रकारितामे सावधानीक मुख्य बिन्दु की अछि?

- (A) अफवाह फैलाएब
- (B) तथ्य-जाँच, स्रोत आ भाषा-शुद्धता
- (C) शीर्षकमे भ्रम राखब
- (D) लेखक छिपेनाइ

७२५. ऑनलाइन पाठक मैथिली पत्रकारितामे कोन बदलाव आनैत अछि?

- (A) देश-विदेशमे मैथिली पाठकक मिलन
- (B) समाचारक विलुप्ति
- (C) पाठकक पूर्ण अन्त
- (D) भाषा-त्याग

७२६. विदेह ई-पत्रिकाक एक प्रमुख पहचान की अछि?

- (A) केवल खेल पोर्टल
- (B) प्रथम मैथिली पाक्षिक ई-पत्रिका
- (C) बिना भाषा-पहचानक मंच
- (D) केवल सरकारी गजट

७२७. डिजिटल अभिलेख पत्रकारितामे किएक महत्वपूर्ण अछि?

- (A) अंक, लेख आ इतिहास भविष्य लेल सुरक्षित रहैत अछि
- (B) पाठक भेटैत नहि
- (C) लेखकक नाम हटि जाइत अछि
- (D) सामग्री तुरन्त नष्ट होइत अछि

७२८. वेब पत्रकारितामे सावधानीक मुख्य बिन्दु की अछि?

- (A) तथ्य-जाँच, स्रोत आ भाषा-शुद्धता
- (B) अफवाह फैलाएब
- (C) शीर्षकमे भ्रम राखब
- (D) लेखक छिपेनाइ

७२९. लिपि आ युनिकोड मैथिली पत्रकारितामे कोन बदलाव आनैत अछि?

- (A) समाचारक विलुप्ति
- (B) मैथिली लेखनक मानकीकरण आ खोजयोग्यता
- (C) भाषा-त्याग
- (D) पाठकक पूर्ण अन्त

७३०. विदेह ई-पत्रिकाक एक प्रमुख पहचान की अछि?

- (A) केवल खेल पोर्टल
- (B) प्रथम मैथिली पाक्षिक ई-पत्रिका
- (C) बिना भाषा-पहचानक मंच
- (D) केवल सरकारी गजट

७३१. डिजिटल अभिलेख पत्रकारितामे किएक महत्वपूर्ण अछि?

- (A) लेखकक नाम हटि जाइत अछि
- (B) पाठक भेटैत नहि
- (C) सामग्री तुरन्त नष्ट होइत अछि
- (D) अंक, लेख आ इतिहास भविष्य लेल सुरक्षित रहैत अछि

७३२. वेब पत्रकारितामे सावधानीक मुख्य बिन्दु की अछि?

- (A) अफवाह फैलाएब
- (B) लेखक छिपेनाइ
- (C) शीर्षकमे भ्रम राखब
- (D) तथ्य-जाँच, स्रोत आ भाषा-शुद्धता

७३३. वेब पोर्टल मैथिली पत्रकारितामे कोन बदलाव आनैत अछि?

- (A) पाठकक पूर्ण अन्त
- (B) शीघ्र प्रकाशन आ विश्वव्यापी पहुँच
- (C) भाषा-त्याग
- (D) समाचारक विलुप्ति

७३४. विदेह ई-पत्रिकाक एक प्रमुख पहचान की अछि?

- (A) बिना भाषा-पहचानक मंच
- (B) प्रथम मैथिली पाक्षिक ई-पत्रिका
- (C) केवल खेल पोर्टल
- (D) केवल सरकारी गजट

७३५. डिजिटल अभिलेख पत्रकारितामे किएक महत्वपूर्ण अछि?

- (A) सामग्री तुरन्त नष्ट होइत अछि
- (B) अंक, लेख आ इतिहास भविष्य लेल सुरक्षित रहैत अछि
- (C) पाठक भेटैत नहि
- (D) लेखकक नाम हटि जाइत अछि

७३६. वेब पत्रकारितामे सावधानीक मुख्य बिन्दु की अछि?

- (A) शीर्षकमे भ्रम राखब
- (B) अफवाह फैलाएब
- (C) तथ्य-जाँच, स्रोत आ भाषा-शुद्धता
- (D) लेखक छिपेनाइ

७३७. मोबाइल पठन मैथिली पत्रकारितामे कोन बदलाव आनैत अछि?

- (A) समाचारक विलुप्ति
- (B) भाषा-त्याग
- (C) पाठकक पूर्ण अन्त
- (D) हाथमे पत्रिका पढ़बाक सुविधा

७३८. विदेह ई-पत्रिकाक एक प्रमुख पहचान की अछि?

- (A) केवल सरकारी गजट
- (B) केवल खेल पोर्टल
- (C) प्रथम मैथिली पाक्षिक ई-पत्रिका
- (D) बिना भाषा-पहचानक मंच

७३९. डिजिटल अभिलेख पत्रकारितामे किएक महत्त्वपूर्ण अछि?

- (A) अंक, लेख आ इतिहास भविष्य लेल सुरक्षित रहैत अछि
- (B) सामग्री तुरन्त नष्ट होइत अछि
- (C) पाठक भेटैत नहि
- (D) लेखकक नाम हटि जाइत अछि

७४०. वेब पत्रकारितामे सावधानीक मुख्य बिन्दु की अछि?

- (A) शीर्षकमे भ्रम राखब
- (B) अफवाह फैलाएब
- (C) लेखक छिपेनाइ
- (D) तथ्य-जाँच, स्रोत आ भाषा-शुद्धता

७४१. विदेह ई-पत्रिका मैथिली पत्रकारितामे कोन बदलाव आनैत अछि?

- (A) प्रथम मैथिली पाक्षिक ई-पत्रिका
- (B) भाषा-त्याग
- (C) समाचारक विलुप्ति
- (D) पाठकक पूर्ण अन्त

७४२. विदेह ई-पत्रिकाक एक प्रमुख पहचान की अछि?

- (A) केवल सरकारी गजट
- (B) केवल खेल पोर्टल
- (C) प्रथम मैथिली पाक्षिक ई-पत्रिका
- (D) बिना भाषा-पहचानक मंच

७४३. डिजिटल अभिलेख पत्रकारितामे किएक महत्त्वपूर्ण अछि?

- (A) लेखकक नाम हटि जाइत अछि
- (B) अंक, लेख आ इतिहास भविष्य लेल सुरक्षित रहैत अछि
- (C) पाठक भेटैत नहि
- (D) सामग्री तुरन्त नष्ट होइत अछि

७४४. वेब पत्रकारितामे सावधानीक मुख्य बिन्दु की अछि?

- (A) शीर्षकमे भ्रम राखब
- (B) अफवाह फैलाएब
- (C) तथ्य-जाँच, स्रोत आ भाषा-शुद्धता
- (D) लेखक छिपेनाइ

७४५. ऑनलाइन पाठक मैथिली पत्रकारितामे कोन बदलाव आनैत अछि?

- (A) पाठकक पूर्ण अन्त
- (B) समाचारक विलुप्ति
- (C) देश-विदेशमे मैथिली पाठकक मिलन
- (D) भाषा-त्याग

७४६. विदेह ई-पत्रिकाक एक प्रमुख पहचान की अछि?

- (A) केवल सरकारी गजट
- (B) प्रथम मैथिली पाक्षिक ई-पत्रिका
- (C) केवल खेल पोर्टल
- (D) बिना भाषा-पहचानक मंच

७४७. डिजिटल अभिलेख पत्रकारितामे किएक महत्वपूर्ण अछि?

- (A) सामग्री तुरन्त नष्ट होइत अछि
- (B) अंक, लेख आ इतिहास भविष्य लेल सुरक्षित रहैत अछि
- (C) पाठक भेटैत नहि
- (D) लेखकक नाम हटि जाइत अछि

७४८. वेब पत्रकारितामे सावधानीक मुख्य बिन्दु की अछि?

- (A) अफवाह फैलाएब
- (B) शीर्षकमे भ्रम राखब
- (C) तथ्य-जाँच, स्रोत आ भाषा-शुद्धता
- (D) लेखक छिपेनाइ

७४९. लिपि आ युनिकोड मैथिली पत्रकारितामे कोन बदलाव आनैत अछि?

- (A) भाषा-त्याग
- (B) समाचारक विलुप्ति
- (C) पाठकक पूर्ण अन्त
- (D) मैथिली लेखनक मानकीकरण आ खोजयोग्यता

७५०. विदेह ई-पत्रिकाक एक प्रमुख पहचान की अछि?

- (A) प्रथम मैथिली पाक्षिक ई-पत्रिका
- (B) केवल खेल पोर्टल
- (C) बिना भाषा-पहचानक मंच
- (D) केवल सरकारी गजट

७५१. डिजिटल अभिलेख पत्रकारितामे किएक महत्वपूर्ण अछि?

- (A) सामग्री तुरन्त नष्ट होइत अछि
- (B) पाठक भेटैत नहि
- (C) लेखकक नाम हटि जाइत अछि
- (D) अंक, लेख आ इतिहास भविष्य लेल सुरक्षित रहैत अछि

७५२. वेब पत्रकारितामे सावधानीक मुख्य बिन्दु की अछि?

- (A) शीर्षकमे भ्रम राखब
- (B) अफवाह फैलाएब
- (C) तथ्य-जाँच, स्रोत आ भाषा-शुद्धता
- (D) लेखक छिपेनाइ

७५३. वेब पोर्टल मैथिली पत्रकारितामे कोन बदलाव आनैत अछि?

- (A) समाचारक विलुप्ति
- (B) भाषा-त्याग
- (C) शीघ्र प्रकाशन आ विश्वव्यापी पहुँच
- (D) पाठकक पूर्ण अन्त

७५४. विदेह ई-पत्रिकाक एक प्रमुख पहचान की अछि?

- (A) केवल सरकारी गजट
- (B) प्रथम मैथिली पाक्षिक ई-पत्रिका
- (C) केवल खेल पोर्टल
- (D) बिना भाषा-पहचानक मंच

७५५. डिजिटल अभिलेख पत्रकारितामे किएक महत्त्वपूर्ण अछि?

- (A) सामग्री तुरन्त नष्ट होइत अछि
- (B) पाठक भेटैत नहि
- (C) अंक, लेख आ इतिहास भविष्य लेल सुरक्षित रहैत अछि
- (D) लेखकक नाम हटि जाइत अछि

७५६. वेब पत्रकारितामे सावधानीक मुख्य बिन्दु की अछि?

- (A) शीर्षकमे भ्रम राखब
- (B) अफवाह फैलाएब
- (C) लेखक छिपेनाइ
- (D) तथ्य-जाँच, स्रोत आ भाषा-शुद्धता

७५७. मोबाइल पठन मैथिली पत्रकारितामे कोन बदलाव आनैत अछि?

- (A) हाथमे पत्रिका पढ़बाक सुविधा
- (B) भाषा-त्याग
- (C) पाठकक पूर्ण अन्त
- (D) समाचारक विलुप्ति

७५८. विदेह ई-पत्रिकाक एक प्रमुख पहचान की अछि?

- (A) प्रथम मैथिली पाक्षिक ई-पत्रिका
- (B) केवल सरकारी गजट
- (C) बिना भाषा-पहचानक मंच
- (D) केवल खेल पोर्टल

७५९. डिजिटल अभिलेख पत्रकारितामे किएक महत्त्वपूर्ण अछि?

- (A) अंक, लेख आ इतिहास भविष्य लेल सुरक्षित रहैत अछि
- (B) सामग्री तुरन्त नष्ट होइत अछि
- (C) पाठक भेटैत नहि
- (D) लेखकक नाम हटि जाइत अछि

७६०. वेब पत्रकारितामे सावधानीक मुख्य बिन्दु की अछि?

- (A) लेखक छिपेनाइ
- (B) तथ्य-जाँच, स्रोत आ भाषा-शुद्धता
- (C) अफवाह फैलाएब
- (D) शीर्षकमे भ्रम राखब

७६१. विदेह ई-पत्रिका मैथिली पत्रकारितामे कोन बदलाव आनैत अछि?

- (A) भाषा-त्याग
- (B) समाचारक विलुप्ति
- (C) पाठकक पूर्ण अन्त
- (D) प्रथम मैथिली पाक्षिक ई-पत्रिका

७६२. विदेह ई-पत्रिकाक एक प्रमुख पहचान की अछि?

- (A) बिना भाषा-पहचानक मंच
- (B) केवल सरकारी गजट
- (C) प्रथम मैथिली पाक्षिक ई-पत्रिका
- (D) केवल खेल पोर्टल

७६३. डिजिटल अभिलेख पत्रकारितामे किएक महत्त्वपूर्ण अछि?

- (A) अंक, लेख आ इतिहास भविष्य लेल सुरक्षित रहैत अछि
- (B) लेखकक नाम हटि जाइत अछि
- (C) पाठक भेटैत नहि
- (D) सामग्री तुरन्त नष्ट होइत अछि

७६४. वेब पत्रकारितामे सावधानीक मुख्य बिन्दु की अछि?

- (A) तथ्य-जाँच, स्रोत आ भाषा-शुद्धता
- (B) शीर्षकमे भ्रम राखब
- (C) अफवाह फैलाएब
- (D) लेखक छिपेनाइ

७६५. ऑनलाइन पाठक मैथिली पत्रकारितामे कोन बदलाव आनैत अछि?

- (A) देश-विदेशमे मैथिली पाठकक मिलन
- (B) भाषा-त्याग
- (C) पाठकक पूर्ण अन्त
- (D) समाचारक विलुप्ति

७६६. विदेह ई-पत्रिकाक एक प्रमुख पहचान की अछि?

- (A) बिना भाषा-पहचानक मंच
- (B) केवल सरकारी गजट
- (C) केवल खेल पोर्टल
- (D) प्रथम मैथिली पाक्षिक ई-पत्रिका

७६७. डिजिटल अभिलेख पत्रकारितामे किएक महत्त्वपूर्ण अछि?

- (A) अंक, लेख आ इतिहास भविष्य लेल सुरक्षित रहैत अछि
- (B) पाठक भेटैत नहि
- (C) सामग्री तुरन्त नष्ट होइत अछि
- (D) लेखकक नाम हटि जाइत अछि

७६८. वेब पत्रकारितामे सावधानीक मुख्य बिन्दु की अछि?

- (A) शीर्षकमे भ्रम राखब
- (B) तथ्य-जाँच, स्रोत आ भाषा-शुद्धता
- (C) अफवाह फैलाएब
- (D) लेखक छिपेनाइ

७६९. लिपि आ युनिकोड मैथिली पत्रकारितामे कोन बदलाव आनैत अछि?

- (A) पाठकक पूर्ण अन्त
- (B) भाषा-त्याग
- (C) मैथिली लेखनक मानकीकरण आ खोजयोग्यता
- (D) समाचारक विलुप्ति

७७०. विदेह ई-पत्रिकाक एक प्रमुख पहचान की अछि?

- (A) केवल खेल पोर्टल
- (B) बिना भाषा-पहचानक मंच
- (C) केवल सरकारी गजट
- (D) प्रथम मैथिली पाक्षिक ई-पत्रिका

७७१. डिजिटल अभिलेख पत्रकारितामे किएक महत्वपूर्ण अछि?

- (A) पाठक भेटैत नहि
- (B) अंक, लेख आ इतिहास भविष्य लेल सुरक्षित रहैत अछि
- (C) सामग्री तुरन्त नष्ट होइत अछि
- (D) लेखकक नाम हटि जाइत अछि

७७२. वेब पत्रकारितामे सावधानीक मुख्य बिन्दु की अछि?

- (A) शीर्षकमे भ्रम राखब
- (B) अफवाह फैलाएब
- (C) लेखक छिपेनाइ
- (D) तथ्य-जाँच, स्रोत आ भाषा-शुद्धता

७७३. वेब पोर्टल मैथिली पत्रकारितामे कोन बदलाव आनैत अछि?

- (A) समाचारक विलुप्ति
- (B) शीघ्र प्रकाशन आ विश्वव्यापी पहुँच
- (C) भाषा-त्याग
- (D) पाठकक पूर्ण अन्त

७७४. विदेह ई-पत्रिकाक एक प्रमुख पहचान की अछि?

- (A) केवल सरकारी गजट
- (B) बिना भाषा-पहचानक मंच
- (C) प्रथम मैथिली पाक्षिक ई-पत्रिका
- (D) केवल खेल पोर्टल

७७५. डिजिटल अभिलेख पत्रकारितामे किएक महत्वपूर्ण अछि?

- (A) लेखकक नाम हटि जाइत अछि
- (B) अंक, लेख आ इतिहास भविष्य लेल सुरक्षित रहैत अछि
- (C) पाठक भेटैत नहि
- (D) सामग्री तुरन्त नष्ट होइत अछि

७७६. वेब पत्रकारितामे सावधानीक मुख्य बिन्दु की अछि?

- (A) शीर्षकमे भ्रम राखब
- (B) लेखक छिपेनाइ
- (C) अफवाह फैलाएब
- (D) तथ्य-जाँच, स्रोत आ भाषा-शुद्धता

७७७. मोबाइल पठन मैथिली पत्रकारितामे कोन बदलाव आनैत अछि?

- (A) भाषा-त्याग
- (B) पाठकक पूर्ण अन्त
- (C) हाथमे पत्रिका पढ़बाक सुविधा
- (D) समाचारक विलुप्ति

७७८. विदेह ई-पत्रिकाक एक प्रमुख पहचान की अछि?

- (A) केवल सरकारी गजट
- (B) केवल खेल पोर्टल
- (C) प्रथम मैथिली पाक्षिक ई-पत्रिका
- (D) बिना भाषा-पहचानक मंच

७७९. डिजिटल अभिलेख पत्रकारितामे किएक महत्त्वपूर्ण अछि?

- (A) लेखकक नाम हटि जाइत अछि
- (B) अंक, लेख आ इतिहास भविष्य लेल सुरक्षित रहैत अछि
- (C) पाठक भेटैत नहि
- (D) सामग्री तुरन्त नष्ट होइत अछि

७८०. वेब पत्रकारितामे सावधानीक मुख्य बिन्दु की अछि?

- (A) तथ्य-जाँच, स्रोत आ भाषा-शुद्धता
- (B) शीर्षकमे भ्रम राखब
- (C) लेखक छिपेनाइ
- (D) अफवाह फैलाएब

७८१. विदेह ई-पत्रिका मैथिली पत्रकारितामे कोन बदलाव आनैत अछि?

- (A) पाठकक पूर्ण अन्त
- (B) प्रथम मैथिली पाक्षिक ई-पत्रिका
- (C) समाचारक विलुप्ति
- (D) भाषा-त्याग

७८२. विदेह ई-पत्रिकाक एक प्रमुख पहचान की अछि?

- (A) केवल सरकारी गजट
- (B) बिना भाषा-पहचानक मंच
- (C) केवल खेल पोर्टल
- (D) प्रथम मैथिली पाक्षिक ई-पत्रिका

७८३. डिजिटल अभिलेख पत्रकारितामे किएक महत्त्वपूर्ण अछि?

- (A) सामग्री तुरन्त नष्ट होइत अछि
- (B) अंक, लेख आ इतिहास भविष्य लेल सुरक्षित रहैत अछि
- (C) पाठक भेटैत नहि
- (D) लेखकक नाम हटि जाइत अछि

७८४. वेब पत्रकारितामे सावधानीक मुख्य बिन्दु की अछि?

- (A) अफवाह फैलाएब
- (B) लेखक छिपेनाइ
- (C) तथ्य-जाँच, स्रोत आ भाषा-शुद्धता
- (D) शीर्षकमे भ्रम राखब

७८५. ऑनलाइन पाठक मैथिली पत्रकारितामे कोन बदलाव आनैत अछि?

- (A) देश-विदेशमे मैथिली पाठकक मिलन
- (B) समाचारक विलुप्ति
- (C) पाठकक पूर्ण अन्त
- (D) भाषा-त्याग

७८६. विदेह ई-पत्रिकाक एक प्रमुख पहचान की अछि?

- (A) बिना भाषा-पहचानक मंच
- (B) प्रथम मैथिली पाक्षिक ई-पत्रिका
- (C) केवल सरकारी गजट
- (D) केवल खेल पोर्टल

७८७. डिजिटल अभिलेख पत्रकारितामे किएक महत्वपूर्ण अछि?

- (A) सामग्री तुरन्त नष्ट होइत अछि
- (B) अंक, लेख आ इतिहास भविष्य लेल सुरक्षित रहैत अछि
- (C) पाठक भेटैत नहि
- (D) लेखकक नाम हटि जाइत अछि

७८८. वेब पत्रकारितामे सावधानीक मुख्य बिन्दु की अछि?

- (A) अफवाह फैलाएब
- (B) शीर्षकमे भ्रम राखब
- (C) तथ्य-जाँच, स्रोत आ भाषा-शुद्धता
- (D) लेखक छिपेनाइ

७८९. लिपि आ युनिकोड मैथिली पत्रकारितामे कोन बदलाव आनैत अछि?

- (A) पाठकक पूर्ण अन्त
- (B) समाचारक विलुप्ति
- (C) भाषा-त्याग
- (D) मैथिली लेखनक मानकीकरण आ खोजयोग्यता

७९०. विदेह ई-पत्रिकाक एक प्रमुख पहचान की अछि?

- (A) प्रथम मैथिली पाक्षिक ई-पत्रिका
- (B) केवल खेल पोर्टल
- (C) बिना भाषा-पहचानक मंच
- (D) केवल सरकारी गजट

७९१. डिजिटल अभिलेख पत्रकारितामे किएक महत्वपूर्ण अछि?

- (A) लेखकक नाम हटि जाइत अछि
- (B) सामग्री तुरन्त नष्ट होइत अछि
- (C) अंक, लेख आ इतिहास भविष्य लेल सुरक्षित रहैत अछि
- (D) पाठक भेटैत नहि

७९२. वेब पत्रकारितामे सावधानीक मुख्य बिन्दु की अछि?

- (A) लेखक छिपेनाइ
- (B) अफवाह फैलाएब
- (C) शीर्षकमे भ्रम राखब
- (D) तथ्य-जाँच, स्रोत आ भाषा-शुद्धता

७९३. वेब पोर्टल मैथिली पत्रकारितामे कोन बदलाव आनैत अछि?

- (A) भाषा-त्याग
- (B) समाचारक विलुप्ति
- (C) पाठकक पूर्ण अन्त
- (D) शीघ्र प्रकाशन आ विश्वव्यापी पहुँच

७९४. विदेह ई-पत्रिकाक एक प्रमुख पहचान की अछि?

- (A) केवल सरकारी गजट
- (B) प्रथम मैथिली पाक्षिक ई-पत्रिका
- (C) बिना भाषा-पहचानक मंच
- (D) केवल खेल पोर्टल

७९५. डिजिटल अभिलेख पत्रकारितामे किएक महत्वपूर्ण अछि?

- (A) अंक, लेख आ इतिहास भविष्य लेल सुरक्षित रहैत अछि
- (B) सामग्री तुरन्त नष्ट होइत अछि
- (C) पाठक भेटैत नहि
- (D) लेखकक नाम हटि जाइत अछि

७९६. वेब पत्रकारितामे सावधानीक मुख्य बिन्दु की अछि?

- (A) लेखक छिपेनाइ
- (B) तथ्य-जाँच, स्रोत आ भाषा-शुद्धता
- (C) अफवाह फैलाएब
- (D) शीर्षकमे भ्रम राखब

७९७. मोबाइल पठन मैथिली पत्रकारितामे कोन बदलाव आनैत अछि?

- (A) हाथमे पत्रिका पढ़बाक सुविधा
- (B) समाचारक विलुप्ति
- (C) भाषा-त्याग
- (D) पाठकक पूर्ण अन्त

७९८. विदेह ई-पत्रिकाक एक प्रमुख पहचान की अछि?

- (A) केवल खेल पोर्टल
- (B) बिना भाषा-पहचानक मंच
- (C) प्रथम मैथिली पाक्षिक ई-पत्रिका
- (D) केवल सरकारी गजट

७९९. डिजिटल अभिलेख पत्रकारितामे किएक महत्वपूर्ण अछि?

- (A) लेखकक नाम हटि जाइत अछि
- (B) पाठक भेटैत नहि
- (C) अंक, लेख आ इतिहास भविष्य लेल सुरक्षित रहैत अछि
- (D) सामग्री तुरन्त नष्ट होइत अछि

८००. वेब पत्रकारितामे सावधानीक मुख्य बिन्दु की अछि?

- (A) अफवाह फैलाएब
- (B) तथ्य-जाँच, स्रोत आ भाषा-शुद्धता
- (C) लेखक छिपेनाइ
- (D) शीर्षकमे भ्रम राखब

८०१. शीर्षक पत्रकारितामे किएक आवश्यक अछि?

- (A) छोट, स्पष्ट आ सारगर्भित होयबाक चाही
- (B) पाठककें हटाएब
- (C) समाचार लुकाएब
- (D) अस्पष्टता बढ़ेबाक लेल

८०२. मैथिली समाचारमे नाम आ स्थानक वर्तनी शुद्ध राखब किएक जरूरी अछि?

- (A) शीर्षक लम्बा करबाक लेल
- (B) गलती बढ़ेबाक लेल
- (C) भाषा त्याग लेल
- (D) व्यक्ति, इतिहास आ अभिलेखक सही पहचान लेल

८०३. समाचार आ विचारमे भेद राखब पत्रकारिताक कोन गुण अछि?

- (A) संतुलन आ निष्पक्षता
- (B) भ्रम आ पक्षपात
- (C) विज्ञापन मात्र
- (D) मौन

८०४. सहज मैथिली भाषाक उपयोगक लाभ की अछि?

- (A) सामान्य पाठक धरि बात साफ पहुँचेना
- (B) भाषा कठिन बनायब
- (C) तथ्य छिपेनाइ
- (D) पाठककें दूर करब

८०५. स्रोत-जाँच पत्रकारितामे किएक आवश्यक अछि?

- (A) पाठककें हटाएब
- (B) अस्पष्टता बढ़ेबाक लेल
- (C) समाचार लुकाएब
- (D) समाचारक विश्वसनीयता

८०६. मैथिली समाचारमे नाम आ स्थानक वर्तनी शुद्ध राखब किएक जरूरी अछि?

- (A) व्यक्ति, इतिहास आ अभिलेखक सही पहचान लेल
- (B) शीर्षक लम्बा करबाक लेल
- (C) भाषा त्याग लेल
- (D) गलती बढ़ेबाक लेल

८०७. समाचार आ विचारमे भेद राखब पत्रकारिताक कोन गुण अछि?

- (A) भ्रम आ पक्षपात
- (B) विज्ञापन मात्र
- (C) मौन
- (D) संतुलन आ निष्पक्षता

८०८. सहज मैथिली भाषाक उपयोगक लाभ की अछि?

- (A) सामान्य पाठक धरि बात साफ पहुँचेना
- (B) तथ्य छिपेनाइ
- (C) भाषा कठिन बनायब
- (D) पाठककें दूर करब

८०९. सम्पादकीय नीति पत्रकारितामे किएक आवश्यक अछि?

- (A) समाचार लुकाएब
- (B) अस्पष्टता बढ़ेबाक लेल
- (C) पत्रिकाक बौद्धिक दिशा
- (D) पाठककें हटाएब

८१०. मैथिली समाचारमे नाम आ स्थानक वर्तनी शुद्ध राखब किएक जरूरी अछि?

- (A) व्यक्ति, इतिहास आ अभिलेखक सही पहचान लेल
- (B) शीर्षक लम्बा करबाक लेल
- (C) भाषा त्याग लेल
- (D) गलती बढ़ेबाक लेल

८११. समाचार आ विचारमे भेद राखब पत्रकारिताक कोन गुण अछि?

- (A) भ्रम आ पक्षपात
- (B) मौन
- (C) संतुलन आ निष्पक्षता
- (D) विज्ञापन मात्र

८१२. सहज मैथिली भाषाक उपयोगक लाभ की अछि?

- (A) पाठककें दूर करब
- (B) तथ्य छिपेनाइ
- (C) भाषा कठिन बनायब
- (D) सामान्य पाठक धरि बात साफ पहुँचेना

८१३. सम्पादन पत्रकारितामे किएक आवश्यक अछि?

- (A) अस्पष्टता बढ़ेबाक लेल
- (B) पाठककें हटाएब
- (C) समाचार लुकाएब
- (D) तथ्य, भाषा, क्रम आ संतुलन सँ जुड़ल काज

८१४. मैथिली समाचारमे नाम आ स्थानक वर्तनी शुद्ध राखब किएक जरूरी अछि?

- (A) भाषा त्याग लेल
- (B) शीर्षक लम्बा करबाक लेल
- (C) गलती बढ़ेबाक लेल
- (D) व्यक्ति, इतिहास आ अभिलेखक सही पहचान लेल

८१५. समाचार आ विचारमे भेद राखब पत्रकारिताक कोन गुण अछि?

- (A) विज्ञापन मात्र
- (B) मौन
- (C) संतुलन आ निष्पक्षता
- (D) भ्रम आ पक्षपात

८१६. सहज मैथिली भाषाक उपयोगक लाभ की अछि?

- (A) तथ्य छिपेनाइ
- (B) पाठककें दूर करब
- (C) सामान्य पाठक धरि बात साफ पहुँचेना
- (D) भाषा कठिन बनायब

८१७. रिपोर्ट पत्रकारितामे किएक आवश्यक अछि?

- (A) घटनाक तथ्यात्मक विवरण
- (B) समाचार लुकाएब
- (C) पाठककेँ हटाएब
- (D) अस्पष्टता बढ़ेबाक लेल

८१८. मैथिली समाचारमे नाम आ स्थानक वर्तनी शुद्ध राखब किएक जरूरी अछि?

- (A) व्यक्ति, इतिहास आ अभिलेखक सही पहचान लेल
- (B) गलती बढ़ेबाक लेल
- (C) भाषा त्याग लेल
- (D) शीर्षक लम्बा करबाक लेल

८१९. समाचार आ विचारमे भेद राखब पत्रकारिताक कोन गुण अछि?

- (A) भ्रम आ पक्षपात
- (B) संतुलन आ निष्पक्षता
- (C) मौन
- (D) विज्ञापन मात्र

८२०. सहज मैथिली भाषाक उपयोगक लाभ की अछि?

- (A) सामान्य पाठक धरि बात साफ पहुँचेना
- (B) तथ्य छिपेनाइ
- (C) पाठककेँ दूर करब
- (D) भाषा कठिन बनायब

८२१. शीर्षक पत्रकारितामे किएक आवश्यक अछि?

- (A) अस्पष्टता बढ़ेबाक लेल
- (B) पाठककेँ हटाएब
- (C) समाचार लुकाएब
- (D) छोट, स्पष्ट आ सारगर्भित होयबाक चाही

८२२. मैथिली समाचारमे नाम आ स्थानक वर्तनी शुद्ध राखब किएक जरूरी अछि?

- (A) गलती बढ़ेबाक लेल
- (B) भाषा त्याग लेल
- (C) शीर्षक लम्बा करबाक लेल
- (D) व्यक्ति, इतिहास आ अभिलेखक सही पहचान लेल

८२३. समाचार आ विचारमे भेद राखब पत्रकारिताक कोन गुण अछि?

- (A) मौन
- (B) संतुलन आ निष्पक्षता
- (C) विज्ञापन मात्र
- (D) भ्रम आ पक्षपात

८२४. सहज मैथिली भाषाक उपयोगक लाभ की अछि?

- (A) सामान्य पाठक धरि बात साफ पहुँचेना
- (B) पाठककेँ दूर करब
- (C) भाषा कठिन बनायब
- (D) तथ्य छिपेनाइ

८२५. स्रोत-जाँच पत्रकारितामे किएक आवश्यक अछि?

- (A) अस्पष्टता बढ़ेबाक लेल
- (B) समाचारक विश्वसनीयता
- (C) समाचार लुकाएब
- (D) पाठककें हटाएब

८२६. मैथिली समाचारमे नाम आ स्थानक वर्तनी शुद्ध राखब किएक जरूरी अछि?

- (A) व्यक्ति, इतिहास आ अभिलेखक सही पहचान लेल
- (B) शीर्षक लम्बा करबाक लेल
- (C) गलती बढ़ेबाक लेल
- (D) भाषा त्याग लेल

८२७. समाचार आ विचारमे भेद राखब पत्रकारिताक कोन गुण अछि?

- (A) भ्रम आ पक्षपात
- (B) मौन
- (C) संतुलन आ निष्पक्षता
- (D) विज्ञापन मात्र

८२८. सहज मैथिली भाषाक उपयोगक लाभ की अछि?

- (A) सामान्य पाठक धरि बात साफ पहुँचेना
- (B) पाठककें दूर करब
- (C) भाषा कठिन बनायब
- (D) तथ्य छिपेनाइ

८२९. सम्पादकीय नीति पत्रकारितामे किएक आवश्यक अछि?

- (A) समाचार लुकाएब
- (B) अस्पष्टता बढ़ेबाक लेल
- (C) पत्रिकाक बौद्धिक दिशा
- (D) पाठककें हटाएब

८३०. मैथिली समाचारमे नाम आ स्थानक वर्तनी शुद्ध राखब किएक जरूरी अछि?

- (A) भाषा त्याग लेल
- (B) शीर्षक लम्बा करबाक लेल
- (C) गलती बढ़ेबाक लेल
- (D) व्यक्ति, इतिहास आ अभिलेखक सही पहचान लेल

८३१. समाचार आ विचारमे भेद राखब पत्रकारिताक कोन गुण अछि?

- (A) मौन
- (B) विज्ञापन मात्र
- (C) संतुलन आ निष्पक्षता
- (D) भ्रम आ पक्षपात

८३२. सहज मैथिली भाषाक उपयोगक लाभ की अछि?

- (A) सामान्य पाठक धरि बात साफ पहुँचेना
- (B) तथ्य छिपेनाइ
- (C) पाठककें दूर करब
- (D) भाषा कठिन बनायब

८३३. सम्पादन पत्रकारितामे किएक आवश्यक अछि?

- (A) पाठककेँ हटाएब
- (B) अस्पष्टता बढ़ेबाक लेल
- (C) समाचार लुकाएब
- (D) तथ्य, भाषा, क्रम आ संतुलन सँ जुड़ल काज

८३४. मैथिली समाचारमे नाम आ स्थानक वर्तनी शुद्ध राखब किएक जरूरी अछि?

- (A) शीर्षक लम्बा करबाक लेल
- (B) गलती बढ़ेबाक लेल
- (C) व्यक्ति, इतिहास आ अभिलेखक सही पहचान लेल
- (D) भाषा त्याग लेल

८३५. समाचार आ विचारमे भेद राखब पत्रकारिताक कोन गुण अछि?

- (A) भ्रम आ पक्षपात
- (B) मौन
- (C) संतुलन आ निष्पक्षता
- (D) विज्ञापन मात्र

८३६. सहज मैथिली भाषाक उपयोगक लाभ की अछि?

- (A) तथ्य छिपेनाइ
- (B) पाठककेँ दूर करब
- (C) सामान्य पाठक धरि बात साफ पहुँचेना
- (D) भाषा कठिन बनायब

८३७. रिपोर्ट पत्रकारितामे किएक आवश्यक अछि?

- (A) घटनाक तथ्यात्मक विवरण
- (B) समाचार लुकाएब
- (C) पाठककेँ हटाएब
- (D) अस्पष्टता बढ़ेबाक लेल

८३८. मैथिली समाचारमे नाम आ स्थानक वर्तनी शुद्ध राखब किएक जरूरी अछि?

- (A) गलती बढ़ेबाक लेल
- (B) व्यक्ति, इतिहास आ अभिलेखक सही पहचान लेल
- (C) भाषा त्याग लेल
- (D) शीर्षक लम्बा करबाक लेल

८३९. समाचार आ विचारमे भेद राखब पत्रकारिताक कोन गुण अछि?

- (A) संतुलन आ निष्पक्षता
- (B) मौन
- (C) भ्रम आ पक्षपात
- (D) विज्ञापन मात्र

८४०. सहज मैथिली भाषाक उपयोगक लाभ की अछि?

- (A) तथ्य छिपेनाइ
- (B) भाषा कठिन बनायब
- (C) सामान्य पाठक धरि बात साफ पहुँचेना
- (D) पाठककेँ दूर करब

८४१. शीर्षक पत्रकारितामे किएक आवश्यक अछि?

- (A) समाचार लुकाएब
- (B) पाठककेँ हटाएब
- (C) अस्पष्टता बढ़ेबाक लेल
- (D) छोट, स्पष्ट आ सारगर्भित होयबाक चाही

८४२. मैथिली समाचारमे नाम आ स्थानक वर्तनी शुद्ध राखब किएक जरूरी अछि?

- (A) भाषा त्याग लेल
- (B) गलती बढ़ेबाक लेल
- (C) व्यक्ति, इतिहास आ अभिलेखक सही पहचान लेल
- (D) शीर्षक लम्बा करबाक लेल

८४३. समाचार आ विचारमे भेद राखब पत्रकारिताक कोन गुण अछि?

- (A) मौन
- (B) भ्रम आ पक्षपात
- (C) संतुलन आ निष्पक्षता
- (D) विज्ञापन मात्र

८४४. सहज मैथिली भाषाक उपयोगक लाभ की अछि?

- (A) पाठककेँ दूर करब
- (B) सामान्य पाठक धरि बात साफ पहुँचेना
- (C) तथ्य छिपेनाइ
- (D) भाषा कठिन बनायब

८४५. स्रोत-जाँच पत्रकारितामे किएक आवश्यक अछि?

- (A) समाचार लुकाएब
- (B) अस्पष्टता बढ़ेबाक लेल
- (C) पाठककेँ हटाएब
- (D) समाचारक विश्वसनीयता

८४६. मैथिली समाचारमे नाम आ स्थानक वर्तनी शुद्ध राखब किएक जरूरी अछि?

- (A) गलती बढ़ेबाक लेल
- (B) व्यक्ति, इतिहास आ अभिलेखक सही पहचान लेल
- (C) भाषा त्याग लेल
- (D) शीर्षक लम्बा करबाक लेल

८४७. समाचार आ विचारमे भेद राखब पत्रकारिताक कोन गुण अछि?

- (A) विज्ञापन मात्र
- (B) संतुलन आ निष्पक्षता
- (C) मौन
- (D) भ्रम आ पक्षपात

८४८. सहज मैथिली भाषाक उपयोगक लाभ की अछि?

- (A) भाषा कठिन बनायब
- (B) तथ्य छिपेनाइ
- (C) सामान्य पाठक धरि बात साफ पहुँचेना
- (D) पाठककेँ दूर करब

८४९. सम्पादकीय नीति पत्रकारितामे किएक आवश्यक अछि?

- (A) समाचार लुकाएब
- (B) पत्रिकाक बौद्धिक दिशा
- (C) पाठककेँ हटाएब
- (D) अस्पष्टता बढ़ेबाक लेल

८५०. मैथिली समाचारमे नाम आ स्थानक वर्तनी शुद्ध राखब किएक जरूरी अछि?

- (A) व्यक्ति, इतिहास आ अभिलेखक सही पहचान लेल
- (B) भाषा त्याग लेल
- (C) गलती बढ़ेबाक लेल
- (D) शीर्षक लम्बा करबाक लेल

८५१. समाचार आ विचारमे भेद राखब पत्रकारिताक कोन गुण अछि?

- (A) भ्रम आ पक्षपात
- (B) मौन
- (C) संतुलन आ निष्पक्षता
- (D) विज्ञापन मात्र

८५२. सहज मैथिली भाषाक उपयोगक लाभ की अछि?

- (A) भाषा कठिन बनायब
- (B) तथ्य छिपेनाइ
- (C) पाठककेँ दूर करब
- (D) सामान्य पाठक धरि बात साफ पहुँचेना

८५३. सम्पादन पत्रकारितामे किएक आवश्यक अछि?

- (A) तथ्य, भाषा, क्रम आ संतुलन सँ जुड़ल काज
- (B) पाठककेँ हटाएब
- (C) अस्पष्टता बढ़ेबाक लेल
- (D) समाचार लुकाएब

८५४. मैथिली समाचारमे नाम आ स्थानक वर्तनी शुद्ध राखब किएक जरूरी अछि?

- (A) शीर्षक लम्बा करबाक लेल
- (B) गलती बढ़ेबाक लेल
- (C) भाषा त्याग लेल
- (D) व्यक्ति, इतिहास आ अभिलेखक सही पहचान लेल

८५५. समाचार आ विचारमे भेद राखब पत्रकारिताक कोन गुण अछि?

- (A) भ्रम आ पक्षपात
- (B) मौन
- (C) विज्ञापन मात्र
- (D) संतुलन आ निष्पक्षता

८५६. सहज मैथिली भाषाक उपयोगक लाभ की अछि?

- (A) तथ्य छिपेनाइ
- (B) भाषा कठिन बनायब
- (C) पाठककेँ दूर करब
- (D) सामान्य पाठक धरि बात साफ पहुँचेना

८५७. रिपोर्ट पत्रकारितामे किएक आवश्यक अछि?

- (A) समाचार लुकाएब
- (B) अस्पष्टता बढ़ेबाक लेल
- (C) पाठककेँ हटाएब
- (D) घटनाक तथ्यात्मक विवरण

८५८. मैथिली समाचारमे नाम आ स्थानक वर्तनी शुद्ध राखब किएक जरूरी अछि?

- (A) व्यक्ति, इतिहास आ अभिलेखक सही पहचान लेल
- (B) भाषा त्याग लेल
- (C) गलती बढ़ेबाक लेल
- (D) शीर्षक लम्बा करबाक लेल

८५९. समाचार आ विचारमे भेद राखब पत्रकारिताक कोन गुण अछि?

- (A) संतुलन आ निष्पक्षता
- (B) भ्रम आ पक्षपात
- (C) मौन
- (D) विज्ञापन मात्र

८६०. सहज मैथिली भाषाक उपयोगक लाभ की अछि?

- (A) भाषा कठिन बनायब
- (B) तथ्य छिपेनाइ
- (C) पाठककेँ दूर करब
- (D) सामान्य पाठक धरि बात साफ पहुँचेना

८६१. शीर्षक पत्रकारितामे किएक आवश्यक अछि?

- (A) समाचार लुकाएब
- (B) अस्पष्टता बढ़ेबाक लेल
- (C) पाठककेँ हटाएब
- (D) छोट, स्पष्ट आ सारगर्भित होयबाक चाही

८६२. मैथिली समाचारमे नाम आ स्थानक वर्तनी शुद्ध राखब किएक जरूरी अछि?

- (A) गलती बढ़ेबाक लेल
- (B) व्यक्ति, इतिहास आ अभिलेखक सही पहचान लेल
- (C) भाषा त्याग लेल
- (D) शीर्षक लम्बा करबाक लेल

८६३. समाचार आ विचारमे भेद राखब पत्रकारिताक कोन गुण अछि?

- (A) विज्ञापन मात्र
- (B) मौन
- (C) भ्रम आ पक्षपात
- (D) संतुलन आ निष्पक्षता

८६४. सहज मैथिली भाषाक उपयोगक लाभ की अछि?

- (A) तथ्य छिपेनाइ
- (B) भाषा कठिन बनायब
- (C) पाठककेँ दूर करब
- (D) सामान्य पाठक धरि बात साफ पहुँचेना

८६५. स्रोत-जाँच पत्रकारितामे किएक आवश्यक अछि?

- (A) समाचारक विश्वसनीयता
- (B) अस्पष्टता बढेबाक लेल
- (C) समाचार लुकाएब
- (D) पाठककेँ हटाएब

८६६. मैथिली समाचारमे नाम आ स्थानक वर्तनी शुद्ध राखब किएक जरूरी अछि?

- (A) व्यक्ति, इतिहास आ अभिलेखक सही पहचान लेल
- (B) गलती बढेबाक लेल
- (C) भाषा त्याग लेल
- (D) शीर्षक लम्बा करबाक लेल

८६७. समाचार आ विचारमे भेद राखब पत्रकारिताक कोन गुण अछि?

- (A) संतुलन आ निष्पक्षता
- (B) विज्ञापन मात्र
- (C) भ्रम आ पक्षपात
- (D) मौन

८६८. सहज मैथिली भाषाक उपयोगक लाभ की अछि?

- (A) भाषा कठिन बनायब
- (B) तथ्य छिपेनाइ
- (C) सामान्य पाठक धरि बात साफ पहुँचेना
- (D) पाठककेँ दूर करब

८६९. सम्पादकीय नीति पत्रकारितामे किएक आवश्यक अछि?

- (A) पाठककेँ हटाएब
- (B) समाचार लुकाएब
- (C) पत्रिकाक बौद्धिक दिशा
- (D) अस्पष्टता बढेबाक लेल

८७०. मैथिली समाचारमे नाम आ स्थानक वर्तनी शुद्ध राखब किएक जरूरी अछि?

- (A) भाषा त्याग लेल
- (B) गलती बढेबाक लेल
- (C) शीर्षक लम्बा करबाक लेल
- (D) व्यक्ति, इतिहास आ अभिलेखक सही पहचान लेल

८७१. समाचार आ विचारमे भेद राखब पत्रकारिताक कोन गुण अछि?

- (A) विज्ञापन मात्र
- (B) भ्रम आ पक्षपात
- (C) मौन
- (D) संतुलन आ निष्पक्षता

८७२. सहज मैथिली भाषाक उपयोगक लाभ की अछि?

- (A) पाठककेँ दूर करब
- (B) सामान्य पाठक धरि बात साफ पहुँचेना
- (C) भाषा कठिन बनायब
- (D) तथ्य छिपेनाइ

८७३. सम्पादन पत्रकारितामे किएक आवश्यक अछि?

- (A) पाठककें हटाएब
- (B) अस्पष्टता बढ़ेबाक लेल
- (C) समाचार लुकाएब
- (D) तथ्य, भाषा, क्रम आ संतुलन सँ जुड़ल काज

८७४. मैथिली समाचारमे नाम आ स्थानक वर्तनी शुद्ध राखब किएक जरूरी अछि?

- (A) भाषा त्याग लेल
- (B) व्यक्ति, इतिहास आ अभिलेखक सही पहचान लेल
- (C) शीर्षक लम्बा करबाक लेल
- (D) गलती बढ़ेबाक लेल

८७५. समाचार आ विचारमे भेद राखब पत्रकारिताक कोन गुण अछि?

- (A) मौन
- (B) विज्ञापन मात्र
- (C) भ्रम आ पक्षपात
- (D) संतुलन आ निष्पक्षता

८७६. सहज मैथिली भाषाक उपयोगक लाभ की अछि?

- (A) सामान्य पाठक धरि बात साफ पहुँचेना
- (B) भाषा कठिन बनायब
- (C) पाठककें दूर करब
- (D) तथ्य छिपेनाइ

८७७. रिपोर्ट पत्रकारितामे किएक आवश्यक अछि?

- (A) पाठककें हटाएब
- (B) अस्पष्टता बढ़ेबाक लेल
- (C) घटनाक तथ्यात्मक विवरण
- (D) समाचार लुकाएब

८७८. मैथिली समाचारमे नाम आ स्थानक वर्तनी शुद्ध राखब किएक जरूरी अछि?

- (A) गलती बढ़ेबाक लेल
- (B) व्यक्ति, इतिहास आ अभिलेखक सही पहचान लेल
- (C) भाषा त्याग लेल
- (D) शीर्षक लम्बा करबाक लेल

८७९. समाचार आ विचारमे भेद राखब पत्रकारिताक कोन गुण अछि?

- (A) भ्रम आ पक्षपात
- (B) संतुलन आ निष्पक्षता
- (C) मौन
- (D) विज्ञापन मात्र

८८०. सहज मैथिली भाषाक उपयोगक लाभ की अछि?

- (A) पाठककें दूर करब
- (B) भाषा कठिन बनायब
- (C) सामान्य पाठक धरि बात साफ पहुँचेना
- (D) तथ्य छिपेनाइ

८८१. शीर्षक पत्रकारितामे किएक आवश्यक अछि?

- (A) पाठककें हटाएब
- (B) समाचार लुकाएब
- (C) अस्पष्टता बढ़ेबाक लेल
- (D) छोट, स्पष्ट आ सारगर्भित होयबाक चाही

८८२. मैथिली समाचारमे नाम आ स्थानक वर्तनी शुद्ध राखब किएक जरूरी अछि?

- (A) भाषा त्याग लेल
- (B) व्यक्ति, इतिहास आ अभिलेखक सही पहचान लेल
- (C) गलती बढ़ेबाक लेल
- (D) शीर्षक लम्बा करबाक लेल

८८३. समाचार आ विचारमे भेद राखब पत्रकारिताक कोन गुण अछि?

- (A) विज्ञापन मात्र
- (B) संतुलन आ निष्पक्षता
- (C) भ्रम आ पक्षपात
- (D) मौन

८८४. सहज मैथिली भाषाक उपयोगक लाभ की अछि?

- (A) भाषा कठिन बनायब
- (B) पाठककें दूर करब
- (C) तथ्य छिपेनाइ
- (D) सामान्य पाठक धरि बात साफ पहुँचेना

८८५. स्रोत-जाँच पत्रकारितामे किएक आवश्यक अछि?

- (A) समाचारक विश्वसनीयता
- (B) अस्पष्टता बढ़ेबाक लेल
- (C) समाचार लुकाएब
- (D) पाठककें हटाएब

८८६. मैथिली समाचारमे नाम आ स्थानक वर्तनी शुद्ध राखब किएक जरूरी अछि?

- (A) भाषा त्याग लेल
- (B) व्यक्ति, इतिहास आ अभिलेखक सही पहचान लेल
- (C) शीर्षक लम्बा करबाक लेल
- (D) गलती बढ़ेबाक लेल

८८७. समाचार आ विचारमे भेद राखब पत्रकारिताक कोन गुण अछि?

- (A) विज्ञापन मात्र
- (B) संतुलन आ निष्पक्षता
- (C) भ्रम आ पक्षपात
- (D) मौन

८८८. सहज मैथिली भाषाक उपयोगक लाभ की अछि?

- (A) सामान्य पाठक धरि बात साफ पहुँचेना
- (B) तथ्य छिपेनाइ
- (C) पाठककें दूर करब
- (D) भाषा कठिन बनायब

८८९. सम्पादकीय नीति पत्रकारितामे किएक आवश्यक अछि?

- (A) अस्पष्टता बढेबाक लेल
- (B) पाठककेँ हटाएब
- (C) समाचार लुकाएब
- (D) पत्रिकाक बौद्धिक दिशा

८९०. मैथिली समाचारमे नाम आ स्थानक वर्तनी शुद्ध राखब किएक जरूरी अछि?

- (A) शीर्षक लम्बा करबाक लेल
- (B) गलती बढेबाक लेल
- (C) भाषा त्याग लेल
- (D) व्यक्ति, इतिहास आ अभिलेखक सही पहचान लेल

८९१. समाचार आ विचारमे भेद राखब पत्रकारिताक कोन गुण अछि?

- (A) मौन
- (B) संतुलन आ निष्पक्षता
- (C) भ्रम आ पक्षपात
- (D) विज्ञापन मात्र

८९२. सहज मैथिली भाषाक उपयोगक लाभ की अछि?

- (A) तथ्य छिपेनाइ
- (B) सामान्य पाठक धरि बात साफ पहुँचेना
- (C) भाषा कठिन बनायब
- (D) पाठककेँ दूर करब

८९३. सम्पादन पत्रकारितामे किएक आवश्यक अछि?

- (A) अस्पष्टता बढेबाक लेल
- (B) पाठककेँ हटाएब
- (C) तथ्य, भाषा, क्रम आ संतुलन सँ जुड़ल काज
- (D) समाचार लुकाएब

८९४. मैथिली समाचारमे नाम आ स्थानक वर्तनी शुद्ध राखब किएक जरूरी अछि?

- (A) गलती बढेबाक लेल
- (B) व्यक्ति, इतिहास आ अभिलेखक सही पहचान लेल
- (C) भाषा त्याग लेल
- (D) शीर्षक लम्बा करबाक लेल

८९५. समाचार आ विचारमे भेद राखब पत्रकारिताक कोन गुण अछि?

- (A) भ्रम आ पक्षपात
- (B) मौन
- (C) संतुलन आ निष्पक्षता
- (D) विज्ञापन मात्र

८९६. सहज मैथिली भाषाक उपयोगक लाभ की अछि?

- (A) भाषा कठिन बनायब
- (B) सामान्य पाठक धरि बात साफ पहुँचेना
- (C) तथ्य छिपेनाइ
- (D) पाठककेँ दूर करब

८९७. रिपोर्ट पत्रकारितामे किएक आवश्यक अछि?

- (A) पाठककें हटाएब
- (B) अस्पष्टता बढ़ेबाक लेल
- (C) घटनाक तथ्यात्मक विवरण
- (D) समाचार लुकाएब

८९८. मैथिली समाचारमे नाम आ स्थानक वर्तनी शुद्ध राखब किएक जरूरी अछि?

- (A) व्यक्ति, इतिहास आ अभिलेखक सही पहचान लेल
- (B) भाषा त्याग लेल
- (C) गलती बढ़ेबाक लेल
- (D) शीर्षक लम्बा करबाक लेल

८९९. समाचार आ विचारमे भेद राखब पत्रकारिताक कोन गुण अछि?

- (A) मौन
- (B) भ्रम आ पक्षपात
- (C) संतुलन आ निष्पक्षता
- (D) विज्ञापन मात्र

९००. सहज मैथिली भाषाक उपयोगक लाभ की अछि?

- (A) पाठककें दूर करब
- (B) तथ्य छिपेनाइ
- (C) सामान्य पाठक धरि बात साफ पहुँचेना
- (D) भाषा कठिन बनायब

९०१. अभिलेखन मैथिली पत्रकारिताक विकासमे कोन भूमिका निभबैत अछि?

- (A) पाठक घटाएब
- (B) इतिहास मिटेनाइ
- (C) भाषा हटाएब
- (D) पुरान अंकक संरक्षण

९०२. पुरान मैथिली पत्रिका सभक अंक सुरक्षित राखब किएक जरूरी अछि?

- (A) लेखकक स्मृति मिटबैत अछि
- (B) इतिहास, भाषा आ समाजक साक्ष्य बचबैत अछि
- (C) पाठक भ्रमित करैत अछि
- (D) भाषा-काज रोकैत अछि

९०३. मैथिली पत्रकारिताक भविष्य लेल कोन सम्मिलित उपाय उपयोगी अछि?

- (A) केवल अफवाह
- (B) केवल मौन
- (C) पाठक, लेखक, सम्पादक आ तकनीकक सहयोग
- (D) पत्रिका बंद करब

९०४. शोधकर्ताक लेल पत्रिका-सूचीमे की-की जानकारी महत्वपूर्ण अछि?

- (A) केवल मूल्य
- (B) नाम, वर्ष, स्थान, सम्पादक आ स्वरूप
- (C) केवल पृष्ठ संख्या
- (D) केवल कागजक रंग

९०५. पाठक-वृद्धि मैथिली पत्रकारिताक विकासमे कोन भूमिका निभबैत अछि?

- (A) पाठक घटाएब
- (B) पत्रिकाक आर्थिक आ सामाजिक आधार
- (C) भाषा हटाएब
- (D) इतिहास मिटेनाइ

९०६. पुरान मैथिली पत्रिका सभक अंक सुरक्षित राखब किएक जरूरी अछि?

- (A) भाषा-काज रोकैत अछि
- (B) पाठक भ्रमित करैत अछि
- (C) इतिहास, भाषा आ समाजक साक्ष्य बचबैत अछि
- (D) लेखकक स्मृति मिटबैत अछि

९०७. मैथिली पत्रकारिताक भविष्य लेल कोन सम्मिलित उपाय उपयोगी अछि?

- (A) पत्रिका बंद करब
- (B) केवल मौन
- (C) केवल अफवाह
- (D) पाठक, लेखक, सम्पादक आ तकनीकक सहयोग

९०८. शोधकर्ताक लेल पत्रिका-सूचीमे की-की जानकारी महत्वपूर्ण अछि?

- (A) केवल मूल्य
- (B) केवल कागजक रंग
- (C) नाम, वर्ष, स्थान, सम्पादक आ स्वरूप
- (D) केवल पृष्ठ संख्या

९०९. शोध-पत्रिका मैथिली पत्रकारिताक विकासमे कोन भूमिका निभबैत अछि?

- (A) भाषा हटाएब
- (B) इतिहास मिटेनाइ
- (C) पाठक घटाएब
- (D) गम्भीर अध्ययन आ संदर्भ

९१०. पुरान मैथिली पत्रिका सभक अंक सुरक्षित राखब किएक जरूरी अछि?

- (A) भाषा-काज रोकैत अछि
- (B) इतिहास, भाषा आ समाजक साक्ष्य बचबैत अछि
- (C) लेखकक स्मृति मिटबैत अछि
- (D) पाठक भ्रमित करैत अछि

९११. मैथिली पत्रकारिताक भविष्य लेल कोन सम्मिलित उपाय उपयोगी अछि?

- (A) पाठक, लेखक, सम्पादक आ तकनीकक सहयोग
- (B) पत्रिका बंद करब
- (C) केवल अफवाह
- (D) केवल मौन

९१२. शोधकर्ताक लेल पत्रिका-सूचीमे की-की जानकारी महत्वपूर्ण अछि?

- (A) नाम, वर्ष, स्थान, सम्पादक आ स्वरूप
- (B) केवल मूल्य
- (C) केवल पृष्ठ संख्या
- (D) केवल कागजक रंग

९१३. शोध मैथिली पत्रकारिताक विकासमे कोन भूमिका निभबैत अछि?

- (A) पाठक घटाएब
- (B) भाषा हटाएब
- (C) पत्रकारिता इतिहासक प्रमाण-आधारित अध्ययन
- (D) इतिहास मिटेनाइ

९१४. पुरान मैथिली पत्रिका सभक अंक सुरक्षित राखब किएक जरूरी अछि?

- (A) पाठक भ्रमित करैत अछि
- (B) इतिहास, भाषा आ समाजक साक्ष्य बचबैत अछि
- (C) भाषा-काज रोकैत अछि
- (D) लेखकक स्मृति मिटबैत अछि

९१५. मैथिली पत्रकारिताक भविष्य लेल कोन सम्मिलित उपाय उपयोगी अछि?

- (A) पाठक, लेखक, सम्पादक आ तकनीकक सहयोग
- (B) केवल अफवाह
- (C) पत्रिका बंद करब
- (D) केवल मौन

९१६. शोधकर्ताक लेल पत्रिका-सूचीमे की-की जानकारी महत्त्वपूर्ण अछि?

- (A) नाम, वर्ष, स्थान, सम्पादक आ स्वरूप
- (B) केवल मूल्य
- (C) केवल कागजक रंग
- (D) केवल पृष्ठ संख्या

९१७. स्थानीय संवाददाता मैथिली पत्रकारिताक विकासमे कोन भूमिका निभबैत अछि?

- (A) इतिहास मिटेनाइ
- (B) गाम-शहरक समाचारक स्रोत
- (C) भाषा हटाएब
- (D) पाठक घटाएब

९१८. पुरान मैथिली पत्रिका सभक अंक सुरक्षित राखब किएक जरूरी अछि?

- (A) पाठक भ्रमित करैत अछि
- (B) लेखकक स्मृति मिटबैत अछि
- (C) इतिहास, भाषा आ समाजक साक्ष्य बचबैत अछि
- (D) भाषा-काज रोकैत अछि

९१९. मैथिली पत्रकारिताक भविष्य लेल कोन सम्मिलित उपाय उपयोगी अछि?

- (A) पत्रिका बंद करब
- (B) पाठक, लेखक, सम्पादक आ तकनीकक सहयोग
- (C) केवल मौन
- (D) केवल अफवाह

९२०. शोधकर्ताक लेल पत्रिका-सूचीमे की-की जानकारी महत्त्वपूर्ण अछि?

- (A) नाम, वर्ष, स्थान, सम्पादक आ स्वरूप
- (B) केवल मूल्य
- (C) केवल कागजक रंग
- (D) केवल पृष्ठ संख्या

९२१. अभिलेखन मैथिली पत्रकारिताक विकासमे कोन भूमिका निभबैत अछि?

- (A) भाषा हटाएब
- (B) पुरान अंकक संरक्षण
- (C) पाठक घटाएब
- (D) इतिहास मिटेनाइ

९२२. पुरान मैथिली पत्रिका सभक अंक सुरक्षित राखब किएक जरूरी अछि?

- (A) पाठक भ्रमित करैत अछि
- (B) लेखकक स्मृति मिटबैत अछि
- (C) इतिहास, भाषा आ समाजक साक्ष्य बचबैत अछि
- (D) भाषा-काज रोकैत अछि

९२३. मैथिली पत्रकारिताक भविष्य लेल कोन सम्मिलित उपाय उपयोगी अछि?

- (A) पाठक, लेखक, सम्पादक आ तकनीकक सहयोग
- (B) पत्रिका बंद करब
- (C) केवल अफवाह
- (D) केवल मौन

९२४. शोधकर्ताक लेल पत्रिका-सूचीमे की-की जानकारी महत्त्वपूर्ण अछि?

- (A) केवल पृष्ठ संख्या
- (B) नाम, वर्ष, स्थान, सम्पादक आ स्वरूप
- (C) केवल मूल्य
- (D) केवल कागजक रंग

९२५. पाठक-वृद्धि मैथिली पत्रकारिताक विकासमे कोन भूमिका निभबैत अछि?

- (A) भाषा हटाएब
- (B) पाठक घटाएब
- (C) इतिहास मिटेनाइ
- (D) पत्रिकाक आर्थिक आ सामाजिक आधार

९२६. पुरान मैथिली पत्रिका सभक अंक सुरक्षित राखब किएक जरूरी अछि?

- (A) लेखकक स्मृति मिटबैत अछि
- (B) पाठक भ्रमित करैत अछि
- (C) भाषा-काज रोकैत अछि
- (D) इतिहास, भाषा आ समाजक साक्ष्य बचबैत अछि

९२७. मैथिली पत्रकारिताक भविष्य लेल कोन सम्मिलित उपाय उपयोगी अछि?

- (A) पत्रिका बंद करब
- (B) केवल अफवाह
- (C) पाठक, लेखक, सम्पादक आ तकनीकक सहयोग
- (D) केवल मौन

९२८. शोधकर्ताक लेल पत्रिका-सूचीमे की-की जानकारी महत्त्वपूर्ण अछि?

- (A) केवल पृष्ठ संख्या
- (B) केवल कागजक रंग
- (C) नाम, वर्ष, स्थान, सम्पादक आ स्वरूप
- (D) केवल मूल्य

९२९. शोध-पत्रिका मैथिली पत्रकारिताक विकासमे कोन भूमिका निभबैत अछि?

- (A) पाठक घटाएब
- (B) गम्भीर अध्ययन आ संदर्भ
- (C) भाषा हटाएब
- (D) इतिहास मिटेनाइ

९३०. पुरान मैथिली पत्रिका सभक अंक सुरक्षित राखब किएक जरूरी अछि?

- (A) भाषा-काज रोकैत अछि
- (B) लेखकक स्मृति मिटबैत अछि
- (C) पाठक भ्रमित करैत अछि
- (D) इतिहास, भाषा आ समाजक साक्ष्य बचबैत अछि

९३१. मैथिली पत्रकारिताक भविष्य लेल कोन सम्मिलित उपाय उपयोगी अछि?

- (A) केवल अफवाह
- (B) पाठक, लेखक, सम्पादक आ तकनीकक सहयोग
- (C) केवल मौन
- (D) पत्रिका बंद करब

९३२. शोधकर्ताक लेल पत्रिका-सूचीमे की-की जानकारी महत्वपूर्ण अछि?

- (A) नाम, वर्ष, स्थान, सम्पादक आ स्वरूप
- (B) केवल कागजक रंग
- (C) केवल मूल्य
- (D) केवल पृष्ठ संख्या

९३३. शोध मैथिली पत्रकारिताक विकासमे कोन भूमिका निभबैत अछि?

- (A) भाषा हटाएब
- (B) इतिहास मिटेनाइ
- (C) पाठक घटाएब
- (D) पत्रकारिता इतिहासक प्रमाण-आधारित अध्ययन

९३४. पुरान मैथिली पत्रिका सभक अंक सुरक्षित राखब किएक जरूरी अछि?

- (A) लेखकक स्मृति मिटबैत अछि
- (B) भाषा-काज रोकैत अछि
- (C) पाठक भ्रमित करैत अछि
- (D) इतिहास, भाषा आ समाजक साक्ष्य बचबैत अछि

९३५. मैथिली पत्रकारिताक भविष्य लेल कोन सम्मिलित उपाय उपयोगी अछि?

- (A) केवल मौन
- (B) पत्रिका बंद करब
- (C) पाठक, लेखक, सम्पादक आ तकनीकक सहयोग
- (D) केवल अफवाह

९३६. शोधकर्ताक लेल पत्रिका-सूचीमे की-की जानकारी महत्वपूर्ण अछि?

- (A) केवल कागजक रंग
- (B) केवल पृष्ठ संख्या
- (C) केवल मूल्य
- (D) नाम, वर्ष, स्थान, सम्पादक आ स्वरूप

९३७. स्थानीय संवाददाता मैथिली पत्रकारिताक विकासमे कोन भूमिका निभबैत अछि?

- (A) गाम-शहरक समाचारक स्रोत
- (B) इतिहास मिटेनाइ
- (C) भाषा हटाएब
- (D) पाठक घटाएब

९३८. पुरान मैथिली पत्रिका सभक अंक सुरक्षित राखब किएक जरूरी अछि?

- (A) इतिहास, भाषा आ समाजक साक्ष्य बचबैत अछि
- (B) भाषा-काज रोकैत अछि
- (C) लेखकक स्मृति मिटबैत अछि
- (D) पाठक भ्रमित करैत अछि

९३९. मैथिली पत्रकारिताक भविष्य लेल कोन सम्मिलित उपाय उपयोगी अछि?

- (A) पत्रिका बंद करब
- (B) पाठक, लेखक, सम्पादक आ तकनीकक सहयोग
- (C) केवल अफवाह
- (D) केवल मौन

९४०. शोधकर्ताक लेल पत्रिका-सूचीमे की-की जानकारी महत्त्वपूर्ण अछि?

- (A) केवल कागजक रंग
- (B) नाम, वर्ष, स्थान, सम्पादक आ स्वरूप
- (C) केवल मूल्य
- (D) केवल पृष्ठ संख्या

९४१. अभिलेखन मैथिली पत्रकारिताक विकासमे कोन भूमिका निभबैत अछि?

- (A) पाठक घटाएब
- (B) भाषा हटाएब
- (C) इतिहास मिटेनाइ
- (D) पुरान अंकक संरक्षण

९४२. पुरान मैथिली पत्रिका सभक अंक सुरक्षित राखब किएक जरूरी अछि?

- (A) इतिहास, भाषा आ समाजक साक्ष्य बचबैत अछि
- (B) लेखकक स्मृति मिटबैत अछि
- (C) भाषा-काज रोकैत अछि
- (D) पाठक भ्रमित करैत अछि

९४३. मैथिली पत्रकारिताक भविष्य लेल कोन सम्मिलित उपाय उपयोगी अछि?

- (A) केवल अफवाह
- (B) केवल मौन
- (C) पाठक, लेखक, सम्पादक आ तकनीकक सहयोग
- (D) पत्रिका बंद करब

९४४. शोधकर्ताक लेल पत्रिका-सूचीमे की-की जानकारी महत्त्वपूर्ण अछि?

- (A) केवल पृष्ठ संख्या
- (B) केवल मूल्य
- (C) केवल कागजक रंग
- (D) नाम, वर्ष, स्थान, सम्पादक आ स्वरूप

१४५. पाठक-वृद्धि मैथिली पत्रकारिताक विकासमे कोन भूमिका निभबैत अछि?

- (A) इतिहास मिटेनाइ
- (B) पत्रिकाक आर्थिक आ सामाजिक आधार
- (C) भाषा हटाएब
- (D) पाठक घटाएब

१४६. पुरान मैथिली पत्रिका सभक अंक सुरक्षित राखब किएक जरूरी अछि?

- (A) भाषा-काज रोकैत अछि
- (B) लेखकक स्मृति मिटबैत अछि
- (C) पाठक भ्रमित करैत अछि
- (D) इतिहास, भाषा आ समाजक साक्ष्य बचबैत अछि

१४७. मैथिली पत्रकारिताक भविष्य लेल कोन सम्मिलित उपाय उपयोगी अछि?

- (A) केवल अफवाह
- (B) केवल मौन
- (C) पत्रिका बंद करब
- (D) पाठक, लेखक, सम्पादक आ तकनीकक सहयोग

१४८. शोधकर्ताक लेल पत्रिका-सूचीमे की-की जानकारी महत्त्वपूर्ण अछि?

- (A) केवल कागजक रंग
- (B) केवल पृष्ठ संख्या
- (C) केवल मूल्य
- (D) नाम, वर्ष, स्थान, सम्पादक आ स्वरूप

१४९. शोध-पत्रिका मैथिली पत्रकारिताक विकासमे कोन भूमिका निभबैत अछि?

- (A) पाठक घटाएब
- (B) इतिहास मिटेनाइ
- (C) गम्भीर अध्ययन आ संदर्भ
- (D) भाषा हटाएब

१५०. पुरान मैथिली पत्रिका सभक अंक सुरक्षित राखब किएक जरूरी अछि?

- (A) भाषा-काज रोकैत अछि
- (B) लेखकक स्मृति मिटबैत अछि
- (C) पाठक भ्रमित करैत अछि
- (D) इतिहास, भाषा आ समाजक साक्ष्य बचबैत अछि

१५१. मैथिली पत्रकारिताक भविष्य लेल कोन सम्मिलित उपाय उपयोगी अछि?

- (A) पाठक, लेखक, सम्पादक आ तकनीकक सहयोग
- (B) पत्रिका बंद करब
- (C) केवल मौन
- (D) केवल अफवाह

१५२. शोधकर्ताक लेल पत्रिका-सूचीमे की-की जानकारी महत्त्वपूर्ण अछि?

- (A) केवल पृष्ठ संख्या
- (B) नाम, वर्ष, स्थान, सम्पादक आ स्वरूप
- (C) केवल मूल्य
- (D) केवल कागजक रंग

९५३. शोध मैथिली पत्रकारिताक विकासमे कोन भूमिका निभबैत अछि?

- (A) भाषा हटाएब
- (B) इतिहास मिटेनाइ
- (C) पाठक घटाएब
- (D) पत्रकारिता इतिहासक प्रमाण-आधारित अध्ययन

९५४. पुरान मैथिली पत्रिका सभक अंक सुरक्षित राखब किएक जरूरी अछि?

- (A) इतिहास, भाषा आ समाजक साक्ष्य बचबैत अछि
- (B) पाठक भ्रमित करैत अछि
- (C) भाषा-काज रोकैत अछि
- (D) लेखकक स्मृति मिटबैत अछि

९५५. मैथिली पत्रकारिताक भविष्य लेल कोन सम्मिलित उपाय उपयोगी अछि?

- (A) केवल अफवाह
- (B) पाठक, लेखक, सम्पादक आ तकनीकक सहयोग
- (C) केवल मौन
- (D) पत्रिका बंद करब

९५६. शोधकर्ताक लेल पत्रिका-सूचीमे की-की जानकारी महत्त्वपूर्ण अछि?

- (A) केवल पृष्ठ संख्या
- (B) केवल मूल्य
- (C) नाम, वर्ष, स्थान, सम्पादक आ स्वरूप
- (D) केवल कागजक रंग

९५७. स्थानीय संवाददाता मैथिली पत्रकारिताक विकासमे कोन भूमिका निभबैत अछि?

- (A) भाषा हटाएब
- (B) इतिहास मिटेनाइ
- (C) गाम-शहरक समाचारक स्रोत
- (D) पाठक घटाएब

९५८. पुरान मैथिली पत्रिका सभक अंक सुरक्षित राखब किएक जरूरी अछि?

- (A) लेखकक स्मृति मिटबैत अछि
- (B) पाठक भ्रमित करैत अछि
- (C) भाषा-काज रोकैत अछि
- (D) इतिहास, भाषा आ समाजक साक्ष्य बचबैत अछि

९५९. मैथिली पत्रकारिताक भविष्य लेल कोन सम्मिलित उपाय उपयोगी अछि?

- (A) पाठक, लेखक, सम्पादक आ तकनीकक सहयोग
- (B) पत्रिका बंद करब
- (C) केवल मौन
- (D) केवल अफवाह

९६०. शोधकर्ताक लेल पत्रिका-सूचीमे की-की जानकारी महत्त्वपूर्ण अछि?

- (A) केवल पृष्ठ संख्या
- (B) केवल कागजक रंग
- (C) नाम, वर्ष, स्थान, सम्पादक आ स्वरूप
- (D) केवल मूल्य

९६१. अभिलेखन मैथिली पत्रकारिताक विकासमे कोन भूमिका निभबैत अछि?

- (A) पाठक घटाएब
- (B) इतिहास मिटेनाइ
- (C) भाषा हटाएब
- (D) पुरान अंकक संरक्षण

९६२. पुरान मैथिली पत्रिका सभक अंक सुरक्षित राखब किएक जरूरी अछि?

- (A) पाठक भ्रमित करैत अछि
- (B) लेखकक स्मृति मिटबैत अछि
- (C) इतिहास, भाषा आ समाजक साक्ष्य बचबैत अछि
- (D) भाषा-काज रोकैत अछि

९६३. मैथिली पत्रकारिताक भविष्य लेल कोन सम्मिलित उपाय उपयोगी अछि?

- (A) पत्रिका बंद करब
- (B) पाठक, लेखक, सम्पादक आ तकनीकक सहयोग
- (C) केवल अफवाह
- (D) केवल मौन

९६४. शोधकर्ताक लेल पत्रिका-सूचीमे की-की जानकारी महत्वपूर्ण अछि?

- (A) नाम, वर्ष, स्थान, सम्पादक आ स्वरूप
- (B) केवल पृष्ठ संख्या
- (C) केवल मूल्य
- (D) केवल कागजक रंग

९६५. पाठक-वृद्धि मैथिली पत्रकारिताक विकासमे कोन भूमिका निभबैत अछि?

- (A) इतिहास मिटेनाइ
- (B) पाठक घटाएब
- (C) पत्रिकाक आर्थिक आ सामाजिक आधार
- (D) भाषा हटाएब

९६६. पुरान मैथिली पत्रिका सभक अंक सुरक्षित राखब किएक जरूरी अछि?

- (A) इतिहास, भाषा आ समाजक साक्ष्य बचबैत अछि
- (B) भाषा-काज रोकैत अछि
- (C) पाठक भ्रमित करैत अछि
- (D) लेखकक स्मृति मिटबैत अछि

९६७. मैथिली पत्रकारिताक भविष्य लेल कोन सम्मिलित उपाय उपयोगी अछि?

- (A) पाठक, लेखक, सम्पादक आ तकनीकक सहयोग
- (B) केवल अफवाह
- (C) केवल मौन
- (D) पत्रिका बंद करब

९६८. शोधकर्ताक लेल पत्रिका-सूचीमे की-की जानकारी महत्वपूर्ण अछि?

- (A) केवल मूल्य
- (B) केवल कागजक रंग
- (C) केवल पृष्ठ संख्या
- (D) नाम, वर्ष, स्थान, सम्पादक आ स्वरूप

९६९. शोध-पत्रिका मैथिली पत्रकारिताक विकासमे कोन भूमिका निभबैत अछि?

- (A) भाषा हटाएब
- (B) इतिहास मिटेनाइ
- (C) गम्भीर अध्ययन आ संदर्भ
- (D) पाठक घटाएब

९७०. पुरान मैथिली पत्रिका सभक अंक सुरक्षित राखब किएक जरूरी अछि?

- (A) पाठक भ्रमित करैत अछि
- (B) लेखकक स्मृति मिटबैत अछि
- (C) इतिहास, भाषा आ समाजक साक्ष्य बचबैत अछि
- (D) भाषा-काज रोकैत अछि

९७१. मैथिली पत्रकारिताक भविष्य लेल कोन सम्मिलित उपाय उपयोगी अछि?

- (A) पाठक, लेखक, सम्पादक आ तकनीकक सहयोग
- (B) केवल मौन
- (C) पत्रिका बंद करब
- (D) केवल अफवाह

९७२. शोधकर्ताक लेल पत्रिका-सूचीमे की-की जानकारी महत्वपूर्ण अछि?

- (A) केवल पृष्ठ संख्या
- (B) केवल कागजक रंग
- (C) केवल मूल्य
- (D) नाम, वर्ष, स्थान, सम्पादक आ स्वरूप

९७३. शोध मैथिली पत्रकारिताक विकासमे कोन भूमिका निभबैत अछि?

- (A) पत्रकारिता इतिहासक प्रमाण-आधारित अध्ययन
- (B) भाषा हटाएब
- (C) इतिहास मिटेनाइ
- (D) पाठक घटाएब

९७४. पुरान मैथिली पत्रिका सभक अंक सुरक्षित राखब किएक जरूरी अछि?

- (A) इतिहास, भाषा आ समाजक साक्ष्य बचबैत अछि
- (B) पाठक भ्रमित करैत अछि
- (C) लेखकक स्मृति मिटबैत अछि
- (D) भाषा-काज रोकैत अछि

९७५. मैथिली पत्रकारिताक भविष्य लेल कोन सम्मिलित उपाय उपयोगी अछि?

- (A) पाठक, लेखक, सम्पादक आ तकनीकक सहयोग
- (B) केवल अफवाह
- (C) केवल मौन
- (D) पत्रिका बंद करब

९७६. शोधकर्ताक लेल पत्रिका-सूचीमे की-की जानकारी महत्वपूर्ण अछि?

- (A) केवल कागजक रंग
- (B) केवल मूल्य
- (C) नाम, वर्ष, स्थान, सम्पादक आ स्वरूप
- (D) केवल पृष्ठ संख्या

९७७. स्थानीय संवाददाता मैथिली पत्रकारिताक विकासमे कोन भूमिका निभबैत अछि?

- (A) इतिहास मिटेनाइ
- (B) गाम-शहरक समाचारक स्रोत
- (C) भाषा हटाएब
- (D) पाठक घटाएब

९७८. पुरान मैथिली पत्रिका सभक अंक सुरक्षित राखब किएक जरूरी अछि?

- (A) लेखकक स्मृति मिटबैत अछि
- (B) भाषा-काज रोकैत अछि
- (C) पाठक भ्रमित करैत अछि
- (D) इतिहास, भाषा आ समाजक साक्ष्य बचबैत अछि

९७९. मैथिली पत्रकारिताक भविष्य लेल कोन सम्मिलित उपाय उपयोगी अछि?

- (A) केवल मौन
- (B) पत्रिका बंद करब
- (C) पाठक, लेखक, सम्पादक आ तकनीकक सहयोग
- (D) केवल अफवाह

९८०. शोधकर्ताक लेल पत्रिका-सूचीमे की-की जानकारी महत्त्वपूर्ण अछि?

- (A) केवल कागजक रंग
- (B) केवल पृष्ठ संख्या
- (C) नाम, वर्ष, स्थान, सम्पादक आ स्वरूप
- (D) केवल मूल्य

९८१. अभिलेखन मैथिली पत्रकारिताक विकासमे कोन भूमिका निभबैत अछि?

- (A) इतिहास मिटेनाइ
- (B) पुरान अंकक संरक्षण
- (C) पाठक घटाएब
- (D) भाषा हटाएब

९८२. पुरान मैथिली पत्रिका सभक अंक सुरक्षित राखब किएक जरूरी अछि?

- (A) भाषा-काज रोकैत अछि
- (B) लेखकक स्मृति मिटबैत अछि
- (C) पाठक भ्रमित करैत अछि
- (D) इतिहास, भाषा आ समाजक साक्ष्य बचबैत अछि

९८३. मैथिली पत्रकारिताक भविष्य लेल कोन सम्मिलित उपाय उपयोगी अछि?

- (A) पाठक, लेखक, सम्पादक आ तकनीकक सहयोग
- (B) केवल अफवाह
- (C) पत्रिका बंद करब
- (D) केवल मौन

९८४. शोधकर्ताक लेल पत्रिका-सूचीमे की-की जानकारी महत्त्वपूर्ण अछि?

- (A) केवल मूल्य
- (B) नाम, वर्ष, स्थान, सम्पादक आ स्वरूप
- (C) केवल कागजक रंग
- (D) केवल पृष्ठ संख्या

९८५. पाठक-वृद्धि मैथिली पत्रकारिताक विकासमे कोन भूमिका निभबैत अछि?

- (A) इतिहास मिटेनाइ
- (B) पाठक घटाएब
- (C) भाषा हटाएब
- (D) पत्रिकाक आर्थिक आ सामाजिक आधार

९८६. पुरान मैथिली पत्रिका सभक अंक सुरक्षित राखब किएक जरूरी अछि?

- (A) भाषा-काज रोकैत अछि
- (B) पाठक भ्रमित करैत अछि
- (C) इतिहास, भाषा आ समाजक साक्ष्य बचबैत अछि
- (D) लेखकक स्मृति मिटबैत अछि

९८७. मैथिली पत्रकारिताक भविष्य लेल कोन सम्मिलित उपाय उपयोगी अछि?

- (A) पाठक, लेखक, सम्पादक आ तकनीकक सहयोग
- (B) केवल अफवाह
- (C) पत्रिका बंद करब
- (D) केवल मौन

९८८. शोधकर्ताक लेल पत्रिका-सूचीमे की-की जानकारी महत्वपूर्ण अछि?

- (A) केवल पृष्ठ संख्या
- (B) नाम, वर्ष, स्थान, सम्पादक आ स्वरूप
- (C) केवल मूल्य
- (D) केवल कागजक रंग

९८९. शोध-पत्रिका मैथिली पत्रकारिताक विकासमे कोन भूमिका निभबैत अछि?

- (A) पाठक घटाएब
- (B) भाषा हटाएब
- (C) गम्भीर अध्ययन आ संदर्भ
- (D) इतिहास मिटेनाइ

९९०. पुरान मैथिली पत्रिका सभक अंक सुरक्षित राखब किएक जरूरी अछि?

- (A) इतिहास, भाषा आ समाजक साक्ष्य बचबैत अछि
- (B) लेखकक स्मृति मिटबैत अछि
- (C) पाठक भ्रमित करैत अछि
- (D) भाषा-काज रोकैत अछि

९९१. मैथिली पत्रकारिताक भविष्य लेल कोन सम्मिलित उपाय उपयोगी अछि?

- (A) केवल मौन
- (B) पाठक, लेखक, सम्पादक आ तकनीकक सहयोग
- (C) पत्रिका बंद करब
- (D) केवल अफवाह

९९२. शोधकर्ताक लेल पत्रिका-सूचीमे की-की जानकारी महत्वपूर्ण अछि?

- (A) केवल कागजक रंग
- (B) केवल मूल्य
- (C) नाम, वर्ष, स्थान, सम्पादक आ स्वरूप
- (D) केवल पृष्ठ संख्या

९९३. शोध मैथिली पत्रकारिताक विकासमे कोन भूमिका निभबैत अछि?

- (A) भाषा हटाएब
- (B) पत्रकारिता इतिहासक प्रमाण-आधारित अध्ययन
- (C) इतिहास मिटेनाइ
- (D) पाठक घटाएब

९९४. पुरान मैथिली पत्रिका सभक अंक सुरक्षित राखब किएक जरूरी अछि?

- (A) पाठक भ्रमित करैत अछि
- (B) लेखकक स्मृति मिटबैत अछि
- (C) भाषा-काज रोकैत अछि
- (D) इतिहास, भाषा आ समाजक साक्ष्य बचबैत अछि

९९५. मैथिली पत्रकारिताक भविष्य लेल कोन सम्मिलित उपाय उपयोगी अछि?

- (A) केवल मौन
- (B) पत्रिका बंद करब
- (C) केवल अफवाह
- (D) पाठक, लेखक, सम्पादक आ तकनीकक सहयोग

९९६. शोधकर्ताक लेल पत्रिका-सूचीमे की-की जानकारी महत्वपूर्ण अछि?

- (A) नाम, वर्ष, स्थान, सम्पादक आ स्वरूप
- (B) केवल मूल्य
- (C) केवल पृष्ठ संख्या
- (D) केवल कागजक रंग

९९७. स्थानीय संवाददाता मैथिली पत्रकारिताक विकासमे कोन भूमिका निभबैत अछि?

- (A) पाठक घटाएब
- (B) इतिहास मिटेनाइ
- (C) गाम-शहरक समाचारक स्रोत
- (D) भाषा हटाएब

९९८. पुरान मैथिली पत्रिका सभक अंक सुरक्षित राखब किएक जरूरी अछि?

- (A) इतिहास, भाषा आ समाजक साक्ष्य बचबैत अछि
- (B) पाठक भ्रमित करैत अछि
- (C) लेखकक स्मृति मिटबैत अछि
- (D) भाषा-काज रोकैत अछि

९९९. मैथिली पत्रकारिताक भविष्य लेल कोन सम्मिलित उपाय उपयोगी अछि?

- (A) केवल अफवाह
- (B) केवल मौन
- (C) पत्रिका बंद करब
- (D) पाठक, लेखक, सम्पादक आ तकनीकक सहयोग

१०००. शोधकर्ताक लेल पत्रिका-सूचीमे की-की जानकारी महत्वपूर्ण अछि?

- (A) केवल पृष्ठ संख्या
- (B) नाम, वर्ष, स्थान, सम्पादक आ स्वरूप
- (C) केवल मूल्य
- (D) केवल कागजक रंग

१. (C) मैथिल हित साधन — मैथिल हित साधनकेँ सामान्यतः मैथिली पत्रकारिताक आरम्भ-बिन्दु मानल जाइत अछि।
२. (C) १९०५ — मैथिल हित साधन १९०५ मे जयपुरसँ निकलल।
३. (D) जयपुर — मैथिल हित साधनक प्रकाशन मिथिला भूभागसँ दूर जयपुरमे भेल।
४. (A) पण्डित मधुसूदन झा — पण्डित मधुसूदन झा मैथिल हित साधनक सम्पादनसँ जुड़ल प्रमुख नाम छथि।
५. (A) मिथिला मोद — मिथिला मोद वाराणसीसँ आरम्भ भेल आरम्भिक मैथिली पत्रिका छल।
६. (B) १९०६ — मिथिला मोद १९०६ मे वाराणसीसँ आरम्भ भेल मानल जाइत अछि।
७. (A) मिथिला मिहिर — मिथिला मिहिर दरभंगासँ प्रकाशित भऽ मिथिला क्षेत्रक महत्वपूर्ण पत्रिका बनल।
८. (D) दरभंगा — मिथिला मिहिरक आरम्भ दरभंगासँ भेल।
९. (B) प्रवासी मैथिलक सक्रियता — आरम्भिक मैथिली पत्र-पत्रिकामे प्रवासी मैथिलक भूमिका बहुत महत्वपूर्ण रहल।
१०. (D) भाषा, समाज आ संस्कृति — आरम्भिक पत्रिका भाषा-संरक्षण, समाज-सुधार आ साहित्यिक चेतना सँ जुड़ल छल।
११. (C) मैथिल हित साधन — मैथिल हित साधनकेँ सामान्यतः मैथिली पत्रकारिताक आरम्भ-बिन्दु मानल जाइत अछि।
१२. (D) १९०५ — मैथिल हित साधन १९०५ मे जयपुरसँ निकलल।
१३. (A) जयपुर — मैथिल हित साधनक प्रकाशन मिथिला भूभागसँ दूर जयपुरमे भेल।
१४. (C) पण्डित मधुसूदन झा — पण्डित मधुसूदन झा मैथिल हित साधनक सम्पादनसँ जुड़ल प्रमुख नाम छथि।
१५. (B) मिथिला मोद — मिथिला मोद वाराणसीसँ आरम्भ भेल आरम्भिक मैथिली पत्रिका छल।
१६. (A) १९०६ — मिथिला मोद १९०६ मे वाराणसीसँ आरम्भ भेल मानल जाइत अछि।
१७. (A) मिथिला मिहिर — मिथिला मिहिर दरभंगासँ प्रकाशित भऽ मिथिला क्षेत्रक महत्वपूर्ण पत्रिका बनल।
१८. (C) दरभंगा — मिथिला मिहिरक आरम्भ दरभंगासँ भेल।
१९. (B) प्रवासी मैथिलक सक्रियता — आरम्भिक मैथिली पत्र-पत्रिकामे प्रवासी मैथिलक भूमिका बहुत महत्वपूर्ण रहल।
२०. (A) भाषा, समाज आ संस्कृति — आरम्भिक पत्रिका भाषा-संरक्षण, समाज-सुधार आ साहित्यिक चेतना सँ जुड़ल छल।
२१. (D) मैथिल हित साधन — मैथिल हित साधनकेँ सामान्यतः मैथिली पत्रकारिताक आरम्भ-बिन्दु मानल जाइत अछि।
२२. (D) १९०५ — मैथिल हित साधन १९०५ मे जयपुरसँ निकलल।
२३. (B) जयपुर — मैथिल हित साधनक प्रकाशन मिथिला भूभागसँ दूर जयपुरमे भेल।
२४. (C) पण्डित मधुसूदन झा — पण्डित मधुसूदन झा मैथिल हित साधनक सम्पादनसँ जुड़ल प्रमुख नाम छथि।
२५. (D) मिथिला मोद — मिथिला मोद वाराणसीसँ आरम्भ भेल आरम्भिक मैथिली पत्रिका छल।
२६. (B) १९०६ — मिथिला मोद १९०६ मे वाराणसीसँ आरम्भ भेल मानल जाइत अछि।
२७. (D) मिथिला मिहिर — मिथिला मिहिर दरभंगासँ प्रकाशित भऽ मिथिला क्षेत्रक महत्वपूर्ण पत्रिका बनल।
२८. (B) दरभंगा — मिथिला मिहिरक आरम्भ दरभंगासँ भेल।
२९. (A) प्रवासी मैथिलक सक्रियता — आरम्भिक मैथिली पत्र-पत्रिकामे प्रवासी मैथिलक भूमिका बहुत महत्वपूर्ण रहल।
३०. (C) भाषा, समाज आ संस्कृति — आरम्भिक पत्रिका भाषा-संरक्षण, समाज-सुधार आ साहित्यिक चेतना सँ जुड़ल छल।
३१. (D) मैथिल हित साधन — मैथिल हित साधनकेँ सामान्यतः मैथिली पत्रकारिताक आरम्भ-बिन्दु मानल जाइत अछि।
३२. (D) १९०५ — मैथिल हित साधन १९०५ मे जयपुरसँ निकलल।
३३. (C) जयपुर — मैथिल हित साधनक प्रकाशन मिथिला भूभागसँ दूर जयपुरमे भेल।
३४. (A) पण्डित मधुसूदन झा — पण्डित मधुसूदन झा मैथिल हित साधनक सम्पादनसँ जुड़ल प्रमुख नाम छथि।

- 129

७१. (A) मैथिल हित साधन — मैथिल हित साधनकेँ सामान्यतः मैथिली पत्रकारिताक आरम्भ-बिन्दु मानल जाइत अछि।
७२. (B) १९०५ — मैथिल हित साधन १९०५ मे जयपुरसँ निकलल।
७३. (A) जयपुर — मैथिल हित साधनक प्रकाशन मिथिला भूभागसँ दूर जयपुरमे भेल।
७४. (D) पण्डित मधुसूदन झा — पण्डित मधुसूदन झा मैथिल हित साधनक सम्पादनसँ जुड़ल प्रमुख नाम छथि।
७५. (A) मिथिला मोद — मिथिला मोद वाराणसीसँ आरम्भ भेल आरम्भिक मैथिली पत्रिका छल।
७६. (A) १९०६ — मिथिला मोद १९०६ मे वाराणसीसँ आरम्भ भेल मानल जाइत अछि।
७७. (B) मिथिला मिहिर — मिथिला मिहिर दरभंगासँ प्रकाशित भऽ मिथिला क्षेत्रक महत्त्वपूर्ण पत्रिका बनल।
७८. (A) दरभंगा — मिथिला मिहिरक आरम्भ दरभंगासँ भेल।
७९. (A) प्रवासी मैथिलक सक्रियता — आरम्भिक मैथिली पत्र-पत्रिकामे प्रवासी मैथिलक भूमिका बहुत महत्त्वपूर्ण रहल।
८०. (A) भाषा, समाज आ संस्कृति — आरम्भिक पत्रिका भाषा-संरक्षण, समाज-सुधार आ साहित्यिक चेतना सँ जुड़ल छल।
८१. (A) मैथिल हित साधन — मैथिल हित साधनकेँ सामान्यतः मैथिली पत्रकारिताक आरम्भ-बिन्दु मानल जाइत अछि।
८२. (D) १९०५ — मैथिल हित साधन १९०५ मे जयपुरसँ निकलल।
८३. (B) जयपुर — मैथिल हित साधनक प्रकाशन मिथिला भूभागसँ दूर जयपुरमे भेल।
८४. (C) पण्डित मधुसूदन झा — पण्डित मधुसूदन झा मैथिल हित साधनक सम्पादनसँ जुड़ल प्रमुख नाम छथि।
८५. (C) मिथिला मोद — मिथिला मोद वाराणसीसँ आरम्भ भेल आरम्भिक मैथिली पत्रिका छल।
८६. (C) १९०६ — मिथिला मोद १९०६ मे वाराणसीसँ आरम्भ भेल मानल जाइत अछि।
८७. (A) मिथिला मिहिर — मिथिला मिहिर दरभंगासँ प्रकाशित भऽ मिथिला क्षेत्रक महत्त्वपूर्ण पत्रिका बनल।
८८. (C) दरभंगा — मिथिला मिहिरक आरम्भ दरभंगासँ भेल।
८९. (B) प्रवासी मैथिलक सक्रियता — आरम्भिक मैथिली पत्र-पत्रिकामे प्रवासी मैथिलक भूमिका बहुत महत्त्वपूर्ण रहल।
९०. (A) भाषा, समाज आ संस्कृति — आरम्भिक पत्रिका भाषा-संरक्षण, समाज-सुधार आ साहित्यिक चेतना सँ जुड़ल छल।
९१. (B) मैथिल हित साधन — मैथिल हित साधनकेँ सामान्यतः मैथिली पत्रकारिताक आरम्भ-बिन्दु मानल जाइत अछि।
९२. (A) १९०५ — मैथिल हित साधन १९०५ मे जयपुरसँ निकलल।
९३. (D) जयपुर — मैथिल हित साधनक प्रकाशन मिथिला भूभागसँ दूर जयपुरमे भेल।
९४. (B) पण्डित मधुसूदन झा — पण्डित मधुसूदन झा मैथिल हित साधनक सम्पादनसँ जुड़ल प्रमुख नाम छथि।
९५. (B) मिथिला मोद — मिथिला मोद वाराणसीसँ आरम्भ भेल आरम्भिक मैथिली पत्रिका छल।
९६. (B) १९०६ — मिथिला मोद १९०६ मे वाराणसीसँ आरम्भ भेल मानल जाइत अछि।
९७. (B) मिथिला मिहिर — मिथिला मिहिर दरभंगासँ प्रकाशित भऽ मिथिला क्षेत्रक महत्त्वपूर्ण पत्रिका बनल।
९८. (D) दरभंगा — मिथिला मिहिरक आरम्भ दरभंगासँ भेल।
९९. (C) प्रवासी मैथिलक सक्रियता — आरम्भिक मैथिली पत्र-पत्रिकामे प्रवासी मैथिलक भूमिका बहुत महत्त्वपूर्ण रहल।
१००. (A) भाषा, समाज आ संस्कृति — आरम्भिक पत्रिका भाषा-संरक्षण, समाज-सुधार आ साहित्यिक चेतना सँ जुड़ल छल।
१०१. (B) १९०९ — मिथिला मिहिर १९०९ मे दरभंगासँ आरम्भ भेल।
१०२. (C) अत्यन्त प्रभावशाली दीर्घजीवी पत्रिका — मिथिला मिहिर दीर्घ समय धरि भाषा, साहित्य आ समाजक मंच रहल।
१०३. (C) मासिक पत्रिका — आरम्भमे मिथिला मिहिर मासिक रूपमे प्रकाशित भेल।
१०४. (B) साप्ताहिक पत्रिका — १९११-१९३४ क कालमे मिथिला मिहिर साप्ताहिक रूपमे उल्लेखनीय रहल।
१०५. (B) सुरेन्द्र झा 'सुमन' — सुरेन्द्र झा 'सुमन'क सम्पादन-काल मिथिला मिहिरक महत्त्वपूर्ण काल मानल जाइत अछि।
१०६. (C) कविता, कथा, निबन्ध, आलोचना आ समाचार — मिथिला मिहिर साहित्य आ समाजक विविध विधाकेँ संग रखने छल।

१७९. (D) मैथिलीमे नियमित समाचार-पत्रक आकांक्षा — दैनिक रूपक प्रयोग मैथिली समाचार-पत्रक सम्भावना आ चुनौती दुनू देखबैत अछि।
१८०. (C) पत्रिका भाषा-आन्दोलनक दस्तावेज बनि सकैत अछि — मिथिला मिहिर जकाँ पत्रिका इतिहास, भाषा आ समाजक साक्ष्य राखैत अछि।
१८१. (A) १९०९ — मिथिला मिहिर १९०९ मे दरभंगासँ आरम्भ भेल।
१८२. (C) अत्यन्त प्रभावशाली दीर्घजीवी पत्रिका — मिथिला मिहिर दीर्घ समय धरि भाषा, साहित्य आ समाजक मंच रहल।
१८३. (D) मासिक पत्रिका — आरम्भमे मिथिला मिहिर मासिक रूपमे प्रकाशित भेल।
१८४. (A) साप्ताहिक पत्रिका — १९११-१९३४ क कालमे मिथिला मिहिर साप्ताहिक रूपमे उल्लेखनीय रहल।
१८५. (D) सुरेन्द्र झा 'सुमन' — सुरेन्द्र झा 'सुमन'क सम्पादन-काल मिथिला मिहिरक महत्वपूर्ण काल मानल जाइत अछि।
१८६. (B) कविता, कथा, निबन्ध, आलोचना आ समाचार — मिथिला मिहिर साहित्य आ समाजक विविध विधाकें संग रखने छल।
१८७. (C) मैथिली अस्मिता आ सार्वजनिक विमर्श कें मंच देबासँ — ई पत्रिका मैथिली भाषा, मिथिला-चेतना आ सामाजिक बहसक मंच बनल।
१८८. (C) केन्द्र-परिवर्तन आ पत्रिकाक दीर्घजीवन — दरभंगा सँ पटना तकक यात्रा संस्थागत टिकाउपनक संकेत दैत अछि।
१८९. (A) मैथिलीमे नियमित समाचार-पत्रक आकांक्षा — दैनिक रूपक प्रयोग मैथिली समाचार-पत्रक सम्भावना आ चुनौती दुनू देखबैत अछि।
१९०. (D) पत्रिका भाषा-आन्दोलनक दस्तावेज बनि सकैत अछि — मिथिला मिहिर जकाँ पत्रिका इतिहास, भाषा आ समाजक साक्ष्य राखैत अछि।
१९१. (A) १९०९ — मिथिला मिहिर १९०९ मे दरभंगासँ आरम्भ भेल।
१९२. (A) अत्यन्त प्रभावशाली दीर्घजीवी पत्रिका — मिथिला मिहिर दीर्घ समय धरि भाषा, साहित्य आ समाजक मंच रहल।
१९३. (C) मासिक पत्रिका — आरम्भमे मिथिला मिहिर मासिक रूपमे प्रकाशित भेल।
१९४. (D) साप्ताहिक पत्रिका — १९११-१९३४ क कालमे मिथिला मिहिर साप्ताहिक रूपमे उल्लेखनीय रहल।
१९५. (D) सुरेन्द्र झा 'सुमन' — सुरेन्द्र झा 'सुमन'क सम्पादन-काल मिथिला मिहिरक महत्वपूर्ण काल मानल जाइत अछि।
१९६. (C) कविता, कथा, निबन्ध, आलोचना आ समाचार — मिथिला मिहिर साहित्य आ समाजक विविध विधाकें संग रखने छल।
१९७. (C) मैथिली अस्मिता आ सार्वजनिक विमर्श कें मंच देबासँ — ई पत्रिका मैथिली भाषा, मिथिला-चेतना आ सामाजिक बहसक मंच बनल।
१९८. (D) केन्द्र-परिवर्तन आ पत्रिकाक दीर्घजीवन — दरभंगा सँ पटना तकक यात्रा संस्थागत टिकाउपनक संकेत दैत अछि।
१९९. (B) मैथिलीमे नियमित समाचार-पत्रक आकांक्षा — दैनिक रूपक प्रयोग मैथिली समाचार-पत्रक सम्भावना आ चुनौती दुनू देखबैत अछि।
२००. (D) पत्रिका भाषा-आन्दोलनक दस्तावेज बनि सकैत अछि — मिथिला मिहिर जकाँ पत्रिका इतिहास, भाषा आ समाजक साक्ष्य राखैत अछि।
२०१. (B) दरभंगा — श्रीमैथिलीक सन्दर्भ दरभंगा केन्द्रसँ जुड़ल अछि।
२०२. (D) १९२८-१९३० — मैथिल प्रभाकरक प्रमुख पहचान/काल १९२८-१९३० अछि।
२०३. (D) सम्पादन-नाम उपलब्ध सूचीमे प्रमुख रूपें नहि देल गेल — स्वदेशक सूचीगत सम्बद्ध नाम/पहचान सम्पादन-नाम उपलब्ध सूचीमे प्रमुख रूपें नहि देल गेल अछि।
२०४. (C) पत्र-पत्रिकाक केन्द्र, विधा आ पाठक-विस्तार — जनक जकाँ पत्र-पत्रिका मैथिली पत्रकारिताक भौगोलिक आ विधागत फैलाव देखबैत अछि।
२०५. (A) दरभंगा — पल्लवक सन्दर्भ दरभंगा केन्द्रसँ जुड़ल अछि।
२०६. (B) साप्ताहिक — सेवकक प्रमुख पहचान/काल साप्ताहिक अछि।
२०७. (B) सुमन आ अमर — परिषद पत्रिकाक सूचीगत सम्बद्ध नाम/पहचान सुमन आ अमर अछि।
२०८. (B) पत्र-पत्रिकाक केन्द्र, विधा आ पाठक-विस्तार — धीया-पुता जकाँ पत्र-पत्रिका मैथिली पत्रकारिताक भौगोलिक आ विधागत फैलाव देखबैत अछि।
२०९. (D) दरभंगा — मैथिली परिजातक सन्दर्भ दरभंगा केन्द्रसँ जुड़ल अछि।
२१०. (D) त्रैमासिक कविता-संकलन — मैथिली कविताक प्रमुख पहचान/काल त्रैमासिक कविता-संकलन अछि।
२११. (A) योगेन्द्र झा — मिथिला वाणीक सूचीगत सम्बद्ध नाम/पहचान योगेन्द्र झा अछि।
२१२. (B) पत्र-पत्रिकाक केन्द्र, विधा आ पाठक-विस्तार — प्रवासी मैथिली जकाँ पत्र-पत्रिका मैथिली पत्रकारिताक भौगोलिक आ विधागत फैलाव देखबैत अछि।

२१३. (C) पटना — सोना माटीक सन्दर्भ पटना केन्द्रसँ जुड़ल अछि।
२१४. (D) १९२५-१९२७ — श्रीमैथिलीक प्रमुख पहचान/काल १९२५-१९२७ अछि।
२१५. (D) सम्पादन-नाम उपलब्ध सूचीमे प्रमुख रूपेँ नहि देल गेल — मैथिल प्रभाकरक सूचीगत सम्बद्ध नाम/पहचान सम्पादन-नाम उपलब्ध सूचीमे प्रमुख रूपेँ नहि देल गेल अछि।
२१६. (A) पत्र-पत्रिकाक केन्द्र, विधा आ पाठक-विस्तार — स्वदेश जकाँ पत्र-पत्रिका मैथिली पत्रकारिताक भौगोलिक आ विधागत फैलाव देखबैत अछि।
२१७. (A) दरभंगा — जनकक सन्दर्भ दरभंगा केन्द्रसँ जुड़ल अछि।
२१८. (D) मासिक — पल्लवक प्रमुख पहचान/काल मासिक अछि।
२१९. (C) शुभकान्त झा आ हरिश्चन्द्र मिश्र 'मिथिलेन्दु' — सेवकक सूचीगत सम्बद्ध नाम/पहचान शुभकान्त झा आ हरिश्चन्द्र मिश्र 'मिथिलेन्दु' अछि।
२२०. (D) पत्र-पत्रिकाक केन्द्र, विधा आ पाठक-विस्तार — परिषद पत्रिका जकाँ पत्र-पत्रिका मैथिली पत्रकारिताक भौगोलिक आ विधागत फैलाव देखबैत अछि।
२२१. (A) दरभंगा — धीया-पुताक सन्दर्भ दरभंगा केन्द्रसँ जुड़ल अछि।
२२२. (C) मासिक — मैथिली परिजातक प्रमुख पहचान/काल मासिक अछि।
२२३. (A) नचिकेता — मैथिली कविताक सूचीगत सम्बद्ध नाम/पहचान नचिकेता अछि।
२२४. (B) पत्र-पत्रिकाक केन्द्र, विधा आ पाठक-विस्तार — मिथिला वाणी जकाँ पत्र-पत्रिका मैथिली पत्रकारिताक भौगोलिक आ विधागत फैलाव देखबैत अछि।
२२५. (C) गाजियाबाद — प्रवासी मैथिलीक सन्दर्भ गाजियाबाद केन्द्रसँ जुड़ल अछि।
२२६. (D) १९६९ — सोना माटीक प्रमुख पहचान/काल १९६९ अछि।
२२७. (A) सम्पादन-नाम उपलब्ध सूचीमे प्रमुख रूपेँ नहि देल गेल — श्रीमैथिलीक सूचीगत सम्बद्ध नाम/पहचान सम्पादन-नाम उपलब्ध सूचीमे प्रमुख रूपेँ नहि देल गेल अछि।
२२८. (C) पत्र-पत्रिकाक केन्द्र, विधा आ पाठक-विस्तार — मैथिल प्रभाकर जकाँ पत्र-पत्रिका मैथिली पत्रकारिताक भौगोलिक आ विधागत फैलाव देखबैत अछि।
२२९. (A) दरभंगा — स्वदेशक सन्दर्भ दरभंगा केन्द्रसँ जुड़ल अछि।
२३०. (C) साप्ताहिक — जनकक प्रमुख पहचान/काल साप्ताहिक अछि।
२३१. (C) गौरीनन्दन सिंह — पल्लवक सूचीगत सम्बद्ध नाम/पहचान गौरीनन्दन सिंह अछि।
२३२. (B) पत्र-पत्रिकाक केन्द्र, विधा आ पाठक-विस्तार — सेवक जकाँ पत्र-पत्रिका मैथिली पत्रकारिताक भौगोलिक आ विधागत फैलाव देखबैत अछि।
२३३. (C) दरभंगा — परिषद पत्रिकाक सन्दर्भ दरभंगा केन्द्रसँ जुड़ल अछि।
२३४. (A) बाल-पत्रिका — धीया-पुताक प्रमुख पहचान/काल बाल-पत्रिका अछि।
२३५. (C) रामनाथ मिश्र 'मिहिर' — मैथिली परिजातक सूचीगत सम्बद्ध नाम/पहचान रामनाथ मिश्र 'मिहिर' अछि।
२३६. (B) पत्र-पत्रिकाक केन्द्र, विधा आ पाठक-विस्तार — मैथिली कविता जकाँ पत्र-पत्रिका मैथिली पत्रकारिताक भौगोलिक आ विधागत फैलाव देखबैत अछि।
२३७. (A) दरभंगा — मिथिला वाणीक सन्दर्भ दरभंगा केन्द्रसँ जुड़ल अछि।
२३८. (D) मैथिली-हिन्दी द्विभाषी — प्रवासी मैथिलीक प्रमुख पहचान/काल मैथिली-हिन्दी द्विभाषी अछि।
२३९. (D) सम्पादन-नाम उपलब्ध सूचीमे प्रमुख रूपेँ नहि देल गेल — सोना माटीक सूचीगत सम्बद्ध नाम/पहचान सम्पादन-नाम उपलब्ध सूचीमे प्रमुख रूपेँ नहि देल गेल अछि।
२४०. (D) पत्र-पत्रिकाक केन्द्र, विधा आ पाठक-विस्तार — श्रीमैथिली जकाँ पत्र-पत्रिका मैथिली पत्रकारिताक भौगोलिक आ विधागत फैलाव देखबैत अछि।
२४१. (D) अलीगढ़ — मैथिल प्रभाकरक सन्दर्भ अलीगढ़ केन्द्रसँ जुड़ल अछि।
२४२. (B) १९४८ — स्वदेशक प्रमुख पहचान/काल १९४८ अछि।

२४३. (C) भोलानाथ मिश्र — जनकक सूचीगत सम्बद्ध नाम/पहचान भोलानाथ मिश्र अछि।
२४४. (C) पत्र-पत्रिकाक केन्द्र, विधा आ पाठक-विस्तार — पल्लव जकाँ पत्र-पत्रिका मैथिली पत्रकारिताक भौगोलिक आ विधागत फैलाव देखबैत अछि।
२४५. (A) कोलकाता — सेवकक सन्दर्भ कोलकाता केन्द्रसँ जुड़ल अछि।
२४६. (B) त्रैमासिक — परिषद पत्रिकाक प्रमुख पहचान/काल त्रैमासिक अछि।
२४७. (D) धीरेन्द्र — धीया-पुताक सूचीगत सम्बद्ध नाम/पहचान धीरेन्द्र अछि।
२४८. (B) पत्र-पत्रिकाक केन्द्र, विधा आ पाठक-विस्तार — मैथिली परिजात जकाँ पत्र-पत्रिका मैथिली पत्रकारिताक भौगोलिक आ विधागत फैलाव देखबैत अछि।
२४९. (A) कोलकाता — मैथिली कविताक सन्दर्भ कोलकाता केन्द्रसँ जुड़ल अछि।
२५०. (A) साप्ताहिक — मिथिला वाणीक प्रमुख पहचान/काल साप्ताहिक अछि।
२५१. (D) चिरंजी लाल झा — प्रवासी मैथिलीक सूचीगत सम्बद्ध नाम/पहचान चिरंजी लाल झा अछि।
२५२. (B) पत्र-पत्रिकाक केन्द्र, विधा आ पाठक-विस्तार — सोना माटी जकाँ पत्र-पत्रिका मैथिली पत्रकारिताक भौगोलिक आ विधागत फैलाव देखबैत अछि।
२५३. (C) दरभंगा — श्रीमैथिलीक सन्दर्भ दरभंगा केन्द्रसँ जुड़ल अछि।
२५४. (C) १९२८-१९३० — मैथिल प्रभाकरक प्रमुख पहचान/काल १९२८-१९३० अछि।
२५५. (A) सम्पादन-नाम उपलब्ध सूचीमे प्रमुख रूपेँ नहि देल गेल — स्वदेशक सूचीगत सम्बद्ध नाम/पहचान सम्पादन-नाम उपलब्ध सूचीमे प्रमुख रूपेँ नहि देल गेल अछि।
२५६. (A) पत्र-पत्रिकाक केन्द्र, विधा आ पाठक-विस्तार — जनक जकाँ पत्र-पत्रिका मैथिली पत्रकारिताक भौगोलिक आ विधागत फैलाव देखबैत अछि।
२५७. (A) दरभंगा — पल्लवक सन्दर्भ दरभंगा केन्द्रसँ जुड़ल अछि।
२५८. (B) साप्ताहिक — सेवकक प्रमुख पहचान/काल साप्ताहिक अछि।
२५९. (A) सुमन आ अमर — परिषद पत्रिकाक सूचीगत सम्बद्ध नाम/पहचान सुमन आ अमर अछि।
२६०. (B) पत्र-पत्रिकाक केन्द्र, विधा आ पाठक-विस्तार — धीया-पुता जकाँ पत्र-पत्रिका मैथिली पत्रकारिताक भौगोलिक आ विधागत फैलाव देखबैत अछि।
२६१. (B) दरभंगा — मैथिली परिजातक सन्दर्भ दरभंगा केन्द्रसँ जुड़ल अछि।
२६२. (D) त्रैमासिक कविता-संकलन — मैथिली कविताक प्रमुख पहचान/काल त्रैमासिक कविता-संकलन अछि।
२६३. (C) योगेन्द्र झा — मिथिला वाणीक सूचीगत सम्बद्ध नाम/पहचान योगेन्द्र झा अछि।
२६४. (C) पत्र-पत्रिकाक केन्द्र, विधा आ पाठक-विस्तार — प्रवासी मैथिली जकाँ पत्र-पत्रिका मैथिली पत्रकारिताक भौगोलिक आ विधागत फैलाव देखबैत अछि।
२६५. (C) पटना — सोना माटीक सन्दर्भ पटना केन्द्रसँ जुड़ल अछि।
२६६. (D) १९२५-१९२७ — श्रीमैथिलीक प्रमुख पहचान/काल १९२५-१९२७ अछि।
२६७. (B) सम्पादन-नाम उपलब्ध सूचीमे प्रमुख रूपेँ नहि देल गेल — मैथिल प्रभाकरक सूचीगत सम्बद्ध नाम/पहचान सम्पादन-नाम उपलब्ध सूचीमे प्रमुख रूपेँ नहि देल गेल अछि।
२६८. (D) पत्र-पत्रिकाक केन्द्र, विधा आ पाठक-विस्तार — स्वदेश जकाँ पत्र-पत्रिका मैथिली पत्रकारिताक भौगोलिक आ विधागत फैलाव देखबैत अछि।
२६९. (A) दरभंगा — जनकक सन्दर्भ दरभंगा केन्द्रसँ जुड़ल अछि।
२७०. (C) मासिक — पल्लवक प्रमुख पहचान/काल मासिक अछि।
२७१. (C) शुभकान्त झा आ हरिश्चन्द्र मिश्र ‘मिथिलेन्दु’ — सेवकक सूचीगत सम्बद्ध नाम/पहचान शुभकान्त झा आ हरिश्चन्द्र मिश्र ‘मिथिलेन्दु’ अछि।
२७२. (A) पत्र-पत्रिकाक केन्द्र, विधा आ पाठक-विस्तार — परिषद पत्रिका जकाँ पत्र-पत्रिका मैथिली पत्रकारिताक भौगोलिक आ विधागत फैलाव देखबैत अछि।
२७३. (C) दरभंगा — धीया-पुताक सन्दर्भ दरभंगा केन्द्रसँ जुड़ल अछि।
२७४. (D) मासिक — मैथिली परिजातक प्रमुख पहचान/काल मासिक अछि।

२७५. (B) नचिकेता — मैथिली कविताक सूचीगत सम्बद्ध नाम/पहचान नचिकेता अछि।
२७६. (B) पत्र-पत्रिकाक केन्द्र, विधा आ पाठक-विस्तार — मिथिला वाणी जकाँ पत्र-पत्रिका मैथिली पत्रकारिताक भौगोलिक आ विधागत फैलाव देखबैत अछि।
२७७. (A) गाजियाबाद — प्रवासी मैथिलीक सन्दर्भ गाजियाबाद केन्द्रसँ जुड़ल अछि।
२७८. (C) १९६९ — सोना माटीक प्रमुख पहचान/काल १९६९ अछि।
२७९. (C) सम्पादन-नाम उपलब्ध सूचीमे प्रमुख रूपेँ नहि देल गेल — श्रीमैथिलीक सूचीगत सम्बद्ध नाम/पहचान सम्पादन-नाम उपलब्ध सूचीमे प्रमुख रूपेँ नहि देल गेल अछि।
२८०. (A) पत्र-पत्रिकाक केन्द्र, विधा आ पाठक-विस्तार — मैथिल प्रभाकर जकाँ पत्र-पत्रिका मैथिली पत्रकारिताक भौगोलिक आ विधागत फैलाव देखबैत अछि।
२८१. (A) दरभंगा — स्वदेशक सन्दर्भ दरभंगा केन्द्रसँ जुड़ल अछि।
२८२. (D) साप्ताहिक — जनकक प्रमुख पहचान/काल साप्ताहिक अछि।
२८३. (C) गौरीनन्दन सिंह — पल्लवक सूचीगत सम्बद्ध नाम/पहचान गौरीनन्दन सिंह अछि।
२८४. (C) पत्र-पत्रिकाक केन्द्र, विधा आ पाठक-विस्तार — सेवक जकाँ पत्र-पत्रिका मैथिली पत्रकारिताक भौगोलिक आ विधागत फैलाव देखबैत अछि।
२८५. (A) दरभंगा — परिषद पत्रिकाक सन्दर्भ दरभंगा केन्द्रसँ जुड़ल अछि।
२८६. (A) बाल-पत्रिका — धीया-पुताक प्रमुख पहचान/काल बाल-पत्रिका अछि।
२८७. (C) रामनाथ मिश्र 'मिहिर' — मैथिली परिजातक सूचीगत सम्बद्ध नाम/पहचान रामनाथ मिश्र 'मिहिर' अछि।
२८८. (A) पत्र-पत्रिकाक केन्द्र, विधा आ पाठक-विस्तार — मैथिली कविता जकाँ पत्र-पत्रिका मैथिली पत्रकारिताक भौगोलिक आ विधागत फैलाव देखबैत अछि।
२८९. (B) दरभंगा — मिथिला वाणीक सन्दर्भ दरभंगा केन्द्रसँ जुड़ल अछि।
२९०. (D) मैथिली-हिन्दी द्विभाषी — प्रवासी मैथिलीक प्रमुख पहचान/काल मैथिली-हिन्दी द्विभाषी अछि।
२९१. (A) सम्पादन-नाम उपलब्ध सूचीमे प्रमुख रूपेँ नहि देल गेल — सोना माटीक सूचीगत सम्बद्ध नाम/पहचान सम्पादन-नाम उपलब्ध सूचीमे प्रमुख रूपेँ नहि देल गेल अछि।
२९२. (A) पत्र-पत्रिकाक केन्द्र, विधा आ पाठक-विस्तार — श्रीमैथिली जकाँ पत्र-पत्रिका मैथिली पत्रकारिताक भौगोलिक आ विधागत फैलाव देखबैत अछि।
२९३. (A) अलीगढ़ — मैथिल प्रभाकरक सन्दर्भ अलीगढ़ केन्द्रसँ जुड़ल अछि।
२९४. (C) १९४८ — स्वदेशक प्रमुख पहचान/काल १९४८ अछि।
२९५. (B) भोलानाथ मिश्र — जनकक सूचीगत सम्बद्ध नाम/पहचान भोलानाथ मिश्र अछि।
२९६. (A) पत्र-पत्रिकाक केन्द्र, विधा आ पाठक-विस्तार — पल्लव जकाँ पत्र-पत्रिका मैथिली पत्रकारिताक भौगोलिक आ विधागत फैलाव देखबैत अछि।
२९७. (C) कोलकाता — सेवकक सन्दर्भ कोलकाता केन्द्रसँ जुड़ल अछि।
२९८. (A) त्रैमासिक — परिषद पत्रिकाक प्रमुख पहचान/काल त्रैमासिक अछि।
२९९. (B) धीरेन्द्र — धीया-पुताक सूचीगत सम्बद्ध नाम/पहचान धीरेन्द्र अछि।
३००. (C) पत्र-पत्रिकाक केन्द्र, विधा आ पाठक-विस्तार — मैथिली परिजात जकाँ पत्र-पत्रिका मैथिली पत्रकारिताक भौगोलिक आ विधागत फैलाव देखबैत अछि।
३०१. (D) भाव, भाषा-प्रयोग आ युग-चेतना — कविता पत्रिका केँ भाव, भाषा-प्रयोग आ युग-चेतनाक मंच दैत अछि।
३०२. (D) रचना, समीक्षा आ समाजक बीच संवाद बनबैत अछि — साहित्यिक पत्रकारिता लेखक, पाठक आ समाजक बीच सेतु बनैत अछि।
३०३. (B) एक विषय पर संग्रहणीय सामग्री देबाक लेल — विशेषांक विषय-विशेषक दस्तावेज बनि जाइत अछि।
३०४. (A) समय, समाज आ भाषापर स्पष्ट दृष्टि देब — सम्पादकीय पत्रिकाक बौद्धिक स्वर होइत अछि।
३०५. (B) मूल्यांकन, कसौटी आ साहित्य-बोध — आलोचना पत्रिका केँ मूल्यांकन, कसौटी आ साहित्य-बोधक मंच दैत अछि।

३७८. (C) रचना, समीक्षा आ समाजक बीच संवाद बनबैत अछि — साहित्यिक पत्रकारिता लेखक, पाठक आ समाजक बीच सेतु बनैत अछि।
३७९. (D) एक विषय पर संग्रहणीय सामग्री देबाक लेल — विशेषांक विषय-विशेषक दस्तावेज बनि जाइत अछि।
३८०. (C) समय, समाज आ भाषापर स्पष्ट दृष्टि देब — सम्पादकीय पत्रिकाक बौद्धिक स्वर होइत अछि।
३८१. (A) भाव, भाषा-प्रयोग आ युग-चेतना — कविता पत्रिका केँ भाव, भाषा-प्रयोग आ युग-चेतनाक मंच दैत अछि।
३८२. (A) रचना, समीक्षा आ समाजक बीच संवाद बनबैत अछि — साहित्यिक पत्रकारिता लेखक, पाठक आ समाजक बीच सेतु बनैत अछि।
३८३. (A) एक विषय पर संग्रहणीय सामग्री देबाक लेल — विशेषांक विषय-विशेषक दस्तावेज बनि जाइत अछि।
३८४. (A) समय, समाज आ भाषापर स्पष्ट दृष्टि देब — सम्पादकीय पत्रिकाक बौद्धिक स्वर होइत अछि।
३८५. (C) मूल्यांकन, कसौटी आ साहित्य-बोध — आलोचना पत्रिका केँ मूल्यांकन, कसौटी आ साहित्य-बोधक मंच दैत अछि।
३८६. (B) रचना, समीक्षा आ समाजक बीच संवाद बनबैत अछि — साहित्यिक पत्रकारिता लेखक, पाठक आ समाजक बीच सेतु बनैत अछि।
३८७. (B) एक विषय पर संग्रहणीय सामग्री देबाक लेल — विशेषांक विषय-विशेषक दस्तावेज बनि जाइत अछि।
३८८. (D) समय, समाज आ भाषापर स्पष्ट दृष्टि देब — सम्पादकीय पत्रिकाक बौद्धिक स्वर होइत अछि।
३८९. (B) एक विषय पर केन्द्रित गम्भीर सामग्री — विशेषांक पत्रिका केँ एक विषय पर केन्द्रित गम्भीर सामग्रीक मंच दैत अछि।
३९०. (C) रचना, समीक्षा आ समाजक बीच संवाद बनबैत अछि — साहित्यिक पत्रकारिता लेखक, पाठक आ समाजक बीच सेतु बनैत अछि।
३९१. (B) एक विषय पर संग्रहणीय सामग्री देबाक लेल — विशेषांक विषय-विशेषक दस्तावेज बनि जाइत अछि।
३९२. (B) समय, समाज आ भाषापर स्पष्ट दृष्टि देब — सम्पादकीय पत्रिकाक बौद्धिक स्वर होइत अछि।
३९३. (A) संवाद, रंगमंच आ सार्वजनिक विचार — नाटक पत्रिका केँ संवाद, रंगमंच आ सार्वजनिक विचारक मंच दैत अछि।
३९४. (B) रचना, समीक्षा आ समाजक बीच संवाद बनबैत अछि — साहित्यिक पत्रकारिता लेखक, पाठक आ समाजक बीच सेतु बनैत अछि।
३९५. (A) एक विषय पर संग्रहणीय सामग्री देबाक लेल — विशेषांक विषय-विशेषक दस्तावेज बनि जाइत अछि।
३९६. (C) समय, समाज आ भाषापर स्पष्ट दृष्टि देब — सम्पादकीय पत्रिकाक बौद्धिक स्वर होइत अछि।
३९७. (C) पत्रिकाक दृष्टिकोण आ जन-विचार — सम्पादकीय पत्रिका केँ पत्रिकाक दृष्टिकोण आ जन-विचारक मंच दैत अछि।
३९८. (A) रचना, समीक्षा आ समाजक बीच संवाद बनबैत अछि — साहित्यिक पत्रकारिता लेखक, पाठक आ समाजक बीच सेतु बनैत अछि।
३९९. (C) एक विषय पर संग्रहणीय सामग्री देबाक लेल — विशेषांक विषय-विशेषक दस्तावेज बनि जाइत अछि।
४००. (B) समय, समाज आ भाषापर स्पष्ट दृष्टि देब — सम्पादकीय पत्रिकाक बौद्धिक स्वर होइत अछि।
४०१. (D) पत्रकारिताक समाज-सुधारक भूमिका — दहेज-प्रथा पर बहस पत्रकारिताक जन-जागरण पक्ष देखबैत अछि।
४०२. (C) बाल-अधिकार आ शिक्षा — बाल-विवाह पर सामग्री बाल-अधिकार आ शिक्षा सँ जुड़ि सकैत अछि।
४०३. (D) चेतना आ सहभागिता — पत्रिका जनता केँ सोचय, पूछय आ भाग लेबय लेल प्रेरित करैत अछि।
४०४. (D) मांग, तर्क आ प्रमाणकेँ सार्वजनिक बनबैत अछि — पत्रिका आन्दोलनक विचारकेँ पाठक-समाज धरि पहुँचबैत अछि।
४०५. (C) पत्रकारिताक समाज-सुधारक भूमिका — आकाशवाणीमे मैथिली पर बहस पत्रकारिताक जन-जागरण पक्ष देखबैत अछि।
४०६. (C) उच्च शिक्षामे मातृभाषा — विश्वविद्यालयमे मैथिली पर सामग्री उच्च शिक्षामे मातृभाषा सँ जुड़ि सकैत अछि।
४०७. (B) चेतना आ सहभागिता — पत्रिका जनता केँ सोचय, पूछय आ भाग लेबय लेल प्रेरित करैत अछि।
४०८. (B) मांग, तर्क आ प्रमाणकेँ सार्वजनिक बनबैत अछि — पत्रिका आन्दोलनक विचारकेँ पाठक-समाज धरि पहुँचबैत अछि।
४०९. (D) पत्रकारिताक समाज-सुधारक भूमिका — स्त्री-शिक्षा पर बहस पत्रकारिताक जन-जागरण पक्ष देखबैत अछि।
४१०. (D) दूर रहिकेँ भाषा-संस्कृति सँ जुड़ाव — प्रवासी मैथिल पहचान पर सामग्री दूर रहिकेँ भाषा-संस्कृति सँ जुड़ाव सँ जुड़ि सकैत अछि।
४११. (B) चेतना आ सहभागिता — पत्रिका जनता केँ सोचय, पूछय आ भाग लेबय लेल प्रेरित करैत अछि।
४१२. (A) मांग, तर्क आ प्रमाणकेँ सार्वजनिक बनबैत अछि — पत्रिका आन्दोलनक विचारकेँ पाठक-समाज धरि पहुँचबैत अछि।
४१३. (B) पत्रकारिताक समाज-सुधारक भूमिका — जाति-भेद पर बहस पत्रकारिताक जन-जागरण पक्ष देखबैत अछि।

- 141

४८६. (C) उच्च शिक्षामे मातृभाषा — विश्वविद्यालयमे मैथिली पर सामग्री उच्च शिक्षामे मातृभाषा सँ जुड़ि सकैत अछि।
४८७. (C) चेतना आ सहभागिता — पत्रिका जनता केँ सोचय, पूछय आ भाग लेबय लेल प्रेरित करैत अछि।
४८८. (B) मांग, तर्क आ प्रमाणकेँ सार्वजनिक बनबैत अछि — पत्रिका आन्दोलनक विचारकेँ पाठक-समाज धरि पहुँचबैत अछि।
४८९. (B) पत्रकारिताक समाज-सुधारक भूमिका — स्त्री-शिक्षा पर बहस पत्रकारिताक जन-जागरण पक्ष देखबैत अछि।
४९०. (D) दूर रहिकेँ भाषा-संस्कृति सँ जुड़ाव — प्रवासी मैथिल पहचान पर सामग्री दूर रहिकेँ भाषा-संस्कृति सँ जुड़ाव सँ जुड़ि सकैत अछि।
४९१. (C) चेतना आ सहभागिता — पत्रिका जनता केँ सोचय, पूछय आ भाग लेबय लेल प्रेरित करैत अछि।
४९२. (D) मांग, तर्क आ प्रमाणकेँ सार्वजनिक बनबैत अछि — पत्रिका आन्दोलनक विचारकेँ पाठक-समाज धरि पहुँचबैत अछि।
४९३. (B) पत्रकारिताक समाज-सुधारक भूमिका — जाति-भेद पर बहस पत्रकारिताक जन-जागरण पक्ष देखबैत अछि।
४९४. (B) भाषा-अधिकार — मैथिली भाषा-मान्यता पर सामग्री भाषा-अधिकार सँ जुड़ि सकैत अछि।
४९५. (C) चेतना आ सहभागिता — पत्रिका जनता केँ सोचय, पूछय आ भाग लेबय लेल प्रेरित करैत अछि।
४९६. (A) मांग, तर्क आ प्रमाणकेँ सार्वजनिक बनबैत अछि — पत्रिका आन्दोलनक विचारकेँ पाठक-समाज धरि पहुँचबैत अछि।
४९७. (B) पत्रकारिताक समाज-सुधारक भूमिका — बड़ रेल-लाइन पर बहस पत्रकारिताक जन-जागरण पक्ष देखबैत अछि।
४९८. (C) गामक जीवन-संबंधी सूचना — कृषि आ ग्रामीण अर्थ पर सामग्री गामक जीवन-संबंधी सूचना सँ जुड़ि सकैत अछि।
४९९. (D) चेतना आ सहभागिता — पत्रिका जनता केँ सोचय, पूछय आ भाग लेबय लेल प्रेरित करैत अछि।
५००. (B) मांग, तर्क आ प्रमाणकेँ सार्वजनिक बनबैत अछि — पत्रिका आन्दोलनक विचारकेँ पाठक-समाज धरि पहुँचबैत अछि।
५०१. (C) बाल-पाठकमे मातृभाषा-पठन — बाल-पत्रिकाक माध्यमसँ बाल-पाठकमे मातृभाषा-पठन सम्भव होइत अछि।
५०२. (B) विषय आ पाठकक विविधता — युवा लेखक मैथिली पत्रकारिताक विविध दिशा बुझबैत अछि।
५०३. (C) दूर रहियो मातृभाषासँ आत्मीय सम्बन्ध — प्रवासी प्रकाशन भाषा-स्मृति आ सांस्कृतिक जुड़ावक प्रमाण अछि।
५०४. (A) मातृभाषामे आरम्भिक पठन-संस्कार बनेबाक लेल — बाल-पत्रिका नव पीढ़ी केँ मैथिली पठनसँ जोड़ैत अछि।
५०५. (D) विस्तृत पाठक-वर्ग — द्विभाषी पत्रिकाक माध्यमसँ विस्तृत पाठक-वर्ग सम्भव होइत अछि।
५०६. (B) विषय आ पाठकक विविधता — सोना माटी मैथिली पत्रकारिताक विविध दिशा बुझबैत अछि।
५०७. (D) दूर रहियो मातृभाषासँ आत्मीय सम्बन्ध — प्रवासी प्रकाशन भाषा-स्मृति आ सांस्कृतिक जुड़ावक प्रमाण अछि।
५०८. (D) मातृभाषामे आरम्भिक पठन-संस्कार बनेबाक लेल — बाल-पत्रिका नव पीढ़ी केँ मैथिली पठनसँ जोड़ैत अछि।
५०९. (D) स्थानीय मुद्दा आ लोकजीवन — गामक पाठकक माध्यमसँ स्थानीय मुद्दा आ लोकजीवन सम्भव होइत अछि।
५१०. (C) विषय आ पाठकक विविधता — कोलकाता, गाजियाबाद, जयपुर मैथिली पत्रकारिताक विविध दिशा बुझबैत अछि।
५११. (A) दूर रहियो मातृभाषासँ आत्मीय सम्बन्ध — प्रवासी प्रकाशन भाषा-स्मृति आ सांस्कृतिक जुड़ावक प्रमाण अछि।
५१२. (D) मातृभाषामे आरम्भिक पठन-संस्कार बनेबाक लेल — बाल-पत्रिका नव पीढ़ी केँ मैथिली पठनसँ जोड़ैत अछि।
५१३. (B) घर-समाजक अनुभवक प्रकाश — स्त्री-स्वरक माध्यमसँ घर-समाजक अनुभवक प्रकाश सम्भव होइत अछि।
५१४. (D) विषय आ पाठकक विविधता — प्रवासी मैथिली मैथिली पत्रकारिताक विविध दिशा बुझबैत अछि।
५१५. (D) दूर रहियो मातृभाषासँ आत्मीय सम्बन्ध — प्रवासी प्रकाशन भाषा-स्मृति आ सांस्कृतिक जुड़ावक प्रमाण अछि।
५१६. (C) मातृभाषामे आरम्भिक पठन-संस्कार बनेबाक लेल — बाल-पत्रिका नव पीढ़ी केँ मैथिली पठनसँ जोड़ैत अछि।
५१७. (C) काव्य-केंद्रित पाठक-वर्ग — कविता-संकलनक माध्यमसँ काव्य-केंद्रित पाठक-वर्ग सम्भव होइत अछि।
५१८. (D) विषय आ पाठकक विविधता — शिक्षा-सामग्री मैथिली पत्रकारिताक विविध दिशा बुझबैत अछि।
५१९. (B) दूर रहियो मातृभाषासँ आत्मीय सम्बन्ध — प्रवासी प्रकाशन भाषा-स्मृति आ सांस्कृतिक जुड़ावक प्रमाण अछि।
५२०. (A) मातृभाषामे आरम्भिक पठन-संस्कार बनेबाक लेल — बाल-पत्रिका नव पीढ़ी केँ मैथिली पठनसँ जोड़ैत अछि।
५२१. (C) बाल-पाठकमे मातृभाषा-पठन — बाल-पत्रिकाक माध्यमसँ बाल-पाठकमे मातृभाषा-पठन सम्भव होइत अछि।

- 143

- 144

५९४. (A) विषय आ पाठकक विविधता — प्रवासी मैथिली मैथिली पत्रकारिताक विविध दिशा बुझबैत अछि।
५९५. (C) दूर रहियो मातृभाषासँ आत्मीय सम्बन्ध — प्रवासी प्रकाशन भाषा-स्मृति आ सांस्कृतिक जुड़ावक प्रमाण अछि।
५९६. (C) मातृभाषामे आरम्भिक पठन-संस्कार बनेबाक लेल — बाल-पत्रिका नव पीढ़ी केँ मैथिली पठनसँ जोड़ैत अछि।
५९७. (A) काव्य-केंद्रित पाठक-वर्ग — कविता-संकलनक माध्यमसँ काव्य-केंद्रित पाठक-वर्ग सम्भव होइत अछि।
५९८. (C) विषय आ पाठकक विविधता — शिक्षा-सामग्री मैथिली पत्रकारिताक विविध दिशा बुझबैत अछि।
५९९. (A) दूर रहियो मातृभाषासँ आत्मीय सम्बन्ध — प्रवासी प्रकाशन भाषा-स्मृति आ सांस्कृतिक जुड़ावक प्रमाण अछि।
६००. (C) मातृभाषामे आरम्भिक पठन-संस्कार बनेबाक लेल — बाल-पत्रिका नव पीढ़ी केँ मैथिली पठनसँ जोड़ैत अछि।
६०१. (D) नित्य समाचार आ तात्कालिकता — दैनिक समाचार-पत्र नित्य समाचार आ तात्कालिकताक माध्यम बनि सकैत अछि।
६०२. (B) माध्यमक विस्तार — माध्यम बदललासँ समाचारक पहुँच आ रूप दुनू बदलैत अछि।
६०३. (D) नियमित सामग्री, पाठक आ अर्थ-संसाधन — दैनिक पत्रकेँ निरन्तर सामग्री, वितरण, पाठक आ आर्थिक आधार चाही।
६०४. (A) बोलल भाषा आ दृश्यसँ तात्कालिक जुड़ाव — दृश्य-माध्यम मैथिली केँ सुनबा-देखबाक अनुभव दैत अछि।
६०५. (D) श्रव्य माध्यमसँ दूर-दराज पाठक/श्रोता धरि पहुँच — रेडियो समाचार श्रव्य माध्यमसँ दूर-दराज पाठक/श्रोता धरि पहुँचक माध्यम बनि सकैत अछि।
६०६. (A) माध्यमक विस्तार — माध्यम बदललासँ समाचारक पहुँच आ रूप दुनू बदलैत अछि।
६०७. (D) नियमित सामग्री, पाठक आ अर्थ-संसाधन — दैनिक पत्रकेँ निरन्तर सामग्री, वितरण, पाठक आ आर्थिक आधार चाही।
६०८. (C) बोलल भाषा आ दृश्यसँ तात्कालिक जुड़ाव — दृश्य-माध्यम मैथिली केँ सुनबा-देखबाक अनुभव दैत अछि।
६०९. (B) लोक-संस्कृति आ समाचारक मिलन — सांस्कृतिक कार्यक्रम लोक-संस्कृति आ समाचारक मिलनक माध्यम बनि सकैत अछि।
६१०. (B) माध्यमक विस्तार — माध्यम बदललासँ समाचारक पहुँच आ रूप दुनू बदलैत अछि।
६११. (A) नियमित सामग्री, पाठक आ अर्थ-संसाधन — दैनिक पत्रकेँ निरन्तर सामग्री, वितरण, पाठक आ आर्थिक आधार चाही।
६१२. (A) बोलल भाषा आ दृश्यसँ तात्कालिक जुड़ाव — दृश्य-माध्यम मैथिली केँ सुनबा-देखबाक अनुभव दैत अछि।
६१३. (A) समय देल विश्लेषण आ साहित्य — पाक्षिक पत्रिका समय देल विश्लेषण आ साहित्यक माध्यम बनि सकैत अछि।
६१४. (A) माध्यमक विस्तार — माध्यम बदललासँ समाचारक पहुँच आ रूप दुनू बदलैत अछि।
६१५. (D) नियमित सामग्री, पाठक आ अर्थ-संसाधन — दैनिक पत्रकेँ निरन्तर सामग्री, वितरण, पाठक आ आर्थिक आधार चाही।
६१६. (A) बोलल भाषा आ दृश्यसँ तात्कालिक जुड़ाव — दृश्य-माध्यम मैथिली केँ सुनबा-देखबाक अनुभव दैत अछि।
६१७. (D) दृश्य आकर्षण आ आधुनिक प्रस्तुति — रंगीन अखबार दृश्य आकर्षण आ आधुनिक प्रस्तुतिक माध्यम बनि सकैत अछि।
६१८. (D) माध्यमक विस्तार — माध्यम बदललासँ समाचारक पहुँच आ रूप दुनू बदलैत अछि।
६१९. (B) नियमित सामग्री, पाठक आ अर्थ-संसाधन — दैनिक पत्रकेँ निरन्तर सामग्री, वितरण, पाठक आ आर्थिक आधार चाही।
६२०. (A) बोलल भाषा आ दृश्यसँ तात्कालिक जुड़ाव — दृश्य-माध्यम मैथिली केँ सुनबा-देखबाक अनुभव दैत अछि।
६२१. (B) नित्य समाचार आ तात्कालिकता — दैनिक समाचार-पत्र नित्य समाचार आ तात्कालिकताक माध्यम बनि सकैत अछि।
६२२. (A) माध्यमक विस्तार — माध्यम बदललासँ समाचारक पहुँच आ रूप दुनू बदलैत अछि।
६२३. (D) नियमित सामग्री, पाठक आ अर्थ-संसाधन — दैनिक पत्रकेँ निरन्तर सामग्री, वितरण, पाठक आ आर्थिक आधार चाही।
६२४. (A) बोलल भाषा आ दृश्यसँ तात्कालिक जुड़ाव — दृश्य-माध्यम मैथिली केँ सुनबा-देखबाक अनुभव दैत अछि।
६२५. (D) श्रव्य माध्यमसँ दूर-दराज पाठक/श्रोता धरि पहुँच — रेडियो समाचार श्रव्य माध्यमसँ दूर-दराज पाठक/श्रोता धरि पहुँचक माध्यम बनि सकैत अछि।
६२६. (B) माध्यमक विस्तार — माध्यम बदललासँ समाचारक पहुँच आ रूप दुनू बदलैत अछि।
६२७. (C) नियमित सामग्री, पाठक आ अर्थ-संसाधन — दैनिक पत्रकेँ निरन्तर सामग्री, वितरण, पाठक आ आर्थिक आधार चाही।
६२८. (A) बोलल भाषा आ दृश्यसँ तात्कालिक जुड़ाव — दृश्य-माध्यम मैथिली केँ सुनबा-देखबाक अनुभव दैत अछि।
६२९. (D) लोक-संस्कृति आ समाचारक मिलन — सांस्कृतिक कार्यक्रम लोक-संस्कृति आ समाचारक मिलनक माध्यम बनि सकैत अछि।

- 146

- 147

- 148

- 151

८७७. (C) घटनाक तथ्यात्मक विवरण — रिपोर्टक सही प्रयोग पत्रकारिताकें विश्वसनीय आ पठनीय बनबैत अछि।
८७८. (B) व्यक्ति, इतिहास आ अभिलेखक सही पहचान लेल — वर्तनी शुद्धि पत्रकारिताक भरोसा आ अभिलेखीय मूल्य बढ़बैत अछि।
८७९. (B) संतुलन आ निष्पक्षता — समाचार तथ्य देत अछि, विचार तर्क देत अछि; भेद राखब जरूरी अछि।
८८०. (C) सामान्य पाठक धरि बात साफ पहुँचेना — पत्रकारिताक भाषा सरल, स्वच्छ आ जनसुलभ होयबाक चाही।
८८१. (D) छोट, स्पष्ट आ सारगर्भित होयबाक चाही — शीर्षकक सही प्रयोग पत्रकारिताकें विश्वसनीय आ पठनीय बनबैत अछि।
८८२. (B) व्यक्ति, इतिहास आ अभिलेखक सही पहचान लेल — वर्तनी शुद्धि पत्रकारिताक भरोसा आ अभिलेखीय मूल्य बढ़बैत अछि।
८८३. (B) संतुलन आ निष्पक्षता — समाचार तथ्य देत अछि, विचार तर्क देत अछि; भेद राखब जरूरी अछि।
८८४. (D) सामान्य पाठक धरि बात साफ पहुँचेना — पत्रकारिताक भाषा सरल, स्वच्छ आ जनसुलभ होयबाक चाही।
८८५. (A) समाचारक विश्वसनीयता — स्रोत-जाँचक सही प्रयोग पत्रकारिताकें विश्वसनीय आ पठनीय बनबैत अछि।
८८६. (B) व्यक्ति, इतिहास आ अभिलेखक सही पहचान लेल — वर्तनी शुद्धि पत्रकारिताक भरोसा आ अभिलेखीय मूल्य बढ़बैत अछि।
८८७. (B) संतुलन आ निष्पक्षता — समाचार तथ्य देत अछि, विचार तर्क देत अछि; भेद राखब जरूरी अछि।
८८८. (A) सामान्य पाठक धरि बात साफ पहुँचेना — पत्रकारिताक भाषा सरल, स्वच्छ आ जनसुलभ होयबाक चाही।
८८९. (D) पत्रिकाक बौद्धिक दिशा — सम्पादकीय नीतिक सही प्रयोग पत्रकारिताकें विश्वसनीय आ पठनीय बनबैत अछि।
८९०. (D) व्यक्ति, इतिहास आ अभिलेखक सही पहचान लेल — वर्तनी शुद्धि पत्रकारिताक भरोसा आ अभिलेखीय मूल्य बढ़बैत अछि।
८९१. (B) संतुलन आ निष्पक्षता — समाचार तथ्य देत अछि, विचार तर्क देत अछि; भेद राखब जरूरी अछि।
८९२. (B) सामान्य पाठक धरि बात साफ पहुँचेना — पत्रकारिताक भाषा सरल, स्वच्छ आ जनसुलभ होयबाक चाही।
८९३. (C) तथ्य, भाषा, क्रम आ संतुलन सँ जुड़ल काज — सम्पादनक सही प्रयोग पत्रकारिताकें विश्वसनीय आ पठनीय बनबैत अछि।
८९४. (B) व्यक्ति, इतिहास आ अभिलेखक सही पहचान लेल — वर्तनी शुद्धि पत्रकारिताक भरोसा आ अभिलेखीय मूल्य बढ़बैत अछि।
८९५. (C) संतुलन आ निष्पक्षता — समाचार तथ्य देत अछि, विचार तर्क देत अछि; भेद राखब जरूरी अछि।
८९६. (B) सामान्य पाठक धरि बात साफ पहुँचेना — पत्रकारिताक भाषा सरल, स्वच्छ आ जनसुलभ होयबाक चाही।
८९७. (C) घटनाक तथ्यात्मक विवरण — रिपोर्टक सही प्रयोग पत्रकारिताकें विश्वसनीय आ पठनीय बनबैत अछि।
८९८. (A) व्यक्ति, इतिहास आ अभिलेखक सही पहचान लेल — वर्तनी शुद्धि पत्रकारिताक भरोसा आ अभिलेखीय मूल्य बढ़बैत अछि।
८९९. (C) संतुलन आ निष्पक्षता — समाचार तथ्य देत अछि, विचार तर्क देत अछि; भेद राखब जरूरी अछि।
९००. (C) सामान्य पाठक धरि बात साफ पहुँचेना — पत्रकारिताक भाषा सरल, स्वच्छ आ जनसुलभ होयबाक चाही।
९०१. (D) पुरान अंकक संरक्षण — अभिलेखनसँ पत्रकारिताक टिकाउ भविष्य बनि सकैत अछि।
९०२. (B) इतिहास, भाषा आ समाजक साक्ष्य बचबैत अछि — पत्र-पत्रिका अपन समयक जीवित दस्तावेज होइत अछि।
९०३. (C) पाठक, लेखक, सम्पादक आ तकनीकक सहयोग — भविष्य लेल सामूहिक भागीदारी आ तकनीकी दक्षता आवश्यक अछि।
९०४. (B) नाम, वर्ष, स्थान, सम्पादक आ स्वरूप — सूचीकरण शोधक आधार बनैत अछि।
९०५. (B) पत्रिकाक आर्थिक आ सामाजिक आधार — पाठक-वृद्धिसँ पत्रकारिताक टिकाउ भविष्य बनि सकैत अछि।
९०६. (C) इतिहास, भाषा आ समाजक साक्ष्य बचबैत अछि — पत्र-पत्रिका अपन समयक जीवित दस्तावेज होइत अछि।
९०७. (D) पाठक, लेखक, सम्पादक आ तकनीकक सहयोग — भविष्य लेल सामूहिक भागीदारी आ तकनीकी दक्षता आवश्यक अछि।
९०८. (C) नाम, वर्ष, स्थान, सम्पादक आ स्वरूप — सूचीकरण शोधक आधार बनैत अछि।
९०९. (D) गम्भीर अध्ययन आ संदर्भ — शोध-पत्रिकासँ पत्रकारिताक टिकाउ भविष्य बनि सकैत अछि।
९१०. (B) इतिहास, भाषा आ समाजक साक्ष्य बचबैत अछि — पत्र-पत्रिका अपन समयक जीवित दस्तावेज होइत अछि।
९११. (A) पाठक, लेखक, सम्पादक आ तकनीकक सहयोग — भविष्य लेल सामूहिक भागीदारी आ तकनीकी दक्षता आवश्यक अछि।
९१२. (A) नाम, वर्ष, स्थान, सम्पादक आ स्वरूप — सूचीकरण शोधक आधार बनैत अछि।

- [illegible]

- 155

१८५. (D) पत्रिकाक आर्थिक आ सामाजिक आधार — पाठक-वृद्धिसँ पत्रकारिताक टिकाउ भविष्य बनि सकैत अछि।
१८६. (C) इतिहास, भाषा आ समाजक साक्ष्य बचबैत अछि — पत्र-पत्रिका अपन समयक जीवित दस्तावेज होइत अछि।
१८७. (A) पाठक, लेखक, सम्पादक आ तकनीकक सहयोग — भविष्य लेल सामूहिक भागीदारी आ तकनीकी दक्षता आवश्यक अछि।
१८८. (B) नाम, वर्ष, स्थान, सम्पादक आ स्वरूप — सूचीकरण शोधक आधार बनैत अछि।
१८९. (C) गम्भीर अध्ययन आ संदर्भ — शोध-पत्रिकासँ पत्रकारिताक टिकाउ भविष्य बनि सकैत अछि।
१९०. (A) इतिहास, भाषा आ समाजक साक्ष्य बचबैत अछि — पत्र-पत्रिका अपन समयक जीवित दस्तावेज होइत अछि।
१९१. (B) पाठक, लेखक, सम्पादक आ तकनीकक सहयोग — भविष्य लेल सामूहिक भागीदारी आ तकनीकी दक्षता आवश्यक अछि।
१९२. (C) नाम, वर्ष, स्थान, सम्पादक आ स्वरूप — सूचीकरण शोधक आधार बनैत अछि।
१९३. (B) पत्रकारिता इतिहासक प्रमाण-आधारित अध्ययन — शोधसँ पत्रकारिताक टिकाउ भविष्य बनि सकैत अछि।
१९४. (D) इतिहास, भाषा आ समाजक साक्ष्य बचबैत अछि — पत्र-पत्रिका अपन समयक जीवित दस्तावेज होइत अछि।
१९५. (D) पाठक, लेखक, सम्पादक आ तकनीकक सहयोग — भविष्य लेल सामूहिक भागीदारी आ तकनीकी दक्षता आवश्यक अछि।
१९६. (A) नाम, वर्ष, स्थान, सम्पादक आ स्वरूप — सूचीकरण शोधक आधार बनैत अछि।
१९७. (C) गाम-शहरक समाचारक स्रोत — स्थानीय संवाददातासँ पत्रकारिताक टिकाउ भविष्य बनि सकैत अछि।
१९८. (A) इतिहास, भाषा आ समाजक साक्ष्य बचबैत अछि — पत्र-पत्रिका अपन समयक जीवित दस्तावेज होइत अछि।
१९९. (D) पाठक, लेखक, सम्पादक आ तकनीकक सहयोग — भविष्य लेल सामूहिक भागीदारी आ तकनीकी दक्षता आवश्यक अछि।
२०००. (B) नाम, वर्ष, स्थान, सम्पादक आ स्वरूप — सूचीकरण शोधक आधार बनैत अछि।

अध्याय २ : मैथिली लोक साहित्य क्विज — विदेह

लोकसाहित्यक आधार आ स्वरूप

१. मौखिक परम्पराक सही अर्थ की अछि?

- (A) ई ग्रामीण परिवेशकें हटाकऽ बनल कृत्रिम अभ्यास अछि
- (B) ई केवल व्यापारिक हिसाब-किताबक नाम अछि
- (C) लोककंठ सँ पीढ़ी-दर-पीढ़ी चलैत रचना-धारा
- (D) ई परम्परा नहि, केवल क्षणिक बाजारू खेल अछि

२. मैथिली लोकसाहित्यमे मौखिक परम्परा किएक महत्त्वपूर्ण अछि?

- (A) लोककंठ सँ पीढ़ी-दर-पीढ़ी चलैत रचना-धारा
- (B) ई लोकजीवनसँ पूर्णतः असंबद्ध विषय अछि
- (C) ई परम्परा नहि, केवल क्षणिक बाजारू खेल अछि
- (D) ई सामुदायिक अनुभव नहि, केवल निजी सजावट अछि

३. मौखिक परम्परा संबंधमे कोन कथन ठीक अछि?

- (A) ई केवल व्यापारिक हिसाब-किताबक नाम अछि
- (B) लोककंठ सँ पीढ़ी-दर-पीढ़ी चलैत रचना-धारा
- (C) ई ग्रामीण परिवेशकें हटाकऽ बनल कृत्रिम अभ्यास अछि
- (D) ई परम्परा नहि, केवल क्षणिक बाजारू खेल अछि

४. मौखिक परम्परा केँ चिन्हबाक मुख्य आधार की अछि?

- (A) लोककंठ सँ पीढ़ी-दर-पीढ़ी चलैत रचना-धारा
- (B) ई केवल आधुनिक दफ्तरक नियम-पुस्तक अछि
- (C) ई लोकजीवनसँ पूर्णतः असंबद्ध विषय अछि
- (D) ई केवल छापल ग्रंथक पन्ना-संख्या गिनबाक विधि अछि

५. जँ प्रश्न मौखिक परम्परा पर हो, त सही उत्तर कोन हएत?

- (A) ई केवल राजदरबारक कर-विवरण मात्र अछि
- (B) ई सामुदायिक अनुभव नहि, केवल निजी सजावट अछि
- (C) ई गीत, कथा आ समाजसँ कोनो सम्बन्ध नहि राखैत अछि
- (D) लोककंठ सँ पीढ़ी-दर-पीढ़ी चलैत रचना-धारा

६. सामूहिक रचनाक सही अर्थ की अछि?

- (A) व्यक्तिगत लेखकसँ बेसी समाजक सामूहिक अनुभवक फल
- (B) ई केवल व्यापारिक हिसाब-किताबक नाम अछि
- (C) ई ग्रामीण परिवेशकें हटाकऽ बनल कृत्रिम अभ्यास अछि
- (D) ई गीत, कथा आ समाजसँ कोनो सम्बन्ध नहि राखैत अछि

७. मैथिली लोकसाहित्यमे सामूहिक रचना किएक महत्त्वपूर्ण अछि?

- (A) व्यक्तिगत लेखकसँ बेसी समाजक सामूहिक अनुभवक फल
- (B) ई ग्रामीण परिवेशकें हटाकऽ बनल कृत्रिम अभ्यास अछि
- (C) ई लोकजीवनसँ पूर्णतः असंबद्ध विषय अछि
- (D) ई केवल व्यापारिक हिसाब-किताबक नाम अछि

८. सामूहिक रचना संबंधमे कोन कथन ठीक अछि?

- (A) व्यक्तिगत लेखकसँ बेसी समाजक सामूहिक अनुभवक फल
- (B) ई लोकजीवनसँ पूर्णतः असंबद्ध विषय अछि
- (C) ई परम्परा नहि, केवल क्षणिक बाजारू खेल अछि
- (D) ई सामुदायिक अनुभव नहि, केवल निजी सजावट अछि

९. सामूहिक रचना के चिह्नबाक मुख्य आधार की अछि?

- (A) ई ग्रामीण परिवेशकेँ हटाकऽ बनल कृत्रिम अभ्यास अछि
- (B) व्यक्तिगत लेखकसँ बेसी समाजक सामूहिक अनुभवक फल
- (C) ई सामुदायिक अनुभव नहि, केवल निजी सजावट अछि
- (D) ई केवल आधुनिक दफ्तरक नियम-पुस्तक अछि

१०. जेँ प्रश्न सामूहिक रचना पर हो, त सही उत्तर कोन हएत?

- (A) ई परम्परा नहि, केवल क्षणिक बाजारू खेल अछि
- (B) ई केवल व्यापारिक हिसाब-किताबक नाम अछि
- (C) ई गीत, कथा आ समाजसँ कोनो सम्बन्ध नहि राखैत अछि
- (D) व्यक्तिगत लेखकसँ बेसी समाजक सामूहिक अनुभवक फल

११. लोक-स्मृतिक सही अर्थ की अछि?

- (A) समाजक अनुभव, दुख-सुख आ विश्वासक संचित स्मरण
- (B) ई बोली आ स्मृतिसँ अलग, निर्जीव संकेत मात्र अछि
- (C) ई लोकजीवनसँ पूर्णतः असंबद्ध विषय अछि
- (D) ई सामुदायिक अनुभव नहि, केवल निजी सजावट अछि

१२. मैथिली लोकसाहित्यमे लोक-स्मृति किएक महत्त्वपूर्ण अछि?

- (A) समाजक अनुभव, दुख-सुख आ विश्वासक संचित स्मरण
- (B) ई केवल छापल ग्रंथक पन्ना-संख्या गिनबाक विधि अछि
- (C) ई बोली आ स्मृतिसँ अलग, निर्जीव संकेत मात्र अछि
- (D) ई सामुदायिक अनुभव नहि, केवल निजी सजावट अछि

१३. लोक-स्मृति संबंधमे कोन कथन ठीक अछि?

- (A) समाजक अनुभव, दुख-सुख आ विश्वासक संचित स्मरण
- (B) ई केवल आधुनिक दफ्तरक नियम-पुस्तक अछि
- (C) ई बोली आ स्मृतिसँ अलग, निर्जीव संकेत मात्र अछि
- (D) ई गीत, कथा आ समाजसँ कोनो सम्बन्ध नहि राखैत अछि

१४. लोक-स्मृति केँ चिह्नबाक मुख्य आधार की अछि?

- (A) ई लोकजीवनसँ पूर्णतः असंबद्ध विषय अछि
- (B) ई केवल आधुनिक दफ्तरक नियम-पुस्तक अछि
- (C) समाजक अनुभव, दुख-सुख आ विश्वासक संचित स्मरण
- (D) ई ग्रामीण परिवेशकेँ हटाकऽ बनल कृत्रिम अभ्यास अछि

१५. जेँ प्रश्न लोक-स्मृति पर हो, त सही उत्तर कोन हएत?

- (A) ई गीत, कथा आ समाजसँ कोनो सम्बन्ध नहि राखैत अछि
- (B) ई लोकजीवनसँ पूर्णतः असंबद्ध विषय अछि
- (C) ई बोली आ स्मृतिसँ अलग, निर्जीव संकेत मात्र अछि
- (D) समाजक अनुभव, दुख-सुख आ विश्वासक संचित स्मरण

१६. परिवर्तनशील पाठक सही अर्थ की अछि?

- (A) गायक, कथावाचक आ अवसर अनुसार बदलैत रूप
- (B) ई लोकजीवनसँ पूर्णतः असंबद्ध विषय अछि
- (C) ई केवल आधुनिक दफ्तरक नियम-पुस्तक अछि
- (D) ई केवल व्यापारिक हिसाब-किताबक नाम अछि

१७. मैथिली लोकसाहित्यमे परिवर्तनशील पाठ किएक महत्त्वपूर्ण अछि?

- (A) गायक, कथावाचक आ अवसर अनुसार बदलैत रूप
- (B) ई गीत, कथा आ समाजसँ कोनो सम्बन्ध नहि राखैत अछि
- (C) ई परम्परा नहि, केवल क्षणिक बाजारू खेल अछि
- (D) ई लोकजीवनसँ पूर्णतः असंबद्ध विषय अछि

१८. परिवर्तनशील पाठ संबंधमे कोन कथन ठीक अछि?

- (A) ई केवल छापल ग्रंथक पन्ना-संख्या गिनबाक विधि अछि
- (B) ई केवल राजदरबारक कर-विवरण मात्र अछि
- (C) ई परम्परा नहि, केवल क्षणिक बाजारू खेल अछि
- (D) गायक, कथावाचक आ अवसर अनुसार बदलैत रूप

१९. परिवर्तनशील पाठ केँ चिन्हबाक मुख्य आधार की अछि?

- (A) ई केवल व्यापारिक हिसाब-किताबक नाम अछि
- (B) ई केवल राजदरबारक कर-विवरण मात्र अछि
- (C) ई केवल आधुनिक दफ्तरक नियम-पुस्तक अछि
- (D) गायक, कथावाचक आ अवसर अनुसार बदलैत रूप

२०. जँ प्रश्न परिवर्तनशील पाठ पर हो, त सही उत्तर कोन हएत?

- (A) ई गीत, कथा आ समाजसँ कोनो सम्बन्ध नहि राखैत अछि
- (B) ई केवल व्यापारिक हिसाब-किताबक नाम अछि
- (C) गायक, कथावाचक आ अवसर अनुसार बदलैत रूप
- (D) ई केवल छापल ग्रंथक पन्ना-संख्या गिनबाक विधि अछि

२१. लोकभाषाक प्रयोगक सही अर्थ की अछि?

- (A) जनजीवनमे बोलल जाएबला सहज मैथिली भाषाक आधार
- (B) ई केवल व्यापारिक हिसाब-किताबक नाम अछि
- (C) ई केवल आधुनिक दफ्तरक नियम-पुस्तक अछि
- (D) ई परम्परा नहि, केवल क्षणिक बाजारू खेल अछि

२२. मैथिली लोकसाहित्यमे लोकभाषाक प्रयोग किएक महत्त्वपूर्ण अछि?

- (A) ई केवल व्यापारिक हिसाब-किताबक नाम अछि
- (B) ई बोली आ स्मृतिसँ अलग, निर्जीव संकेत मात्र अछि
- (C) जनजीवनमे बोलल जाएबला सहज मैथिली भाषाक आधार
- (D) ई केवल छापल ग्रंथक पन्ना-संख्या गिनबाक विधि अछि

२३. लोकभाषाक प्रयोग संबंधमे कोन कथन ठीक अछि?

- (A) जनजीवनमे बोलल जाएबला सहज मैथिली भाषाक आधार
- (B) ई सामुदायिक अनुभव नहि, केवल निजी सजावट अछि
- (C) ई ग्रामीण परिवेशकेँ हटाकऽ बनल कृत्रिम अभ्यास अछि
- (D) ई केवल राजदरबारक कर-विवरण मात्र अछि

२४. लोकभाषाक प्रयोग केँ चिन्हबाक मुख्य आधार की अछि?

- (A) ई केवल व्यापारिक हिसाब-किताबक नाम अछि
- (B) ई गीत, कथा आ समाजसँ कोनो सम्बन्ध नहि राखैत अछि
- (C) ई लोकजीवनसँ पूर्णतः असंबद्ध विषय अछि
- (D) जनजीवनमे बोलल जाएबला सहज मैथिली भाषाक आधार

२५. जँ प्रश्न लोकभाषाक प्रयोग पर हो, त सही उत्तर कोन हएत?

- (A) ई केवल छापल ग्रंथक पन्ना-संख्या गिनबाक विधि अछि
- (B) ई गीत, कथा आ समाजसँ कोनो सम्बन्ध नहि राखैत अछि
- (C) जनजीवनमे बोलल जाएबला सहज मैथिली भाषाक आधार
- (D) ई परम्परा नहि, केवल क्षणिक बाजारू खेल अछि

२६. अवसर-सापेक्षताक सही अर्थ की अछि?

- (A) ई केवल छापल ग्रंथक पन्ना-संख्या गिनबाक विधि अछि
- (B) ई ग्रामीण परिवेशकेँ हटाकऽ बनल कृत्रिम अभ्यास अछि
- (C) ई बोली आ स्मृतिसँ अलग, निर्जीव संकेत मात्र अछि
- (D) जन्म, विवाह, खेती, पर्व वा शोक जेकाँ अवसरसँ जुड़ल प्रस्तुति

२७. मैथिली लोकसाहित्यमे अवसर-सापेक्षता किएक महत्त्वपूर्ण अछि?

- (A) ई बोली आ स्मृतिसँ अलग, निर्जीव संकेत मात्र अछि
- (B) जन्म, विवाह, खेती, पर्व वा शोक जेकाँ अवसरसँ जुड़ल प्रस्तुति
- (C) ई सामुदायिक अनुभव नहि, केवल निजी सजावट अछि
- (D) ई ग्रामीण परिवेशकेँ हटाकऽ बनल कृत्रिम अभ्यास अछि

२८. अवसर-सापेक्षता संबंधमे कोन कथन ठीक अछि?

- (A) ई ग्रामीण परिवेशकेँ हटाकऽ बनल कृत्रिम अभ्यास अछि
- (B) जन्म, विवाह, खेती, पर्व वा शोक जेकाँ अवसरसँ जुड़ल प्रस्तुति
- (C) ई गीत, कथा आ समाजसँ कोनो सम्बन्ध नहि राखैत अछि
- (D) ई लोकजीवनसँ पूर्णतः असंबद्ध विषय अछि

२९. अवसर-सापेक्षता केँ चिन्हबाक मुख्य आधार की अछि?

- (A) ई परम्परा नहि, केवल क्षणिक बाजारू खेल अछि
- (B) जन्म, विवाह, खेती, पर्व वा शोक जेकाँ अवसरसँ जुड़ल प्रस्तुति
- (C) ई ग्रामीण परिवेशकेँ हटाकऽ बनल कृत्रिम अभ्यास अछि
- (D) ई केवल छापल ग्रंथक पन्ना-संख्या गिनबाक विधि अछि

३०. जँ प्रश्न अवसर-सापेक्षता पर हो, त सही उत्तर कोन हएत?

- (A) ई लोकजीवनसँ पूर्णतः असंबद्ध विषय अछि
- (B) जन्म, विवाह, खेती, पर्व वा शोक जेकाँ अवसरसँ जुड़ल प्रस्तुति
- (C) ई बोली आ स्मृतिसँ अलग, निर्जीव संकेत मात्र अछि
- (D) ई परम्परा नहि, केवल क्षणिक बाजारू खेल अछि

३१. सामुदायिक स्वामित्वक सही अर्थ की अछि?

- (A) ई ग्रामीण परिवेशकेँ हटाकऽ बनल कृत्रिम अभ्यास अछि
- (B) रचना पर पूरा समुदाय अपन अधिकार आ अपनापन मानैत अछि
- (C) ई केवल व्यापारिक हिसाब-किताबक नाम अछि
- (D) ई परम्परा नहि, केवल क्षणिक बाजारू खेल अछि

३२. मैथिली लोकसाहित्यमे सामुदायिक स्वामित्व किएक महत्त्वपूर्ण अछि?

- (A) रचना पर पूरा समुदाय अपन अधिकार आ अपनापन मानैत अछि
- (B) ई ग्रामीण परिवेशकेँ हटाकऽ बनल कृत्रिम अभ्यास अछि
- (C) ई परम्परा नहि, केवल क्षणिक बाजारू खेल अछि
- (D) ई केवल आधुनिक दफ्तरक नियम-पुस्तक अछि

३३. सामुदायिक स्वामित्व संबंधमे कोन कथन ठीक अछि?

- (A) ई केवल राजदरबारक कर-विवरण मात्र अछि
- (B) ई केवल आधुनिक दफ्तरक नियम-पुस्तक अछि
- (C) ई बोली आ स्मृतिसँ अलग, निर्जीव संकेत मात्र अछि
- (D) रचना पर पूरा समुदाय अपन अधिकार आ अपनापन मानैत अछि

३४. सामुदायिक स्वामित्व केँ चिन्हबाक मुख्य आधार की अछि?

- (A) ई केवल छापल ग्रंथक पन्ना-संख्या गिनबाक विधि अछि
- (B) रचना पर पूरा समुदाय अपन अधिकार आ अपनापन मानैत अछि
- (C) ई केवल आधुनिक दफ्तरक नियम-पुस्तक अछि
- (D) ई बोली आ स्मृतिसँ अलग, निर्जीव संकेत मात्र अछि

३५. जँ प्रश्न सामुदायिक स्वामित्व पर हो, त सही उत्तर कोन हएत?

- (A) ई ग्रामीण परिवेशकेँ हटाकऽ बनल कृत्रिम अभ्यास अछि
- (B) ई परम्परा नहि, केवल क्षणिक बाजारू खेल अछि
- (C) ई केवल आधुनिक दफ्तरक नियम-पुस्तक अछि
- (D) रचना पर पूरा समुदाय अपन अधिकार आ अपनापन मानैत अछि

३६. बहुरूपताक सही अर्थ की अछि?

- (A) ई ग्रामीण परिवेशकेँ हटाकऽ बनल कृत्रिम अभ्यास अछि
- (B) ई बोली आ स्मृतिसँ अलग, निर्जीव संकेत मात्र अछि
- (C) एकहि कथा वा गीतक अनेक स्थानीय रूप भेटब
- (D) ई केवल छापल ग्रंथक पन्ना-संख्या गिनबाक विधि अछि

३७. मैथिली लोकसाहित्यमे बहुरूपता किएक महत्त्वपूर्ण अछि?

- (A) एकहि कथा वा गीतक अनेक स्थानीय रूप भेटब
- (B) ई परम्परा नहि, केवल क्षणिक बाजारू खेल अछि
- (C) ई ग्रामीण परिवेशकेँ हटाकऽ बनल कृत्रिम अभ्यास अछि
- (D) ई केवल राजदरबारक कर-विवरण मात्र अछि

३८. बहुरूपता संबंधमे कोन कथन ठीक अछि?

- (A) ई केवल आधुनिक दफ्तरक नियम-पुस्तक अछि
- (B) ई सामुदायिक अनुभव नहि, केवल निजी सजावट अछि
- (C) एकहि कथा वा गीतक अनेक स्थानीय रूप भेटब
- (D) ई ग्रामीण परिवेशकेँ हटाकऽ बनल कृत्रिम अभ्यास अछि

३९. बहुरूपता केँ चिन्हबाक मुख्य आधार की अछि?

- (A) ई केवल आधुनिक दफ्तरक नियम-पुस्तक अछि
- (B) ई परम्परा नहि, केवल क्षणिक बाजारू खेल अछि
- (C) एकहि कथा वा गीतक अनेक स्थानीय रूप भेटब
- (D) ई सामुदायिक अनुभव नहि, केवल निजी सजावट अछि

४०. जँ प्रश्न बहुरूपता पर हो, त सही उत्तर कोन हएत?

- (A) ई लोकजीवनसँ पूर्णतः असंबद्ध विषय अछि
- (B) एकहि कथा वा गीतक अनेक स्थानीय रूप भेटब
- (C) ई सामुदायिक अनुभव नहि, केवल निजी सजावट अछि
- (D) ई केवल राजदरबारक कर-विवरण मात्र अछि

४१. जीवित परम्पराक सही अर्थ की अछि?

- (A) ई बोली आ स्मृतिसँ अलग, निर्जीव संकेत मात्र अछि
- (B) लोकजीवनमे आजुओ गाओल, कहल आ खेलल जाएबला धारा
- (C) ई केवल राजदरबारक कर-विवरण मात्र अछि
- (D) ई केवल व्यापारिक हिसाब-किताबक नाम अछि

४२. मैथिली लोकसाहित्यमे जीवित परम्परा किएक महत्त्वपूर्ण अछि?

- (A) ई बोली आ स्मृतिसँ अलग, निर्जीव संकेत मात्र अछि
- (B) ई ग्रामीण परिवेशकेँ हटाकऽ बनल कृत्रिम अभ्यास अछि
- (C) लोकजीवनमे आजुओ गाओल, कहल आ खेलल जाएबला धारा
- (D) ई गीत, कथा आ समाजसँ कोनो सम्बन्ध नहि राखैत अछि

४३. जीवित परम्परा संबंधमे कोन कथन ठीक अछि?

- (A) लोकजीवनमे आजुओ गाओल, कहल आ खेलल जाएबला धारा
- (B) ई केवल छापल ग्रंथक पन्ना-संख्या गिनबाक विधि अछि
- (C) ई गीत, कथा आ समाजसँ कोनो सम्बन्ध नहि राखैत अछि
- (D) ई बोली आ स्मृतिसँ अलग, निर्जीव संकेत मात्र अछि

४४. जीवित परम्परा केँ चिन्हबाक मुख्य आधार की अछि?

- (A) ई केवल व्यापारिक हिसाब-किताबक नाम अछि
- (B) लोकजीवनमे आजुओ गाओल, कहल आ खेलल जाएबला धारा
- (C) ई केवल छापल ग्रंथक पन्ना-संख्या गिनबाक विधि अछि
- (D) ई लोकजीवनसँ पूर्णतः असंबद्ध विषय अछि

४५. जँ प्रश्न जीवित परम्परा पर हो, त सही उत्तर कोन हएत?

- (A) ई परम्परा नहि, केवल क्षणिक बाजारू खेल अछि
- (B) ई केवल आधुनिक दफ्तरक नियम-पुस्तक अछि
- (C) ई गीत, कथा आ समाजसँ कोनो सम्बन्ध नहि राखैत अछि
- (D) लोकजीवनमे आजुओ गाओल, कहल आ खेलल जाएबला धारा

४६. श्रुति आ स्मृतिक सही अर्थ की अछि?

- (A) ई सामुदायिक अनुभव नहि, केवल निजी सजावट अछि
- (B) ई गीत, कथा आ समाजसँ कोनो सम्बन्ध नहि राखैत अछि
- (C) सुनि कऽ याद राखब आ फेर सुनायब
- (D) ई लोकजीवनसँ पूर्णतः असंबद्ध विषय अछि

४७. मैथिली लोकसाहित्यमे श्रुति आ स्मृति किएक महत्त्वपूर्ण अछि?

- (A) ई बोली आ स्मृतिसँ अलग, निर्जीव संकेत मात्र अछि
- (B) ई गीत, कथा आ समाजसँ कोनो सम्बन्ध नहि राखैत अछि
- (C) सुनि कऽ याद राखब आ फेर सुनायब
- (D) ई लोकजीवनसँ पूर्णतः असंबद्ध विषय अछि

४८. श्रुति आ स्मृति संबंधमे कोन कथन ठीक अछि?

- (A) ई परम्परा नहि, केवल क्षणिक बाजारू खेल अछि
- (B) ई गीत, कथा आ समाजसँ कोनो सम्बन्ध नहि राखैत अछि
- (C) ई केवल छापल ग्रंथक पन्ना-संख्या गिनबाक विधि अछि
- (D) सुनि कऽ याद राखब आ फेर सुनायब

४९. श्रुति आ स्मृति कें चिन्हबाक मुख्य आधार की अछि?

- (A) ई परम्परा नहि, केवल क्षणिक बाजारू खेल अछि
- (B) ई केवल छापल ग्रंथक पन्ना-संख्या गिनबाक विधि अछि
- (C) ई केवल राजदरबारक कर-विवरण मात्र अछि
- (D) सुनि कऽ याद राखब आ फेर सुनायब

५०. जँ प्रश्न श्रुति आ स्मृति पर हो, त सही उत्तर कोन हएत?

- (A) सुनि कऽ याद राखब आ फेर सुनायब
- (B) ई गीत, कथा आ समाजसँ कोनो सम्बन्ध नहि राखैत अछि
- (C) ई केवल व्यापारिक हिसाब-किताबक नाम अछि
- (D) ई केवल आधुनिक दफ्तरक नियम-पुस्तक अछि

५१. प्रदर्शनधर्मिताक सही अर्थ की अछि?

- (A) ई ग्रामीण परिवेशकें हटाकऽ बनल कृत्रिम अभ्यास अछि
- (B) गान, कथन, अभिनय, नृत्य आ श्रोता-संवादक मेल
- (C) ई केवल आधुनिक दफ्तरक नियम-पुस्तक अछि
- (D) ई केवल व्यापारिक हिसाब-किताबक नाम अछि

५२. मैथिली लोकसाहित्यमे प्रदर्शनधर्मिता किएक महत्त्वपूर्ण अछि?

- (A) ई केवल व्यापारिक हिसाब-किताबक नाम अछि
- (B) ई बोली आ स्मृतिसँ अलग, निर्जीव संकेत मात्र अछि
- (C) ई ग्रामीण परिवेशकें हटाकऽ बनल कृत्रिम अभ्यास अछि
- (D) गान, कथन, अभिनय, नृत्य आ श्रोता-संवादक मेल

५३. प्रदर्शनधर्मिता संबंधमे कोन कथन ठीक अछि?

- (A) गान, कथन, अभिनय, नृत्य आ श्रोता-संवादक मेल
- (B) ई सामुदायिक अनुभव नहि, केवल निजी सजावट अछि
- (C) ई केवल आधुनिक दफ्तरक नियम-पुस्तक अछि
- (D) ई केवल राजदरबारक कर-विवरण मात्र अछि

५४. प्रदर्शनधर्मिता कें चिन्हबाक मुख्य आधार की अछि?

- (A) ई केवल राजदरबारक कर-विवरण मात्र अछि
- (B) ई केवल आधुनिक दफ्तरक नियम-पुस्तक अछि
- (C) ई केवल छापल ग्रंथक पन्ना-संख्या गिनबाक विधि अछि
- (D) गान, कथन, अभिनय, नृत्य आ श्रोता-संवादक मेल

५५. जँ प्रश्न प्रदर्शनधर्मिता पर हो, त सही उत्तर कोन हएत?

- (A) ई ग्रामीण परिवेशकें हटाकऽ बनल कृत्रिम अभ्यास अछि
- (B) ई केवल छापल ग्रंथक पन्ना-संख्या गिनबाक विधि अछि
- (C) गान, कथन, अभिनय, नृत्य आ श्रोता-संवादक मेल
- (D) ई बोली आ स्मृतिसँ अलग, निर्जीव संकेत मात्र अछि

५६. लोकविश्वासक सही अर्थ की अछि?

- (A) ई बोली आ स्मृतिसँ अलग, निर्जीव संकेत मात्र अछि
- (B) देवता, प्रकृति, शकुन, रीति आ अनुभव पर आधारित मान्यता
- (C) ई केवल आधुनिक दफ्तरक नियम-पुस्तक अछि
- (D) ई गीत, कथा आ समाजसँ कोनो सम्बन्ध नहि राखैत अछि

५७. मैथिली लोकसाहित्यमे लोकविश्वास किएक महत्त्वपूर्ण अछि?

- (A) ई केवल छापल ग्रंथक पन्ना-संख्या गिनबाक विधि अछि
- (B) देवता, प्रकृति, शकुन, रीति आ अनुभव पर आधारित मान्यता
- (C) ई केवल राजदरबारक कर-विवरण मात्र अछि
- (D) ई परम्परा नहि, केवल क्षणिक बाजारू खेल अछि

५८. लोकविश्वास संबंधमे कोन कथन ठीक अछि?

- (A) ई ग्रामीण परिवेशकें हटाकऽ बनल कृत्रिम अभ्यास अछि
- (B) देवता, प्रकृति, शकुन, रीति आ अनुभव पर आधारित मान्यता
- (C) ई लोकजीवनसँ पूर्णतः असंबद्ध विषय अछि
- (D) ई सामुदायिक अनुभव नहि, केवल निजी सजावट अछि

५९. लोकविश्वास केँ चिन्हबाक मुख्य आधार की अछि?

- (A) देवता, प्रकृति, शकुन, रीति आ अनुभव पर आधारित मान्यता
- (B) ई केवल व्यापारिक हिसाब-किताबक नाम अछि
- (C) ई केवल राजदरबारक कर-विवरण मात्र अछि
- (D) ई बोली आ स्मृतिसँ अलग, निर्जीव संकेत मात्र अछि

६०. जँ प्रश्न लोकविश्वास पर हो, त सही उत्तर कोन हएत?

- (A) देवता, प्रकृति, शकुन, रीति आ अनुभव पर आधारित मान्यता
- (B) ई गीत, कथा आ समाजसँ कोनो सम्बन्ध नहि राखैत अछि
- (C) ई लोकजीवनसँ पूर्णतः असंबद्ध विषय अछि
- (D) ई केवल राजदरबारक कर-विवरण मात्र अछि

६१. सांस्कृतिक पहचानक सही अर्थ की अछि?

- (A) गाम, जाति, क्षेत्र आ भाषा-समाजक विशिष्ट चिन्ह
- (B) ई ग्रामीण परिवेशकें हटाकऽ बनल कृत्रिम अभ्यास अछि
- (C) ई लोकजीवनसँ पूर्णतः असंबद्ध विषय अछि
- (D) ई सामुदायिक अनुभव नहि, केवल निजी सजावट अछि

६२. मैथिली लोकसाहित्यमे सांस्कृतिक पहचान किएक महत्त्वपूर्ण अछि?

- (A) गाम, जाति, क्षेत्र आ भाषा-समाजक विशिष्ट चिन्ह
- (B) ई केवल व्यापारिक हिसाब-किताबक नाम अछि
- (C) ई परम्परा नहि, केवल क्षणिक बाजारू खेल अछि
- (D) ई केवल राजदरबारक कर-विवरण मात्र अछि

६३. सांस्कृतिक पहचान संबंधमे कोन कथन ठीक अछि?

- (A) ई केवल राजदरबारक कर-विवरण मात्र अछि
- (B) ई गीत, कथा आ समाजसँ कोनो सम्बन्ध नहि राखैत अछि
- (C) गाम, जाति, क्षेत्र आ भाषा-समाजक विशिष्ट चिन्ह
- (D) ई परम्परा नहि, केवल क्षणिक बाजारू खेल अछि

६४. सांस्कृतिक पहचान केँ चिन्हबाक मुख्य आधार की अछि?

- (A) ई लोकजीवनसँ पूर्णतः असंबद्ध विषय अछि
- (B) ई केवल आधुनिक दफ्तरक नियम-पुस्तक अछि
- (C) गाम, जाति, क्षेत्र आ भाषा-समाजक विशिष्ट चिन्ह
- (D) ई ग्रामीण परिवेशकें हटाकऽ बनल कृत्रिम अभ्यास अछि

६५. जँ प्रश्न सांस्कृतिक पहचान पर हो, त सही उत्तर कोन हएत?

- (A) ई ग्रामीण परिवेशकेँ हटाकऽ बनल कृत्रिम अभ्यास अछि
- (B) ई केवल व्यापारिक हिसाब-किताबक नाम अछि
- (C) ई केवल आधुनिक दफ्तरक नियम-पुस्तक अछि
- (D) गाम, जाति, क्षेत्र आ भाषा-समाजक विशिष्ट चिन्ह

६६. नैतिक शिक्षाक सही अर्थ की अछि?

- (A) कथा, कहावत आ गीत द्वारा व्यवहारक सीख देब
- (B) ई लोकजीवनसँ पूर्णतः असंबद्ध विषय अछि
- (C) ई परम्परा नहि, केवल क्षणिक बाजारू खेल अछि
- (D) ई सामुदायिक अनुभव नहि, केवल निजी सजावट अछि

६७. मैथिली लोकसाहित्यमे नैतिक शिक्षा किएक महत्त्वपूर्ण अछि?

- (A) ई बोली आ स्मृतिसँ अलग, निर्जीव संकेत मात्र अछि
- (B) कथा, कहावत आ गीत द्वारा व्यवहारक सीख देब
- (C) ई केवल छापल ग्रंथक पन्ना-संख्या गिनबाक विधि अछि
- (D) ई केवल व्यापारिक हिसाब-किताबक नाम अछि

६८. नैतिक शिक्षा संबंधमे कोन कथन ठीक अछि?

- (A) ई केवल आधुनिक दफ्तरक नियम-पुस्तक अछि
- (B) ई केवल व्यापारिक हिसाब-किताबक नाम अछि
- (C) ई सामुदायिक अनुभव नहि, केवल निजी सजावट अछि
- (D) कथा, कहावत आ गीत द्वारा व्यवहारक सीख देब

६९. नैतिक शिक्षा केँ चिन्हबाक मुख्य आधार की अछि?

- (A) ई केवल व्यापारिक हिसाब-किताबक नाम अछि
- (B) ई केवल राजदरबारक कर-विवरण मात्र अछि
- (C) ई परम्परा नहि, केवल क्षणिक बाजारू खेल अछि
- (D) कथा, कहावत आ गीत द्वारा व्यवहारक सीख देब

७०. जँ प्रश्न नैतिक शिक्षा पर हो, त सही उत्तर कोन हएत?

- (A) ई सामुदायिक अनुभव नहि, केवल निजी सजावट अछि
- (B) कथा, कहावत आ गीत द्वारा व्यवहारक सीख देब
- (C) ई केवल छापल ग्रंथक पन्ना-संख्या गिनबाक विधि अछि
- (D) ई बोली आ स्मृतिसँ अलग, निर्जीव संकेत मात्र अछि

७१. जीवन-चक्रक सही अर्थ की अछि?

- (A) ई केवल आधुनिक दफ्तरक नियम-पुस्तक अछि
- (B) ई केवल राजदरबारक कर-विवरण मात्र अछि
- (C) जन्मसँ मृत्यु धरि लोकरीति आ गीतक क्रम
- (D) ई परम्परा नहि, केवल क्षणिक बाजारू खेल अछि

७२. मैथिली लोकसाहित्यमे जीवन-चक्र किएक महत्त्वपूर्ण अछि?

- (A) ई परम्परा नहि, केवल क्षणिक बाजारू खेल अछि
- (B) ई केवल छापल ग्रंथक पन्ना-संख्या गिनबाक विधि अछि
- (C) ई लोकजीवनसँ पूर्णतः असंबद्ध विषय अछि
- (D) जन्मसँ मृत्यु धरि लोकरीति आ गीतक क्रम

७३. जीवन-चक्र संबंधमे कोन कथन ठीक अछि?

- (A) जन्मसँ मृत्यु धरि लोकरीति आ गीतक क्रम
- (B) ई सामुदायिक अनुभव नहि, केवल निजी सजावट अछि
- (C) ई लोकजीवनसँ पूर्णतः असंबद्ध विषय अछि
- (D) ई परम्परा नहि, केवल क्षणिक बाजारू खेल अछि

७४. जीवन-चक्र केँ चिन्हबाक मुख्य आधार की अछि?

- (A) ई लोकजीवनसँ पूर्णतः असंबद्ध विषय अछि
- (B) ई बोली आ स्मृतिसँ अलग, निर्जीव संकेत मात्र अछि
- (C) ई केवल आधुनिक दफ्तरक नियम-पुस्तक अछि
- (D) जन्मसँ मृत्यु धरि लोकरीति आ गीतक क्रम

७५. जँ प्रश्न जीवन-चक्र पर हो, त सही उत्तर कोन हएत?

- (A) जन्मसँ मृत्यु धरि लोकरीति आ गीतक क्रम
- (B) ई सामुदायिक अनुभव नहि, केवल निजी सजावट अछि
- (C) ई केवल छापल ग्रंथक पन्ना-संख्या गिनबाक विधि अछि
- (D) ई ग्रामीण परिवेशकेँ हटाकऽ बनल कृत्रिम अभ्यास अछि

७६. उत्सवधर्मिताक सही अर्थ की अछि?

- (A) ई सामुदायिक अनुभव नहि, केवल निजी सजावट अछि
- (B) पर्व, मेला, विवाह आ सामूहिक आनन्दसँ जुड़ल रूप
- (C) ई बोली आ स्मृतिसँ अलग, निर्जीव संकेत मात्र अछि
- (D) ई ग्रामीण परिवेशकेँ हटाकऽ बनल कृत्रिम अभ्यास अछि

७७. मैथिली लोकसाहित्यमे उत्सवधर्मिता किएक महत्त्वपूर्ण अछि?

- (A) ई ग्रामीण परिवेशकेँ हटाकऽ बनल कृत्रिम अभ्यास अछि
- (B) पर्व, मेला, विवाह आ सामूहिक आनन्दसँ जुड़ल रूप
- (C) ई केवल राजदरबारक कर-विवरण मात्र अछि
- (D) ई केवल व्यापारिक हिसाब-किताबक नाम अछि

७८. उत्सवधर्मिता संबंधमे कोन कथन ठीक अछि?

- (A) ई सामुदायिक अनुभव नहि, केवल निजी सजावट अछि
- (B) पर्व, मेला, विवाह आ सामूहिक आनन्दसँ जुड़ल रूप
- (C) ई ग्रामीण परिवेशकेँ हटाकऽ बनल कृत्रिम अभ्यास अछि
- (D) ई गीत, कथा आ समाजसँ कोनो सम्बन्ध नहि राखैत अछि

७९. उत्सवधर्मिता केँ चिन्हबाक मुख्य आधार की अछि?

- (A) पर्व, मेला, विवाह आ सामूहिक आनन्दसँ जुड़ल रूप
- (B) ई गीत, कथा आ समाजसँ कोनो सम्बन्ध नहि राखैत अछि
- (C) ई परम्परा नहि, केवल क्षणिक बाजारू खेल अछि
- (D) ई केवल व्यापारिक हिसाब-किताबक नाम अछि

८०. जँ प्रश्न उत्सवधर्मिता पर हो, त सही उत्तर कोन हएत?

- (A) ई ग्रामीण परिवेशकेँ हटाकऽ बनल कृत्रिम अभ्यास अछि
- (B) ई गीत, कथा आ समाजसँ कोनो सम्बन्ध नहि राखैत अछि
- (C) ई लोकजीवनसँ पूर्णतः असंबद्ध विषय अछि
- (D) पर्व, मेला, विवाह आ सामूहिक आनन्दसँ जुड़ल रूप

८१. श्रम-संस्कृतिक सही अर्थ की अछि?

- (A) ई केवल छापल ग्रंथक पन्ना-संख्या गिनबाक विधि अछि
- (B) ई केवल राजदरबारक कर-विवरण मात्र अछि
- (C) ई ग्रामीण परिवेशकेँ हटाकऽ बनल कृत्रिम अभ्यास अछि
- (D) खेती, जाँत, चरखा, नाव, गोरु आ मेहनतक गीत-संसार

८२. मैथिली लोकसाहित्यमे श्रम-संस्कृति किएक महत्त्वपूर्ण अछि?

- (A) ई केवल व्यापारिक हिसाब-किताबक नाम अछि
- (B) खेती, जाँत, चरखा, नाव, गोरु आ मेहनतक गीत-संसार
- (C) ई परम्परा नहि, केवल क्षणिक बाजारू खेल अछि
- (D) ई केवल छापल ग्रंथक पन्ना-संख्या गिनबाक विधि अछि

८३. श्रम-संस्कृति संबंधमे कोन कथन ठीक अछि?

- (A) ई केवल व्यापारिक हिसाब-किताबक नाम अछि
- (B) ई परम्परा नहि, केवल क्षणिक बाजारू खेल अछि
- (C) खेती, जाँत, चरखा, नाव, गोरु आ मेहनतक गीत-संसार
- (D) ई केवल आधुनिक दफ्तरक नियम-पुस्तक अछि

८४. श्रम-संस्कृति केँ चिन्हबाक मुख्य आधार की अछि?

- (A) ई गीत, कथा आ समाजसँ कोनो सम्बन्ध नहि राखैत अछि
- (B) खेती, जाँत, चरखा, नाव, गोरु आ मेहनतक गीत-संसार
- (C) ई केवल आधुनिक दफ्तरक नियम-पुस्तक अछि
- (D) ई सामुदायिक अनुभव नहि, केवल निजी सजावट अछि

८५. जँ प्रश्न श्रम-संस्कृति पर हो, त सही उत्तर कोन हएत?

- (A) ई ग्रामीण परिवेशकेँ हटाकऽ बनल कृत्रिम अभ्यास अछि
- (B) ई केवल छापल ग्रंथक पन्ना-संख्या गिनबाक विधि अछि
- (C) खेती, जाँत, चरखा, नाव, गोरु आ मेहनतक गीत-संसार
- (D) ई बोली आ स्मृतिसँ अलग, निर्जीव संकेत मात्र अछि

८६. स्त्री-स्वरक सही अर्थ की अछि?

- (A) माय, बेटी, बहिन, कनिया आ गृहिणीक अनुभवक अभिव्यक्ति
- (B) ई केवल छापल ग्रंथक पन्ना-संख्या गिनबाक विधि अछि
- (C) ई ग्रामीण परिवेशकेँ हटाकऽ बनल कृत्रिम अभ्यास अछि
- (D) ई केवल व्यापारिक हिसाब-किताबक नाम अछि

८७. मैथिली लोकसाहित्यमे स्त्री-स्वर किएक महत्त्वपूर्ण अछि?

- (A) माय, बेटी, बहिन, कनिया आ गृहिणीक अनुभवक अभिव्यक्ति
- (B) ई केवल राजदरबारक कर-विवरण मात्र अछि
- (C) ई केवल छापल ग्रंथक पन्ना-संख्या गिनबाक विधि अछि
- (D) ई ग्रामीण परिवेशकेँ हटाकऽ बनल कृत्रिम अभ्यास अछि

८८. स्त्री-स्वर संबंधमे कोन कथन ठीक अछि?

- (A) ई गीत, कथा आ समाजसँ कोनो सम्बन्ध नहि राखैत अछि
- (B) ई केवल छापल ग्रंथक पन्ना-संख्या गिनबाक विधि अछि
- (C) ई परम्परा नहि, केवल क्षणिक बाजारू खेल अछि
- (D) माय, बेटी, बहिन, कनिया आ गृहिणीक अनुभवक अभिव्यक्ति

८९. स्त्री-स्वर के चिह्नबाक मुख्य आधार की अछि?

- (A) ई बोली आ स्मृतिसँ अलग, निर्जीव संकेत मात्र अछि
- (B) माय, बेटी, बहिन, कनिया आ गृहिणीक अनुभवक अभिव्यक्ति
- (C) ई केवल आधुनिक दफ्तरक नियम-पुस्तक अछि
- (D) ई केवल राजदरबारक कर-विवरण मात्र अछि

९०. जँ प्रश्न स्त्री-स्वर पर हो, त सही उत्तर कोन हएत?

- (A) ई गीत, कथा आ समाजसँ कोनो सम्बन्ध नहि राखैत अछि
- (B) ई सामुदायिक अनुभव नहि, केवल निजी सजावट अछि
- (C) माय, बेटी, बहिन, कनिया आ गृहिणीक अनुभवक अभिव्यक्ति
- (D) ई केवल व्यापारिक हिसाब-किताबक नाम अछि

९१. लोक-इतिहासक सही अर्थ की अछि?

- (A) ई सामुदायिक अनुभव नहि, केवल निजी सजावट अछि
- (B) ई बोली आ स्मृतिसँ अलग, निर्जीव संकेत मात्र अछि
- (C) राजा-महाराजा मात्र नहि, साधारण जनक स्मृति आ अनुभव
- (D) ई लोकजीवनसँ पूर्णतः असंबद्ध विषय अछि

९२. मैथिली लोकसाहित्यमे लोक-इतिहास किएक महत्त्वपूर्ण अछि?

- (A) ई परम्परा नहि, केवल क्षणिक बाजारू खेल अछि
- (B) राजा-महाराजा मात्र नहि, साधारण जनक स्मृति आ अनुभव
- (C) ई बोली आ स्मृतिसँ अलग, निर्जीव संकेत मात्र अछि
- (D) ई केवल छापल ग्रंथक पन्ना-संख्या गिनबाक विधि अछि

९३. लोक-इतिहास संबंधमे कोन कथन ठीक अछि?

- (A) राजा-महाराजा मात्र नहि, साधारण जनक स्मृति आ अनुभव
- (B) ई गीत, कथा आ समाजसँ कोनो सम्बन्ध नहि राखैत अछि
- (C) ई बोली आ स्मृतिसँ अलग, निर्जीव संकेत मात्र अछि
- (D) ई सामुदायिक अनुभव नहि, केवल निजी सजावट अछि

९४. लोक-इतिहास के चिह्नबाक मुख्य आधार की अछि?

- (A) ई गीत, कथा आ समाजसँ कोनो सम्बन्ध नहि राखैत अछि
- (B) राजा-महाराजा मात्र नहि, साधारण जनक स्मृति आ अनुभव
- (C) ई केवल छापल ग्रंथक पन्ना-संख्या गिनबाक विधि अछि
- (D) ई केवल राजदरबारक कर-विवरण मात्र अछि

९५. जँ प्रश्न लोक-इतिहास पर हो, त सही उत्तर कोन हएत?

- (A) ई ग्रामीण परिवेशकेँ हटाकऽ बनल कृत्रिम अभ्यास अछि
- (B) ई केवल आधुनिक दफ्तरक नियम-पुस्तक अछि
- (C) ई केवल व्यापारिक हिसाब-किताबक नाम अछि
- (D) राजा-महाराजा मात्र नहि, साधारण जनक स्मृति आ अनुभव

९६. संकलनक सावधानीक सही अर्थ की अछि?

- (A) ई केवल राजदरबारक कर-विवरण मात्र अछि
- (B) ई सामुदायिक अनुभव नहि, केवल निजी सजावट अछि
- (C) ई परम्परा नहि, केवल क्षणिक बाजारू खेल अछि
- (D) गायक, प्रसंग, स्थान आ रूपांतर सहित अभिलेखन

९७. मैथिली लोकसाहित्यमे संकलनक सावधानी किएक महत्त्वपूर्ण अछि?

- (A) गायक, प्रसंग, स्थान आ रूपांतर सहित अभिलेखन
- (B) ई गीत, कथा आ समाजसँ कोनो सम्बन्ध नहि राखैत अछि
- (C) ई केवल छापल ग्रंथक पन्ना-संख्या गिनबाक विधि अछि
- (D) ई केवल व्यापारिक हिसाब-किताबक नाम अछि

९८. संकलनक सावधानी संबंधमे कोन कथन ठीक अछि?

- (A) ई ग्रामीण परिवेशकें हटाकऽ बनल कृत्रिम अभ्यास अछि
- (B) गायक, प्रसंग, स्थान आ रूपांतर सहित अभिलेखन
- (C) ई केवल आधुनिक दफ्तरक नियम-पुस्तक अछि
- (D) ई सामुदायिक अनुभव नहि, केवल निजी सजावट अछि

९९. संकलनक सावधानी केँ चिन्हबाक मुख्य आधार की अछि?

- (A) गायक, प्रसंग, स्थान आ रूपांतर सहित अभिलेखन
- (B) ई केवल राजदरबारक कर-विवरण मात्र अछि
- (C) ई सामुदायिक अनुभव नहि, केवल निजी सजावट अछि
- (D) ई बोली आ स्मृतिसँ अलग, निर्जीव संकेत मात्र अछि

१००. जँ प्रश्न संकलनक सावधानी पर हो, त सही उत्तर कोन हएत?

- (A) ई केवल राजदरबारक कर-विवरण मात्र अछि
- (B) ई परम्परा नहि, केवल क्षणिक बाजारू खेल अछि
- (C) गायक, प्रसंग, स्थान आ रूपांतर सहित अभिलेखन
- (D) ई ग्रामीण परिवेशकें हटाकऽ बनल कृत्रिम अभ्यास अछि

संस्कार गीत आ परिवार

१०१. सोहरक सही अर्थ की अछि?

- (A) जन्मक अवसर पर गाओल जाएबला मंगल गीत
- (B) ई ग्रामीण परिवेशकें हटाकऽ बनल कृत्रिम अभ्यास अछि
- (C) ई परम्परा नहि, केवल क्षणिक बाजारू खेल अछि
- (D) ई केवल व्यापारिक हिसाब-किताबक नाम अछि

१०२. मैथिली लोकसाहित्यमे सोहर किएक महत्त्वपूर्ण अछि?

- (A) ई केवल आधुनिक दफ्तरक नियम-पुस्तक अछि
- (B) ई केवल छापल ग्रंथक पन्ना-संख्या गिनबाक विधि अछि
- (C) ई गीत, कथा आ समाजसँ कोनो सम्बन्ध नहि राखैत अछि
- (D) जन्मक अवसर पर गाओल जाएबला मंगल गीत

१०३. सोहर संबंधमे कोन कथन ठीक अछि?

- (A) ई केवल व्यापारिक हिसाब-किताबक नाम अछि
- (B) ई ग्रामीण परिवेशकें हटाकऽ बनल कृत्रिम अभ्यास अछि
- (C) ई केवल आधुनिक दफ्तरक नियम-पुस्तक अछि
- (D) जन्मक अवसर पर गाओल जाएबला मंगल गीत

१०४. सोहर केँ चिन्हबाक मुख्य आधार की अछि?

- (A) ई केवल राजदरबारक कर-विवरण मात्र अछि
- (B) जन्मक अवसर पर गाओल जाएबला मंगल गीत
- (C) ई परम्परा नहि, केवल क्षणिक बाजारू खेल अछि
- (D) ई गीत, कथा आ समाजसँ कोनो सम्बन्ध नहि राखैत अछि

१०५. जँ प्रश्न सोहर पर हो, त सही उत्तर कोन हएत?

- (A) जन्मक अवसर पर गाओल जाएबला मंगल गीत
- (B) ई केवल आधुनिक दफ्तरक नियम-पुस्तक अछि
- (C) ई बोली आ स्मृतिसँ अलग, निर्जीव संकेत मात्र अछि
- (D) ई परम्परा नहि, केवल क्षणिक बाजारू खेल अछि

१०६. छठिहार गीतक सही अर्थ की अछि?

- (A) ई सामुदायिक अनुभव नहि, केवल निजी सजावट अछि
- (B) जन्मक छठम दिनक लोकरीति आ मंगलकामना सँ जुड़ल गीत
- (C) ई बोली आ स्मृतिसँ अलग, निर्जीव संकेत मात्र अछि
- (D) ई परम्परा नहि, केवल क्षणिक बाजारू खेल अछि

१०७. मैथिली लोकसाहित्यमे छठिहार गीत किएक महत्त्वपूर्ण अछि?

- (A) ई केवल आधुनिक दफ्तरक नियम-पुस्तक अछि
- (B) ई केवल छापल ग्रंथक पन्ना-संख्या गिनबाक विधि अछि
- (C) जन्मक छठम दिनक लोकरीति आ मंगलकामना सँ जुड़ल गीत
- (D) ई ग्रामीण परिवेशकेँ हटाकऽ बनल कृत्रिम अभ्यास अछि

१०८. छठिहार गीत संबंधमे कोन कथन ठीक अछि?

- (A) ई केवल छापल ग्रंथक पन्ना-संख्या गिनबाक विधि अछि
- (B) ई केवल आधुनिक दफ्तरक नियम-पुस्तक अछि
- (C) जन्मक छठम दिनक लोकरीति आ मंगलकामना सँ जुड़ल गीत
- (D) ई केवल राजदरबारक कर-विवरण मात्र अछि

१०९. छठिहार गीत केँ चिन्हबाक मुख्य आधार की अछि?

- (A) ई परम्परा नहि, केवल क्षणिक बाजारू खेल अछि
- (B) ई बोली आ स्मृतिसँ अलग, निर्जीव संकेत मात्र अछि
- (C) ई ग्रामीण परिवेशकेँ हटाकऽ बनल कृत्रिम अभ्यास अछि
- (D) जन्मक छठम दिनक लोकरीति आ मंगलकामना सँ जुड़ल गीत

११०. जँ प्रश्न छठिहार गीत पर हो, त सही उत्तर कोन हएत?

- (A) ई बोली आ स्मृतिसँ अलग, निर्जीव संकेत मात्र अछि
- (B) ई केवल राजदरबारक कर-विवरण मात्र अछि
- (C) ई सामुदायिक अनुभव नहि, केवल निजी सजावट अछि
- (D) जन्मक छठम दिनक लोकरीति आ मंगलकामना सँ जुड़ल गीत

१११. बरही गीतक सही अर्थ की अछि?

- (A) जन्मक बारहम दिनक संस्कार आ सामाजिक मिलनक गीत
- (B) ई केवल छापल ग्रंथक पन्ना-संख्या गिनबाक विधि अछि
- (C) ई केवल राजदरबारक कर-विवरण मात्र अछि
- (D) ई सामुदायिक अनुभव नहि, केवल निजी सजावट अछि

११२. मैथिली लोकसाहित्यमे बरही गीत किएक महत्त्वपूर्ण अछि?

- (A) जन्मक बारहम दिनक संस्कार आ सामाजिक मिलनक गीत
- (B) ई बोली आ स्मृतिसँ अलग, निर्जीव संकेत मात्र अछि
- (C) ई केवल छापल ग्रंथक पन्ना-संख्या गिनबाक विधि अछि
- (D) ई ग्रामीण परिवेशकेँ हटाकऽ बनल कृत्रिम अभ्यास अछि

११३. बरही गीत संबंधमे कोन कथन ठीक अछि?

- (A) ई परम्परा नहि, केवल क्षणिक बाजारू खेल अछि
- (B) जन्मक बारहम दिनक संस्कार आ सामाजिक मिलनक गीत
- (C) ई सामुदायिक अनुभव नहि, केवल निजी सजावट अछि
- (D) ई ग्रामीण परिवेशकें हटाकऽ बनल कृत्रिम अभ्यास अछि

११४. बरही गीत केँ चिन्हबाक मुख्य आधार की अछि?

- (A) जन्मक बारहम दिनक संस्कार आ सामाजिक मिलनक गीत
- (B) ई केवल छापल ग्रंथक पन्ना-संख्या गिनबाक विधि अछि
- (C) ई गीत, कथा आ समाजसँ कोनो सम्बन्ध नहि राखैत अछि
- (D) ई परम्परा नहि, केवल क्षणिक बाजारू खेल अछि

११५. जँ प्रश्न बरही गीत पर हो, त सही उत्तर कोन हएत?

- (A) ई केवल व्यापारिक हिसाब-किताबक नाम अछि
- (B) ई सामुदायिक अनुभव नहि, केवल निजी सजावट अछि
- (C) जन्मक बारहम दिनक संस्कार आ सामाजिक मिलनक गीत
- (D) ई ग्रामीण परिवेशकें हटाकऽ बनल कृत्रिम अभ्यास अछि

११६. मुंडन गीतक सही अर्थ की अछि?

- (A) ई लोकजीवनसँ पूर्णतः असंबद्ध विषय अछि
- (B) शिशुक पहिल केश-छेदन संस्कारक अवसरक गीत
- (C) ई केवल आधुनिक दफ्तरक नियम-पुस्तक अछि
- (D) ई केवल छापल ग्रंथक पन्ना-संख्या गिनबाक विधि अछि

११७. मैथिली लोकसाहित्यमे मुंडन गीत किएक महत्त्वपूर्ण अछि?

- (A) शिशुक पहिल केश-छेदन संस्कारक अवसरक गीत
- (B) ई बोली आ स्मृतिसँ अलग, निर्जीव संकेत मात्र अछि
- (C) ई गीत, कथा आ समाजसँ कोनो सम्बन्ध नहि राखैत अछि
- (D) ई परम्परा नहि, केवल क्षणिक बाजारू खेल अछि

११८. मुंडन गीत संबंधमे कोन कथन ठीक अछि?

- (A) ई गीत, कथा आ समाजसँ कोनो सम्बन्ध नहि राखैत अछि
- (B) ई बोली आ स्मृतिसँ अलग, निर्जीव संकेत मात्र अछि
- (C) ई केवल छापल ग्रंथक पन्ना-संख्या गिनबाक विधि अछि
- (D) शिशुक पहिल केश-छेदन संस्कारक अवसरक गीत

११९. मुंडन गीत केँ चिन्हबाक मुख्य आधार की अछि?

- (A) शिशुक पहिल केश-छेदन संस्कारक अवसरक गीत
- (B) ई परम्परा नहि, केवल क्षणिक बाजारू खेल अछि
- (C) ई गीत, कथा आ समाजसँ कोनो सम्बन्ध नहि राखैत अछि
- (D) ई केवल व्यापारिक हिसाब-किताबक नाम अछि

१२०. जँ प्रश्न मुंडन गीत पर हो, त सही उत्तर कोन हएत?

- (A) ई केवल व्यापारिक हिसाब-किताबक नाम अछि
- (B) शिशुक पहिल केश-छेदन संस्कारक अवसरक गीत
- (C) ई ग्रामीण परिवेशकें हटाकऽ बनल कृत्रिम अभ्यास अछि
- (D) ई सामुदायिक अनुभव नहि, केवल निजी सजावट अछि

१२१. उपनयन गीतक सही अर्थ की अछि?

- (A) ई केवल आधुनिक दफ्तरक नियम-पुस्तक अछि
- (B) ई केवल व्यापारिक हिसाब-किताबक नाम अछि
- (C) जनेऊ वा शिक्षा-दीक्षा संस्कारसँ जुड़ल गान
- (D) ई सामुदायिक अनुभव नहि, केवल निजी सजावट अछि

१२२. मैथिली लोकसाहित्यमे उपनयन गीत किएक महत्त्वपूर्ण अछि?

- (A) ई परम्परा नहि, केवल क्षणिक बाजारू खेल अछि
- (B) ई लोकजीवनसँ पूर्णतः असंबद्ध विषय अछि
- (C) जनेऊ वा शिक्षा-दीक्षा संस्कारसँ जुड़ल गान
- (D) ई सामुदायिक अनुभव नहि, केवल निजी सजावट अछि

१२३. उपनयन गीत संबंधमे कोन कथन ठीक अछि?

- (A) ई परम्परा नहि, केवल क्षणिक बाजारू खेल अछि
- (B) ई केवल आधुनिक दफ्तरक नियम-पुस्तक अछि
- (C) जनेऊ वा शिक्षा-दीक्षा संस्कारसँ जुड़ल गान
- (D) ई ग्रामीण परिवेशकेँ हटाकऽ बनल कृत्रिम अभ्यास अछि

१२४. उपनयन गीत केँ चिन्हबाक मुख्य आधार की अछि?

- (A) ई केवल आधुनिक दफ्तरक नियम-पुस्तक अछि
- (B) जनेऊ वा शिक्षा-दीक्षा संस्कारसँ जुड़ल गान
- (C) ई परम्परा नहि, केवल क्षणिक बाजारू खेल अछि
- (D) ई ग्रामीण परिवेशकेँ हटाकऽ बनल कृत्रिम अभ्यास अछि

१२५. जँ प्रश्न उपनयन गीत पर हो, त सही उत्तर कोन हएत?

- (A) ई केवल राजदरबारक कर-विवरण मात्र अछि
- (B) ई परम्परा नहि, केवल क्षणिक बाजारू खेल अछि
- (C) जनेऊ वा शिक्षा-दीक्षा संस्कारसँ जुड़ल गान
- (D) ई बोली आ स्मृतिसँ अलग, निर्जीव संकेत मात्र अछि

१२६. विवाह गीतक सही अर्थ की अछि?

- (A) ई लोकजीवनसँ पूर्णतः असंबद्ध विषय अछि
- (B) लग्नसँ विदाई धरि विवाहक विभिन्न अवसरक गीत
- (C) ई केवल आधुनिक दफ्तरक नियम-पुस्तक अछि
- (D) ई केवल व्यापारिक हिसाब-किताबक नाम अछि

१२७. मैथिली लोकसाहित्यमे विवाह गीत किएक महत्त्वपूर्ण अछि?

- (A) ई लोकजीवनसँ पूर्णतः असंबद्ध विषय अछि
- (B) ई सामुदायिक अनुभव नहि, केवल निजी सजावट अछि
- (C) लग्नसँ विदाई धरि विवाहक विभिन्न अवसरक गीत
- (D) ई केवल आधुनिक दफ्तरक नियम-पुस्तक अछि

१२८. विवाह गीत संबंधमे कोन कथन ठीक अछि?

- (A) ई गीत, कथा आ समाजसँ कोनो सम्बन्ध नहि राखैत अछि
- (B) ई केवल राजदरबारक कर-विवरण मात्र अछि
- (C) लग्नसँ विदाई धरि विवाहक विभिन्न अवसरक गीत
- (D) ई केवल छापल ग्रंथक पन्ना-संख्या गिनबाक विधि अछि

१२९. विवाह गीत कें चिन्हबाक मुख्य आधार की अछि?

- (A) ई केवल आधुनिक दफ्तरक नियम-पुस्तक अछि
- (B) ई गीत, कथा आ समाजसँ कोनो सम्बन्ध नहि राखैत अछि
- (C) ई केवल राजदरबारक कर-विवरण मात्र अछि
- (D) लगनसँ विदाई धरि विवाहक विभिन्न अवसरक गीत

१३०. जँ प्रश्न विवाह गीत पर हो, त सही उत्तर कोन हएत?

- (A) ई केवल आधुनिक दफ्तरक नियम-पुस्तक अछि
- (B) लगनसँ विदाई धरि विवाहक विभिन्न अवसरक गीत
- (C) ई ग्रामीण परिवेशकें हटाकऽ बनल कृत्रिम अभ्यास अछि
- (D) ई बोली आ स्मृतिसँ अलग, निर्जीव संकेत मात्र अछि

१३१. मटकोर गीतक सही अर्थ की अछि?

- (A) ई सामुदायिक अनुभव नहि, केवल निजी सजावट अछि
- (B) ई केवल राजदरबारक कर-विवरण मात्र अछि
- (C) विवाहक तैयारीमे माटि, मंगल आ स्त्री-सामूहिकता सँ जुड़ल गीत
- (D) ई केवल आधुनिक दफ्तरक नियम-पुस्तक अछि

१३२. मैथिली लोकसाहित्यमे मटकोर गीत किएक महत्त्वपूर्ण अछि?

- (A) विवाहक तैयारीमे माटि, मंगल आ स्त्री-सामूहिकता सँ जुड़ल गीत
- (B) ई केवल छापल ग्रंथक पन्ना-संख्या गिनबाक विधि अछि
- (C) ई ग्रामीण परिवेशकें हटाकऽ बनल कृत्रिम अभ्यास अछि
- (D) ई केवल राजदरबारक कर-विवरण मात्र अछि

१३३. मटकोर गीत संबंधमे कोन कथन ठीक अछि?

- (A) ई केवल आधुनिक दफ्तरक नियम-पुस्तक अछि
- (B) विवाहक तैयारीमे माटि, मंगल आ स्त्री-सामूहिकता सँ जुड़ल गीत
- (C) ई लोकजीवनसँ पूर्णतः असंबद्ध विषय अछि
- (D) ई गीत, कथा आ समाजसँ कोनो सम्बन्ध नहि राखैत अछि

१३४. मटकोर गीत कें चिन्हबाक मुख्य आधार की अछि?

- (A) ई बोली आ स्मृतिसँ अलग, निर्जीव संकेत मात्र अछि
- (B) विवाहक तैयारीमे माटि, मंगल आ स्त्री-सामूहिकता सँ जुड़ल गीत
- (C) ई केवल छापल ग्रंथक पन्ना-संख्या गिनबाक विधि अछि
- (D) ई सामुदायिक अनुभव नहि, केवल निजी सजावट अछि

१३५. जँ प्रश्न मटकोर गीत पर हो, त सही उत्तर कोन हएत?

- (A) ई परम्परा नहि, केवल क्षणिक बाजारू खेल अछि
- (B) ई केवल व्यापारिक हिसाब-किताबक नाम अछि
- (C) ई केवल छापल ग्रंथक पन्ना-संख्या गिनबाक विधि अछि
- (D) विवाहक तैयारीमे माटि, मंगल आ स्त्री-सामूहिकता सँ जुड़ल गीत

१३६. कन्यादान प्रसंगक सही अर्थ की अछि?

- (A) ई केवल आधुनिक दफ्तरक नियम-पुस्तक अछि
- (B) बेटीक विवाहमे भाव, दायित्व आ करुणाक लोक-स्वर
- (C) ई सामुदायिक अनुभव नहि, केवल निजी सजावट अछि
- (D) ई केवल छापल ग्रंथक पन्ना-संख्या गिनबाक विधि अछि

१३७. मैथिली लोकसाहित्यमे कन्यादान प्रसंग किएक महत्त्वपूर्ण अछि?

- (A) बेटीक विवाहमे भाव, दायित्व आ करुणाक लोक-स्वर
- (B) ई केवल व्यापारिक हिसाब-किताबक नाम अछि
- (C) ई गीत, कथा आ समाजसँ कोनो सम्बन्ध नहि राखैत अछि
- (D) ई बोली आ स्मृतिसँ अलग, निर्जीव संकेत मात्र अछि

१३८. कन्यादान प्रसंग संबंधमे कोन कथन ठीक अछि?

- (A) ई सामुदायिक अनुभव नहि, केवल निजी सजावट अछि
- (B) ई परम्परा नहि, केवल क्षणिक बाजारू खेल अछि
- (C) बेटीक विवाहमे भाव, दायित्व आ करुणाक लोक-स्वर
- (D) ई बोली आ स्मृतिसँ अलग, निर्जीव संकेत मात्र अछि

१३९. कन्यादान प्रसंग केँ चिन्हबाक मुख्य आधार की अछि?

- (A) ई परम्परा नहि, केवल क्षणिक बाजारू खेल अछि
- (B) ई सामुदायिक अनुभव नहि, केवल निजी सजावट अछि
- (C) बेटीक विवाहमे भाव, दायित्व आ करुणाक लोक-स्वर
- (D) ई लोकजीवनसँ पूर्णतः असंबद्ध विषय अछि

१४०. जँ प्रश्न कन्यादान प्रसंग पर हो, त सही उत्तर कोन हएत?

- (A) ई बोली आ स्मृतिसँ अलग, निर्जीव संकेत मात्र अछि
- (B) ई केवल राजदरबारक कर-विवरण मात्र अछि
- (C) ई सामुदायिक अनुभव नहि, केवल निजी सजावट अछि
- (D) बेटीक विवाहमे भाव, दायित्व आ करुणाक लोक-स्वर

१४१. कोहबर गीतक सही अर्थ की अछि?

- (A) ई केवल छापल ग्रंथक पन्ना-संख्या गिनबाक विधि अछि
- (B) विवाहक कोहबर-घर, दाम्पत्य आ उर्वरता सँ जुड़ल गीत
- (C) ई बोली आ स्मृतिसँ अलग, निर्जीव संकेत मात्र अछि
- (D) ई गीत, कथा आ समाजसँ कोनो सम्बन्ध नहि राखैत अछि

१४२. मैथिली लोकसाहित्यमे कोहबर गीत किएक महत्त्वपूर्ण अछि?

- (A) विवाहक कोहबर-घर, दाम्पत्य आ उर्वरता सँ जुड़ल गीत
- (B) ई केवल राजदरबारक कर-विवरण मात्र अछि
- (C) ई परम्परा नहि, केवल क्षणिक बाजारू खेल अछि
- (D) ई ग्रामीण परिवेशकेँ हटाकऽ बनल कृत्रिम अभ्यास अछि

१४३. कोहबर गीत संबंधमे कोन कथन ठीक अछि?

- (A) विवाहक कोहबर-घर, दाम्पत्य आ उर्वरता सँ जुड़ल गीत
- (B) ई लोकजीवनसँ पूर्णतः असंबद्ध विषय अछि
- (C) ई बोली आ स्मृतिसँ अलग, निर्जीव संकेत मात्र अछि
- (D) ई केवल आधुनिक दफ्तरक नियम-पुस्तक अछि

१४४. कोहबर गीत केँ चिन्हबाक मुख्य आधार की अछि?

- (A) विवाहक कोहबर-घर, दाम्पत्य आ उर्वरता सँ जुड़ल गीत
- (B) ई बोली आ स्मृतिसँ अलग, निर्जीव संकेत मात्र अछि
- (C) ई परम्परा नहि, केवल क्षणिक बाजारू खेल अछि
- (D) ई गीत, कथा आ समाजसँ कोनो सम्बन्ध नहि राखैत अछि

१४५. जौ प्रश्न कोहबर गीत पर हो, त सही उत्तर कोन हएत?

- (A) विवाहक कोहबर-घर, दाम्पत्य आ उर्वरता सँ जुड़ल गीत
- (B) ई केवल छापल ग्रंथक पन्ना-संख्या गिनबाक विधि अछि
- (C) ई केवल राजदरबारक कर-विवरण मात्र अछि
- (D) ई सामुदायिक अनुभव नहि, केवल निजी सजावट अछि

१४६. समदाउनक सही अर्थ की अछि?

- (A) ई केवल राजदरबारक कर-विवरण मात्र अछि
- (B) ई परम्परा नहि, केवल क्षणिक बाजारू खेल अछि
- (C) विदाईक करुण लोकगीत जे माय-बेटीक बिछोह व्यक्त करैत अछि
- (D) ई सामुदायिक अनुभव नहि, केवल निजी सजावट अछि

१४७. मैथिली लोकसाहित्यमे समदाउन किएक महत्त्वपूर्ण अछि?

- (A) ई केवल छापल ग्रंथक पन्ना-संख्या गिनबाक विधि अछि
- (B) विदाईक करुण लोकगीत जे माय-बेटीक बिछोह व्यक्त करैत अछि
- (C) ई ग्रामीण परिवेशकेँ हटाकऽ बनल कृत्रिम अभ्यास अछि
- (D) ई परम्परा नहि, केवल क्षणिक बाजारू खेल अछि

१४८. समदाउन संबंधमे कोन कथन ठीक अछि?

- (A) ई सामुदायिक अनुभव नहि, केवल निजी सजावट अछि
- (B) ई परम्परा नहि, केवल क्षणिक बाजारू खेल अछि
- (C) विदाईक करुण लोकगीत जे माय-बेटीक बिछोह व्यक्त करैत अछि
- (D) ई ग्रामीण परिवेशकेँ हटाकऽ बनल कृत्रिम अभ्यास अछि

१४९. समदाउन केँ चिन्हबाक मुख्य आधार की अछि?

- (A) ई केवल राजदरबारक कर-विवरण मात्र अछि
- (B) विदाईक करुण लोकगीत जे माय-बेटीक बिछोह व्यक्त करैत अछि
- (C) ई केवल आधुनिक दफ्तरक नियम-पुस्तक अछि
- (D) ई बोली आ स्मृतिसँ अलग, निर्जीव संकेत मात्र अछि

१५०. जौ प्रश्न समदाउन पर हो, त सही उत्तर कोन हएत?

- (A) ई बोली आ स्मृतिसँ अलग, निर्जीव संकेत मात्र अछि
- (B) विदाईक करुण लोकगीत जे माय-बेटीक बिछोह व्यक्त करैत अछि
- (C) ई केवल आधुनिक दफ्तरक नियम-पुस्तक अछि
- (D) ई गीत, कथा आ समाजसँ कोनो सम्बन्ध नहि राखैत अछि

१५१. गारी गीतक सही अर्थ की अछि?

- (A) ई परम्परा नहि, केवल क्षणिक बाजारू खेल अछि
- (B) ई केवल व्यापारिक हिसाब-किताबक नाम अछि
- (C) विवाहमे हास्य-व्यंग्य आ नातेदारीक खुलल बोलीक गीत
- (D) ई केवल छापल ग्रंथक पन्ना-संख्या गिनबाक विधि अछि

१५२. मैथिली लोकसाहित्यमे गारी गीत किएक महत्त्वपूर्ण अछि?

- (A) विवाहमे हास्य-व्यंग्य आ नातेदारीक खुलल बोलीक गीत
- (B) ई केवल आधुनिक दफ्तरक नियम-पुस्तक अछि
- (C) ई बोली आ स्मृतिसँ अलग, निर्जीव संकेत मात्र अछि
- (D) ई केवल छापल ग्रंथक पन्ना-संख्या गिनबाक विधि अछि

१५३. गारी गीत संबंधमे कोन कथन ठीक अछि?

- (A) ई ग्रामीण परिवेशकेँ हटाकऽ बनल कृत्रिम अभ्यास अछि
- (B) ई लोकजीवनसँ पूर्णतः असंबद्ध विषय अछि
- (C) ई सामुदायिक अनुभव नहि, केवल निजी सजावट अछि
- (D) विवाहमे हास्य-व्यंग्य आ नातेदारीक खुलल बोलीक गीत

१५४. गारी गीत केँ चिन्हबाक मुख्य आधार की अछि?

- (A) ई लोकजीवनसँ पूर्णतः असंबद्ध विषय अछि
- (B) विवाहमे हास्य-व्यंग्य आ नातेदारीक खुलल बोलीक गीत
- (C) ई केवल व्यापारिक हिसाब-किताबक नाम अछि
- (D) ई केवल राजदरबारक कर-विवरण मात्र अछि

१५५. जँ प्रश्न गारी गीत पर हो, त सही उत्तर कोन हएत?

- (A) ई केवल व्यापारिक हिसाब-किताबक नाम अछि
- (B) ई सामुदायिक अनुभव नहि, केवल निजी सजावट अछि
- (C) विवाहमे हास्य-व्यंग्य आ नातेदारीक खुलल बोलीक गीत
- (D) ई बोली आ स्मृतिसँ अलग, निर्जीव संकेत मात्र अछि

१५६. नैहर-सासुर भावक सही अर्थ की अछि?

- (A) ई सामुदायिक अनुभव नहि, केवल निजी सजावट अछि
- (B) विवाह गीतमे मायके आ सासुरक बीच मनक द्वन्द्व
- (C) ई केवल आधुनिक दफ्तरक नियम-पुस्तक अछि
- (D) ई लोकजीवनसँ पूर्णतः असंबद्ध विषय अछि

१५७. मैथिली लोकसाहित्यमे नैहर-सासुर भाव किएक महत्त्वपूर्ण अछि?

- (A) विवाह गीतमे मायके आ सासुरक बीच मनक द्वन्द्व
- (B) ई ग्रामीण परिवेशकेँ हटाकऽ बनल कृत्रिम अभ्यास अछि
- (C) ई लोकजीवनसँ पूर्णतः असंबद्ध विषय अछि
- (D) ई केवल आधुनिक दफ्तरक नियम-पुस्तक अछि

१५८. नैहर-सासुर भाव संबंधमे कोन कथन ठीक अछि?

- (A) विवाह गीतमे मायके आ सासुरक बीच मनक द्वन्द्व
- (B) ई गीत, कथा आ समाजसँ कोनो सम्बन्ध नहि राखैत अछि
- (C) ई केवल व्यापारिक हिसाब-किताबक नाम अछि
- (D) ई केवल छापल ग्रंथक पन्ना-संख्या गिनबाक विधि अछि

१५९. नैहर-सासुर भाव केँ चिन्हबाक मुख्य आधार की अछि?

- (A) ई केवल छापल ग्रंथक पन्ना-संख्या गिनबाक विधि अछि
- (B) विवाह गीतमे मायके आ सासुरक बीच मनक द्वन्द्व
- (C) ई परम्परा नहि, केवल क्षणिक बाजारू खेल अछि
- (D) ई केवल व्यापारिक हिसाब-किताबक नाम अछि

१६०. जँ प्रश्न नैहर-सासुर भाव पर हो, त सही उत्तर कोन हएत?

- (A) ई लोकजीवनसँ पूर्णतः असंबद्ध विषय अछि
- (B) ई केवल आधुनिक दफ्तरक नियम-पुस्तक अछि
- (C) विवाह गीतमे मायके आ सासुरक बीच मनक द्वन्द्व
- (D) ई केवल राजदरबारक कर-विवरण मात्र अछि

१६१. देवर-भौजी हास्यक सही अर्थ की अछि?

- (A) ई लोकजीवनसँ पूर्णतः असंबद्ध विषय अछि
- (B) विवाह आ घर-परिवारक चुहल-प्रधान गीत-स्थितियाँ
- (C) ई बोली आ स्मृतिसँ अलग, निर्जीव संकेत मात्र अछि
- (D) ई केवल व्यापारिक हिसाब-किताबक नाम अछि

१६२. मैथिली लोकसाहित्यमे देवर-भौजी हास्य किएक महत्वपूर्ण अछि?

- (A) ई लोकजीवनसँ पूर्णतः असंबद्ध विषय अछि
- (B) विवाह आ घर-परिवारक चुहल-प्रधान गीत-स्थितियाँ
- (C) ई गीत, कथा आ समाजसँ कोनो सम्बन्ध नहि राखैत अछि
- (D) ई केवल छापल ग्रंथक पन्ना-संख्या गिनबाक विधि अछि

१६३. देवर-भौजी हास्य संबंधमे कोन कथन ठीक अछि?

- (A) ई परम्परा नहि, केवल क्षणिक बाजारू खेल अछि
- (B) ई ग्रामीण परिवेशकेँ हटाकऽ बनल कृत्रिम अभ्यास अछि
- (C) विवाह आ घर-परिवारक चुहल-प्रधान गीत-स्थितियाँ
- (D) ई केवल व्यापारिक हिसाब-किताबक नाम अछि

१६४. देवर-भौजी हास्य केँ चिन्हबाक मुख्य आधार की अछि?

- (A) विवाह आ घर-परिवारक चुहल-प्रधान गीत-स्थितियाँ
- (B) ई केवल छापल ग्रंथक पन्ना-संख्या गिनबाक विधि अछि
- (C) ई केवल व्यापारिक हिसाब-किताबक नाम अछि
- (D) ई केवल आधुनिक दफ्तरक नियम-पुस्तक अछि

१६५. जँ प्रश्न देवर-भौजी हास्य पर हो, त सही उत्तर कोन हएत?

- (A) ई केवल छापल ग्रंथक पन्ना-संख्या गिनबाक विधि अछि
- (B) विवाह आ घर-परिवारक चुहल-प्रधान गीत-स्थितियाँ
- (C) ई केवल व्यापारिक हिसाब-किताबक नाम अछि
- (D) ई गीत, कथा आ समाजसँ कोनो सम्बन्ध नहि राखैत अछि

१६६. माय-बेटी सम्बन्धक सही अर्थ की अछि?

- (A) ई गीत, कथा आ समाजसँ कोनो सम्बन्ध नहि राखैत अछि
- (B) ई केवल व्यापारिक हिसाब-किताबक नाम अछि
- (C) समदाउन, विदाई आ विवाह-गीतमे करुण स्नेहक केन्द्र
- (D) ई बोली आ स्मृतिसँ अलग, निर्जीव संकेत मात्र अछि

१६७. मैथिली लोकसाहित्यमे माय-बेटी सम्बन्ध किएक महत्वपूर्ण अछि?

- (A) ई केवल आधुनिक दफ्तरक नियम-पुस्तक अछि
- (B) ई लोकजीवनसँ पूर्णतः असंबद्ध विषय अछि
- (C) समदाउन, विदाई आ विवाह-गीतमे करुण स्नेहक केन्द्र
- (D) ई केवल राजदरबारक कर-विवरण मात्र अछि

१६८. माय-बेटी सम्बन्ध संबंधमे कोन कथन ठीक अछि?

- (A) ई केवल छापल ग्रंथक पन्ना-संख्या गिनबाक विधि अछि
- (B) समदाउन, विदाई आ विवाह-गीतमे करुण स्नेहक केन्द्र
- (C) ई बोली आ स्मृतिसँ अलग, निर्जीव संकेत मात्र अछि
- (D) ई केवल आधुनिक दफ्तरक नियम-पुस्तक अछि

१६९. माय-बेटी सम्बन्ध के चिन्हबाक मुख्य आधार की अछि?

- (A) ई केवल राजदरबारक कर-विवरण मात्र अछि
- (B) ई केवल आधुनिक दफ्तरक नियम-पुस्तक अछि
- (C) ई गीत, कथा आ समाजसँ कोनो सम्बन्ध नहि राखैत अछि
- (D) समदाउन, विदाई आ विवाह-गीतमे करुण स्नेहक केन्द्र

१७०. जँ प्रश्न माय-बेटी सम्बन्ध पर हो, त सही उत्तर कोन हएत?

- (A) समदाउन, विदाई आ विवाह-गीतमे करुण स्नेहक केन्द्र
- (B) ई लोकजीवनसँ पूर्णतः असंबद्ध विषय अछि
- (C) ई केवल छापल ग्रंथक पन्ना-संख्या गिनबाक विधि अछि
- (D) ई सामुदायिक अनुभव नहि, केवल निजी सजावट अछि

१७१. मंगलाचारक सही अर्थ की अछि?

- (A) ई केवल राजदरबारक कर-विवरण मात्र अछि
- (B) ई केवल व्यापारिक हिसाब-किताबक नाम अछि
- (C) ई ग्रामीण परिवेशकेँ हटाकऽ बनल कृत्रिम अभ्यास अछि
- (D) शुभ कार्य आरम्भ करय लेल देव-स्मरण आ मंगल गीत

१७२. मैथिली लोकसाहित्यमे मंगलाचार किएक महत्त्वपूर्ण अछि?

- (A) शुभ कार्य आरम्भ करय लेल देव-स्मरण आ मंगल गीत
- (B) ई सामुदायिक अनुभव नहि, केवल निजी सजावट अछि
- (C) ई केवल आधुनिक दफ्तरक नियम-पुस्तक अछि
- (D) ई केवल छापल ग्रंथक पन्ना-संख्या गिनबाक विधि अछि

१७३. मंगलाचार संबंधमे कोन कथन ठीक अछि?

- (A) ई केवल आधुनिक दफ्तरक नियम-पुस्तक अछि
- (B) ई केवल राजदरबारक कर-विवरण मात्र अछि
- (C) ई ग्रामीण परिवेशकेँ हटाकऽ बनल कृत्रिम अभ्यास अछि
- (D) शुभ कार्य आरम्भ करय लेल देव-स्मरण आ मंगल गीत

१७४. मंगलाचार केँ चिन्हबाक मुख्य आधार की अछि?

- (A) ई गीत, कथा आ समाजसँ कोनो सम्बन्ध नहि राखैत अछि
- (B) ई केवल आधुनिक दफ्तरक नियम-पुस्तक अछि
- (C) शुभ कार्य आरम्भ करय लेल देव-स्मरण आ मंगल गीत
- (D) ई केवल छापल ग्रंथक पन्ना-संख्या गिनबाक विधि अछि

१७५. जँ प्रश्न मंगलाचार पर हो, त सही उत्तर कोन हएत?

- (A) ई बोली आ स्मृतिसँ अलग, निर्जीव संकेत मात्र अछि
- (B) ई केवल व्यापारिक हिसाब-किताबक नाम अछि
- (C) शुभ कार्य आरम्भ करय लेल देव-स्मरण आ मंगल गीत
- (D) ई केवल छापल ग्रंथक पन्ना-संख्या गिनबाक विधि अछि

१७६. ससुराल आलोचनाक सही अर्थ की अछि?

- (A) ई गीत, कथा आ समाजसँ कोनो सम्बन्ध नहि राखैत अछि
- (B) ई सामुदायिक अनुभव नहि, केवल निजी सजावट अछि
- (C) गीतमे नववधूक आशंका, अनुभव आ व्यंग्यक अभिव्यक्ति
- (D) ई केवल आधुनिक दफ्तरक नियम-पुस्तक अछि

१७७. मैथिली लोकसाहित्यमे ससुराल आलोचना किएक महत्त्वपूर्ण अछि?

- (A) ई केवल व्यापारिक हिसाब-किताबक नाम अछि
- (B) गीतमे नववधूक आशंका, अनुभव आ व्यंग्यक अभिव्यक्ति
- (C) ई ग्रामीण परिवेशकेँ हटाकऽ बनल कृत्रिम अभ्यास अछि
- (D) ई केवल आधुनिक दफ्तरक नियम-पुस्तक अछि

१७८. ससुराल आलोचना संबंधमे कोन कथन ठीक अछि?

- (A) ई ग्रामीण परिवेशकेँ हटाकऽ बनल कृत्रिम अभ्यास अछि
- (B) ई केवल आधुनिक दफ्तरक नियम-पुस्तक अछि
- (C) ई केवल राजदरबारक कर-विवरण मात्र अछि
- (D) गीतमे नववधूक आशंका, अनुभव आ व्यंग्यक अभिव्यक्ति

१७९. ससुराल आलोचना केँ चिन्हबाक मुख्य आधार की अछि?

- (A) ई गीत, कथा आ समाजसँ कोनो सम्बन्ध नहि राखैत अछि
- (B) ई केवल आधुनिक दफ्तरक नियम-पुस्तक अछि
- (C) गीतमे नववधूक आशंका, अनुभव आ व्यंग्यक अभिव्यक्ति
- (D) ई सामुदायिक अनुभव नहि, केवल निजी सजावट अछि

१८०. जँ प्रश्न ससुराल आलोचना पर हो, त सही उत्तर कोन हएत?

- (A) गीतमे नववधूक आशंका, अनुभव आ व्यंग्यक अभिव्यक्ति
- (B) ई सामुदायिक अनुभव नहि, केवल निजी सजावट अछि
- (C) ई केवल छापल ग्रंथक पन्ना-संख्या गिनबाक विधि अछि
- (D) ई परम्परा नहि, केवल क्षणिक बाजारू खेल अछि

१८१. परिवारक स्त्री-मंडलीक सही अर्थ की अछि?

- (A) ई गीत, कथा आ समाजसँ कोनो सम्बन्ध नहि राखैत अछि
- (B) ई केवल आधुनिक दफ्तरक नियम-पुस्तक अछि
- (C) संस्कार गीत गाबयमे स्त्रीसभक सामूहिक भूमिका
- (D) ई सामुदायिक अनुभव नहि, केवल निजी सजावट अछि

१८२. मैथिली लोकसाहित्यमे परिवारक स्त्री-मंडली किएक महत्त्वपूर्ण अछि?

- (A) ई बोली आ स्मृतिसँ अलग, निर्जीव संकेत मात्र अछि
- (B) संस्कार गीत गाबयमे स्त्रीसभक सामूहिक भूमिका
- (C) ई केवल आधुनिक दफ्तरक नियम-पुस्तक अछि
- (D) ई केवल व्यापारिक हिसाब-किताबक नाम अछि

१८३. परिवारक स्त्री-मंडली संबंधमे कोन कथन ठीक अछि?

- (A) संस्कार गीत गाबयमे स्त्रीसभक सामूहिक भूमिका
- (B) ई लोकजीवनसँ पूर्णतः असंबद्ध विषय अछि
- (C) ई ग्रामीण परिवेशकेँ हटाकऽ बनल कृत्रिम अभ्यास अछि
- (D) ई परम्परा नहि, केवल क्षणिक बाजारू खेल अछि

१८४. परिवारक स्त्री-मंडली केँ चिन्हबाक मुख्य आधार की अछि?

- (A) ई परम्परा नहि, केवल क्षणिक बाजारू खेल अछि
- (B) संस्कार गीत गाबयमे स्त्रीसभक सामूहिक भूमिका
- (C) ई बोली आ स्मृतिसँ अलग, निर्जीव संकेत मात्र अछि
- (D) ई केवल राजदरबारक कर-विवरण मात्र अछि

१८५. जँ प्रश्न परिवारक स्त्री-मंडली पर हो, त सही उत्तर कोन हएत?

- (A) ई केवल राजदरबारक कर-विवरण मात्र अछि
- (B) ई केवल आधुनिक दफ्तरक नियम-पुस्तक अछि
- (C) संस्कार गीत गाबयमे स्त्रीसभक सामूहिक भूमिका
- (D) ई केवल छापल ग्रंथक पन्ना-संख्या गिनबाक विधि अछि

१८६. विवाहक क्रमबद्ध गीतक सही अर्थ की अछि?

- (A) ई केवल व्यापारिक हिसाब-किताबक नाम अछि
- (B) ई ग्रामीण परिवेशकें हटाकऽ बनल कृत्रिम अभ्यास अछि
- (C) ई परम्परा नहि, केवल क्षणिक बाजारू खेल अछि
- (D) हल्दी, मटकोर, कोहबर, फेरे, विदाई आदि पर अलग गीत

१८७. मैथिली लोकसाहित्यमे विवाहक क्रमबद्ध गीत किएक महत्त्वपूर्ण अछि?

- (A) ई लोकजीवनसँ पूर्णतः असंबद्ध विषय अछि
- (B) हल्दी, मटकोर, कोहबर, फेरे, विदाई आदि पर अलग गीत
- (C) ई केवल छापल ग्रंथक पन्ना-संख्या गिनबाक विधि अछि
- (D) ई सामुदायिक अनुभव नहि, केवल निजी सजावट अछि

१८८. विवाहक क्रमबद्ध गीत संबंधमे कोन कथन ठीक अछि?

- (A) ई केवल व्यापारिक हिसाब-किताबक नाम अछि
- (B) ई केवल आधुनिक दफ्तरक नियम-पुस्तक अछि
- (C) हल्दी, मटकोर, कोहबर, फेरे, विदाई आदि पर अलग गीत
- (D) ई गीत, कथा आ समाजसँ कोनो सम्बन्ध नहि राखैत अछि

१८९. विवाहक क्रमबद्ध गीत केँ चिन्हबाक मुख्य आधार की अछि?

- (A) हल्दी, मटकोर, कोहबर, फेरे, विदाई आदि पर अलग गीत
- (B) ई लोकजीवनसँ पूर्णतः असंबद्ध विषय अछि
- (C) ई केवल छापल ग्रंथक पन्ना-संख्या गिनबाक विधि अछि
- (D) ई सामुदायिक अनुभव नहि, केवल निजी सजावट अछि

१९०. जँ प्रश्न विवाहक क्रमबद्ध गीत पर हो, त सही उत्तर कोन हएत?

- (A) हल्दी, मटकोर, कोहबर, फेरे, विदाई आदि पर अलग गीत
- (B) ई केवल आधुनिक दफ्तरक नियम-पुस्तक अछि
- (C) ई लोकजीवनसँ पूर्णतः असंबद्ध विषय अछि
- (D) ई ग्रामीण परिवेशकें हटाकऽ बनल कृत्रिम अभ्यास अछि

१९१. संस्कारक लोकदृष्टिक सही अर्थ की अछि?

- (A) ई गीत, कथा आ समाजसँ कोनो सम्बन्ध नहि राखैत अछि
- (B) ई ग्रामीण परिवेशकें हटाकऽ बनल कृत्रिम अभ्यास अछि
- (C) ई केवल आधुनिक दफ्तरक नियम-पुस्तक अछि
- (D) धर्म, परिवार, समाज आ भावुकता केँ एक संग जोड़ब

१९२. मैथिली लोकसाहित्यमे संस्कारक लोकदृष्टि किएक महत्त्वपूर्ण अछि?

- (A) ई केवल छापल ग्रंथक पन्ना-संख्या गिनबाक विधि अछि
- (B) धर्म, परिवार, समाज आ भावुकता केँ एक संग जोड़ब
- (C) ई ग्रामीण परिवेशकें हटाकऽ बनल कृत्रिम अभ्यास अछि
- (D) ई केवल व्यापारिक हिसाब-किताबक नाम अछि

१९३. संस्कारक लोकदृष्टि संबंधमे कोन कथन ठीक अछि?

- (A) ई बोली आ स्मृतिसँ अलग, निर्जीव संकेत मात्र अछि
- (B) धर्म, परिवार, समाज आ भावुकता केँ एक संग जोड़ब
- (C) ई सामुदायिक अनुभव नहि, केवल निजी सजावट अछि
- (D) ई केवल राजदरबारक कर-विवरण मात्र अछि

१९४. संस्कारक लोकदृष्टि केँ चिन्हबाक मुख्य आधार की अछि?

- (A) ई केवल राजदरबारक कर-विवरण मात्र अछि
- (B) धर्म, परिवार, समाज आ भावुकता केँ एक संग जोड़ब
- (C) ई लोकजीवनसँ पूर्णतः असंबद्ध विषय अछि
- (D) ई केवल छापल ग्रंथक पन्ना-संख्या गिनबाक विधि अछि

१९५. जँ प्रश्न संस्कारक लोकदृष्टि पर हो, त सही उत्तर कोन हएत?

- (A) ई ग्रामीण परिवेशकेँ हटाकऽ बनल कृत्रिम अभ्यास अछि
- (B) ई केवल आधुनिक दफ्तरक नियम-पुस्तक अछि
- (C) धर्म, परिवार, समाज आ भावुकता केँ एक संग जोड़ब
- (D) ई गीत, कथा आ समाजसँ कोनो सम्बन्ध नहि राखैत अछि

१९६. बालक लेल लोरीक सही अर्थ की अछि?

- (A) ई केवल छापल ग्रंथक पन्ना-संख्या गिनबाक विधि अछि
- (B) ई सामुदायिक अनुभव नहि, केवल निजी सजावट अछि
- (C) ई लोकजीवनसँ पूर्णतः असंबद्ध विषय अछि
- (D) शिशुकेँ सुतयबाक, दुलारबाक आ आशीष देबाक गीत

१९७. मैथिली लोकसाहित्यमे बालक लेल लोरी किएक महत्त्वपूर्ण अछि?

- (A) ई गीत, कथा आ समाजसँ कोनो सम्बन्ध नहि राखैत अछि
- (B) शिशुकेँ सुतयबाक, दुलारबाक आ आशीष देबाक गीत
- (C) ई सामुदायिक अनुभव नहि, केवल निजी सजावट अछि
- (D) ई बोली आ स्मृतिसँ अलग, निर्जीव संकेत मात्र अछि

१९८. बालक लेल लोरी संबंधमे कोन कथन ठीक अछि?

- (A) ई केवल छापल ग्रंथक पन्ना-संख्या गिनबाक विधि अछि
- (B) शिशुकेँ सुतयबाक, दुलारबाक आ आशीष देबाक गीत
- (C) ई सामुदायिक अनुभव नहि, केवल निजी सजावट अछि
- (D) ई ग्रामीण परिवेशकेँ हटाकऽ बनल कृत्रिम अभ्यास अछि

१९९. बालक लेल लोरी केँ चिन्हबाक मुख्य आधार की अछि?

- (A) ई केवल आधुनिक दफ्तरक नियम-पुस्तक अछि
- (B) ई बोली आ स्मृतिसँ अलग, निर्जीव संकेत मात्र अछि
- (C) शिशुकेँ सुतयबाक, दुलारबाक आ आशीष देबाक गीत
- (D) ई केवल छापल ग्रंथक पन्ना-संख्या गिनबाक विधि अछि

२००. जँ प्रश्न बालक लेल लोरी पर हो, त सही उत्तर कोन हएत?

- (A) ई केवल राजदरबारक कर-विवरण मात्र अछि
- (B) शिशुकेँ सुतयबाक, दुलारबाक आ आशीष देबाक गीत
- (C) ई केवल छापल ग्रंथक पन्ना-संख्या गिनबाक विधि अछि
- (D) ई बोली आ स्मृतिसँ अलग, निर्जीव संकेत मात्र अछि

पर्व, ऋतु आ भक्ति गीत

२०१. छठ गीतक सही अर्थ की अछि?

- (A) ई गीत, कथा आ समाजसँ कोनो सम्बन्ध नहि राखैत अछि
- (B) ई सामुदायिक अनुभव नहि, केवल निजी सजावट अछि
- (C) ई केवल राजदरबारक कर-विवरण मात्र अछि
- (D) सूर्य-उपासना, नदी-घाट आ व्रत-भक्ति सँ जुड़ल गीत

२०२. मैथिली लोकसाहित्यमे छठ गीत किएक महत्त्वपूर्ण अछि?

- (A) ई परम्परा नहि, केवल क्षणिक बाजारू खेल अछि
- (B) ई लोकजीवनसँ पूर्णतः असंबद्ध विषय अछि
- (C) सूर्य-उपासना, नदी-घाट आ व्रत-भक्ति सँ जुड़ल गीत
- (D) ई केवल आधुनिक दफ्तरक नियम-पुस्तक अछि

२०३. छठ गीत संबंधमे कोन कथन ठीक अछि?

- (A) ई गीत, कथा आ समाजसँ कोनो सम्बन्ध नहि राखैत अछि
- (B) ई केवल छापल ग्रंथक पन्ना-संख्या गिनबाक विधि अछि
- (C) सूर्य-उपासना, नदी-घाट आ व्रत-भक्ति सँ जुड़ल गीत
- (D) ई केवल राजदरबारक कर-विवरण मात्र अछि

२०४. छठ गीत केँ चिन्हबाक मुख्य आधार की अछि?

- (A) ई बोली आ स्मृतिसँ अलग, निर्जीव संकेत मात्र अछि
- (B) ई केवल राजदरबारक कर-विवरण मात्र अछि
- (C) सूर्य-उपासना, नदी-घाट आ व्रत-भक्ति सँ जुड़ल गीत
- (D) ई परम्परा नहि, केवल क्षणिक बाजारू खेल अछि

२०५. जँ प्रश्न छठ गीत पर हो, त सही उत्तर कोन हएत?

- (A) ई केवल राजदरबारक कर-विवरण मात्र अछि
- (B) ई बोली आ स्मृतिसँ अलग, निर्जीव संकेत मात्र अछि
- (C) ई लोकजीवनसँ पूर्णतः असंबद्ध विषय अछि
- (D) सूर्य-उपासना, नदी-घाट आ व्रत-भक्ति सँ जुड़ल गीत

२०६. सामा-चकेबा गीतक सही अर्थ की अछि?

- (A) ई सामुदायिक अनुभव नहि, केवल निजी सजावट अछि
- (B) ई केवल राजदरबारक कर-विवरण मात्र अछि
- (C) भाइ-बहिनक स्नेह आ पक्षी-प्रतीकसँ जुड़ल कार्तिकक गीत
- (D) ई बोली आ स्मृतिसँ अलग, निर्जीव संकेत मात्र अछि

२०७. मैथिली लोकसाहित्यमे सामा-चकेबा गीत किएक महत्त्वपूर्ण अछि?

- (A) भाइ-बहिनक स्नेह आ पक्षी-प्रतीकसँ जुड़ल कार्तिकक गीत
- (B) ई सामुदायिक अनुभव नहि, केवल निजी सजावट अछि
- (C) ई ग्रामीण परिवेशकेँ हटाकऽ बनल कृत्रिम अभ्यास अछि
- (D) ई केवल छापल ग्रंथक पन्ना-संख्या गिनबाक विधि अछि

२०८. सामा-चकेबा गीत संबंधमे कोन कथन ठीक अछि?

- (A) ई केवल छापल ग्रंथक पन्ना-संख्या गिनबाक विधि अछि
- (B) भाइ-बहिनक स्नेह आ पक्षी-प्रतीकसँ जुड़ल कार्तिकक गीत
- (C) ई केवल आधुनिक दफ्तरक नियम-पुस्तक अछि
- (D) ई सामुदायिक अनुभव नहि, केवल निजी सजावट अछि

२०९. सामा-चकेबा गीत केँ चिन्हबाक मुख्य आधार की अछि?

- (A) भाइ-बहिनक स्नेह आ पक्षी-प्रतीकसँ जुड़ल कार्तिकक गीत
- (B) ई लोकजीवनसँ पूर्णतः असंबद्ध विषय अछि
- (C) ई केवल राजदरबारक कर-विवरण मात्र अछि
- (D) ई बोली आ स्मृतिसँ अलग, निर्जीव संकेत मात्र अछि

२१०. जँ प्रश्न सामा-चकेबा गीत पर हो, त सही उत्तर कोन हएत?

- (A) ई ग्रामीण परिवेशकेँ हटाकऽ बनल कृत्रिम अभ्यास अछि
- (B) ई सामुदायिक अनुभव नहि, केवल निजी सजावट अछि
- (C) भाइ-बहिनक स्नेह आ पक्षी-प्रतीकसँ जुड़ल कार्तिकक गीत
- (D) ई केवल व्यापारिक हिसाब-किताबक नाम अछि

२११. झिझिया गीतक सही अर्थ की अछि?

- (A) ई सामुदायिक अनुभव नहि, केवल निजी सजावट अछि
- (B) ई केवल छापल ग्रंथक पन्ना-संख्या गिनबाक विधि अछि
- (C) ई बोली आ स्मृतिसँ अलग, निर्जीव संकेत मात्र अछि
- (D) देवी-आराधना आ सामूहिक नाचक संग गाओल गीत

२१२. मैथिली लोकसाहित्यमे झिझिया गीत किएक महत्त्वपूर्ण अछि?

- (A) ई केवल व्यापारिक हिसाब-किताबक नाम अछि
- (B) देवी-आराधना आ सामूहिक नाचक संग गाओल गीत
- (C) ई परम्परा नहि, केवल क्षणिक बाजारू खेल अछि
- (D) ई लोकजीवनसँ पूर्णतः असंबद्ध विषय अछि

२१३. झिझिया गीत संबंधमे कोन कथन ठीक अछि?

- (A) ई केवल छापल ग्रंथक पन्ना-संख्या गिनबाक विधि अछि
- (B) ई केवल व्यापारिक हिसाब-किताबक नाम अछि
- (C) ई ग्रामीण परिवेशकेँ हटाकऽ बनल कृत्रिम अभ्यास अछि
- (D) देवी-आराधना आ सामूहिक नाचक संग गाओल गीत

२१४. झिझिया गीत केँ चिन्हबाक मुख्य आधार की अछि?

- (A) ई केवल व्यापारिक हिसाब-किताबक नाम अछि
- (B) ई लोकजीवनसँ पूर्णतः असंबद्ध विषय अछि
- (C) देवी-आराधना आ सामूहिक नाचक संग गाओल गीत
- (D) ई केवल राजदरबारक कर-विवरण मात्र अछि

२१५. जँ प्रश्न झिझिया गीत पर हो, त सही उत्तर कोन हएत?

- (A) देवी-आराधना आ सामूहिक नाचक संग गाओल गीत
- (B) ई केवल व्यापारिक हिसाब-किताबक नाम अछि
- (C) ई परम्परा नहि, केवल क्षणिक बाजारू खेल अछि
- (D) ई ग्रामीण परिवेशकेँ हटाकऽ बनल कृत्रिम अभ्यास अछि

२१६. फगुआक सही अर्थ की अछि?

- (A) ई लोकजीवनसँ पूर्णतः असंबद्ध विषय अछि
- (B) ई केवल आधुनिक दफ्तरक नियम-पुस्तक अछि
- (C) ई सामुदायिक अनुभव नहि, केवल निजी सजावट अछि
- (D) फागुनक रंग, उमंग, हास्य आ वसन्तक गीत

२१७. मैथिली लोकसाहित्यमे फगुआ किएक महत्त्वपूर्ण अछि?

- (A) फागुनक रंग, उमंग, हास्य आ वसन्तक गीत
- (B) ई ग्रामीण परिवेशकेँ हटाकऽ बनल कृत्रिम अभ्यास अछि
- (C) ई केवल राजदरबारक कर-विवरण मात्र अछि
- (D) ई बोली आ स्मृतिसँ अलग, निर्जीव संकेत मात्र अछि

२१८. फगुआ संबंधमे कोन कथन ठीक अछि?

- (A) ई बोली आ स्मृतिसँ अलग, निर्जीव संकेत मात्र अछि
- (B) ई केवल व्यापारिक हिसाब-किताबक नाम अछि
- (C) ई परम्परा नहि, केवल क्षणिक बाजारू खेल अछि
- (D) फागुनक रंग, उमंग, हास्य आ वसन्तक गीत

२१९. फगुआ केँ चिन्हबाक मुख्य आधार की अछि?

- (A) ई केवल व्यापारिक हिसाब-किताबक नाम अछि
- (B) फागुनक रंग, उमंग, हास्य आ वसन्तक गीत
- (C) ई गीत, कथा आ समाजसँ कोनो सम्बन्ध नहि राखैत अछि
- (D) ई ग्रामीण परिवेशकेँ हटाकऽ बनल कृत्रिम अभ्यास अछि

२२०. जँ प्रश्न फगुआ पर हो, त सही उत्तर कोन हएत?

- (A) ई सामुदायिक अनुभव नहि, केवल निजी सजावट अछि
- (B) ई केवल छापल ग्रंथक पन्ना-संख्या गिनबाक विधि अछि
- (C) ई केवल राजदरबारक कर-विवरण मात्र अछि
- (D) फागुनक रंग, उमंग, हास्य आ वसन्तक गीत

२२१. चैताक सही अर्थ की अछि?

- (A) चैत मासक भाव, ऋतु-बदलाव आ विरह-स्वरक गीत
- (B) ई परम्परा नहि, केवल क्षणिक बाजारू खेल अछि
- (C) ई सामुदायिक अनुभव नहि, केवल निजी सजावट अछि
- (D) ई केवल छापल ग्रंथक पन्ना-संख्या गिनबाक विधि अछि

२२२. मैथिली लोकसाहित्यमे चैता किएक महत्त्वपूर्ण अछि?

- (A) चैत मासक भाव, ऋतु-बदलाव आ विरह-स्वरक गीत
- (B) ई परम्परा नहि, केवल क्षणिक बाजारू खेल अछि
- (C) ई बोली आ स्मृतिसँ अलग, निर्जीव संकेत मात्र अछि
- (D) ई ग्रामीण परिवेशकेँ हटाकऽ बनल कृत्रिम अभ्यास अछि

२२३. चैता संबंधमे कोन कथन ठीक अछि?

- (A) ई केवल राजदरबारक कर-विवरण मात्र अछि
- (B) ई बोली आ स्मृतिसँ अलग, निर्जीव संकेत मात्र अछि
- (C) ई सामुदायिक अनुभव नहि, केवल निजी सजावट अछि
- (D) चैत मासक भाव, ऋतु-बदलाव आ विरह-स्वरक गीत

२२४. चैता केँ चिन्हबाक मुख्य आधार की अछि?

- (A) ई परम्परा नहि, केवल क्षणिक बाजारू खेल अछि
- (B) ई केवल व्यापारिक हिसाब-किताबक नाम अछि
- (C) चैत मासक भाव, ऋतु-बदलाव आ विरह-स्वरक गीत
- (D) ई केवल आधुनिक दफ्तरक नियम-पुस्तक अछि

२२५. जौ प्रश्न चैता पर हो, त सही उत्तर कोन हएत?

- (A) ई लोकजीवनसँ पूर्णतः असंबद्ध विषय अछि
- (B) ई गीत, कथा आ समाजसँ कोनो सम्बन्ध नहि राखैत अछि
- (C) चैत मासक भाव, ऋतु-बदलाव आ विरह-स्वरक गीत
- (D) ई केवल राजदरबारक कर-विवरण मात्र अछि

२२६. कजरीक सही अर्थ की अछि?

- (A) ई गीत, कथा आ समाजसँ कोनो सम्बन्ध नहि राखैत अछि
- (B) ई बोली आ स्मृतिसँ अलग, निर्जीव संकेत मात्र अछि
- (C) बरखा-ऋतु, विरह आ बादरक अनुभूति सँ जुड़ल गीत
- (D) ई केवल छापल ग्रंथक पन्ना-संख्या गिनबाक विधि अछि

२२७. मैथिली लोकसाहित्यमे कजरी किएक महत्त्वपूर्ण अछि?

- (A) ई परम्परा नहि, केवल क्षणिक बाजारू खेल अछि
- (B) ई गीत, कथा आ समाजसँ कोनो सम्बन्ध नहि राखैत अछि
- (C) बरखा-ऋतु, विरह आ बादरक अनुभूति सँ जुड़ल गीत
- (D) ई सामुदायिक अनुभव नहि, केवल निजी सजावट अछि

२२८. कजरी संबंधमे कोन कथन ठीक अछि?

- (A) ई सामुदायिक अनुभव नहि, केवल निजी सजावट अछि
- (B) बरखा-ऋतु, विरह आ बादरक अनुभूति सँ जुड़ल गीत
- (C) ई केवल आधुनिक दफ्तरक नियम-पुस्तक अछि
- (D) ई केवल व्यापारिक हिसाब-किताबक नाम अछि

२२९. कजरी केँ चिन्हबाक मुख्य आधार की अछि?

- (A) ई केवल राजदरबारक कर-विवरण मात्र अछि
- (B) बरखा-ऋतु, विरह आ बादरक अनुभूति सँ जुड़ल गीत
- (C) ई परम्परा नहि, केवल क्षणिक बाजारू खेल अछि
- (D) ई सामुदायिक अनुभव नहि, केवल निजी सजावट अछि

२३०. जौ प्रश्न कजरी पर हो, त सही उत्तर कोन हएत?

- (A) ई ग्रामीण परिवेशकेँ हटाकऽ बनल कृत्रिम अभ्यास अछि
- (B) बरखा-ऋतु, विरह आ बादरक अनुभूति सँ जुड़ल गीत
- (C) ई गीत, कथा आ समाजसँ कोनो सम्बन्ध नहि राखैत अछि
- (D) ई परम्परा नहि, केवल क्षणिक बाजारू खेल अछि

२३१. मलारक सही अर्थ की अछि?

- (A) ई केवल व्यापारिक हिसाब-किताबक नाम अछि
- (B) ई सामुदायिक अनुभव नहि, केवल निजी सजावट अछि
- (C) ई बोली आ स्मृतिसँ अलग, निर्जीव संकेत मात्र अछि
- (D) मेघ, वर्षा आ संगीतात्मक ऋतु-अनुभवक गीत

२३२. मैथिली लोकसाहित्यमे मलार किएक महत्त्वपूर्ण अछि?

- (A) ई केवल व्यापारिक हिसाब-किताबक नाम अछि
- (B) ई केवल राजदरबारक कर-विवरण मात्र अछि
- (C) ई गीत, कथा आ समाजसँ कोनो सम्बन्ध नहि राखैत अछि
- (D) मेघ, वर्षा आ संगीतात्मक ऋतु-अनुभवक गीत

२३३. मलार संबंधमे कोन कथन ठीक अछि?

- (A) ई केवल छापल ग्रंथक पन्ना-संख्या गिनबाक विधि अछि
- (B) ई केवल आधुनिक दफ्तरक नियम-पुस्तक अछि
- (C) मेघ, वर्षा आ संगीतात्मक ऋतु-अनुभवक गीत
- (D) ई केवल व्यापारिक हिसाब-किताबक नाम अछि

२३४. मलार केँ चिन्हबाक मुख्य आधार की अछि?

- (A) ई परम्परा नहि, केवल क्षणिक बाजारू खेल अछि
- (B) ई बोली आ स्मृतिसँ अलग, निर्जीव संकेत मात्र अछि
- (C) मेघ, वर्षा आ संगीतात्मक ऋतु-अनुभवक गीत
- (D) ई केवल व्यापारिक हिसाब-किताबक नाम अछि

२३५. जँ प्रश्न मलार पर हो, त सही उत्तर कोन हएत?

- (A) ई सामुदायिक अनुभव नहि, केवल निजी सजावट अछि
- (B) ई गीत, कथा आ समाजसँ कोनो सम्बन्ध नहि राखैत अछि
- (C) मेघ, वर्षा आ संगीतात्मक ऋतु-अनुभवक गीत
- (D) ई बोली आ स्मृतिसँ अलग, निर्जीव संकेत मात्र अछि

२३६. नचारीक सही अर्थ की अछि?

- (A) भक्ति-प्रधान गीत जे देव-स्मरण आ विनय सँ जुड़ल रहैत अछि
- (B) ई सामुदायिक अनुभव नहि, केवल निजी सजावट अछि
- (C) ई गीत, कथा आ समाजसँ कोनो सम्बन्ध नहि राखैत अछि
- (D) ई केवल व्यापारिक हिसाब-किताबक नाम अछि

२३७. मैथिली लोकसाहित्यमे नचारी किएक महत्त्वपूर्ण अछि?

- (A) भक्ति-प्रधान गीत जे देव-स्मरण आ विनय सँ जुड़ल रहैत अछि
- (B) ई केवल आधुनिक दफ्तरक नियम-पुस्तक अछि
- (C) ई केवल छापल ग्रंथक पन्ना-संख्या गिनबाक विधि अछि
- (D) ई केवल व्यापारिक हिसाब-किताबक नाम अछि

२३८. नचारी संबंधमे कोन कथन ठीक अछि?

- (A) ई केवल आधुनिक दफ्तरक नियम-पुस्तक अछि
- (B) ई गीत, कथा आ समाजसँ कोनो सम्बन्ध नहि राखैत अछि
- (C) भक्ति-प्रधान गीत जे देव-स्मरण आ विनय सँ जुड़ल रहैत अछि
- (D) ई लोकजीवनसँ पूर्णतः असंबद्ध विषय अछि

२३९. नचारी केँ चिन्हबाक मुख्य आधार की अछि?

- (A) ई ग्रामीण परिवेशकेँ हटाकऽ बनल कृत्रिम अभ्यास अछि
- (B) भक्ति-प्रधान गीत जे देव-स्मरण आ विनय सँ जुड़ल रहैत अछि
- (C) ई सामुदायिक अनुभव नहि, केवल निजी सजावट अछि
- (D) ई गीत, कथा आ समाजसँ कोनो सम्बन्ध नहि राखैत अछि

२४०. जँ प्रश्न नचारी पर हो, त सही उत्तर कोन हएत?

- (A) ई गीत, कथा आ समाजसँ कोनो सम्बन्ध नहि राखैत अछि
- (B) ई लोकजीवनसँ पूर्णतः असंबद्ध विषय अछि
- (C) ई केवल आधुनिक दफ्तरक नियम-पुस्तक अछि
- (D) भक्ति-प्रधान गीत जे देव-स्मरण आ विनय सँ जुड़ल रहैत अछि

२४१. भगैतक सही अर्थ की अछि?

- (A) ई ग्रामीण परिवेशकेँ हटाकऽ बनल कृत्रिम अभ्यास अछि
- (B) लोकदेवता, आख्यान आ भक्तिमय गायनक परम्परा
- (C) ई गीत, कथा आ समाजसँ कोनो सम्बन्ध नहि राखैत अछि
- (D) ई केवल राजदरबारक कर-विवरण मात्र अछि

२४२. मैथिली लोकसाहित्यमे भगैत किएक महत्त्वपूर्ण अछि?

- (A) ई गीत, कथा आ समाजसँ कोनो सम्बन्ध नहि राखैत अछि
- (B) लोकदेवता, आख्यान आ भक्तिमय गायनक परम्परा
- (C) ई ग्रामीण परिवेशकेँ हटाकऽ बनल कृत्रिम अभ्यास अछि
- (D) ई केवल आधुनिक दफ्तरक नियम-पुस्तक अछि

२४३. भगैत संबंधमे कोन कथन ठीक अछि?

- (A) ई केवल आधुनिक दफ्तरक नियम-पुस्तक अछि
- (B) लोकदेवता, आख्यान आ भक्तिमय गायनक परम्परा
- (C) ई केवल राजदरबारक कर-विवरण मात्र अछि
- (D) ई केवल छापल ग्रंथक पन्ना-संख्या गिनबाक विधि अछि

२४४. भगैत केँ चिन्हबाक मुख्य आधार की अछि?

- (A) लोकदेवता, आख्यान आ भक्तिमय गायनक परम्परा
- (B) ई केवल व्यापारिक हिसाब-किताबक नाम अछि
- (C) ई लोकजीवनसँ पूर्णतः असंबद्ध विषय अछि
- (D) ई बोली आ स्मृतिसँ अलग, निर्जीव संकेत मात्र अछि

२४५. जँ प्रश्न भगैत पर हो, त सही उत्तर कोन हएत?

- (A) ई केवल राजदरबारक कर-विवरण मात्र अछि
- (B) लोकदेवता, आख्यान आ भक्तिमय गायनक परम्परा
- (C) ई परम्परा नहि, केवल क्षणिक बाजारू खेल अछि
- (D) ई बोली आ स्मृतिसँ अलग, निर्जीव संकेत मात्र अछि

२४६. परातीक सही अर्थ की अछि?

- (A) भोरकालक जागरण, स्मरण आ भक्ति-स्वरक गीत
- (B) ई लोकजीवनसँ पूर्णतः असंबद्ध विषय अछि
- (C) ई केवल आधुनिक दफ्तरक नियम-पुस्तक अछि
- (D) ई केवल राजदरबारक कर-विवरण मात्र अछि

२४७. मैथिली लोकसाहित्यमे पराती किएक महत्त्वपूर्ण अछि?

- (A) ई परम्परा नहि, केवल क्षणिक बाजारू खेल अछि
- (B) ई केवल व्यापारिक हिसाब-किताबक नाम अछि
- (C) ई गीत, कथा आ समाजसँ कोनो सम्बन्ध नहि राखैत अछि
- (D) भोरकालक जागरण, स्मरण आ भक्ति-स्वरक गीत

२४८. पराती संबंधमे कोन कथन ठीक अछि?

- (A) ई केवल व्यापारिक हिसाब-किताबक नाम अछि
- (B) ई लोकजीवनसँ पूर्णतः असंबद्ध विषय अछि
- (C) भोरकालक जागरण, स्मरण आ भक्ति-स्वरक गीत
- (D) ई केवल आधुनिक दफ्तरक नियम-पुस्तक अछि

२४९. पराती केँ चिन्हबाक मुख्य आधार की अछि?

- (A) भोरकालक जागरण, स्मरण आ भक्ति-स्वरक गीत
- (B) ई केवल आधुनिक दफ्तरक नियम-पुस्तक अछि
- (C) ई परम्परा नहि, केवल क्षणिक बाजारू खेल अछि
- (D) ई लोकजीवनसँ पूर्णतः असंबद्ध विषय अछि

२५०. जँ प्रश्न पराती पर हो, त सही उत्तर कोन हएत?

- (A) ई लोकजीवनसँ पूर्णतः असंबद्ध विषय अछि
- (B) भोरकालक जागरण, स्मरण आ भक्ति-स्वरक गीत
- (C) ई गीत, कथा आ समाजसँ कोनो सम्बन्ध नहि राखैत अछि
- (D) ई केवल आधुनिक दफ्तरक नियम-पुस्तक अछि

२५१. काली-कीर्तनक सही अर्थ की अछि?

- (A) देवी-भक्ति आ सामूहिक गायनसँ जुड़ल रूप
- (B) ई ग्रामीण परिवेशकेँ हटाकऽ बनल कृत्रिम अभ्यास अछि
- (C) ई केवल आधुनिक दफ्तरक नियम-पुस्तक अछि
- (D) ई लोकजीवनसँ पूर्णतः असंबद्ध विषय अछि

२५२. मैथिली लोकसाहित्यमे काली-कीर्तन किएक महत्त्वपूर्ण अछि?

- (A) ई गीत, कथा आ समाजसँ कोनो सम्बन्ध नहि राखैत अछि
- (B) ई ग्रामीण परिवेशकेँ हटाकऽ बनल कृत्रिम अभ्यास अछि
- (C) ई लोकजीवनसँ पूर्णतः असंबद्ध विषय अछि
- (D) देवी-भक्ति आ सामूहिक गायनसँ जुड़ल रूप

२५३. काली-कीर्तन संबंधमे कोन कथन ठीक अछि?

- (A) ई बोली आ स्मृतिसँ अलग, निर्जीव संकेत मात्र अछि
- (B) ई केवल राजदरबारक कर-विवरण मात्र अछि
- (C) ई सामुदायिक अनुभव नहि, केवल निजी सजावट अछि
- (D) देवी-भक्ति आ सामूहिक गायनसँ जुड़ल रूप

२५४. काली-कीर्तन केँ चिन्हबाक मुख्य आधार की अछि?

- (A) ई लोकजीवनसँ पूर्णतः असंबद्ध विषय अछि
- (B) देवी-भक्ति आ सामूहिक गायनसँ जुड़ल रूप
- (C) ई ग्रामीण परिवेशकेँ हटाकऽ बनल कृत्रिम अभ्यास अछि
- (D) ई केवल छापल ग्रंथक पन्ना-संख्या गिनबाक विधि अछि

२५५. जँ प्रश्न काली-कीर्तन पर हो, त सही उत्तर कोन हएत?

- (A) ई लोकजीवनसँ पूर्णतः असंबद्ध विषय अछि
- (B) ई सामुदायिक अनुभव नहि, केवल निजी सजावट अछि
- (C) ई बोली आ स्मृतिसँ अलग, निर्जीव संकेत मात्र अछि
- (D) देवी-भक्ति आ सामूहिक गायनसँ जुड़ल रूप

२५६. शिव-गीतक सही अर्थ की अछि?

- (A) ई केवल राजदरबारक कर-विवरण मात्र अछि
- (B) महादेव, गौरी आ लोकभक्ति पर आधारित गीत
- (C) ई ग्रामीण परिवेशकेँ हटाकऽ बनल कृत्रिम अभ्यास अछि
- (D) ई केवल छापल ग्रंथक पन्ना-संख्या गिनबाक विधि अछि

२५७. मैथिली लोकसाहित्यमे शिव-गीत किएक महत्त्वपूर्ण अछि?

- (A) ई केवल व्यापारिक हिसाब-किताबक नाम अछि
- (B) ई केवल राजदरबारक कर-विवरण मात्र अछि
- (C) ई लोकजीवनसँ पूर्णतः असंबद्ध विषय अछि
- (D) महादेव, गौरी आ लोकभक्ति पर आधारित गीत

२५८. शिव-गीत संबंधमे कोन कथन ठीक अछि?

- (A) महादेव, गौरी आ लोकभक्ति पर आधारित गीत
- (B) ई सामुदायिक अनुभव नहि, केवल निजी सजावट अछि
- (C) ई ग्रामीण परिवेशकेँ हटाकऽ बनल कृत्रिम अभ्यास अछि
- (D) ई परम्परा नहि, केवल क्षणिक बाजारू खेल अछि

२५९. शिव-गीत केँ चिन्हबाक मुख्य आधार की अछि?

- (A) ई केवल आधुनिक दफ्तरक नियम-पुस्तक अछि
- (B) महादेव, गौरी आ लोकभक्ति पर आधारित गीत
- (C) ई ग्रामीण परिवेशकेँ हटाकऽ बनल कृत्रिम अभ्यास अछि
- (D) ई सामुदायिक अनुभव नहि, केवल निजी सजावट अछि

२६०. जँ प्रश्न शिव-गीत पर हो, त सही उत्तर कोन हएत?

- (A) महादेव, गौरी आ लोकभक्ति पर आधारित गीत
- (B) ई केवल व्यापारिक हिसाब-किताबक नाम अछि
- (C) ई सामुदायिक अनुभव नहि, केवल निजी सजावट अछि
- (D) ई लोकजीवनसँ पूर्णतः असंबद्ध विषय अछि

२६१. राम-भक्ति गीतक सही अर्थ की अछि?

- (A) ई ग्रामीण परिवेशकेँ हटाकऽ बनल कृत्रिम अभ्यास अछि
- (B) ई केवल व्यापारिक हिसाब-किताबक नाम अछि
- (C) ई केवल राजदरबारक कर-विवरण मात्र अछि
- (D) रामकथा, मर्यादा आ भक्तिभावक लोकगान

२६२. मैथिली लोकसाहित्यमे राम-भक्ति गीत किएक महत्त्वपूर्ण अछि?

- (A) ई गीत, कथा आ समाजसँ कोनो सम्बन्ध नहि राखैत अछि
- (B) ई लोकजीवनसँ पूर्णतः असंबद्ध विषय अछि
- (C) रामकथा, मर्यादा आ भक्तिभावक लोकगान
- (D) ई बोली आ स्मृतिसँ अलग, निर्जीव संकेत मात्र अछि

२६३. राम-भक्ति गीत संबंधमे कोन कथन ठीक अछि?

- (A) ई गीत, कथा आ समाजसँ कोनो सम्बन्ध नहि राखैत अछि
- (B) ई केवल आधुनिक दफ्तरक नियम-पुस्तक अछि
- (C) रामकथा, मर्यादा आ भक्तिभावक लोकगान
- (D) ई ग्रामीण परिवेशकेँ हटाकऽ बनल कृत्रिम अभ्यास अछि

२६४. राम-भक्ति गीत केँ चिन्हबाक मुख्य आधार की अछि?

- (A) रामकथा, मर्यादा आ भक्तिभावक लोकगान
- (B) ई बोली आ स्मृतिसँ अलग, निर्जीव संकेत मात्र अछि
- (C) ई परम्परा नहि, केवल क्षणिक बाजारू खेल अछि
- (D) ई केवल व्यापारिक हिसाब-किताबक नाम अछि

२६५. जँ प्रश्न राम-भक्ति गीत पर हो, त सही उत्तर कोन हएत?

- (A) ई ग्रामीण परिवेशकेँ हटाकऽ बनल कृत्रिम अभ्यास अछि
- (B) ई गीत, कथा आ समाजसँ कोनो सम्बन्ध नहि राखैत अछि
- (C) ई परम्परा नहि, केवल क्षणिक बाजारू खेल अछि
- (D) रामकथा, मर्यादा आ भक्तिभावक लोकगान

२६६. कृष्ण-गीतक सही अर्थ की अछि?

- (A) ई केवल आधुनिक दफ्तरक नियम-पुस्तक अछि
- (B) बाल-लीला, रास, प्रेम आ भक्ति सँ जुड़ल गीत
- (C) ई केवल छापल ग्रंथक पन्ना-संख्या गिनबाक विधि अछि
- (D) ई बोली आ स्मृतिसँ अलग, निर्जीव संकेत मात्र अछि

२६७. मैथिली लोकसाहित्यमे कृष्ण-गीत किएक महत्त्वपूर्ण अछि?

- (A) ई परम्परा नहि, केवल क्षणिक बाजारू खेल अछि
- (B) ई केवल राजदरबारक कर-विवरण मात्र अछि
- (C) ई बोली आ स्मृतिसँ अलग, निर्जीव संकेत मात्र अछि
- (D) बाल-लीला, रास, प्रेम आ भक्ति सँ जुड़ल गीत

२६८. कृष्ण-गीत संबंधमे कोन कथन ठीक अछि?

- (A) ई गीत, कथा आ समाजसँ कोनो सम्बन्ध नहि राखैत अछि
- (B) ई केवल राजदरबारक कर-विवरण मात्र अछि
- (C) ई लोकजीवनसँ पूर्णतः असंबद्ध विषय अछि
- (D) बाल-लीला, रास, प्रेम आ भक्ति सँ जुड़ल गीत

२६९. कृष्ण-गीत केँ चिन्हबाक मुख्य आधार की अछि?

- (A) बाल-लीला, रास, प्रेम आ भक्ति सँ जुड़ल गीत
- (B) ई ग्रामीण परिवेशकेँ हटाकऽ बनल कृत्रिम अभ्यास अछि
- (C) ई गीत, कथा आ समाजसँ कोनो सम्बन्ध नहि राखैत अछि
- (D) ई परम्परा नहि, केवल क्षणिक बाजारू खेल अछि

२७०. जँ प्रश्न कृष्ण-गीत पर हो, त सही उत्तर कोन हएत?

- (A) ई लोकजीवनसँ पूर्णतः असंबद्ध विषय अछि
- (B) ई केवल आधुनिक दफ्तरक नियम-पुस्तक अछि
- (C) ई केवल छापल ग्रंथक पन्ना-संख्या गिनबाक विधि अछि
- (D) बाल-लीला, रास, प्रेम आ भक्ति सँ जुड़ल गीत

२७१. मधुश्रावणी गीतक सही अर्थ की अछि?

- (A) ई गीत, कथा आ समाजसँ कोनो सम्बन्ध नहि राखैत अछि
- (B) ई सामुदायिक अनुभव नहि, केवल निजी सजावट अछि
- (C) नवविवाहिता, नाग-पूजन आ दाम्पत्य मंगलक गीत
- (D) ई लोकजीवनसँ पूर्णतः असंबद्ध विषय अछि

२७२. मैथिली लोकसाहित्यमे मधुश्रावणी गीत किएक महत्त्वपूर्ण अछि?

- (A) ई सामुदायिक अनुभव नहि, केवल निजी सजावट अछि
- (B) नवविवाहिता, नाग-पूजन आ दाम्पत्य मंगलक गीत
- (C) ई केवल राजदरबारक कर-विवरण मात्र अछि
- (D) ई केवल आधुनिक दफ्तरक नियम-पुस्तक अछि

२७३. मधुश्रावणी गीत संबंधमे कोन कथन ठीक अछि?

- (A) ई बोली आ स्मृतिसँ अलग, निर्जीव संकेत मात्र अछि
- (B) ई केवल आधुनिक दफ्तरक नियम-पुस्तक अछि
- (C) ई गीत, कथा आ समाजसँ कोनो सम्बन्ध नहि राखैत अछि
- (D) नवविवाहिता, नाग-पूजन आ दाम्पत्य मंगलक गीत

२७४. मधुश्रावणी गीत केँ चिन्हबाक मुख्य आधार की अछि?

- (A) ई सामुदायिक अनुभव नहि, केवल निजी सजावट अछि
- (B) ई बोली आ स्मृतिसँ अलग, निर्जीव संकेत मात्र अछि
- (C) नवविवाहिता, नाग-पूजन आ दाम्पत्य मंगलक गीत
- (D) ई परम्परा नहि, केवल क्षणिक बाजारू खेल अछि

२७५. जँ प्रश्न मधुश्रावणी गीत पर हो, त सही उत्तर कोन हएत?

- (A) नवविवाहिता, नाग-पूजन आ दाम्पत्य मंगलक गीत
- (B) ई गीत, कथा आ समाजसँ कोनो सम्बन्ध नहि राखैत अछि
- (C) ई बोली आ स्मृतिसँ अलग, निर्जीव संकेत मात्र अछि
- (D) ई केवल छापल ग्रंथक पन्ना-संख्या गिनबाक विधि अछि

२७६. हरियाली भावक सही अर्थ की अछि?

- (A) ई केवल आधुनिक दफ्तरक नियम-पुस्तक अछि
- (B) बरखा आ फसलक आशा सँ उपजल लोक-गीत
- (C) ई केवल राजदरबारक कर-विवरण मात्र अछि
- (D) ई बोली आ स्मृतिसँ अलग, निर्जीव संकेत मात्र अछि

२७७. मैथिली लोकसाहित्यमे हरियाली भाव किएक महत्त्वपूर्ण अछि?

- (A) ई परम्परा नहि, केवल क्षणिक बाजारू खेल अछि
- (B) ई केवल छापल ग्रंथक पन्ना-संख्या गिनबाक विधि अछि
- (C) ई केवल व्यापारिक हिसाब-किताबक नाम अछि
- (D) बरखा आ फसलक आशा सँ उपजल लोक-गीत

२७८. हरियाली भाव संबंधमे कोन कथन ठीक अछि?

- (A) ई केवल आधुनिक दफ्तरक नियम-पुस्तक अछि
- (B) ई लोकजीवनसँ पूर्णतः असंबद्ध विषय अछि
- (C) ई केवल व्यापारिक हिसाब-किताबक नाम अछि
- (D) बरखा आ फसलक आशा सँ उपजल लोक-गीत

२७९. हरियाली भाव केँ चिन्हबाक मुख्य आधार की अछि?

- (A) ई बोली आ स्मृतिसँ अलग, निर्जीव संकेत मात्र अछि
- (B) ई लोकजीवनसँ पूर्णतः असंबद्ध विषय अछि
- (C) ई सामुदायिक अनुभव नहि, केवल निजी सजावट अछि
- (D) बरखा आ फसलक आशा सँ उपजल लोक-गीत

२८०. जँ प्रश्न हरियाली भाव पर हो, त सही उत्तर कोन हएत?

- (A) ई परम्परा नहि, केवल क्षणिक बाजारू खेल अछि
- (B) ई केवल छापल ग्रंथक पन्ना-संख्या गिनबाक विधि अछि
- (C) बरखा आ फसलक आशा सँ उपजल लोक-गीत
- (D) ई लोकजीवनसँ पूर्णतः असंबद्ध विषय अछि

२८१. मेला गीतक सही अर्थ की अछि?

- (A) ई केवल राजदरबारक कर-विवरण मात्र अछि
- (B) ई केवल आधुनिक दफ्तरक नियम-पुस्तक अछि
- (C) ई परम्परा नहि, केवल क्षणिक बाजारू खेल अछि
- (D) तीर्थ, देवस्थान आ सामूहिक जमघटमे गाओल गीत

२८२. मैथिली लोकसाहित्यमे मेला गीत किएक महत्त्वपूर्ण अछि?

- (A) तीर्थ, देवस्थान आ सामूहिक जमघटमे गाओल गीत
- (B) ई केवल आधुनिक दफ्तरक नियम-पुस्तक अछि
- (C) ई परम्परा नहि, केवल क्षणिक बाजारू खेल अछि
- (D) ई केवल छापल ग्रंथक पन्ना-संख्या गिनबाक विधि अछि

२८३. मेला गीत संबंधमे कोन कथन ठीक अछि?

- (A) तीर्थ, देवस्थान आ सामूहिक जमघटमे गाओल गीत
- (B) ई केवल आधुनिक दफ्तरक नियम-पुस्तक अछि
- (C) ई लोकजीवनसँ पूर्णतः असंबद्ध विषय अछि
- (D) ई सामुदायिक अनुभव नहि, केवल निजी सजावट अछि

२८४. मेला गीत केँ चिन्हबाक मुख्य आधार की अछि?

- (A) ई बोली आ स्मृतिसँ अलग, निर्जीव संकेत मात्र अछि
- (B) ई ग्रामीण परिवेशकेँ हटाकऽ बनल कृत्रिम अभ्यास अछि
- (C) ई गीत, कथा आ समाजसँ कोनो सम्बन्ध नहि राखैत अछि
- (D) तीर्थ, देवस्थान आ सामूहिक जमघटमे गाओल गीत

२८५. जँ प्रश्न मेला गीत पर हो, त सही उत्तर कोन हएत?

- (A) तीर्थ, देवस्थान आ सामूहिक जमघटमे गाओल गीत
- (B) ई केवल राजदरबारक कर-विवरण मात्र अछि
- (C) ई सामुदायिक अनुभव नहि, केवल निजी सजावट अछि
- (D) ई ग्रामीण परिवेशकेँ हटाकऽ बनल कृत्रिम अभ्यास अछि

२८६. व्रत-कथा गीतक सही अर्थ की अछि?

- (A) ई केवल छापल ग्रंथक पन्ना-संख्या गिनबाक विधि अछि
- (B) ई सामुदायिक अनुभव नहि, केवल निजी सजावट अछि
- (C) ई लोकजीवनसँ पूर्णतः असंबद्ध विषय अछि
- (D) व्रतक कथा, नियम आ फल-श्रुति सँ जुड़ल गेय रूप

२८७. मैथिली लोकसाहित्यमे व्रत-कथा गीत किएक महत्त्वपूर्ण अछि?

- (A) ई केवल राजदरबारक कर-विवरण मात्र अछि
- (B) ई लोकजीवनसँ पूर्णतः असंबद्ध विषय अछि
- (C) ई केवल व्यापारिक हिसाब-किताबक नाम अछि
- (D) व्रतक कथा, नियम आ फल-श्रुति सँ जुड़ल गेय रूप

२८८. व्रत-कथा गीत संबंधमे कोन कथन ठीक अछि?

- (A) व्रतक कथा, नियम आ फल-श्रुति सँ जुड़ल गेय रूप
- (B) ई परम्परा नहि, केवल क्षणिक बाजारू खेल अछि
- (C) ई केवल आधुनिक दफ्तरक नियम-पुस्तक अछि
- (D) ई केवल राजदरबारक कर-विवरण मात्र अछि

२८९. व्रत-कथा गीत के चिन्हबाक मुख्य आधार की अछि?

- (A) व्रतक कथा, नियम आ फल-श्रुति सँ जुड़ल गेय रूप
- (B) ई लोकजीवनसँ पूर्णतः असंबद्ध विषय अछि
- (C) ई गीत, कथा आ समाजसँ कोनो सम्बन्ध नहि राखैत अछि
- (D) ई ग्रामीण परिवेशकेँ हटाकऽ बनल कृत्रिम अभ्यास अछि

२९०. जेँ प्रश्न व्रत-कथा गीत पर हो, त सही उत्तर कोन हएत?

- (A) ई सामुदायिक अनुभव नहि, केवल निजी सजावट अछि
- (B) ई केवल व्यापारिक हिसाब-किताबक नाम अछि
- (C) ई ग्रामीण परिवेशकेँ हटाकऽ बनल कृत्रिम अभ्यास अछि
- (D) व्रतक कथा, नियम आ फल-श्रुति सँ जुड़ल गेय रूप

२९१. ऋतु-चक्रक सही अर्थ की अछि?

- (A) ई ग्रामीण परिवेशकेँ हटाकऽ बनल कृत्रिम अभ्यास अछि
- (B) ई केवल आधुनिक दफ्तरक नियम-पुस्तक अछि
- (C) चैत, सावन, भादो, फागुन आदि मासक अनुभूति गीतमे आबैत अछि
- (D) ई गीत, कथा आ समाजसँ कोनो सम्बन्ध नहि राखैत अछि

२९२. मैथिली लोकसाहित्यमे ऋतु-चक्र किएक महत्त्वपूर्ण अछि?

- (A) ई बोली आ स्मृतिसँ अलग, निर्जीव संकेत मात्र अछि
- (B) चैत, सावन, भादो, फागुन आदि मासक अनुभूति गीतमे आबैत अछि
- (C) ई केवल आधुनिक दफ्तरक नियम-पुस्तक अछि
- (D) ई केवल राजदरबारक कर-विवरण मात्र अछि

२९३. ऋतु-चक्र संबंधमे कोन कथन ठीक अछि?

- (A) ई परम्परा नहि, केवल क्षणिक बाजारू खेल अछि
- (B) चैत, सावन, भादो, फागुन आदि मासक अनुभूति गीतमे आबैत अछि
- (C) ई बोली आ स्मृतिसँ अलग, निर्जीव संकेत मात्र अछि
- (D) ई केवल व्यापारिक हिसाब-किताबक नाम अछि

२९४. ऋतु-चक्र केँ चिन्हबाक मुख्य आधार की अछि?

- (A) चैत, सावन, भादो, फागुन आदि मासक अनुभूति गीतमे आबैत अछि
- (B) ई केवल राजदरबारक कर-विवरण मात्र अछि
- (C) ई सामुदायिक अनुभव नहि, केवल निजी सजावट अछि
- (D) ई ग्रामीण परिवेशकेँ हटाकऽ बनल कृत्रिम अभ्यास अछि

२९५. जेँ प्रश्न ऋतु-चक्र पर हो, त सही उत्तर कोन हएत?

- (A) ई केवल छापल ग्रंथक पन्ना-संख्या गिनबाक विधि अछि
- (B) ई सामुदायिक अनुभव नहि, केवल निजी सजावट अछि
- (C) चैत, सावन, भादो, फागुन आदि मासक अनुभूति गीतमे आबैत अछि
- (D) ई ग्रामीण परिवेशकेँ हटाकऽ बनल कृत्रिम अभ्यास अछि

२९६. भक्ति आ लोकक सही अर्थ की अछि?

- (A) ई केवल व्यापारिक हिसाब-किताबक नाम अछि
- (B) ई गीत, कथा आ समाजसँ कोनो सम्बन्ध नहि राखैत अछि
- (C) ई केवल आधुनिक दफ्तरक नियम-पुस्तक अछि
- (D) देव-स्मरणकेँ गामक बोली, धुन आ रीति सँ व्यक्त करब

२९७. मैथिली लोकसाहित्यमे भक्ति आ लोक किएक महत्त्वपूर्ण अछि?

- (A) देव-स्मरणकें गामक बोली, धुन आ रीति सँ व्यक्त करब
- (B) ई केवल आधुनिक दफ्तरक नियम-पुस्तक अछि
- (C) ई लोकजीवनसँ पूर्णतः असंबद्ध विषय अछि
- (D) ई सामुदायिक अनुभव नहि, केवल निजी सजावट अछि

२९८. भक्ति आ लोक संबंधमे कोन कथन ठीक अछि?

- (A) देव-स्मरणकें गामक बोली, धुन आ रीति सँ व्यक्त करब
- (B) ई केवल आधुनिक दफ्तरक नियम-पुस्तक अछि
- (C) ई गीत, कथा आ समाजसँ कोनो सम्बन्ध नहि राखैत अछि
- (D) ई परम्परा नहि, केवल क्षणिक बाजारू खेल अछि

२९९. भक्ति आ लोक केँ चिन्हबाक मुख्य आधार की अछि?

- (A) ई सामुदायिक अनुभव नहि, केवल निजी सजावट अछि
- (B) ई केवल व्यापारिक हिसाब-किताबक नाम अछि
- (C) देव-स्मरणकें गामक बोली, धुन आ रीति सँ व्यक्त करब
- (D) ई बोली आ स्मृतिसँ अलग, निर्जीव संकेत मात्र अछि

३००. जँ प्रश्न भक्ति आ लोक पर हो, त सही उत्तर कोन हएत?

- (A) ई गीत, कथा आ समाजसँ कोनो सम्बन्ध नहि राखैत अछि
- (B) देव-स्मरणकें गामक बोली, धुन आ रीति सँ व्यक्त करब
- (C) ई केवल व्यापारिक हिसाब-किताबक नाम अछि
- (D) ई केवल छापल ग्रंथक पन्ना-संख्या गिनबाक विधि अछि

श्रम, पेशा आ जीवन गीत

३०१. रोपनी गीतक सही अर्थ की अछि?

- (A) ई ग्रामीण परिवेशकें हटाकऽ बनल कृत्रिम अभ्यास अछि
- (B) धान रोपैत काल समूहमे गाओल जाएबला गीत
- (C) ई केवल आधुनिक दफ्तरक नियम-पुस्तक अछि
- (D) ई बोली आ स्मृतिसँ अलग, निर्जीव संकेत मात्र अछि

३०२. मैथिली लोकसाहित्यमे रोपनी गीत किएक महत्त्वपूर्ण अछि?

- (A) धान रोपैत काल समूहमे गाओल जाएबला गीत
- (B) ई गीत, कथा आ समाजसँ कोनो सम्बन्ध नहि राखैत अछि
- (C) ई केवल राजदरबारक कर-विवरण मात्र अछि
- (D) ई लोकजीवनसँ पूर्णतः असंबद्ध विषय अछि

३०३. रोपनी गीत संबंधमे कोन कथन ठीक अछि?

- (A) ई केवल आधुनिक दफ्तरक नियम-पुस्तक अछि
- (B) ई केवल छापल ग्रंथक पन्ना-संख्या गिनबाक विधि अछि
- (C) ई लोकजीवनसँ पूर्णतः असंबद्ध विषय अछि
- (D) धान रोपैत काल समूहमे गाओल जाएबला गीत

३०४. रोपनी गीत केँ चिन्हबाक मुख्य आधार की अछि?

- (A) ई बोली आ स्मृतिसँ अलग, निर्जीव संकेत मात्र अछि
- (B) ई केवल छापल ग्रंथक पन्ना-संख्या गिनबाक विधि अछि
- (C) ई केवल व्यापारिक हिसाब-किताबक नाम अछि
- (D) धान रोपैत काल समूहमे गाओल जाएबला गीत

३०५. जँ प्रश्न रोपनी गीत पर हो, त सही उत्तर कोन हएत?

- (A) ई केवल राजदरबारक कर-विवरण मात्र अछि
- (B) ई ग्रामीण परिवेशकेँ हटाकऽ बनल कृत्रिम अभ्यास अछि
- (C) ई केवल आधुनिक दफ्तरक नियम-पुस्तक अछि
- (D) धान रोपैत काल समूहमे गाओल जाएबला गीत

३०६. सोहनी गीतक सही अर्थ की अछि?

- (A) ई लोकजीवनसँ पूर्णतः असंबद्ध विषय अछि
- (B) खेतक घास-पात निकालैत कालक श्रमगीत
- (C) ई केवल आधुनिक दफ्तरक नियम-पुस्तक अछि
- (D) ई बोली आ स्मृतिसँ अलग, निर्जीव संकेत मात्र अछि

३०७. मैथिली लोकसाहित्यमे सोहनी गीत किएक महत्त्वपूर्ण अछि?

- (A) ई केवल आधुनिक दफ्तरक नियम-पुस्तक अछि
- (B) ई केवल राजदरबारक कर-विवरण मात्र अछि
- (C) खेतक घास-पात निकालैत कालक श्रमगीत
- (D) ई परम्परा नहि, केवल क्षणिक बाजारू खेल अछि

३०८. सोहनी गीत संबंधमे कोन कथन ठीक अछि?

- (A) ई केवल राजदरबारक कर-विवरण मात्र अछि
- (B) ई लोकजीवनसँ पूर्णतः असंबद्ध विषय अछि
- (C) ई ग्रामीण परिवेशकेँ हटाकऽ बनल कृत्रिम अभ्यास अछि
- (D) खेतक घास-पात निकालैत कालक श्रमगीत

३०९. सोहनी गीत केँ चिन्हबाक मुख्य आधार की अछि?

- (A) ई बोली आ स्मृतिसँ अलग, निर्जीव संकेत मात्र अछि
- (B) ई केवल छापल ग्रंथक पन्ना-संख्या गिनबाक विधि अछि
- (C) ई केवल आधुनिक दफ्तरक नियम-पुस्तक अछि
- (D) खेतक घास-पात निकालैत कालक श्रमगीत

३१०. जँ प्रश्न सोहनी गीत पर हो, त सही उत्तर कोन हएत?

- (A) ई केवल व्यापारिक हिसाब-किताबक नाम अछि
- (B) ई लोकजीवनसँ पूर्णतः असंबद्ध विषय अछि
- (C) खेतक घास-पात निकालैत कालक श्रमगीत
- (D) ई केवल आधुनिक दफ्तरक नियम-पुस्तक अछि

३११. जाँतसारक सही अर्थ की अछि?

- (A) ई केवल व्यापारिक हिसाब-किताबक नाम अछि
- (B) ई केवल राजदरबारक कर-विवरण मात्र अछि
- (C) ई सामुदायिक अनुभव नहि, केवल निजी सजावट अछि
- (D) जाँत चलबैत काल स्त्रीसभ द्वारा गाओल गीत

३१२. मैथिली लोकसाहित्यमे जाँतसार किएक महत्त्वपूर्ण अछि?

- (A) ई केवल राजदरबारक कर-विवरण मात्र अछि
- (B) जाँत चलबैत काल स्त्रीसभ द्वारा गाओल गीत
- (C) ई केवल छापल ग्रंथक पन्ना-संख्या गिनबाक विधि अछि
- (D) ई लोकजीवनसँ पूर्णतः असंबद्ध विषय अछि

३१३. जाँतसार संबंधमे कोन कथन ठीक अछि?

- (A) जाँत चलबैत काल स्त्रीसभ द्वारा गाओल गीत
- (B) ई गीत, कथा आ समाजसँ कोनो सम्बन्ध नहि राखैत अछि
- (C) ई परम्परा नहि, केवल क्षणिक बाजारू खेल अछि
- (D) ई लोकजीवनसँ पूर्णतः असंबद्ध विषय अछि

३१४. जाँतसार केँ चिन्हबाक मुख्य आधार की अछि?

- (A) ई केवल व्यापारिक हिसाब-किताबक नाम अछि
- (B) ई सामुदायिक अनुभव नहि, केवल निजी सजावट अछि
- (C) ई लोकजीवनसँ पूर्णतः असंबद्ध विषय अछि
- (D) जाँत चलबैत काल स्त्रीसभ द्वारा गाओल गीत

३१५. जँ प्रश्न जाँतसार पर हो, त सही उत्तर कोन हएत?

- (A) ई परम्परा नहि, केवल क्षणिक बाजारू खेल अछि
- (B) ई गीत, कथा आ समाजसँ कोनो सम्बन्ध नहि राखैत अछि
- (C) ई लोकजीवनसँ पूर्णतः असंबद्ध विषय अछि
- (D) जाँत चलबैत काल स्त्रीसभ द्वारा गाओल गीत

३१६. चरखा गीतक सही अर्थ की अछि?

- (A) सूता कातैत कालक धैर्य, श्रम आ मनोभावक गीत
- (B) ई ग्रामीण परिवेशकेँ हटाकऽ बनल कृत्रिम अभ्यास अछि
- (C) ई लोकजीवनसँ पूर्णतः असंबद्ध विषय अछि
- (D) ई परम्परा नहि, केवल क्षणिक बाजारू खेल अछि

३१७. मैथिली लोकसाहित्यमे चरखा गीत किएक महत्त्वपूर्ण अछि?

- (A) ई केवल छापल ग्रंथक पन्ना-संख्या गिनबाक विधि अछि
- (B) सूता कातैत कालक धैर्य, श्रम आ मनोभावक गीत
- (C) ई सामुदायिक अनुभव नहि, केवल निजी सजावट अछि
- (D) ई गीत, कथा आ समाजसँ कोनो सम्बन्ध नहि राखैत अछि

३१८. चरखा गीत संबंधमे कोन कथन ठीक अछि?

- (A) सूता कातैत कालक धैर्य, श्रम आ मनोभावक गीत
- (B) ई लोकजीवनसँ पूर्णतः असंबद्ध विषय अछि
- (C) ई परम्परा नहि, केवल क्षणिक बाजारू खेल अछि
- (D) ई केवल छापल ग्रंथक पन्ना-संख्या गिनबाक विधि अछि

३१९. चरखा गीत केँ चिन्हबाक मुख्य आधार की अछि?

- (A) ई केवल छापल ग्रंथक पन्ना-संख्या गिनबाक विधि अछि
- (B) सूता कातैत कालक धैर्य, श्रम आ मनोभावक गीत
- (C) ई केवल राजदरबारक कर-विवरण मात्र अछि
- (D) ई सामुदायिक अनुभव नहि, केवल निजी सजावट अछि

३२०. जँ प्रश्न चरखा गीत पर हो, त सही उत्तर कोन हएत?

- (A) ई बोली आ स्मृतिसँ अलग, निर्जीव संकेत मात्र अछि
- (B) ई परम्परा नहि, केवल क्षणिक बाजारू खेल अछि
- (C) ई केवल आधुनिक दफ्तरक नियम-पुस्तक अछि
- (D) सूता कातैत कालक धैर्य, श्रम आ मनोभावक गीत

३२१. चरवाहा गीतक सही अर्थ की अछि?

- (A) गोरु-बछड़ा चरबैत लोकक प्रकृति-संगीत
- (B) ई केवल छापल ग्रंथक पन्ना-संख्या गिनबाक विधि अछि
- (C) ई बोली आ स्मृतिसँ अलग, निर्जीव संकेत मात्र अछि
- (D) ई गीत, कथा आ समाजसँ कोनो सम्बन्ध नहि राखैत अछि

३२२. मैथिली लोकसाहित्यमे चरवाहा गीत किएक महत्त्वपूर्ण अछि?

- (A) ई केवल आधुनिक दफ्तरक नियम-पुस्तक अछि
- (B) ई केवल राजदरबारक कर-विवरण मात्र अछि
- (C) ई गीत, कथा आ समाजसँ कोनो सम्बन्ध नहि राखैत अछि
- (D) गोरु-बछड़ा चरबैत लोकक प्रकृति-संगीत

३२३. चरवाहा गीत संबंधमे कोन कथन ठीक अछि?

- (A) ई ग्रामीण परिवेशकेँ हटाकऽ बनल कृत्रिम अभ्यास अछि
- (B) ई बोली आ स्मृतिसँ अलग, निर्जीव संकेत मात्र अछि
- (C) गोरु-बछड़ा चरबैत लोकक प्रकृति-संगीत
- (D) ई केवल राजदरबारक कर-विवरण मात्र अछि

३२४. चरवाहा गीत केँ चिन्हबाक मुख्य आधार की अछि?

- (A) गोरु-बछड़ा चरबैत लोकक प्रकृति-संगीत
- (B) ई केवल राजदरबारक कर-विवरण मात्र अछि
- (C) ई लोकजीवनसँ पूर्णतः असंबद्ध विषय अछि
- (D) ई केवल व्यापारिक हिसाब-किताबक नाम अछि

३२५. जँ प्रश्न चरवाहा गीत पर हो, त सही उत्तर कोन हएत?

- (A) ई केवल आधुनिक दफ्तरक नियम-पुस्तक अछि
- (B) ई लोकजीवनसँ पूर्णतः असंबद्ध विषय अछि
- (C) गोरु-बछड़ा चरबैत लोकक प्रकृति-संगीत
- (D) ई सामुदायिक अनुभव नहि, केवल निजी सजावट अछि

३२६. नाविक गीतक सही अर्थ की अछि?

- (A) ई ग्रामीण परिवेशकेँ हटाकऽ बनल कृत्रिम अभ्यास अछि
- (B) ई केवल राजदरबारक कर-विवरण मात्र अछि
- (C) नदी पार करब, जल-यात्रा आ जीवन-जोखिमक गीत
- (D) ई लोकजीवनसँ पूर्णतः असंबद्ध विषय अछि

३२७. मैथिली लोकसाहित्यमे नाविक गीत किएक महत्त्वपूर्ण अछि?

- (A) ई केवल व्यापारिक हिसाब-किताबक नाम अछि
- (B) नदी पार करब, जल-यात्रा आ जीवन-जोखिमक गीत
- (C) ई केवल राजदरबारक कर-विवरण मात्र अछि
- (D) ई केवल छापल ग्रंथक पन्ना-संख्या गिनबाक विधि अछि

३२८. नाविक गीत संबंधमे कोन कथन ठीक अछि?

- (A) नदी पार करब, जल-यात्रा आ जीवन-जोखिमक गीत
- (B) ई परम्परा नहि, केवल क्षणिक बाजारू खेल अछि
- (C) ई बोली आ स्मृतिसँ अलग, निर्जीव संकेत मात्र अछि
- (D) ई केवल आधुनिक दफ्तरक नियम-पुस्तक अछि

३२९. नाविक गीत के चिन्हबाक मुख्य आधार की अछि?

- (A) ई बोली आ स्मृतिसँ अलग, निर्जीव संकेत मात्र अछि
- (B) ई केवल आधुनिक दफ्तरक नियम-पुस्तक अछि
- (C) ई सामुदायिक अनुभव नहि, केवल निजी सजावट अछि
- (D) नदी पार करब, जल-यात्रा आ जीवन-जोखिमक गीत

३३०. जेँ प्रश्न नाविक गीत पर हो, त सही उत्तर कोन हएत?

- (A) नदी पार करब, जल-यात्रा आ जीवन-जोखिमक गीत
- (B) ई परम्परा नहि, केवल क्षणिक बाजारू खेल अछि
- (C) ई सामुदायिक अनुभव नहि, केवल निजी सजावट अछि
- (D) ई केवल राजदरबारक कर-विवरण मात्र अछि

३३१. बटगबनीक सही अर्थ की अछि?

- (A) ई केवल आधुनिक दफ्तरक नियम-पुस्तक अछि
- (B) ई परम्परा नहि, केवल क्षणिक बाजारू खेल अछि
- (C) रास्ता, यात्रा, विरह आ राहक अनुभवक गीत
- (D) ई लोकजीवनसँ पूर्णतः असंबद्ध विषय अछि

३३२. मैथिली लोकसाहित्यमे बटगबनी किएक महत्त्वपूर्ण अछि?

- (A) ई ग्रामीण परिवेशकेँ हटाकऽ बनल कृत्रिम अभ्यास अछि
- (B) ई केवल आधुनिक दफ्तरक नियम-पुस्तक अछि
- (C) ई केवल राजदरबारक कर-विवरण मात्र अछि
- (D) रास्ता, यात्रा, विरह आ राहक अनुभवक गीत

३३३. बटगबनी संबंधमे कोन कथन ठीक अछि?

- (A) ई केवल छापल ग्रंथक पन्ना-संख्या गिनबाक विधि अछि
- (B) ई केवल व्यापारिक हिसाब-किताबक नाम अछि
- (C) ई बोली आ स्मृतिसँ अलग, निर्जीव संकेत मात्र अछि
- (D) रास्ता, यात्रा, विरह आ राहक अनुभवक गीत

३३४. बटगबनी केँ चिन्हबाक मुख्य आधार की अछि?

- (A) ई सामुदायिक अनुभव नहि, केवल निजी सजावट अछि
- (B) रास्ता, यात्रा, विरह आ राहक अनुभवक गीत
- (C) ई केवल छापल ग्रंथक पन्ना-संख्या गिनबाक विधि अछि
- (D) ई गीत, कथा आ समाजसँ कोनो सम्बन्ध नहि राखैत अछि

३३५. जेँ प्रश्न बटगबनी पर हो, त सही उत्तर कोन हएत?

- (A) रास्ता, यात्रा, विरह आ राहक अनुभवक गीत
- (B) ई लोकजीवनसँ पूर्णतः असंबद्ध विषय अछि
- (C) ई बोली आ स्मृतिसँ अलग, निर्जीव संकेत मात्र अछि
- (D) ई गीत, कथा आ समाजसँ कोनो सम्बन्ध नहि राखैत अछि

३३६. कहरवा भावक सही अर्थ की अछि?

- (A) बोझा ढोयब, यात्रा आ लोक-लय सँ जुड़ल गायन
- (B) ई केवल आधुनिक दफ्तरक नियम-पुस्तक अछि
- (C) ई केवल राजदरबारक कर-विवरण मात्र अछि
- (D) ई गीत, कथा आ समाजसँ कोनो सम्बन्ध नहि राखैत अछि

३३७. मैथिली लोकसाहित्यमे कहरवा भाव किएक महत्त्वपूर्ण अछि?

- (A) ई परम्परा नहि, केवल क्षणिक बाजारू खेल अछि
- (B) ई केवल राजदरबारक कर-विवरण मात्र अछि
- (C) ई केवल आधुनिक दफ्तरक नियम-पुस्तक अछि
- (D) बोझा ढोयब, यात्रा आ लोक-लय सँ जुड़ल गायन

३३८. कहरवा भाव संबंधमे कोन कथन ठीक अछि?

- (A) बोझा ढोयब, यात्रा आ लोक-लय सँ जुड़ल गायन
- (B) ई केवल व्यापारिक हिसाब-किताबक नाम अछि
- (C) ई बोली आ स्मृतिसँ अलग, निर्जीव संकेत मात्र अछि
- (D) ई केवल आधुनिक दफ्तरक नियम-पुस्तक अछि

३३९. कहरवा भाव केँ चिन्हबाक मुख्य आधार की अछि?

- (A) बोझा ढोयब, यात्रा आ लोक-लय सँ जुड़ल गायन
- (B) ई ग्रामीण परिवेशकेँ हटाकऽ बनल कृत्रिम अभ्यास अछि
- (C) ई केवल व्यापारिक हिसाब-किताबक नाम अछि
- (D) ई लोकजीवनसँ पूर्णतः असंबद्ध विषय अछि

३४०. जँ प्रश्न कहरवा भाव पर हो, त सही उत्तर कोन हएत?

- (A) बोझा ढोयब, यात्रा आ लोक-लय सँ जुड़ल गायन
- (B) ई ग्रामीण परिवेशकेँ हटाकऽ बनल कृत्रिम अभ्यास अछि
- (C) ई बोली आ स्मृतिसँ अलग, निर्जीव संकेत मात्र अछि
- (D) ई गीत, कथा आ समाजसँ कोनो सम्बन्ध नहि राखैत अछि

३४१. मजदूर गीतक सही अर्थ की अछि?

- (A) ई बोली आ स्मृतिसँ अलग, निर्जीव संकेत मात्र अछि
- (B) मेहनत, अभाव आ आशाक सामूहिक अभिव्यक्ति
- (C) ई सामुदायिक अनुभव नहि, केवल निजी सजावट अछि
- (D) ई केवल आधुनिक दफ्तरक नियम-पुस्तक अछि

३४२. मैथिली लोकसाहित्यमे मजदूर गीत किएक महत्त्वपूर्ण अछि?

- (A) मेहनत, अभाव आ आशाक सामूहिक अभिव्यक्ति
- (B) ई सामुदायिक अनुभव नहि, केवल निजी सजावट अछि
- (C) ई गीत, कथा आ समाजसँ कोनो सम्बन्ध नहि राखैत अछि
- (D) ई केवल आधुनिक दफ्तरक नियम-पुस्तक अछि

३४३. मजदूर गीत संबंधमे कोन कथन ठीक अछि?

- (A) ई केवल व्यापारिक हिसाब-किताबक नाम अछि
- (B) ई ग्रामीण परिवेशकेँ हटाकऽ बनल कृत्रिम अभ्यास अछि
- (C) ई केवल छापल ग्रंथक पन्ना-संख्या गिनबाक विधि अछि
- (D) मेहनत, अभाव आ आशाक सामूहिक अभिव्यक्ति

३४४. मजदूर गीत केँ चिन्हबाक मुख्य आधार की अछि?

- (A) ई लोकजीवनसँ पूर्णतः असंबद्ध विषय अछि
- (B) ई ग्रामीण परिवेशकेँ हटाकऽ बनल कृत्रिम अभ्यास अछि
- (C) ई केवल छापल ग्रंथक पन्ना-संख्या गिनबाक विधि अछि
- (D) मेहनत, अभाव आ आशाक सामूहिक अभिव्यक्ति

३४५. जौ प्रश्न मजदूर गीत पर हो, त सही उत्तर कोन हएत?

- (A) ई केवल व्यापारिक हिसाब-किताबक नाम अछि
- (B) ई परम्परा नहि, केवल क्षणिक बाजारू खेल अछि
- (C) ई बोली आ स्मृतिसँ अलग, निर्जीव संकेत मात्र अछि
- (D) मेहनत, अभाव आ आशाक सामूहिक अभिव्यक्ति

३४६. चरन-गीतक सही अर्थ की अछि?

- (A) ई सामुदायिक अनुभव नहि, केवल निजी सजावट अछि
- (B) ई लोकजीवनसँ पूर्णतः असंबद्ध विषय अछि
- (C) ई बोली आ स्मृतिसँ अलग, निर्जीव संकेत मात्र अछि
- (D) घूमन्तू गेनिहारक कथा-गान परम्परा

३४७. मैथिली लोकसाहित्यमे चरन-गीत किएक महत्त्वपूर्ण अछि?

- (A) घूमन्तू गेनिहारक कथा-गान परम्परा
- (B) ई केवल छापल ग्रंथक पन्ना-संख्या गिनबाक विधि अछि
- (C) ई केवल राजदरबारक कर-विवरण मात्र अछि
- (D) ई केवल आधुनिक दफ्तरक नियम-पुस्तक अछि

३४८. चरन-गीत संबंधमे कोन कथन ठीक अछि?

- (A) ई बोली आ स्मृतिसँ अलग, निर्जीव संकेत मात्र अछि
- (B) ई केवल छापल ग्रंथक पन्ना-संख्या गिनबाक विधि अछि
- (C) ई लोकजीवनसँ पूर्णतः असंबद्ध विषय अछि
- (D) घूमन्तू गेनिहारक कथा-गान परम्परा

३४९. चरन-गीत केँ चिन्हबाक मुख्य आधार की अछि?

- (A) ई सामुदायिक अनुभव नहि, केवल निजी सजावट अछि
- (B) घूमन्तू गेनिहारक कथा-गान परम्परा
- (C) ई गीत, कथा आ समाजसँ कोनो सम्बन्ध नहि राखैत अछि
- (D) ई लोकजीवनसँ पूर्णतः असंबद्ध विषय अछि

३५०. जौ प्रश्न चरन-गीत पर हो, त सही उत्तर कोन हएत?

- (A) ई केवल छापल ग्रंथक पन्ना-संख्या गिनबाक विधि अछि
- (B) घूमन्तू गेनिहारक कथा-गान परम्परा
- (C) ई लोकजीवनसँ पूर्णतः असंबद्ध विषय अछि
- (D) ई बोली आ स्मृतिसँ अलग, निर्जीव संकेत मात्र अछि

३५१. माछुआ गीतक सही अर्थ की अछि?

- (A) ई केवल छापल ग्रंथक पन्ना-संख्या गिनबाक विधि अछि
- (B) माछ पकड़ब, पोखरि-नदी आ जल-जीवनसँ जुड़ल गीत
- (C) ई केवल आधुनिक दफ्तरक नियम-पुस्तक अछि
- (D) ई गीत, कथा आ समाजसँ कोनो सम्बन्ध नहि राखैत अछि

३५२. मैथिली लोकसाहित्यमे माछुआ गीत किएक महत्त्वपूर्ण अछि?

- (A) माछ पकड़ब, पोखरि-नदी आ जल-जीवनसँ जुड़ल गीत
- (B) ई लोकजीवनसँ पूर्णतः असंबद्ध विषय अछि
- (C) ई केवल राजदरबारक कर-विवरण मात्र अछि
- (D) ई परम्परा नहि, केवल क्षणिक बाजारू खेल अछि

३५३. माछुआ गीत संबंधमे कोन कथन ठीक अछि?

- (A) माछ पकड़ब, पोखरि-नदी आ जल-जीवनसँ जुड़ल गीत
- (B) ई सामुदायिक अनुभव नहि, केवल निजी सजावट अछि
- (C) ई गीत, कथा आ समाजसँ कोनो सम्बन्ध नहि राखैत अछि
- (D) ई केवल व्यापारिक हिसाब-किताबक नाम अछि

३५४. माछुआ गीत केँ चिन्हबाक मुख्य आधार की अछि?

- (A) ई केवल राजदरबारक कर-विवरण मात्र अछि
- (B) माछ पकड़ब, पोखरि-नदी आ जल-जीवनसँ जुड़ल गीत
- (C) ई ग्रामीण परिवेशकेँ हटाकऽ बनल कृत्रिम अभ्यास अछि
- (D) ई गीत, कथा आ समाजसँ कोनो सम्बन्ध नहि राखैत अछि

३५५. जँ प्रश्न माछुआ गीत पर हो, त सही उत्तर कोन हएत?

- (A) ई परम्परा नहि, केवल क्षणिक बाजारू खेल अछि
- (B) ई केवल व्यापारिक हिसाब-किताबक नाम अछि
- (C) माछ पकड़ब, पोखरि-नदी आ जल-जीवनसँ जुड़ल गीत
- (D) ई लोकजीवनसँ पूर्णतः असंबद्ध विषय अछि

३५६. किसानी गीतक सही अर्थ की अछि?

- (A) बोआई, कटनी, मेड़, बैल आ मौसमक अनुभव
- (B) ई लोकजीवनसँ पूर्णतः असंबद्ध विषय अछि
- (C) ई परम्परा नहि, केवल क्षणिक बाजारू खेल अछि
- (D) ई केवल राजदरबारक कर-विवरण मात्र अछि

३५७. मैथिली लोकसाहित्यमे किसानी गीत किएक महत्त्वपूर्ण अछि?

- (A) बोआई, कटनी, मेड़, बैल आ मौसमक अनुभव
- (B) ई केवल आधुनिक दफ्तरक नियम-पुस्तक अछि
- (C) ई ग्रामीण परिवेशकेँ हटाकऽ बनल कृत्रिम अभ्यास अछि
- (D) ई लोकजीवनसँ पूर्णतः असंबद्ध विषय अछि

३५८. किसानी गीत संबंधमे कोन कथन ठीक अछि?

- (A) ई केवल राजदरबारक कर-विवरण मात्र अछि
- (B) बोआई, कटनी, मेड़, बैल आ मौसमक अनुभव
- (C) ई केवल आधुनिक दफ्तरक नियम-पुस्तक अछि
- (D) ई केवल व्यापारिक हिसाब-किताबक नाम अछि

३५९. किसानी गीत केँ चिन्हबाक मुख्य आधार की अछि?

- (A) ई लोकजीवनसँ पूर्णतः असंबद्ध विषय अछि
- (B) ई परम्परा नहि, केवल क्षणिक बाजारू खेल अछि
- (C) बोआई, कटनी, मेड़, बैल आ मौसमक अनुभव
- (D) ई गीत, कथा आ समाजसँ कोनो सम्बन्ध नहि राखैत अछि

३६०. जँ प्रश्न किसानी गीत पर हो, त सही उत्तर कोन हएत?

- (A) ई लोकजीवनसँ पूर्णतः असंबद्ध विषय अछि
- (B) ई केवल छापल ग्रंथक पन्ना-संख्या गिनबाक विधि अछि
- (C) ई गीत, कथा आ समाजसँ कोनो सम्बन्ध नहि राखैत अछि
- (D) बोआई, कटनी, मेड़, बैल आ मौसमक अनुभव

३६१. कटनी गीतक सही अर्थ की अछि?

- (A) ई केवल राजदरबारक कर-विवरण मात्र अछि
- (B) ई गीत, कथा आ समाजसँ कोनो सम्बन्ध नहि राखैत अछि
- (C) ई केवल व्यापारिक हिसाब-किताबक नाम अछि
- (D) फसल काटयक श्रम, आनन्द आ अन्नक कृतज्ञता

३६२. मैथिली लोकसाहित्यमे कटनी गीत किएक महत्त्वपूर्ण अछि?

- (A) ई केवल राजदरबारक कर-विवरण मात्र अछि
- (B) फसल काटयक श्रम, आनन्द आ अन्नक कृतज्ञता
- (C) ई परम्परा नहि, केवल क्षणिक बाजारू खेल अछि
- (D) ई गीत, कथा आ समाजसँ कोनो सम्बन्ध नहि राखैत अछि

३६३. कटनी गीत संबंधमे कोन कथन ठीक अछि?

- (A) ई गीत, कथा आ समाजसँ कोनो सम्बन्ध नहि राखैत अछि
- (B) फसल काटयक श्रम, आनन्द आ अन्नक कृतज्ञता
- (C) ई सामुदायिक अनुभव नहि, केवल निजी सजावट अछि
- (D) ई केवल व्यापारिक हिसाब-किताबक नाम अछि

३६४. कटनी गीत केँ चिन्हबाक मुख्य आधार की अछि?

- (A) फसल काटयक श्रम, आनन्द आ अन्नक कृतज्ञता
- (B) ई गीत, कथा आ समाजसँ कोनो सम्बन्ध नहि राखैत अछि
- (C) ई केवल आधुनिक दफ्तरक नियम-पुस्तक अछि
- (D) ई सामुदायिक अनुभव नहि, केवल निजी सजावट अछि

३६५. जँ प्रश्न कटनी गीत पर हो, त सही उत्तर कोन हएत?

- (A) ई केवल व्यापारिक हिसाब-किताबक नाम अछि
- (B) ई बोली आ स्मृतिसँ अलग, निर्जीव संकेत मात्र अछि
- (C) फसल काटयक श्रम, आनन्द आ अन्नक कृतज्ञता
- (D) ई सामुदायिक अनुभव नहि, केवल निजी सजावट अछि

३६६. धानक प्रतीकक सही अर्थ की अछि?

- (A) ई बोली आ स्मृतिसँ अलग, निर्जीव संकेत मात्र अछि
- (B) ई ग्रामीण परिवेशकेँ हटाकऽ बनल कृत्रिम अभ्यास अछि
- (C) अन्न, जीवन, स्त्री-उर्वरता आ गामक समृद्धिक चिन्ह
- (D) ई गीत, कथा आ समाजसँ कोनो सम्बन्ध नहि राखैत अछि

३६७. मैथिली लोकसाहित्यमे धानक प्रतीक किएक महत्त्वपूर्ण अछि?

- (A) ई सामुदायिक अनुभव नहि, केवल निजी सजावट अछि
- (B) ई केवल आधुनिक दफ्तरक नियम-पुस्तक अछि
- (C) ई लोकजीवनसँ पूर्णतः असंबद्ध विषय अछि
- (D) अन्न, जीवन, स्त्री-उर्वरता आ गामक समृद्धिक चिन्ह

३६८. धानक प्रतीक संबंधमे कोन कथन ठीक अछि?

- (A) अन्न, जीवन, स्त्री-उर्वरता आ गामक समृद्धिक चिन्ह
- (B) ई लोकजीवनसँ पूर्णतः असंबद्ध विषय अछि
- (C) ई केवल आधुनिक दफ्तरक नियम-पुस्तक अछि
- (D) ई ग्रामीण परिवेशकेँ हटाकऽ बनल कृत्रिम अभ्यास अछि

३६९. धानक प्रतीक के चिन्हबाक मुख्य आधार की अछि?

- (A) ई केवल व्यापारिक हिसाब-किताबक नाम अछि
- (B) ई गीत, कथा आ समाजसँ कोनो सम्बन्ध नहि राखैत अछि
- (C) अन्न, जीवन, स्त्री-उर्वरता आ गामक समृद्धिक चिन्ह
- (D) ई परम्परा नहि, केवल क्षणिक बाजारू खेल अछि

३७०. जँ प्रश्न धानक प्रतीक पर हो, त सही उत्तर कोन हएत?

- (A) ई परम्परा नहि, केवल क्षणिक बाजारू खेल अछि
- (B) ई लोकजीवनसँ पूर्णतः असंबद्ध विषय अछि
- (C) ई केवल आधुनिक दफ्तरक नियम-पुस्तक अछि
- (D) अन्न, जीवन, स्त्री-उर्वरता आ गामक समृद्धिक चिन्ह

३७१. बैल आ हलक सही अर्थ की अछि?

- (A) खेती, श्रम आ परम्परागत ग्रामीण अर्थनीतिक प्रतीक
- (B) ई केवल राजदरबारक कर-विवरण मात्र अछि
- (C) ई ग्रामीण परिवेशकेँ हटाकऽ बनल कृत्रिम अभ्यास अछि
- (D) ई सामुदायिक अनुभव नहि, केवल निजी सजावट अछि

३७२. मैथिली लोकसाहित्यमे बैल आ हल किएक महत्त्वपूर्ण अछि?

- (A) ई केवल छापल ग्रंथक पन्ना-संख्या गिनबाक विधि अछि
- (B) ई केवल व्यापारिक हिसाब-किताबक नाम अछि
- (C) खेती, श्रम आ परम्परागत ग्रामीण अर्थनीतिक प्रतीक
- (D) ई केवल आधुनिक दफ्तरक नियम-पुस्तक अछि

३७३. बैल आ हल संबंधमे कोन कथन ठीक अछि?

- (A) ई गीत, कथा आ समाजसँ कोनो सम्बन्ध नहि राखैत अछि
- (B) ई केवल आधुनिक दफ्तरक नियम-पुस्तक अछि
- (C) ई सामुदायिक अनुभव नहि, केवल निजी सजावट अछि
- (D) खेती, श्रम आ परम्परागत ग्रामीण अर्थनीतिक प्रतीक

३७४. बैल आ हल केँ चिन्हबाक मुख्य आधार की अछि?

- (A) ई ग्रामीण परिवेशकेँ हटाकऽ बनल कृत्रिम अभ्यास अछि
- (B) ई केवल आधुनिक दफ्तरक नियम-पुस्तक अछि
- (C) ई लोकजीवनसँ पूर्णतः असंबद्ध विषय अछि
- (D) खेती, श्रम आ परम्परागत ग्रामीण अर्थनीतिक प्रतीक

३७५. जँ प्रश्न बैल आ हल पर हो, त सही उत्तर कोन हएत?

- (A) ई केवल व्यापारिक हिसाब-किताबक नाम अछि
- (B) खेती, श्रम आ परम्परागत ग्रामीण अर्थनीतिक प्रतीक
- (C) ई बोली आ स्मृतिसँ अलग, निर्जीव संकेत मात्र अछि
- (D) ई गीत, कथा आ समाजसँ कोनो सम्बन्ध नहि राखैत अछि

३७६. मेड़ आ पगडंडीक सही अर्थ की अछि?

- (A) ई ग्रामीण परिवेशकेँ हटाकऽ बनल कृत्रिम अभ्यास अछि
- (B) ई केवल राजदरबारक कर-विवरण मात्र अछि
- (C) गामक भूगोल, यात्रा आ पड़ोसक स्मृति
- (D) ई सामुदायिक अनुभव नहि, केवल निजी सजावट अछि

३७७. मैथिली लोकसाहित्यमे मेड़ आ पगडंडी किएक महत्त्वपूर्ण अछि?

- (A) ई केवल आधुनिक दफ्तरक नियम-पुस्तक अछि
- (B) ई गीत, कथा आ समाजसँ कोनो सम्बन्ध नहि राखैत अछि
- (C) ई बोली आ स्मृतिसँ अलग, निर्जीव संकेत मात्र अछि
- (D) गामक भूगोल, यात्रा आ पड़ोसक स्मृति

३७८. मेड़ आ पगडंडी संबंधमे कोन कथन ठीक अछि?

- (A) ई केवल छापल ग्रंथक पन्ना-संख्या गिनबाक विधि अछि
- (B) गामक भूगोल, यात्रा आ पड़ोसक स्मृति
- (C) ई लोकजीवनसँ पूर्णतः असंबद्ध विषय अछि
- (D) ई बोली आ स्मृतिसँ अलग, निर्जीव संकेत मात्र अछि

३७९. मेड़ आ पगडंडी केँ चिन्हबाक मुख्य आधार की अछि?

- (A) गामक भूगोल, यात्रा आ पड़ोसक स्मृति
- (B) ई परम्परा नहि, केवल क्षणिक बाजारू खेल अछि
- (C) ई लोकजीवनसँ पूर्णतः असंबद्ध विषय अछि
- (D) ई केवल व्यापारिक हिसाब-किताबक नाम अछि

३८०. जँ प्रश्न मेड़ आ पगडंडी पर हो, त सही उत्तर कोन हएत?

- (A) ई ग्रामीण परिवेशकेँ हटाकऽ बनल कृत्रिम अभ्यास अछि
- (B) ई केवल राजदरबारक कर-विवरण मात्र अछि
- (C) गामक भूगोल, यात्रा आ पड़ोसक स्मृति
- (D) ई लोकजीवनसँ पूर्णतः असंबद्ध विषय अछि

३८१. दैनिक श्रमक सौन्दर्यक सही अर्थ की अछि?

- (A) ई ग्रामीण परिवेशकेँ हटाकऽ बनल कृत्रिम अभ्यास अछि
- (B) सामान्य कामक भीतर गीत, लय आ सामूहिक आनन्द
- (C) ई केवल आधुनिक दफ्तरक नियम-पुस्तक अछि
- (D) ई केवल छापल ग्रंथक पन्ना-संख्या गिनबाक विधि अछि

३८२. मैथिली लोकसाहित्यमे दैनिक श्रमक सौन्दर्य किएक महत्त्वपूर्ण अछि?

- (A) ई बोली आ स्मृतिसँ अलग, निर्जीव संकेत मात्र अछि
- (B) ई केवल राजदरबारक कर-विवरण मात्र अछि
- (C) ई केवल आधुनिक दफ्तरक नियम-पुस्तक अछि
- (D) सामान्य कामक भीतर गीत, लय आ सामूहिक आनन्द

३८३. दैनिक श्रमक सौन्दर्य संबंधमे कोन कथन ठीक अछि?

- (A) ई केवल आधुनिक दफ्तरक नियम-पुस्तक अछि
- (B) सामान्य कामक भीतर गीत, लय आ सामूहिक आनन्द
- (C) ई केवल राजदरबारक कर-विवरण मात्र अछि
- (D) ई केवल व्यापारिक हिसाब-किताबक नाम अछि

३८४. दैनिक श्रमक सौन्दर्य केँ चिन्हबाक मुख्य आधार की अछि?

- (A) सामान्य कामक भीतर गीत, लय आ सामूहिक आनन्द
- (B) ई सामुदायिक अनुभव नहि, केवल निजी सजावट अछि
- (C) ई बोली आ स्मृतिसँ अलग, निर्जीव संकेत मात्र अछि
- (D) ई परम्परा नहि, केवल क्षणिक बाजारू खेल अछि

३८५. जौ प्रश्न दैनिक श्रमक सौन्दर्य पर हो, त सही उत्तर कोन हएत?

- (A) ई केवल आधुनिक दफ्तरक नियम-पुस्तक अछि
- (B) ई परम्परा नहि, केवल क्षणिक बाजारू खेल अछि
- (C) ई गीत, कथा आ समाजसँ कोनो सम्बन्ध नहि राखैत अछि
- (D) सामान्य कामक भीतर गीत, लय आ सामूहिक आनन्द

३८६. गरीबीक स्वरक सही अर्थ की अछि?

- (A) ई सामुदायिक अनुभव नहि, केवल निजी सजावट अछि
- (B) ई गीत, कथा आ समाजसँ कोनो सम्बन्ध नहि राखैत अछि
- (C) ई बोली आ स्मृतिसँ अलग, निर्जीव संकेत मात्र अछि
- (D) अभाव, परदेश, ऋण आ संघर्षक लोक-अनुभव

३८७. मैथिली लोकसाहित्यमे गरीबीक स्वर किएक महत्त्वपूर्ण अछि?

- (A) अभाव, परदेश, ऋण आ संघर्षक लोक-अनुभव
- (B) ई केवल राजदरबारक कर-विवरण मात्र अछि
- (C) ई केवल व्यापारिक हिसाब-किताबक नाम अछि
- (D) ई परम्परा नहि, केवल क्षणिक बाजारू खेल अछि

३८८. गरीबीक स्वर संबंधमे कोन कथन ठीक अछि?

- (A) ई गीत, कथा आ समाजसँ कोनो सम्बन्ध नहि राखैत अछि
- (B) ई सामुदायिक अनुभव नहि, केवल निजी सजावट अछि
- (C) ई ग्रामीण परिवेशकेँ हटाकऽ बनल कृत्रिम अभ्यास अछि
- (D) अभाव, परदेश, ऋण आ संघर्षक लोक-अनुभव

३८९. गरीबीक स्वर केँ चिन्हबाक मुख्य आधार की अछि?

- (A) ई सामुदायिक अनुभव नहि, केवल निजी सजावट अछि
- (B) ई केवल आधुनिक दफ्तरक नियम-पुस्तक अछि
- (C) ई ग्रामीण परिवेशकेँ हटाकऽ बनल कृत्रिम अभ्यास अछि
- (D) अभाव, परदेश, ऋण आ संघर्षक लोक-अनुभव

३९०. जौ प्रश्न गरीबीक स्वर पर हो, त सही उत्तर कोन हएत?

- (A) ई केवल व्यापारिक हिसाब-किताबक नाम अछि
- (B) ई ग्रामीण परिवेशकेँ हटाकऽ बनल कृत्रिम अभ्यास अछि
- (C) अभाव, परदेश, ऋण आ संघर्षक लोक-अनुभव
- (D) ई सामुदायिक अनुभव नहि, केवल निजी सजावट अछि

३९१. परदेशी गीतक सही अर्थ की अछि?

- (A) ई केवल व्यापारिक हिसाब-किताबक नाम अछि
- (B) ई बोली आ स्मृतिसँ अलग, निर्जीव संकेत मात्र अछि
- (C) रोजगार लेल बाहर गेल प्रियजनक विरहक गीत
- (D) ई केवल आधुनिक दफ्तरक नियम-पुस्तक अछि

३९२. मैथिली लोकसाहित्यमे परदेशी गीत किएक महत्त्वपूर्ण अछि?

- (A) ई सामुदायिक अनुभव नहि, केवल निजी सजावट अछि
- (B) ई लोकजीवनसँ पूर्णतः असंबद्ध विषय अछि
- (C) ई गीत, कथा आ समाजसँ कोनो सम्बन्ध नहि राखैत अछि
- (D) रोजगार लेल बाहर गेल प्रियजनक विरहक गीत

३९३. परदेशी गीत संबंधमे कोन कथन ठीक अछि?

- (A) रोजगार लेल बाहर गेल प्रियजनक विरहक गीत
- (B) ई गीत, कथा आ समाजसँ कोनो सम्बन्ध नहि राखैत अछि
- (C) ई लोकजीवनसँ पूर्णतः असंबद्ध विषय अछि
- (D) ई केवल आधुनिक दफ्तरक नियम-पुस्तक अछि

३९४. परदेशी गीत केँ चिन्हबाक मुख्य आधार की अछि?

- (A) ई सामुदायिक अनुभव नहि, केवल निजी सजावट अछि
- (B) ई गीत, कथा आ समाजसँ कोनो सम्बन्ध नहि राखैत अछि
- (C) ई केवल छापल ग्रंथक पन्ना-संख्या गिनबाक विधि अछि
- (D) रोजगार लेल बाहर गेल प्रियजनक विरहक गीत

३९५. जँ प्रश्न परदेशी गीत पर हो, त सही उत्तर कोन हएत?

- (A) ई केवल व्यापारिक हिसाब-किताबक नाम अछि
- (B) ई गीत, कथा आ समाजसँ कोनो सम्बन्ध नहि राखैत अछि
- (C) रोजगार लेल बाहर गेल प्रियजनक विरहक गीत
- (D) ई सामुदायिक अनुभव नहि, केवल निजी सजावट अछि

३९६. कामक लयक सही अर्थ की अछि?

- (A) ई परम्परा नहि, केवल क्षणिक बाजारू खेल अछि
- (B) ई केवल आधुनिक दफ्तरक नियम-पुस्तक अछि
- (C) ई केवल व्यापारिक हिसाब-किताबक नाम अछि
- (D) गीत द्वारा समूहक हाथ, चाल आ मनकेँ एक लयमे बाँधब

३९७. मैथिली लोकसाहित्यमे कामक लय किएक महत्त्वपूर्ण अछि?

- (A) गीत द्वारा समूहक हाथ, चाल आ मनकेँ एक लयमे बाँधब
- (B) ई परम्परा नहि, केवल क्षणिक बाजारू खेल अछि
- (C) ई बोली आ स्मृतिसँ अलग, निर्जीव संकेत मात्र अछि
- (D) ई गीत, कथा आ समाजसँ कोनो सम्बन्ध नहि राखैत अछि

३९८. कामक लय संबंधमे कोन कथन ठीक अछि?

- (A) ई केवल व्यापारिक हिसाब-किताबक नाम अछि
- (B) ई केवल राजदरबारक कर-विवरण मात्र अछि
- (C) ई गीत, कथा आ समाजसँ कोनो सम्बन्ध नहि राखैत अछि
- (D) गीत द्वारा समूहक हाथ, चाल आ मनकेँ एक लयमे बाँधब

३९९. कामक लय केँ चिन्हबाक मुख्य आधार की अछि?

- (A) ई बोली आ स्मृतिसँ अलग, निर्जीव संकेत मात्र अछि
- (B) ई गीत, कथा आ समाजसँ कोनो सम्बन्ध नहि राखैत अछि
- (C) गीत द्वारा समूहक हाथ, चाल आ मनकेँ एक लयमे बाँधब
- (D) ई सामुदायिक अनुभव नहि, केवल निजी सजावट अछि

४००. जँ प्रश्न कामक लय पर हो, त सही उत्तर कोन हएत?

- (A) गीत द्वारा समूहक हाथ, चाल आ मनकेँ एक लयमे बाँधब
- (B) ई ग्रामीण परिवेशकेँ हटाकऽ बनल कृत्रिम अभ्यास अछि
- (C) ई केवल छापल ग्रंथक पन्ना-संख्या गिनबाक विधि अछि
- (D) ई बोली आ स्मृतिसँ अलग, निर्जीव संकेत मात्र अछि

लोकनाट्य आ लोकअभिनय

४०१. जट-जटिनक सही अर्थ की अछि?

- (A) ई केवल आधुनिक दफ्तरक नियम-पुस्तक अछि
- (B) दाम्पत्य, वर्षा, खेती आ संवाद-प्रधान लोकनाट्य
- (C) ई सामुदायिक अनुभव नहि, केवल निजी सजावट अछि
- (D) ई ग्रामीण परिवेशकें हटाकऽ बनल कृत्रिम अभ्यास अछि

४०२. मैथिली लोकसाहित्यमे जट-जटिन किएक महत्त्वपूर्ण अछि?

- (A) दाम्पत्य, वर्षा, खेती आ संवाद-प्रधान लोकनाट्य
- (B) ई केवल राजदरबारक कर-विवरण मात्र अछि
- (C) ई गीत, कथा आ समाजसँ कोनो सम्बन्ध नहि राखैत अछि
- (D) ई ग्रामीण परिवेशकें हटाकऽ बनल कृत्रिम अभ्यास अछि

४०३. जट-जटिन संबंधमे कोन कथन ठीक अछि?

- (A) दाम्पत्य, वर्षा, खेती आ संवाद-प्रधान लोकनाट्य
- (B) ई गीत, कथा आ समाजसँ कोनो सम्बन्ध नहि राखैत अछि
- (C) ई बोली आ स्मृतिसँ अलग, निर्जीव संकेत मात्र अछि
- (D) ई केवल व्यापारिक हिसाब-किताबक नाम अछि

४०४. जट-जटिन केँ चिन्हबाक मुख्य आधार की अछि?

- (A) ई गीत, कथा आ समाजसँ कोनो सम्बन्ध नहि राखैत अछि
- (B) ई परम्परा नहि, केवल क्षणिक बाजारू खेल अछि
- (C) दाम्पत्य, वर्षा, खेती आ संवाद-प्रधान लोकनाट्य
- (D) ई ग्रामीण परिवेशकें हटाकऽ बनल कृत्रिम अभ्यास अछि

४०५. जँ प्रश्न जट-जटिन पर हो, त सही उत्तर कोन हएत?

- (A) ई बोली आ स्मृतिसँ अलग, निर्जीव संकेत मात्र अछि
- (B) ई केवल राजदरबारक कर-विवरण मात्र अछि
- (C) ई लोकजीवनसँ पूर्णतः असंबद्ध विषय अछि
- (D) दाम्पत्य, वर्षा, खेती आ संवाद-प्रधान लोकनाट्य

४०६. डोमकछक सही अर्थ की अछि?

- (A) विवाहोत्तर हास्य, व्यंग्य आ स्त्री-समूहक अभिनय
- (B) ई परम्परा नहि, केवल क्षणिक बाजारू खेल अछि
- (C) ई लोकजीवनसँ पूर्णतः असंबद्ध विषय अछि
- (D) ई बोली आ स्मृतिसँ अलग, निर्जीव संकेत मात्र अछि

४०७. मैथिली लोकसाहित्यमे डोमकछ किएक महत्त्वपूर्ण अछि?

- (A) ई गीत, कथा आ समाजसँ कोनो सम्बन्ध नहि राखैत अछि
- (B) ई परम्परा नहि, केवल क्षणिक बाजारू खेल अछि
- (C) ई केवल व्यापारिक हिसाब-किताबक नाम अछि
- (D) विवाहोत्तर हास्य, व्यंग्य आ स्त्री-समूहक अभिनय

४०८. डोमकछ संबंधमे कोन कथन ठीक अछि?

- (A) विवाहोत्तर हास्य, व्यंग्य आ स्त्री-समूहक अभिनय
- (B) ई लोकजीवनसँ पूर्णतः असंबद्ध विषय अछि
- (C) ई बोली आ स्मृतिसँ अलग, निर्जीव संकेत मात्र अछि
- (D) ई केवल छापल ग्रंथक पन्ना-संख्या गिनबाक विधि अछि

४०९. डोमकछ के चिन्हबाक मुख्य आधार की अछि?

- (A) ई ग्रामीण परिवेशकेँ हटाकऽ बनल कृत्रिम अभ्यास अछि
- (B) विवाहोत्तर हास्य, व्यंग्य आ स्त्री-समूहक अभिनय
- (C) ई केवल राजदरबारक कर-विवरण मात्र अछि
- (D) ई केवल व्यापारिक हिसाब-किताबक नाम अछि

४१०. जेँ प्रश्न डोमकछ पर हो, त सही उत्तर कोन हएत?

- (A) ई केवल व्यापारिक हिसाब-किताबक नाम अछि
- (B) ई परम्परा नहि, केवल क्षणिक बाजारू खेल अछि
- (C) विवाहोत्तर हास्य, व्यंग्य आ स्त्री-समूहक अभिनय
- (D) ई ग्रामीण परिवेशकेँ हटाकऽ बनल कृत्रिम अभ्यास अछि

४११. सामा-चकेबा अभिनयक सही अर्थ की अछि?

- (A) ई केवल राजदरबारक कर-विवरण मात्र अछि
- (B) मूर्तिका, गीत आ खेलक माध्यमसँ भाइ-बहिन स्नेहक प्रस्तुति
- (C) ई केवल छापल ग्रंथक पन्ना-संख्या गिनबाक विधि अछि
- (D) ई केवल व्यापारिक हिसाब-किताबक नाम अछि

४१२. मैथिली लोकसाहित्यमे सामा-चकेबा अभिनय किएक महत्त्वपूर्ण अछि?

- (A) ई लोकजीवनसँ पूर्णतः असंबद्ध विषय अछि
- (B) ई बोली आ स्मृतिसँ अलग, निर्जीव संकेत मात्र अछि
- (C) ई परम्परा नहि, केवल क्षणिक बाजारू खेल अछि
- (D) मूर्तिका, गीत आ खेलक माध्यमसँ भाइ-बहिन स्नेहक प्रस्तुति

४१३. सामा-चकेबा अभिनय संबंधमे कोन कथन ठीक अछि?

- (A) ई गीत, कथा आ समाजसँ कोनो सम्बन्ध नहि राखैत अछि
- (B) मूर्तिका, गीत आ खेलक माध्यमसँ भाइ-बहिन स्नेहक प्रस्तुति
- (C) ई केवल व्यापारिक हिसाब-किताबक नाम अछि
- (D) ई केवल राजदरबारक कर-विवरण मात्र अछि

४१४. सामा-चकेबा अभिनय केँ चिन्हबाक मुख्य आधार की अछि?

- (A) ई सामुदायिक अनुभव नहि, केवल निजी सजावट अछि
- (B) ई लोकजीवनसँ पूर्णतः असंबद्ध विषय अछि
- (C) ई बोली आ स्मृतिसँ अलग, निर्जीव संकेत मात्र अछि
- (D) मूर्तिका, गीत आ खेलक माध्यमसँ भाइ-बहिन स्नेहक प्रस्तुति

४१५. जेँ प्रश्न सामा-चकेबा अभिनय पर हो, त सही उत्तर कोन हएत?

- (A) ई केवल छापल ग्रंथक पन्ना-संख्या गिनबाक विधि अछि
- (B) मूर्तिका, गीत आ खेलक माध्यमसँ भाइ-बहिन स्नेहक प्रस्तुति
- (C) ई लोकजीवनसँ पूर्णतः असंबद्ध विषय अछि
- (D) ई परम्परा नहि, केवल क्षणिक बाजारू खेल अछि

४१६. कीर्तनिया नाटकक सही अर्थ की अछि?

- (A) ई केवल राजदरबारक कर-विवरण मात्र अछि
- (B) भक्ति, गीत, संवाद आ अभिनयक मध्यकालीन मैथिली रूप
- (C) ई बोली आ स्मृतिसँ अलग, निर्जीव संकेत मात्र अछि
- (D) ई गीत, कथा आ समाजसँ कोनो सम्बन्ध नहि राखैत अछि

४१७. मैथिली लोकसाहित्यमे कीर्तनिया नाटक किएक महत्त्वपूर्ण अछि?

- (A) भक्ति, गीत, संवाद आ अभिनयक मध्यकालीन मैथिली रूप
- (B) ई केवल व्यापारिक हिसाब-किताबक नाम अछि
- (C) ई लोकजीवनसँ पूर्णतः असंबद्ध विषय अछि
- (D) ई ग्रामीण परिवेशकेँ हटाकऽ बनल कृत्रिम अभ्यास अछि

४१८. कीर्तनिया नाटक संबंधमे कोन कथन ठीक अछि?

- (A) ई केवल राजदरबारक कर-विवरण मात्र अछि
- (B) ई गीत, कथा आ समाजसँ कोनो सम्बन्ध नहि राखैत अछि
- (C) भक्ति, गीत, संवाद आ अभिनयक मध्यकालीन मैथिली रूप
- (D) ई परम्परा नहि, केवल क्षणिक बाजारू खेल अछि

४१९. कीर्तनिया नाटक केँ चिन्हबाक मुख्य आधार की अछि?

- (A) ई परम्परा नहि, केवल क्षणिक बाजारू खेल अछि
- (B) ई केवल व्यापारिक हिसाब-किताबक नाम अछि
- (C) भक्ति, गीत, संवाद आ अभिनयक मध्यकालीन मैथिली रूप
- (D) ई ग्रामीण परिवेशकेँ हटाकऽ बनल कृत्रिम अभ्यास अछि

४२०. जँ प्रश्न कीर्तनिया नाटक पर हो, त सही उत्तर कोन हएत?

- (A) भक्ति, गीत, संवाद आ अभिनयक मध्यकालीन मैथिली रूप
- (B) ई केवल व्यापारिक हिसाब-किताबक नाम अछि
- (C) ई ग्रामीण परिवेशकेँ हटाकऽ बनल कृत्रिम अभ्यास अछि
- (D) ई केवल आधुनिक दफ्तरक नियम-पुस्तक अछि

४२१. भगैत मंचनक सही अर्थ की अछि?

- (A) लोकदेवता आ आख्यानक गेय-अभिनीत प्रस्तुति
- (B) ई केवल छापल ग्रंथक पन्ना-संख्या गिनबाक विधि अछि
- (C) ई लोकजीवनसँ पूर्णतः असंबद्ध विषय अछि
- (D) ई बोली आ स्मृतिसँ अलग, निर्जीव संकेत मात्र अछि

४२२. मैथिली लोकसाहित्यमे भगैत मंचन किएक महत्त्वपूर्ण अछि?

- (A) ई लोकजीवनसँ पूर्णतः असंबद्ध विषय अछि
- (B) ई केवल राजदरबारक कर-विवरण मात्र अछि
- (C) लोकदेवता आ आख्यानक गेय-अभिनीत प्रस्तुति
- (D) ई केवल व्यापारिक हिसाब-किताबक नाम अछि

४२३. भगैत मंचन संबंधमे कोन कथन ठीक अछि?

- (A) ई केवल आधुनिक दफ्तरक नियम-पुस्तक अछि
- (B) ई केवल व्यापारिक हिसाब-किताबक नाम अछि
- (C) ई परम्परा नहि, केवल क्षणिक बाजारू खेल अछि
- (D) लोकदेवता आ आख्यानक गेय-अभिनीत प्रस्तुति

४२४. भगैत मंचन केँ चिन्हबाक मुख्य आधार की अछि?

- (A) ई केवल छापल ग्रंथक पन्ना-संख्या गिनबाक विधि अछि
- (B) ई केवल आधुनिक दफ्तरक नियम-पुस्तक अछि
- (C) लोकदेवता आ आख्यानक गेय-अभिनीत प्रस्तुति
- (D) ई लोकजीवनसँ पूर्णतः असंबद्ध विषय अछि

४२५. जौ प्रश्न भगैत मंचन पर हो, त सही उत्तर कोन हएत?

- (A) ई केवल छापल ग्रंथक पन्ना-संख्या गिनबाक विधि अछि
- (B) ई सामुदायिक अनुभव नहि, केवल निजी सजावट अछि
- (C) ई बोली आ स्मृतिसँ अलग, निर्जीव संकेत मात्र अछि
- (D) लोकदेवता आ आख्यानक गेय-अभिनीत प्रस्तुति

४२६. नटुआक सही अर्थ की अछि?

- (A) ई सामुदायिक अनुभव नहि, केवल निजी सजावट अछि
- (B) ई गीत, कथा आ समाजसँ कोनो सम्बन्ध नहि राखैत अछि
- (C) लोकनाट्यक गेनिहार-अभिनेता जे कथा मंच पर जीवित करैत अछि
- (D) ई बोली आ स्मृतिसँ अलग, निर्जीव संकेत मात्र अछि

४२७. मैथिली लोकसाहित्यमे नटुआ किएक महत्त्वपूर्ण अछि?

- (A) ई बोली आ स्मृतिसँ अलग, निर्जीव संकेत मात्र अछि
- (B) ई केवल छापल ग्रंथक पन्ना-संख्या गिनबाक विधि अछि
- (C) लोकनाट्यक गेनिहार-अभिनेता जे कथा मंच पर जीवित करैत अछि
- (D) ई केवल आधुनिक दफ्तरक नियम-पुस्तक अछि

४२८. नटुआ संबंधमे कोन कथन ठीक अछि?

- (A) लोकनाट्यक गेनिहार-अभिनेता जे कथा मंच पर जीवित करैत अछि
- (B) ई केवल व्यापारिक हिसाब-किताबक नाम अछि
- (C) ई केवल आधुनिक दफ्तरक नियम-पुस्तक अछि
- (D) ई ग्रामीण परिवेशकेँ हटाकऽ बनल कृत्रिम अभ्यास अछि

४२९. नटुआ केँ चिन्हबाक मुख्य आधार की अछि?

- (A) ई परम्परा नहि, केवल क्षणिक बाजारू खेल अछि
- (B) ई केवल छापल ग्रंथक पन्ना-संख्या गिनबाक विधि अछि
- (C) ई बोली आ स्मृतिसँ अलग, निर्जीव संकेत मात्र अछि
- (D) लोकनाट्यक गेनिहार-अभिनेता जे कथा मंच पर जीवित करैत अछि

४३०. जौ प्रश्न नटुआ पर हो, त सही उत्तर कोन हएत?

- (A) ई केवल व्यापारिक हिसाब-किताबक नाम अछि
- (B) ई परम्परा नहि, केवल क्षणिक बाजारू खेल अछि
- (C) ई केवल राजदरबारक कर-विवरण मात्र अछि
- (D) लोकनाट्यक गेनिहार-अभिनेता जे कथा मंच पर जीवित करैत अछि

४३१. सूत्रधारक सही अर्थ की अछि?

- (A) कथा जोड़य आ दर्शककेँ प्रसंग बुझाबयवला भूमिका
- (B) ई बोली आ स्मृतिसँ अलग, निर्जीव संकेत मात्र अछि
- (C) ई लोकजीवनसँ पूर्णतः असंबद्ध विषय अछि
- (D) ई केवल छापल ग्रंथक पन्ना-संख्या गिनबाक विधि अछि

४३२. मैथिली लोकसाहित्यमे सूत्रधार किएक महत्त्वपूर्ण अछि?

- (A) ई गीत, कथा आ समाजसँ कोनो सम्बन्ध नहि राखैत अछि
- (B) कथा जोड़य आ दर्शककेँ प्रसंग बुझाबयवला भूमिका
- (C) ई ग्रामीण परिवेशकेँ हटाकऽ बनल कृत्रिम अभ्यास अछि
- (D) ई केवल राजदरबारक कर-विवरण मात्र अछि

४३३. सूत्रधार संबंधमे कोन कथन ठीक अछि?

- (A) कथा जोड़य आ दर्शककेँ प्रसंग बुझाबयवला भूमिका
- (B) ई बोली आ स्मृतिसँ अलग, निर्जीव संकेत मात्र अछि
- (C) ई केवल राजदरबारक कर-विवरण मात्र अछि
- (D) ई केवल छापल ग्रंथक पन्ना-संख्या गिनबाक विधि अछि

४३४. सूत्रधार केँ चिन्हबाक मुख्य आधार की अछि?

- (A) ई सामुदायिक अनुभव नहि, केवल निजी सजावट अछि
- (B) ई परम्परा नहि, केवल क्षणिक बाजारू खेल अछि
- (C) ई केवल आधुनिक दफ्तरक नियम-पुस्तक अछि
- (D) कथा जोड़य आ दर्शककेँ प्रसंग बुझाबयवला भूमिका

४३५. जँ प्रश्न सूत्रधार पर हो, त सही उत्तर कोन हएत?

- (A) ई केवल व्यापारिक हिसाब-किताबक नाम अछि
- (B) ई सामुदायिक अनुभव नहि, केवल निजी सजावट अछि
- (C) ई परम्परा नहि, केवल क्षणिक बाजारू खेल अछि
- (D) कथा जोड़य आ दर्शककेँ प्रसंग बुझाबयवला भूमिका

४३६. विदूषकक सही अर्थ की अछि?

- (A) ई बोली आ स्मृतिसँ अलग, निर्जीव संकेत मात्र अछि
- (B) ई केवल छापल ग्रंथक पन्ना-संख्या गिनबाक विधि अछि
- (C) हँसी, व्यंग्य आ सामाजिक आलोचनाक पात्र
- (D) ई केवल आधुनिक दफ्तरक नियम-पुस्तक अछि

४३७. मैथिली लोकसाहित्यमे विदूषक किएक महत्त्वपूर्ण अछि?

- (A) ई लोकजीवनसँ पूर्णतः असंबद्ध विषय अछि
- (B) ई केवल राजदरबारक कर-विवरण मात्र अछि
- (C) हँसी, व्यंग्य आ सामाजिक आलोचनाक पात्र
- (D) ई केवल व्यापारिक हिसाब-किताबक नाम अछि

४३८. विदूषक संबंधमे कोन कथन ठीक अछि?

- (A) ई लोकजीवनसँ पूर्णतः असंबद्ध विषय अछि
- (B) ई केवल व्यापारिक हिसाब-किताबक नाम अछि
- (C) हँसी, व्यंग्य आ सामाजिक आलोचनाक पात्र
- (D) ई केवल आधुनिक दफ्तरक नियम-पुस्तक अछि

४३९. विदूषक केँ चिन्हबाक मुख्य आधार की अछि?

- (A) हँसी, व्यंग्य आ सामाजिक आलोचनाक पात्र
- (B) ई केवल राजदरबारक कर-विवरण मात्र अछि
- (C) ई सामुदायिक अनुभव नहि, केवल निजी सजावट अछि
- (D) ई केवल छापल ग्रंथक पन्ना-संख्या गिनबाक विधि अछि

४४०. जँ प्रश्न विदूषक पर हो, त सही उत्तर कोन हएत?

- (A) ई सामुदायिक अनुभव नहि, केवल निजी सजावट अछि
- (B) ई केवल छापल ग्रंथक पन्ना-संख्या गिनबाक विधि अछि
- (C) हँसी, व्यंग्य आ सामाजिक आलोचनाक पात्र
- (D) ई केवल राजदरबारक कर-विवरण मात्र अछि

४४१. वेशभूषाक सही अर्थ की अछि?

- (A) ई केवल व्यापारिक हिसाब-किताबक नाम अछि
- (B) ई ग्रामीण परिवेशकें हटाकऽ बनल कृत्रिम अभ्यास अछि
- (C) पात्र, जाति, देवता, लिंग वा स्वभाव चिन्हबयवला दृश्य संकेत
- (D) ई गीत, कथा आ समाजसँ कोनो सम्बन्ध नहि राखैत अछि

४४२. मैथिली लोकसाहित्यमे वेशभूषा किएक महत्त्वपूर्ण अछि?

- (A) ई बोली आ स्मृतिसँ अलग, निर्जीव संकेत मात्र अछि
- (B) ई केवल आधुनिक दफ्तरक नियम-पुस्तक अछि
- (C) पात्र, जाति, देवता, लिंग वा स्वभाव चिन्हबयवला दृश्य संकेत
- (D) ई परम्परा नहि, केवल क्षणिक बाजारू खेल अछि

४४३. वेशभूषा संबंधमे कोन कथन ठीक अछि?

- (A) ई परम्परा नहि, केवल क्षणिक बाजारू खेल अछि
- (B) पात्र, जाति, देवता, लिंग वा स्वभाव चिन्हबयवला दृश्य संकेत
- (C) ई केवल आधुनिक दफ्तरक नियम-पुस्तक अछि
- (D) ई गीत, कथा आ समाजसँ कोनो सम्बन्ध नहि राखैत अछि

४४४. वेशभूषा केँ चिन्हबाक मुख्य आधार की अछि?

- (A) ई गीत, कथा आ समाजसँ कोनो सम्बन्ध नहि राखैत अछि
- (B) ई परम्परा नहि, केवल क्षणिक बाजारू खेल अछि
- (C) पात्र, जाति, देवता, लिंग वा स्वभाव चिन्हबयवला दृश्य संकेत
- (D) ई लोकजीवनसँ पूर्णतः असंबद्ध विषय अछि

४४५. जँ प्रश्न वेशभूषा पर हो, त सही उत्तर कोन हएत?

- (A) पात्र, जाति, देवता, लिंग वा स्वभाव चिन्हबयवला दृश्य संकेत
- (B) ई केवल आधुनिक दफ्तरक नियम-पुस्तक अछि
- (C) ई केवल छापल ग्रंथक पन्ना-संख्या गिनबाक विधि अछि
- (D) ई केवल राजदरबारक कर-विवरण मात्र अछि

४४६. मुखौटाक सही अर्थ की अछि?

- (A) ई केवल आधुनिक दफ्तरक नियम-पुस्तक अछि
- (B) ई परम्परा नहि, केवल क्षणिक बाजारू खेल अछि
- (C) ई सामुदायिक अनुभव नहि, केवल निजी सजावट अछि
- (D) देव, प्रेत, जनावर वा असाधारण पात्रक दृश्य रूप

४४७. मैथिली लोकसाहित्यमे मुखौटा किएक महत्त्वपूर्ण अछि?

- (A) ई ग्रामीण परिवेशकें हटाकऽ बनल कृत्रिम अभ्यास अछि
- (B) ई बोली आ स्मृतिसँ अलग, निर्जीव संकेत मात्र अछि
- (C) ई केवल छापल ग्रंथक पन्ना-संख्या गिनबाक विधि अछि
- (D) देव, प्रेत, जनावर वा असाधारण पात्रक दृश्य रूप

४४८. मुखौटा संबंधमे कोन कथन ठीक अछि?

- (A) देव, प्रेत, जनावर वा असाधारण पात्रक दृश्य रूप
- (B) ई केवल छापल ग्रंथक पन्ना-संख्या गिनबाक विधि अछि
- (C) ई केवल आधुनिक दफ्तरक नियम-पुस्तक अछि
- (D) ई लोकजीवनसँ पूर्णतः असंबद्ध विषय अछि

४४९. मुखौटा के चिन्हबाक मुख्य आधार की अछि?

- (A) ई केवल छापल ग्रंथक पन्ना-संख्या गिनबाक विधि अछि
- (B) देव, प्रेत, जनावर वा असाधारण पात्रक दृश्य रूप
- (C) ई गीत, कथा आ समाजसँ कोनो सम्बन्ध नहि राखैत अछि
- (D) ई लोकजीवनसँ पूर्णतः असंबद्ध विषय अछि

४५०. जे प्रश्न मुखौटा पर हो, त सही उत्तर कोन हएत?

- (A) ई बोली आ स्मृतिसँ अलग, निर्जीव संकेत मात्र अछि
- (B) देव, प्रेत, जनावर वा असाधारण पात्रक दृश्य रूप
- (C) ई केवल राजदरबारक कर-विवरण मात्र अछि
- (D) ई केवल छापल ग्रंथक पन्ना-संख्या गिनबाक विधि अछि

४५१. मंचक सरलताक सही अर्थ की अछि?

- (A) ई ग्रामीण परिवेशकेँ हटाकऽ बनल कृत्रिम अभ्यास अछि
- (B) ई केवल राजदरबारक कर-विवरण मात्र अछि
- (C) ई सामुदायिक अनुभव नहि, केवल निजी सजावट अछि
- (D) आँगन, अखरा, मेला वा गामक खाली ठाम मंच बनि सकैत अछि

४५२. मैथिली लोकसाहित्यमे मंचक सरलता किएक महत्त्वपूर्ण अछि?

- (A) आँगन, अखरा, मेला वा गामक खाली ठाम मंच बनि सकैत अछि
- (B) ई ग्रामीण परिवेशकेँ हटाकऽ बनल कृत्रिम अभ्यास अछि
- (C) ई केवल आधुनिक दफ्तरक नियम-पुस्तक अछि
- (D) ई बोली आ स्मृतिसँ अलग, निर्जीव संकेत मात्र अछि

४५३. मंचक सरलता संबंधमे कोन कथन ठीक अछि?

- (A) आँगन, अखरा, मेला वा गामक खाली ठाम मंच बनि सकैत अछि
- (B) ई गीत, कथा आ समाजसँ कोनो सम्बन्ध नहि राखैत अछि
- (C) ई सामुदायिक अनुभव नहि, केवल निजी सजावट अछि
- (D) ई केवल राजदरबारक कर-विवरण मात्र अछि

४५४. मंचक सरलता केँ चिन्हबाक मुख्य आधार की अछि?

- (A) ई बोली आ स्मृतिसँ अलग, निर्जीव संकेत मात्र अछि
- (B) आँगन, अखरा, मेला वा गामक खाली ठाम मंच बनि सकैत अछि
- (C) ई ग्रामीण परिवेशकेँ हटाकऽ बनल कृत्रिम अभ्यास अछि
- (D) ई केवल छापल ग्रंथक पन्ना-संख्या गिनबाक विधि अछि

४५५. जे प्रश्न मंचक सरलता पर हो, त सही उत्तर कोन हएत?

- (A) ई केवल छापल ग्रंथक पन्ना-संख्या गिनबाक विधि अछि
- (B) ई लोकजीवनसँ पूर्णतः असंबद्ध विषय अछि
- (C) ई सामुदायिक अनुभव नहि, केवल निजी सजावट अछि
- (D) आँगन, अखरा, मेला वा गामक खाली ठाम मंच बनि सकैत अछि

४५६. दर्शक सहभागक सही अर्थ की अछि?

- (A) ई परम्परा नहि, केवल क्षणिक बाजारू खेल अछि
- (B) ई केवल राजदरबारक कर-विवरण मात्र अछि
- (C) ई सामुदायिक अनुभव नहि, केवल निजी सजावट अछि
- (D) ताली, प्रतिक्रिया, हँसी आ संवादसँ प्रस्तुति जीवित बनब

४५७. मैथिली लोकसाहित्यमे दर्शक सहभाग किएक महत्त्वपूर्ण अछि?

- (A) ई लोकजीवनसँ पूर्णतः असंबद्ध विषय अछि
- (B) ई केवल आधुनिक दफ्तरक नियम-पुस्तक अछि
- (C) ई केवल व्यापारिक हिसाब-किताबक नाम अछि
- (D) ताली, प्रतिक्रिया, हँसी आ संवादसँ प्रस्तुति जीवित बनब

४५८. दर्शक सहभाग संबंधमे कोन कथन ठीक अछि?

- (A) ई लोकजीवनसँ पूर्णतः असंबद्ध विषय अछि
- (B) ताली, प्रतिक्रिया, हँसी आ संवादसँ प्रस्तुति जीवित बनब
- (C) ई बोली आ स्मृतिसँ अलग, निर्जीव संकेत मात्र अछि
- (D) ई गीत, कथा आ समाजसँ कोनो सम्बन्ध नहि राखैत अछि

४५९. दर्शक सहभाग केँ चिन्हबाक मुख्य आधार की अछि?

- (A) ई सामुदायिक अनुभव नहि, केवल निजी सजावट अछि
- (B) ताली, प्रतिक्रिया, हँसी आ संवादसँ प्रस्तुति जीवित बनब
- (C) ई केवल छापल ग्रंथक पन्ना-संख्या गिनबाक विधि अछि
- (D) ई केवल व्यापारिक हिसाब-किताबक नाम अछि

४६०. जँ प्रश्न दर्शक सहभाग पर हो, त सही उत्तर कोन हएत?

- (A) ई गीत, कथा आ समाजसँ कोनो सम्बन्ध नहि राखैत अछि
- (B) ई सामुदायिक अनुभव नहि, केवल निजी सजावट अछि
- (C) ई केवल आधुनिक दफ्तरक नियम-पुस्तक अछि
- (D) ताली, प्रतिक्रिया, हँसी आ संवादसँ प्रस्तुति जीवित बनब

४६१. संगीतक भूमिकाक सही अर्थ की अछि?

- (A) प्रवेश, भाव, नाच आ दृश्य-परिवर्तनमे लय देब
- (B) ई ग्रामीण परिवेशकेँ हटाकऽ बनल कृत्रिम अभ्यास अछि
- (C) ई केवल राजदरबारक कर-विवरण मात्र अछि
- (D) ई परम्परा नहि, केवल क्षणिक बाजारू खेल अछि

४६२. मैथिली लोकसाहित्यमे संगीतक भूमिका किएक महत्त्वपूर्ण अछि?

- (A) ई केवल राजदरबारक कर-विवरण मात्र अछि
- (B) ई गीत, कथा आ समाजसँ कोनो सम्बन्ध नहि राखैत अछि
- (C) प्रवेश, भाव, नाच आ दृश्य-परिवर्तनमे लय देब
- (D) ई केवल आधुनिक दफ्तरक नियम-पुस्तक अछि

४६३. संगीतक भूमिका संबंधमे कोन कथन ठीक अछि?

- (A) ई केवल आधुनिक दफ्तरक नियम-पुस्तक अछि
- (B) प्रवेश, भाव, नाच आ दृश्य-परिवर्तनमे लय देब
- (C) ई केवल व्यापारिक हिसाब-किताबक नाम अछि
- (D) ई ग्रामीण परिवेशकेँ हटाकऽ बनल कृत्रिम अभ्यास अछि

४६४. संगीतक भूमिका केँ चिन्हबाक मुख्य आधार की अछि?

- (A) प्रवेश, भाव, नाच आ दृश्य-परिवर्तनमे लय देब
- (B) ई बोली आ स्मृतिसँ अलग, निर्जीव संकेत मात्र अछि
- (C) ई परम्परा नहि, केवल क्षणिक बाजारू खेल अछि
- (D) ई लोकजीवनसँ पूर्णतः असंबद्ध विषय अछि

४६५. जौ प्रश्न संगीतक भूमिका पर हो, त सही उत्तर कोन हएत?

- (A) ई ग्रामीण परिवेशकेँ हटाकऽ बनल कृत्रिम अभ्यास अछि
- (B) ई गीत, कथा आ समाजसँ कोनो सम्बन्ध नहि राखैत अछि
- (C) प्रवेश, भाव, नाच आ दृश्य-परिवर्तनमे लय देब
- (D) ई केवल आधुनिक दफ्तरक नियम-पुस्तक अछि

४६६. तत्काल रचनाक सही अर्थ की अछि?

- (A) कलाकार द्वारा स्थिति अनुसार पंक्ति वा संवाद जोड़ब
- (B) ई बोली आ स्मृतिसँ अलग, निर्जीव संकेत मात्र अछि
- (C) ई लोकजीवनसँ पूर्णतः असंबद्ध विषय अछि
- (D) ई केवल व्यापारिक हिसाब-किताबक नाम अछि

४६७. मैथिली लोकसाहित्यमे तत्काल रचना किएक महत्त्वपूर्ण अछि?

- (A) ई लोकजीवनसँ पूर्णतः असंबद्ध विषय अछि
- (B) ई ग्रामीण परिवेशकेँ हटाकऽ बनल कृत्रिम अभ्यास अछि
- (C) कलाकार द्वारा स्थिति अनुसार पंक्ति वा संवाद जोड़ब
- (D) ई सामुदायिक अनुभव नहि, केवल निजी सजावट अछि

४६८. तत्काल रचना संबंधमे कोन कथन ठीक अछि?

- (A) ई केवल आधुनिक दफ्तरक नियम-पुस्तक अछि
- (B) कलाकार द्वारा स्थिति अनुसार पंक्ति वा संवाद जोड़ब
- (C) ई बोली आ स्मृतिसँ अलग, निर्जीव संकेत मात्र अछि
- (D) ई केवल छापल ग्रंथक पन्ना-संख्या गिनबाक विधि अछि

४६९. तत्काल रचना केँ चिन्हबाक मुख्य आधार की अछि?

- (A) कलाकार द्वारा स्थिति अनुसार पंक्ति वा संवाद जोड़ब
- (B) ई केवल छापल ग्रंथक पन्ना-संख्या गिनबाक विधि अछि
- (C) ई लोकजीवनसँ पूर्णतः असंबद्ध विषय अछि
- (D) ई गीत, कथा आ समाजसँ कोनो सम्बन्ध नहि राखैत अछि

४७०. जौ प्रश्न तत्काल रचना पर हो, त सही उत्तर कोन हएत?

- (A) ई बोली आ स्मृतिसँ अलग, निर्जीव संकेत मात्र अछि
- (B) ई ग्रामीण परिवेशकेँ हटाकऽ बनल कृत्रिम अभ्यास अछि
- (C) कलाकार द्वारा स्थिति अनुसार पंक्ति वा संवाद जोड़ब
- (D) ई गीत, कथा आ समाजसँ कोनो सम्बन्ध नहि राखैत अछि

४७१. हास्य-व्यंग्यक सही अर्थ की अछि?

- (A) ई ग्रामीण परिवेशकेँ हटाकऽ बनल कृत्रिम अभ्यास अछि
- (B) ई सामुदायिक अनुभव नहि, केवल निजी सजावट अछि
- (C) सामाजिक कुरीति, दाम्पत्य, सासुराल आ सत्ता पर हँसैत टिप्पणी
- (D) ई परम्परा नहि, केवल क्षणिक बाजारू खेल अछि

४७२. मैथिली लोकसाहित्यमे हास्य-व्यंग्य किएक महत्त्वपूर्ण अछि?

- (A) ई बोली आ स्मृतिसँ अलग, निर्जीव संकेत मात्र अछि
- (B) ई लोकजीवनसँ पूर्णतः असंबद्ध विषय अछि
- (C) ई केवल व्यापारिक हिसाब-किताबक नाम अछि
- (D) सामाजिक कुरीति, दाम्पत्य, सासुराल आ सत्ता पर हँसैत टिप्पणी

४७३. हास्य-व्यंग्य संबंधमे कोन कथन ठीक अछि?

- (A) ई केवल व्यापारिक हिसाब-किताबक नाम अछि
- (B) ई लोकजीवनसँ पूर्णतः असंबद्ध विषय अछि
- (C) ई केवल राजदरबारक कर-विवरण मात्र अछि
- (D) सामाजिक कुरीति, दाम्पत्य, सासुराल आ सत्ता पर हँसैत टिप्पणी

४७४. हास्य-व्यंग्य केँ चिन्हबाक मुख्य आधार की अछि?

- (A) ई गीत, कथा आ समाजसँ कोनो सम्बन्ध नहि राखैत अछि
- (B) सामाजिक कुरीति, दाम्पत्य, सासुराल आ सत्ता पर हँसैत टिप्पणी
- (C) ई ग्रामीण परिवेशकेँ हटाकऽ बनल कृत्रिम अभ्यास अछि
- (D) ई बोली आ स्मृतिसँ अलग, निर्जीव संकेत मात्र अछि

४७५. जँ प्रश्न हास्य-व्यंग्य पर हो, त सही उत्तर कोन हएत?

- (A) ई केवल राजदरबारक कर-विवरण मात्र अछि
- (B) सामाजिक कुरीति, दाम्पत्य, सासुराल आ सत्ता पर हँसैत टिप्पणी
- (C) ई केवल आधुनिक दफ्तरक नियम-पुस्तक अछि
- (D) ई सामुदायिक अनुभव नहि, केवल निजी सजावट अछि

४७६. नृत्य-गतिक सही अर्थ की अछि?

- (A) देहक चाल, घुमाव, ताल आ समूह-रचना
- (B) ई केवल छापल ग्रंथक पन्ना-संख्या गिनबाक विधि अछि
- (C) ई केवल राजदरबारक कर-विवरण मात्र अछि
- (D) ई लोकजीवनसँ पूर्णतः असंबद्ध विषय अछि

४७७. मैथिली लोकसाहित्यमे नृत्य-गति किएक महत्त्वपूर्ण अछि?

- (A) देहक चाल, घुमाव, ताल आ समूह-रचना
- (B) ई केवल व्यापारिक हिसाब-किताबक नाम अछि
- (C) ई केवल राजदरबारक कर-विवरण मात्र अछि
- (D) ई केवल छापल ग्रंथक पन्ना-संख्या गिनबाक विधि अछि

४७८. नृत्य-गति संबंधमे कोन कथन ठीक अछि?

- (A) ई ग्रामीण परिवेशकेँ हटाकऽ बनल कृत्रिम अभ्यास अछि
- (B) ई बोली आ स्मृतिसँ अलग, निर्जीव संकेत मात्र अछि
- (C) ई केवल छापल ग्रंथक पन्ना-संख्या गिनबाक विधि अछि
- (D) देहक चाल, घुमाव, ताल आ समूह-रचना

४७९. नृत्य-गति केँ चिन्हबाक मुख्य आधार की अछि?

- (A) देहक चाल, घुमाव, ताल आ समूह-रचना
- (B) ई केवल राजदरबारक कर-विवरण मात्र अछि
- (C) ई सामुदायिक अनुभव नहि, केवल निजी सजावट अछि
- (D) ई ग्रामीण परिवेशकेँ हटाकऽ बनल कृत्रिम अभ्यास अछि

४८०. जँ प्रश्न नृत्य-गति पर हो, त सही उत्तर कोन हएत?

- (A) ई परम्परा नहि, केवल क्षणिक बाजारू खेल अछि
- (B) ई लोकजीवनसँ पूर्णतः असंबद्ध विषय अछि
- (C) देहक चाल, घुमाव, ताल आ समूह-रचना
- (D) ई गीत, कथा आ समाजसँ कोनो सम्बन्ध नहि राखैत अछि

४८१. अखराक सही अर्थ की अछि?

- (A) ग्राम्य नाच-गान आ अभ्यासक सार्वजनिक ठाम
- (B) ई बोली आ स्मृतिसँ अलग, निर्जीव संकेत मात्र अछि
- (C) ई केवल व्यापारिक हिसाब-किताबक नाम अछि
- (D) ई ग्रामीण परिवेशकें हटाकऽ बनल कृत्रिम अभ्यास अछि

४८२. मैथिली लोकसाहित्यमे अखरा किएक महत्त्वपूर्ण अछि?

- (A) ग्राम्य नाच-गान आ अभ्यासक सार्वजनिक ठाम
- (B) ई लोकजीवनसँ पूर्णतः असंबद्ध विषय अछि
- (C) ई केवल व्यापारिक हिसाब-किताबक नाम अछि
- (D) ई गीत, कथा आ समाजसँ कोनो सम्बन्ध नहि राखैत अछि

४८३. अखरा संबंधमे कोन कथन ठीक अछि?

- (A) ई केवल राजदरबारक कर-विवरण मात्र अछि
- (B) ग्राम्य नाच-गान आ अभ्यासक सार्वजनिक ठाम
- (C) ई सामुदायिक अनुभव नहि, केवल निजी सजावट अछि
- (D) ई केवल व्यापारिक हिसाब-किताबक नाम अछि

४८४. अखरा कें चिन्हबाक मुख्य आधार की अछि?

- (A) ई केवल व्यापारिक हिसाब-किताबक नाम अछि
- (B) ई ग्रामीण परिवेशकें हटाकऽ बनल कृत्रिम अभ्यास अछि
- (C) ग्राम्य नाच-गान आ अभ्यासक सार्वजनिक ठाम
- (D) ई लोकजीवनसँ पूर्णतः असंबद्ध विषय अछि

४८५. जँ प्रश्न अखरा पर हो, त सही उत्तर कोन हएत?

- (A) ई केवल आधुनिक दफ्तरक नियम-पुस्तक अछि
- (B) ई लोकजीवनसँ पूर्णतः असंबद्ध विषय अछि
- (C) ग्राम्य नाच-गान आ अभ्यासक सार्वजनिक ठाम
- (D) ई केवल व्यापारिक हिसाब-किताबक नाम अछि

४८६. नाच-पार्टीक सही अर्थ की अछि?

- (A) ई केवल राजदरबारक कर-विवरण मात्र अछि
- (B) कलाकारसभक दल जे गाम-गाम प्रस्तुति दैत अछि
- (C) ई परम्परा नहि, केवल क्षणिक बाजारू खेल अछि
- (D) ई गीत, कथा आ समाजसँ कोनो सम्बन्ध नहि राखैत अछि

४८७. मैथिली लोकसाहित्यमे नाच-पार्टी किएक महत्त्वपूर्ण अछि?

- (A) कलाकारसभक दल जे गाम-गाम प्रस्तुति दैत अछि
- (B) ई ग्रामीण परिवेशकें हटाकऽ बनल कृत्रिम अभ्यास अछि
- (C) ई सामुदायिक अनुभव नहि, केवल निजी सजावट अछि
- (D) ई परम्परा नहि, केवल क्षणिक बाजारू खेल अछि

४८८. नाच-पार्टी संबंधमे कोन कथन ठीक अछि?

- (A) ई परम्परा नहि, केवल क्षणिक बाजारू खेल अछि
- (B) कलाकारसभक दल जे गाम-गाम प्रस्तुति दैत अछि
- (C) ई केवल व्यापारिक हिसाब-किताबक नाम अछि
- (D) ई केवल आधुनिक दफ्तरक नियम-पुस्तक अछि

४८९. नाच-पार्टी के चिन्हबाक मुख्य आधार की अछि?

- (A) ई परम्परा नहि, केवल क्षणिक बाजारू खेल अछि
- (B) कलाकारसभक दल जे गाम-गाम प्रस्तुति दैत अछि
- (C) ई केवल आधुनिक दफ्तरक नियम-पुस्तक अछि
- (D) ई लोकजीवनसँ पूर्णतः असंबद्ध विषय अछि

४९०. जे प्रश्न नाच-पार्टी पर हो, त सही उत्तर कोन हएत?

- (A) ई केवल छापल ग्रंथक पन्ना-संख्या गिनबाक विधि अछि
- (B) ई गीत, कथा आ समाजसँ कोनो सम्बन्ध नहि राखैत अछि
- (C) ई परम्परा नहि, केवल क्षणिक बाजारू खेल अछि
- (D) कलाकारसभक दल जे गाम-गाम प्रस्तुति दैत अछि

४९१. लोकनाट्यक शिक्षाक सही अर्थ की अछि?

- (A) ई बोली आ स्मृतिसँ अलग, निर्जीव संकेत मात्र अछि
- (B) ई गीत, कथा आ समाजसँ कोनो सम्बन्ध नहि राखैत अछि
- (C) मनोरंजनक संग नीति, व्यंग्य आ सामुदायिक स्मृति देब
- (D) ई ग्रामीण परिवेशकेँ हटाकऽ बनल कृत्रिम अभ्यास अछि

४९२. मैथिली लोकसाहित्यमे लोकनाट्यक शिक्षा किएक महत्त्वपूर्ण अछि?

- (A) मनोरंजनक संग नीति, व्यंग्य आ सामुदायिक स्मृति देब
- (B) ई सामुदायिक अनुभव नहि, केवल निजी सजावट अछि
- (C) ई गीत, कथा आ समाजसँ कोनो सम्बन्ध नहि राखैत अछि
- (D) ई केवल राजदरबारक कर-विवरण मात्र अछि

४९३. लोकनाट्यक शिक्षा संबंधमे कोन कथन ठीक अछि?

- (A) ई केवल राजदरबारक कर-विवरण मात्र अछि
- (B) मनोरंजनक संग नीति, व्यंग्य आ सामुदायिक स्मृति देब
- (C) ई लोकजीवनसँ पूर्णतः असंबद्ध विषय अछि
- (D) ई केवल छापल ग्रंथक पन्ना-संख्या गिनबाक विधि अछि

४९४. लोकनाट्यक शिक्षा केँ चिन्हबाक मुख्य आधार की अछि?

- (A) ई केवल आधुनिक दफ्तरक नियम-पुस्तक अछि
- (B) मनोरंजनक संग नीति, व्यंग्य आ सामुदायिक स्मृति देब
- (C) ई केवल छापल ग्रंथक पन्ना-संख्या गिनबाक विधि अछि
- (D) ई लोकजीवनसँ पूर्णतः असंबद्ध विषय अछि

४९५. जे प्रश्न लोकनाट्यक शिक्षा पर हो, त सही उत्तर कोन हएत?

- (A) मनोरंजनक संग नीति, व्यंग्य आ सामुदायिक स्मृति देब
- (B) ई केवल छापल ग्रंथक पन्ना-संख्या गिनबाक विधि अछि
- (C) ई केवल आधुनिक दफ्तरक नियम-पुस्तक अछि
- (D) ई गीत, कथा आ समाजसँ कोनो सम्बन्ध नहि राखैत अछि

४९६. मंचनक क्षणक सही अर्थ की अछि?

- (A) ई लोकजीवनसँ पूर्णतः असंबद्ध विषय अछि
- (B) ई बोली आ स्मृतिसँ अलग, निर्जीव संकेत मात्र अछि
- (C) लिखित पाठसँ बेसी जीवित अभिनयमे अर्थ खुलब
- (D) ई गीत, कथा आ समाजसँ कोनो सम्बन्ध नहि राखैत अछि

४९७. मैथिली लोकसाहित्यमे मंचनक क्षण किएक महत्त्वपूर्ण अछि?

- (A) ई गीत, कथा आ समाजसँ कोनो सम्बन्ध नहि राखैत अछि
- (B) ई केवल छापल ग्रंथक पन्ना-संख्या गिनबाक विधि अछि
- (C) ई सामुदायिक अनुभव नहि, केवल निजी सजावट अछि
- (D) लिखित पाठसँ बेसी जीवित अभिनयमे अर्थ खुलब

४९८. मंचनक क्षण संबंधमे कोन कथन ठीक अछि?

- (A) लिखित पाठसँ बेसी जीवित अभिनयमे अर्थ खुलब
- (B) ई परम्परा नहि, केवल क्षणिक बाजारू खेल अछि
- (C) ई बोली आ स्मृतिसँ अलग, निर्जीव संकेत मात्र अछि
- (D) ई ग्रामीण परिवेशकेँ हटाकऽ बनल कृत्रिम अभ्यास अछि

४९९. मंचनक क्षण केँ चिन्हबाक मुख्य आधार की अछि?

- (A) लिखित पाठसँ बेसी जीवित अभिनयमे अर्थ खुलब
- (B) ई लोकजीवनसँ पूर्णतः असंबद्ध विषय अछि
- (C) ई केवल राजदरबारक कर-विवरण मात्र अछि
- (D) ई सामुदायिक अनुभव नहि, केवल निजी सजावट अछि

५००. जँ प्रश्न मंचनक क्षण पर हो, त सही उत्तर कोन हएत?

- (A) लिखित पाठसँ बेसी जीवित अभिनयमे अर्थ खुलब
- (B) ई सामुदायिक अनुभव नहि, केवल निजी सजावट अछि
- (C) ई ग्रामीण परिवेशकेँ हटाकऽ बनल कृत्रिम अभ्यास अछि
- (D) ई गीत, कथा आ समाजसँ कोनो सम्बन्ध नहि राखैत अछि

लोककथा आ कथावाचन

५०१. नीतिकथाक सही अर्थ की अछि?

- (A) कथा जे व्यवहार, बुद्धि आ लोक-नीति सिखबैत अछि
- (B) ई लोकजीवनसँ पूर्णतः असंबद्ध विषय अछि
- (C) ई केवल आधुनिक दफ्तरक नियम-पुस्तक अछि
- (D) ई केवल व्यापारिक हिसाब-किताबक नाम अछि

५०२. मैथिली लोकसाहित्यमे नीतिकथा किएक महत्त्वपूर्ण अछि?

- (A) ई परम्परा नहि, केवल क्षणिक बाजारू खेल अछि
- (B) ई केवल व्यापारिक हिसाब-किताबक नाम अछि
- (C) ई बोली आ स्मृतिसँ अलग, निर्जीव संकेत मात्र अछि
- (D) कथा जे व्यवहार, बुद्धि आ लोक-नीति सिखबैत अछि

५०३. नीतिकथा संबंधमे कोन कथन ठीक अछि?

- (A) ई केवल छापल ग्रंथक पन्ना-संख्या गिनबाक विधि अछि
- (B) ई केवल व्यापारिक हिसाब-किताबक नाम अछि
- (C) कथा जे व्यवहार, बुद्धि आ लोक-नीति सिखबैत अछि
- (D) ई परम्परा नहि, केवल क्षणिक बाजारू खेल अछि

५०४. नीतिकथा केँ चिन्हबाक मुख्य आधार की अछि?

- (A) ई केवल राजदरबारक कर-विवरण मात्र अछि
- (B) ई बोली आ स्मृतिसँ अलग, निर्जीव संकेत मात्र अछि
- (C) कथा जे व्यवहार, बुद्धि आ लोक-नीति सिखबैत अछि
- (D) ई ग्रामीण परिवेशकेँ हटाकऽ बनल कृत्रिम अभ्यास अछि

५०५. जँ प्रश्न नीतिकथा पर हो, त सही उत्तर कोन हएत?

- (A) कथा जे व्यवहार, बुद्धि आ लोक-नीति सिखबैत अछि
- (B) ई बोली आ स्मृतिसँ अलग, निर्जीव संकेत मात्र अछि
- (C) ई केवल छापल ग्रंथक पन्ना-संख्या गिनबाक विधि अछि
- (D) ई सामुदायिक अनुभव नहि, केवल निजी सजावट अछि

५०६. पशु-कथाक सही अर्थ की अछि?

- (A) जनावर पात्रक माध्यमसँ मानवीय स्वभाव देखायब
- (B) ई केवल छापल ग्रंथक पन्ना-संख्या गिनबाक विधि अछि
- (C) ई गीत, कथा आ समाजसँ कोनो सम्बन्ध नहि राखैत अछि
- (D) ई परम्परा नहि, केवल क्षणिक बाजारू खेल अछि

५०७. मैथिली लोकसाहित्यमे पशु-कथा किएक महत्त्वपूर्ण अछि?

- (A) ई परम्परा नहि, केवल क्षणिक बाजारू खेल अछि
- (B) जनावर पात्रक माध्यमसँ मानवीय स्वभाव देखायब
- (C) ई लोकजीवनसँ पूर्णतः असंबद्ध विषय अछि
- (D) ई केवल राजदरबारक कर-विवरण मात्र अछि

५०८. पशु-कथा संबंधमे कोन कथन ठीक अछि?

- (A) जनावर पात्रक माध्यमसँ मानवीय स्वभाव देखायब
- (B) ई केवल राजदरबारक कर-विवरण मात्र अछि
- (C) ई केवल आधुनिक दफ्तरक नियम-पुस्तक अछि
- (D) ई बोली आ स्मृतिसँ अलग, निर्जीव संकेत मात्र अछि

५०९. पशु-कथा केँ चिन्हबाक मुख्य आधार की अछि?

- (A) ई बोली आ स्मृतिसँ अलग, निर्जीव संकेत मात्र अछि
- (B) ई गीत, कथा आ समाजसँ कोनो सम्बन्ध नहि राखैत अछि
- (C) जनावर पात्रक माध्यमसँ मानवीय स्वभाव देखायब
- (D) ई सामुदायिक अनुभव नहि, केवल निजी सजावट अछि

५१०. जँ प्रश्न पशु-कथा पर हो, त सही उत्तर कोन हएत?

- (A) ई परम्परा नहि, केवल क्षणिक बाजारू खेल अछि
- (B) ई केवल आधुनिक दफ्तरक नियम-पुस्तक अछि
- (C) जनावर पात्रक माध्यमसँ मानवीय स्वभाव देखायब
- (D) ई बोली आ स्मृतिसँ अलग, निर्जीव संकेत मात्र अछि

५११. चतुराई कथाक सही अर्थ की अछि?

- (A) ई बोली आ स्मृतिसँ अलग, निर्जीव संकेत मात्र अछि
- (B) ई केवल राजदरबारक कर-विवरण मात्र अछि
- (C) बुद्धि सँ कठिन परिस्थिति सँ निकलयक प्रसंग
- (D) ई केवल छापल ग्रंथक पन्ना-संख्या गिनबाक विधि अछि

५१२. मैथिली लोकसाहित्यमे चतुराई कथा किएक महत्त्वपूर्ण अछि?

- (A) ई केवल व्यापारिक हिसाब-किताबक नाम अछि
- (B) बुद्धि सँ कठिन परिस्थिति सँ निकलयक प्रसंग
- (C) ई गीत, कथा आ समाजसँ कोनो सम्बन्ध नहि राखैत अछि
- (D) ई बोली आ स्मृतिसँ अलग, निर्जीव संकेत मात्र अछि

५१३. चतुराई कथा संबंधमे कोन कथन ठीक अछि?

- (A) ई सामुदायिक अनुभव नहि, केवल निजी सजावट अछि
- (B) ई केवल राजदरबारक कर-विवरण मात्र अछि
- (C) बुद्धि सँ कठिन परिस्थिति सँ निकलयक प्रसंग
- (D) ई बोली आ स्मृतिसँ अलग, निर्जीव संकेत मात्र अछि

५१४. चतुराई कथा केँ चिन्हबाक मुख्य आधार की अछि?

- (A) ई केवल राजदरबारक कर-विवरण मात्र अछि
- (B) ई बोली आ स्मृतिसँ अलग, निर्जीव संकेत मात्र अछि
- (C) बुद्धि सँ कठिन परिस्थिति सँ निकलयक प्रसंग
- (D) ई केवल छापल ग्रंथक पन्ना-संख्या गिनबाक विधि अछि

५१५. जँ प्रश्न चतुराई कथा पर हो, त सही उत्तर कोन हएत?

- (A) ई केवल छापल ग्रंथक पन्ना-संख्या गिनबाक विधि अछि
- (B) बुद्धि सँ कठिन परिस्थिति सँ निकलयक प्रसंग
- (C) ई केवल राजदरबारक कर-विवरण मात्र अछि
- (D) ई बोली आ स्मृतिसँ अलग, निर्जीव संकेत मात्र अछि

५१६. गोनू झा कथाक सही अर्थ की अछि?

- (A) ई ग्रामीण परिवेशकेँ हटाकऽ बनल कृत्रिम अभ्यास अछि
- (B) ई बोली आ स्मृतिसँ अलग, निर्जीव संकेत मात्र अछि
- (C) चतुरता, विनोद आ सामाजिक बुद्धिक प्रसिद्ध लोककथा-धारा
- (D) ई परम्परा नहि, केवल क्षणिक बाजारू खेल अछि

५१७. मैथिली लोकसाहित्यमे गोनू झा कथा किएक महत्त्वपूर्ण अछि?

- (A) ई केवल राजदरबारक कर-विवरण मात्र अछि
- (B) चतुरता, विनोद आ सामाजिक बुद्धिक प्रसिद्ध लोककथा-धारा
- (C) ई केवल छापल ग्रंथक पन्ना-संख्या गिनबाक विधि अछि
- (D) ई केवल व्यापारिक हिसाब-किताबक नाम अछि

५१८. गोनू झा कथा संबंधमे कोन कथन ठीक अछि?

- (A) ई ग्रामीण परिवेशकेँ हटाकऽ बनल कृत्रिम अभ्यास अछि
- (B) चतुरता, विनोद आ सामाजिक बुद्धिक प्रसिद्ध लोककथा-धारा
- (C) ई परम्परा नहि, केवल क्षणिक बाजारू खेल अछि
- (D) ई केवल व्यापारिक हिसाब-किताबक नाम अछि

५१९. गोनू झा कथा केँ चिन्हबाक मुख्य आधार की अछि?

- (A) ई सामुदायिक अनुभव नहि, केवल निजी सजावट अछि
- (B) चतुरता, विनोद आ सामाजिक बुद्धिक प्रसिद्ध लोककथा-धारा
- (C) ई परम्परा नहि, केवल क्षणिक बाजारू खेल अछि
- (D) ई गीत, कथा आ समाजसँ कोनो सम्बन्ध नहि राखैत अछि

५२०. जँ प्रश्न गोनू झा कथा पर हो, त सही उत्तर कोन हएत?

- (A) चतुरता, विनोद आ सामाजिक बुद्धिक प्रसिद्ध लोककथा-धारा
- (B) ई केवल आधुनिक दफ्तरक नियम-पुस्तक अछि
- (C) ई परम्परा नहि, केवल क्षणिक बाजारू खेल अछि
- (D) ई गीत, कथा आ समाजसँ कोनो सम्बन्ध नहि राखैत अछि

५२१. राजा-रानी कथाक सही अर्थ की अछि?

- (A) शासन, न्याय, चमत्कार आ पारिवारिक संकटक आख्यान
- (B) ई सामुदायिक अनुभव नहि, केवल निजी सजावट अछि
- (C) ई केवल छापल ग्रंथक पन्ना-संख्या गिनबाक विधि अछि
- (D) ई बोली आ स्मृतिसँ अलग, निर्जीव संकेत मात्र अछि

५२२. मैथिली लोकसाहित्यमे राजा-रानी कथा किएक महत्त्वपूर्ण अछि?

- (A) ई ग्रामीण परिवेशकेँ हटाकऽ बनल कृत्रिम अभ्यास अछि
- (B) ई केवल व्यापारिक हिसाब-किताबक नाम अछि
- (C) शासन, न्याय, चमत्कार आ पारिवारिक संकटक आख्यान
- (D) ई बोली आ स्मृतिसँ अलग, निर्जीव संकेत मात्र अछि

५२३. राजा-रानी कथा संबंधमे कोन कथन ठीक अछि?

- (A) ई केवल आधुनिक दफ्तरक नियम-पुस्तक अछि
- (B) ई लोकजीवनसँ पूर्णतः असंबद्ध विषय अछि
- (C) ई केवल व्यापारिक हिसाब-किताबक नाम अछि
- (D) शासन, न्याय, चमत्कार आ पारिवारिक संकटक आख्यान

५२४. राजा-रानी कथा केँ चिन्हबाक मुख्य आधार की अछि?

- (A) शासन, न्याय, चमत्कार आ पारिवारिक संकटक आख्यान
- (B) ई केवल छापल ग्रंथक पन्ना-संख्या गिनबाक विधि अछि
- (C) ई केवल राजदरबारक कर-विवरण मात्र अछि
- (D) ई ग्रामीण परिवेशकेँ हटाकऽ बनल कृत्रिम अभ्यास अछि

५२५. जँ प्रश्न राजा-रानी कथा पर हो, त सही उत्तर कोन हएत?

- (A) ई केवल राजदरबारक कर-विवरण मात्र अछि
- (B) शासन, न्याय, चमत्कार आ पारिवारिक संकटक आख्यान
- (C) ई लोकजीवनसँ पूर्णतः असंबद्ध विषय अछि
- (D) ई ग्रामीण परिवेशकेँ हटाकऽ बनल कृत्रिम अभ्यास अछि

५२६. भूत-प्रेत कथाक सही अर्थ की अछि?

- (A) ई केवल आधुनिक दफ्तरक नियम-पुस्तक अछि
- (B) ई ग्रामीण परिवेशकेँ हटाकऽ बनल कृत्रिम अभ्यास अछि
- (C) ई केवल व्यापारिक हिसाब-किताबक नाम अछि
- (D) भय, रहस्य आ लोकविश्वास पर आधारित कथा

५२७. मैथिली लोकसाहित्यमे भूत-प्रेत कथा किएक महत्त्वपूर्ण अछि?

- (A) ई केवल छापल ग्रंथक पन्ना-संख्या गिनबाक विधि अछि
- (B) ई ग्रामीण परिवेशकेँ हटाकऽ बनल कृत्रिम अभ्यास अछि
- (C) ई केवल व्यापारिक हिसाब-किताबक नाम अछि
- (D) भय, रहस्य आ लोकविश्वास पर आधारित कथा

५२८. भूत-प्रेत कथा संबंधमे कोन कथन ठीक अछि?

- (A) ई लोकजीवनसँ पूर्णतः असंबद्ध विषय अछि
- (B) ई केवल व्यापारिक हिसाब-किताबक नाम अछि
- (C) ई केवल आधुनिक दफ्तरक नियम-पुस्तक अछि
- (D) भय, रहस्य आ लोकविश्वास पर आधारित कथा

५२९. भूत-प्रेत कथा के चिन्हबाक मुख्य आधार की अछि?

- (A) ई बोली आ स्मृतिसँ अलग, निर्जीव संकेत मात्र अछि
- (B) ई लोकजीवनसँ पूर्णतः असंबद्ध विषय अछि
- (C) भय, रहस्य आ लोकविश्वास पर आधारित कथा
- (D) ई गीत, कथा आ समाजसँ कोनो सम्बन्ध नहि राखैत अछि

५३०. जे प्रश्न भूत-प्रेत कथा पर हो, त सही उत्तर कोन हएत?

- (A) भय, रहस्य आ लोकविश्वास पर आधारित कथा
- (B) ई सामुदायिक अनुभव नहि, केवल निजी सजावट अछि
- (C) ई परम्परा नहि, केवल क्षणिक बाजारू खेल अछि
- (D) ई लोकजीवनसँ पूर्णतः असंबद्ध विषय अछि

५३१. परिकथाक सही अर्थ की अछि?

- (A) ई सामुदायिक अनुभव नहि, केवल निजी सजावट अछि
- (B) ई ग्रामीण परिवेशकेँ हटाकऽ बनल कृत्रिम अभ्यास अछि
- (C) अद्भुत घटना, वरदान, परीक्षा आ सुखांतक कथा
- (D) ई लोकजीवनसँ पूर्णतः असंबद्ध विषय अछि

५३२. मैथिली लोकसाहित्यमे परिकथा किएक महत्त्वपूर्ण अछि?

- (A) ई केवल राजदरबारक कर-विवरण मात्र अछि
- (B) ई गीत, कथा आ समाजसँ कोनो सम्बन्ध नहि राखैत अछि
- (C) ई परम्परा नहि, केवल क्षणिक बाजारू खेल अछि
- (D) अद्भुत घटना, वरदान, परीक्षा आ सुखांतक कथा

५३३. परिकथा संबंधमे कोन कथन ठीक अछि?

- (A) ई केवल आधुनिक दफ्तरक नियम-पुस्तक अछि
- (B) ई केवल राजदरबारक कर-विवरण मात्र अछि
- (C) अद्भुत घटना, वरदान, परीक्षा आ सुखांतक कथा
- (D) ई केवल छापल ग्रंथक पन्ना-संख्या गिनबाक विधि अछि

५३४. परिकथा केँ चिन्हबाक मुख्य आधार की अछि?

- (A) ई परम्परा नहि, केवल क्षणिक बाजारू खेल अछि
- (B) ई बोली आ स्मृतिसँ अलग, निर्जीव संकेत मात्र अछि
- (C) ई गीत, कथा आ समाजसँ कोनो सम्बन्ध नहि राखैत अछि
- (D) अद्भुत घटना, वरदान, परीक्षा आ सुखांतक कथा

५३५. जे प्रश्न परिकथा पर हो, त सही उत्तर कोन हएत?

- (A) ई परम्परा नहि, केवल क्षणिक बाजारू खेल अछि
- (B) अद्भुत घटना, वरदान, परीक्षा आ सुखांतक कथा
- (C) ई केवल छापल ग्रंथक पन्ना-संख्या गिनबाक विधि अछि
- (D) ई केवल आधुनिक दफ्तरक नियम-पुस्तक अछि

५३६. मूर्ख-पण्डित कथाक सही अर्थ की अछि?

- (A) ज्ञानक दंभ आ व्यवहार-बुद्धिक टकराव
- (B) ई गीत, कथा आ समाजसँ कोनो सम्बन्ध नहि राखैत अछि
- (C) ई बोली आ स्मृतिसँ अलग, निर्जीव संकेत मात्र अछि
- (D) ई केवल आधुनिक दफ्तरक नियम-पुस्तक अछि

५३७. मैथिली लोकसाहित्यमे मूर्ख-पण्डित कथा किएक महत्त्वपूर्ण अछि?

- (A) ई लोकजीवनसँ पूर्णतः असंबद्ध विषय अछि
- (B) ज्ञानक दंभ आ व्यवहार-बुद्धिक टकराव
- (C) ई बोली आ स्मृतिसँ अलग, निर्जीव संकेत मात्र अछि
- (D) ई परम्परा नहि, केवल क्षणिक बाजारू खेल अछि

५३८. मूर्ख-पण्डित कथा संबंधमे कोन कथन ठीक अछि?

- (A) ई केवल व्यापारिक हिसाब-किताबक नाम अछि
- (B) ई केवल छापल ग्रंथक पन्ना-संख्या गिनबाक विधि अछि
- (C) ई सामुदायिक अनुभव नहि, केवल निजी सजावट अछि
- (D) ज्ञानक दंभ आ व्यवहार-बुद्धिक टकराव

५३९. मूर्ख-पण्डित कथा केँ चिन्हबाक मुख्य आधार की अछि?

- (A) ई सामुदायिक अनुभव नहि, केवल निजी सजावट अछि
- (B) ज्ञानक दंभ आ व्यवहार-बुद्धिक टकराव
- (C) ई केवल आधुनिक दफ्तरक नियम-पुस्तक अछि
- (D) ई केवल व्यापारिक हिसाब-किताबक नाम अछि

५४०. जँ प्रश्न मूर्ख-पण्डित कथा पर हो, त सही उत्तर कोन हएत?

- (A) ई केवल राजदरबारक कर-विवरण मात्र अछि
- (B) ई केवल आधुनिक दफ्तरक नियम-पुस्तक अछि
- (C) ई गीत, कथा आ समाजसँ कोनो सम्बन्ध नहि राखैत अछि
- (D) ज्ञानक दंभ आ व्यवहार-बुद्धिक टकराव

५४१. सास-पुतोहू कथाक सही अर्थ की अछि?

- (A) ई लोकजीवनसँ पूर्णतः असंबद्ध विषय अछि
- (B) घर-परिवारक सत्ता, संघर्ष आ समायोजनक कथा
- (C) ई गीत, कथा आ समाजसँ कोनो सम्बन्ध नहि राखैत अछि
- (D) ई सामुदायिक अनुभव नहि, केवल निजी सजावट अछि

५४२. मैथिली लोकसाहित्यमे सास-पुतोहू कथा किएक महत्त्वपूर्ण अछि?

- (A) ई केवल राजदरबारक कर-विवरण मात्र अछि
- (B) ई सामुदायिक अनुभव नहि, केवल निजी सजावट अछि
- (C) घर-परिवारक सत्ता, संघर्ष आ समायोजनक कथा
- (D) ई लोकजीवनसँ पूर्णतः असंबद्ध विषय अछि

५४३. सास-पुतोहू कथा संबंधमे कोन कथन ठीक अछि?

- (A) ई केवल राजदरबारक कर-विवरण मात्र अछि
- (B) ई ग्रामीण परिवेशकेँ हटाकऽ बनल कृत्रिम अभ्यास अछि
- (C) ई केवल आधुनिक दफ्तरक नियम-पुस्तक अछि
- (D) घर-परिवारक सत्ता, संघर्ष आ समायोजनक कथा

५४४. सास-पुतोहू कथा केँ चिन्हबाक मुख्य आधार की अछि?

- (A) ई गीत, कथा आ समाजसँ कोनो सम्बन्ध नहि राखैत अछि
- (B) घर-परिवारक सत्ता, संघर्ष आ समायोजनक कथा
- (C) ई लोकजीवनसँ पूर्णतः असंबद्ध विषय अछि
- (D) ई ग्रामीण परिवेशकेँ हटाकऽ बनल कृत्रिम अभ्यास अछि

५४५. जँ प्रश्न सास-पुतोहू कथा पर हो, त सही उत्तर कोन हएत?

- (A) घर-परिवारक सत्ता, संघर्ष आ समायोजनक कथा
- (B) ई बोली आ स्मृतिसँ अलग, निर्जीव संकेत मात्र अछि
- (C) ई केवल आधुनिक दफ्तरक नियम-पुस्तक अछि
- (D) ई केवल छापल ग्रंथक पन्ना-संख्या गिनबाक विधि अछि

५४६. गरीब-धनी कथाक सही अर्थ की अछि?

- (A) ई ग्रामीण परिवेशकेँ हटाकऽ बनल कृत्रिम अभ्यास अछि
- (B) ई सामुदायिक अनुभव नहि, केवल निजी सजावट अछि
- (C) असमानता, न्याय आ भाग्यक लोक-विवेचन
- (D) ई केवल छापल ग्रंथक पन्ना-संख्या गिनबाक विधि अछि

५४७. मैथिली लोकसाहित्यमे गरीब-धनी कथा किएक महत्त्वपूर्ण अछि?

- (A) असमानता, न्याय आ भाग्यक लोक-विवेचन
- (B) ई केवल राजदरबारक कर-विवरण मात्र अछि
- (C) ई सामुदायिक अनुभव नहि, केवल निजी सजावट अछि
- (D) ई परम्परा नहि, केवल क्षणिक बाजारू खेल अछि

५४८. गरीब-धनी कथा संबंधमे कोन कथन ठीक अछि?

- (A) असमानता, न्याय आ भाग्यक लोक-विवेचन
- (B) ई केवल छापल ग्रंथक पन्ना-संख्या गिनबाक विधि अछि
- (C) ई सामुदायिक अनुभव नहि, केवल निजी सजावट अछि
- (D) ई केवल व्यापारिक हिसाब-किताबक नाम अछि

५४९. गरीब-धनी कथा केँ चिन्हबाक मुख्य आधार की अछि?

- (A) ई बोली आ स्मृतिसँ अलग, निर्जीव संकेत मात्र अछि
- (B) ई परम्परा नहि, केवल क्षणिक बाजारू खेल अछि
- (C) असमानता, न्याय आ भाग्यक लोक-विवेचन
- (D) ई केवल आधुनिक दफ्तरक नियम-पुस्तक अछि

५५०. जँ प्रश्न गरीब-धनी कथा पर हो, त सही उत्तर कोन हएत?

- (A) ई केवल आधुनिक दफ्तरक नियम-पुस्तक अछि
- (B) ई केवल छापल ग्रंथक पन्ना-संख्या गिनबाक विधि अछि
- (C) असमानता, न्याय आ भाग्यक लोक-विवेचन
- (D) ई केवल राजदरबारक कर-विवरण मात्र अछि

५५१. आरम्भ सूत्रक सही अर्थ की अछि?

- (A) कथा शुरू करबाक पारम्परिक वाक्य वा संकेत
- (B) ई केवल आधुनिक दफ्तरक नियम-पुस्तक अछि
- (C) ई परम्परा नहि, केवल क्षणिक बाजारू खेल अछि
- (D) ई केवल व्यापारिक हिसाब-किताबक नाम अछि

५५२. मैथिली लोकसाहित्यमे आरम्भ सूत्र किएक महत्त्वपूर्ण अछि?

- (A) ई सामुदायिक अनुभव नहि, केवल निजी सजावट अछि
- (B) ई केवल आधुनिक दफ्तरक नियम-पुस्तक अछि
- (C) कथा शुरू करबाक पारम्परिक वाक्य वा संकेत
- (D) ई केवल राजदरबारक कर-विवरण मात्र अछि

५५३. आरम्भ सूत्र संबंधमे कोन कथन ठीक अछि?

- (A) ई परम्परा नहि, केवल क्षणिक बाजारू खेल अछि
- (B) ई ग्रामीण परिवेशकेँ हटाकऽ बनल कृत्रिम अभ्यास अछि
- (C) ई केवल व्यापारिक हिसाब-किताबक नाम अछि
- (D) कथा शुरू करबाक पारम्परिक वाक्य वा संकेत

५५४. आरम्भ सूत्र केँ चिन्हबाक मुख्य आधार की अछि?

- (A) कथा शुरू करबाक पारम्परिक वाक्य वा संकेत
- (B) ई केवल छापल ग्रंथक पन्ना-संख्या गिनबाक विधि अछि
- (C) ई गीत, कथा आ समाजसँ कोनो सम्बन्ध नहि राखैत अछि
- (D) ई लोकजीवनसँ पूर्णतः असंबद्ध विषय अछि

५५५. जँ प्रश्न आरम्भ सूत्र पर हो, त सही उत्तर कोन हएत?

- (A) ई सामुदायिक अनुभव नहि, केवल निजी सजावट अछि
- (B) ई केवल छापल ग्रंथक पन्ना-संख्या गिनबाक विधि अछि
- (C) ई परम्परा नहि, केवल क्षणिक बाजारू खेल अछि
- (D) कथा शुरू करबाक पारम्परिक वाक्य वा संकेत

५५६. दोहरावक सही अर्थ की अछि?

- (A) ई बोली आ स्मृतिसँ अलग, निर्जीव संकेत मात्र अछि
- (B) ई ग्रामीण परिवेशकेँ हटाकऽ बनल कृत्रिम अभ्यास अछि
- (C) तीन बेर घटना वा वाक्य दोहराकऽ स्मरणीय बनायब
- (D) ई केवल आधुनिक दफ्तरक नियम-पुस्तक अछि

५५७. मैथिली लोकसाहित्यमे दोहराव किएक महत्त्वपूर्ण अछि?

- (A) ई बोली आ स्मृतिसँ अलग, निर्जीव संकेत मात्र अछि
- (B) तीन बेर घटना वा वाक्य दोहराकऽ स्मरणीय बनायब
- (C) ई केवल आधुनिक दफ्तरक नियम-पुस्तक अछि
- (D) ई परम्परा नहि, केवल क्षणिक बाजारू खेल अछि

५५८. दोहराव संबंधमे कोन कथन ठीक अछि?

- (A) ई बोली आ स्मृतिसँ अलग, निर्जीव संकेत मात्र अछि
- (B) ई परम्परा नहि, केवल क्षणिक बाजारू खेल अछि
- (C) ई केवल आधुनिक दफ्तरक नियम-पुस्तक अछि
- (D) तीन बेर घटना वा वाक्य दोहराकऽ स्मरणीय बनायब

५५९. दोहराव केँ चिन्हबाक मुख्य आधार की अछि?

- (A) ई केवल राजदरबारक कर-विवरण मात्र अछि
- (B) ई लोकजीवनसँ पूर्णतः असंबद्ध विषय अछि
- (C) ई केवल आधुनिक दफ्तरक नियम-पुस्तक अछि
- (D) तीन बेर घटना वा वाक्य दोहराकऽ स्मरणीय बनायब

५६०. जँ प्रश्न दोहराव पर हो, त सही उत्तर कोन हएत?

- (A) ई केवल व्यापारिक हिसाब-किताबक नाम अछि
- (B) ई सामुदायिक अनुभव नहि, केवल निजी सजावट अछि
- (C) ई केवल आधुनिक दफ्तरक नियम-पुस्तक अछि
- (D) तीन बेर घटना वा वाक्य दोहराकऽ स्मरणीय बनायब

५६१. कथावाचक सही अर्थ की अछि?

- (A) ई सामुदायिक अनुभव नहि, केवल निजी सजावट अछि
- (B) कथा कहनिहार जे आवाज, लय आ अभिनयसँ कथा जीवित करैत अछि
- (C) ई केवल छापल ग्रंथक पन्ना-संख्या गिनबाक विधि अछि
- (D) ई परम्परा नहि, केवल क्षणिक बाजारू खेल अछि

५६२. मैथिली लोकसाहित्यमे कथावाचक किएक महत्त्वपूर्ण अछि?

- (A) कथा कहनिहार जे आवाज, लय आ अभिनयसँ कथा जीवित करैत अछि
- (B) ई ग्रामीण परिवेशकेँ हटाकऽ बनल कृत्रिम अभ्यास अछि
- (C) ई केवल व्यापारिक हिसाब-किताबक नाम अछि
- (D) ई बोली आ स्मृतिसँ अलग, निर्जीव संकेत मात्र अछि

५६३. कथावाचक संबंधमे कोन कथन ठीक अछि?

- (A) ई सामुदायिक अनुभव नहि, केवल निजी सजावट अछि
- (B) ई लोकजीवनसँ पूर्णतः असंबद्ध विषय अछि
- (C) कथा कहनिहार जे आवाज, लय आ अभिनयसँ कथा जीवित करैत अछि
- (D) ई केवल राजदरबारक कर-विवरण मात्र अछि

५६४. कथावाचक केँ चिन्हबाक मुख्य आधार की अछि?

- (A) ई लोकजीवनसँ पूर्णतः असंबद्ध विषय अछि
- (B) ई परम्परा नहि, केवल क्षणिक बाजारू खेल अछि
- (C) कथा कहनिहार जे आवाज, लय आ अभिनयसँ कथा जीवित करैत अछि
- (D) ई केवल आधुनिक दफ्तरक नियम-पुस्तक अछि

५६५. जँ प्रश्न कथावाचक पर हो, त सही उत्तर कोन हएत?

- (A) ई गीत, कथा आ समाजसँ कोनो सम्बन्ध नहि राखैत अछि
- (B) ई बोली आ स्मृतिसँ अलग, निर्जीव संकेत मात्र अछि
- (C) ई लोकजीवनसँ पूर्णतः असंबद्ध विषय अछि
- (D) कथा कहनिहार जे आवाज, लय आ अभिनयसँ कथा जीवित करैत अछि

५६६. श्रोताक सही अर्थ की अछि?

- (A) ई बोली आ स्मृतिसँ अलग, निर्जीव संकेत मात्र अछि
- (B) ई सामुदायिक अनुभव नहि, केवल निजी सजावट अछि
- (C) ई केवल आधुनिक दफ्तरक नियम-पुस्तक अछि
- (D) कथा सुनिहार समुदाय जे प्रतिक्रिया दैत अछि

५६७. मैथिली लोकसाहित्यमे श्रोता किएक महत्त्वपूर्ण अछि?

- (A) ई परम्परा नहि, केवल क्षणिक बाजारू खेल अछि
- (B) ई केवल व्यापारिक हिसाब-किताबक नाम अछि
- (C) ई लोकजीवनसँ पूर्णतः असंबद्ध विषय अछि
- (D) कथा सुनिहार समुदाय जे प्रतिक्रिया दैत अछि

५६८. श्रोता संबंधमे कोन कथन ठीक अछि?

- (A) कथा सुनिहार समुदाय जे प्रतिक्रिया दैत अछि
- (B) ई केवल राजदरबारक कर-विवरण मात्र अछि
- (C) ई बोली आ स्मृतिसँ अलग, निर्जीव संकेत मात्र अछि
- (D) ई केवल आधुनिक दफ्तरक नियम-पुस्तक अछि

५६९. श्रोता के चिन्हबाक मुख्य आधार की अछि?

- (A) कथा सुननिहार समुदाय जे प्रतिक्रिया दैत अछि
- (B) ई केवल राजदरबारक कर-विवरण मात्र अछि
- (C) ई केवल आधुनिक दफ्तरक नियम-पुस्तक अछि
- (D) ई सामुदायिक अनुभव नहि, केवल निजी सजावट अछि

५७०. जे प्रश्न श्रोता पर हो, त सही उत्तर कोन हएत?

- (A) कथा सुननिहार समुदाय जे प्रतिक्रिया दैत अछि
- (B) ई ग्रामीण परिवेशकेँ हटाकऽ बनल कृत्रिम अभ्यास अछि
- (C) ई गीत, कथा आ समाजसँ कोनो सम्बन्ध नहि राखैत अछि
- (D) ई परम्परा नहि, केवल क्षणिक बाजारू खेल अछि

५७१. सुखांतक सही अर्थ की अछि?

- (A) न्याय, मिलन वा संकट-समाधानसँ कथा समाप्त होब
- (B) ई केवल आधुनिक दफ्तरक नियम-पुस्तक अछि
- (C) ई परम्परा नहि, केवल क्षणिक बाजारू खेल अछि
- (D) ई केवल व्यापारिक हिसाब-किताबक नाम अछि

५७२. मैथिली लोकसाहित्यमे सुखांत किएक महत्त्वपूर्ण अछि?

- (A) ई ग्रामीण परिवेशकेँ हटाकऽ बनल कृत्रिम अभ्यास अछि
- (B) ई लोकजीवनसँ पूर्णतः असंबद्ध विषय अछि
- (C) न्याय, मिलन वा संकट-समाधानसँ कथा समाप्त होब
- (D) ई सामुदायिक अनुभव नहि, केवल निजी सजावट अछि

५७३. सुखांत संबंधमे कोन कथन ठीक अछि?

- (A) ई ग्रामीण परिवेशकेँ हटाकऽ बनल कृत्रिम अभ्यास अछि
- (B) ई गीत, कथा आ समाजसँ कोनो सम्बन्ध नहि राखैत अछि
- (C) ई बोली आ स्मृतिसँ अलग, निर्जीव संकेत मात्र अछि
- (D) न्याय, मिलन वा संकट-समाधानसँ कथा समाप्त होब

५७४. सुखांत के चिन्हबाक मुख्य आधार की अछि?

- (A) ई केवल आधुनिक दफ्तरक नियम-पुस्तक अछि
- (B) ई लोकजीवनसँ पूर्णतः असंबद्ध विषय अछि
- (C) न्याय, मिलन वा संकट-समाधानसँ कथा समाप्त होब
- (D) ई केवल छापल ग्रंथक पन्ना-संख्या गिनबाक विधि अछि

५७५. जे प्रश्न सुखांत पर हो, त सही उत्तर कोन हएत?

- (A) ई सामुदायिक अनुभव नहि, केवल निजी सजावट अछि
- (B) ई केवल व्यापारिक हिसाब-किताबक नाम अछि
- (C) न्याय, मिलन वा संकट-समाधानसँ कथा समाप्त होब
- (D) ई केवल आधुनिक दफ्तरक नियम-पुस्तक अछि

५७६. नीतिपरक अंतक सही अर्थ की अछि?

- (A) अंतमे सीख वा सावधानीक संकेत
- (B) ई बोली आ स्मृतिसँ अलग, निर्जीव संकेत मात्र अछि
- (C) ई केवल व्यापारिक हिसाब-किताबक नाम अछि
- (D) ई सामुदायिक अनुभव नहि, केवल निजी सजावट अछि

५७७. मैथिली लोकसाहित्यमे नीतिपरक अंत किएक महत्त्वपूर्ण अछि?

- (A) ई केवल राजदरबारक कर-विवरण मात्र अछि
- (B) अंतमे सीख वा सावधानीक संकेत
- (C) ई केवल व्यापारिक हिसाब-किताबक नाम अछि
- (D) ई केवल छापल ग्रंथक पन्ना-संख्या गिनबाक विधि अछि

५७८. नीतिपरक अंत संबंधमे कोन कथन ठीक अछि?

- (A) ई केवल आधुनिक दफ्तरक नियम-पुस्तक अछि
- (B) ई ग्रामीण परिवेशक हटाक बनल कृत्रिम अभ्यास अछि
- (C) ई लोकजीवनसँ पूर्णतः असंबद्ध विषय अछि
- (D) अंतमे सीख वा सावधानीक संकेत

५७९. नीतिपरक अंत केँ चिन्हबाक मुख्य आधार की अछि?

- (A) ई लोकजीवनसँ पूर्णतः असंबद्ध विषय अछि
- (B) ई केवल राजदरबारक कर-विवरण मात्र अछि
- (C) ई सामुदायिक अनुभव नहि, केवल निजी सजावट अछि
- (D) अंतमे सीख वा सावधानीक संकेत

५८०. जँ प्रश्न नीतिपरक अंत पर हो, त सही उत्तर कोन हएत?

- (A) ई केवल व्यापारिक हिसाब-किताबक नाम अछि
- (B) अंतमे सीख वा सावधानीक संकेत
- (C) ई बोली आ स्मृतिसँ अलग, निर्जीव संकेत मात्र अछि
- (D) ई केवल राजदरबारक कर-विवरण मात्र अछि

५८१. स्थानीय रंगक सही अर्थ की अछि?

- (A) ई लोकजीवनसँ पूर्णतः असंबद्ध विषय अछि
- (B) गाम, पोखरि, खेत, सासुर, बाजार जेकाँ ठामक उपस्थिति
- (C) ई बोली आ स्मृतिसँ अलग, निर्जीव संकेत मात्र अछि
- (D) ई ग्रामीण परिवेशक हटाक बनल कृत्रिम अभ्यास अछि

५८२. मैथिली लोकसाहित्यमे स्थानीय रंग किएक महत्त्वपूर्ण अछि?

- (A) ई लोकजीवनसँ पूर्णतः असंबद्ध विषय अछि
- (B) गाम, पोखरि, खेत, सासुर, बाजार जेकाँ ठामक उपस्थिति
- (C) ई गीत, कथा आ समाजसँ कोनो सम्बन्ध नहि राखैत अछि
- (D) ई केवल राजदरबारक कर-विवरण मात्र अछि

५८३. स्थानीय रंग संबंधमे कोन कथन ठीक अछि?

- (A) ई केवल छापल ग्रंथक पन्ना-संख्या गिनबाक विधि अछि
- (B) गाम, पोखरि, खेत, सासुर, बाजार जेकाँ ठामक उपस्थिति
- (C) ई लोकजीवनसँ पूर्णतः असंबद्ध विषय अछि
- (D) ई गीत, कथा आ समाजसँ कोनो सम्बन्ध नहि राखैत अछि

५८४. स्थानीय रंग केँ चिन्हबाक मुख्य आधार की अछि?

- (A) ई केवल छापल ग्रंथक पन्ना-संख्या गिनबाक विधि अछि
- (B) ई परम्परा नहि, केवल क्षणिक बाजारू खेल अछि
- (C) गाम, पोखरि, खेत, सासुर, बाजार जेकाँ ठामक उपस्थिति
- (D) ई केवल व्यापारिक हिसाब-किताबक नाम अछि

५८५. जौ प्रश्न स्थानीय रंग पर हो, त सही उत्तर कोन हएत?

- (A) ई केवल व्यापारिक हिसाब-किताबक नाम अछि
- (B) गाम, पोखरि, खेत, सासुर, बाजार जेकाँ ठामक उपस्थिति
- (C) ई केवल आधुनिक दफ्तरक नियम-पुस्तक अछि
- (D) ई केवल छापल ग्रंथक पन्ना-संख्या गिनबाक विधि अछि

५८६. वाचिक शैलीक सही अर्थ की अछि?

- (A) बोली, टोन, ठहराव आ लोक-उक्ति सहित कथन
- (B) ई गीत, कथा आ समाजसँ कोनो सम्बन्ध नहि राखैत अछि
- (C) ई लोकजीवनसँ पूर्णतः असंबद्ध विषय अछि
- (D) ई केवल आधुनिक दफ्तरक नियम-पुस्तक अछि

५८७. मैथिली लोकसाहित्यमे वाचिक शैली किएक महत्त्वपूर्ण अछि?

- (A) ई ग्रामीण परिवेशकेँ हटाकऽ बनल कृत्रिम अभ्यास अछि
- (B) ई बोली आ स्मृतिसँ अलग, निर्जीव संकेत मात्र अछि
- (C) ई गीत, कथा आ समाजसँ कोनो सम्बन्ध नहि राखैत अछि
- (D) बोली, टोन, ठहराव आ लोक-उक्ति सहित कथन

५८८. वाचिक शैली संबंधमे कोन कथन ठीक अछि?

- (A) बोली, टोन, ठहराव आ लोक-उक्ति सहित कथन
- (B) ई सामुदायिक अनुभव नहि, केवल निजी सजावट अछि
- (C) ई लोकजीवनसँ पूर्णतः असंबद्ध विषय अछि
- (D) ई केवल व्यापारिक हिसाब-किताबक नाम अछि

५८९. वाचिक शैली केँ चिन्हबाक मुख्य आधार की अछि?

- (A) ई बोली आ स्मृतिसँ अलग, निर्जीव संकेत मात्र अछि
- (B) ई केवल राजदरबारक कर-विवरण मात्र अछि
- (C) ई ग्रामीण परिवेशकेँ हटाकऽ बनल कृत्रिम अभ्यास अछि
- (D) बोली, टोन, ठहराव आ लोक-उक्ति सहित कथन

५९०. जौ प्रश्न वाचिक शैली पर हो, त सही उत्तर कोन हएत?

- (A) ई लोकजीवनसँ पूर्णतः असंबद्ध विषय अछि
- (B) ई केवल आधुनिक दफ्तरक नियम-पुस्तक अछि
- (C) ई बोली आ स्मृतिसँ अलग, निर्जीव संकेत मात्र अछि
- (D) बोली, टोन, ठहराव आ लोक-उक्ति सहित कथन

५९१. अद्भुत तत्वक सही अर्थ की अछि?

- (A) चमत्कार, जादू, वरदान वा असंभव घटना
- (B) ई लोकजीवनसँ पूर्णतः असंबद्ध विषय अछि
- (C) ई केवल छापल ग्रंथक पन्ना-संख्या गिनबाक विधि अछि
- (D) ई बोली आ स्मृतिसँ अलग, निर्जीव संकेत मात्र अछि

५९२. मैथिली लोकसाहित्यमे अद्भुत तत्व किएक महत्त्वपूर्ण अछि?

- (A) चमत्कार, जादू, वरदान वा असंभव घटना
- (B) ई ग्रामीण परिवेशकेँ हटाकऽ बनल कृत्रिम अभ्यास अछि
- (C) ई केवल छापल ग्रंथक पन्ना-संख्या गिनबाक विधि अछि
- (D) ई परम्परा नहि, केवल क्षणिक बाजारू खेल अछि

५९३. अद्भुत तत्व संबंधमे कोन कथन ठीक अछि?

- (A) चमत्कार, जादू, वरदान वा असंभव घटना
- (B) ई केवल आधुनिक दफ्तरक नियम-पुस्तक अछि
- (C) ई केवल व्यापारिक हिसाब-किताबक नाम अछि
- (D) ई केवल छापल ग्रंथक पन्ना-संख्या गिनबाक विधि अछि

५९४. अद्भुत तत्व केँ चिन्हबाक मुख्य आधार की अछि?

- (A) ई केवल आधुनिक दफ्तरक नियम-पुस्तक अछि
- (B) ई सामुदायिक अनुभव नहि, केवल निजी सजावट अछि
- (C) चमत्कार, जादू, वरदान वा असंभव घटना
- (D) ई परम्परा नहि, केवल क्षणिक बाजारू खेल अछि

५९५. जँ प्रश्न अद्भुत तत्व पर हो, त सही उत्तर कोन हएत?

- (A) चमत्कार, जादू, वरदान वा असंभव घटना
- (B) ई केवल छापल ग्रंथक पन्ना-संख्या गिनबाक विधि अछि
- (C) ई बोली आ स्मृतिसँ अलग, निर्जीव संकेत मात्र अछि
- (D) ई गीत, कथा आ समाजसँ कोनो सम्बन्ध नहि राखैत अछि

५९६. लोककथाक उद्देश्यक सही अर्थ की अछि?

- (A) ई केवल छापल ग्रंथक पन्ना-संख्या गिनबाक विधि अछि
- (B) ई ग्रामीण परिवेशकेँ हटाकऽ बनल कृत्रिम अभ्यास अछि
- (C) ई केवल राजदरबारक कर-विवरण मात्र अछि
- (D) मनोरंजन, शिक्षा, स्मृति आ सामूहिक अनुभवक संचार

५९७. मैथिली लोकसाहित्यमे लोककथाक उद्देश्य किएक महत्त्वपूर्ण अछि?

- (A) ई लोकजीवनसँ पूर्णतः असंबद्ध विषय अछि
- (B) ई परम्परा नहि, केवल क्षणिक बाजारू खेल अछि
- (C) मनोरंजन, शिक्षा, स्मृति आ सामूहिक अनुभवक संचार
- (D) ई केवल छापल ग्रंथक पन्ना-संख्या गिनबाक विधि अछि

५९८. लोककथाक उद्देश्य संबंधमे कोन कथन ठीक अछि?

- (A) ई बोली आ स्मृतिसँ अलग, निर्जीव संकेत मात्र अछि
- (B) मनोरंजन, शिक्षा, स्मृति आ सामूहिक अनुभवक संचार
- (C) ई सामुदायिक अनुभव नहि, केवल निजी सजावट अछि
- (D) ई ग्रामीण परिवेशकेँ हटाकऽ बनल कृत्रिम अभ्यास अछि

५९९. लोककथाक उद्देश्य केँ चिन्हबाक मुख्य आधार की अछि?

- (A) ई केवल छापल ग्रंथक पन्ना-संख्या गिनबाक विधि अछि
- (B) ई बोली आ स्मृतिसँ अलग, निर्जीव संकेत मात्र अछि
- (C) ई गीत, कथा आ समाजसँ कोनो सम्बन्ध नहि राखैत अछि
- (D) मनोरंजन, शिक्षा, स्मृति आ सामूहिक अनुभवक संचार

६००. जँ प्रश्न लोककथाक उद्देश्य पर हो, त सही उत्तर कोन हएत?

- (A) मनोरंजन, शिक्षा, स्मृति आ सामूहिक अनुभवक संचार
- (B) ई केवल व्यापारिक हिसाब-किताबक नाम अछि
- (C) ई केवल राजदरबारक कर-विवरण मात्र अछि
- (D) ई बोली आ स्मृतिसँ अलग, निर्जीव संकेत मात्र अछि

लोकगाथा आ आख्यान

६०१. लोकगाथाक सही अर्थ की अछि?

- (A) दीर्घ गेय आख्यान जे नायक, घटना आ समाजक स्मृति राखैत अछि
- (B) ई केवल आधुनिक दफ्तरक नियम-पुस्तक अछि
- (C) ई सामुदायिक अनुभव नहि, केवल निजी सजावट अछि
- (D) ई बोली आ स्मृतिसँ अलग, निर्जीव संकेत मात्र अछि

६०२. मैथिली लोकसाहित्यमे लोकगाथा किएक महत्त्वपूर्ण अछि?

- (A) ई बोली आ स्मृतिसँ अलग, निर्जीव संकेत मात्र अछि
- (B) ई लोकजीवनसँ पूर्णतः असंबद्ध विषय अछि
- (C) दीर्घ गेय आख्यान जे नायक, घटना आ समाजक स्मृति राखैत अछि
- (D) ई केवल छापल ग्रंथक पन्ना-संख्या गिनबाक विधि अछि

६०३. लोकगाथा संबंधमे कोन कथन ठीक अछि?

- (A) ई बोली आ स्मृतिसँ अलग, निर्जीव संकेत मात्र अछि
- (B) ई केवल छापल ग्रंथक पन्ना-संख्या गिनबाक विधि अछि
- (C) ई परम्परा नहि, केवल क्षणिक बाजारू खेल अछि
- (D) दीर्घ गेय आख्यान जे नायक, घटना आ समाजक स्मृति राखैत अछि

६०४. लोकगाथा केँ चिन्हबाक मुख्य आधार की अछि?

- (A) ई केवल छापल ग्रंथक पन्ना-संख्या गिनबाक विधि अछि
- (B) दीर्घ गेय आख्यान जे नायक, घटना आ समाजक स्मृति राखैत अछि
- (C) ई परम्परा नहि, केवल क्षणिक बाजारू खेल अछि
- (D) ई ग्रामीण परिवेशकेँ हटाकऽ बनल कृत्रिम अभ्यास अछि

६०५. जँ प्रश्न लोकगाथा पर हो, त सही उत्तर कोन हएत?

- (A) ई केवल छापल ग्रंथक पन्ना-संख्या गिनबाक विधि अछि
- (B) ई गीत, कथा आ समाजसँ कोनो सम्बन्ध नहि राखैत अछि
- (C) दीर्घ गेय आख्यान जे नायक, घटना आ समाजक स्मृति राखैत अछि
- (D) ई केवल आधुनिक दफ्तरक नियम-पुस्तक अछि

६०६. वीरगाथाक सही अर्थ की अछि?

- (A) ई केवल छापल ग्रंथक पन्ना-संख्या गिनबाक विधि अछि
- (B) वीरता, युद्ध, अन्याय-विरोध आ बलिदानक गान
- (C) ई बोली आ स्मृतिसँ अलग, निर्जीव संकेत मात्र अछि
- (D) ई लोकजीवनसँ पूर्णतः असंबद्ध विषय अछि

६०७. मैथिली लोकसाहित्यमे वीरगाथा किएक महत्त्वपूर्ण अछि?

- (A) ई केवल व्यापारिक हिसाब-किताबक नाम अछि
- (B) ई केवल छापल ग्रंथक पन्ना-संख्या गिनबाक विधि अछि
- (C) ई ग्रामीण परिवेशकेँ हटाकऽ बनल कृत्रिम अभ्यास अछि
- (D) वीरता, युद्ध, अन्याय-विरोध आ बलिदानक गान

६०८. वीरगाथा संबंधमे कोन कथन ठीक अछि?

- (A) ई केवल आधुनिक दफ्तरक नियम-पुस्तक अछि
- (B) ई केवल छापल ग्रंथक पन्ना-संख्या गिनबाक विधि अछि
- (C) ई सामुदायिक अनुभव नहि, केवल निजी सजावट अछि
- (D) वीरता, युद्ध, अन्याय-विरोध आ बलिदानक गान

६०९. वीरगाथा के चिन्हबाक मुख्य आधार की अछि?

- (A) ई केवल छापल ग्रंथक पन्ना-संख्या गिनबाक विधि अछि
- (B) वीरता, युद्ध, अन्याय-विरोध आ बलिदानक गान
- (C) ई ग्रामीण परिवेशकेँ हटाकऽ बनल कृत्रिम अभ्यास अछि
- (D) ई केवल राजदरबारक कर-विवरण मात्र अछि

६१०. जे प्रश्न वीरगाथा पर हो, त सही उत्तर कोन हएत?

- (A) ई लोकजीवनसँ पूर्णतः असंबद्ध विषय अछि
- (B) वीरता, युद्ध, अन्याय-विरोध आ बलिदानक गान
- (C) ई केवल छापल ग्रंथक पन्ना-संख्या गिनबाक विधि अछि
- (D) ई सामुदायिक अनुभव नहि, केवल निजी सजावट अछि

६११. सलहेस गाथाक सही अर्थ की अछि?

- (A) ई बोली आ स्मृतिसँ अलग, निर्जीव संकेत मात्र अछि
- (B) ई केवल आधुनिक दफ्तरक नियम-पुस्तक अछि
- (C) ई केवल राजदरबारक कर-विवरण मात्र अछि
- (D) लोकनायक सलहेसक स्मृति, न्याय आ वीरतासँ जुड़ल गाथा

६१२. मैथिली लोकसाहित्यमे सलहेस गाथा किएक महत्वपूर्ण अछि?

- (A) ई केवल राजदरबारक कर-विवरण मात्र अछि
- (B) ई केवल छापल ग्रंथक पन्ना-संख्या गिनबाक विधि अछि
- (C) ई परम्परा नहि, केवल क्षणिक बाजारू खेल अछि
- (D) लोकनायक सलहेसक स्मृति, न्याय आ वीरतासँ जुड़ल गाथा

६१३. सलहेस गाथा संबंधमे कोन कथन ठीक अछि?

- (A) ई केवल छापल ग्रंथक पन्ना-संख्या गिनबाक विधि अछि
- (B) ई परम्परा नहि, केवल क्षणिक बाजारू खेल अछि
- (C) ई केवल व्यापारिक हिसाब-किताबक नाम अछि
- (D) लोकनायक सलहेसक स्मृति, न्याय आ वीरतासँ जुड़ल गाथा

६१४. सलहेस गाथा के चिन्हबाक मुख्य आधार की अछि?

- (A) ई लोकजीवनसँ पूर्णतः असंबद्ध विषय अछि
- (B) ई सामुदायिक अनुभव नहि, केवल निजी सजावट अछि
- (C) ई केवल आधुनिक दफ्तरक नियम-पुस्तक अछि
- (D) लोकनायक सलहेसक स्मृति, न्याय आ वीरतासँ जुड़ल गाथा

६१५. जे प्रश्न सलहेस गाथा पर हो, त सही उत्तर कोन हएत?

- (A) ई सामुदायिक अनुभव नहि, केवल निजी सजावट अछि
- (B) ई गीत, कथा आ समाजसँ कोनो सम्बन्ध नहि राखैत अछि
- (C) लोकनायक सलहेसक स्मृति, न्याय आ वीरतासँ जुड़ल गाथा
- (D) ई केवल व्यापारिक हिसाब-किताबक नाम अछि

६१६. लोरिक आख्यानक सही अर्थ की अछि?

- (A) ई ग्रामीण परिवेशकेँ हटाकऽ बनल कृत्रिम अभ्यास अछि
- (B) ई केवल छापल ग्रंथक पन्ना-संख्या गिनबाक विधि अछि
- (C) ई गीत, कथा आ समाजसँ कोनो सम्बन्ध नहि राखैत अछि
- (D) वीर नायक, प्रेम, संघर्ष आ लोक-प्रतिष्ठाक गेय कथा

६१७. मैथिली लोकसाहित्यमे लोरिक आख्यान किएक महत्त्वपूर्ण अछि?

- (A) ई लोकजीवनसँ पूर्णतः असंबद्ध विषय अछि
- (B) वीर नायक, प्रेम, संघर्ष आ लोक-प्रतिष्ठाक गेय कथा
- (C) ई केवल आधुनिक दफ्तरक नियम-पुस्तक अछि
- (D) ई केवल राजदरबारक कर-विवरण मात्र अछि

६१८. लोरिक आख्यान संबंधमे कोन कथन ठीक अछि?

- (A) ई केवल आधुनिक दफ्तरक नियम-पुस्तक अछि
- (B) ई केवल छापल ग्रंथक पन्ना-संख्या गिनबाक विधि अछि
- (C) वीर नायक, प्रेम, संघर्ष आ लोक-प्रतिष्ठाक गेय कथा
- (D) ई केवल व्यापारिक हिसाब-किताबक नाम अछि

६१९. लोरिक आख्यान केँ चिन्हबाक मुख्य आधार की अछि?

- (A) ई केवल राजदरबारक कर-विवरण मात्र अछि
- (B) वीर नायक, प्रेम, संघर्ष आ लोक-प्रतिष्ठाक गेय कथा
- (C) ई बोली आ स्मृतिसँ अलग, निर्जीव संकेत मात्र अछि
- (D) ई केवल छापल ग्रंथक पन्ना-संख्या गिनबाक विधि अछि

६२०. जँ प्रश्न लोरिक आख्यान पर हो, त सही उत्तर कोन हएत?

- (A) ई ग्रामीण परिवेशकेँ हटाकऽ बनल कृत्रिम अभ्यास अछि
- (B) वीर नायक, प्रेम, संघर्ष आ लोक-प्रतिष्ठाक गेय कथा
- (C) ई सामुदायिक अनुभव नहि, केवल निजी सजावट अछि
- (D) ई केवल आधुनिक दफ्तरक नियम-पुस्तक अछि

६२१. दीनाभद्रीक सही अर्थ की अछि?

- (A) ई गीत, कथा आ समाजसँ कोनो सम्बन्ध नहि राखैत अछि
- (B) ई बोली आ स्मृतिसँ अलग, निर्जीव संकेत मात्र अछि
- (C) ई केवल राजदरबारक कर-विवरण मात्र अछि
- (D) लोक-नायकत्व, श्रमजीवी समाज आ सामुदायिक आस्था सँ जुड़ल धारा

६२२. मैथिली लोकसाहित्यमे दीनाभद्री किएक महत्त्वपूर्ण अछि?

- (A) ई बोली आ स्मृतिसँ अलग, निर्जीव संकेत मात्र अछि
- (B) लोक-नायकत्व, श्रमजीवी समाज आ सामुदायिक आस्था सँ जुड़ल धारा
- (C) ई सामुदायिक अनुभव नहि, केवल निजी सजावट अछि
- (D) ई केवल आधुनिक दफ्तरक नियम-पुस्तक अछि

६२३. दीनाभद्री संबंधमे कोन कथन ठीक अछि?

- (A) ई केवल आधुनिक दफ्तरक नियम-पुस्तक अछि
- (B) ई परम्परा नहि, केवल क्षणिक बाजारू खेल अछि
- (C) ई लोकजीवनसँ पूर्णतः असंबद्ध विषय अछि
- (D) लोक-नायकत्व, श्रमजीवी समाज आ सामुदायिक आस्था सँ जुड़ल धारा

६२४. दीनाभद्री केँ चिन्हबाक मुख्य आधार की अछि?

- (A) ई लोकजीवनसँ पूर्णतः असंबद्ध विषय अछि
- (B) लोक-नायकत्व, श्रमजीवी समाज आ सामुदायिक आस्था सँ जुड़ल धारा
- (C) ई केवल राजदरबारक कर-विवरण मात्र अछि
- (D) ई सामुदायिक अनुभव नहि, केवल निजी सजावट अछि

६२५. जौ प्रश्न दीनाभद्री पर हो, त सही उत्तर कोन हएत?

- (A) लोक-नायकत्व, श्रमजीवी समाज आ सामुदायिक आस्था सँ जुड़ल धारा
- (B) ई केवल आधुनिक दफ्तरक नियम-पुस्तक अछि
- (C) ई सामुदायिक अनुभव नहि, केवल निजी सजावट अछि
- (D) ई गीत, कथा आ समाजसँ कोनो सम्बन्ध नहि राखैत अछि

६२६. बिहुला आख्यानक सही अर्थ की अछि?

- (A) ई परम्परा नहि, केवल क्षणिक बाजारू खेल अछि
- (B) ई केवल आधुनिक दफ्तरक नियम-पुस्तक अछि
- (C) नारी-संकल्प, प्रेम आ संकट-संघर्षक प्रसिद्ध लोककथा-गाथा
- (D) ई बोली आ स्मृतिसँ अलग, निर्जीव संकेत मात्र अछि

६२७. मैथिली लोकसाहित्यमे बिहुला आख्यान किएक महत्त्वपूर्ण अछि?

- (A) ई केवल व्यापारिक हिसाब-किताबक नाम अछि
- (B) नारी-संकल्प, प्रेम आ संकट-संघर्षक प्रसिद्ध लोककथा-गाथा
- (C) ई बोली आ स्मृतिसँ अलग, निर्जीव संकेत मात्र अछि
- (D) ई केवल छापल ग्रंथक पन्ना-संख्या गिनबाक विधि अछि

६२८. बिहुला आख्यान संबंधमे कोन कथन ठीक अछि?

- (A) ई गीत, कथा आ समाजसँ कोनो सम्बन्ध नहि राखैत अछि
- (B) ई केवल आधुनिक दफ्तरक नियम-पुस्तक अछि
- (C) नारी-संकल्प, प्रेम आ संकट-संघर्षक प्रसिद्ध लोककथा-गाथा
- (D) ई सामुदायिक अनुभव नहि, केवल निजी सजावट अछि

६२९. बिहुला आख्यान केँ चिन्हबाक मुख्य आधार की अछि?

- (A) नारी-संकल्प, प्रेम आ संकट-संघर्षक प्रसिद्ध लोककथा-गाथा
- (B) ई परम्परा नहि, केवल क्षणिक बाजारू खेल अछि
- (C) ई ग्रामीण परिवेशकेँ हटाकऽ बनल कृत्रिम अभ्यास अछि
- (D) ई केवल आधुनिक दफ्तरक नियम-पुस्तक अछि

६३०. जौ प्रश्न बिहुला आख्यान पर हो, त सही उत्तर कोन हएत?

- (A) ई केवल व्यापारिक हिसाब-किताबक नाम अछि
- (B) नारी-संकल्प, प्रेम आ संकट-संघर्षक प्रसिद्ध लोककथा-गाथा
- (C) ई ग्रामीण परिवेशकेँ हटाकऽ बनल कृत्रिम अभ्यास अछि
- (D) ई सामुदायिक अनुभव नहि, केवल निजी सजावट अछि

६३१. अल्हाक सही अर्थ की अछि?

- (A) ई बोली आ स्मृतिसँ अलग, निर्जीव संकेत मात्र अछि
- (B) ई केवल आधुनिक दफ्तरक नियम-पुस्तक अछि
- (C) वीरता आ रण-उत्साहक गाथात्मक गायन
- (D) ई केवल राजदरबारक कर-विवरण मात्र अछि

६३२. मैथिली लोकसाहित्यमे अल्हा किएक महत्त्वपूर्ण अछि?

- (A) वीरता आ रण-उत्साहक गाथात्मक गायन
- (B) ई केवल राजदरबारक कर-विवरण मात्र अछि
- (C) ई लोकजीवनसँ पूर्णतः असंबद्ध विषय अछि
- (D) ई केवल आधुनिक दफ्तरक नियम-पुस्तक अछि

६३३. अल्हा संबंधमे कोन कथन ठीक अछि?

- (A) वीरता आ रण-उत्साहक गाथात्मक गायन
- (B) ई सामुदायिक अनुभव नहि, केवल निजी सजावट अछि
- (C) ई परम्परा नहि, केवल क्षणिक बाजारू खेल अछि
- (D) ई केवल व्यापारिक हिसाब-किताबक नाम अछि

६३४. अल्हा केँ चिन्हबाक मुख्य आधार की अछि?

- (A) वीरता आ रण-उत्साहक गाथात्मक गायन
- (B) ई केवल व्यापारिक हिसाब-किताबक नाम अछि
- (C) ई लोकजीवनसँ पूर्णतः असंबद्ध विषय अछि
- (D) ई केवल छापल ग्रंथक पन्ना-संख्या गिनबाक विधि अछि

६३५. जँ प्रश्न अल्हा पर हो, त सही उत्तर कोन हएत?

- (A) वीरता आ रण-उत्साहक गाथात्मक गायन
- (B) ई सामुदायिक अनुभव नहि, केवल निजी सजावट अछि
- (C) ई केवल छापल ग्रंथक पन्ना-संख्या गिनबाक विधि अछि
- (D) ई बोली आ स्मृतिसँ अलग, निर्जीव संकेत मात्र अछि

६३६. महराइक सही अर्थ की अछि?

- (A) ई गीत, कथा आ समाजसँ कोनो सम्बन्ध नहि राखैत अछि
- (B) वीर, देव वा समुदाय-स्मृतिक गेय परम्परा
- (C) ई बोली आ स्मृतिसँ अलग, निर्जीव संकेत मात्र अछि
- (D) ई लोकजीवनसँ पूर्णतः असंबद्ध विषय अछि

६३७. मैथिली लोकसाहित्यमे महराइ किएक महत्त्वपूर्ण अछि?

- (A) ई केवल छापल ग्रंथक पन्ना-संख्या गिनबाक विधि अछि
- (B) वीर, देव वा समुदाय-स्मृतिक गेय परम्परा
- (C) ई परम्परा नहि, केवल क्षणिक बाजारू खेल अछि
- (D) ई केवल आधुनिक दफ्तरक नियम-पुस्तक अछि

६३८. महराइ संबंधमे कोन कथन ठीक अछि?

- (A) ई केवल छापल ग्रंथक पन्ना-संख्या गिनबाक विधि अछि
- (B) ई ग्रामीण परिवेशकेँ हटाकऽ बनल कृत्रिम अभ्यास अछि
- (C) वीर, देव वा समुदाय-स्मृतिक गेय परम्परा
- (D) ई केवल आधुनिक दफ्तरक नियम-पुस्तक अछि

६३९. महराइ केँ चिन्हबाक मुख्य आधार की अछि?

- (A) ई केवल छापल ग्रंथक पन्ना-संख्या गिनबाक विधि अछि
- (B) वीर, देव वा समुदाय-स्मृतिक गेय परम्परा
- (C) ई गीत, कथा आ समाजसँ कोनो सम्बन्ध नहि राखैत अछि
- (D) ई केवल व्यापारिक हिसाब-किताबक नाम अछि

६४०. जँ प्रश्न महराइ पर हो, त सही उत्तर कोन हएत?

- (A) ई केवल छापल ग्रंथक पन्ना-संख्या गिनबाक विधि अछि
- (B) ई केवल राजदरबारक कर-विवरण मात्र अछि
- (C) ई सामुदायिक अनुभव नहि, केवल निजी सजावट अछि
- (D) वीर, देव वा समुदाय-स्मृतिक गेय परम्परा

६४१. भगैत आख्यानक सही अर्थ की अछि?

- (A) लोकदेवता आ भक्तिक कथा-गान
- (B) ई लोकजीवनसँ पूर्णतः असंबद्ध विषय अछि
- (C) ई केवल व्यापारिक हिसाब-किताबक नाम अछि
- (D) ई सामुदायिक अनुभव नहि, केवल निजी सजावट अछि

६४२. मैथिली लोकसाहित्यमे भगैत आख्यान किएक महत्त्वपूर्ण अछि?

- (A) ई बोली आ स्मृतिसँ अलग, निर्जीव संकेत मात्र अछि
- (B) ई केवल आधुनिक दफ्तरक नियम-पुस्तक अछि
- (C) लोकदेवता आ भक्तिक कथा-गान
- (D) ई केवल राजदरबारक कर-विवरण मात्र अछि

६४३. भगैत आख्यान संबंधमे कोन कथन ठीक अछि?

- (A) ई केवल आधुनिक दफ्तरक नियम-पुस्तक अछि
- (B) लोकदेवता आ भक्तिक कथा-गान
- (C) ई गीत, कथा आ समाजसँ कोनो सम्बन्ध नहि राखैत अछि
- (D) ई बोली आ स्मृतिसँ अलग, निर्जीव संकेत मात्र अछि

६४४. भगैत आख्यान केँ चिन्हबाक मुख्य आधार की अछि?

- (A) लोकदेवता आ भक्तिक कथा-गान
- (B) ई बोली आ स्मृतिसँ अलग, निर्जीव संकेत मात्र अछि
- (C) ई केवल राजदरबारक कर-विवरण मात्र अछि
- (D) ई ग्रामीण परिवेशकेँ हटाकऽ बनल कृत्रिम अभ्यास अछि

६४५. जँ प्रश्न भगैत आख्यान पर हो, त सही उत्तर कोन हएत?

- (A) लोकदेवता आ भक्तिक कथा-गान
- (B) ई केवल राजदरबारक कर-विवरण मात्र अछि
- (C) ई लोकजीवनसँ पूर्णतः असंबद्ध विषय अछि
- (D) ई केवल आधुनिक दफ्तरक नियम-पुस्तक अछि

६४६. गाथाकारक सही अर्थ की अछि?

- (A) लम्बा आख्यान गाबय आ याद राखयवला लोककलाकार
- (B) ई केवल आधुनिक दफ्तरक नियम-पुस्तक अछि
- (C) ई केवल व्यापारिक हिसाब-किताबक नाम अछि
- (D) ई लोकजीवनसँ पूर्णतः असंबद्ध विषय अछि

६४७. मैथिली लोकसाहित्यमे गाथाकार किएक महत्त्वपूर्ण अछि?

- (A) ई परम्परा नहि, केवल क्षणिक बाजारू खेल अछि
- (B) ई केवल व्यापारिक हिसाब-किताबक नाम अछि
- (C) ई गीत, कथा आ समाजसँ कोनो सम्बन्ध नहि राखैत अछि
- (D) लम्बा आख्यान गाबय आ याद राखयवला लोककलाकार

६४८. गाथाकार संबंधमे कोन कथन ठीक अछि?

- (A) लम्बा आख्यान गाबय आ याद राखयवला लोककलाकार
- (B) ई बोली आ स्मृतिसँ अलग, निर्जीव संकेत मात्र अछि
- (C) ई ग्रामीण परिवेशकेँ हटाकऽ बनल कृत्रिम अभ्यास अछि
- (D) ई गीत, कथा आ समाजसँ कोनो सम्बन्ध नहि राखैत अछि

६४९. गाथाकार के चिन्हबाक मुख्य आधार की अछि?

- (A) ई ग्रामीण परिवेशकेँ हटाकऽ बनल कृत्रिम अभ्यास अछि
- (B) ई सामुदायिक अनुभव नहि, केवल निजी सजावट अछि
- (C) लम्बा आख्यान गाबय आ याद राखयवला लोककलाकार
- (D) ई केवल आधुनिक दफ्तरक नियम-पुस्तक अछि

६५०. जेँ प्रश्न गाथाकार पर हो, त सही उत्तर कोन हएत?

- (A) ई गीत, कथा आ समाजसँ कोनो सम्बन्ध नहि राखैत अछि
- (B) ई केवल छापल ग्रंथक पन्ना-संख्या गिनबाक विधि अछि
- (C) ई केवल व्यापारिक हिसाब-किताबक नाम अछि
- (D) लम्बा आख्यान गाबय आ याद राखयवला लोककलाकार

६५१. समूह-प्रतिक्रियाक सही अर्थ की अछि?

- (A) ई परम्परा नहि, केवल क्षणिक बाजारू खेल अछि
- (B) गाथा सुनैत श्रोताक हुंकार, दोहराव आ सहभाग
- (C) ई केवल व्यापारिक हिसाब-किताबक नाम अछि
- (D) ई ग्रामीण परिवेशकेँ हटाकऽ बनल कृत्रिम अभ्यास अछि

६५२. मैथिली लोकसाहित्यमे समूह-प्रतिक्रिया किएक महत्त्वपूर्ण अछि?

- (A) ई केवल छापल ग्रंथक पन्ना-संख्या गिनबाक विधि अछि
- (B) गाथा सुनैत श्रोताक हुंकार, दोहराव आ सहभाग
- (C) ई केवल आधुनिक दफ्तरक नियम-पुस्तक अछि
- (D) ई केवल राजदरबारक कर-विवरण मात्र अछि

६५३. समूह-प्रतिक्रिया संबंधमे कोन कथन ठीक अछि?

- (A) ई बोली आ स्मृतिसँ अलग, निर्जीव संकेत मात्र अछि
- (B) ई केवल राजदरबारक कर-विवरण मात्र अछि
- (C) गाथा सुनैत श्रोताक हुंकार, दोहराव आ सहभाग
- (D) ई सामुदायिक अनुभव नहि, केवल निजी सजावट अछि

६५४. समूह-प्रतिक्रिया केँ चिन्हबाक मुख्य आधार की अछि?

- (A) ई केवल छापल ग्रंथक पन्ना-संख्या गिनबाक विधि अछि
- (B) गाथा सुनैत श्रोताक हुंकार, दोहराव आ सहभाग
- (C) ई गीत, कथा आ समाजसँ कोनो सम्बन्ध नहि राखैत अछि
- (D) ई केवल राजदरबारक कर-विवरण मात्र अछि

६५५. जेँ प्रश्न समूह-प्रतिक्रिया पर हो, त सही उत्तर कोन हएत?

- (A) ई केवल राजदरबारक कर-विवरण मात्र अछि
- (B) ई केवल व्यापारिक हिसाब-किताबक नाम अछि
- (C) ई केवल आधुनिक दफ्तरक नियम-पुस्तक अछि
- (D) गाथा सुनैत श्रोताक हुंकार, दोहराव आ सहभाग

६५६. नायकक लोकजन्मक सही अर्थ की अछि?

- (A) ई लोकजीवनसँ पूर्णतः असंबद्ध विषय अछि
- (B) ई केवल छापल ग्रंथक पन्ना-संख्या गिनबाक विधि अछि
- (C) नायक साधारण समाजसँ उठि लोकविश्वासक केन्द्र बनैत अछि
- (D) ई बोली आ स्मृतिसँ अलग, निर्जीव संकेत मात्र अछि

६५७. मैथिली लोकसाहित्यमे नायकक लोकजन्म किएक महत्त्वपूर्ण अछि?

- (A) ई बोली आ स्मृतिसँ अलग, निर्जीव संकेत मात्र अछि
- (B) ई केवल छापल ग्रंथक पन्ना-संख्या गिनबाक विधि अछि
- (C) ई परम्परा नहि, केवल क्षणिक बाजारू खेल अछि
- (D) नायक साधारण समाजसँ उठि लोकविश्वासक केन्द्र बनैत अछि

६५८. नायकक लोकजन्म संबंधमे कोन कथन ठीक अछि?

- (A) ई केवल छापल ग्रंथक पन्ना-संख्या गिनबाक विधि अछि
- (B) ई केवल व्यापारिक हिसाब-किताबक नाम अछि
- (C) ई लोकजीवनसँ पूर्णतः असंबद्ध विषय अछि
- (D) नायक साधारण समाजसँ उठि लोकविश्वासक केन्द्र बनैत अछि

६५९. नायकक लोकजन्म केँ चिन्हबाक मुख्य आधार की अछि?

- (A) ई गीत, कथा आ समाजसँ कोनो सम्बन्ध नहि राखैत अछि
- (B) ई सामुदायिक अनुभव नहि, केवल निजी सजावट अछि
- (C) ई परम्परा नहि, केवल क्षणिक बाजारू खेल अछि
- (D) नायक साधारण समाजसँ उठि लोकविश्वासक केन्द्र बनैत अछि

६६०. जँ प्रश्न नायकक लोकजन्म पर हो, त सही उत्तर कोन हएत?

- (A) ई केवल व्यापारिक हिसाब-किताबक नाम अछि
- (B) ई केवल आधुनिक दफ्तरक नियम-पुस्तक अछि
- (C) नायक साधारण समाजसँ उठि लोकविश्वासक केन्द्र बनैत अछि
- (D) ई बोली आ स्मृतिसँ अलग, निर्जीव संकेत मात्र अछि

६६१. अन्याय-विरोधक सही अर्थ की अछि?

- (A) ई लोकजीवनसँ पूर्णतः असंबद्ध विषय अछि
- (B) ई सामुदायिक अनुभव नहि, केवल निजी सजावट अछि
- (C) ई परम्परा नहि, केवल क्षणिक बाजारू खेल अछि
- (D) सत्ता, अत्याचार वा सामाजिक अपमानक विरुद्ध खड़ा होब

६६२. मैथिली लोकसाहित्यमे अन्याय-विरोध किएक महत्त्वपूर्ण अछि?

- (A) ई केवल राजदरबारक कर-विवरण मात्र अछि
- (B) सत्ता, अत्याचार वा सामाजिक अपमानक विरुद्ध खड़ा होब
- (C) ई बोली आ स्मृतिसँ अलग, निर्जीव संकेत मात्र अछि
- (D) ई गीत, कथा आ समाजसँ कोनो सम्बन्ध नहि राखैत अछि

६६३. अन्याय-विरोध संबंधमे कोन कथन ठीक अछि?

- (A) सत्ता, अत्याचार वा सामाजिक अपमानक विरुद्ध खड़ा होब
- (B) ई बोली आ स्मृतिसँ अलग, निर्जीव संकेत मात्र अछि
- (C) ई परम्परा नहि, केवल क्षणिक बाजारू खेल अछि
- (D) ई केवल छापल ग्रंथक पन्ना-संख्या गिनबाक विधि अछि

६६४. अन्याय-विरोध केँ चिन्हबाक मुख्य आधार की अछि?

- (A) ई केवल छापल ग्रंथक पन्ना-संख्या गिनबाक विधि अछि
- (B) ई केवल राजदरबारक कर-विवरण मात्र अछि
- (C) ई गीत, कथा आ समाजसँ कोनो सम्बन्ध नहि राखैत अछि
- (D) सत्ता, अत्याचार वा सामाजिक अपमानक विरुद्ध खड़ा होब

६६५. जँ प्रश्न अन्याय-विरोध पर हो, त सही उत्तर कोन हएत?

- (A) ई केवल छापल ग्रंथक पन्ना-संख्या गिनबाक विधि अछि
- (B) ई केवल राजदरबारक कर-विवरण मात्र अछि
- (C) सत्ता, अत्याचार वा सामाजिक अपमानक विरुद्ध खड़ा होब
- (D) ई गीत, कथा आ समाजसँ कोनो सम्बन्ध नहि राखैत अछि

६६६. करुणाक सही अर्थ की अछि?

- (A) ई ग्रामीण परिवेशकेँ हटाकऽ बनल कृत्रिम अभ्यास अछि
- (B) वियोग, मृत्यु, बलिदान आ असफलताक मार्मिक स्वर
- (C) ई बोली आ स्मृतिसँ अलग, निर्जीव संकेत मात्र अछि
- (D) ई केवल छापल ग्रंथक पन्ना-संख्या गिनबाक विधि अछि

६६७. मैथिली लोकसाहित्यमे करुणा किएक महत्त्वपूर्ण अछि?

- (A) ई ग्रामीण परिवेशकेँ हटाकऽ बनल कृत्रिम अभ्यास अछि
- (B) वियोग, मृत्यु, बलिदान आ असफलताक मार्मिक स्वर
- (C) ई केवल राजदरबारक कर-विवरण मात्र अछि
- (D) ई केवल व्यापारिक हिसाब-किताबक नाम अछि

६६८. करुणा संबंधमे कोन कथन ठीक अछि?

- (A) ई गीत, कथा आ समाजसँ कोनो सम्बन्ध नहि राखैत अछि
- (B) ई सामुदायिक अनुभव नहि, केवल निजी सजावट अछि
- (C) वियोग, मृत्यु, बलिदान आ असफलताक मार्मिक स्वर
- (D) ई ग्रामीण परिवेशकेँ हटाकऽ बनल कृत्रिम अभ्यास अछि

६६९. करुणा केँ चिन्हबाक मुख्य आधार की अछि?

- (A) ई सामुदायिक अनुभव नहि, केवल निजी सजावट अछि
- (B) ई केवल आधुनिक दफ्तरक नियम-पुस्तक अछि
- (C) वियोग, मृत्यु, बलिदान आ असफलताक मार्मिक स्वर
- (D) ई लोकजीवनसँ पूर्णतः असंबद्ध विषय अछि

६७०. जँ प्रश्न करुणा पर हो, त सही उत्तर कोन हएत?

- (A) ई लोकजीवनसँ पूर्णतः असंबद्ध विषय अछि
- (B) वियोग, मृत्यु, बलिदान आ असफलताक मार्मिक स्वर
- (C) ई केवल आधुनिक दफ्तरक नियम-पुस्तक अछि
- (D) ई ग्रामीण परिवेशकेँ हटाकऽ बनल कृत्रिम अभ्यास अछि

६७१. प्रेम-आख्यानक सही अर्थ की अछि?

- (A) ई लोकजीवनसँ पूर्णतः असंबद्ध विषय अछि
- (B) प्रेम, सामाजिक बाधा आ धैर्यक कथा
- (C) ई सामुदायिक अनुभव नहि, केवल निजी सजावट अछि
- (D) ई केवल आधुनिक दफ्तरक नियम-पुस्तक अछि

६७२. मैथिली लोकसाहित्यमे प्रेम-आख्यान किएक महत्त्वपूर्ण अछि?

- (A) ई केवल राजदरबारक कर-विवरण मात्र अछि
- (B) ई ग्रामीण परिवेशकेँ हटाकऽ बनल कृत्रिम अभ्यास अछि
- (C) प्रेम, सामाजिक बाधा आ धैर्यक कथा
- (D) ई केवल व्यापारिक हिसाब-किताबक नाम अछि

६७३. प्रेम-आख्यान संबंधमे कोन कथन ठीक अछि?

- (A) ई ग्रामीण परिवेशकेँ हटाकऽ बनल कृत्रिम अभ्यास अछि
- (B) प्रेम, सामाजिक बाधा आ धैर्यक कथा
- (C) ई केवल छापल ग्रंथक पन्ना-संख्या गिनबाक विधि अछि
- (D) ई केवल राजदरबारक कर-विवरण मात्र अछि

६७४. प्रेम-आख्यान केँ चिन्हबाक मुख्य आधार की अछि?

- (A) ई केवल व्यापारिक हिसाब-किताबक नाम अछि
- (B) ई केवल छापल ग्रंथक पन्ना-संख्या गिनबाक विधि अछि
- (C) ई गीत, कथा आ समाजसँ कोनो सम्बन्ध नहि राखैत अछि
- (D) प्रेम, सामाजिक बाधा आ धैर्यक कथा

६७५. जँ प्रश्न प्रेम-आख्यान पर हो, त सही उत्तर कोन हएत?

- (A) प्रेम, सामाजिक बाधा आ धैर्यक कथा
- (B) ई केवल व्यापारिक हिसाब-किताबक नाम अछि
- (C) ई लोकजीवनसँ पूर्णतः असंबद्ध विषय अछि
- (D) ई सामुदायिक अनुभव नहि, केवल निजी सजावट अछि

६७६. देवत्वकरणक सही अर्थ की अछि?

- (A) ई केवल छापल ग्रंथक पन्ना-संख्या गिनबाक विधि अछि
- (B) लोकनायक धीरे-धीरे पूज्य वा देवतुल्य बनि जाएब
- (C) ई केवल राजदरबारक कर-विवरण मात्र अछि
- (D) ई बोली आ स्मृतिसँ अलग, निर्जीव संकेत मात्र अछि

६७७. मैथिली लोकसाहित्यमे देवत्वकरण किएक महत्त्वपूर्ण अछि?

- (A) ई सामुदायिक अनुभव नहि, केवल निजी सजावट अछि
- (B) ई केवल राजदरबारक कर-विवरण मात्र अछि
- (C) ई ग्रामीण परिवेशकेँ हटाकऽ बनल कृत्रिम अभ्यास अछि
- (D) लोकनायक धीरे-धीरे पूज्य वा देवतुल्य बनि जाएब

६७८. देवत्वकरण संबंधमे कोन कथन ठीक अछि?

- (A) ई बोली आ स्मृतिसँ अलग, निर्जीव संकेत मात्र अछि
- (B) लोकनायक धीरे-धीरे पूज्य वा देवतुल्य बनि जाएब
- (C) ई केवल आधुनिक दफ्तरक नियम-पुस्तक अछि
- (D) ई लोकजीवनसँ पूर्णतः असंबद्ध विषय अछि

६७९. देवत्वकरण केँ चिन्हबाक मुख्य आधार की अछि?

- (A) ई बोली आ स्मृतिसँ अलग, निर्जीव संकेत मात्र अछि
- (B) ई केवल आधुनिक दफ्तरक नियम-पुस्तक अछि
- (C) ई गीत, कथा आ समाजसँ कोनो सम्बन्ध नहि राखैत अछि
- (D) लोकनायक धीरे-धीरे पूज्य वा देवतुल्य बनि जाएब

६८०. जँ प्रश्न देवत्वकरण पर हो, त सही उत्तर कोन हएत?

- (A) लोकनायक धीरे-धीरे पूज्य वा देवतुल्य बनि जाएब
- (B) ई गीत, कथा आ समाजसँ कोनो सम्बन्ध नहि राखैत अछि
- (C) ई सामुदायिक अनुभव नहि, केवल निजी सजावट अछि
- (D) ई केवल छापल ग्रंथक पन्ना-संख्या गिनबाक विधि अछि

६८१. स्थान-स्मृतिक सही अर्थ की अछि?

- (A) ई लोकजीवनसँ पूर्णतः असंबद्ध विषय अछि
- (B) ई गीत, कथा आ समाजसँ कोनो सम्बन्ध नहि राखैत अछि
- (C) गाम, मठ, पोखरि, मेला वा थानक संग गाथाक सम्बन्ध
- (D) ई केवल व्यापारिक हिसाब-किताबक नाम अछि

६८२. मैथिली लोकसाहित्यमे स्थान-स्मृति किएक महत्त्वपूर्ण अछि?

- (A) ई सामुदायिक अनुभव नहि, केवल निजी सजावट अछि
- (B) ई ग्रामीण परिवेशकेँ हटाकऽ बनल कृत्रिम अभ्यास अछि
- (C) ई केवल व्यापारिक हिसाब-किताबक नाम अछि
- (D) गाम, मठ, पोखरि, मेला वा थानक संग गाथाक सम्बन्ध

६८३. स्थान-स्मृति संबंधमे कोन कथन ठीक अछि?

- (A) ई केवल व्यापारिक हिसाब-किताबक नाम अछि
- (B) ई बोली आ स्मृतिसँ अलग, निर्जीव संकेत मात्र अछि
- (C) गाम, मठ, पोखरि, मेला वा थानक संग गाथाक सम्बन्ध
- (D) ई गीत, कथा आ समाजसँ कोनो सम्बन्ध नहि राखैत अछि

६८४. स्थान-स्मृति केँ चिन्हबाक मुख्य आधार की अछि?

- (A) गाम, मठ, पोखरि, मेला वा थानक संग गाथाक सम्बन्ध
- (B) ई सामुदायिक अनुभव नहि, केवल निजी सजावट अछि
- (C) ई लोकजीवनसँ पूर्णतः असंबद्ध विषय अछि
- (D) ई केवल आधुनिक दफ्तरक नियम-पुस्तक अछि

६८५. जँ प्रश्न स्थान-स्मृति पर हो, त सही उत्तर कोन हएत?

- (A) गाम, मठ, पोखरि, मेला वा थानक संग गाथाक सम्बन्ध
- (B) ई बोली आ स्मृतिसँ अलग, निर्जीव संकेत मात्र अछि
- (C) ई केवल छापल ग्रंथक पन्ना-संख्या गिनबाक विधि अछि
- (D) ई परम्परा नहि, केवल क्षणिक बाजारू खेल अछि

६८६. जातीय स्मृतिक सही अर्थ की अछि?

- (A) ई केवल आधुनिक दफ्तरक नियम-पुस्तक अछि
- (B) विशिष्ट समुदाय अपन इतिहास गाथामे सुरक्षित राखैत अछि
- (C) ई ग्रामीण परिवेशकेँ हटाकऽ बनल कृत्रिम अभ्यास अछि
- (D) ई लोकजीवनसँ पूर्णतः असंबद्ध विषय अछि

६८७. मैथिली लोकसाहित्यमे जातीय स्मृति किएक महत्त्वपूर्ण अछि?

- (A) विशिष्ट समुदाय अपन इतिहास गाथामे सुरक्षित राखैत अछि
- (B) ई गीत, कथा आ समाजसँ कोनो सम्बन्ध नहि राखैत अछि
- (C) ई केवल राजदरबारक कर-विवरण मात्र अछि
- (D) ई केवल छापल ग्रंथक पन्ना-संख्या गिनबाक विधि अछि

६८८. जातीय स्मृति संबंधमे कोन कथन ठीक अछि?

- (A) ई केवल छापल ग्रंथक पन्ना-संख्या गिनबाक विधि अछि
- (B) ई सामुदायिक अनुभव नहि, केवल निजी सजावट अछि
- (C) ई गीत, कथा आ समाजसँ कोनो सम्बन्ध नहि राखैत अछि
- (D) विशिष्ट समुदाय अपन इतिहास गाथामे सुरक्षित राखैत अछि

६८९. जातीय स्मृति के चिन्हबाक मुख्य आधार की अछि?

- (A) ई बोली आ स्मृतिसँ अलग, निर्जीव संकेत मात्र अछि
- (B) विशिष्ट समुदाय अपन इतिहास गाथामे सुरक्षित राखैत अछि
- (C) ई लोकजीवनसँ पूर्णतः असंबद्ध विषय अछि
- (D) ई केवल आधुनिक दफ्तरक नियम-पुस्तक अछि

६९०. जे प्रश्न जातीय स्मृति पर हो, त सही उत्तर कोन हएत?

- (A) ई सामुदायिक अनुभव नहि, केवल निजी सजावट अछि
- (B) विशिष्ट समुदाय अपन इतिहास गाथामे सुरक्षित राखैत अछि
- (C) ई बोली आ स्मृतिसँ अलग, निर्जीव संकेत मात्र अछि
- (D) ई ग्रामीण परिवेशकेँ हटाकऽ बनल कृत्रिम अभ्यास अछि

६९१. गाथाक लम्बाईक सही अर्थ की अछि?

- (A) ई केवल आधुनिक दफ्तरक नियम-पुस्तक अछि
- (B) ई बोली आ स्मृतिसँ अलग, निर्जीव संकेत मात्र अछि
- (C) अनेक प्रसंग, पद आ दोहराव सँ बनल विस्तृत गायन
- (D) ई केवल छापल ग्रंथक पन्ना-संख्या गिनबाक विधि अछि

६९२. मैथिली लोकसाहित्यमे गाथाक लम्बाई किएक महत्त्वपूर्ण अछि?

- (A) अनेक प्रसंग, पद आ दोहराव सँ बनल विस्तृत गायन
- (B) ई परम्परा नहि, केवल क्षणिक बाजारू खेल अछि
- (C) ई केवल व्यापारिक हिसाब-किताबक नाम अछि
- (D) ई केवल छापल ग्रंथक पन्ना-संख्या गिनबाक विधि अछि

६९३. गाथाक लम्बाई संबंधमे कोन कथन ठीक अछि?

- (A) ई परम्परा नहि, केवल क्षणिक बाजारू खेल अछि
- (B) अनेक प्रसंग, पद आ दोहराव सँ बनल विस्तृत गायन
- (C) ई केवल व्यापारिक हिसाब-किताबक नाम अछि
- (D) ई बोली आ स्मृतिसँ अलग, निर्जीव संकेत मात्र अछि

६९४. गाथाक लम्बाई केँ चिन्हबाक मुख्य आधार की अछि?

- (A) ई लोकजीवनसँ पूर्णतः असंबद्ध विषय अछि
- (B) ई केवल राजदरबारक कर-विवरण मात्र अछि
- (C) ई केवल आधुनिक दफ्तरक नियम-पुस्तक अछि
- (D) अनेक प्रसंग, पद आ दोहराव सँ बनल विस्तृत गायन

६९५. जे प्रश्न गाथाक लम्बाई पर हो, त सही उत्तर कोन हएत?

- (A) अनेक प्रसंग, पद आ दोहराव सँ बनल विस्तृत गायन
- (B) ई बोली आ स्मृतिसँ अलग, निर्जीव संकेत मात्र अछि
- (C) ई लोकजीवनसँ पूर्णतः असंबद्ध विषय अछि
- (D) ई परम्परा नहि, केवल क्षणिक बाजारू खेल अछि

६९६. लोकगाथाक मूल्यक सही अर्थ की अछि?

- (A) इतिहास, स्मृति, प्रदर्शन आ सामुदायिक गौरवक संयुक्त स्रोत
- (B) ई केवल राजदरबारक कर-विवरण मात्र अछि
- (C) ई केवल व्यापारिक हिसाब-किताबक नाम अछि
- (D) ई परम्परा नहि, केवल क्षणिक बाजारू खेल अछि

६९७. मैथिली लोकसाहित्यमे लोकगाथाक मूल्य किएक महत्त्वपूर्ण अछि?

- (A) ई गीत, कथा आ समाजसँ कोनो सम्बन्ध नहि राखैत अछि
- (B) इतिहास, स्मृति, प्रदर्शन आ सामुदायिक गौरवक संयुक्त स्रोत
- (C) ई केवल छापल ग्रंथक पन्ना-संख्या गिनबाक विधि अछि
- (D) ई बोली आ स्मृतिसँ अलग, निर्जीव संकेत मात्र अछि

६९८. लोकगाथाक मूल्य संबंधमे कोन कथन ठीक अछि?

- (A) ई गीत, कथा आ समाजसँ कोनो सम्बन्ध नहि राखैत अछि
- (B) ई सामुदायिक अनुभव नहि, केवल निजी सजावट अछि
- (C) ई केवल राजदरबारक कर-विवरण मात्र अछि
- (D) इतिहास, स्मृति, प्रदर्शन आ सामुदायिक गौरवक संयुक्त स्रोत

६९९. लोकगाथाक मूल्य केँ चिन्हबाक मुख्य आधार की अछि?

- (A) ई गीत, कथा आ समाजसँ कोनो सम्बन्ध नहि राखैत अछि
- (B) ई ग्रामीण परिवेशकेँ हटाकऽ बनल कृत्रिम अभ्यास अछि
- (C) इतिहास, स्मृति, प्रदर्शन आ सामुदायिक गौरवक संयुक्त स्रोत
- (D) ई केवल व्यापारिक हिसाब-किताबक नाम अछि

७००. जँ प्रश्न लोकगाथाक मूल्य पर हो, त सही उत्तर कोन हएत?

- (A) ई लोकजीवनसँ पूर्णतः असंबद्ध विषय अछि
- (B) ई परम्परा नहि, केवल क्षणिक बाजारू खेल अछि
- (C) इतिहास, स्मृति, प्रदर्शन आ सामुदायिक गौरवक संयुक्त स्रोत
- (D) ई बोली आ स्मृतिसँ अलग, निर्जीव संकेत मात्र अछि

कहावत, पहेली आ लोकविश्वास

७०१. कहावतक सही अर्थ की अछि?

- (A) ई केवल व्यापारिक हिसाब-किताबक नाम अछि
- (B) ई बोली आ स्मृतिसँ अलग, निर्जीव संकेत मात्र अछि
- (C) संक्षिप्त वाक्य जे अनुभवक निचोड़ कहैत अछि
- (D) ई गीत, कथा आ समाजसँ कोनो सम्बन्ध नहि राखैत अछि

७०२. मैथिली लोकसाहित्यमे कहावत किएक महत्त्वपूर्ण अछि?

- (A) ई केवल छापल ग्रंथक पन्ना-संख्या गिनबाक विधि अछि
- (B) ई बोली आ स्मृतिसँ अलग, निर्जीव संकेत मात्र अछि
- (C) संक्षिप्त वाक्य जे अनुभवक निचोड़ कहैत अछि
- (D) ई ग्रामीण परिवेशकेँ हटाकऽ बनल कृत्रिम अभ्यास अछि

७०३. कहावत संबंधमे कोन कथन ठीक अछि?

- (A) संक्षिप्त वाक्य जे अनुभवक निचोड़ कहैत अछि
- (B) ई केवल छापल ग्रंथक पन्ना-संख्या गिनबाक विधि अछि
- (C) ई केवल व्यापारिक हिसाब-किताबक नाम अछि
- (D) ई केवल राजदरबारक कर-विवरण मात्र अछि

७०४. कहावत केँ चिन्हबाक मुख्य आधार की अछि?

- (A) ई ग्रामीण परिवेशकेँ हटाकऽ बनल कृत्रिम अभ्यास अछि
- (B) ई केवल छापल ग्रंथक पन्ना-संख्या गिनबाक विधि अछि
- (C) संक्षिप्त वाक्य जे अनुभवक निचोड़ कहैत अछि
- (D) ई गीत, कथा आ समाजसँ कोनो सम्बन्ध नहि राखैत अछि

७०५. जँ प्रश्न कहावत पर हो, त सही उत्तर कोन हएत?

- (A) ई गीत, कथा आ समाजसँ कोनो सम्बन्ध नहि राखैत अछि
- (B) ई केवल व्यापारिक हिसाब-किताबक नाम अछि
- (C) ई केवल छापल ग्रंथक पन्ना-संख्या गिनबाक विधि अछि
- (D) संक्षिप्त वाक्य जे अनुभवक निचोड़ कहैत अछि

७०६. लोकोक्ति सही अर्थ की अछि?

- (A) लोकप्रचलित उक्ति जे व्यवहारक सीख वा टिप्पणी दैत अछि
- (B) ई केवल राजदरबारक कर-विवरण मात्र अछि
- (C) ई सामुदायिक अनुभव नहि, केवल निजी सजावट अछि
- (D) ई ग्रामीण परिवेशकें हटाकऽ बनल कृत्रिम अभ्यास अछि

७०७. मैथिली लोकसाहित्यमे लोकोक्ति किएक महत्त्वपूर्ण अछि?

- (A) ई बोली आ स्मृतिसँ अलग, निर्जीव संकेत मात्र अछि
- (B) लोकप्रचलित उक्ति जे व्यवहारक सीख वा टिप्पणी दैत अछि
- (C) ई गीत, कथा आ समाजसँ कोनो सम्बन्ध नहि राखैत अछि
- (D) ई परम्परा नहि, केवल क्षणिक बाजारू खेल अछि

७०८. लोकोक्ति संबंधमे कोन कथन ठीक अछि?

- (A) ई केवल आधुनिक दफ्तरक नियम-पुस्तक अछि
- (B) लोकप्रचलित उक्ति जे व्यवहारक सीख वा टिप्पणी दैत अछि
- (C) ई परम्परा नहि, केवल क्षणिक बाजारू खेल अछि
- (D) ई केवल व्यापारिक हिसाब-किताबक नाम अछि

७०९. लोकोक्ति कें चिन्हबाक मुख्य आधार की अछि?

- (A) ई केवल राजदरबारक कर-विवरण मात्र अछि
- (B) ई सामुदायिक अनुभव नहि, केवल निजी सजावट अछि
- (C) लोकप्रचलित उक्ति जे व्यवहारक सीख वा टिप्पणी दैत अछि
- (D) ई केवल छापल ग्रंथक पन्ना-संख्या गिनबाक विधि अछि

७१०. जँ प्रश्न लोकोक्ति पर हो, त सही उत्तर कोन हएत?

- (A) ई केवल आधुनिक दफ्तरक नियम-पुस्तक अछि
- (B) ई लोकजीवनसँ पूर्णतः असंबद्ध विषय अछि
- (C) लोकप्रचलित उक्ति जे व्यवहारक सीख वा टिप्पणी दैत अछि
- (D) ई सामुदायिक अनुभव नहि, केवल निजी सजावट अछि

७११. पहेलीक सही अर्थ की अछि?

- (A) ई ग्रामीण परिवेशकें हटाकऽ बनल कृत्रिम अभ्यास अछि
- (B) ई केवल छापल ग्रंथक पन्ना-संख्या गिनबाक विधि अछि
- (C) ई केवल राजदरबारक कर-विवरण मात्र अछि
- (D) बुद्धि-जाँचक खेल जे रूपक द्वारा उत्तर छिपबैत अछि

७१२. मैथिली लोकसाहित्यमे पहेली किएक महत्त्वपूर्ण अछि?

- (A) ई बोली आ स्मृतिसँ अलग, निर्जीव संकेत मात्र अछि
- (B) ई केवल व्यापारिक हिसाब-किताबक नाम अछि
- (C) बुद्धि-जाँचक खेल जे रूपक द्वारा उत्तर छिपबैत अछि
- (D) ई केवल राजदरबारक कर-विवरण मात्र अछि

७१३. पहेली संबंधमे कोन कथन ठीक अछि?

- (A) बुद्धि-जाँचक खेल जे रूपक द्वारा उत्तर छिपबैत अछि
- (B) ई परम्परा नहि, केवल क्षणिक बाजारू खेल अछि
- (C) ई केवल छापल ग्रंथक पन्ना-संख्या गिनबाक विधि अछि
- (D) ई ग्रामीण परिवेशकेँ हटाकऽ बनल कृत्रिम अभ्यास अछि

७१४. पहेली केँ चिन्हबाक मुख्य आधार की अछि?

- (A) ई केवल राजदरबारक कर-विवरण मात्र अछि
- (B) बुद्धि-जाँचक खेल जे रूपक द्वारा उत्तर छिपबैत अछि
- (C) ई गीत, कथा आ समाजसँ कोनो सम्बन्ध नहि राखैत अछि
- (D) ई केवल व्यापारिक हिसाब-किताबक नाम अछि

७१५. जँ प्रश्न पहेली पर हो, त सही उत्तर कोन हएत?

- (A) बुद्धि-जाँचक खेल जे रूपक द्वारा उत्तर छिपबैत अछि
- (B) ई सामुदायिक अनुभव नहि, केवल निजी सजावट अछि
- (C) ई केवल राजदरबारक कर-विवरण मात्र अछि
- (D) ई गीत, कथा आ समाजसँ कोनो सम्बन्ध नहि राखैत अछि

७१६. मुहावराक सही अर्थ की अछि?

- (A) ई बोली आ स्मृतिसँ अलग, निर्जीव संकेत मात्र अछि
- (B) स्थिर प्रयोग जे साधारण शब्दसँ विशेष अर्थ दैत अछि
- (C) ई केवल राजदरबारक कर-विवरण मात्र अछि
- (D) ई केवल आधुनिक दफ्तरक नियम-पुस्तक अछि

७१७. मैथिली लोकसाहित्यमे मुहावरा किएक महत्त्वपूर्ण अछि?

- (A) ई गीत, कथा आ समाजसँ कोनो सम्बन्ध नहि राखैत अछि
- (B) ई केवल आधुनिक दफ्तरक नियम-पुस्तक अछि
- (C) स्थिर प्रयोग जे साधारण शब्दसँ विशेष अर्थ दैत अछि
- (D) ई केवल व्यापारिक हिसाब-किताबक नाम अछि

७१८. मुहावरा संबंधमे कोन कथन ठीक अछि?

- (A) स्थिर प्रयोग जे साधारण शब्दसँ विशेष अर्थ दैत अछि
- (B) ई परम्परा नहि, केवल क्षणिक बाजारू खेल अछि
- (C) ई सामुदायिक अनुभव नहि, केवल निजी सजावट अछि
- (D) ई केवल छापल ग्रंथक पन्ना-संख्या गिनबाक विधि अछि

७१९. मुहावरा केँ चिन्हबाक मुख्य आधार की अछि?

- (A) ई लोकजीवनसँ पूर्णतः असंबद्ध विषय अछि
- (B) ई केवल व्यापारिक हिसाब-किताबक नाम अछि
- (C) स्थिर प्रयोग जे साधारण शब्दसँ विशेष अर्थ दैत अछि
- (D) ई ग्रामीण परिवेशकेँ हटाकऽ बनल कृत्रिम अभ्यास अछि

७२०. जँ प्रश्न मुहावरा पर हो, त सही उत्तर कोन हएत?

- (A) ई सामुदायिक अनुभव नहि, केवल निजी सजावट अछि
- (B) ई केवल छापल ग्रंथक पन्ना-संख्या गिनबाक विधि अछि
- (C) ई केवल व्यापारिक हिसाब-किताबक नाम अछि
- (D) स्थिर प्रयोग जे साधारण शब्दसँ विशेष अर्थ दैत अछि

७२१. शकुनक सही अर्थ की अछि?

- (A) प्रकृति वा घटना सँ शुभ-अशुभ संकेत मानबाक लोकविश्वास
- (B) ई केवल आधुनिक दफ्तरक नियम-पुस्तक अछि
- (C) ई केवल व्यापारिक हिसाब-किताबक नाम अछि
- (D) ई सामुदायिक अनुभव नहि, केवल निजी सजावट अछि

७२२. मैथिली लोकसाहित्यमे शकुन किएक महत्त्वपूर्ण अछि?

- (A) ई केवल छापल ग्रंथक पन्ना-संख्या गिनबाक विधि अछि
- (B) ई केवल व्यापारिक हिसाब-किताबक नाम अछि
- (C) ई बोली आ स्मृतिसँ अलग, निर्जीव संकेत मात्र अछि
- (D) प्रकृति वा घटना सँ शुभ-अशुभ संकेत मानबाक लोकविश्वास

७२३. शकुन संबंधमे कोन कथन ठीक अछि?

- (A) ई केवल छापल ग्रंथक पन्ना-संख्या गिनबाक विधि अछि
- (B) ई बोली आ स्मृतिसँ अलग, निर्जीव संकेत मात्र अछि
- (C) ई केवल व्यापारिक हिसाब-किताबक नाम अछि
- (D) प्रकृति वा घटना सँ शुभ-अशुभ संकेत मानबाक लोकविश्वास

७२४. शकुन केँ चिन्हबाक मुख्य आधार की अछि?

- (A) ई केवल राजदरबारक कर-विवरण मात्र अछि
- (B) ई सामुदायिक अनुभव नहि, केवल निजी सजावट अछि
- (C) ई परम्परा नहि, केवल क्षणिक बाजारू खेल अछि
- (D) प्रकृति वा घटना सँ शुभ-अशुभ संकेत मानबाक लोकविश्वास

७२५. जँ प्रश्न शकुन पर हो, त सही उत्तर कोन हएत?

- (A) प्रकृति वा घटना सँ शुभ-अशुभ संकेत मानबाक लोकविश्वास
- (B) ई केवल राजदरबारक कर-विवरण मात्र अछि
- (C) ई लोकजीवनसँ पूर्णतः असंबद्ध विषय अछि
- (D) ई सामुदायिक अनुभव नहि, केवल निजी सजावट अछि

७२६. नजर-विश्वासक सही अर्थ की अछि?

- (A) ई केवल छापल ग्रंथक पन्ना-संख्या गिनबाक विधि अछि
- (B) दृष्टि-दोष सँ रक्षा लेल लोक-रीति
- (C) ई गीत, कथा आ समाजसँ कोनो सम्बन्ध नहि राखैत अछि
- (D) ई बोली आ स्मृतिसँ अलग, निर्जीव संकेत मात्र अछि

७२७. मैथिली लोकसाहित्यमे नजर-विश्वास किएक महत्त्वपूर्ण अछि?

- (A) ई बोली आ स्मृतिसँ अलग, निर्जीव संकेत मात्र अछि
- (B) ई केवल आधुनिक दफ्तरक नियम-पुस्तक अछि
- (C) दृष्टि-दोष सँ रक्षा लेल लोक-रीति
- (D) ई केवल व्यापारिक हिसाब-किताबक नाम अछि

७२८. नजर-विश्वास संबंधमे कोन कथन ठीक अछि?

- (A) दृष्टि-दोष सँ रक्षा लेल लोक-रीति
- (B) ई लोकजीवनसँ पूर्णतः असंबद्ध विषय अछि
- (C) ई बोली आ स्मृतिसँ अलग, निर्जीव संकेत मात्र अछि
- (D) ई ग्रामीण परिवेशकेँ हटाकऽ बनल कृत्रिम अभ्यास अछि

७२९. नजर-विश्वास के चिन्हबाक मुख्य आधार की अछि?

- (A) ई केवल व्यापारिक हिसाब-किताबक नाम अछि
- (B) ई परम्परा नहि, केवल क्षणिक बाजारू खेल अछि
- (C) दृष्टि-दोष सँ रक्षा लेल लोक-रीति
- (D) ई गीत, कथा आ समाजसँ कोनो सम्बन्ध नहि राखैत अछि

७३०. जँ प्रश्न नजर-विश्वास पर हो, त सही उत्तर कोन हएत?

- (A) ई गीत, कथा आ समाजसँ कोनो सम्बन्ध नहि राखैत अछि
- (B) ई ग्रामीण परिवेशकेँ हटाकऽ बनल कृत्रिम अभ्यास अछि
- (C) ई परम्परा नहि, केवल क्षणिक बाजारू खेल अछि
- (D) दृष्टि-दोष सँ रक्षा लेल लोक-रीति

७३१. टोना-टोटकाक सही अर्थ की अछि?

- (A) ई लोकजीवनसँ पूर्णतः असंबद्ध विषय अछि
- (B) संकट दूर करय लेल लोक-उपायक मान्यता
- (C) ई परम्परा नहि, केवल क्षणिक बाजारू खेल अछि
- (D) ई बोली आ स्मृतिसँ अलग, निर्जीव संकेत मात्र अछि

७३२. मैथिली लोकसाहित्यमे टोना-टोटका किएक महत्त्वपूर्ण अछि?

- (A) संकट दूर करय लेल लोक-उपायक मान्यता
- (B) ई सामुदायिक अनुभव नहि, केवल निजी सजावट अछि
- (C) ई केवल व्यापारिक हिसाब-किताबक नाम अछि
- (D) ई केवल आधुनिक दफ्तरक नियम-पुस्तक अछि

७३३. टोना-टोटका संबंधमे कोन कथन ठीक अछि?

- (A) ई केवल आधुनिक दफ्तरक नियम-पुस्तक अछि
- (B) संकट दूर करय लेल लोक-उपायक मान्यता
- (C) ई ग्रामीण परिवेशकेँ हटाकऽ बनल कृत्रिम अभ्यास अछि
- (D) ई गीत, कथा आ समाजसँ कोनो सम्बन्ध नहि राखैत अछि

७३४. टोना-टोटका केँ चिन्हबाक मुख्य आधार की अछि?

- (A) संकट दूर करय लेल लोक-उपायक मान्यता
- (B) ई परम्परा नहि, केवल क्षणिक बाजारू खेल अछि
- (C) ई केवल छापल ग्रंथक पन्ना-संख्या गिनबाक विधि अछि
- (D) ई केवल राजदरबारक कर-विवरण मात्र अछि

७३५. जँ प्रश्न टोना-टोटका पर हो, त सही उत्तर कोन हएत?

- (A) ई बोली आ स्मृतिसँ अलग, निर्जीव संकेत मात्र अछि
- (B) ई केवल आधुनिक दफ्तरक नियम-पुस्तक अछि
- (C) ई केवल व्यापारिक हिसाब-किताबक नाम अछि
- (D) संकट दूर करय लेल लोक-उपायक मान्यता

७३६. लोकचिकित्साक सही अर्थ की अछि?

- (A) जड़ी-बूटी, घरेलू उपाय आ अनुभव आधारित उपचार
- (B) ई परम्परा नहि, केवल क्षणिक बाजारू खेल अछि
- (C) ई ग्रामीण परिवेशकेँ हटाकऽ बनल कृत्रिम अभ्यास अछि
- (D) ई गीत, कथा आ समाजसँ कोनो सम्बन्ध नहि राखैत अछि

७३७. मैथिली लोकसाहित्यमे लोकचिकित्सा किएक महत्त्वपूर्ण अछि?

- (A) ई गीत, कथा आ समाजसँ कोनो सम्बन्ध नहि राखैत अछि
- (B) ई बोली आ स्मृतिसँ अलग, निर्जीव संकेत मात्र अछि
- (C) ई केवल आधुनिक दफ्तरक नियम-पुस्तक अछि
- (D) जड़ी-बूटी, घरेलू उपाय आ अनुभव आधारित उपचार

७३८. लोकचिकित्सा संबंधमे कोन कथन ठीक अछि?

- (A) ई केवल आधुनिक दफ्तरक नियम-पुस्तक अछि
- (B) ई परम्परा नहि, केवल क्षणिक बाजारू खेल अछि
- (C) ई बोली आ स्मृतिसँ अलग, निर्जीव संकेत मात्र अछि
- (D) जड़ी-बूटी, घरेलू उपाय आ अनुभव आधारित उपचार

७३९. लोकचिकित्सा केँ चिन्हबाक मुख्य आधार की अछि?

- (A) ई सामुदायिक अनुभव नहि, केवल निजी सजावट अछि
- (B) ई परम्परा नहि, केवल क्षणिक बाजारू खेल अछि
- (C) जड़ी-बूटी, घरेलू उपाय आ अनुभव आधारित उपचार
- (D) ई गीत, कथा आ समाजसँ कोनो सम्बन्ध नहि राखैत अछि

७४०. जँ प्रश्न लोकचिकित्सा पर हो, त सही उत्तर कोन हएत?

- (A) ई ग्रामीण परिवेशकेँ हटाकऽ बनल कृत्रिम अभ्यास अछि
- (B) जड़ी-बूटी, घरेलू उपाय आ अनुभव आधारित उपचार
- (C) ई केवल राजदरबारक कर-विवरण मात्र अछि
- (D) ई गीत, कथा आ समाजसँ कोनो सम्बन्ध नहि राखैत अछि

७४१. सपनाक अर्थक सही अर्थ की अछि?

- (A) ई सामुदायिक अनुभव नहि, केवल निजी सजावट अछि
- (B) ई केवल राजदरबारक कर-विवरण मात्र अछि
- (C) ई ग्रामीण परिवेशकेँ हटाकऽ बनल कृत्रिम अभ्यास अछि
- (D) सपना केँ संकेत मानि ओकर अर्थ निकालब

७४२. मैथिली लोकसाहित्यमे सपनाक अर्थ किएक महत्त्वपूर्ण अछि?

- (A) ई केवल राजदरबारक कर-विवरण मात्र अछि
- (B) ई परम्परा नहि, केवल क्षणिक बाजारू खेल अछि
- (C) सपना केँ संकेत मानि ओकर अर्थ निकालब
- (D) ई केवल व्यापारिक हिसाब-किताबक नाम अछि

७४३. सपनाक अर्थ संबंधमे कोन कथन ठीक अछि?

- (A) ई केवल राजदरबारक कर-विवरण मात्र अछि
- (B) ई लोकजीवनसँ पूर्णतः असंबद्ध विषय अछि
- (C) सपना केँ संकेत मानि ओकर अर्थ निकालब
- (D) ई केवल व्यापारिक हिसाब-किताबक नाम अछि

७४४. सपनाक अर्थ केँ चिन्हबाक मुख्य आधार की अछि?

- (A) सपना केँ संकेत मानि ओकर अर्थ निकालब
- (B) ई केवल छापल ग्रंथक पन्ना-संख्या गिनबाक विधि अछि
- (C) ई परम्परा नहि, केवल क्षणिक बाजारू खेल अछि
- (D) ई केवल आधुनिक दफ्तरक नियम-पुस्तक अछि

७४५. जँ प्रश्न सपनाक अर्थ पर हो, त सही उत्तर कोन हएत?

- (A) ई केवल आधुनिक दफ्तरक नियम-पुस्तक अछि
- (B) ई ग्रामीण परिवेशकें हटाकऽ बनल कृत्रिम अभ्यास अछि
- (C) ई केवल राजदरबारक कर-विवरण मात्र अछि
- (D) सपना कें संकेत मानि ओकर अर्थ निकालब

७४६. कृषि संकेतक सही अर्थ की अछि?

- (A) ई केवल व्यापारिक हिसाब-किताबक नाम अछि
- (B) ई केवल आधुनिक दफ्तरक नियम-पुस्तक अछि
- (C) पक्षी, बादर, हवा वा कीराक आचरणसँ मौसम बूझब
- (D) ई ग्रामीण परिवेशकें हटाकऽ बनल कृत्रिम अभ्यास अछि

७४७. मैथिली लोकसाहित्यमे कृषि संकेत किएक महत्त्वपूर्ण अछि?

- (A) ई केवल छापल ग्रंथक पन्ना-संख्या गिनबाक विधि अछि
- (B) पक्षी, बादर, हवा वा कीराक आचरणसँ मौसम बूझब
- (C) ई परम्परा नहि, केवल क्षणिक बाजारू खेल अछि
- (D) ई गीत, कथा आ समाजसँ कोनो सम्बन्ध नहि राखैत अछि

७४८. कृषि संकेत संबंधमे कोन कथन ठीक अछि?

- (A) ई केवल राजदरबारक कर-विवरण मात्र अछि
- (B) पक्षी, बादर, हवा वा कीराक आचरणसँ मौसम बूझब
- (C) ई केवल आधुनिक दफ्तरक नियम-पुस्तक अछि
- (D) ई परम्परा नहि, केवल क्षणिक बाजारू खेल अछि

७४९. कृषि संकेत कें चिन्हबाक मुख्य आधार की अछि?

- (A) पक्षी, बादर, हवा वा कीराक आचरणसँ मौसम बूझब
- (B) ई केवल छापल ग्रंथक पन्ना-संख्या गिनबाक विधि अछि
- (C) ई बोली आ स्मृतिसँ अलग, निर्जीव संकेत मात्र अछि
- (D) ई गीत, कथा आ समाजसँ कोनो सम्बन्ध नहि राखैत अछि

७५०. जँ प्रश्न कृषि संकेत पर हो, त सही उत्तर कोन हएत?

- (A) पक्षी, बादर, हवा वा कीराक आचरणसँ मौसम बूझब
- (B) ई केवल राजदरबारक कर-विवरण मात्र अछि
- (C) ई लोकजीवनसँ पूर्णतः असंबद्ध विषय अछि
- (D) ई केवल व्यापारिक हिसाब-किताबक नाम अछि

७५१. विधि-निषेधक सही अर्थ की अछि?

- (A) ई केवल राजदरबारक कर-विवरण मात्र अछि
- (B) की करब आ की नहि करब, तकर लोकनियम
- (C) ई केवल आधुनिक दफ्तरक नियम-पुस्तक अछि
- (D) ई केवल व्यापारिक हिसाब-किताबक नाम अछि

७५२. मैथिली लोकसाहित्यमे विधि-निषेध किएक महत्त्वपूर्ण अछि?

- (A) ई ग्रामीण परिवेशकें हटाकऽ बनल कृत्रिम अभ्यास अछि
- (B) ई बोली आ स्मृतिसँ अलग, निर्जीव संकेत मात्र अछि
- (C) ई सामुदायिक अनुभव नहि, केवल निजी सजावट अछि
- (D) की करब आ की नहि करब, तकर लोकनियम

७५३. विधि-निषेध संबंधमे कोन कथन ठीक अछि?

- (A) ई लोकजीवनसँ पूर्णतः असंबद्ध विषय अछि
- (B) की करब आ की नहि करब, तकर लोकनियम
- (C) ई बोली आ स्मृतिसँ अलग, निर्जीव संकेत मात्र अछि
- (D) ई ग्रामीण परिवेशकेँ हटाकऽ बनल कृत्रिम अभ्यास अछि

७५४. विधि-निषेध केँ चिन्हबाक मुख्य आधार की अछि?

- (A) ई लोकजीवनसँ पूर्णतः असंबद्ध विषय अछि
- (B) की करब आ की नहि करब, तकर लोकनियम
- (C) ई ग्रामीण परिवेशकेँ हटाकऽ बनल कृत्रिम अभ्यास अछि
- (D) ई केवल आधुनिक दफ्तरक नियम-पुस्तक अछि

७५५. जँ प्रश्न विधि-निषेध पर हो, त सही उत्तर कोन हएत?

- (A) ई ग्रामीण परिवेशकेँ हटाकऽ बनल कृत्रिम अभ्यास अछि
- (B) ई केवल व्यापारिक हिसाब-किताबक नाम अछि
- (C) ई बोली आ स्मृतिसँ अलग, निर्जीव संकेत मात्र अछि
- (D) की करब आ की नहि करब, तकर लोकनियम

७५६. मांगलिक चिह्नक सही अर्थ की अछि?

- (A) ई सामुदायिक अनुभव नहि, केवल निजी सजावट अछि
- (B) ई गीत, कथा आ समाजसँ कोनो सम्बन्ध नहि राखैत अछि
- (C) अरिपन, सिंदूर, धान, दूब, जल आदि शुभ प्रतीक
- (D) ई केवल राजदरबारक कर-विवरण मात्र अछि

७५७. मैथिली लोकसाहित्यमे मांगलिक चिह्न किएक महत्त्वपूर्ण अछि?

- (A) अरिपन, सिंदूर, धान, दूब, जल आदि शुभ प्रतीक
- (B) ई केवल छापल ग्रंथक पन्ना-संख्या गिनबाक विधि अछि
- (C) ई परम्परा नहि, केवल क्षणिक बाजारू खेल अछि
- (D) ई केवल आधुनिक दफ्तरक नियम-पुस्तक अछि

७५८. मांगलिक चिह्न संबंधमे कोन कथन ठीक अछि?

- (A) अरिपन, सिंदूर, धान, दूब, जल आदि शुभ प्रतीक
- (B) ई गीत, कथा आ समाजसँ कोनो सम्बन्ध नहि राखैत अछि
- (C) ई केवल आधुनिक दफ्तरक नियम-पुस्तक अछि
- (D) ई केवल व्यापारिक हिसाब-किताबक नाम अछि

७५९. मांगलिक चिह्न केँ चिन्हबाक मुख्य आधार की अछि?

- (A) अरिपन, सिंदूर, धान, दूब, जल आदि शुभ प्रतीक
- (B) ई सामुदायिक अनुभव नहि, केवल निजी सजावट अछि
- (C) ई गीत, कथा आ समाजसँ कोनो सम्बन्ध नहि राखैत अछि
- (D) ई लोकजीवनसँ पूर्णतः असंबद्ध विषय अछि

७६०. जँ प्रश्न मांगलिक चिह्न पर हो, त सही उत्तर कोन हएत?

- (A) ई केवल छापल ग्रंथक पन्ना-संख्या गिनबाक विधि अछि
- (B) ई केवल आधुनिक दफ्तरक नियम-पुस्तक अछि
- (C) ई ग्रामीण परिवेशकेँ हटाकऽ बनल कृत्रिम अभ्यास अछि
- (D) अरिपन, सिंदूर, धान, दूब, जल आदि शुभ प्रतीक

७६१. भूत-स्थानक सही अर्थ की अछि?

- (A) पीपल, श्मशान, पोखरि वा निर्जन ठामसँ जुड़ल विश्वास
- (B) ई लोकजीवनसँ पूर्णतः असंबद्ध विषय अछि
- (C) ई गीत, कथा आ समाजसँ कोनो सम्बन्ध नहि राखैत अछि
- (D) ई सामुदायिक अनुभव नहि, केवल निजी सजावट अछि

७६२. मैथिली लोकसाहित्यमे भूत-स्थान किएक महत्त्वपूर्ण अछि?

- (A) ई बोली आ स्मृतिसँ अलग, निर्जीव संकेत मात्र अछि
- (B) पीपल, श्मशान, पोखरि वा निर्जन ठामसँ जुड़ल विश्वास
- (C) ई परम्परा नहि, केवल क्षणिक बाजारू खेल अछि
- (D) ई केवल आधुनिक दफ्तरक नियम-पुस्तक अछि

७६३. भूत-स्थान संबंधमे कोन कथन ठीक अछि?

- (A) ई सामुदायिक अनुभव नहि, केवल निजी सजावट अछि
- (B) पीपल, श्मशान, पोखरि वा निर्जन ठामसँ जुड़ल विश्वास
- (C) ई केवल छापल ग्रंथक पन्ना-संख्या गिनबाक विधि अछि
- (D) ई केवल आधुनिक दफ्तरक नियम-पुस्तक अछि

७६४. भूत-स्थान केँ चिन्हबाक मुख्य आधार की अछि?

- (A) ई लोकजीवनसँ पूर्णतः असंबद्ध विषय अछि
- (B) ई केवल आधुनिक दफ्तरक नियम-पुस्तक अछि
- (C) ई परम्परा नहि, केवल क्षणिक बाजारू खेल अछि
- (D) पीपल, श्मशान, पोखरि वा निर्जन ठामसँ जुड़ल विश्वास

७६५. जँ प्रश्न भूत-स्थान पर हो, त सही उत्तर कोन हएत?

- (A) ई केवल व्यापारिक हिसाब-किताबक नाम अछि
- (B) ई केवल छापल ग्रंथक पन्ना-संख्या गिनबाक विधि अछि
- (C) पीपल, श्मशान, पोखरि वा निर्जन ठामसँ जुड़ल विश्वास
- (D) ई ग्रामीण परिवेशकेँ हटाकऽ बनल कृत्रिम अभ्यास अछि

७६६. देव-थानक सही अर्थ की अछि?

- (A) ई केवल व्यापारिक हिसाब-किताबक नाम अछि
- (B) गामक सामूहिक आस्था आ पूजाक स्थानीय केन्द्र
- (C) ई गीत, कथा आ समाजसँ कोनो सम्बन्ध नहि राखैत अछि
- (D) ई सामुदायिक अनुभव नहि, केवल निजी सजावट अछि

७६७. मैथिली लोकसाहित्यमे देव-थान किएक महत्त्वपूर्ण अछि?

- (A) ई केवल आधुनिक दफ्तरक नियम-पुस्तक अछि
- (B) ई परम्परा नहि, केवल क्षणिक बाजारू खेल अछि
- (C) ई बोली आ स्मृतिसँ अलग, निर्जीव संकेत मात्र अछि
- (D) गामक सामूहिक आस्था आ पूजाक स्थानीय केन्द्र

७६८. देव-थान संबंधमे कोन कथन ठीक अछि?

- (A) ई परम्परा नहि, केवल क्षणिक बाजारू खेल अछि
- (B) ई गीत, कथा आ समाजसँ कोनो सम्बन्ध नहि राखैत अछि
- (C) गामक सामूहिक आस्था आ पूजाक स्थानीय केन्द्र
- (D) ई केवल आधुनिक दफ्तरक नियम-पुस्तक अछि

७६९. देव-थान के चिन्हबाक मुख्य आधार की अछि?

- (A) ई केवल व्यापारिक हिसाब-किताबक नाम अछि
- (B) ई बोली आ स्मृतिसँ अलग, निर्जीव संकेत मात्र अछि
- (C) ई केवल आधुनिक दफ्तरक नियम-पुस्तक अछि
- (D) गामक सामूहिक आस्था आ पूजाक स्थानीय केन्द्र

७७०. जेँ प्रश्न देव-थान पर हो, त सही उत्तर कोन हएत?

- (A) ई ग्रामीण परिवेशकेँ हटाकऽ बनल कृत्रिम अभ्यास अछि
- (B) गामक सामूहिक आस्था आ पूजाक स्थानीय केन्द्र
- (C) ई गीत, कथा आ समाजसँ कोनो सम्बन्ध नहि राखैत अछि
- (D) ई केवल व्यापारिक हिसाब-किताबक नाम अछि

७७१. पंचांग-ज्ञानक सही अर्थ की अछि?

- (A) ई गीत, कथा आ समाजसँ कोनो सम्बन्ध नहि राखैत अछि
- (B) ई सामुदायिक अनुभव नहि, केवल निजी सजावट अछि
- (C) तिथि, नक्षत्र, ऋतु आ मुहूर्तक लोक-उपयोग
- (D) ई केवल राजदरबारक कर-विवरण मात्र अछि

७७२. मैथिली लोकसाहित्यमे पंचांग-ज्ञान किएक महत्त्वपूर्ण अछि?

- (A) ई केवल व्यापारिक हिसाब-किताबक नाम अछि
- (B) तिथि, नक्षत्र, ऋतु आ मुहूर्तक लोक-उपयोग
- (C) ई परम्परा नहि, केवल क्षणिक बाजारू खेल अछि
- (D) ई बोली आ स्मृतिसँ अलग, निर्जीव संकेत मात्र अछि

७७३. पंचांग-ज्ञान संबंधमे कोन कथन ठीक अछि?

- (A) ई केवल राजदरबारक कर-विवरण मात्र अछि
- (B) ई परम्परा नहि, केवल क्षणिक बाजारू खेल अछि
- (C) तिथि, नक्षत्र, ऋतु आ मुहूर्तक लोक-उपयोग
- (D) ई सामुदायिक अनुभव नहि, केवल निजी सजावट अछि

७७४. पंचांग-ज्ञान केँ चिन्हबाक मुख्य आधार की अछि?

- (A) ई सामुदायिक अनुभव नहि, केवल निजी सजावट अछि
- (B) ई ग्रामीण परिवेशकेँ हटाकऽ बनल कृत्रिम अभ्यास अछि
- (C) ई केवल राजदरबारक कर-विवरण मात्र अछि
- (D) तिथि, नक्षत्र, ऋतु आ मुहूर्तक लोक-उपयोग

७७५. जेँ प्रश्न पंचांग-ज्ञान पर हो, त सही उत्तर कोन हएत?

- (A) ई परम्परा नहि, केवल क्षणिक बाजारू खेल अछि
- (B) ई केवल व्यापारिक हिसाब-किताबक नाम अछि
- (C) ई गीत, कथा आ समाजसँ कोनो सम्बन्ध नहि राखैत अछि
- (D) तिथि, नक्षत्र, ऋतु आ मुहूर्तक लोक-उपयोग

७७६. बाल-खेलक सही अर्थ की अछि?

- (A) गीत, तुकबंदी आ नियम सहित बच्चाक लोकक्रीड़ा
- (B) ई लोकजीवनसँ पूर्णतः असंबद्ध विषय अछि
- (C) ई गीत, कथा आ समाजसँ कोनो सम्बन्ध नहि राखैत अछि
- (D) ई ग्रामीण परिवेशकेँ हटाकऽ बनल कृत्रिम अभ्यास अछि

७७७. मैथिली लोकसाहित्यमे बाल-खेल किएक महत्त्वपूर्ण अछि?

- (A) ई सामुदायिक अनुभव नहि, केवल निजी सजावट अछि
- (B) ई ग्रामीण परिवेशकेँ हटाकऽ बनल कृत्रिम अभ्यास अछि
- (C) ई बोली आ स्मृतिसँ अलग, निर्जीव संकेत मात्र अछि
- (D) गीत, तुकबंदी आ नियम सहित बच्चाक लोकक्रीड़ा

७७८. बाल-खेल संबंधमे कोन कथन ठीक अछि?

- (A) ई गीत, कथा आ समाजसँ कोनो सम्बन्ध नहि राखैत अछि
- (B) ई परम्परा नहि, केवल क्षणिक बाजारू खेल अछि
- (C) गीत, तुकबंदी आ नियम सहित बच्चाक लोकक्रीड़ा
- (D) ई केवल आधुनिक दफ्तरक नियम-पुस्तक अछि

७७९. बाल-खेल केँ चिन्हबाक मुख्य आधार की अछि?

- (A) ई केवल आधुनिक दफ्तरक नियम-पुस्तक अछि
- (B) गीत, तुकबंदी आ नियम सहित बच्चाक लोकक्रीड़ा
- (C) ई ग्रामीण परिवेशकेँ हटाकऽ बनल कृत्रिम अभ्यास अछि
- (D) ई परम्परा नहि, केवल क्षणिक बाजारू खेल अछि

७८०. जँ प्रश्न बाल-खेल पर हो, त सही उत्तर कोन हएत?

- (A) ई केवल व्यापारिक हिसाब-किताबक नाम अछि
- (B) ई परम्परा नहि, केवल क्षणिक बाजारू खेल अछि
- (C) गीत, तुकबंदी आ नियम सहित बच्चाक लोकक्रीड़ा
- (D) ई सामुदायिक अनुभव नहि, केवल निजी सजावट अछि

७८१. तुकबंदीक सही अर्थ की अछि?

- (A) ई केवल राजदरबारक कर-विवरण मात्र अछि
- (B) ई परम्परा नहि, केवल क्षणिक बाजारू खेल अछि
- (C) लययुक्त छोट पंक्ति जे सहज स्मरण होइत अछि
- (D) ई केवल छापल ग्रंथक पन्ना-संख्या गिनबाक विधि अछि

७८२. मैथिली लोकसाहित्यमे तुकबंदी किएक महत्त्वपूर्ण अछि?

- (A) ई केवल आधुनिक दफ्तरक नियम-पुस्तक अछि
- (B) लययुक्त छोट पंक्ति जे सहज स्मरण होइत अछि
- (C) ई गीत, कथा आ समाजसँ कोनो सम्बन्ध नहि राखैत अछि
- (D) ई सामुदायिक अनुभव नहि, केवल निजी सजावट अछि

७८३. तुकबंदी संबंधमे कोन कथन ठीक अछि?

- (A) ई केवल राजदरबारक कर-विवरण मात्र अछि
- (B) लययुक्त छोट पंक्ति जे सहज स्मरण होइत अछि
- (C) ई सामुदायिक अनुभव नहि, केवल निजी सजावट अछि
- (D) ई केवल आधुनिक दफ्तरक नियम-पुस्तक अछि

७८४. तुकबंदी केँ चिन्हबाक मुख्य आधार की अछि?

- (A) ई केवल व्यापारिक हिसाब-किताबक नाम अछि
- (B) लययुक्त छोट पंक्ति जे सहज स्मरण होइत अछि
- (C) ई गीत, कथा आ समाजसँ कोनो सम्बन्ध नहि राखैत अछि
- (D) ई परम्परा नहि, केवल क्षणिक बाजारू खेल अछि

७८५. जँ प्रश्न तुकबंदी पर हो, त सही उत्तर कोन हएत?

- (A) लययुक्त छोट पंक्ति जे सहज स्मरण होइत अछि
- (B) ई केवल व्यापारिक हिसाब-किताबक नाम अछि
- (C) ई केवल राजदरबारक कर-विवरण मात्र अछि
- (D) ई सामुदायिक अनुभव नहि, केवल निजी सजावट अछि

७८६. व्यंग्य-उक्ति सही अर्थ की अछि?

- (A) ई लोकजीवनसँ पूर्णतः असंबद्ध विषय अछि
- (B) सामाजिक कमी पर छोट, तीख आ हास्यमय टिप्पणी
- (C) ई केवल राजदरबारक कर-विवरण मात्र अछि
- (D) ई गीत, कथा आ समाजसँ कोनो सम्बन्ध नहि राखैत अछि

७८७. मैथिली लोकसाहित्यमे व्यंग्य-उक्ति किएक महत्त्वपूर्ण अछि?

- (A) ई ग्रामीण परिवेशकेँ हटाकऽ बनल कृत्रिम अभ्यास अछि
- (B) ई केवल व्यापारिक हिसाब-किताबक नाम अछि
- (C) ई केवल राजदरबारक कर-विवरण मात्र अछि
- (D) सामाजिक कमी पर छोट, तीख आ हास्यमय टिप्पणी

७८८. व्यंग्य-उक्ति संबंधमे कोन कथन ठीक अछि?

- (A) ई लोकजीवनसँ पूर्णतः असंबद्ध विषय अछि
- (B) ई सामुदायिक अनुभव नहि, केवल निजी सजावट अछि
- (C) ई केवल राजदरबारक कर-विवरण मात्र अछि
- (D) सामाजिक कमी पर छोट, तीख आ हास्यमय टिप्पणी

७८९. व्यंग्य-उक्ति केँ चिन्हबाक मुख्य आधार की अछि?

- (A) ई केवल छापल ग्रंथक पन्ना-संख्या गिनबाक विधि अछि
- (B) ई परम्परा नहि, केवल क्षणिक बाजारू खेल अछि
- (C) सामाजिक कमी पर छोट, तीख आ हास्यमय टिप्पणी
- (D) ई ग्रामीण परिवेशकेँ हटाकऽ बनल कृत्रिम अभ्यास अछि

७९०. जँ प्रश्न व्यंग्य-उक्ति पर हो, त सही उत्तर कोन हएत?

- (A) ई बोली आ स्मृतिसँ अलग, निर्जीव संकेत मात्र अछि
- (B) ई केवल आधुनिक दफ्तरक नियम-पुस्तक अछि
- (C) सामाजिक कमी पर छोट, तीख आ हास्यमय टिप्पणी
- (D) ई केवल व्यापारिक हिसाब-किताबक नाम अछि

७९१. लोक-तर्क सही अर्थ की अछि?

- (A) ई केवल छापल ग्रंथक पन्ना-संख्या गिनबाक विधि अछि
- (B) ई ग्रामीण परिवेशकेँ हटाकऽ बनल कृत्रिम अभ्यास अछि
- (C) अनुभव पर आधारित व्यवहारिक बुद्धि
- (D) ई केवल आधुनिक दफ्तरक नियम-पुस्तक अछि

७९२. मैथिली लोकसाहित्यमे लोक-तर्क किएक महत्त्वपूर्ण अछि?

- (A) ई केवल आधुनिक दफ्तरक नियम-पुस्तक अछि
- (B) अनुभव पर आधारित व्यवहारिक बुद्धि
- (C) ई परम्परा नहि, केवल क्षणिक बाजारू खेल अछि
- (D) ई लोकजीवनसँ पूर्णतः असंबद्ध विषय अछि

७९३. लोक-तर्क संबंधमे कोन कथन ठीक अछि?

- (A) ई केवल व्यापारिक हिसाब-किताबक नाम अछि
- (B) ई केवल राजदरबारक कर-विवरण मात्र अछि
- (C) अनुभव पर आधारित व्यवहारिक बुद्धि
- (D) ई केवल छापल ग्रंथक पन्ना-संख्या गिनबाक विधि अछि

७९४. लोक-तर्क केँ चिन्हबाक मुख्य आधार की अछि?

- (A) ई बोली आ स्मृतिसँ अलग, निर्जीव संकेत मात्र अछि
- (B) ई केवल छापल ग्रंथक पन्ना-संख्या गिनबाक विधि अछि
- (C) अनुभव पर आधारित व्यवहारिक बुद्धि
- (D) ई परम्परा नहि, केवल क्षणिक बाजारू खेल अछि

७९५. जँ प्रश्न लोक-तर्क पर हो, त सही उत्तर कोन हएत?

- (A) अनुभव पर आधारित व्यवहारिक बुद्धि
- (B) ई गीत, कथा आ समाजसँ कोनो सम्बन्ध नहि राखैत अछि
- (C) ई परम्परा नहि, केवल क्षणिक बाजारू खेल अछि
- (D) ई केवल छापल ग्रंथक पन्ना-संख्या गिनबाक विधि अछि

७९६. लोकविश्वासक अध्ययनक सही अर्थ की अछि?

- (A) ई केवल राजदरबारक कर-विवरण मात्र अछि
- (B) विश्वासकेँ उपहास नहि, ओकर सामाजिक अर्थ बुझब
- (C) ई केवल आधुनिक दफ्तरक नियम-पुस्तक अछि
- (D) ई केवल व्यापारिक हिसाब-किताबक नाम अछि

७९७. मैथिली लोकसाहित्यमे लोकविश्वासक अध्ययन किएक महत्त्वपूर्ण अछि?

- (A) ई केवल राजदरबारक कर-विवरण मात्र अछि
- (B) ई ग्रामीण परिवेशकेँ हटाकऽ बनल कृत्रिम अभ्यास अछि
- (C) ई गीत, कथा आ समाजसँ कोनो सम्बन्ध नहि राखैत अछि
- (D) विश्वासकेँ उपहास नहि, ओकर सामाजिक अर्थ बुझब

७९८. लोकविश्वासक अध्ययन संबंधमे कोन कथन ठीक अछि?

- (A) विश्वासकेँ उपहास नहि, ओकर सामाजिक अर्थ बुझब
- (B) ई लोकजीवनसँ पूर्णतः असंबद्ध विषय अछि
- (C) ई केवल व्यापारिक हिसाब-किताबक नाम अछि
- (D) ई सामुदायिक अनुभव नहि, केवल निजी सजावट अछि

७९९. लोकविश्वासक अध्ययन केँ चिन्हबाक मुख्य आधार की अछि?

- (A) ई परम्परा नहि, केवल क्षणिक बाजारू खेल अछि
- (B) विश्वासकेँ उपहास नहि, ओकर सामाजिक अर्थ बुझब
- (C) ई ग्रामीण परिवेशकेँ हटाकऽ बनल कृत्रिम अभ्यास अछि
- (D) ई केवल व्यापारिक हिसाब-किताबक नाम अछि

८००. जँ प्रश्न लोकविश्वासक अध्ययन पर हो, त सही उत्तर कोन हएत?

- (A) ई केवल छापल ग्रंथक पन्ना-संख्या गिनबाक विधि अछि
- (B) ई गीत, कथा आ समाजसँ कोनो सम्बन्ध नहि राखैत अछि
- (C) ई ग्रामीण परिवेशकेँ हटाकऽ बनल कृत्रिम अभ्यास अछि
- (D) विश्वासकेँ उपहास नहि, ओकर सामाजिक अर्थ बुझब

स्त्री-स्वर आ सामाजिक चेतना

८०१. समदाउनक करुणाक सही अर्थ की अछि?

- (A) ई केवल आधुनिक दफ्तरक नियम-पुस्तक अछि
- (B) ई ग्रामीण परिवेशक हटाक बनल कृत्रिम अभ्यास अछि
- (C) विदाईमे माय-बेटीक बिछोहक स्त्री-कंठ
- (D) ई गीत, कथा आ समाजसँ कोनो सम्बन्ध नहि राखैत अछि

८०२. मैथिली लोकसाहित्यमे समदाउनक करुणा किएक महत्त्वपूर्ण अछि?

- (A) ई केवल व्यापारिक हिसाब-किताबक नाम अछि
- (B) विदाईमे माय-बेटीक बिछोहक स्त्री-कंठ
- (C) ई ग्रामीण परिवेशक हटाक बनल कृत्रिम अभ्यास अछि
- (D) ई लोकजीवनसँ पूर्णतः असंबद्ध विषय अछि

८०३. समदाउनक करुणा संबंधमे कोन कथन ठीक अछि?

- (A) विदाईमे माय-बेटीक बिछोहक स्त्री-कंठ
- (B) ई केवल राजदरबारक कर-विवरण मात्र अछि
- (C) ई बोली आ स्मृतिसँ अलग, निर्जीव संकेत मात्र अछि
- (D) ई केवल व्यापारिक हिसाब-किताबक नाम अछि

८०४. समदाउनक करुणा केँ चिन्हबाक मुख्य आधार की अछि?

- (A) ई केवल व्यापारिक हिसाब-किताबक नाम अछि
- (B) विदाईमे माय-बेटीक बिछोहक स्त्री-कंठ
- (C) ई ग्रामीण परिवेशक हटाक बनल कृत्रिम अभ्यास अछि
- (D) ई परम्परा नहि, केवल क्षणिक बाजारू खेल अछि

८०५. जँ प्रश्न समदाउनक करुणा पर हो, त सही उत्तर कोन हएत?

- (A) ई सामुदायिक अनुभव नहि, केवल निजी सजावट अछि
- (B) ई केवल छापल ग्रंथक पन्ना-संख्या गिनबाक विधि अछि
- (C) विदाईमे माय-बेटीक बिछोहक स्त्री-कंठ
- (D) ई केवल आधुनिक दफ्तरक नियम-पुस्तक अछि

८०६. जाँतसारमे स्त्री-मनक सही अर्थ की अछि?

- (A) ई केवल व्यापारिक हिसाब-किताबक नाम अछि
- (B) ई गीत, कथा आ समाजसँ कोनो सम्बन्ध नहि राखैत अछि
- (C) घरक श्रम करैत स्त्रीक पीड़ा, हास्य आ स्मृति
- (D) ई ग्रामीण परिवेशक हटाक बनल कृत्रिम अभ्यास अछि

८०७. मैथिली लोकसाहित्यमे जाँतसारमे स्त्री-मन किएक महत्त्वपूर्ण अछि?

- (A) ई गीत, कथा आ समाजसँ कोनो सम्बन्ध नहि राखैत अछि
- (B) ई केवल राजदरबारक कर-विवरण मात्र अछि
- (C) ई परम्परा नहि, केवल क्षणिक बाजारू खेल अछि
- (D) घरक श्रम करैत स्त्रीक पीड़ा, हास्य आ स्मृति

८०८. जाँतसारमे स्त्री-मन संबंधमे कोन कथन ठीक अछि?

- (A) ई बोली आ स्मृतिसँ अलग, निर्जीव संकेत मात्र अछि
- (B) घरक श्रम करैत स्त्रीक पीड़ा, हास्य आ स्मृति
- (C) ई सामुदायिक अनुभव नहि, केवल निजी सजावट अछि
- (D) ई परम्परा नहि, केवल क्षणिक बाजारू खेल अछि

८०९. जाँतसारमे स्त्री-मन केँ चिन्हबाक मुख्य आधार की अछि?

- (A) ई केवल व्यापारिक हिसाब-किताबक नाम अछि
- (B) घरक श्रम करैत स्त्रीक पीड़ा, हास्य आ स्मृति
- (C) ई केवल छापल ग्रंथक पन्ना-संख्या गिनबाक विधि अछि
- (D) ई गीत, कथा आ समाजसँ कोनो सम्बन्ध नहि राखैत अछि

८१०. जँ प्रश्न जाँतसारमे स्त्री-मन पर हो, त सही उत्तर कोन हएत?

- (A) ई परम्परा नहि, केवल क्षणिक बाजारू खेल अछि
- (B) घरक श्रम करैत स्त्रीक पीड़ा, हास्य आ स्मृति
- (C) ई केवल राजदरबारक कर-विवरण मात्र अछि
- (D) ई सामुदायिक अनुभव नहि, केवल निजी सजावट अछि

८११. डोमकछक उन्मुक्तताक सही अर्थ की अछि?

- (A) ई केवल छापल ग्रंथक पन्ना-संख्या गिनबाक विधि अछि
- (B) ई केवल आधुनिक दफ्तरक नियम-पुस्तक अछि
- (C) विवाह प्रसंगमे स्त्रीसभक हास्य-व्यंग्यक मंच
- (D) ई सामुदायिक अनुभव नहि, केवल निजी सजावट अछि

८१२. मैथिली लोकसाहित्यमे डोमकछक उन्मुक्तता किएक महत्त्वपूर्ण अछि?

- (A) ई केवल राजदरबारक कर-विवरण मात्र अछि
- (B) ई केवल व्यापारिक हिसाब-किताबक नाम अछि
- (C) विवाह प्रसंगमे स्त्रीसभक हास्य-व्यंग्यक मंच
- (D) ई परम्परा नहि, केवल क्षणिक बाजारू खेल अछि

८१३. डोमकछक उन्मुक्तता संबंधमे कोन कथन ठीक अछि?

- (A) ई परम्परा नहि, केवल क्षणिक बाजारू खेल अछि
- (B) ई ग्रामीण परिवेशकेँ हटाकऽ बनल कृत्रिम अभ्यास अछि
- (C) ई लोकजीवनसँ पूर्णतः असंबद्ध विषय अछि
- (D) विवाह प्रसंगमे स्त्रीसभक हास्य-व्यंग्यक मंच

८१४. डोमकछक उन्मुक्तता केँ चिन्हबाक मुख्य आधार की अछि?

- (A) ई सामुदायिक अनुभव नहि, केवल निजी सजावट अछि
- (B) ई ग्रामीण परिवेशकेँ हटाकऽ बनल कृत्रिम अभ्यास अछि
- (C) विवाह प्रसंगमे स्त्रीसभक हास्य-व्यंग्यक मंच
- (D) ई बोली आ स्मृतिसँ अलग, निर्जीव संकेत मात्र अछि

८१५. जँ प्रश्न डोमकछक उन्मुक्तता पर हो, त सही उत्तर कोन हएत?

- (A) विवाह प्रसंगमे स्त्रीसभक हास्य-व्यंग्यक मंच
- (B) ई ग्रामीण परिवेशकेँ हटाकऽ बनल कृत्रिम अभ्यास अछि
- (C) ई बोली आ स्मृतिसँ अलग, निर्जीव संकेत मात्र अछि
- (D) ई परम्परा नहि, केवल क्षणिक बाजारू खेल अछि

८१६. सामा-चकेबाक सही अर्थ की अछि?

- (A) भाइ-बहिन स्नेहमे स्त्री-समूहक रचनात्मक भागीदारी
- (B) ई केवल छापल ग्रंथक पन्ना-संख्या गिनबाक विधि अछि
- (C) ई सामुदायिक अनुभव नहि, केवल निजी सजावट अछि
- (D) ई केवल आधुनिक दफ्तरक नियम-पुस्तक अछि

८१७. मैथिली लोकसाहित्यमे सामा-चकेबा किएक महत्त्वपूर्ण अछि?

- (A) भाइ-बहिन स्नेहमे स्त्री-समूहक रचनात्मक भागीदारी
- (B) ई केवल छापल ग्रंथक पन्ना-संख्या गिनबाक विधि अछि
- (C) ई केवल राजदरबारक कर-विवरण मात्र अछि
- (D) ई परम्परा नहि, केवल क्षणिक बाजारू खेल अछि

८१८. सामा-चकेबा संबंधमे कोन कथन ठीक अछि?

- (A) ई परम्परा नहि, केवल क्षणिक बाजारू खेल अछि
- (B) ई ग्रामीण परिवेशक हटाक बनल कृत्रिम अभ्यास अछि
- (C) भाइ-बहिन स्नेहमे स्त्री-समूहक रचनात्मक भागीदारी
- (D) ई गीत, कथा आ समाजसँ कोनो सम्बन्ध नहि राखैत अछि

८१९. सामा-चकेबा केँ चिन्हबाक मुख्य आधार की अछि?

- (A) ई केवल राजदरबारक कर-विवरण मात्र अछि
- (B) ई केवल आधुनिक दफ्तरक नियम-पुस्तक अछि
- (C) भाइ-बहिन स्नेहमे स्त्री-समूहक रचनात्मक भागीदारी
- (D) ई गीत, कथा आ समाजसँ कोनो सम्बन्ध नहि राखैत अछि

८२०. जँ प्रश्न सामा-चकेबा पर हो, त सही उत्तर कोन हएत?

- (A) ई परम्परा नहि, केवल क्षणिक बाजारू खेल अछि
- (B) भाइ-बहिन स्नेहमे स्त्री-समूहक रचनात्मक भागीदारी
- (C) ई केवल छापल ग्रंथक पन्ना-संख्या गिनबाक विधि अछि
- (D) ई गीत, कथा आ समाजसँ कोनो सम्बन्ध नहि राखैत अछि

८२१. नैहरक स्मृतिक सही अर्थ की अछि?

- (A) ई केवल छापल ग्रंथक पन्ना-संख्या गिनबाक विधि अछि
- (B) ई बोली आ स्मृतिसँ अलग, निर्जीव संकेत मात्र अछि
- (C) ई सामुदायिक अनुभव नहि, केवल निजी सजावट अछि
- (D) विवाह बाद स्त्रीक मायके-प्रेम आ बिछोहक स्वर

८२२. मैथिली लोकसाहित्यमे नैहरक स्मृति किएक महत्त्वपूर्ण अछि?

- (A) ई बोली आ स्मृतिसँ अलग, निर्जीव संकेत मात्र अछि
- (B) ई लोकजीवनसँ पूर्णतः असंबद्ध विषय अछि
- (C) विवाह बाद स्त्रीक मायके-प्रेम आ बिछोहक स्वर
- (D) ई परम्परा नहि, केवल क्षणिक बाजारू खेल अछि

८२३. नैहरक स्मृति संबंधमे कोन कथन ठीक अछि?

- (A) ई केवल छापल ग्रंथक पन्ना-संख्या गिनबाक विधि अछि
- (B) ई लोकजीवनसँ पूर्णतः असंबद्ध विषय अछि
- (C) विवाह बाद स्त्रीक मायके-प्रेम आ बिछोहक स्वर
- (D) ई केवल व्यापारिक हिसाब-किताबक नाम अछि

८२४. नैहरक स्मृति केँ चिन्हबाक मुख्य आधार की अछि?

- (A) ई गीत, कथा आ समाजसँ कोनो सम्बन्ध नहि राखैत अछि
- (B) ई केवल आधुनिक दफ्तरक नियम-पुस्तक अछि
- (C) विवाह बाद स्त्रीक मायके-प्रेम आ बिछोहक स्वर
- (D) ई केवल छापल ग्रंथक पन्ना-संख्या गिनबाक विधि अछि

८२५. जँ प्रश्न नैहरक स्मृति पर हो, त सही उत्तर कोन हएत?

- (A) ई गीत, कथा आ समाजसँ कोनो सम्बन्ध नहि राखैत अछि
- (B) विवाह बाद स्त्रीक मायके-प्रेम आ बिछोहक स्वर
- (C) ई केवल छापल ग्रंथक पन्ना-संख्या गिनबाक विधि अछि
- (D) ई केवल आधुनिक दफ्तरक नियम-पुस्तक अछि

८२६. सासुरक अनुभवक सही अर्थ की अछि?

- (A) नववधूक आशंका, संघर्ष, अनुकूलन आ व्यंग्य
- (B) ई केवल छापल ग्रंथक पन्ना-संख्या गिनबाक विधि अछि
- (C) ई ग्रामीण परिवेशकेँ हटाकऽ बनल कृत्रिम अभ्यास अछि
- (D) ई सामुदायिक अनुभव नहि, केवल निजी सजावट अछि

८२७. मैथिली लोकसाहित्यमे सासुरक अनुभव किएक महत्त्वपूर्ण अछि?

- (A) नववधूक आशंका, संघर्ष, अनुकूलन आ व्यंग्य
- (B) ई सामुदायिक अनुभव नहि, केवल निजी सजावट अछि
- (C) ई लोकजीवनसँ पूर्णतः असंबद्ध विषय अछि
- (D) ई गीत, कथा आ समाजसँ कोनो सम्बन्ध नहि राखैत अछि

८२८. सासुरक अनुभव संबंधमे कोन कथन ठीक अछि?

- (A) नववधूक आशंका, संघर्ष, अनुकूलन आ व्यंग्य
- (B) ई परम्परा नहि, केवल क्षणिक बाजारू खेल अछि
- (C) ई ग्रामीण परिवेशकेँ हटाकऽ बनल कृत्रिम अभ्यास अछि
- (D) ई केवल आधुनिक दफ्तरक नियम-पुस्तक अछि

८२९. सासुरक अनुभव केँ चिन्हबाक मुख्य आधार की अछि?

- (A) ई परम्परा नहि, केवल क्षणिक बाजारू खेल अछि
- (B) ई सामुदायिक अनुभव नहि, केवल निजी सजावट अछि
- (C) नववधूक आशंका, संघर्ष, अनुकूलन आ व्यंग्य
- (D) ई ग्रामीण परिवेशकेँ हटाकऽ बनल कृत्रिम अभ्यास अछि

८३०. जँ प्रश्न सासुरक अनुभव पर हो, त सही उत्तर कोन हएत?

- (A) ई लोकजीवनसँ पूर्णतः असंबद्ध विषय अछि
- (B) नववधूक आशंका, संघर्ष, अनुकूलन आ व्यंग्य
- (C) ई केवल राजदरबारक कर-विवरण मात्र अछि
- (D) ई गीत, कथा आ समाजसँ कोनो सम्बन्ध नहि राखैत अछि

८३१. प्रवासी पतिक गीतक सही अर्थ की अछि?

- (A) ई परम्परा नहि, केवल क्षणिक बाजारू खेल अछि
- (B) परदेश गेल पतिक प्रतीक्षामे स्त्रीक विरह
- (C) ई लोकजीवनसँ पूर्णतः असंबद्ध विषय अछि
- (D) ई केवल छापल ग्रंथक पन्ना-संख्या गिनबाक विधि अछि

८३२. मैथिली लोकसाहित्यमे प्रवासी पतिक गीत किएक महत्त्वपूर्ण अछि?

- (A) ई परम्परा नहि, केवल क्षणिक बाजारू खेल अछि
- (B) ई केवल व्यापारिक हिसाब-किताबक नाम अछि
- (C) परदेश गेल पतिक प्रतीक्षामे स्त्रीक विरह
- (D) ई लोकजीवनसँ पूर्णतः असंबद्ध विषय अछि

८३३. प्रवासी पतिक गीत संबंधमे कोन कथन ठीक अछि?

- (A) ई गीत, कथा आ समाजसँ कोनो सम्बन्ध नहि राखैत अछि
- (B) ई केवल छापल ग्रंथक पन्ना-संख्या गिनबाक विधि अछि
- (C) ई परम्परा नहि, केवल क्षणिक बाजारू खेल अछि
- (D) परदेश गेल पतिक प्रतीक्षामे स्त्रीक विरह

८३४. प्रवासी पतिक गीत केँ चिन्हबाक मुख्य आधार की अछि?

- (A) परदेश गेल पतिक प्रतीक्षामे स्त्रीक विरह
- (B) ई परम्परा नहि, केवल क्षणिक बाजारू खेल अछि
- (C) ई केवल व्यापारिक हिसाब-किताबक नाम अछि
- (D) ई लोकजीवनसँ पूर्णतः असंबद्ध विषय अछि

८३५. जँ प्रश्न प्रवासी पतिक गीत पर हो, त सही उत्तर कोन हएत?

- (A) ई केवल आधुनिक दफ्तरक नियम-पुस्तक अछि
- (B) ई परम्परा नहि, केवल क्षणिक बाजारू खेल अछि
- (C) परदेश गेल पतिक प्रतीक्षामे स्त्रीक विरह
- (D) ई केवल छापल ग्रंथक पन्ना-संख्या गिनबाक विधि अछि

८३६. बेटीक स्वरक सही अर्थ की अछि?

- (A) ई बोली आ स्मृतिसँ अलग, निर्जीव संकेत मात्र अछि
- (B) कन्याक इच्छा, भय, सपन आ परिवारक अपेक्षा
- (C) ई सामुदायिक अनुभव नहि, केवल निजी सजावट अछि
- (D) ई गीत, कथा आ समाजसँ कोनो सम्बन्ध नहि राखैत अछि

८३७. मैथिली लोकसाहित्यमे बेटीक स्वर किएक महत्त्वपूर्ण अछि?

- (A) ई केवल राजदरबारक कर-विवरण मात्र अछि
- (B) ई परम्परा नहि, केवल क्षणिक बाजारू खेल अछि
- (C) ई सामुदायिक अनुभव नहि, केवल निजी सजावट अछि
- (D) कन्याक इच्छा, भय, सपन आ परिवारक अपेक्षा

८३८. बेटीक स्वर संबंधमे कोन कथन ठीक अछि?

- (A) ई केवल व्यापारिक हिसाब-किताबक नाम अछि
- (B) ई केवल राजदरबारक कर-विवरण मात्र अछि
- (C) कन्याक इच्छा, भय, सपन आ परिवारक अपेक्षा
- (D) ई सामुदायिक अनुभव नहि, केवल निजी सजावट अछि

८३९. बेटीक स्वर केँ चिन्हबाक मुख्य आधार की अछि?

- (A) ई केवल आधुनिक दफ्तरक नियम-पुस्तक अछि
- (B) कन्याक इच्छा, भय, सपन आ परिवारक अपेक्षा
- (C) ई बोली आ स्मृतिसँ अलग, निर्जीव संकेत मात्र अछि
- (D) ई गीत, कथा आ समाजसँ कोनो सम्बन्ध नहि राखैत अछि

८४०. जँ प्रश्न बेटीक स्वर पर हो, त सही उत्तर कोन हएत?

- (A) ई बोली आ स्मृतिसँ अलग, निर्जीव संकेत मात्र अछि
- (B) ई केवल राजदरबारक कर-विवरण मात्र अछि
- (C) ई केवल आधुनिक दफ्तरक नियम-पुस्तक अछि
- (D) कन्याक इच्छा, भय, सपन आ परिवारक अपेक्षा

८४१. मातृत्वक सही अर्थ की अछि?

- (A) ई केवल राजदरबारक कर-विवरण मात्र अछि
- (B) लोरी, सोहर आ मंगल गीतमे मातृ-स्नेह
- (C) ई लोकजीवनसँ पूर्णतः असंबद्ध विषय अछि
- (D) ई गीत, कथा आ समाजसँ कोनो सम्बन्ध नहि राखैत अछि

८४२. मैथिली लोकसाहित्यमे मातृत्व किएक महत्त्वपूर्ण अछि?

- (A) ई सामुदायिक अनुभव नहि, केवल निजी सजावट अछि
- (B) ई केवल व्यापारिक हिसाब-किताबक नाम अछि
- (C) ई केवल आधुनिक दफ्तरक नियम-पुस्तक अछि
- (D) लोरी, सोहर आ मंगल गीतमे मातृ-स्नेह

८४३. मातृत्व संबंधमे कोन कथन ठीक अछि?

- (A) ई लोकजीवनसँ पूर्णतः असंबद्ध विषय अछि
- (B) ई बोली आ स्मृतिसँ अलग, निर्जीव संकेत मात्र अछि
- (C) लोरी, सोहर आ मंगल गीतमे मातृ-स्नेह
- (D) ई परम्परा नहि, केवल क्षणिक बाजारू खेल अछि

८४४. मातृत्व केँ चिन्हबाक मुख्य आधार की अछि?

- (A) लोरी, सोहर आ मंगल गीतमे मातृ-स्नेह
- (B) ई गीत, कथा आ समाजसँ कोनो सम्बन्ध नहि राखैत अछि
- (C) ई केवल छापल ग्रंथक पन्ना-संख्या गिनबाक विधि अछि
- (D) ई केवल राजदरबारक कर-विवरण मात्र अछि

८४५. जँ प्रश्न मातृत्व पर हो, त सही उत्तर कोन हएत?

- (A) ई बोली आ स्मृतिसँ अलग, निर्जीव संकेत मात्र अछि
- (B) ई केवल छापल ग्रंथक पन्ना-संख्या गिनबाक विधि अछि
- (C) लोरी, सोहर आ मंगल गीतमे मातृ-स्नेह
- (D) ई केवल व्यापारिक हिसाब-किताबक नाम अछि

८४६. बहिनक ममत्वक सही अर्थ की अछि?

- (A) ई केवल छापल ग्रंथक पन्ना-संख्या गिनबाक विधि अछि
- (B) ई बोली आ स्मृतिसँ अलग, निर्जीव संकेत मात्र अछि
- (C) सामा-चकेबा आ रक्षात्मक गीतमे भाइ लेल शुभकामना
- (D) ई केवल व्यापारिक हिसाब-किताबक नाम अछि

८४७. मैथिली लोकसाहित्यमे बहिनक ममत्व किएक महत्त्वपूर्ण अछि?

- (A) सामा-चकेबा आ रक्षात्मक गीतमे भाइ लेल शुभकामना
- (B) ई केवल छापल ग्रंथक पन्ना-संख्या गिनबाक विधि अछि
- (C) ई ग्रामीण परिवेशकेँ हटाकऽ बनल कृत्रिम अभ्यास अछि
- (D) ई केवल राजदरबारक कर-विवरण मात्र अछि

८४८. बहिनक ममत्व संबंधमे कोन कथन ठीक अछि?

- (A) ई परम्परा नहि, केवल क्षणिक बाजारू खेल अछि
- (B) ई सामुदायिक अनुभव नहि, केवल निजी सजावट अछि
- (C) सामा-चकेबा आ रक्षात्मक गीतमे भाइ लेल शुभकामना
- (D) ई केवल व्यापारिक हिसाब-किताबक नाम अछि

८४९. बहिनक ममत्व केँ चिन्हबाक मुख्य आधार की अछि?

- (A) ई सामुदायिक अनुभव नहि, केवल निजी सजावट अछि
- (B) ई बोली आ स्मृतिसँ अलग, निर्जीव संकेत मात्र अछि
- (C) ई केवल व्यापारिक हिसाब-किताबक नाम अछि
- (D) सामा-चकेबा आ रक्षात्मक गीतमे भाइ लेल शुभकामना

८५०. जँ प्रश्न बहिनक ममत्व पर हो, त सही उत्तर कोन हएत?

- (A) ई लोकजीवनसँ पूर्णतः असंबद्ध विषय अछि
- (B) सामा-चकेबा आ रक्षात्मक गीतमे भाइ लेल शुभकामना
- (C) ई गीत, कथा आ समाजसँ कोनो सम्बन्ध नहि राखैत अछि
- (D) ई परम्परा नहि, केवल क्षणिक बाजारू खेल अछि

८५१. हँसीक प्रतिरोधक सही अर्थ की अछि?

- (A) ई केवल आधुनिक दफ्तरक नियम-पुस्तक अछि
- (B) गारी, डोमकछ आ व्यंग्य द्वारा सामाजिक दबाव पर चोट
- (C) ई परम्परा नहि, केवल क्षणिक बाजारू खेल अछि
- (D) ई ग्रामीण परिवेशकेँ हटाकऽ बनल कृत्रिम अभ्यास अछि

८५२. मैथिली लोकसाहित्यमे हँसीक प्रतिरोध किएक महत्त्वपूर्ण अछि?

- (A) ई परम्परा नहि, केवल क्षणिक बाजारू खेल अछि
- (B) गारी, डोमकछ आ व्यंग्य द्वारा सामाजिक दबाव पर चोट
- (C) ई सामुदायिक अनुभव नहि, केवल निजी सजावट अछि
- (D) ई लोकजीवनसँ पूर्णतः असंबद्ध विषय अछि

८५३. हँसीक प्रतिरोध संबंधमे कोन कथन ठीक अछि?

- (A) ई ग्रामीण परिवेशकेँ हटाकऽ बनल कृत्रिम अभ्यास अछि
- (B) गारी, डोमकछ आ व्यंग्य द्वारा सामाजिक दबाव पर चोट
- (C) ई केवल व्यापारिक हिसाब-किताबक नाम अछि
- (D) ई परम्परा नहि, केवल क्षणिक बाजारू खेल अछि

८५४. हँसीक प्रतिरोध केँ चिन्हबाक मुख्य आधार की अछि?

- (A) गारी, डोमकछ आ व्यंग्य द्वारा सामाजिक दबाव पर चोट
- (B) ई गीत, कथा आ समाजसँ कोनो सम्बन्ध नहि राखैत अछि
- (C) ई परम्परा नहि, केवल क्षणिक बाजारू खेल अछि
- (D) ई ग्रामीण परिवेशकेँ हटाकऽ बनल कृत्रिम अभ्यास अछि

८५५. जँ प्रश्न हँसीक प्रतिरोध पर हो, त सही उत्तर कोन हएत?

- (A) ई केवल राजदरबारक कर-विवरण मात्र अछि
- (B) गारी, डोमकछ आ व्यंग्य द्वारा सामाजिक दबाव पर चोट
- (C) ई परम्परा नहि, केवल क्षणिक बाजारू खेल अछि
- (D) ई केवल आधुनिक दफ्तरक नियम-पुस्तक अछि

८५६. स्त्री-समूहक सही अर्थ की अछि?

- (A) ई केवल आधुनिक दफ्तरक नियम-पुस्तक अछि
- (B) ई केवल व्यापारिक हिसाब-किताबक नाम अछि
- (C) ई केवल छापल ग्रंथक पन्ना-संख्या गिनबाक विधि अछि
- (D) एक संग गाबय, बोलय आ स्मृति बाँटयक सांस्कृतिक मंडली

८५७. मैथिली लोकसाहित्यमे स्त्री-समूह किएक महत्त्वपूर्ण अछि?

- (A) ई गीत, कथा आ समाजसँ कोनो सम्बन्ध नहि राखैत अछि
- (B) ई परम्परा नहि, केवल क्षणिक बाजारू खेल अछि
- (C) एक संग गाबय, बोली आ स्मृति बाँटयक सांस्कृतिक मंडली
- (D) ई केवल छापल ग्रंथक पन्ना-संख्या गिनबाक विधि अछि

८५८. स्त्री-समूह संबंधमे कोन कथन ठीक अछि?

- (A) ई सामुदायिक अनुभव नहि, केवल निजी सजावट अछि
- (B) एक संग गाबय, बोली आ स्मृति बाँटयक सांस्कृतिक मंडली
- (C) ई बोली आ स्मृतिसँ अलग, निर्जीव संकेत मात्र अछि
- (D) ई ग्रामीण परिवेशकेँ हटाकऽ बनल कृत्रिम अभ्यास अछि

८५९. स्त्री-समूह केँ चिन्हबाक मुख्य आधार की अछि?

- (A) एक संग गाबय, बोली आ स्मृति बाँटयक सांस्कृतिक मंडली
- (B) ई केवल व्यापारिक हिसाब-किताबक नाम अछि
- (C) ई ग्रामीण परिवेशकेँ हटाकऽ बनल कृत्रिम अभ्यास अछि
- (D) ई सामुदायिक अनुभव नहि, केवल निजी सजावट अछि

८६०. जँ प्रश्न स्त्री-समूह पर हो, त सही उत्तर कोन हएत?

- (A) ई केवल व्यापारिक हिसाब-किताबक नाम अछि
- (B) एक संग गाबय, बोली आ स्मृति बाँटयक सांस्कृतिक मंडली
- (C) ई बोली आ स्मृतिसँ अलग, निर्जीव संकेत मात्र अछि
- (D) ई परम्परा नहि, केवल क्षणिक बाजारू खेल अछि

८६१. दहेज-पीड़ाक सही अर्थ की अछि?

- (A) विवाह गीतमे आर्थिक दबाव आ सामाजिक आलोचना
- (B) ई ग्रामीण परिवेशकेँ हटाकऽ बनल कृत्रिम अभ्यास अछि
- (C) ई सामुदायिक अनुभव नहि, केवल निजी सजावट अछि
- (D) ई बोली आ स्मृतिसँ अलग, निर्जीव संकेत मात्र अछि

८६२. मैथिली लोकसाहित्यमे दहेज-पीड़ा किएक महत्त्वपूर्ण अछि?

- (A) ई ग्रामीण परिवेशकेँ हटाकऽ बनल कृत्रिम अभ्यास अछि
- (B) ई केवल छापल ग्रंथक पन्ना-संख्या गिनबाक विधि अछि
- (C) विवाह गीतमे आर्थिक दबाव आ सामाजिक आलोचना
- (D) ई केवल आधुनिक दफ्तरक नियम-पुस्तक अछि

८६३. दहेज-पीड़ा संबंधमे कोन कथन ठीक अछि?

- (A) विवाह गीतमे आर्थिक दबाव आ सामाजिक आलोचना
- (B) ई केवल व्यापारिक हिसाब-किताबक नाम अछि
- (C) ई केवल छापल ग्रंथक पन्ना-संख्या गिनबाक विधि अछि
- (D) ई केवल राजदरबारक कर-विवरण मात्र अछि

८६४. दहेज-पीड़ा केँ चिन्हबाक मुख्य आधार की अछि?

- (A) ई केवल राजदरबारक कर-विवरण मात्र अछि
- (B) ई बोली आ स्मृतिसँ अलग, निर्जीव संकेत मात्र अछि
- (C) ई लोकजीवनसँ पूर्णतः असंबद्ध विषय अछि
- (D) विवाह गीतमे आर्थिक दबाव आ सामाजिक आलोचना

८६५. जौ प्रश्न दहेज-पीड़ा पर हो, त सही उत्तर कोन हएत?

- (A) ई केवल आधुनिक दफ्तरक नियम-पुस्तक अछि
- (B) विवाह गीतमे आर्थिक दबाव आ सामाजिक आलोचना
- (C) ई गीत, कथा आ समाजसँ कोनो सम्बन्ध नहि राखैत अछि
- (D) ई ग्रामीण परिवेशकेँ हटाकऽ बनल कृत्रिम अभ्यास अछि

८६६. गरीब कन्याक कथाक सही अर्थ की अछि?

- (A) अभाव, असुरक्षा आ आशाक लोककथात्मक प्रस्तुति
- (B) ई बोली आ स्मृतिसँ अलग, निर्जीव संकेत मात्र अछि
- (C) ई केवल राजदरबारक कर-विवरण मात्र अछि
- (D) ई केवल व्यापारिक हिसाब-किताबक नाम अछि

८६७. मैथिली लोकसाहित्यमे गरीब कन्याक कथा किएक महत्त्वपूर्ण अछि?

- (A) अभाव, असुरक्षा आ आशाक लोककथात्मक प्रस्तुति
- (B) ई केवल राजदरबारक कर-विवरण मात्र अछि
- (C) ई केवल व्यापारिक हिसाब-किताबक नाम अछि
- (D) ई ग्रामीण परिवेशकेँ हटाकऽ बनल कृत्रिम अभ्यास अछि

८६८. गरीब कन्याक कथा संबंधमे कोन कथन ठीक अछि?

- (A) ई केवल राजदरबारक कर-विवरण मात्र अछि
- (B) ई केवल व्यापारिक हिसाब-किताबक नाम अछि
- (C) ई केवल आधुनिक दफ्तरक नियम-पुस्तक अछि
- (D) अभाव, असुरक्षा आ आशाक लोककथात्मक प्रस्तुति

८६९. गरीब कन्याक कथा केँ चिन्हबाक मुख्य आधार की अछि?

- (A) ई लोकजीवनसँ पूर्णतः असंबद्ध विषय अछि
- (B) अभाव, असुरक्षा आ आशाक लोककथात्मक प्रस्तुति
- (C) ई ग्रामीण परिवेशकेँ हटाकऽ बनल कृत्रिम अभ्यास अछि
- (D) ई केवल राजदरबारक कर-विवरण मात्र अछि

८७०. जौ प्रश्न गरीब कन्याक कथा पर हो, त सही उत्तर कोन हएत?

- (A) ई लोकजीवनसँ पूर्णतः असंबद्ध विषय अछि
- (B) ई केवल व्यापारिक हिसाब-किताबक नाम अछि
- (C) ई केवल आधुनिक दफ्तरक नियम-पुस्तक अछि
- (D) अभाव, असुरक्षा आ आशाक लोककथात्मक प्रस्तुति

८७१. सामाजिक व्यथाक सही अर्थ की अछि?

- (A) ई परम्परा नहि, केवल क्षणिक बाजारू खेल अछि
- (B) व्यक्तिगत दुखकेँ सामूहिक गानमे बदलि देब
- (C) ई केवल राजदरबारक कर-विवरण मात्र अछि
- (D) ई केवल आधुनिक दफ्तरक नियम-पुस्तक अछि

८७२. मैथिली लोकसाहित्यमे सामाजिक व्यथा किएक महत्त्वपूर्ण अछि?

- (A) व्यक्तिगत दुखकेँ सामूहिक गानमे बदलि देब
- (B) ई केवल छापल ग्रंथक पन्ना-संख्या गिनबाक विधि अछि
- (C) ई लोकजीवनसँ पूर्णतः असंबद्ध विषय अछि
- (D) ई केवल व्यापारिक हिसाब-किताबक नाम अछि

८७३. सामाजिक व्यथा संबंधमे कोन कथन ठीक अछि?

- (A) ई परम्परा नहि, केवल क्षणिक बाजारू खेल अछि
- (B) ई ग्रामीण परिवेशकेँ हटाकऽ बनल कृत्रिम अभ्यास अछि
- (C) व्यक्तिगत दुखकेँ सामूहिक गानमे बदलि देब
- (D) ई केवल छापल ग्रंथक पन्ना-संख्या गिनबाक विधि अछि

८७४. सामाजिक व्यथा केँ चिन्हबाक मुख्य आधार की अछि?

- (A) ई लोकजीवनसँ पूर्णतः असंबद्ध विषय अछि
- (B) ई केवल छापल ग्रंथक पन्ना-संख्या गिनबाक विधि अछि
- (C) व्यक्तिगत दुखकेँ सामूहिक गानमे बदलि देब
- (D) ई केवल व्यापारिक हिसाब-किताबक नाम अछि

८७५. जँ प्रश्न सामाजिक व्यथा पर हो, त सही उत्तर कोन हएत?

- (A) ई केवल आधुनिक दफ्तरक नियम-पुस्तक अछि
- (B) ई केवल छापल ग्रंथक पन्ना-संख्या गिनबाक विधि अछि
- (C) व्यक्तिगत दुखकेँ सामूहिक गानमे बदलि देब
- (D) ई बोली आ स्मृतिसँ अलग, निर्जीव संकेत मात्र अछि

८७६. स्त्रीक लोकज्ञानक सही अर्थ की अछि?

- (A) ई परम्परा नहि, केवल क्षणिक बाजारू खेल अछि
- (B) ई गीत, कथा आ समाजसँ कोनो सम्बन्ध नहि राखैत अछि
- (C) ई केवल आधुनिक दफ्तरक नियम-पुस्तक अछि
- (D) संस्कार, औषधि, रीति, गीत आ स्मृति राखबाक भूमिका

८७७. मैथिली लोकसाहित्यमे स्त्रीक लोकज्ञान किएक महत्त्वपूर्ण अछि?

- (A) ई केवल छापल ग्रंथक पन्ना-संख्या गिनबाक विधि अछि
- (B) संस्कार, औषधि, रीति, गीत आ स्मृति राखबाक भूमिका
- (C) ई सामुदायिक अनुभव नहि, केवल निजी सजावट अछि
- (D) ई केवल व्यापारिक हिसाब-किताबक नाम अछि

८७८. स्त्रीक लोकज्ञान संबंधमे कोन कथन ठीक अछि?

- (A) ई गीत, कथा आ समाजसँ कोनो सम्बन्ध नहि राखैत अछि
- (B) ई सामुदायिक अनुभव नहि, केवल निजी सजावट अछि
- (C) ई केवल आधुनिक दफ्तरक नियम-पुस्तक अछि
- (D) संस्कार, औषधि, रीति, गीत आ स्मृति राखबाक भूमिका

८७९. स्त्रीक लोकज्ञान केँ चिन्हबाक मुख्य आधार की अछि?

- (A) ई केवल छापल ग्रंथक पन्ना-संख्या गिनबाक विधि अछि
- (B) संस्कार, औषधि, रीति, गीत आ स्मृति राखबाक भूमिका
- (C) ई परम्परा नहि, केवल क्षणिक बाजारू खेल अछि
- (D) ई केवल व्यापारिक हिसाब-किताबक नाम अछि

८८०. जँ प्रश्न स्त्रीक लोकज्ञान पर हो, त सही उत्तर कोन हएत?

- (A) ई केवल व्यापारिक हिसाब-किताबक नाम अछि
- (B) ई लोकजीवनसँ पूर्णतः असंबद्ध विषय अछि
- (C) संस्कार, औषधि, रीति, गीत आ स्मृति राखबाक भूमिका
- (D) ई केवल आधुनिक दफ्तरक नियम-पुस्तक अछि

८८१. घरेलू श्रमक सही अर्थ की अछि?

- (A) चूल्हा, जाँत, पानी, चरखा, बच्चा आ खेतक दोहरा बोझ
- (B) ई परम्परा नहि, केवल क्षणिक बाजारू खेल अछि
- (C) ई सामुदायिक अनुभव नहि, केवल निजी सजावट अछि
- (D) ई ग्रामीण परिवेशकेँ हटाकऽ बनल कृत्रिम अभ्यास अछि

८८२. मैथिली लोकसाहित्यमे घरेलू श्रम किएक महत्त्वपूर्ण अछि?

- (A) चूल्हा, जाँत, पानी, चरखा, बच्चा आ खेतक दोहरा बोझ
- (B) ई केवल राजदरबारक कर-विवरण मात्र अछि
- (C) ई परम्परा नहि, केवल क्षणिक बाजारू खेल अछि
- (D) ई लोकजीवनसँ पूर्णतः असंबद्ध विषय अछि

८८३. घरेलू श्रम संबंधमे कोन कथन ठीक अछि?

- (A) चूल्हा, जाँत, पानी, चरखा, बच्चा आ खेतक दोहरा बोझ
- (B) ई परम्परा नहि, केवल क्षणिक बाजारू खेल अछि
- (C) ई केवल आधुनिक दफ्तरक नियम-पुस्तक अछि
- (D) ई लोकजीवनसँ पूर्णतः असंबद्ध विषय अछि

८८४. घरेलू श्रम केँ चिन्हबाक मुख्य आधार की अछि?

- (A) ई गीत, कथा आ समाजसँ कोनो सम्बन्ध नहि राखैत अछि
- (B) चूल्हा, जाँत, पानी, चरखा, बच्चा आ खेतक दोहरा बोझ
- (C) ई लोकजीवनसँ पूर्णतः असंबद्ध विषय अछि
- (D) ई बोली आ स्मृतिसँ अलग, निर्जीव संकेत मात्र अछि

८८५. जँ प्रश्न घरेलू श्रम पर हो, त सही उत्तर कोन हएत?

- (A) चूल्हा, जाँत, पानी, चरखा, बच्चा आ खेतक दोहरा बोझ
- (B) ई गीत, कथा आ समाजसँ कोनो सम्बन्ध नहि राखैत अछि
- (C) ई केवल आधुनिक दफ्तरक नियम-पुस्तक अछि
- (D) ई सामुदायिक अनुभव नहि, केवल निजी सजावट अछि

८८६. मर्यादा आ इच्छाक सही अर्थ की अछि?

- (A) ई परम्परा नहि, केवल क्षणिक बाजारू खेल अछि
- (B) समाजक नियम आ व्यक्तिगत चाहक बीचक द्वन्द्व
- (C) ई केवल राजदरबारक कर-विवरण मात्र अछि
- (D) ई बोली आ स्मृतिसँ अलग, निर्जीव संकेत मात्र अछि

८८७. मैथिली लोकसाहित्यमे मर्यादा आ इच्छा किएक महत्त्वपूर्ण अछि?

- (A) ई ग्रामीण परिवेशकेँ हटाकऽ बनल कृत्रिम अभ्यास अछि
- (B) ई केवल व्यापारिक हिसाब-किताबक नाम अछि
- (C) ई बोली आ स्मृतिसँ अलग, निर्जीव संकेत मात्र अछि
- (D) समाजक नियम आ व्यक्तिगत चाहक बीचक द्वन्द्व

८८८. मर्यादा आ इच्छा संबंधमे कोन कथन ठीक अछि?

- (A) ई केवल राजदरबारक कर-विवरण मात्र अछि
- (B) ई परम्परा नहि, केवल क्षणिक बाजारू खेल अछि
- (C) ई गीत, कथा आ समाजसँ कोनो सम्बन्ध नहि राखैत अछि
- (D) समाजक नियम आ व्यक्तिगत चाहक बीचक द्वन्द्व

८८९. मर्यादा आ इच्छा केँ चिन्हबाक मुख्य आधार की अछि?

- (A) ई केवल छापल ग्रंथक पन्ना-संख्या गिनबाक विधि अछि
- (B) ई केवल आधुनिक दफ्तरक नियम-पुस्तक अछि
- (C) ई केवल व्यापारिक हिसाब-किताबक नाम अछि
- (D) समाजक नियम आ व्यक्तिगत चाहक बीचक द्वन्द्व

८९०. जँ प्रश्न मर्यादा आ इच्छा पर हो, त सही उत्तर कोन हएत?

- (A) ई केवल राजदरबारक कर-विवरण मात्र अछि
- (B) ई ग्रामीण परिवेशकेँ हटाकऽ बनल कृत्रिम अभ्यास अछि
- (C) समाजक नियम आ व्यक्तिगत चाहक बीचक द्वन्द्व
- (D) ई केवल व्यापारिक हिसाब-किताबक नाम अछि

८९१. मिथिला स्त्री-संस्कृतिक सही अर्थ की अछि?

- (A) ई गीत, कथा आ समाजसँ कोनो सम्बन्ध नहि राखैत अछि
- (B) ई केवल व्यापारिक हिसाब-किताबक नाम अछि
- (C) ई केवल राजदरबारक कर-विवरण मात्र अछि
- (D) गीत, अरिपन, व्रत आ कथा द्वारा सृजनशील उपस्थिति

८९२. मैथिली लोकसाहित्यमे मिथिला स्त्री-संस्कृति किएक महत्त्वपूर्ण अछि?

- (A) ई केवल छापल ग्रंथक पन्ना-संख्या गिनबाक विधि अछि
- (B) ई केवल व्यापारिक हिसाब-किताबक नाम अछि
- (C) गीत, अरिपन, व्रत आ कथा द्वारा सृजनशील उपस्थिति
- (D) ई सामुदायिक अनुभव नहि, केवल निजी सजावट अछि

८९३. मिथिला स्त्री-संस्कृति संबंधमे कोन कथन ठीक अछि?

- (A) ई बोली आ स्मृतिसँ अलग, निर्जीव संकेत मात्र अछि
- (B) ई सामुदायिक अनुभव नहि, केवल निजी सजावट अछि
- (C) गीत, अरिपन, व्रत आ कथा द्वारा सृजनशील उपस्थिति
- (D) ई ग्रामीण परिवेशकेँ हटाकऽ बनल कृत्रिम अभ्यास अछि

८९४. मिथिला स्त्री-संस्कृति केँ चिन्हबाक मुख्य आधार की अछि?

- (A) गीत, अरिपन, व्रत आ कथा द्वारा सृजनशील उपस्थिति
- (B) ई केवल आधुनिक दफ्तरक नियम-पुस्तक अछि
- (C) ई ग्रामीण परिवेशकेँ हटाकऽ बनल कृत्रिम अभ्यास अछि
- (D) ई सामुदायिक अनुभव नहि, केवल निजी सजावट अछि

८९५. जँ प्रश्न मिथिला स्त्री-संस्कृति पर हो, त सही उत्तर कोन हएत?

- (A) गीत, अरिपन, व्रत आ कथा द्वारा सृजनशील उपस्थिति
- (B) ई केवल राजदरबारक कर-विवरण मात्र अछि
- (C) ई केवल आधुनिक दफ्तरक नियम-पुस्तक अछि
- (D) ई बोली आ स्मृतिसँ अलग, निर्जीव संकेत मात्र अछि

८९६. आलोचनात्मक अध्ययनक सही अर्थ की अछि?

- (A) ई सामुदायिक अनुभव नहि, केवल निजी सजावट अछि
- (B) लोकगीतमे स्त्री-स्वरकेँ केवल भावुकता नहि, सामाजिक पाठ रूपेँ पढ़ब
- (C) ई गीत, कथा आ समाजसँ कोनो सम्बन्ध नहि राखैत अछि
- (D) ई बोली आ स्मृतिसँ अलग, निर्जीव संकेत मात्र अछि

८९७. मैथिली लोकसाहित्यमे आलोचनात्मक अध्ययन किएक महत्त्वपूर्ण अछि?

- (A) ई बोली आ स्मृतिसँ अलग, निर्जीव संकेत मात्र अछि
- (B) ई ग्रामीण परिवेशकेँ हटाकऽ बनल कृत्रिम अभ्यास अछि
- (C) लोकगीतमे स्त्री-स्वरकेँ केवल भावुकता नहि, सामाजिक पाठ रूपेँ पढ़ब
- (D) ई लोकजीवनसँ पूर्णतः असंबद्ध विषय अछि

८९८. आलोचनात्मक अध्ययन संबंधमे कोन कथन ठीक अछि?

- (A) ई केवल छापल ग्रंथक पन्ना-संख्या गिनबाक विधि अछि
- (B) ई केवल आधुनिक दफ्तरक नियम-पुस्तक अछि
- (C) लोकगीतमे स्त्री-स्वरकेँ केवल भावुकता नहि, सामाजिक पाठ रूपेँ पढ़ब
- (D) ई केवल व्यापारिक हिसाब-किताबक नाम अछि

८९९. आलोचनात्मक अध्ययन केँ चिन्हबाक मुख्य आधार की अछि?

- (A) ई केवल व्यापारिक हिसाब-किताबक नाम अछि
- (B) लोकगीतमे स्त्री-स्वरकेँ केवल भावुकता नहि, सामाजिक पाठ रूपेँ पढ़ब
- (C) ई ग्रामीण परिवेशकेँ हटाकऽ बनल कृत्रिम अभ्यास अछि
- (D) ई बोली आ स्मृतिसँ अलग, निर्जीव संकेत मात्र अछि

९००. जँ प्रश्न आलोचनात्मक अध्ययन पर हो, त सही उत्तर कोन हएत?

- (A) ई बोली आ स्मृतिसँ अलग, निर्जीव संकेत मात्र अछि
- (B) लोकगीतमे स्त्री-स्वरकेँ केवल भावुकता नहि, सामाजिक पाठ रूपेँ पढ़ब
- (C) ई केवल छापल ग्रंथक पन्ना-संख्या गिनबाक विधि अछि
- (D) ई केवल व्यापारिक हिसाब-किताबक नाम अछि

संरक्षण, अध्ययन आ आधुनिक सन्दर्भ

९०१. मैदानी संकलनक सही अर्थ की अछि?

- (A) ई लोकजीवनसँ पूर्णतः असंबद्ध विषय अछि
- (B) ई केवल आधुनिक दफ्तरक नियम-पुस्तक अछि
- (C) ई केवल छापल ग्रंथक पन्ना-संख्या गिनबाक विधि अछि
- (D) गाममे जा कऽ गेनिहार, कथावाचक आ प्रसंगसहित सामग्री जुटायब

९०२. मैथिली लोकसाहित्यमे मैदानी संकलन किएक महत्त्वपूर्ण अछि?

- (A) ई परम्परा नहि, केवल क्षणिक बाजारू खेल अछि
- (B) ई केवल आधुनिक दफ्तरक नियम-पुस्तक अछि
- (C) गाममे जा कऽ गेनिहार, कथावाचक आ प्रसंगसहित सामग्री जुटायब
- (D) ई गीत, कथा आ समाजसँ कोनो सम्बन्ध नहि राखैत अछि

९०३. मैदानी संकलन संबंधमे कोन कथन ठीक अछि?

- (A) ई केवल छापल ग्रंथक पन्ना-संख्या गिनबाक विधि अछि
- (B) ई लोकजीवनसँ पूर्णतः असंबद्ध विषय अछि
- (C) ई केवल आधुनिक दफ्तरक नियम-पुस्तक अछि
- (D) गाममे जा कऽ गेनिहार, कथावाचक आ प्रसंगसहित सामग्री जुटायब

९०४. मैदानी संकलन केँ चिन्हबाक मुख्य आधार की अछि?

- (A) ई केवल व्यापारिक हिसाब-किताबक नाम अछि
- (B) ई केवल छापल ग्रंथक पन्ना-संख्या गिनबाक विधि अछि
- (C) गाममे जा कऽ गेनिहार, कथावाचक आ प्रसंगसहित सामग्री जुटायब
- (D) ई केवल आधुनिक दफ्तरक नियम-पुस्तक अछि

९०५. जँ प्रश्न मैदानी संकलन पर हो, त सही उत्तर कोन हएत?

- (A) गाममे जा कऽ गेनिहार, कथावाचक आ प्रसंगसहित सामग्री जुटावब
- (B) ई लोकजीवनसँ पूर्णतः असंबद्ध विषय अछि
- (C) ई परम्परा नहि, केवल क्षणिक बाजारू खेल अछि
- (D) ई केवल छापल ग्रंथक पन्ना-संख्या गिनबाक विधि अछि

९०६. ध्वनि-अभिलेखनक सही अर्थ की अछि?

- (A) ई लोकजीवनसँ पूर्णतः असंबद्ध विषय अछि
- (B) ई गीत, कथा आ समाजसँ कोनो सम्बन्ध नहि राखैत अछि
- (C) गीत आ कथा केँ आवाज सहित सुरक्षित करब
- (D) ई बोली आ स्मृतिसँ अलग, निर्जीव संकेत मात्र अछि

९०७. मैथिली लोकसाहित्यमे ध्वनि-अभिलेखन किएक महत्त्वपूर्ण अछि?

- (A) गीत आ कथा केँ आवाज सहित सुरक्षित करब
- (B) ई लोकजीवनसँ पूर्णतः असंबद्ध विषय अछि
- (C) ई केवल आधुनिक दफ्तरक नियम-पुस्तक अछि
- (D) ई केवल छापल ग्रंथक पन्ना-संख्या गिनबाक विधि अछि

९०८. ध्वनि-अभिलेखन संबंधमे कोन कथन ठीक अछि?

- (A) ई केवल व्यापारिक हिसाब-किताबक नाम अछि
- (B) ई लोकजीवनसँ पूर्णतः असंबद्ध विषय अछि
- (C) गीत आ कथा केँ आवाज सहित सुरक्षित करब
- (D) ई सामुदायिक अनुभव नहि, केवल निजी सजावट अछि

९०९. ध्वनि-अभिलेखन केँ चिन्हबाक मुख्य आधार की अछि?

- (A) ई गीत, कथा आ समाजसँ कोनो सम्बन्ध नहि राखैत अछि
- (B) गीत आ कथा केँ आवाज सहित सुरक्षित करब
- (C) ई केवल व्यापारिक हिसाब-किताबक नाम अछि
- (D) ई परम्परा नहि, केवल क्षणिक बाजारू खेल अछि

९१०. जँ प्रश्न ध्वनि-अभिलेखन पर हो, त सही उत्तर कोन हएत?

- (A) गीत आ कथा केँ आवाज सहित सुरक्षित करब
- (B) ई सामुदायिक अनुभव नहि, केवल निजी सजावट अछि
- (C) ई केवल व्यापारिक हिसाब-किताबक नाम अछि
- (D) ई परम्परा नहि, केवल क्षणिक बाजारू खेल अछि

९११. दृश्य-अभिलेखनक सही अर्थ की अछि?

- (A) ई केवल व्यापारिक हिसाब-किताबक नाम अछि
- (B) ई लोकजीवनसँ पूर्णतः असंबद्ध विषय अछि
- (C) नाच, अभिनय, वेशभूषा आ रीति केँ चित्र/चलचित्रमे सुरक्षित करब
- (D) ई केवल छापल ग्रंथक पन्ना-संख्या गिनबाक विधि अछि

९१२. मैथिली लोकसाहित्यमे दृश्य-अभिलेखन किएक महत्त्वपूर्ण अछि?

- (A) ई केवल आधुनिक दफ्तरक नियम-पुस्तक अछि
- (B) ई केवल राजदरबारक कर-विवरण मात्र अछि
- (C) ई परम्परा नहि, केवल क्षणिक बाजारू खेल अछि
- (D) नाच, अभिनय, वेशभूषा आ रीति केँ चित्र/चलचित्रमे सुरक्षित करब

११३. दृश्य-अभिलेखन संबंधमे कोन कथन ठीक अछि?

- (A) ई लोकजीवनसँ पूर्णतः असंबद्ध विषय अछि
- (B) नाच, अभिनय, वेशभूषा आ रीति केँ चित्र/चलचित्रमे सुरक्षित करब
- (C) ई ग्रामीण परिवेशकेँ हटाकऽ बनल कृत्रिम अभ्यास अछि
- (D) ई केवल आधुनिक दफ्तरक नियम-पुस्तक अछि

११४. दृश्य-अभिलेखन केँ चिन्हबाक मुख्य आधार की अछि?

- (A) ई ग्रामीण परिवेशकेँ हटाकऽ बनल कृत्रिम अभ्यास अछि
- (B) ई लोकजीवनसँ पूर्णतः असंबद्ध विषय अछि
- (C) ई केवल आधुनिक दफ्तरक नियम-पुस्तक अछि
- (D) नाच, अभिनय, वेशभूषा आ रीति केँ चित्र/चलचित्रमे सुरक्षित करब

११५. जँ प्रश्न दृश्य-अभिलेखन पर हो, त सही उत्तर कोन हएत?

- (A) ई गीत, कथा आ समाजसँ कोनो सम्बन्ध नहि राखैत अछि
- (B) ई केवल छापल ग्रंथक पन्ना-संख्या गिनबाक विधि अछि
- (C) ई सामुदायिक अनुभव नहि, केवल निजी सजावट अछि
- (D) नाच, अभिनय, वेशभूषा आ रीति केँ चित्र/चलचित्रमे सुरक्षित करब

११६. अनुमतिक सही अर्थ की अछि?

- (A) ई केवल छापल ग्रंथक पन्ना-संख्या गिनबाक विधि अछि
- (B) गेनिहार वा कथावाचकक सहमति लऽ कऽ अभिलेखन करब
- (C) ई परम्परा नहि, केवल क्षणिक बाजारू खेल अछि
- (D) ई सामुदायिक अनुभव नहि, केवल निजी सजावट अछि

११७. मैथिली लोकसाहित्यमे अनुमति किएक महत्त्वपूर्ण अछि?

- (A) ई केवल छापल ग्रंथक पन्ना-संख्या गिनबाक विधि अछि
- (B) ई ग्रामीण परिवेशकेँ हटाकऽ बनल कृत्रिम अभ्यास अछि
- (C) ई लोकजीवनसँ पूर्णतः असंबद्ध विषय अछि
- (D) गेनिहार वा कथावाचकक सहमति लऽ कऽ अभिलेखन करब

११८. अनुमति संबंधमे कोन कथन ठीक अछि?

- (A) ई केवल व्यापारिक हिसाब-किताबक नाम अछि
- (B) गेनिहार वा कथावाचकक सहमति लऽ कऽ अभिलेखन करब
- (C) ई केवल छापल ग्रंथक पन्ना-संख्या गिनबाक विधि अछि
- (D) ई गीत, कथा आ समाजसँ कोनो सम्बन्ध नहि राखैत अछि

११९. अनुमति केँ चिन्हबाक मुख्य आधार की अछि?

- (A) गेनिहार वा कथावाचकक सहमति लऽ कऽ अभिलेखन करब
- (B) ई केवल व्यापारिक हिसाब-किताबक नाम अछि
- (C) ई बोली आ स्मृतिसँ अलग, निर्जीव संकेत मात्र अछि
- (D) ई परम्परा नहि, केवल क्षणिक बाजारू खेल अछि

१२०. जँ प्रश्न अनुमति पर हो, त सही उत्तर कोन हएत?

- (A) गेनिहार वा कथावाचकक सहमति लऽ कऽ अभिलेखन करब
- (B) ई केवल आधुनिक दफ्तरक नियम-पुस्तक अछि
- (C) ई परम्परा नहि, केवल क्षणिक बाजारू खेल अछि
- (D) ई लोकजीवनसँ पूर्णतः असंबद्ध विषय अछि

९२१. सन्दर्भ-लेखनक सही अर्थ की अछि?

- (A) ई बोली आ स्मृतिसँ अलग, निर्जीव संकेत मात्र अछि
- (B) ई परम्परा नहि, केवल क्षणिक बाजारू खेल अछि
- (C) ई केवल छापल ग्रंथक पन्ना-संख्या गिनबाक विधि अछि
- (D) गाम, तिथि, अवसर, गेनिहार आ परिस्थिति नोट करब

९२२. मैथिली लोकसाहित्यमे सन्दर्भ-लेखन किएक महत्त्वपूर्ण अछि?

- (A) गाम, तिथि, अवसर, गेनिहार आ परिस्थिति नोट करब
- (B) ई परम्परा नहि, केवल क्षणिक बाजारू खेल अछि
- (C) ई केवल राजदरबारक कर-विवरण मात्र अछि
- (D) ई गीत, कथा आ समाजसँ कोनो सम्बन्ध नहि राखैत अछि

९२३. सन्दर्भ-लेखन संबंधमे कोन कथन ठीक अछि?

- (A) ई ग्रामीण परिवेशकेँ हटाकऽ बनल कृत्रिम अभ्यास अछि
- (B) गाम, तिथि, अवसर, गेनिहार आ परिस्थिति नोट करब
- (C) ई लोकजीवनसँ पूर्णतः असंबद्ध विषय अछि
- (D) ई केवल छापल ग्रंथक पन्ना-संख्या गिनबाक विधि अछि

९२४. सन्दर्भ-लेखन केँ चिन्हबाक मुख्य आधार की अछि?

- (A) गाम, तिथि, अवसर, गेनिहार आ परिस्थिति नोट करब
- (B) ई सामुदायिक अनुभव नहि, केवल निजी सजावट अछि
- (C) ई केवल व्यापारिक हिसाब-किताबक नाम अछि
- (D) ई ग्रामीण परिवेशकेँ हटाकऽ बनल कृत्रिम अभ्यास अछि

९२५. जँ प्रश्न सन्दर्भ-लेखन पर हो, त सही उत्तर कोन हएत?

- (A) ई परम्परा नहि, केवल क्षणिक बाजारू खेल अछि
- (B) गाम, तिथि, अवसर, गेनिहार आ परिस्थिति नोट करब
- (C) ई गीत, कथा आ समाजसँ कोनो सम्बन्ध नहि राखैत अछि
- (D) ई ग्रामीण परिवेशकेँ हटाकऽ बनल कृत्रिम अभ्यास अछि

९२६. रूपांतरक सम्मानक सही अर्थ की अछि?

- (A) ई बोली आ स्मृतिसँ अलग, निर्जीव संकेत मात्र अछि
- (B) ई परम्परा नहि, केवल क्षणिक बाजारू खेल अछि
- (C) अलग-अलग गामक अलग पाठकेँ गलती नहि मानब
- (D) ई केवल छापल ग्रंथक पन्ना-संख्या गिनबाक विधि अछि

९२७. मैथिली लोकसाहित्यमे रूपांतरक सम्मान किएक महत्त्वपूर्ण अछि?

- (A) ई लोकजीवनसँ पूर्णतः असंबद्ध विषय अछि
- (B) ई परम्परा नहि, केवल क्षणिक बाजारू खेल अछि
- (C) ई केवल राजदरबारक कर-विवरण मात्र अछि
- (D) अलग-अलग गामक अलग पाठकेँ गलती नहि मानब

९२८. रूपांतरक सम्मान संबंधमे कोन कथन ठीक अछि?

- (A) ई केवल व्यापारिक हिसाब-किताबक नाम अछि
- (B) ई परम्परा नहि, केवल क्षणिक बाजारू खेल अछि
- (C) ई केवल आधुनिक दफ्तरक नियम-पुस्तक अछि
- (D) अलग-अलग गामक अलग पाठकेँ गलती नहि मानब

९२९. रूपांतरक सम्मान के चिन्हबाक मुख्य आधार की अछि?

- (A) ई ग्रामीण परिवेशकेँ हटाकऽ बनल कृत्रिम अभ्यास अछि
- (B) ई केवल आधुनिक दफ्तरक नियम-पुस्तक अछि
- (C) अलग-अलग गामक अलग पाठकेँ गलती नहि मानब
- (D) ई केवल छापल ग्रंथक पन्ना-संख्या गिनबाक विधि अछि

९३०. जेँ प्रश्न रूपांतरक सम्मान पर हो, त सही उत्तर कोन हएत?

- (A) ई केवल राजदरबारक कर-विवरण मात्र अछि
- (B) ई लोकजीवनसँ पूर्णतः असंबद्ध विषय अछि
- (C) ई परम्परा नहि, केवल क्षणिक बाजारू खेल अछि
- (D) अलग-अलग गामक अलग पाठकेँ गलती नहि मानब

९३१. विद्यालयी उपयोगक सही अर्थ की अछि?

- (A) ई केवल राजदरबारक कर-विवरण मात्र अछि
- (B) ई परम्परा नहि, केवल क्षणिक बाजारू खेल अछि
- (C) ई बोली आ स्मृतिसँ अलग, निर्जीव संकेत मात्र अछि
- (D) बाल-बालिकाकेँ लोकगीत, कथा आ कहावतसँ अपन भाषा सिखायब

९३२. मैथिली लोकसाहित्यमे विद्यालयी उपयोग किएक महत्त्वपूर्ण अछि?

- (A) ई केवल आधुनिक दफ्तरक नियम-पुस्तक अछि
- (B) ई केवल व्यापारिक हिसाब-किताबक नाम अछि
- (C) ई बोली आ स्मृतिसँ अलग, निर्जीव संकेत मात्र अछि
- (D) बाल-बालिकाकेँ लोकगीत, कथा आ कहावतसँ अपन भाषा सिखायब

९३३. विद्यालयी उपयोग संबंधमे कोन कथन ठीक अछि?

- (A) ई सामुदायिक अनुभव नहि, केवल निजी सजावट अछि
- (B) ई केवल छापल ग्रंथक पन्ना-संख्या गिनबाक विधि अछि
- (C) ई केवल व्यापारिक हिसाब-किताबक नाम अछि
- (D) बाल-बालिकाकेँ लोकगीत, कथा आ कहावतसँ अपन भाषा सिखायब

९३४. विद्यालयी उपयोग केँ चिन्हबाक मुख्य आधार की अछि?

- (A) बाल-बालिकाकेँ लोकगीत, कथा आ कहावतसँ अपन भाषा सिखायब
- (B) ई लोकजीवनसँ पूर्णतः असंबद्ध विषय अछि
- (C) ई सामुदायिक अनुभव नहि, केवल निजी सजावट अछि
- (D) ई गीत, कथा आ समाजसँ कोनो सम्बन्ध नहि राखैत अछि

९३५. जेँ प्रश्न विद्यालयी उपयोग पर हो, त सही उत्तर कोन हएत?

- (A) ई गीत, कथा आ समाजसँ कोनो सम्बन्ध नहि राखैत अछि
- (B) ई केवल राजदरबारक कर-विवरण मात्र अछि
- (C) ई ग्रामीण परिवेशकेँ हटाकऽ बनल कृत्रिम अभ्यास अछि
- (D) बाल-बालिकाकेँ लोकगीत, कथा आ कहावतसँ अपन भाषा सिखायब

९३६. डिजिटल संग्रहक सही अर्थ की अछि?

- (A) ई बोली आ स्मृतिसँ अलग, निर्जीव संकेत मात्र अछि
- (B) ई ग्रामीण परिवेशकेँ हटाकऽ बनल कृत्रिम अभ्यास अछि
- (C) ऑनलाइन अभिलेखमे गीत, कथा, चित्र आ सूचना सुरक्षित करब
- (D) ई केवल आधुनिक दफ्तरक नियम-पुस्तक अछि

९३७. मैथिली लोकसाहित्यमे डिजिटल संग्रह किएक महत्त्वपूर्ण अछि?

- (A) ई ग्रामीण परिवेशकेँ हटाकऽ बनल कृत्रिम अभ्यास अछि
- (B) ई सामुदायिक अनुभव नहि, केवल निजी सजावट अछि
- (C) ई केवल राजदरबारक कर-विवरण मात्र अछि
- (D) ऑनलाइन अभिलेखमे गीत, कथा, चित्र आ सूचना सुरक्षित करब

९३८. डिजिटल संग्रह संबंधमे कोन कथन ठीक अछि?

- (A) ई ग्रामीण परिवेशकेँ हटाकऽ बनल कृत्रिम अभ्यास अछि
- (B) ई गीत, कथा आ समाजसँ कोनो सम्बन्ध नहि राखैत अछि
- (C) ई केवल राजदरबारक कर-विवरण मात्र अछि
- (D) ऑनलाइन अभिलेखमे गीत, कथा, चित्र आ सूचना सुरक्षित करब

९३९. डिजिटल संग्रह केँ चिन्हबाक मुख्य आधार की अछि?

- (A) ई गीत, कथा आ समाजसँ कोनो सम्बन्ध नहि राखैत अछि
- (B) ई परम्परा नहि, केवल क्षणिक बाजारू खेल अछि
- (C) ऑनलाइन अभिलेखमे गीत, कथा, चित्र आ सूचना सुरक्षित करब
- (D) ई केवल राजदरबारक कर-विवरण मात्र अछि

९४०. जँ प्रश्न डिजिटल संग्रह पर हो, त सही उत्तर कोन हएत?

- (A) ई केवल राजदरबारक कर-विवरण मात्र अछि
- (B) ऑनलाइन अभिलेखमे गीत, कथा, चित्र आ सूचना सुरक्षित करब
- (C) ई केवल व्यापारिक हिसाब-किताबक नाम अछि
- (D) ई सामुदायिक अनुभव नहि, केवल निजी सजावट अछि

९४१. समुदायक अधिकारक सही अर्थ की अछि?

- (A) ई लोकजीवनसँ पूर्णतः असंबद्ध विषय अछि
- (B) ई केवल व्यापारिक हिसाब-किताबक नाम अछि
- (C) लोककलाकार आ समुदायकेँ श्रेय आ सम्मान देब
- (D) ई केवल छापल ग्रंथक पन्ना-संख्या गिनबाक विधि अछि

९४२. मैथिली लोकसाहित्यमे समुदायक अधिकार किएक महत्त्वपूर्ण अछि?

- (A) ई केवल राजदरबारक कर-विवरण मात्र अछि
- (B) ई गीत, कथा आ समाजसँ कोनो सम्बन्ध नहि राखैत अछि
- (C) लोककलाकार आ समुदायकेँ श्रेय आ सम्मान देब
- (D) ई परम्परा नहि, केवल क्षणिक बाजारू खेल अछि

९४३. समुदायक अधिकार संबंधमे कोन कथन ठीक अछि?

- (A) लोककलाकार आ समुदायकेँ श्रेय आ सम्मान देब
- (B) ई गीत, कथा आ समाजसँ कोनो सम्बन्ध नहि राखैत अछि
- (C) ई केवल व्यापारिक हिसाब-किताबक नाम अछि
- (D) ई केवल आधुनिक दफ्तरक नियम-पुस्तक अछि

९४४. समुदायक अधिकार केँ चिन्हबाक मुख्य आधार की अछि?

- (A) ई लोकजीवनसँ पूर्णतः असंबद्ध विषय अछि
- (B) ई बोली आ स्मृतिसँ अलग, निर्जीव संकेत मात्र अछि
- (C) ई परम्परा नहि, केवल क्षणिक बाजारू खेल अछि
- (D) लोककलाकार आ समुदायकेँ श्रेय आ सम्मान देब

१४५. जौ प्रश्न समुदायक अधिकार पर हो, त सही उत्तर कोन हएत?

- (A) ई ग्रामीण परिवेशकेँ हटाकऽ बनल कृत्रिम अभ्यास अछि
- (B) लोककलाकार आ समुदायकेँ श्रेय आ सम्मान देब
- (C) ई केवल छापल ग्रंथक पन्ना-संख्या गिनबाक विधि अछि
- (D) ई केवल राजदरबारक कर-विवरण मात्र अछि

१४६. भाषिक शुद्धताक सही अर्थ की अछि?

- (A) मैथिली रूपकेँ यथासंभव मूल उच्चारण आ शब्दावली सहित राखब
- (B) ई परम्परा नहि, केवल क्षणिक बाजारू खेल अछि
- (C) ई लोकजीवनसँ पूर्णतः असंबद्ध विषय अछि
- (D) ई केवल छापल ग्रंथक पन्ना-संख्या गिनबाक विधि अछि

१४७. मैथिली लोकसाहित्यमे भाषिक शुद्धता किएक महत्त्वपूर्ण अछि?

- (A) ई केवल व्यापारिक हिसाब-किताबक नाम अछि
- (B) ई केवल राजदरबारक कर-विवरण मात्र अछि
- (C) मैथिली रूपकेँ यथासंभव मूल उच्चारण आ शब्दावली सहित राखब
- (D) ई बोली आ स्मृतिसँ अलग, निर्जीव संकेत मात्र अछि

१४८. भाषिक शुद्धता संबंधमे कोन कथन ठीक अछि?

- (A) ई केवल छापल ग्रंथक पन्ना-संख्या गिनबाक विधि अछि
- (B) मैथिली रूपकेँ यथासंभव मूल उच्चारण आ शब्दावली सहित राखब
- (C) ई लोकजीवनसँ पूर्णतः असंबद्ध विषय अछि
- (D) ई केवल राजदरबारक कर-विवरण मात्र अछि

१४९. भाषिक शुद्धता केँ चिन्हबाक मुख्य आधार की अछि?

- (A) ई केवल छापल ग्रंथक पन्ना-संख्या गिनबाक विधि अछि
- (B) ई बोली आ स्मृतिसँ अलग, निर्जीव संकेत मात्र अछि
- (C) मैथिली रूपकेँ यथासंभव मूल उच्चारण आ शब्दावली सहित राखब
- (D) ई लोकजीवनसँ पूर्णतः असंबद्ध विषय अछि

१५०. जौ प्रश्न भाषिक शुद्धता पर हो, त सही उत्तर कोन हएत?

- (A) ई गीत, कथा आ समाजसँ कोनो सम्बन्ध नहि राखैत अछि
- (B) ई सामुदायिक अनुभव नहि, केवल निजी सजावट अछि
- (C) मैथिली रूपकेँ यथासंभव मूल उच्चारण आ शब्दावली सहित राखब
- (D) ई परम्परा नहि, केवल क्षणिक बाजारू खेल अछि

१५१. लिप्यांकनक सही अर्थ की अछि?

- (A) ई परम्परा नहि, केवल क्षणिक बाजारू खेल अछि
- (B) ई सामुदायिक अनुभव नहि, केवल निजी सजावट अछि
- (C) ई ग्रामीण परिवेशकेँ हटाकऽ बनल कृत्रिम अभ्यास अछि
- (D) सुनल सामग्री केँ सावधानीसँ लिखित रूप देब

१५२. मैथिली लोकसाहित्यमे लिप्यांकन किएक महत्त्वपूर्ण अछि?

- (A) ई केवल व्यापारिक हिसाब-किताबक नाम अछि
- (B) ई गीत, कथा आ समाजसँ कोनो सम्बन्ध नहि राखैत अछि
- (C) सुनल सामग्री केँ सावधानीसँ लिखित रूप देब
- (D) ई लोकजीवनसँ पूर्णतः असंबद्ध विषय अछि

१५३. लिप्यांकन संबंधमे कोन कथन ठीक अछि?

- (A) ई परम्परा नहि, केवल क्षणिक बाजारू खेल अछि
- (B) ई केवल छापल ग्रंथक पन्ना-संख्या गिनबाक विधि अछि
- (C) ई गीत, कथा आ समाजसँ कोनो सम्बन्ध नहि राखैत अछि
- (D) सुनल सामग्री केँ सावधानीसँ लिखित रूप देब

१५४. लिप्यांकन केँ चिन्हबाक मुख्य आधार की अछि?

- (A) सुनल सामग्री केँ सावधानीसँ लिखित रूप देब
- (B) ई केवल राजदरबारक कर-विवरण मात्र अछि
- (C) ई बोली आ स्मृतिसँ अलग, निर्जीव संकेत मात्र अछि
- (D) ई केवल छापल ग्रंथक पन्ना-संख्या गिनबाक विधि अछि

१५५. जँ प्रश्न लिप्यांकन पर हो, त सही उत्तर कोन हएत?

- (A) ई केवल व्यापारिक हिसाब-किताबक नाम अछि
- (B) ई गीत, कथा आ समाजसँ कोनो सम्बन्ध नहि राखैत अछि
- (C) सुनल सामग्री केँ सावधानीसँ लिखित रूप देब
- (D) ई केवल छापल ग्रंथक पन्ना-संख्या गिनबाक विधि अछि

१५६. संपादनक सही अर्थ की अछि?

- (A) अर्थ नष्ट नहि करैत पठनीय रूपमे प्रस्तुत करब
- (B) ई बोली आ स्मृतिसँ अलग, निर्जीव संकेत मात्र अछि
- (C) ई केवल छापल ग्रंथक पन्ना-संख्या गिनबाक विधि अछि
- (D) ई सामुदायिक अनुभव नहि, केवल निजी सजावट अछि

१५७. मैथिली लोकसाहित्यमे संपादन किएक महत्त्वपूर्ण अछि?

- (A) ई केवल व्यापारिक हिसाब-किताबक नाम अछि
- (B) ई ग्रामीण परिवेशकेँ हटाकऽ बनल कृत्रिम अभ्यास अछि
- (C) ई गीत, कथा आ समाजसँ कोनो सम्बन्ध नहि राखैत अछि
- (D) अर्थ नष्ट नहि करैत पठनीय रूपमे प्रस्तुत करब

१५८. संपादन संबंधमे कोन कथन ठीक अछि?

- (A) ई केवल आधुनिक दफ्तरक नियम-पुस्तक अछि
- (B) ई केवल व्यापारिक हिसाब-किताबक नाम अछि
- (C) अर्थ नष्ट नहि करैत पठनीय रूपमे प्रस्तुत करब
- (D) ई सामुदायिक अनुभव नहि, केवल निजी सजावट अछि

१५९. संपादन केँ चिन्हबाक मुख्य आधार की अछि?

- (A) ई केवल आधुनिक दफ्तरक नियम-पुस्तक अछि
- (B) अर्थ नष्ट नहि करैत पठनीय रूपमे प्रस्तुत करब
- (C) ई लोकजीवनसँ पूर्णतः असंबद्ध विषय अछि
- (D) ई केवल व्यापारिक हिसाब-किताबक नाम अछि

१६०. जँ प्रश्न संपादन पर हो, त सही उत्तर कोन हएत?

- (A) ई परम्परा नहि, केवल क्षणिक बाजारू खेल अछि
- (B) ई केवल छापल ग्रंथक पन्ना-संख्या गिनबाक विधि अछि
- (C) ई लोकजीवनसँ पूर्णतः असंबद्ध विषय अछि
- (D) अर्थ नष्ट नहि करैत पठनीय रूपमे प्रस्तुत करब

९६१. शोध-पद्धतिक सही अर्थ की अछि?

- (A) पाठ, प्रस्तुति, प्रसंग, समाज आ इतिहासकें संग पढ़ब
- (B) ई केवल राजदरबारक कर-विवरण मात्र अछि
- (C) ई परम्परा नहि, केवल क्षणिक बाजारू खेल अछि
- (D) ई केवल आधुनिक दफ्तरक नियम-पुस्तक अछि

९६२. मैथिली लोकसाहित्यमे शोध-पद्धति किएक महत्त्वपूर्ण अछि?

- (A) ई सामुदायिक अनुभव नहि, केवल निजी सजावट अछि
- (B) ई ग्रामीण परिवेशकें हटाकऽ बनल कृत्रिम अभ्यास अछि
- (C) पाठ, प्रस्तुति, प्रसंग, समाज आ इतिहासकें संग पढ़ब
- (D) ई केवल छापल ग्रंथक पन्ना-संख्या गिनबाक विधि अछि

९६३. शोध-पद्धति संबंधमे कोन कथन ठीक अछि?

- (A) ई लोकजीवनसँ पूर्णतः असंबद्ध विषय अछि
- (B) ई परम्परा नहि, केवल क्षणिक बाजारू खेल अछि
- (C) पाठ, प्रस्तुति, प्रसंग, समाज आ इतिहासकें संग पढ़ब
- (D) ई केवल व्यापारिक हिसाब-किताबक नाम अछि

९६४. शोध-पद्धति कें चिन्हबाक मुख्य आधार की अछि?

- (A) ई गीत, कथा आ समाजसँ कोनो सम्बन्ध नहि राखैत अछि
- (B) ई बोली आ स्मृतिसँ अलग, निर्जीव संकेत मात्र अछि
- (C) पाठ, प्रस्तुति, प्रसंग, समाज आ इतिहासकें संग पढ़ब
- (D) ई केवल छापल ग्रंथक पन्ना-संख्या गिनबाक विधि अछि

९६५. जँ प्रश्न शोध-पद्धति पर हो, त सही उत्तर कोन हएत?

- (A) पाठ, प्रस्तुति, प्रसंग, समाज आ इतिहासकें संग पढ़ब
- (B) ई केवल राजदरबारक कर-विवरण मात्र अछि
- (C) ई ग्रामीण परिवेशकें हटाकऽ बनल कृत्रिम अभ्यास अछि
- (D) ई परम्परा नहि, केवल क्षणिक बाजारू खेल अछि

९६६. कलाकार-सम्मानक सही अर्थ की अछि?

- (A) ई केवल छापल ग्रंथक पन्ना-संख्या गिनबाक विधि अछि
- (B) ई बोली आ स्मृतिसँ अलग, निर्जीव संकेत मात्र अछि
- (C) ई केवल राजदरबारक कर-विवरण मात्र अछि
- (D) गेनिहार, वादक, कथावाचक आ नटुआक सामाजिक मान्यता

९६७. मैथिली लोकसाहित्यमे कलाकार-सम्मान किएक महत्त्वपूर्ण अछि?

- (A) ई ग्रामीण परिवेशकें हटाकऽ बनल कृत्रिम अभ्यास अछि
- (B) गेनिहार, वादक, कथावाचक आ नटुआक सामाजिक मान्यता
- (C) ई सामुदायिक अनुभव नहि, केवल निजी सजावट अछि
- (D) ई केवल राजदरबारक कर-विवरण मात्र अछि

९६८. कलाकार-सम्मान संबंधमे कोन कथन ठीक अछि?

- (A) ई केवल आधुनिक दफ्तरक नियम-पुस्तक अछि
- (B) ई सामुदायिक अनुभव नहि, केवल निजी सजावट अछि
- (C) ई केवल राजदरबारक कर-विवरण मात्र अछि
- (D) गेनिहार, वादक, कथावाचक आ नटुआक सामाजिक मान्यता

९६९. कलाकार-सम्मान के चिन्हों का मुख्य आधार की अछि?

- (A) ई केवल राजदरबारक कर-विवरण मात्र अछि
- (B) ई सामुदायिक अनुभव नहि, केवल निजी सजावट अछि
- (C) गेनिहार, वादक, कथावाचक आ नटुआक सामाजिक मान्यता
- (D) ई बोली आ स्मृतिसँ अलग, निर्जीव संकेत मात्र अछि

९७०. जँ प्रश्न कलाकार-सम्मान पर हो, त सही उत्तर कोन हएत?

- (A) ई सामुदायिक अनुभव नहि, केवल निजी सजावट अछि
- (B) गेनिहार, वादक, कथावाचक आ नटुआक सामाजिक मान्यता
- (C) ई केवल छापल ग्रंथक पन्ना-संख्या गिनबाक विधि अछि
- (D) ई केवल राजदरबारक कर-विवरण मात्र अछि

९७१. मंच-पुनर्जीवनक सही अर्थ की अछि?

- (A) ई ग्रामीण परिवेशकेँ हटाकऽ बनल कृत्रिम अभ्यास अछि
- (B) ई केवल आधुनिक दफ्तरक नियम-पुस्तक अछि
- (C) ई लोकजीवनसँ पूर्णतः असंबद्ध विषय अछि
- (D) मेल, विद्यालय, उत्सव आ सभामे लोकनाट्य-प्रस्तुति करायब

९७२. मैथिली लोकसाहित्यमे मंच-पुनर्जीवन किएक महत्वपूर्ण अछि?

- (A) ई केवल आधुनिक दफ्तरक नियम-पुस्तक अछि
- (B) मेल, विद्यालय, उत्सव आ सभामे लोकनाट्य-प्रस्तुति करायब
- (C) ई केवल राजदरबारक कर-विवरण मात्र अछि
- (D) ई ग्रामीण परिवेशकेँ हटाकऽ बनल कृत्रिम अभ्यास अछि

९७३. मंच-पुनर्जीवन संबंधमे कोन कथन ठीक अछि?

- (A) ई गीत, कथा आ समाजसँ कोनो सम्बन्ध नहि राखैत अछि
- (B) ई बोली आ स्मृतिसँ अलग, निर्जीव संकेत मात्र अछि
- (C) ई केवल राजदरबारक कर-विवरण मात्र अछि
- (D) मेल, विद्यालय, उत्सव आ सभामे लोकनाट्य-प्रस्तुति करायब

९७४. मंच-पुनर्जीवन केँ चिन्हों का मुख्य आधार की अछि?

- (A) ई केवल छापल ग्रंथक पन्ना-संख्या गिनबाक विधि अछि
- (B) मेल, विद्यालय, उत्सव आ सभामे लोकनाट्य-प्रस्तुति करायब
- (C) ई गीत, कथा आ समाजसँ कोनो सम्बन्ध नहि राखैत अछि
- (D) ई केवल व्यापारिक हिसाब-किताबक नाम अछि

९७५. जँ प्रश्न मंच-पुनर्जीवन पर हो, त सही उत्तर कोन हएत?

- (A) ई केवल छापल ग्रंथक पन्ना-संख्या गिनबाक विधि अछि
- (B) ई ग्रामीण परिवेशकेँ हटाकऽ बनल कृत्रिम अभ्यास अछि
- (C) ई परम्परा नहि, केवल क्षणिक बाजारू खेल अछि
- (D) मेल, विद्यालय, उत्सव आ सभामे लोकनाट्य-प्रस्तुति करायब

९७६. पीढ़ी-संक्रमणक सही अर्थ की अछि?

- (A) ई केवल आधुनिक दफ्तरक नियम-पुस्तक अछि
- (B) ई केवल व्यापारिक हिसाब-किताबक नाम अछि
- (C) बुजुर्गसँ नवपीढ़ी धरि गीत-कथा पहुँचायब
- (D) ई सामुदायिक अनुभव नहि, केवल निजी सजावट अछि

९७७. मैथिली लोकसाहित्यमे पीढ़ी-संक्रमण किएक महत्त्वपूर्ण अछि?

- (A) ई केवल राजदरबारक कर-विवरण मात्र अछि
- (B) बुजुर्गसँ नवपीढ़ी धरि गीत-कथा पहुँचायब
- (C) ई केवल आधुनिक दफ्तरक नियम-पुस्तक अछि
- (D) ई परम्परा नहि, केवल क्षणिक बाजारू खेल अछि

९७८. पीढ़ी-संक्रमण संबंधमे कोन कथन ठीक अछि?

- (A) बुजुर्गसँ नवपीढ़ी धरि गीत-कथा पहुँचायब
- (B) ई गीत, कथा आ समाजसँ कोनो सम्बन्ध नहि राखैत अछि
- (C) ई केवल आधुनिक दफ्तरक नियम-पुस्तक अछि
- (D) ई केवल राजदरबारक कर-विवरण मात्र अछि

९७९. पीढ़ी-संक्रमण केँ चिन्हबाक मुख्य आधार की अछि?

- (A) ई सामुदायिक अनुभव नहि, केवल निजी सजावट अछि
- (B) ई केवल व्यापारिक हिसाब-किताबक नाम अछि
- (C) ई बोली आ स्मृतिसँ अलग, निर्जीव संकेत मात्र अछि
- (D) बुजुर्गसँ नवपीढ़ी धरि गीत-कथा पहुँचायब

९८०. जँ प्रश्न पीढ़ी-संक्रमण पर हो, त सही उत्तर कोन हएत?

- (A) ई बोली आ स्मृतिसँ अलग, निर्जीव संकेत मात्र अछि
- (B) बुजुर्गसँ नवपीढ़ी धरि गीत-कथा पहुँचायब
- (C) ई सामुदायिक अनुभव नहि, केवल निजी सजावट अछि
- (D) ई केवल व्यापारिक हिसाब-किताबक नाम अछि

९८१. संदर्भहीन मनोरंजनक खतराक सही अर्थ की अछि?

- (A) ई केवल व्यापारिक हिसाब-किताबक नाम अछि
- (B) ई परम्परा नहि, केवल क्षणिक बाजारू खेल अछि
- (C) केवल सजावट बना देलासँ लोकसाहित्यक अर्थ घटि सकैत अछि
- (D) ई केवल आधुनिक दफ्तरक नियम-पुस्तक अछि

९८२. मैथिली लोकसाहित्यमे संदर्भहीन मनोरंजनक खतरा किएक महत्त्वपूर्ण अछि?

- (A) ई केवल व्यापारिक हिसाब-किताबक नाम अछि
- (B) ई ग्रामीण परिवेशकेँ हटाकऽ बनल कृत्रिम अभ्यास अछि
- (C) केवल सजावट बना देलासँ लोकसाहित्यक अर्थ घटि सकैत अछि
- (D) ई सामुदायिक अनुभव नहि, केवल निजी सजावट अछि

९८३. संदर्भहीन मनोरंजनक खतरा संबंधमे कोन कथन ठीक अछि?

- (A) केवल सजावट बना देलासँ लोकसाहित्यक अर्थ घटि सकैत अछि
- (B) ई लोकजीवनसँ पूर्णतः असंबद्ध विषय अछि
- (C) ई परम्परा नहि, केवल क्षणिक बाजारू खेल अछि
- (D) ई केवल आधुनिक दफ्तरक नियम-पुस्तक अछि

९८४. संदर्भहीन मनोरंजनक खतरा केँ चिन्हबाक मुख्य आधार की अछि?

- (A) ई केवल राजदरबारक कर-विवरण मात्र अछि
- (B) केवल सजावट बना देलासँ लोकसाहित्यक अर्थ घटि सकैत अछि
- (C) ई ग्रामीण परिवेशकेँ हटाकऽ बनल कृत्रिम अभ्यास अछि
- (D) ई केवल छापल ग्रंथक पन्ना-संख्या गिनबाक विधि अछि

९८५. जौ प्रश्न संदर्भहीन मनोरंजनक खतरा पर हो, त सही उत्तर कोन हएत?

- (A) केवल सजावट बना देलासँ लोकसाहित्यक अर्थ घटि सकैत अछि
- (B) ई सामुदायिक अनुभव नहि, केवल निजी सजावट अछि
- (C) ई केवल आधुनिक दफ्तरक नियम-पुस्तक अछि
- (D) ई गीत, कथा आ समाजसँ कोनो सम्बन्ध नहि राखैत अछि

९८६. नई प्रस्तुतिक सही अर्थ की अछि?

- (A) नवमाध्यममे लोकसाहित्य राखितो मूल भावक आदर करब
- (B) ई लोकजीवनसँ पूर्णतः असंबद्ध विषय अछि
- (C) ई ग्रामीण परिवेशकेँ हटाकऽ बनल कृत्रिम अभ्यास अछि
- (D) ई केवल आधुनिक दफ्तरक नियम-पुस्तक अछि

९८७. मैथिली लोकसाहित्यमे नई प्रस्तुति किएक महत्वपूर्ण अछि?

- (A) ई बोली आ स्मृतिसँ अलग, निर्जीव संकेत मात्र अछि
- (B) ई केवल राजदरबारक कर-विवरण मात्र अछि
- (C) ई ग्रामीण परिवेशकेँ हटाकऽ बनल कृत्रिम अभ्यास अछि
- (D) नवमाध्यममे लोकसाहित्य राखितो मूल भावक आदर करब

९८८. नई प्रस्तुति संबंधमे कोन कथन ठीक अछि?

- (A) ई लोकजीवनसँ पूर्णतः असंबद्ध विषय अछि
- (B) नवमाध्यममे लोकसाहित्य राखितो मूल भावक आदर करब
- (C) ई केवल छापल ग्रंथक पन्ना-संख्या गिनबाक विधि अछि
- (D) ई सामुदायिक अनुभव नहि, केवल निजी सजावट अछि

९८९. नई प्रस्तुति केँ चिन्हबाक मुख्य आधार की अछि?

- (A) ई केवल छापल ग्रंथक पन्ना-संख्या गिनबाक विधि अछि
- (B) ई गीत, कथा आ समाजसँ कोनो सम्बन्ध नहि राखैत अछि
- (C) नवमाध्यममे लोकसाहित्य राखितो मूल भावक आदर करब
- (D) ई केवल राजदरबारक कर-विवरण मात्र अछि

९९०. जौ प्रश्न नई प्रस्तुति पर हो, त सही उत्तर कोन हएत?

- (A) ई केवल व्यापारिक हिसाब-किताबक नाम अछि
- (B) नवमाध्यममे लोकसाहित्य राखितो मूल भावक आदर करब
- (C) ई ग्रामीण परिवेशकेँ हटाकऽ बनल कृत्रिम अभ्यास अछि
- (D) ई बोली आ स्मृतिसँ अलग, निर्जीव संकेत मात्र अछि

९९१. अभिलेख आ प्रदर्शनक सही अर्थ की अछि?

- (A) ई बोली आ स्मृतिसँ अलग, निर्जीव संकेत मात्र अछि
- (B) ई लोकजीवनसँ पूर्णतः असंबद्ध विषय अछि
- (C) संग्रहित सामग्री फेर समाजक बीच उपयोगमे आनब
- (D) ई केवल आधुनिक दफ्तरक नियम-पुस्तक अछि

९९२. मैथिली लोकसाहित्यमे अभिलेख आ प्रदर्शन किएक महत्वपूर्ण अछि?

- (A) ई केवल राजदरबारक कर-विवरण मात्र अछि
- (B) ई केवल व्यापारिक हिसाब-किताबक नाम अछि
- (C) संग्रहित सामग्री फेर समाजक बीच उपयोगमे आनब
- (D) ई बोली आ स्मृतिसँ अलग, निर्जीव संकेत मात्र अछि

१९३. अभिलेख आ प्रदर्शन संबंधमे कोन कथन ठीक अछि?

- (A) ई केवल व्यापारिक हिसाब-किताबक नाम अछि
- (B) संग्रहित सामग्री फेर समाजक बीच उपयोगमे आनब
- (C) ई केवल छापल ग्रंथक पन्ना-संख्या गिनबाक विधि अछि
- (D) ई ग्रामीण परिवेशकेँ हटाकऽ बनल कृत्रिम अभ्यास अछि

१९४. अभिलेख आ प्रदर्शन केँ चिन्हबाक मुख्य आधार की अछि?

- (A) संग्रहित सामग्री फेर समाजक बीच उपयोगमे आनब
- (B) ई केवल व्यापारिक हिसाब-किताबक नाम अछि
- (C) ई लोकजीवनसँ पूर्णतः असंबद्ध विषय अछि
- (D) ई केवल राजदरबारक कर-विवरण मात्र अछि

१९५. जँ प्रश्न अभिलेख आ प्रदर्शन पर हो, त सही उत्तर कोन हएत?

- (A) संग्रहित सामग्री फेर समाजक बीच उपयोगमे आनब
- (B) ई लोकजीवनसँ पूर्णतः असंबद्ध विषय अछि
- (C) ई केवल आधुनिक दफ्तरक नियम-पुस्तक अछि
- (D) ई केवल राजदरबारक कर-विवरण मात्र अछि

१९६. विदेह-दृष्टिक सही अर्थ की अछि?

- (A) ई केवल छापल ग्रंथक पन्ना-संख्या गिनबाक विधि अछि
- (B) ई बोली आ स्मृतिसँ अलग, निर्जीव संकेत मात्र अछि
- (C) उपेक्षित लोक-विधा आ लोककलाकारकेँ साहित्यिक मान्यता देब
- (D) ई परम्परा नहि, केवल क्षणिक बाजारू खेल अछि

१९७. मैथिली लोकसाहित्यमे विदेह-दृष्टि किएक महत्त्वपूर्ण अछि?

- (A) ई केवल छापल ग्रंथक पन्ना-संख्या गिनबाक विधि अछि
- (B) उपेक्षित लोक-विधा आ लोककलाकारकेँ साहित्यिक मान्यता देब
- (C) ई लोकजीवनसँ पूर्णतः असंबद्ध विषय अछि
- (D) ई केवल आधुनिक दफ्तरक नियम-पुस्तक अछि

१९८. विदेह-दृष्टि संबंधमे कोन कथन ठीक अछि?

- (A) ई गीत, कथा आ समाजसँ कोनो सम्बन्ध नहि राखैत अछि
- (B) उपेक्षित लोक-विधा आ लोककलाकारकेँ साहित्यिक मान्यता देब
- (C) ई केवल छापल ग्रंथक पन्ना-संख्या गिनबाक विधि अछि
- (D) ई सामुदायिक अनुभव नहि, केवल निजी सजावट अछि

१९९. विदेह-दृष्टि केँ चिन्हबाक मुख्य आधार की अछि?

- (A) ई सामुदायिक अनुभव नहि, केवल निजी सजावट अछि
- (B) ई लोकजीवनसँ पूर्णतः असंबद्ध विषय अछि
- (C) ई परम्परा नहि, केवल क्षणिक बाजारू खेल अछि
- (D) उपेक्षित लोक-विधा आ लोककलाकारकेँ साहित्यिक मान्यता देब

१०००. जँ प्रश्न विदेह-दृष्टि पर हो, त सही उत्तर कोन हएत?

- (A) ई बोली आ स्मृतिसँ अलग, निर्जीव संकेत मात्र अछि
- (B) ई केवल राजदरबारक कर-विवरण मात्र अछि
- (C) उपेक्षित लोक-विधा आ लोककलाकारकेँ साहित्यिक मान्यता देब
- (D) ई सामुदायिक अनुभव नहि, केवल निजी सजावट अछि

- [illegible]

- [illegible]

- [illegible]

- [illegible]

- [illegible]

- [illegible]

- [illegible]

- 289

- [illegible]

- [illegible]

- [illegible]

- [illegible]

- [illegible]

- 295

- 296

- [illegible]

- 298

- [illegible]

- [illegible]

- [illegible]

- [illegible]

७९०. (C) सामाजिक कमी पर छोट, तीख आ हास्यमय टिप्पणी — व्यंग्य-उक्ति लोक-आलोचनाक सशक्त रूप अछि।

- [illegible]

- [illegible]

- 306

- [illegible]

